हिन्दी कोष

संग्रह किया हुआ

पादरी आदम साहिबका।

A DICTIONARY

OF

THE HINDEE LANGUAGE,

COMPILED BY

REV. M. T. ADAM.

Calcutta:

PRINTED AT THE SCHOOL-BOOK SOCIETY'S PRESS;

AND SOLD AT THE DEPOSITORY, AND BY J. J. FLEURY, COSSITOLLAH.

1829.

500 Copies.] [Jan. 1830

60-1- ~~60-1~~

Green Library

LIBRARY
OF THE
Theological Seminary,
PRINCETON, N. J.

Case, ... Division PK1997
Shelf, ... Section A19
Book, ... ~~No.~~ ....

Presented to the Theo. Seminary by the author.

हिन्दी कोष

संग्रह किया हुआ

पादरी आदम साहिबका।

A DICTIONARY

OF

THE HINDEE LANGUAGE,

COMPILED BY

REV. M. T. ADAM.

Calcutta:

PRINTED AT THE SCHOOL-BOOK SOCIETY'S PRESS;

AND SOLD AT THE DEPOSITORY, AND BY J. J. FLEURY, COSSITOLLAH.

1829.

समाचार।

कई एक शब्द जो कोषमें सङ्क्षेपसे लिखे गये हैं।

सं.	=	संज्ञा।
पुं.	=	पुंलिङ्ग।
स्त्री.	=	स्त्रीलिङ्ग।
गु.	=	गुणवाचक।
सर्व.	=	सर्वनाम वाचक।
अक. क्रि.	=	अकर्मक क्रिया।
स. क्रि.	=	सकर्मक क्रिया।
अ.	=	अव्यय।

हिन्दवी भाषाका कोष।

अ, देवनागरी वर्णमाला के स्वर वर्णोंमेंका प्रथमाक्षर; जिस शब्द-के आगे इसका सम्बन्ध रहै उस-का अर्थ उलटा होय; जैसा अस-मर्थ, अर्थात् समर्थ नहीं। और स्वरादि शब्दके पहिले जो आवे तब अन हो जाय; जैसे अनन्त।

अंकना, अक. क्रि. अङ्कना।

अंकवार, सं. स्त्री. गोदी, कोला।

अंकुस, सं. पुं. अङ्कुश।

अंगरखा, सं. पुं. पहननेका एक प्रकार का कपडा।

अंगीकार, सं. पुं. स्वीकार।

अंगीठी, सं. स्त्री. पात्र जिसमें आग रखेते हैं।

अंगुरी, सं. स्त्री. अङ्गुली।

अंगूठा, सं. पुं. अङ्गुष्ठ।

अंगूठी, सं. स्त्री. अंगुली में पहनेका गहना।

अंगोछा, सं. पुं. शरीर पोंछनेका वस्त्र।

अंत, सं. पुं. अन्त।

अंतर, अ. अन्तर।

अंतरगति, सं. स्त्री. अन्तरगति।

अंतरिक्ष, अंतरीक्ष, } सं. पुं. अन्तरीक्ष।

अंतर्जामी, गु. अन्तर्जामी।

अंतर्धान, सं. अन्तर्द्धान।

अंतर्पट, अंतरपट, } सं. पुं. अन्तर्पट।

अंधाकुआ, अंधाकूप, } सं. पुं. कूआ जो झाड इत्यादिसे भरगया।

अंधेर, सं. पुं. अन्याय, उपद्रव।

अंधेरा, गु. अन्धकार।

अंब, सं. पुं. आम।

अंबर, सं. पुं. वस्त्र, आकाश।

अंबारी, सं. स्त्री. छचका, अर्थात् हौद।

अंश, सं. पुं. भाग, ६० कोसका एक अंश।

अंशी, गु. पुं. स्त्री. भागी, अर्थात् भागका अधिकारी।

अंस, सं. पुं. अंश।

अऊत, सं. पुं. निर्वंशी; अन-ब्याहा।

अकथ, अकथ्य } गु. जो कहनेके योग्य नहीं है; अथवा वर्णन रहित।

अकर्कश, गु. कोमल।

अकर्म, सं. पुं. अपराध, कुकर्म।
अकवार, सं. स्त्री. अंकवार।
अकर्मक, गु. धातु जो कर्म रहित है।
अकर्मण्य, गु. निकम्मा।
अकल्याण, गु. कल्याण रहित, अमङ्गल।
अकस्मात्, अ. अचानक, निमित्त रहित।
अकाम, } गु. व्यर्थ, निष्फल।
अकारथ,
अकाल, सं. पुं. दुर्भिक्ष, असमय।
अकालफल, सं. पुं. एक ऋतुका फल जो दूसरे ऋतु में होय।
अकिंचन, गु. कङ्गाल, दरिद्री।
अकुलाना, कर्म. क्रि. व्याकुल होना।
अकुलीना, गु. कुलहीन, नीच।
* अक्रूर, गु. जिस्का अन्तःकरण कोमल है।
अखण्ड, गु. संपूर्ण, समस्त।
अखल, गु. अखिल।
अखाडा, } सं. पुं. जिस स्थान में मल्लयुद्ध होय; अङ्गनाई।
अखारा,
अखिल, गु. समस्त, सारा।
अखेटक्ष, सं. पुं. अक्षोटक्ष।
अख्याति, सं. स्त्री. अपयश, अयश।
अगम, } गु. जो जानेके योग्य नहीं है, जो बूझनेके योग्य नहीं है।
अगम्य,
* अगस्ति, सं. पुं. वृक्षविशेष।
अगहन्, सं. पुं. नवें महीनेका नाम।
अगाऊजाना, स. क्रि. भेंट कर्नेके लिये आगे जाना।

अगाध, गु. अथाह, अत्यन्तगम्भीर।
अगुआ, सं. पुं. मार्ग दिखानेवाला, सँदेसी।
अगुरु, सं. पुं. सुगन्धित काष्ठ विशेष, हलका।
अगोचर, गु. अदृश्य, अलख।
अगोरना, स. क्रि. चौकीदेना।
अगौनीकर्ना, सं. क्रि. दुलहेके भेंट के लिये आगे जाना।
अग्नि, सं. पुं. आग, अगुआ।
अग्निसंस्कार, सं. पुं. दाह देना, अर्थात् मृतकको जलाना, वा उन्के निमित्त क्रियाविशेष।
अग्र, गु. सं. पुं. मुख्य; पहिलाभाग।
अग्रसर, पुं. अगुआ।
अघ, सं. पुं. पाप, दोष।
अघाना, अक. क्रि. अफर्ना। गु. सन्तुष्ट, धनी।
अघोर, गु. पुं. भयानक।
अघोरपन्थ, सं. पुं. हिन्दु लोगके बीच में एक धर्म विशेष।
अघोरपन्थी, } सं. पुं. जो अघोरके मार्ग में चले, मलादिसंयुक्त सर्वभक्षी।
अघोरी,
अङ्क, सं. पुं. चिह्न; गिनतीका अक्षर, नव।
अङ्कना, अक. क्रि. मोल ठहना, परीक्षित होना।
अङ्काना, स. क्रि. मोल ठहराना, परखना, जाँचना।
अङ्कित्, गु. चिह्नित, परीक्षित।
अङ्कुर, सं. पुं. बीजको धरती में बोनेसे जो प्रथम निकसे।

अङ्कुश, सं. पुं. आँकडी जिसे महावत हाथीको हलाता है।
अङ्ग, सं. पुं. अवयव, देह।
अङ्गना, सं. पुं. आँगन, चौक।
अङ्गुली, सं. स्त्री. हाथका अङ्ग।
अङ्गूठा, सं. पुं. अङ्गुष्ठ।
अङ्गूठी, सं. स्त्री. मुन्दरी।
अङ्गेठी, सं. स्त्री. अंगीठी।
अचंभा, } सं. पुं. आश्चर्य्य।
अचम्भा,
अचरज,
अचल, गु. जिन्को चलनेको सामर्थ नही है। सं. पुं. पर्वतादि।
अचला, सं. स्त्री. पृथ्वी।
* अचानक्, अ. अकस्मात्।
अचानचक, अ. अकस्मात्।
अचाना, स. क्रि. भोजन करके मुख धोना।
अचार, सं. पुं. आचार, आम्रादि को तेल और मसाले में मिलाके जो बनता है।
अचिन्त, } गु. चिन्तारहित, मूर्छित, निर्बुद्धि।
अचेत,
* अच्युत, गु. स्थिर।
अच्छत, सं. पुं. अक्षत।
अछतानापछताना, अक. क्रि. पछताना।
अच्छा, गु. भला।
अज, अ. आज, अब। सं. पुं. बकरा।
अजगर, सं. पुं. बडा साँप।
अजगुत, गु. अद्भुत।
अजय, गु. जय रहित।
अजर, गु. जरारहित अर्थात् जो बूढा नहीं होवे, सदा यौवन रहे।
अजहूं, अ. आजभी, अभी।
अजा, सं. स्त्री. बकरी, माया।
* अजान्, गु. अज्ञान।
अजिन, सं. पुं. सिंह इत्यादिका चर्म्म जिसपर ब्रह्मचारीत्यादि बैठते हैं।
अजीत्, गु. जिसको कोई जीत न सके।
अजीर्ण, सं. पुं. अपच, बाई।
अज्ञ, गु. मूर्ख, अजान।
अज्ञात, गु. अनजान।
अज्ञान, गु. ज्ञानहीन, मूर्ख।
अज्ञानता, सं. स्त्री. मूर्खता।
अञ्चल, सं. पुं. अंचला, वस्त्रका अन्त।
अञ्जन, सं. पुं. काजल, सुरमा, जो आंखमें लगाते हैं।
अञ्जलि, सं. पुं. दोनो हाथका सम्पुट।
अटक, सं. स्त्री. रोक, प्रतिबन्ध।
अटकना, अक. क्रि. रुकना, लगना।
अटकल, सं. स्त्री. अनुमान, प्रमाण।
अटकलना, स. क्रि. ताडना, बूझना।
अटका, सं. पुं. श्रीजगन्नाथ में प्रसादके पाक करनेका पात्र।
अटकाना, सं. क्रि. रोकना; ठहराना।
अटकाव, स. पुं. रोक, प्रतिबन्ध।
अटखेल, गु. खिलाड, चञ्चल।
अटखेली, सं. स्त्री. खिलाडपन, चञ्चलाहट्।

अटन, सं. पुं. ऊपरकी कोठरी।
अटना, अक. क्रि. समाना, भर्जाना।
अटल, गु. दृढ, अचल, जो टले-
नहीं।
अटपटी, गु. असोच, अनरीति।
अटा, } सं. स्त्री. ऊपर की
अटारी, } कोठरी।
अटाला, सं. पुं. ढेर, सामग्री।
अटूट, गु. जो टूट नहीं सके।
अटेक, गु. जो टेक रहित है।
अटेरन, सं. पुं. फेंटी; चरखी,
घोडेका चक्कर देनेका स्थान।
अटेरना, स. क्रि. फेंटी बनाना,
घोडेके चक्कर देना।
अटोक, गु. टोक रहित, अछेड।
अट्टालिका, सं. स्त्री. अटारी।
अठतालीस, गु. चालिस और
आठ।
अठतीस, गु. तीस और आठ।
अठवारा, सं. पुं. आठवां दिन,
सप्ताह।
अठसठ, गु. साठ और आठ।
अठहत्तर, गु. सत्तर और आठ।
अठाईस, गु. बीस और आठ।
अठानवे, गु. नव्वे और आठ।
अठारह, गु. दस और आठ।
अठावन, गु. पचास और आठ।
अठासी, गु. अस्सी और आठ।
अठेल, गु. जो ठेला नहीं जाय।
अड, सं. स्त्री. झगडा, विरोध, हठ।
अडङ्ग, सं. पुं. मण्डी, अर्थात् दिसा
वर की वस्तुका उतार।
अडना, अक. क्रि. रुकना।

अडूसा, पुं. बांसा, अर्थात् औषधि
विशेष।
अडोल, गु. डोल रहित, अटल।
अणि, सं. पुं. सोनी, अनी।
अणिमा, सं. पुं. अन्तर्द्धान होने-
की शक्ति।
अणु, सं. पुं. अत्यन्त सूक्ष्म वस्तु।
अण्ड, सं. पुं. अण्डा, आँड।
अण्डकोष, सं. पुं. बाद खाय,
आँड।
अण्डज, गु. जो अण्डसे उत्पन्न हो-
ते हैं, पक्षी सर्पादि।
अतल, सं. पुं. सात पाताल में से
एक पाताल।
अतलस्पर्श, गु. अगाध, अथाह।
अति, अ. अधिक; जिस शब्द के
आगे इसका योग होय उसका अर्थ
अधिक होय, जैसा अति परिचय
अर्थात् बहुत मेल।
अतिकाल, सं. पुं. अबेर।
अतिथ, } सं. पुं. यात्री, पाहुन,
अतिथि, } सन्यासी।
अतिपराक्रम, सं. पुं. बडा प्रताप।
अतिपान, सं. पुं. अधिक मद्यका
पीना।
अतिरिक्त, गु. अधिक, अतिशय।
अतिविकट, गु. बहुत दुर्गम जिस
हाथी में औगुन होय।
अतिवक्ता, गु. बकी, जो बहुत् बक
बक करे।
अतिव्याप्ति, सं. स्त्री. अलक्ष्य में
लक्षणका गमन।
अतिशय, अ. गु. अत्यन्त, अधिक।

अतिप्रीत, गु. जिस्में बज्जत प्रीत है।
अतिसार, सं. पुं. पेटोखा, सङ्ग्रहणी।
अतीत, गु. जो हो चुका, व्यतीत।
अतीस, सं. पुं. औषध विशेष।
अतीसार, सं. पुं. अतिसार।
अतुल, अतोल, गु. जो तौला नहीं गया, वा जो तौलनेके योग्य नहीं।
अत्यन्त, गु. अतिशय, वा अधिक।
अत्यावश्यक, गु. जिस्के बिना किसी प्रकार से नहीं निबाह होय।
अत्र, अ. यहां, इहां, इस ठौर।
अथ, अ. अनन्तर, आरम्भ, उपरान्त।
अथवा, अ. प्रकारान्तर, किं वा।
अथाई, सं. स्त्री. स्थान जिस में लोग बात चीत और खेल कूदके लिये एकट्ठा होवें।
अथाह, गु. गम्भीर, अगाध; सं. पुं. खोह, गहरा।
अदत्त, गु. जो नही दिया गया।
अदत्ता, गु. स्त्री. अविवाहिता।
अदर्शन, सं. पुं. दर्शनाभाव. गु. लुप्त, अगोचर।
अदवायन, सं. स्त्री. पांयतोकी रस्सी।
अदाता, अदानी, गु. लोचड, अनदेनवा।
अदिष्ट, सं. पुं. विपत्ति।
अदृश्य, गु. जा देखा नहीं जाय, अगोचर।
अद्धी, सं. स्त्री. दमडी का आधा।
अद्भुत, गु. आश्चर्य. अनोखा।
अद्वितीय, अद्वैत, गु. जिस्के समान दूसरा नहीं, एकता।
अध, अ. जिस शब्दके प्रथम में यह संयुक्त होवे उस्का आधा अर्थ कर देता है। जैसे अधकर वा अधमूआ इत्यादि।
अध, अ. नीचे।
अधकपाली, सं. स्त्री. अधीसीसी, अर्थात् आधे सिर की पीडा।
अधबर, अ. आधीदूर अर्थात् मध्य।
अधम, गु. नीच, कुत्सित. निकृष्ट।
अधमाधम, गु. अति नीच।
अधन, अधनी, गु. धनहीन, अर्थात् कङ्गाल।
अधर, सं. पुं. नीचेका होठ, ओष्ठ, अन्तर। गु. मध्य।
अधरामृत, सं. पुं. ओष्ठोंमें का अमृत।
अधर्म, सं. पुं. पाप, अन्धेर, अन्याय।
अधर्मी, गु. पापी, अन्यायी।
अधिक, गु. बज्जत, ढेर।
अधिकरण, सं. पुं. कारक विशेष।
अधिकाई, सं. स्त्री. बढ़ती, सरसाई।
अधिकाना, स. क्रि. अधिक कर्ना, बढ़ाना।
अधिकार, सं. पुं. योग्यता, स्वामित्व, राज्य, बपौती।
अधिकारी, गु. सं. योग्य; स्वामी, पुजारी; पण्डा।
अधिष्ठात, सं. पुं. नियुक्त, देखवया, जांचनहार।

अधिप, सं. पुं. राजा, स्वामी, जो न्यायसे प्रजाका पालन करे।
अधिमास, सं. पुं. लौंद, मलमास।
अधियाना, स. क्रि. आधा करना।
अधिराज, सं. पुं. महाराज, राजाधिराज।
अधीन, गु. वशीभूत, आज्ञाकारी।
अधीनता, सं. स्त्री. अधिनता।
अधीर, गु. उतावला, चञ्चल।
अधीरता, सं. स्त्री. उतावली, चञ्चलाहट्।
अधूरा, गु. अधबना, अनबना।
अधेड, गु. जिस्की आधी आयुर्दा व्यतीत ऊई।
अधेला, सं. पुं. पैसेका आधा।
अधेली, सं. स्त्री. रुपये वा मोहर का आधा।
अधोमुख, गु. औंधा ऊआ अर्थात् सिर नीचे उलटके पैर ऊपर करकर्के, औंधे मुह।
अध्यक्ष, सं. पुं. स्वामी, अधिकृत, प्रधान।
अध्ययन, सं. पुं. पाठ पढना।
अध्यापक, सं. पुं. पाठ पढनेहारा, शिक्षक।
अध्यापन, सं. पुं. पाठ पढाना।
अध्याय, सं. पुं. पाठ, पर्व।
अनखाना, अक. क्रि. क्रोधित होना, चिडचिडा होना।
अनगढ, अनगढा, पुं. अनगढी, स्त्री. } गु. अनबना, अनसीखा।
अनगणित, गु. जो गिना नहीं, जो गिना नहीं जाय।
अनघ, गु. निष्पाप।
अनजाना, गु. अनपहिचान, निर्बुद्धि।
अनट, सं. स्त्री. गांठ।
अनत, अ. अन्यत्र।
अनदेखा, गु. अलख, अदृश्य।
अनधन, सं. पुं. संपत, वा लक्ष्मी अर्थात् अन्ननामा लक्ष्मी।
* अनन्त, गु. जिस्का अन्त नहीं, सनातन; सूत्र जिस में चौदह गांठ देके भादों शुदी चौदसके दिन हिन्दुलोग उस्की पूजा कर्के बांह पर धारण कर्ते हैं।
अनन्तर, सं. पुं. अत्यन्त, समीप, अव्यवहित, पीछे, दूसरा।
अनपढा, गु. अनसीखा, अज्ञानी।
अन्पानी, सं. पुं. भोजन और जल।
अनबझ, गु. जो समझा नहीं जाय।
अनमना, गु. घाबरा, सोची, भावित।
अनमोल, गु. जिस्का मोल नहीं, अर्थात जो बऊत अपूर्व है।
अनरस, सं. पुं. मित्रों में अनबनाव्।
अनरीति, सं. स्त्री. कुचाल, असन्मान, अनादर।
अनर्गल, गु. निर्बाध, स्वेच्छक।
अनर्थ, गु. व्यर्थ, अर्थहीन, अनुचित।
अनर्थक, गु. निष्प्रयोजन, निष्कारण।
अनल, सं. पुं. अग्नि, आग।
अनवकाश, सं. पुं. अवकाश रहित।

अनवट, सं. पुं. छल्ला जो स्त्रीलोग पैरके अँगूठे में पहन्ती हैं।
अनशन, सं. पुं. उपवास, लङ्घन।
अनसीखा, गु. अनपढा, अज्ञानी।
अनसुनीकर्ना, अक. क्रि. आनाकानी कर्ना।
अनहित, गु. बेहरहित, शत्रु. सं. शत्रुता।
अनहोना, गु. असम्भव।
अनाचार, सं. पुं. कुकर्म्म, कुचाल।
अनाज, सं. पुं. अन्न।
अनाडी, गु. भदेसल, निर्गुणी, नौसिख।
अनाथ, गु. जिस्का रक्षक अथवा स्वामी नहीं है, जैसे विधवा।
अनादर, सं. पुं. अपमान, तिरस्कार।
अनादि, गु. जिस्का आदि नहीं।
अनायास, सं. पुं. यत्न विना।
अनित्य, गु. विनाशी।
अनिर्वचनीय, } गु. जो कहनेके योग्य
अनिर्वाच्य, } नहीं है।
अनिल, सं. पुं. पवन, वायु।
अनिष्ट, गु. अप्रिय, अरुचि।
अनी, सं. स्त्री. अणि, मोनी अर्थात् बरछी और तीरके फलका अन्त अर्थात् नोक।
अनीति. सं. स्त्री. कुचाल, अन्याय।
अनु. अ. यह जिस् शब्दके प्रथम में संयुक्त होवे उस्का अर्थ कभी पनः कभी सादृश्य कभी निषेध कभी सङ्ग है।
अनुकम्पा, सं. स्त्री. कृपा, दया।
अनुकूल. सं. पुं. सहाय।
अनुक्त, गु. उक्त जो नहीं; सं. पुं. दृष्टान्त।
अनुक्रम, सं. पुं. परिपाटी, रीति।
अनुखाल, सं. पुं. किसी नदीका एक भाग किसी देशमें थोडीदूर प्रविष्ट होवे परन्तु भेद न करे तिस्का नाम अनुखाल, अर्थात् छोटा खाल है।
अनुग, गु. जो पीछे चलता है, अर्थात् सेवक वा सेवकी।
अनुगत, सं. पुं. आश्रित।
अनुग्रह, सं. पुं. कृपा, दया।
अनुचर, सं. पुं. साथी, सहचर, दास।
अनुचित, गु. अयोग्य।
अनुज, सं. पुं. छोटा भाई; गु. छोटा।
अनुज्ञा, सं. स्त्री. आज्ञा, अनुमति।
अनुतारा, सं. पुं. तारेके पीछेका तारा।
अनुत्तर, गु. उत्तरहीन; महत्‌जन, श्रेष्ठ।
अनुदिन, सं. पुं. प्रतिदिन।
अनुपल, सं. पुं. पलका साठवां अंश।
अनुपस्थित, गु. जो उपस्थित न होय।
अनुपान, सं. पुं. औषधके साथ और जो कुछ मिलायके पीते है।
अनुप्रास, सं. पुं. समान जातिके वर्णोंसे रचित पद समूह।
अनुभव, सं. पुं. मानसज्ञान, अटकल, विचार, ध्यान।

अनुभूत, गु. बीती, जो मनसे जाना गया है।
अनुमति, सं. स्त्री. अनुज्ञा, आज्ञा।
अनुमरण, सं. पुं. पृथक् चितामें विधि पूर्वक शरीर का दहन, सती।
अनुमान, सं. पुं. युक्तिसे जो निश्चय होवे।
अनुराग, सं. पुं. प्रीति, स्नेह।
अनुराधा, सं. स्त्री. सत्रहवाँ नक्षत्र।
अनुरूप, गु. सदृश, समान।
अनुरोध, सं. पुं. अपेक्षा, उपकार।
अनुसरना, अक. क्रि. पीछे चलना वा आना।
अनुसार, अ. सदृश, अनुपदे।
अनुस्वार, सं. पुं. बिन्दु जो अक्षरके साथे पद देते हैं सानुनासिक उच्चारण के लिये।
अनूठा, गु. अपूर्व, निराला, नया।
अनूप, } गु. उपमा रहित अर्थात्
अनूपमा, } सबसे भला, एकता।
अनृत, सं. पुं. झूठ, मिथ्या।
अनेक, गु. एक भिन्न, अर्थात् बहुत, ढेर।
अन्त, सं. पुं. समाप्ति, शेष भाग, सीमा; अ. निदान।
अन्तःकरण, सं. पुं. मन, बुद्धि, चित्त।
अन्तःपाती, गु. अन्तर्गत।
अन्तःपुर, सं. पुं. कोठरी जिसमें रानी वा और स्त्री रहती हैं।
अन्तकाल, सं. पुं. मरनेका समय।
अन्तडी, सं. स्त्री. आँत।
अन्तर, अ. बीच, मध्य। सं. पुं. समयभेद, हृदय.
अन्तरङ्ग, सं. पुं. आत्मीय, अपना।
अन्तरा, सं. पुं. गीतका पहिला श्लोकको छोडके जो और है। अ. मध्य, बाहर।
अन्तरापत्य, सं. पुं. गर्भ।
अन्तरिया, सं. पुं. तिजारी, ज्वर विशेष।
अन्तरीप, सं. पुं. देशसे मिला हुआ जो किञ्चित् स्थान जलके बीच वर्त्तमान है अर्थात् जलमें डूबा नहीं उसका नाम अन्तरीप।
अन्तरिक्ष, } सं. पुं. आकाश, गगन।
अन्तरीक्ष, }
अन्तर्गति, सं. स्त्री. मनकी जो तरङ्ग हैं; गु. भूलित, बीच।
अन्तर्जामी. गु. अन्तर्यामी।
अन्तर्द्धान, वा ध्यान, सं. पुं. प्रत्यक्ष होके अप्रत्यक्ष होना। अर्थात् गुप्त होना।
अन्तर्पट, सं. पुं. ओट, आड।
अन्तर्भूत. गु. जो मध्यमें स्थापित हैं।
अन्तर्यामी. गु. जो अन्तःकरण की बातोंको पहिचाने।
अन्तिम, } गु. जो अन्तर में होय,
अन्त्य, } अन्तका।
अन्त्यज, सं. पुं. शूद्र, नीचजाति।
अन्ध, गु. नेत्रहीन, अन्धा।
अन्धकार, सं. पुं. अंधेरा।
अन्धला, } गु. नेत्रहीन।
अन्धा, }
अन्धियारा, गु. अन्धेरा।

अन्धेर, सं. पुं. अन्याय, उपद्रव।
अन्धेरा, गु. अन्धियारा।
अन्न, सं. पुं. पक्क ओदनादि, अनाज।
अन्नकूट, सं. पुं. हिन्दु लोगोंमें जो तेवहार दिवाली के दूसरे दिन होता है।
अन्नप्राशन, सं. पुं. बालकों को छठे महीने में पहिलीबार खीर चढाना।
अन्धला, } गु. नेत्रहीन।
अन्धा,
अन्ना, सं. पुं. दाया।
अन्नी, सं. स्त्री. दाई।
अन्य, गु. दूसरा, और, भिन्न।
अन्यत्र, अ. और कहीं।
अन्यथा, अ. और प्रकार, प्रकारान्तर; अशुद्ध।
अन्यथाचरण, स. पुं. उलटा व्यवहार।
अन्यथासिद्धि, सं. स्त्री और प्रकार से ठहराना।
अन्याय, सं. पुं. अन्याव, अन्धेर, उपद्रव।
अन्याय्य, } गु. अयोग्य, अधर्मी।
अन्यायी,
अन्योन्य, गु. परस्पर।
अन्वय, सं. पुं. एकका एकके साथ सम्बन्ध; कुल।
अन्वित, गु. संयुक्त।
अन्वेषण, सं. पुं. अनुसन्धान, खोज।
अप, अ. जिस शब्दके प्रथम में यह संयुक्त होय तो उसका अर्थ कु, निषिद्धता, विरुद्धता, भिन्नता, इत्यादि है।

अपकर्म, सं. पुं. कुकर्म।
अपकार, सं. पुं. अनिष्ट, बिगाड, द्वेष।
अपकृष्ट, गु. अधम, न्यून, छोटा।
अपक्क, गु. जो नहीं पाक।
अपचय, सं. पुं. टोटा, घाटा, घटी, क्षति।
अपजस, सं. पुं. कलङ्क, अपमान।
अपटु, गु. जो काम कर्नेमें प्रवीण नहीं।
अपति, सं. स्त्री. अनादर, अपमान।
अपत्य, सं. पुं. सन्तान।
अपथ, सं. पुं. कुमार्ग, मार्ग रहित।
अपथ्य, गु. जिसके खानेसे रोग बढे, अर्थात् जठराग्नि जिसको न पचा सके।
अपना, सर्व. निजका, स्व।
अपनायत, सं. स्त्री. घराना, कुटुम्ब।
अपबस, गु. स्वाधीन, स्वतन्त्र।
अपभाषा, सं. स्त्री. गँवारी बोली, वा यवनादिकों की बोली।
अपभ्रंश, सं. पुं. अपशब्द अशुद्ध शब्द।
अपमान, सं. पुं. अनादर, तिरस्कार।
अपमानी, गु. जो अपमान के योग्य है।
अपमृत्यु, सं. अनमौत, रोगबिना मरना।
अपर, गु. दूसरा, अन्य, विरुद्ध।
अपरंपार, गु. जिसका पार नहीं है, अनन्त।
अपराजय, सं. पुं. पराभव हीन।
*अपराजित, गु. जो जीता नहीं जाय।
* अपराजिता, सं. स्त्री. पुष्प विशेष, जिसको विष्णुक्रान्ता, वा कौवा ठोंठो कहते हैं।

अपराध, सं. पुं. दोष, घात, पाप, अधर्म।
अपराधी, गु. पापी, अधर्मी।
अपराह्न, सं. पुं. तीसरा प्रहर।
अपरिमित, गु. जो मापा नहीं गया।
अपलक्षण, सं. पुं. अपशकुन।
अपवर्ग, सं. पुं. मुक्ति।
अपवाद, सं. पुं. निन्दा, उलहना।
अपवादी, गु. अर्थी, जो अपवाद कर्ता है।
अपवित्र, गु. अशुद्ध, छुतहरा।
अपवित्रता, सं. स्त्री. अशुद्धता, छूत।
अपशकुन, सं. पुं. शकुन जो बुरा है।
अपशब्द, सं. पुं. शब्द जो अशुद्ध है, पाद।
अपसव्य, गु. दहिना भाग, विरुद्ध।
अपस्मार, सं. पुं. रोग विशेष जिसको मिर्गी कहते हैं।
अपहरण, सं. पुं. हरलेना, लूट्।
अपहर्त्ता, सं. पुं. चोर।
अपह्नव, सं. पुं. छिपाव्, नकार।
अपक्ष, गु. पक्ष रहित।
अपाक, गु. जो पका नहीं हैं।
अपाङ्ग, सं. पुं. नेत्रका अन्त भाग।
अपात्र, गु. अयोग्य।
अपादान, सं. पुं. पञ्चमी कारक।
अपान, सं. पुं. गुदा, नीचेकी वायु, पाद।
अपाप, गु. पापहीन।
अपार, गु. जिसका पारावार नहीं है, अनन्त।
अपावन, ग. अशुद्ध कर्ना।
अपुत्र, } गु. निर्वंश, कुपूत।
अपूत, }
अपूर्व, गु. जो पहिले कभी नहीं देखा, उत्तम।
अपेय, गु. जो पीनेके योग्य नहीं है।
अपेक्षक, सं. पुं. अपेक्षा कर्नेहारा।
अपेक्षा, सं. स्त्री. अनुरोध, आशा, भरोसा।
अपेक्षित, गु. आश्रित।
अपौरुष, गु. जो मनुष्यके साध्य नहीं है, स्वत।
अप्रकाश, सं. पुं. अँधेरा; जो प्रगट नहीं अर्थात् गुप्त है।
अप्रतीत, गु. प्रतीत रहित अर्थात् विश्वास के योग्य नहीं।
अप्रत्यय, सं. पुं. अविश्वास।
अप्रत्यक्ष, गु. अदृष्ट, जो देखा नहीं जाय।
अप्रधान, गु. गौण, मुख्य नहीं।
अप्रमाण, गु. प्रमाण रहित, असत्य।
अप्रसन्न, गु. जो प्रसन्न नहीं है; गदला।
अप्रसिद्ध, गु. जिसे कोई नहीं जाने, गुप्त।
अप्रिय, गु. अहित, जो प्रिय नहीं है।
अफरना, अक. क्रि. अधिक भोजन कर्ने से पेट फूलना, बहुत धनवान होना।
अफराना, स. क्रि. अधिक भोजन कराने से पेट फूलना, किसीको इतना धन देना कि जिससे वुह सन्तुष्ट होवे।
अफल, गु. निष्फल, व्यर्थ।

अब, अ. इस समय, इदानी।
अबधूत, पुं. } सं. जोगि विशेष
अबधूतनी, स्त्री } जो शिवके पूजारी है।
अबनी, सं. स्त्री. पृथ्वी।
अबल, गु. निर्बल।
अबला, गु. स्त्री. बलहीना। सं. नारी।
अबली, सं. स्त्री. पाँती पंक्ति, श्रेणी।
अबस, गु. निर्बल, वशहीन।
अबाक, गु. गूंगा, मूक, मौनी।
अबिनाशी, गु. अविनाशी।
अबेर, सं. स्त्री. बिलम्ब, ढील।
* अब्ज, सं. पुं. कमल, शंख, वृक्ष-विशेष।
अब्धि, सं. पुं. समुद्र।
अभक्त, सं. स्त्री. भक्तिहीन।
अभय, गु. निर्भय, निडर।
अभरण, सं. पुं. आभूषण।
अभरम, गु. पतहीन।
अभाग, सं. पुं. विपत्ति, दुर्गति।
अभागा, पुं. } गु. भाग्यहीन, नि-
अभागी, स्त्री. } ष्पत्त।
अभार, गु. हलका।
अभाव, सं. पुं. अविद्यमान, नाश, मृत्यु।
अभि, अ. यह जिस शब्दके प्रथम में संयुक्त होय उस्का अर्थ यथा, आगे, प्रत्येक इत्यादि होता है।
अभिचार, सं. पुं. मन्त्र जिस्से बध किया जाता है।
अभिजित, सं. पुं. मुहूर्त्त विशेष; एक्कीसवां नक्षत्र।
अभिधान, सं. पुं. नाम; कोष।
अभिनव, गु. नवीन, नूतन, नया।
अभिप्राय, सं. पुं. आशय; अर्थ, कारण।
अभिभूत, गु. पराजित, बलहीन।
अभिमत, सं. पुं. सम्मत।
अभिमान, सं. पुं. अहङ्कार, मद।
अभिमानी, } गु. अहङ्कारी।
अभिमान्य, }
अभिमुख, गु. सम्मुख, साम्हे, वर्त्तमान।
अभिलाष, } सं. स्त्री. वाञ्छा, मनो-
अभिलाषा, } रथ।
अभिवाद, सं. पुं. दुर्वचन।
अभिवादन, सं. पुं. चरण ग्रहण पूर्वक नमस्कार।
अभिषिक्त, गु. जिस्का अभिषेक भया है।
अभिषेक, सं. पुं. शान्तिस्नान, पद की प्राप्तिके लिये पहिली क्रिया विशेष।
अभी, अ. इसी समय।
अभीप्सित, } गु. प्रिय, वाञ्छित।
अभीष्ट, }
अभेद, } गु. ऐक्य, परस्पर सम्ब-
अभेव, } न्ध; प्रघठ।
अभ्यास, सं. पुं. साधन, चिन्तन।
अभ्र, सं. पुं. आकाश, मेघ।
अभ्रक, सं. पुं. अबरक, धातुविशेष।
अम्काढम्का, गु. ऐसावैसा, अमुक।
अमङ्गल, गु. मङ्गलहीन।
* अमर, गु. जो मरे नहीं, दे नि-रंकाल, अविनाशी।

अमराई, सं. स्त्री आमका उपवन।
अमरूत, सं. पुं. फलविशेष।
अमर्यादा, सं. स्त्री. अनीति, असम्मान, अवज्ञा।
अमल, गु. निर्मल, मादक वस्तु; राज्य।
अमलतास, सं. पुं. बन्दरलाठी, औषधि विशेष।
अमात्य, सं. पुं. मन्त्री, दिवान।
अमाना, अक. क्रि. समाना, भर्ना; खपना।
अमान्य, गु. जो मानने के योग्य नहीं है।
अमावस, } सं. स्त्री. कृष्ण पक्षके
अमावस्या, } समाप्ति की तिथि।
अमिट, गु. जो मेटा नहीं जाय।
अमित, गु. जो नापा नहीं गया।
अमी, सं. पुं. अमृत।
अमुक, सर्व. कोई, कुछ, अमका ढमका।
अमूल, गु. जिसकी जड नहीं है।
अमृत, सं. पुं. पीयूष, सुधा।
अमेध्य, सं. पुं. विष्ठा, मल।
* अमोघ, गु. जो व्यर्थ नहीं अर्थात् सत्य है, फलदाता।
अम्बत, गु. खट्टा।
अम्बर, सं. पुं. आकाश, वस्त्र।
अम्बा, सं. स्त्री. माता।
अम्बारी, सं. स्त्री. हाथीपरका आसन विशेष।
अम्बु सं. पुं. जल।
अम्बुज, } सं. पुं. कमल, पद्म।
अम्भोज, }

अम्मा, सं. स्त्री. माता, मा।
अम्ल, सं. पुं. खटाई।
अम्लान, गु. निर्मल।
अयथार्थ, सं. अन्याय, अन्धेर।
अयन, सं. पुं. वरसका आधा, अर्थात् उत्तरायण वा दक्षिणायन; मार्ग।
अयाना, गु. मूर्ख, भोला।
अयुक्त, गु. अनुचित।
अयुत, सं. पुं. दश सहस्र।
अयोग्य, गु. अनुचित; असमर्थ।
अरगजा, सं. पुं. अर्गजा।
अरगा, गु. अलग, भिन्न।
अरगाना, स. क्रि. अलगाना। अक. क्रि. अलग होना।
अरघ, सं. पुं. अर्घ।
अरझना, अक. क्रि. उलझना, फसना।
अरण्य, सं. पुं. वन।
अरना, पुं. } सं. जंगली भैंस।
अरनी, स्त्री. }
अरबराना, अक. क्रि. हडबडाना, घबराना।
अरविन्द, सं. पुं. उत्पल, कमल।
अराजक, गु. राजा बिना देश।
अरि, सं. पुं. शत्रु।
अरिष्ट, सं. पुं. अशुभ, मृत्युदायक रोग।
अरी, अ. स्त्रीका सम्बोधन।
अरु, अ. और, पुनः।
अरुचि, सं. स्त्री. मतलाई, अनिच्छा।
* अरुण, सं. पुं. लालरङ्ग।
अरुणाई, सं. स्त्री. लालरङ्ग विशेष।

अरुणोदय, सं. पुं. सूर्योदय के पहिले दो मुहूर्त्त।
अरे, अ. नीच सम्बोधन।
अरेब, सं. पुं. अपराध।
अरोग, गु. रोग रहित, भला चंगा।
* अर्क, सं. पुं. आक, मदार, स्फटिक।
अर्गजा, सं. पुं. सुगन्धि द्रव्य विशेष।
अर्गजी, गु. जो अर्गजेसे रंगा गया।
अर्घ, सं. पुं. पूजा कर्नेकी एक रीत; आठ वस्तुको मिलायके ईश्वरके निमित्त अर्पण; सूर्य्यकी पूजा कर्के जल देना; मोल।
अर्घा, सं. पुं. पात्रविशेष, जिस्से हिन्दु लोग मन्त्र पढके सूर्य्यको वा पित्रोंको जल देते हैं।
अर्चक, सं. पुं. पूजारी।
अर्चना, स. क्रि. आराधना, पूजा कर्ना।
अर्चा, सं. स्त्री. पूजा।
अर्चि, सं. पुं. आँच, टेम; ज्योति, चमक।
अर्चित, गु. पूजित।
अर्जन, सं. पुं. उपार्जन, कमाई, प्राप्ति।
अर्जना, स. क्रि. कमाना, उपार्जन-कर्ना।
* अर्जुन, सं. पुं. वृक्षविशेष।
अर्णव, सं. पुं. सागर।
अर्थ, सं. पुं. अभिप्राय; निमित्त; तात्पर्य्य; धन।
अर्थशास्त्र, सं. पुं. धनके उपाजन कर्नेका शास्त्र; नीतिशास्त्र।
अर्थात्, अ. जानो।
अर्थान्तर, सं. पुं. दूसरा अर्थ।
अर्थी, गु. धनी, वादी, प्रयोजन युक्त। सं. पुं. याचक, शव को जिस्में रखके जलसांई पर ले-जाते है।
अर्दावा, सं. पुं. मोटा पिसान।
अर्द्ध, गु. आधा।
अर्द्धचन्द्र, सं. पुं. आधा चन्द्रमा।
अर्द्धरात्र, सं. स्त्री. आधी रात।
अर्द्धांग, सं. पुं. आधा शरीर; शीतांग।
अर्द्धांगी. गु. शीतांगी। सं. स्त्री पत्नी।
अर्पण, सं. पुं. दान, देवता को भेट देना।
अर्पना, स. क्रि. अर्पण कर्ना।
अर्ब, सं. पुं. दशकोटि।
अर्वाक, गु. नीच। अ. पहिले।
अर्बुद, सं. पुं. दशकोटि।
अर्भक, सं. पुं. पुत्र; शिशु।
अर्शपर्श, सं. पुं. शुद्ध कर्नेके लिये जल छिडकना, छूना।
* अर्हन्त, सं. पुं. बुद्धमुनि के मता-वलम्बी।
अलक, सं. स्त्री. घूंगर।
अलकावलि, सं. स्त्री. एक अलङ्क के घूंगर।
अलख, गु. अगोचर, अनदेखा।
अलग, गु. भिन्न।
अलगनी, सं. स्त्री. रस्सी जिस्पर कपडे रखते हैं।
अलगा, गु. भिन्न, निर्बन्ध।
अलगाना, स. क्रि. भिन्न कर्ना।

अलङ्कार, सं. पुं. भूषण, गहना; शास्त्रविशेष।
अलङ्कृत, गु. विभूषित।
अलङ्, सं. स्त्री. ओर, पार।
अलम, अ. बज़त, ढेर।
अलस, सं. पुं. आलस्य।
अलसाना, अक. क्रि. ऊँघना।
अलसी, सं. स्त्री. तीसी।
अलक्षण, सं. पुं. दुष्टचिन्ह।
अलाप, सं. पुं. आलाप।
अलापना, स. क्रि. आलापना।
अलाव, सं. पुं. धूनी।
अलि, सं. पुं. भ्रमर, मद्य,। स्त्री. सखी।
अलीक, सं. पुं. झूठ, मिथ्या।
अलैयाबलैया, सं. स्त्री. निछावर; दिवाली में पूला जलायके नचाना।
अलोना, गु. लोन रहित।
अलोप, गु. छिपा, बिगाडा, नष्ट; अप्रघट।
अलोपना, स. क्रि. छिपाना, गुप्त-करना।
अलोल, सं. स्त्री. खेल कूद। गु. अटल।
अलौकिक, गु. जो लौकिक नहीं है अर्थात् जो पर लोकका, लोकातीत।
अल्प, गु. थोडा, किञ्चित्।
अव, अ. जिस शब्दके प्रथम में यह संयुक्त होवे उसका अर्थ कभी नास्ति; कभी अनादर; कभी भिन्नता वा फैलाव है।
अवकाश, सं. पुं. औसर, सावकाश।
अवकेशी, गु. बांझ।
अवगति, सं. स्त्री. ज्ञान।
अवगाहन, सं. पुं. स्नान।
अवगीत, गु. निन्दित, दुष्ट। सं. पुं. निन्दा, दोष।
अवगुण, सं. पुं. खोट, दोष।
अवज्ञा, सं. स्त्री. अनादर, तुच्छ कर्ना।
अवतरना, अक. क्रि. उतरना।
अवतार, सं. पुं. ईश्वरका मनुष्यादि रूपसे प्रकाश।
अवदीच, सं. पुं. गुजराती ब्राह्मणों की एक जाति।
अवध, } सं. स्त्री. वचन; सीमा;
अवधि, } समय।
अवधान, गु. चौकस, सावधान। सं. पुं. चौकसाई, बचन।
अवध्य, गु. जो बध कर्नेके योग्य नहीं है।
अवम, सं. पुं. तिथिका क्षय। गु. नीच।
अवयव, सं. पुं. अङ्ग।
अवरोध, सं. पुं. वन्ध, रोक, अटक।
अवलम्ब, सं. पुं. आश्रय, आसरा, सहारा।
अवलम्बित, } गु. आश्रित, लटकता,
संवलम्बी, } पन्थी।
अवली, सं. स्त्री. पाँती।
अवलोकन, सं. पुं. दर्शन, दृष्टि।
अवलोकना, स. क्रि. देखना, ताकना।
अवश, गु. पराधीन; असमर्थ।
अवशिष्ट, सं. पुं. शेष, उच्छिष्ट।
अवशेष, सं. शेषबचा।

अवश्य, अ· } चाहिये, निश्चय
अवश्यक, गु· } कर्त्तव्य।
अवसर, सं· पुं· सावकाश, घात।
अवसान, सं· पुं· अन्त, समाप्ति।
अवस्था, सं· स्त्री· दशा; दुर्दशा।
अवाई, सं· स्त्री· नगचाई।
अवाच्य, गु· अकथ्य; मौनी।
अविचल, गु· अचल, अटल, स्थावर।
अविचार, सं· पुं· भूल; अन्याय।
अविचारी, गु· विचार रहित, अन्यायी।
अविद्या, सं· स्त्री· अज्ञानता।
अविनय, सं· पुं· ढीठाई; चंचलाहठ।
अविनाश, सं· पुं· नाशसे छुटकारा अर्थात् कुशलता।
अविनाशी, गु· कुशल, जिस्का नाश नहीं होवे अर्थात् अनन्त।
अविनीति, गु· चंचल, ढीठ।
अविन्दु, गु· विन्दु रहित।
अविरोध, सं· पुं· चैन, सुख।
अविरोधिनी, } गु· सुखित।
अविरोधी, }
अविलम्ब, सं· पुं· शीघ्रता, यत्न।
अविवादी, गु· निर्विरोधी।
अविवेक, सं· पुं· अविचार; अज्ञानता।
अविवेकी, गु· विचारहीन; अज्ञानी।
अविशेष, गु· समान।
अविश्वास, सं· पुं· अप्रतीति।
अविश्वासी, गु· जिस्को प्रतीति नहीं है।

अवेर, सं· स्त्री· ढील, विलम्ब।
अव्यक्त गु· जो प्रगट नहीं है।
अव्यय, सं· पुं· जिन शब्दोंको कारकाल नहीं है। जैसे और, वा, अथवा, पुनः, इत्यादि इनको अव्यय कहते हैं। गु· कृपण, अविनाशी।
अव्यवस्था, सं· स्त्री, जो शास्त्रसे सम्मत नहीं है।
अव्यवस्थित, गु· जो ठीक नहीं है।
अव्यवहित, गु· मिला, व्यवधान बिना।
अव्याप्ति, सं· स्त्री· लक्ष्ममें लक्षण का जो नहीं जाना।
अशकुन, सं· पुं· अपशकुन।
अशकुनी, गु· अपशकुनी।
अशक्ति, गु· असमर्थ।
अशक्य, गु· असाध्य।
अशरण, गु· रक्षाहीन।
अशास्त्र, गु· जो शास्त्रसे विरुद्ध है।
अशास्त्रीय, गु· जो शास्त्रमें उक्त नहीं है।
अशिष्ट, गु· जिस्का व्यवहार निन्दित है।
अशुगुण, सं· पुं· अपशकुन।
अशुचि, गु· अपवित्र, अशुद्ध।
अशुद्ध, गु· अपवित्र, जो ठीक नहीं है।
अशुद्धता, सं· स्त्री· अपवित्रता, चूक।
अशुभ, गु· अमङ्गल। सं· पुं· पाप।
अशेष, गु· संपूर्ण, सारा।
अशोक, सं· पुं· वृक्षविशेष; सुख, चैन।
अशोभा, गु· अनगढ; कुरूप। सं· स्त्री· असुन्दरता।
अश्मरी, सं· स्त्री· पथरी वा मूत्र कृच्छ्र रोग।

अश्रद्धा, सं. स्त्री. घिन, चिढ ; अविश्वास।
अश्रु, सं. पुं. आंसू।
अश्लेषा, सं. स्त्री. नवाँ नक्षत्र।
अश्व, सं. पुं. घोडा।
अश्वगन्धा, सं. स्त्री. पैाधा विशेष।
अश्वत्थ, सं. पुं. पीपलका वृक्ष।
अश्वपति, सं. पुं. राजा लोग जिनके पास बहुत घोडे वा घुडचढे हैं।
अश्वमेध, सं. पुं. घोडेका यज्ञ।
अश्वयुज, सं. पुं. कुवार ; छठवाँ नक्षत्र।
अश्ववार, सं. पुं. असवार, घुडचढा।
अश्वशाला, सं. स्त्री. तबेला, घोडेके रहनेका स्थान।
अश्वारूढ, सं. पुं. अश्ववार।
अश्विनी, सं. स्त्री. प्रथम नक्षत्र।
अषाढ, सं. पुं. चैाथा महीना।
अष्ट, गु. आठ।
अष्टचत्वारिंशत्, गु. अठतालीस।
अष्टत्रिंशत्, गु. अठतीस।
अष्टधात, सं. पुं. आठ धातु अर्थात् सोना, रूपा, ताँबा, पीतल, राङ्गा, काँसा, सीसा, लोह।
अष्टपञ्चाशत्, गु. अठावन।
अष्टप्रहर, गु. आठ पहर, दिन रात।
अष्टम, गु. आठवाँ।
अष्टमी, सं. स्त्री. पक्षका आठवाँ दिन ; पैाधा विशेष।
अष्टविंशति, गु. अठाईस।
अष्टसिद्धि, सं. पुं. आठ प्रकारकी सिद्धि अर्थात् अणिमा, महिमा, गरिमा, मिता, लघिमा, प्राप्तिककाम, वशीकरण, ईशिता।
अष्टादश, गु. अठारह।
अष्टांगप्रणाम, सं. पुं. आठ अङ्ग से प्रणाम।
असंख्य, गु. अनगिनत।
असंशय, गु. निश्चय।
असकत, सं. स्त्री. आलस्य।
असकती, गु. आलसी।
असगन्ध, सं. स्त्री. औषधि विशेष।
असङ्गत, गु. मिथ्या, अनुचित ; अनर्थ।
असज्जन, गु. कुपात्र।
असत, गु. असाधु, अधर्मी।
असन, सं. पुं. वृक्ष विशेष।
असन्तुष्ट, गु. अप्रसन्न।
असन्तोष, सं. पुं. अधीरजता।
असभ्य, गु. जो सभाके अयोग्य है ; दुष्ट।
असमञ्जस, सं. पुं. दुबधा, सन्देह, अनलगाव।
असमय, गु. अकाल, विपत्तिकाल।
असमर्थ, गु. सामर्थ्य हीन, निर्बल।
असम्बद्ध, गु. अनमेल ; अनर्थ।
असम्भव, गु. अन होना।
असह्य, गु. जो सहा नहीं जाय।
असाधु, गु. अधर्मी।
असाध्य, गु. जो काम सिद्धि न हो सके।
असार, गु. छूछा ; पोला, सूखा ; बोदला।

अर्स, सं. पुं. खड्ग, तलवार।
असिद्ध, गु. अनबना, अनपका।
असीमा, गु सीमाहीन, अर्थात् अनन्त।
असीस, सं. पुं. आशीर्वाद।
असु, सं. पुं. पञ्चप्राण ; सोच।
असूझ, गु. अदृश्य ; निरूप।
असूया, सं. स्त्री. कलङ्क।
असों, अ. यह वरस।
असोक, सं. पुं. सुख, आनन्द ; वृक्ष विशेष।
असोच, गु. अचेत. जो विचारसे वा बिचारसे न हो सके ; जो पछताने के योग्य नहीं है।
असोची, गु. निर्मोही ; प्रमादी।
अस्त, सं. पुं. छिपाव।
अस्तव्यस्त, गु. भिन्न भिन्न ; उलट पुलट।
अस्त्र, सं. पुं. जिसको फेंकके मारिये अर्थात बाणादि।
अस्थि, सं. पुं. हाड, हड्डी।
अस्थिर, गु. चञ्चल।
अस्थिरता, सं. स्त्री. चञ्चलाहट्।
अस्र, सं. पुं. कोना।
अस्सी, गु. आठ दहाँई ८०।
अहङ्कार, सं.पुं.अभिमान,गर्व, मद।
अहङ्कारी, } गु. अभिमानी, दम्भी।
अहङ्कृत, }
अहर्निश, सं. पुं. रात दिन।
अहार, सं. पुं. आहार ; कलप, लेई।
अहारना, स. क्रि. मडियाना, चिपकाना, जमाना।
अहिंसक, गु. भोला, सीधा अर्थात् जो किसीकी हिंसा न करें।
अहि, सं. पुं. सर्प।
अहित, सं. पुं. शत्रु, वैर, शत्रुता।
अहीर, सं. पुं. ग्वाला, आभीर।
अहीरणी, सं. स्त्री. ग्वालिन्।
अहे, अ. सम्बोधन।
अहेर, सं. स्त्री. आखेट।
अहेरिया, } सं. पुं. बहेलिया, खेटकी।
अहेरी, }
अहो, अ. सम्बोधन।
अहोरात्र, सं. पुं. दिन रात।
अक्ष, सं. पुं. पासा।
अक्षत, सं. पुं. पूजाके कारण जव वा चावल।
अक्षर, सं. पुं. ककारादि वर्ण। गु. अविनाशी।
अक्षांश, सं. पुं. रेखाभूमिके उत्तर वा दक्षिण केन्द्र लग नव्वे २ अंश।
अक्षि, सं. पुं. नेत्र, आँख।
अक्षुब्ध, गु. स्थिर।
अक्षैवृक्ष, सं. पुं. वृक्ष जो क्षयरहित है।
अक्षौहिणी, सं. स्त्री. सेना जिसमें १०-९३५० पैदल, ६५६१० घुडचढे, २१८७०, रथ, और २१८७० हाथी हैं।

आ

आ, देवनागरी वर्णमालाके स्वरोमें का दूसरा स्वर ; और जिस् शब्दके प्रथम में यह संयुक्त होवे उस् शब्दका अर्थ न्यून, वा उलटा कर देता है ; और कभी क्रिया के अवधिका ज्ञापक होता है।

आः, अ. खेदोक्तिका सूचक शब्द।
आँक, सं. पुं. अङ्क; चिन्ह।
आँकना, स. क्रि. लखना, अङ्काना।
आँख, सं. स्त्री. चक्षु, अक्षि, नेत्र।
आँखडबडबाना, अक. क्रि. आँख आँसूसे भर्ना, अर्थात् रोना।
आँखमिचौली, सं. स्त्री. आँखमुदौली खेल विशेष।
आँखोंमेंचरबोछाना, अर्थात् धनकी अधिकाईसे अभिमान कर्के लक्ष्मी ठिये मित्रोंको न पहिचानना।
आँग, सं. पुं. अङ्ग।
आँगन, } अङ्गना।
आँगना, }
आँच, सं. स्त्री. अग्निका ताप।
आँचल, सं. पुं. अञ्चला।
आँजू, सं. पुं. आँसू।
आँट, सं. स्त्री. गाँट, विरुद्धता।
आँटना, अक. क्रि. समाना, पहुंचना।
आँटी सं. स्त्री. फेंटी, अंटिया।
आँड, सं. पुं. वृषण, अण्ड।
आँत, सं. स्त्री. अँतडी।
आँधी, सं. स्त्री. झक्कड, चौवाई।
आँन, गु. अन्य, दूसरा। सं. पुं. टेक, प्रतिज्ञा।
आँव, सं. पुं. आम्र।
आँम, } सं. पुं. पेटमें रोगविशेष,
आँव, } आम, आमाशय।
आँवला, सं. पुं. वृक्ष वा फलविशेष।
आँसू, सं. पुं. अश्रु, नेत्रका जल।
आक, सं. पुं. अर्क, मदार।
आकर सं. स्त्री. खानि, अर्थात् धातु वा रत्नादिके उत्पत्तिका स्थान।
आकर्षक, सं. पुं. चुम्बकपत्थर, खैंचनेहारा।
आकर्षण, सं. पुं. बलसे खींचलाना।
आकर्षित, गु. जो खींचा गया।
आकांक्षा, सं. स्त्री. वाञ्छा, इच्छा।
आकांक्षित, गु. वाञ्छित।
आकार, सं. पुं. स्वरूप, डौल; सैन।
आकाल सं. पुं. दुर्भिक्ष।
आकाश, सं. पुं. गगण, खं, अम्बर।
आकाशपवन, } सं. पुं. लताविशेष।
आकाशवेल, }
आकाशवाणी, सं. स्त्री. वाणी जो आकाशसे होती है।
आकाशी, गु. आकाशका, स्वर्गीय।
आकुल, गु. व्याकुल, कातर।
आकृति, सं. स्त्री. रूप, आकार; देह।
आकृष्ट, गु. जो खींचा गया।
आक्रम, सं. पुं. बलको प्रकाश कर्के किसी काममें दूसरेसे अधिक होना, चढाव।
आखत, सं. पुं. अक्षत।
आखा, सं. पुं. चलनी; बोरा, गठिया
आखेट, सं. पुं. अहेर।
आख्या, सं. स्त्री. नाम।
आग, सं. स्त्री. अग्नि।
आगत, गु. उपस्थित।
आगम, सं. पुं. वेद वा शिवोक्त शास्त्र; भविष्यत्।
आगमज्ञानी, सं. पुं. तान्त्रिक, आगमका जानने हारा।
आगमन, सं. पुं. अवाई, आना।

आगमवक्ता, सं. पुं. आगमज्ञानी।
आगमविद्या, सं. स्त्री. आगम कह-
नेकी विद्या।
आगलान्त, अ. गलेलग।
आगा, सं. पुं. सामा, अगवाडा।
आगामी, गु. आवने हारा।
आगार, सं. पुं. घर।
आगू, } अ. सामे, बढके, अग्रे।
आगे, }
आग्रह, सं. पुं. उपकार; ग्रहण।
आघार, सं, पुं. घृत, घी, छिड-
काव्।
आचमन, सं. पुं. भोजन करनेके
पहिले थोडा जल हथेलीमें रखके
पीना।
आचरण, } सं. पुं. व्यवहार; शा-
आचार, } स्त्रोक्त क्रिया।
आचारी, गु. जो मनुष्य शास्त्रोक्त
क्रिया यत्न से कर्त्ते हैं।
आचार्य्य, सं. पुं. वेदका उपदेश
कर्त्ता।
आच्छादन, सं. पुं. वस्त्र, ढकना,
घोघी।
आछें, गु. अच्छे का बहुवचन।
आज, अ. अद्य
आजा, सं. पुं. दादा।
आजाना, अक. क्रि. अचानक आना,
पडना।
आजीविका, सं. स्त्री. जीविका, नि-
र्वाह।
आज्ञा, सं. स्त्री. आदेश।
आज्ञाकार, } गु. आज्ञाको जो
आज्ञाकारी, } माने।

आटा, सं. पुं. चौस, सूजी, पिसान
आठ, गु. अष्ट।
आड, सं. स्त्री ओट परदा।
आडना, स. क्रि. आड कर्ना, ओट
देना।
आडम्बर, सं. पुं. उद्योग; अभि-
मान; हर्ष।
आडा, गु. तिरछा, टेढा।
आडी, सं. पुं. रक्षक। स्त्री. गानेमें
स्वर विशेष।
आडेआना, अक. क्रि. रक्षा कर्ना,
बचाव होना।
आढ्य, गु. धनाढ्य, धनी।
आतंक, } सं. पुं. भय, भीत; दुःख,
आतंग, } ठाठ।
आततायी, सं. पुं. डकैत; हत्यारा।
आतप, सं. पुं. धूप, घाम।
आता, सं. पुं. सीता फल।
आतिथेय, } गु. अतिथिका सत्कार
आतिथ्य, } रूप कर्म्म, अतिथि
पालक।
आतुर, गु. दुःखी, रोगी, व्याकुल।
आतू, सं. स्त्री. गुरुवायिन्।
आत्मघात, सं. पुं. अपनी हत्या।
आत्मज, सं. पुं. पुत्र।
आत्मनामी, गु. जो आपसे प्रत्यक्ष
है।
आत्मपालक, गु. आपस्वार्थी।
आत्मश्लाघा, सं. स्त्री. अपने मुखसे
अपनी बडाई।
आत्मा, सं. स्त्री. पुं. मन, प्राण,
अन्तर; देह; आप।
आत्मिक, गु. मनका, अपना।

आत्मिकता, सं. स्त्री. अपना हत।
आत्मीय, गु. आत्मिक।
आदअंत, गु. आरम्भ से समाप्ति-तक; आरम्भ और अन्त।
आदर, सं. पुं. सन्मान, प्रतिष्ठा।
आदर्श, आदर्शन, } सं. पुं. दर्पण; प्रति-या, टीका।
आदान, सं. पुं. लेना।
आदानप्रदान, सं. पुं. लेन देन।
आदि, गु. प्रथम, पहिला। अ. अन्य।
आदित, आदिक, } अ. इत्यादि, और सब।
आदित्यवार. सं. पुं. रविवार।
आदेश, सं. पुं. आज्ञा; अनुमति; योगी लोगों का प्रणाम; व्याकरण के रीति से जो अक्षर दूसरे से बदल होता है उसको आदेश कहते हैं।
आदौ, अ. पहिले।
आद्य, गु. प्रथम।
आद्यन्त, सं. पुं. आद अन्त।
आधा, गु. अर्द्ध।
आधान, सं. पुं. गर्भ; गर्भका धारण।
आधार, सं. पुं. प्रतिपालक; आहार; अधिकरण।
आधासीसी, सं. स्त्री. अध कपाली।
आधि, सं. पुं. मनकी पीडा, उदासी।
आधिक्य, सं. पुं. बढती, अतिशयता।
आधिपत्य, सं. पुं. ऐश्वर्य्य; स्वामित्व।
आधीन, गु. वश्य, आज्ञाकारी; नम्र।
आधीनता, आधीनताई, } सं. स्त्री. नम्रता, आज्ञाको पालन कर्ना, लल्लोपत्तो।
आधुनिक, गु. इस कालका।
आन, गु. और, अन्य। सं. स्त्री. आज्ञा; सङ्कोच; सौगन्ध।
आनक सं. पुं. दुन्दुभि, डङ्का।
आनन, सं. पुं. मुख।
आनना, स. क्रि. लाना।
आनन्द, आनन्दता, } सं. पुं. स्त्री. हर्ष, सुख।
आनन्दित. गु. हर्षित. निहाल।
आनन्दी, गु. सुखी।
आनयन, स. क्रि. लेआना।
आनिहौं, लेऊंगा।
आनुकूल्य, सं. पुं. सहायता।
आनुपूर्वी, सं. स्त्री. मूलावधि क्रम।
आनुमानिक, गु. युक्तिसिद्ध।
आप, सर्व. स्व।
आपकाज, आपकाजी, } गु. जो अपने काम में लगा रहता है।
आपत्ति, सं. स्त्री. विपत्ति; दोष।
आपद, आपदा, } सं. स्त्री. विपत्ति, अभाग।
आपन्न, गु. अभागा; प्राप्त; शरण, शरणैक।
आपरूप, गु. आप; ईश्वर।
आपस, सर्व. अपने; भाई बन्द।
आप्त. गु. जो विश्वास के योग्य है; प्राप्त; सच्चा।
आप्लुत, गु. जो नहाय चुका।
आफू, सं. स्त्री. अफीम।

आभरण, सं. पुं. भूषण, अलङ्कार।
आभा, सं. स्त्री. झलक, शोभा, चमक।
आभास, सं. पुं. अभिप्राय, थोडा, अंश।
आभीर, सं. पुं. गोप, अहीर।
आभूषण, सं. पुं. अलङ्कार, गहना।
आम, गु. सं. पुं. कच्चा ; आम्र फल ; भोजन।
आमय, सं. पुं. रोग।
आमर्ष, सं. पुं. क्रोध ; डाह।
आमला, सं. पुं. फल विशेष।
आमान्न, सं. पुं. कोरा अनाज ; सीधा।
आमिष, सं. पुं. मांस।
आमोद, सं. पुं. सुगन्ध, सुवास ; आनन्द, हर्ष।
आम्बर, सं. स्त्री. वस्तु विशेष, अर्थात् कहरूबा।
आम्र, सं. पुं. वृक्ष वा फल विशेष।
आय, सं. पुं. लाभ, धनागम।
आयत, गु. लम्बा, दीर्घ ; चौडा। सं. पुं. घाम, धूप।
आयत्त, गु. नम्र, अधीन ; साऊ।
आयसु, सं. पुं. आज्ञा।
आया, सं. स्त्री. लडकों के खिलाने वाली।
आयास, सं. पुं. परिश्रम।
आयु, आयुर्दा, आयुर्बल, आयुस्, } सं. स्त्री. वयस्, जीवन काल।
आयुध, सं. पुं. शस्त्र, अस्त्र।
आरज, गु. मर्यादक, मानी।
आरत, गु. आर्त्त।
आरता, सं. पुं. विवाह में दुलहेकी आरती विशेष।
आरती, सं. स्त्री दीपक विशेष को बालके पूजा में देवता के मुख के आगे दर्शन विशेष कर्ना।
आरम्भ, सं. पुं. प्रारम्भ, उपक्रम ; उत्थान।
आराधन, सं. पुं. पूजा, भजन।
आराधना, स. क्रि. पूजा कर्ना, अर्चना।
आराम, सं. पुं. उपवन ; चैन।
आरूढ, गु. जो चढा है।
आरोग्य, सं. पुं. क्षेम, कुशल, नीरोग।
आरोप, सं. पुं. कल्पना ; बनावट्।
आरोपित, गु. काल्पनिक, जो सौंपा गया।
आरोहण, सं. पुं. ऊपर चढना ; सीढी।
आर्त्त, गु. पीडित, दुःखी ; व्याकुल।
आर्द्र, गु. गीला, सीला।
आर्द्रा, सं. स्त्री. छठा नक्षत्र।
आर्य्य, गु. उत्तम कुलोत्पन्न, कुलीन।
आर्सी, सं. स्त्री. भूषण विशेष जो अङ्गूठे में पहनते हैं।
आल, सं. स्त्री. वृक्ष विशेष, जिसके जड से रङ्ग निकाला जाय ; पीला हरताल।
आलम्बन, सं. पुं. आश्रय, अवलम्ब।

आलय, सं. पुं. घर।
आलवाल, सं. पुं. थावला।
आलस, सं. पुं. आलस्य, ढील।
आलसी, गु. आलसी, ढीला।
आलस्य, सं. पुं. आलस।
आला, सं. पुं. ताख, कोठा खोह भीत में वा खंभे में दीपक रखने के लिये। गु. गीला।
आलान, सं. पुं. खूंटा जिस्से हाथी बांधा जाता है; बेड़ी।
आलाप, सं. पुं. बात चीत; स्वर मिलाप।
आलापना, स. क्रि. स्वर मिलाना; गाना।
आलि, सं. स्त्री. सखी।
आलिङ्गन, सं. पुं. परस्पर गले से गले मिलना।
आली, सं. स्त्री. सखी।
आलु वा-लू, सं. पुं. विलायती कन्द विशेष।
आलोक, सं. पुं. दृष्टि; ज्योति; चोपलूसी।
आलोकन, सं. पुं. दृष्टि देके देखना।
आवनेहार, गु. जो आवेगा।
आवरण, सं. पुं. ढाल, आच्छादन।
आवर्दा, सं. स्त्री. आबुर्दा।
आवनैं, अक. क्रि. आना।
आवभक्ति, आवभगत, आवभगति, सं. स्त्री. मान,सन्मान।
आवलि, सं. स्त्री. पांती।
आवश्यक, गु. निश्चय कर्त्तव्य।
आवाई, सं. स्त्री. चर्चा, समाचार।
आवागमन, वा-गवन, सं. पुं. आना जाना।
आवाजाई, सं. स्त्री. पीछे पड़ा रहना, आहर जाहर।
आवाती, सं. स्त्री. अवाई।
आवास, सं. पुं. घर।
आवाहन, सं. पुं. आदर से बुलाना।
आविर्भाव, सं. पुं. प्रगट होना।
आविर्भूत, गु. प्रगट वस्तु।
आविष्ट, गु. जो भूतादि करके ग्रस्त है।
आवृत, गु. वेष्ठित, घिरा।
आवृत्ति, सं. स्त्री. उद्धरिणी, पठित का पुनःपाठ; ढब।
आशक्त, गु. मोहित, घटपट, अत्यन्त रत।
आशक्ति, सं. स्त्री. चाह; प्यार।
आशङ्का, सं. स्त्री. भय; सन्देह।
आशय, सं. पुं. अभिप्राय; आश्रय; मन।
आशा, सं. स्त्री. आसरा, भरोसा।
आशावन्त, गु. आसरिक, आश्रित।
आशीर्वाद, सं. पुं. भला मनाना।
आश्चर्य्य, गु. अद्भुत। सं. पुं. अचम्भा, विस्मय।
आश्रम, सं. पुं. हिन्दु लोगों में चार प्रकार की पदी अर्थात् ब्रह्मचारी गृहस्थ, वाणप्रस्थ, भिक्षु; ऋषियोंके रहनेका स्थान।
आश्रय, सं. पुं. आसरा; शरण; छल; समीपता।

आश्रित, गु. परवश, अवलम्बी।
आश्वास, सं. पुं. भरोसा; समाप्ति अध्याय।
आश्विन, सं. पुं. कुंवार, सातवा महीना।
आषाढ, सं. पुं. चौथा महीना।
आस, सं. स्त्री आशा, भरोसा।
आसक्त, गु. आशक्त।
आसक्ति, सं. स्त्री. आशक्ति।
आसन, सं. पुं. बैठने के लिये कुश वा काष्ठ वा ऊनकी वस्तु; बैठक, जाँघ के भीतर ओर।
आसपास, गु. लगभग।
आसय, सं. पुं. आशय।
आसरा, सं. पुं. आश्रय।
आसव, सं. पुं. मदिरा विशेष।
आसा, सं. स्त्री. आशा।
आशावरी, सं. स्त्री. रागिनी विशेष; कपोत विशेष; कपडा विशेष।
आसिख, सं. पुं. आशीर्वाद; उपदेश।
आसीन, गु. बैठा हुआ।
आसीस्, सं. स्त्री. आशीर्वाद।
आसुर, सं. पुं. असुर।
आस्कत, सं. स्त्री. आलस्य।
आस्कती, गु. आलस्यी, आलसी।
आस्तिक, सं. पुं. वेदके कर्म्मोंके फल में विश्वासी; साधु।
आस्था, सं. स्त्री. टेक; सभा; परिश्रम।
आस्पद, सं. पुं. स्थान; पद।
आस्वाद, सं. पुं. रसका अनुभव।

आहट, सं. स्त्री. शराटा, शब्द।
आहा, अ. खेदका सूचक शब्द।
आहार, सं. पुं. भोजन।
आहि, है।
आहुत, आहुति, } सं. पुं. देवताओंके निमित्त होमनेके लिये जो वस्तु।
आह्निक, सं. पुं. प्रतिदिन धर्म का कार्य्य।
आह्निक गति, सं. पुं. एक दिनकी चाल, प्रत्येक ग्रह का सूर्य्यकी प्रदक्षिण कर्नेके समय में चक्र के न्याई अपनी नोक पर फिर्ना।
आह्ला, सं. पुं. बाढ, जलार्णव।
आह्लाद, सं. पुं. हर्ष, आनन्द।
आह्लादित, गु. हर्षित, आनन्दित।
आह्वान, सं. पुं. आवाहन, पुकार्ना।
आक्षेप, सं. पुं. दुर्वचन, निन्दा।
आक्षोदन, सं. पुं. आखेट।

इ

इ, देवनागरी वर्णमालाके स्वर वर्णोंमेंका तीसरा स्वर।
इक, गु. एक।
इकछत्रराज कर्ना, सर्वत्र राज्य कर्ना।
इकटक, सं. एक ताकसे देखना।
इकट्ठा, वा-ट्ठी, इकठौरा, वा-री, } गु. जो एक स्थान में संग्रह हुआ है।
इकसार, गु. सरीखा, सदृश।
इक्का, गु. अकेला; अद्वितीय; एक्का।
इङ्गलण्डीय, गु. जो इङ्गलण्ड का है।

इङ्गित, सं. पुं. सैन; सङ्केत; आगमन, खोज।
इच्छा, सं. स्त्री. चाह, वाञ्छा।
इच्छन, सं. पुं. नेत्र; दृष्टि।
इत, अ. यहाँ।
इतना, गु. यह शब्द परिमाण वा अवधिका ज्ञापक है।
इतर, गु. अन्य; नीच।
इतरलोग, गु. छोटीजाति; लोकान्तर।
इति, अ. समाप्तिका बोधक; इस् प्रकार; अधिक।
इतिहास, सं. पुं. वृत्तान्त, प्राचीन कथा।
इतौ, गु. इतना।
इधर, अ. यहाँ, इसठौर।
इन्दारा, सं. पुं. पक्काकुआ जो बडा है।
इन्दीवर, सं. पुं. नीलाकमल; पौधा विशेष।
इन्दुर, सं. पुं. मूसा, चूहा।
इन्द्रबधू, सं. स्त्री. कीट विशेष।
इन्द्रयव, सं. पुं. कुटजका फल।
इन्द्राणी, सं. स्त्री. औषध वा पौधा विशेष।
इन्द्रायन, सं. पुं. वृक्षविशेष वा उसका फल जो अतिसुन्दर और कडुवा है।
इन्द्रासन, सं. पुं. इन्द्रका सिंहासन।
इन्द्रिय,} पुं. स्त्री. जिनकर्के रूप-
इन्द्री, } रसादिका ज्ञान होता है, वा गमनादि क्रिया सिद्ध होती है; अर्थात् त्वक्, पाद, शब्द, लिङ्ग, गुदा, मन, आँख, कान, नाक, लक।
इन्धन, सं. पुं. ईंधन, जलावन।
इभ, सं. पुं. हाथी.
इभपालक, सं. पुं. महावत।
इमरती, गु. पीयूषी, अमृती। सं. स्त्री. मिठाई विशेष; जलादि पान कर्नेका छोटा पात्र; वस्त्र विशेष।
इमिलि, सं. स्त्री. वृक्ष वा फल, जिसे खटाइ होती हैं।
इलायची, सं. स्त्री. फलविशेष; एला।
इल्ला, सं. पुं. मसा।
इष्ट, गु. वाञ्छित,; पूजित्; प्यारा। सं. पुं. देवता, चाहीता मनुष्य, वस्तु जो चाहता है।
इसबगोल, सं. पुं. औषधि विशेष।
इस्त्री, सं. पुं. लोहेका अस्त्र जिस्से धोबी कपडा संभालता है।
इस्पात, सं. पुं. पक्का लोहा।
इह, सर्व. यह।
इहलोक, सं. पुं. मनुष्य लोक।
इक्षु, सं. स्त्री. ऊंख, जिस्के रससे चीनी बनती है।

ई

ई, देव नागरी वर्णमाला के स्वर वर्णोंका चौथा स्वर।
ईंट, सं. स्त्री. भीत चढानेके लिये मृत्तिका से बनीऊई वस्तु विशेष।

ईंडुआ, सं. पुं. सिर पर बोझा रखने का टेकन जो वस्त्र वा सन का बनता है।
ईंधन, सं. पुं. इन्धन।
ईख, सं. स्त्री. इक्षु।
ईठ, गु. इष्ट।
ईद, सं. स्त्री. मुसलमान वा यहूदियोंके एक पर्व्व।
ईदृश, गु. ऐसा।
ईर्षा, सं. स्त्री. हिस्का, द्वेष।
ईश, सं. पुं. ईश्वर, प्रभु, स्वामी।
ईशिता, सं. स्त्री. प्रधानता, महत्व।
ईश्वर, सं. पुं. प्रभु।
ईश्वरता, ईश्वरत्व, } सं. स्त्री. ईश्वरका तत्व, जिस्में ये तीन हैं, पिता पुत्र धर्म्मात्मा।
ईश्वराराधना, सं. स्त्री. परमेश्वर का भजन।
ईषत, अ. थोडा, अल्प।
ईस, सं. पुं. ईश।
ईहा, सं. स्त्री. चेष्टा; इच्छा, उत्थान।
ईक्षण, सं. पुं. दृष्ठि, चक्षु।

उ

उ, देव नागरी वर्णमाला का पांचवाँ स्वर।
उंचाई, स्त्री. उंचाव, पुं. उंचाहट, स्त्री. } सं. उचाया, उन्नति।
उंचाना, स. क्रि. ऊंचा कर्ना, उठाना।
उंडेलना, स. क्रि. गिरानी, डालना, उलेंडना।
उकत, सं. स्त्री. उक्ति।
उकताना, अक. क्रि. घबराना, कुढना, थकना।
उकतारू, सं. पुं. उकसाऊ; यत्नी।
उकतार्नी, स. क्रि. संभालना; यत्न कर्ना।
उकस्ना, अक. क्रि. उठना, चढना।
उकसाना, स. क्रि. उठाना, चढाना।
उक्त, गु. कथित।
उक्ति, सं. स्त्री. कथन, कहना; भाषा।
उखड्ना, अक. क्रि. उजडना।
उखडाना, उखाडना, } स. क्रि. उजाडना।
उगना, अ. क्रि. उत्पन्नहोना, बढना।
उगलना, स. क्रि. मुख में कोई वस्तु डाल के थूक देना, वा वमन कर्ना।
उगाल, सं. पुं. जो चबाय के मुंहसे फेंका है।
उगाहना, स. क्रि. बटोर्ना।
उगाही, सं. स्त्री. व्याज लेना।
उग्र, गु. क्रोधी, कठोर।
उघडना, अक. क्रि. नङ्गा होना खुलना।
उघाड्ना, स. क्रि. नङ्गा कर्ना खोलना।
उचकना, अक. क्रि. कूदके उठना, उछलना।
उचक्का, सं. पुं. चोर।
उचटना, अक. क्रि. अलग२ होना, बिछरना; फिसलना, उलटना।
उचरङ्ग, सं. पुं. पतङ्गा।
उचरना, अक. क्रि. निकलना, कहना।
उचारना, स. क्रि. उच्चार कर्ना, निकालना।

उचित, गु. योग्य; ठीक।
उचेलना, स. क्रि. मिली ऊई वस्तु-को भिन्न २ कर्ना।
उच्च, गु. ऊंचा।
उच्चार, } सं. पुं. शब्द का कहना,
उच्चारण, } वा निकलना।
उच्चारना, स. क्रि. उचारना।
उच्छिन्न, गु. निर्मूल, उखडा।
उच्छिष्ट, सं. पुं. जूठा, भोजन का अवशेष।
उच्छ्वास, सं. पुं. श्वास; आशा।
उछरना, } अक. क्रि. कुदकना, कू-
उछलना, } दना; उठना।
उछालना, स. क्रि. लोकना, ऊपर फेंक के लोकना।
उजडना, अक. क्रि. नाश होना।
उजलना, अक. क्रि. निर्मल होना, चमकना।
उजागर, गु. जसवन्त; चटकीला।
उजाड, गु. सूना, वनखण्ड।
उजाडना, स. क्रि. नाश कर्ना, सूना कर्ना।
उजालना, स. क्रि. उज्जल कर्ना।
उजाला, सं. पुं. ज्योति, तेज।
उज्जल, गु. } निर्मल, चोखा; चम-
उज्ज्वल, } कीला।
उझकना, स. क्रि. निझाना।
उझलना, स. क्रि. उँडेलना।
उटङ्गन, सं. स्त्री. पौधा विशेष।
उठङ्गन, सं. पुं. ठेकन।
उठना, अक. क्रि. खडा होना।
उठवैठ, सं. स्त्री. घबराहट; साधन विशेष।

उठवैया, सं. पुं. उठने हारा।
उठान, सं. पुं. स्त्री. उत्थान; दिखाई।
उठाना, स. क्रि. खडा कर्ना; दूर कर्ना; दिखलाना; उधार लेना।
उत, अ. ऊपर; जिस शब्द के प्रथम में यह संयुक्त होवे उस शब्द का अर्थ अधिक कर देता है।
उडगन, सं. पुं. तारे।
उडना, अक. क्रि. पक्षी पङ्ख मार के भागना।
उडाऊ, सं. पुं. लुटेरा।
उडान, सं. स्त्री. उडनेकी चाल।
उडाना, स. क्रि. उडा देना, भगाना।
उडुप, सं. पुं. घरनई; बेडा।
उढना, स. क्रि. ओढना।
उढाना, स. क्रि. ओढाना।
उतरनहोना, } अक. क्रि. ऋण से
उतरना, } शुद्ध होना; नीचे आना; घट्जाना।
उतला, गु. उतावला।
उतार, सं. पुं. नीचे आना।
उतारना, स. क्रि. नीचे लाना; घटाना; निकलना; फल देना।
उतारा, सं. पुं. ढाल; अपमान; छोडौती।
उतावल, सं. स्त्री. शीघ्रता।
उतावला, गु. बेगी, शीघ्र, फुर्तीला।
उतावली, सं. स्त्री. शीघ्रता, फुर्त्ती। गु. फुर्तीला।
उत्कण्ठा, सं. स्त्री. अभिलाषा।

उत्कृष्ट, गु. उत्तम।
उत्तम, गु. श्रेष्ठ।
उत्तर, सं. पुं. प्रश्नके दूर कर्नेके लिये वाक्य; दच्छिण के सन्मुख की दिशा।
उत्तरफल्गुनी, सं. स्त्री. बारह वाँ नक्षत्र।
उत्तरभाद्रपद, सं. पुं. छब्बीस वाँ नक्षत्र।
उत्तराधिकारी, सं. पुं. मरने के पीछे जो धनाधिकारी।
उत्तराफाल्गुनी, सं. स्त्री. बारह वाँ नक्षत्र।
उत्तराभाद्रपद, सं. पुं. छब्बीस वाँ नक्षत्र।
उत्तरायण, सं. पुं. माघादि छः महीने।
उत्तरार्द्ध, गु. पिछला, आधा।
उत्तराषाढा, सं. स्त्री. इक्कीस वाँ नक्षत्र।
उत्तराहा, गु. जो उत्तर दिशा का है।
उत्तरोत्तर, अ. आगे आगे।
उत्तीर्ण, गु. पार पहुंचा; निर्मुक्त।
उत्तुङ्ग, गु. ऊंचा।
उत्तू, सं. पुं. चुनत।
उत्थान, सं. पुं. उठाव; उद्योग।
उत्थापन, सं. पुं. उठावना।
उत्पत्ति, सं. स्त्री. जन्म।
उत्पन्न, गु. जन्मा।
उत्पल, सं. पुं. कमल; कोई।
उत्पाटन, सं.पुं. मूल सहित उखाडना।
उत्पात, सं. पुं. अशुभ का सूचक; उपद्रव।
उत्पादन, सं. पुं. जन्मावना।
उत्प्रेक्षा, सं. स्त्री. ढील; सदृशता।
उत्सर्ग, सं. पुं. देवतादि के लिये द्रव्यका त्याग; वितरण; किसी प्रकार की आज्ञा।
उत्सव, सं. पुं. यज्ञ, बडा दिन; अधीरज।
उत्साह, सं. पुं. उद्योग, आनन्द।
उथलना, अक. क्रि. उलट् देना।
उथलपुथल, गु. उलट् पुलट्।
उथला, गु. छिछला।
उदक, सं. पुं. जल।
उदधि, सं. पुं. समुद्र।
उदय, सं. पुं. प्रगट होना; ज्योति।
उदयास्त, सं. पुं. सूर्योदयसे सूर्यास्त लग; उदया चलसे अस्ताचल पर्यन्त।
उदर, सं. पुं. पेट।
उदात्त, सं. पुं. ऊंचा स्वर।
उदार, गु. दाता।
उदारता, सं. स्त्री. दान।
उदास, सं. पुं. एकान्त। गु. निराला; मलीन।
उदासी, सं. स्त्री. एकान्त; मलीनता। गु. एकान्ती, मलीन।
उदासीन, सं. पुं. जिसका कुल शील नहीं जाना अर्थात् पाऊन; जो न शत्रु है न मित्र है; और जो गृहस्थ नहीं है।
उदाहरण, सं. पुं. दृष्टान्त।

उद्गित, गु. आविर्भूत, प्रकाशित।
उदुम्बर, सं. पुं. गूलर।
उदूखल, सं. पुं. गूगल।
उदैहोना, अक. क्रि. प्रकाशित होना जैसे सूर्य्य इत्यादि।
उद्गार, सं. पुं. डकार, वमन।
उद्घाटन, सं. पुं. कुवें से पानी निकालनेके लिये डोल रस्सी, चरसा, खोलवैया।
उद्दीप्त, गु. प्रज्वलित; अत्यन्त प्रकाशित।
उद्देश, सं. पुं. अन्वेषण; प्रीति की कामना; निमित्त।
उद्धत, गु. कुचाल। अभिमानी। सं. पुं. राजाका मल्ल।
उद्धार, सं. पुं. ऋण; त्राण, रक्षा, छुटकारा।
उद्धारना, स. क्रि. छोडाना, त्राण देना।
उद्भव, सं. पुं. जन्म।
उद्यत, सं. पुं. अध्याय। गु. परिश्रमी।
उद्यम, सं. पुं. उद्योग।
उद्यान, सं. पुं. राजाका उपवन, बाला; निमित्त।
उद्योग, सं. पुं. उद्यम; उत्थान।
उद्योत, सं. पुं. प्रकाश, चमक।
उद्विग्न, गु. व्याकुल।
उद्वेग, सं. पुं. व्याकुलता; घबराहट।
उद्बोध, सं. पुं. स्मरण।
उधर, अ. वहाँ।
उधार, सं. पुं. उद्धार।

उधेडना, स. क्रि. सुलझाना, खोलना।
उधेडनौ, स. क्रि. उधेडना।
उनचास, गु. ४९ गिनती।
उनतालीस, गु. ३९ गिनती।
उनतीस, गु. २९ गिनती।
उनसठ, गु. ५९ गिनती।
उनासी, गु. ७९ गिनती।
उनीस, गु. १९ गिनती।
उन्नत, गु. ऊंचा।
उन्नति, सं. स्त्री. ऊंचाई; बढती।
उन्मत्त, } गु. विक्षिप्त; मतवाला,
उन्मद, } सिडा।
उन्माद, सं. पुं. सिडपन।
उन्मुख, सं. पुं. ऊर्द्ध मुख, ऊपर देखना।
उन्मेष, सं. पुं. पलक, झपक।
उन्दार, सं. स्त्री. छाल, रूप। गु. समान, सदृश।
उप, अ. समीप; यह शब्द जब दूसरे शब्दके प्रथम में संयुक्त होवे तब उसका अर्थ कभी अधिकाई, कभी समीपता, कभी न्यूनता है।
उपकरण, सं. पुं. सामग्री।
उपकार, सं. पुं. कृपा, सहायता।
उपकारी, गु. कृपावन्त, सहायक।
उपक्रम, सं. पुं. प्रारम्भ, धोखा।
उपगत, गु. जिस् वस्तुके लिये वाचा दिया।
उपग्रह, सं. पुं. बन्धुआ; कृपा; सहायता।
उपक्र, सं. पुं. बाजा

उपचार, सं. पुं. सेवा; वैद्यकाई; व्यवहार; घूस।
उपज, सं. स्त्री. जो कुछ तत्क्षण में कहा जावे वा गाया जावे।
उपजना, अक. क्रि. उगना, बढ़ना।
उपजाऊ, गु. उपजनेहार।
उपजाना, स. क्रि. उत्पन्न करना। सिरजना।
उपजित, गु. जो उत्पन्न भया।
उपजीविका, सं. स्त्री. जीविका, वृत्ति।
उपडना, अक. क्रि. उखडना।
उपताप, सं. पुं. रोग; फुर्त्ती; उष्मता; पीडा।
उपदंश, सं. पुं. सवाद; सुजाक।
उपदा, सं. स्त्री. भेंट्।
उपदेश, सं. पुं. शिक्षा, मन्त्रदान।
उपदेशक,) सं. पुं. जो उपदेश देता है; गुरु।
उपदेशी,)
उपद्रव, सं. पुं. उत्पात, अन्याय।
उपनयन, सं. पुं. ब्राह्मणादि तीन वर्णों का यज्ञोपवीत धारण के अर्थ असाधारण संस्कार।
उपनेत्र, सं. पुं. चश्मा, नेत्रों का सहायक काच।
उपपति, सं. पुं. जार।
उपपातक, सं. पुं. महापाप, जैसे गो वधादि।
उपमा,) सं. स्त्री. समानता, सादृश्य; दृष्टान्त।
उपमान,)
उपयुक्त, गु. योग्य।
उपयोगी, गु. अनुकूल।
उपरान्त, अ. पीछे, पश्चात्।
उपराला, सं. पुं. सहायता।
उपरि, अ. ऊपर।
उपरोध, सं. पुं. सङ्कोच; सहायता; बडाई; गौरव।
उपरौंछा, सं. पुं. अ। छा। गु. ओछा, उपली।
उपर्ना, सं. पुं. एक पट्टा; ओढ़नी।
उपली, गु. उपरौंछा।
उपर्वाईतर्वाई, सं. स्त्री. अपराई; सीतरस।
उपलक्षण, सं. पुं. थोडा जिस्से समूचा जाना जाय अथवा गुण जिसमें वुह जो गुणी है समझा जाय।
उपला, सं. पुं. कण्डा।
उपवन, सं. पुं. कृत्रिम वन; आराम।
उपवास, सं. पुं. व्रत।
उपवीत, सं. पुं. यज्ञोपवीत।
उपशम, सं. पुं. शान्ति; समाई।
उपशास्त्र, सं. पुं. विद्या जो शास्त्र से निकाली है।
उपस, सं. स्त्री. दुर्गन्धि; सडाहिन्द।
उपसना, अक. क्रि. उबसना, सडना।
उपसर्ग, सं. पुं. क्रिया के साथ संयुक्त जो प्र, परा, अप, समित्यादि।
उपस्थ, सं. पुं. स्त्री. योनि वा लिङ्ग।
उपस्थित, गु. सन्मुखागत; प्राप्त।
उपहास, सं. पुं. ठट्ठा, हंसी।
उपाख्यान, सं. पुं. पुराणी कहानी।
उपादान, सं. पुं. निमित्त।
उपाध, सं. स्त्री. उपद्रव, अन्याय।
उपाधि, सं. पुं. धर्मकी चिन्ता; विशेषण; छल।

उपाधी, गु. उपद्रवी, अन्यायी।
उपाना, स. क्रि. सिरजना, उत्पन्न कर्ना ; उपार्जन कर्ना।
उपाध्याय, सं. पुं. अध्यापक, पढानेहारा।
उपाय, सं. पुं. उद्योग ; यत्न, रीति ; कटकना।
उपार्जन, सं. पुं. विद्या वा धनादि का सङ्ग्रह, कमाई, प्राप्ति।
उपार्जित, गु. जो प्राप्त भया।
उपालम्भ, सं. पुं. उलाहना।
उपास, सं. पुं. उपवास।
उपासक, सं. पुं. जो उपासना करे, सेवक।
उपासना, सं. स्त्री. सेवा, टहल ; अनुवृत्ति, देवादि विषय भावना विशेष।
उपास्य, गु. उपासना कर्नेके योग्य ; आराध्य।
उपेक्षा, सं. स्त्री. धोखा ; त्याग।
उफन्ना, अक. क्रि. उबलना।
उबकना, अक. क्रि. वमन होना।
उबकाई, सं. स्त्री. वमन।
उबकाना, स. क्रि. उछाल कर्ना, वमन कर्ना।
उबटन, सं. पुं. शरीरका मैल उठानेके लिये वस्तु जो आटा वा सरसों वा वेसनका बनता।
उबटना, स. क्रि. उबटन लगाना।
उबलना, अक. क्रि. सीजना, खलबलाना।
उबसना, अक. क्रि. सडना।
उबसाना, स. क्रि. सडाना।
उबारना, स. क्रि. छोडाना।
उबालना, स. क्रि. उसीजना, पकाना।
उभक, सं. पुं. रीछ, भालू।
उभय, सर्व. दोनो।
उभरना, अक. क्रि. उठना, उमगडना ; निकलना।
उभार, सं. पुं. उठान, फूलावट, गुमडा।
उभारना, स. क्रि. फूलना, उठाना।
उमङ्ग, सं. स्त्री. मस्तता, धुन, तृष्णा।
उमङ्गना, अक. क्रि. उमङ्ग से आगे जाना।
उमङ्गी, गु. धुनी, अभिलाषी।
उमगडना, वा उमडना, अक. क्रि. उभर्ना, घिरआना।
उर, सं. पुं. छाती, गोदी।
उरग, सं. पुं. सर्प।
उरला, गु. इधरका।
ऊरु, सं. स्त्री. जाँघका ऊपला भाग। गु. बहुत्।
उर्द, } सं. पुं. माष।
उर्ध, }
ऊर्वरा, सं. स्त्री. उपजन्हार भूमि अर्थात् जिस्में सब प्रकारकी वस्तु उपजे।
उलझन, सं. स्त्री. फसाव, अटकाव।
उलझना, अक. क्रि. फसना, लिपटना। स. क्रि. झगडना।
उलझाना, स. क्रि. फसाना ; अटकाना ; लिपटाना, भिडाना।
उलझेडा, सं. पुं. उलझन।
उलट्ना, स. क्रि. पलटना, फेरना। अक. क्रि. औंधा होना।

उलटा, गु. औंधा, पलटा।
उलटाना, स. क्रि. औंधाना, पलटाना।
उलटापुलटा, गु. गटपट, नीचे ऊपर।
उलथना, अक. क्रि. लहराना।
उलथा, सं. पुं. तर्जुमा।
उलहना, सं. पुं. दोष वा निन्दा। अक. क्रि. उगना।
उलाहना, सं. पुं. उलहना, उपालम्भ।
उलूक, सं. पुं. उल्लू।
उलूखल, सं. पुं. ओखली।
उलेडना, स. क्रि. उझलना।
उल्का, सं. पुं. लूका; अग्नि वा तारा जो आकाश से गिरता है वा दीपकका फूल।
उल्मुक, सं. पुं. लूका, कोयला।
उल्लङ्घन, सं. पुं. अन्यथा वा भङ्ग करना।
उल्लू, सं. पुं. पक्षी विशेष, मूर्ख।
उल्लूपन, सं. पुं. मूर्खता।
उशीर, सं. पुं. तृण विशेषकी जड जिसमें सुगन्ध है।
* उषा, सं. स्त्री. प्रातःकाल।
उष्ट्र, सं. पुं. ऊँठ।
उष्ण, सं. स्त्री. तप्त, गरम; गरमी।
उष्णीष, सं. पुं. पगडी, मुकुट।
उष्णता, सं. स्त्री. गरमी।
उष्मा, सं. स्त्री. क्रोध; तप्त।
उसकाना, स. क्रि. उकसाना, उभाना, सुलगाना।
उसन्ना, अक. क्रि. उबलना, पकना।
उसरना, अक. क्रि. टलना, पीठ देना।
उसाना, स. क्रि. उबालना।
उसारा, सं. पुं. ओसारा, डेवढी।
उसास. सं. पुं. श्वास।
उसीजना, स. क्रि. उबालना।
उसीसा, सं. पुं. सिरहाना, तकिया।
उस्तराँ, गु. सेंत, विनमोल।
उस्तरा, सं. पुं. नाई।
उस्तुरा, सं. पुं. नाईका छुरा, छुर।
उहरना, अक. क्रि. बैठना, दबना।

ऊ

ऊ, देवनागरी वर्णमालाके स्वर वर्णोंमेंका छठा स्वर।
ऊंघ, वा ऊंघाई, सं. स्त्री. नींदास, झपकी।
ऊंघना, अक. क्रि. झपकी में होना।
ऊंचा, गु. उच्च।
ऊंचाई, } सं. स्त्री. उन्नति।
ऊंचान, }
ऊंट, सं. पुं. उष्ट्र।
ऊंटकटारा, सं. पुं. भरभांड।
ऊख, सं. स्त्री. इक्षु।
ऊखाडी, सं. स्त्री. ऊखका खेत।
ऊत, सं. पुं. मनुष्य जो सन्तान हीन मरे; अविवाहित, अति मूर्ख।
ऊतर, सं. पुं. उत्तर।
ऊद्बिलाव, सं. पुं. जल जन्तु विशेष।
ऊदा, गु. भूरा।

ऊहाई, } सं. स्त्री. कपिल।
ऊदाहट, }
ऊन, सं. स्त्री. मेषादि का लोम ; न्यून, थोडा।
ऊना, सं. पुं. खड्ग विशेष धोय।
ऊनी, गु. जो ऊन से बना है।
ऊबट, गु. औघट, अगम्य।
ऊर्द्ध, गु. ऊपर।
ऊर्द्धपुंड, सं. पुं. वैष्णवी तिलक।
ऊर्द्धरेता, सं. पुं. सन्यासी; ऋषि ; जितेन्द्रिय।
ऊर्द्धसांस, सं. पुं. ऊपर की श्वास।
ऊलूआ, सं. स्त्री. तृण विशेष।
ऊषण, सं. पुं. काली मिर्च।
ऊषर, वा ऊसर, सं. स्त्री. भूमि जिस में अन्नादि नहीं उपजे।
ऊह, सं. पुं. तर्क।

ऋ

ऋ, देव नागरी वर्ण मालाके स्वर वर्णों मेंका सातवाँ स्वर।
ऋचा, सं. स्त्री. मन्त्र।
ऋजु, गु. सीधा, सरल।
ऋण, सं. पुं. उधार।
ऋणी, सं. पुं. धारता, धारणिक।
ऋतु, सं. स्त्री. वसन्तादि छः ; रज ; समय।
ऋतुमती, सं. स्त्री. रजस्वला, कपडों से।
* ऋद्धि, सं. स्त्री. औषधी पौधा विशेष ; धन।
ऋन, सं. पुं. ऋण।
ऋनिया, सं. पुं. ऋणी।
ऋषि, सं. पुं. वेदज्ञ, मुनि।
ऋषीश, सं. पुं. ऋषियों में प्रधान।
ऋक्ष, सं. पुं. भालू।

ए

ए, देवनागरी वर्णमालाके स्वर वर्णोंमेंका ग्यारहवाँ स्वर ; सम्बोधन का सूचक।
एक, गु. गिनतीका पहिला अङ्क ; अद्वितीय।
एककाल, गु. समान समय।
एककालीन, गु. जो समान काल में उत्पन्न भया।
एकटक, सं. पुं. एक ताक से देखना।
एकट्ठा, गु. जो एक स्थान में संग्रह किया है।
एकतराज्वर, सं. पुं. अंतरिया, तिजारी।
एकता, सं. स्त्री. एकाई ; मेल, समानता।
एकत्र, अ. एकठौर, एकस्थान में।
एकदा, अ. एक समय।
एकरूप, सं. पुं. समभाव।
एकलौटा, गु. जो लडका अपने मा बाप को एकही होय।
एकसा, गु. समान।
एकसार, गु. समान, एकरस।
एकाई, सं. स्त्री. एकता।
एकाएकी, अ. एकवार में, अचानक।
एकाकार, गु. समान रूप ; ब्राह्मणादि विशेष जाति के अभिमान को त्यागके पश्वादि की नाई

एक भांति वा एकाधार ; कलि धर्म्म।
एकाकी, गु. अकेला।
एकाग्र, गु. एक मन।
एकादशी, सं. स्त्री. पक्षका ग्यारहवाँ दिन।
एकाधिपति, सं. पुं. अनेक देशोंका एक राजा।
एकान्त, गु. निराला, अलग, निर्जन स्थान ; निपट्।
एकाक्ष, सं. पुं. काक ; काना।
एड, सं. स्त्री. घोडेके चलानेके लिये पैरके पिछले भागकी ठोकर।
एडी, सं. स्त्री. पैर का पिछला भाग।
एतदर्थ, अ. इस् लिये।
एतना, गु. इतना।
एतावता, अ. इस् कर्के, इस् कारण।
एतावन्मात्र, गु. इतनाही, यही केवल।
एरण्ड, सं. पुं. अरण्ड, रेंड।
एलवा, सं. पुं. औषधि विशेष अर्थात् मुसब्बर।
एला, सं. स्त्री, इलायची।
एलोई, सं. पुं. अर्थात् हे हमारे ईश्वर।
एवम्, अ. इस् प्रकार ; और।

ऐ

ऐ, देवनागरी वर्णमाला के स्वर वर्णोंमें का बारहवाँ स्वर।
ऐंच, सं. पुं. सङ्कोच, खैंच।
ऐंचना, स. क्रि. खैंचना।
ऐंठ, सं. स्त्री. बल, मरोड।
ऐँठना, स. क्रि. मरोडना, बल देना। अक. क्रि. अकडना, मचलना।
ऐकाधिपत्य, सं. पुं. अद्वितीय देशाधिपत्य ; पदवी।
ऐकाहिक सं. पुं. अंतरिया।
ऐक्य, सं. पुं. समानता।
ऐगुन, गु. औगुन।
ऐन्द्रजालिक, सं. पुं. नटवर, दिठबन्द।
ऐश्वर्य, सं. पुं. विभव, माहात्म्य सम्पत्ति।
ऐश्वर्य्यशाली, गु. सम्पत्ति कर्के शोभित।
ऐसा, गु. इस् प्रकार, इस्के समान।
ऐहिक, गु. इस्लोक के भोग, जो इहाँ होय।

ओ

ओ, देवनागरी वर्ण मालाके स्वर वर्णोंमें का तेरहवाँ स्वर। सम्बोधन ; करुणा ; स्तुति।
ओंठ, सं. पुं ओष्ठ।
ओंडा, गु. गम्भीर।
ओंधा, गु. औंधा।
ओक, सं. स्त्री. उबकाई ; घर ; आश्रय।
ओकना, अक. कि. उबकाई कर्ना।
ओखली, सं. स्त्री. उलूखल।
ओघ, सं. पुं. समूह।
ओछा, ग. छिछोरा, हलका।
ओज, सं. पुं. बल ; तेज।

ओझ, सं. पुं. पचोनी, झोझा।
ओझड, सं. स्त्री. झोंक, धक्का।
ओझल, सं. स्त्री. ओट; छिपाव्। गु. जो छिपा है।
ओझा, सं. पुं. भोकस, टोन्हा, यन्त्री।
ओट, सं. स्त्री. आड, पच्छ।
ओटना, स. क्रि. आड करना, बचाना; रेतना; रुईसे बिनौला निकालना; लोकना।
ओटा, सं. पुं. आड।
ओठ, सं. पुं. ओष्ठ, ओंठ।
ओडन, सं. पुं. ढाल, फरी।
ओडा, सं. पुं. खाँचा, टोकरा।
ओढना, स. क्रि. पहिनना। सं. पुं. रजाई, पट्टू, लोई।
ओढनी, सं. स्त्री. एकलाई, घूंघट्।
ओत, सं. स्त्री. बढोतरी, बचती; हीनता।
ओतप्रोत, सं. पुं. ताना बाना, चौडाई लम्बाई में ग्रथित।
ओदन, सं. पुं. भात।
ओदा, गु. गीला, भीगा।
ओधे, गु. अधिकारी।
ओप, सं. स्त्री. सुन्दरता; चमचमाहट; घोट्।
ओर, सं. स्त्री. कगर; मार्ग; अलङ्ग।
ओरी, गु. पच्छी। सं. स्त्री. ओलती।
ओल, सं. पुं. सूरण, कन्द विशेष; मनौती।
ओलती, सं. स्त्री. ओरी।
ओला, सं. पुं. जलमय पत्थर; और चीनी को पकाय के जो बनता है।
ओषधि, सं. स्त्री. जो पौधा फलके पकने से नष्ट होकर फार उत्पन्न होय।
ओष्ठ, सं. पुं. दाँतों का ढकना, होठ।
ओस, सं. स्त्री. शीत, जो रात्रिके समय छोटी२ फुहार पडती है।
ओसर, सं. पुं. कलोर।
ओसरा, सं. पुं. पारी।
ओसराओसरो, सं. पुं. पारापारी।
ओसीसा, सं. पुं. सिरहाना, तकिया।
ओहो, अ. वाहवाह, आहा।

औ

औ, देव नागरी वर्ण मालाके स्वर वर्णोंमेंका चौदह वाँ स्वर; अ. और।
औंगी, सं. स्त्री. चुप्पी; गुंगापन।
औंडा, गु. गम्भीर।
औंधना, अक. क्रि. उमडना।
औंधा, गु. उलटा।
औंधाना, स. क्रि. उलटाना।
औगाह, गु. गम्भीर।
औगन, सं. पुं. खोट, दोष।
औगुनी, गु. निर्गुनी।
औघठ, गु. अगम्य, ठाढ।
औचक, } अ. अचानक।
औचट, }
औछ, सं. पुं. जड विशेष।

औटन, सं. पुं. जलाव।
औटना, स. क्रि. सुखाना, जलाना।
औतार, सं. पुं. अवतार।
औत्कर्ष, सं. पुं. श्रेष्ठता।
औत्सुक्य, सं. पुं. चिन्ता ; व्याकुलता ; पछतावा।
औदात, गु. श्वेत।
औदान, सं. पुं. घलूआ।
औदार्य, सं. पुं. उदारता।
औदासीन्य, सं. पुं. विषयों में वैराग्य।
औभट, गु, औघट, अगम्य।
और, अ. पुनः। गु. अधिक।
औरस, सं. पुं. व्याहती का पुत्र।
और्द्धदेहिक, सं. पुं. मृतक की क्रिया।
औषध, सं. स्त्री. रोगनाशक द्रव्य।
औसर, सं. पुं. अवसर।
औसेर, सं. पुं. चिन्ता, भभर ; खटका।

क

क, देव नागरी वर्ण माला के हल वर्णों मेंका प्रथम अक्षर।
कंकन, सं. पुं. कङ्कन।
कंकर, सं. पुं. कङ्कर।
कंचन, सं. पुं. कञ्चन।
कंचनी, सं. स्त्री. कञ्चनी।
कंचु, सं. पुं. कञ्चु।
कंज, सं. पुं. कञ्ज।
कंजर, सं. पुं. कञ्जर।
कंजा, गु. कञ्जा।
कंठ, सं. पुं. कण्ठ।
कंठला, सं. पुं. कण्ठला।
कंत, सं. पुं. कन्त।
कंद, सं. पुं. कन्द।
कंदरा, सं. स्त्री. कन्दरा।
कंध, सं. पुं. कन्ध।
कंवल, सं. पुं. पद्म, कमल, कम्वल।
ककडी, सं. स्त्री. फल वा तरकारी विशेष।
ककहरा, सं. पुं. बाराखरी. वर्ण।
ककोर्ना, स. क्रि. खोदना, खरोचना।
कखरी, सं. स्त्री. काख।
कखोरी, सं. स्त्री. काखका फोडा।
कगर, सं. पुं. छोर, अन्त।
कङ्गण, सं. पुं. हाथका भूषण।
कङ्कर, सं. पुं. जिसे चूनेकी बरी पकाई जाती है ; नीच।
कङ्कालिन, सं. स्त्री. डाकिनी, डायन।
कङ्कण, सं. पुं. कङ्गण।
कङ्गनी, सं. स्त्री. पौधा विशेष।
कङ्करोड सं. पुं. रीढ ; पक्षी विशेष।
कङ्काल, गु. दलिद्री।
कङ्घा, } सं. पुं. स्त्री. बालझाडनेके
कङ्घी, } लिये काष्ठादिकी वस्तु।
कचकना, अक. क्रि. मुरकना ; पिराना।
कचकचाना, अक. क्रि. किरकिराना, भिनभिनाना।
कचकाना, स. क्रि. मुरकाना।
कचनार, सं. स्त्री. वृक्ष विशेष जिसके फूलकी तरकारी बनाते है।
कचरी, सं. स्त्री. फलविशेष।
कचपचिया, सं. पुं. गुच्छातारोंका, कृत्तिका।

कचाई, सं. स्त्री. अजीरन; कच्चा-पन।
कचालू, सं. पुं. कन्द विशेष।
कँचियाहठ, सं. स्त्री. घिनघिनाहट।
कचौरी, सं. स्त्री. पूरी जो पीठी भरके बनती है।
कच्चा, गु. आम, अनपक्का; अनाडी।
कच्छप, सं. पुं. कूर्म, कछुवा।
कछना, स. क्रि. धोना वा पोंछना।
सं. पुं. काछ।
कछलंपठ, गु. अजितेन्द्रिय।
कछवाहा, सं. पुं. राजपुत्रका वर्ण जो रामचन्द्रके कुश नामा पुत्रसे उत्पन्न भया।
कछाना, सं. क्रि. छांटना, धोना।
कछु, } सर्व, कुछ. किंचित्।
कछू, }
कछूआ, सं. पुं. कच्छप।
कज्जल, सं. पुं. काजल, अञ्जन।
कञ्चन, सं. पुं. स्वर्ण; जाति विशेष।
कञ्चनी, सं. स्त्री. कञ्चनजातिकी स्त्री, नौचो, पतुरिया।
कञ्चु, सं. पुं. चोली।
कञ्ज, सं. पुं. कंवल।
कञ्जर, सं. पुं. जाति विशेष जो रस्सी वा सिरकी बेचते हैं।
कञ्जा, गु. जिस्के आँखकी पुतली नीली है।
कञ्जिया, सं. स्त्री. आँखअञ्जनी।
कञ्जूस, सं. पुं. सूम, कृपण।
कञ्जूसी, सं. स्त्री. कृपणता।
कट, सं. स्त्री. कटि।
* कटक, सं. पुं. सेना।

कटकना, सं. पुं. बांधनू; उपाय।
कटघरा, सं. पुं. कटहरा।
कटना, अक. क्रि. कटजाना; लज्जित होना; घायल होना।
कटनी, सं. स्त्री. कटाई, अनाज काटनेका समय।
कटरा, सं. पुं. हाठ, चौक।
कटहरा, सं. पुं. बडा पिञ्जडा; घेरा काठका।
कटहा, गु. काटनेहारा।
* कटार, वा कटारी, सं. पुं. स्त्री. खञ्जर।
कटारा, सं. पुं. औषधि पौधा विशेष।
कटाह, सं. पुं. कडाह, कडाही।
कटाक्ष, सं. पुं. तिर्छी आँखसे देखना।
कटि, सं. स्त्री. लंक।
कटित, सं. पुं. खपत।
कटीला, गु. कँखार; सावन्त।
कटु, गु. कडुवा।
कटोरा, सं. पुं. वा-री, स्त्री. जल पीने के लिये पात्र विशेष।
कट्ठा, सं. पुं. मापनेका पात्र; विश्वा।
कठन्दर, सं. पुं. काष्ठोदर, रोग विशेष।
कठडा, } सं. पुं. वा-डी स्त्री. काठ
कठरा, } की थाली वा पहरात।
कठारी, सं. स्त्री. काठ का कमण्डल।
कठिन, गु. निष्ठुर; कठार; कडा।
कठोर, गु. निठुर।

कठोरता, सं. स्त्री. निठुरता, निठुराई।
कडक, सं. स्त्री. धडाका, चटक; गरजन; स्फुर्त्त।
कडकना, अक. क्रि. चटकना; गरजना।
कडखा, सं. पुं. युद्धमें बढावा देना।
कडखैत, सं. पुं. भाट जो बढावा देता है।
कडवा, गु. तीता, तीक्ष्ण; निठुर; सावन्त।
कडवाहट, सं. स्त्री. तीक्ष्णता।
कडा, गु. कठोर; दृढ; मगरा, ढिठ, निठुर।
कडडा, सं. पुं. नदीका ऊँचा तीर, अडाडा।
कडाह, सं. पुं. दुग्धादि औटने के लिये लोहेका पात्र; गुरु नानक का भोग।
कडाही, सं. स्त्री. छोटा कडाह।
कडी, सं. स्त्री. काँडी, धरन।
कडोड, गु. कोटि, दशलक्ष।
कढना, अक. क्रि. निकलना, खिसकना, उठना; चितना।
कढी, सं. स्त्री. भोजन विशेष जो बेसन और दही से बनता है।
कण, सं. पुं. धान्य; राज्य ग्राह्य अय।
कणिका, सं. स्त्री. अणु; लेश।
कण्टक, सं. पुं. काँटा; शत्रु; क्षपण।
कण्टार, गु. कटीला।
कण्टिया, सं. स्त्री. आँकडी।
कण्ठ, सं. पुं. गला, घाँटी; उपस्थित, मुखाग्र।
कण्ठस्थ, सं. पुं. मुखाग्र।
कण्ठला, सं. पुं. माला लडकों के रक्षाके लिये जो सोने रूपे मूंगे बनती है।
कण्ठा, सं. पुं. बडी गरियाकी माला।
कण्ठाग्र, गु. मुखाग्र।
कण्ठाभरण, सं. पुं. गलेका भूषण।
कण्ठी, सं. स्त्री. छोटी माला तलसीकी।
कण्ठ्य, गु. जिस अक्षर का उच्चारण कण्ठसे होय।
कत, अ. कहाँ; क्योंकर।
कतना, अक. क्रि. कातजाना।
कतरन, } सं. स्त्री. काटन।
कतरा,
कतराना, स. क्रि. कटवाना; राज मार्ग को छोड के पगडण्डीसे चलना।
कतना, स. क्रि. काटना; छाँटना।
कतर्नी, सं. स्त्री. कैंची।
कताई, सं. स्त्री. कातनेका काम, कातनेकी कौडी।
कतीरा, सं. पुं. गोंद विशेष।
कत्था, सं. पुं. खदिर, खैर।
कथक, सं. पुं. पौराणिक, पंवारिया।
कथन, सं. पुं. वाक्य का प्रयोग, कहना।
कथना, स. क्रि. कहना।
कथा, सं. स्त्री. पँवारा, वृत्तान्त।
कथित, ग. जो कहा गया है।

कथोपकथन, सं. पुं. आलाप ; परस्पर बातचीत।
कद, अ. कब।
कदन, सं. पुं. वधिक नाशक।
कदम, } सं. पुं. वृक्ष विशेष।
कदम्ब, }
कदर्य्य, गु. लोभी, कञ्जूस।
कदली, सं. स्त्री. केले का वृक्ष।
कदक्षर, सं. पुं. कुत्सित वर्ण।
कदा, अ. कब।
कदाचार, गु. शास्त्र से विरुद्ध जो व्यवहार।
कदाचित, } अ. जो कभी होतोहो
कदापि, } कधीभी।
कन, सं. पुं. कण ; अणु।
कनक, सं. पुं सोना ; धतूरा।
कनकटा, गु. बूचा।
कनखजूरा, सं. पुं. गोजर।
कनागत, सं. स्त्री. आश्विन कृष्णपक्ष में पित्रोंका श्राद्ध।
कनिक, सं. पुं. चून, पिसान।
कनियाना, स. क्रि. सङ्कोच से कतरा जाना।
कनियाहट, सं. स्त्री. खींच, सङ्कोच।
कनिष्ठ, गु. छोटा।
कनिहा, गु. घूना
कने, अ. पास, साथ।
कनेर, } सं. स्त्री. करवीर वृक्ष,
कनेल, } जिसका पुष्प देवतों को चढाता है।
कनैय, सं. पुं. कर्ण वेधन।
कनौजिया, गु. कनौज देश का वासी।
कन्त, सं. पुं. भतार, स्वामी ; प्रियतम।
कन्था, सं. स्त्री. कथडी, गुदडा।
कन्द, सं. पुं. जड विशेष।
कन्दरा, सं. स्त्री. खोह, गुफा।
कन्ध, } सं. पुं. स्कन्ध, काँधा।
कन्धा, }
कन्धियाना, स. क्रि. कोई वस्तु काँधे पर रखना।
कन्यका, सं. स्त्री. कुमारी, दशवर्ष लगकी लडकी।
कन्या, सं. स्त्री. कुमारी, कन्यका, बेटी, छठीराशि।
कपकपी, सं. स्त्री. थरथरी, फुरफुरी।
कपट, सं. पुं. छल, खोटाई, भगल। गु. कपटी।
कपटी, गु. छली, बहुरूपिया, खोटा।
कपडा, सं. पुं. वस्त्र।
कपडोंहोना, अक. क्रि. ऋतु होना, रजो धर्म होना।
कपाट, सं. पुं. किवाडी।
कपार, वा-ल, सं. पुं. ललाट, भाग्य।
कपास, सं. स्त्री. बाँगा ; रूईका वृक्ष कार्पास।
कपि, सं. पुं. वानर।
कपित्थ, सं. पुं. वृक्षविशेष, कैथ।
कपिला, सं. स्त्री. पिङ्गल वर्ण की गौ।
कपुत्र, } सं. पुं. अपूत, कुपुत्र।
कपूत, }
कपूर, सं. पुं. कर्पूर।
कपोत, सं. पुं. कबूतर, परेवा।

कपोल, सं. पुं. गाल।
कफ, सं. पुं. खंखार, श्लेष्मा।
कब, अ. कदा।
कबड्डी, सं. स्त्री. खेल विशेष।
कबन्ध, सं. पुं. बिन मस्तक की देह।
कबरा, गु. कर्बुर, चितकबरा।
कभी, } अ. कदापि, कधी।
कभू, }
कमठ, सं. पुं. कछुवा।
कमण्डलु, सं. पुं. दण्डियों का जल-
पात्र, करुवा।
कमनीय, गु. सुन्दर।
कमरख, सं. पुं. फलविशेष।
कमल, सं. पुं. पद्म।
* कमला, सं. स्त्री. लक्ष्मी।
कमलिनी, सं. स्त्री. पद्मिनी।
कमाई, सं. स्त्री. उपार्जन, प्राप्ति।
* कमाऊ, गु. उद्यमी, खट्टू, यत्नी।
कमाना, स. क्रि. उपार्जन कर्ना;
कामचलाना, निर्मल कर्ना।
कमोदिनी, सं. स्त्री. कमल विशेष
जो रात्रिको खिलता है और
दिनको मुन्द जाता है।
कमोरी, सं. स्त्री. मटकी।
कम्प, सं. पुं. कपकपी, थरथराहट्।
कम्पना, अक. क्रि. काँपना, थर-
थराना।
कम्पाहा, } गु. थरथराहा।
कम्पित, }
कम्पिनी, सं. स्त्री. साहिब लोगोंके
बङ्गतोंका मेल, साझा।
कम्बल, वा कम्मल, सं. पुं. ऊनका
भारी वस्त्र।

कर, सं. पुं. हाथ; राजग्राह्य धन,
मसूल।
करकस, गु. कर्कश।
करकसा, सं. स्त्री. लड़ाकी।
करण, सं. पुं. कारक विशेष; सा-
धन।
करणी, सं. स्त्री. थवईका एक प्रका-
रका अस्त्र; कर्म।
करणीय, गु. अवश्य कर्त्तव्य।
करतल, सं. पुं. हथेली।
करताल, सं. पुं. } वाद्य विशेष;
करताली, स्त्री. } ताल।
करतूत, सं.स्त्री. कर्त्तव्य; चाल।
करनफूल, सं. पुं. कर्णफूल।
करना, स. क्रि. बनाना, रचना।
करम, सं. पुं. कर्म।
करवीर, सं. पुं. कनेल।
करांत, सं. पुं. आरा।
करांती, गु. आरेसे जो चीरे।
कराना, स. क्रि. बनाना; रचाना।
करारा, सं. पुं. कड़ारा।
कराल, गु. भयानक।
कराहना, अक. क्रि. आहमाना,
साँसभर्ना।
करीर, वा-ल, सं. पुं. वृक्ष विशेष।
करुणा, सं. स्त्री. दया, कोमलता।
करेरा, गु. दृढ़, कड़ा।
करैत, सं. पुं. सर्प विशेष।
करोड़, गु. दशलाक।
करोड़ा, सं. पुं. उगाहनेवाला,
प्रधान।
करौंदा, सं. पुं. फल विशेष।
कर्क, सं. पुं. चौथी राशि।

कर्कट, सं. पुं. केकडा, चैाथी राशि।
कर्कश, गु. कडा, कठोर, लडाका।
कडा, गु. कडा।
* कर्ण, सं. पुं. कान; पतवार।
कर्णधार, सं. पुं. माँझी; पतवार।
कर्णफूल, सं. पुं. कानका भूषण विशेष।
कर्णवेधन, सं. पुं. कानका छेदना।
कर्त्तव्य, सं. पुं. करतूत, काम।
कर्त्तव्यता, सं. पुं. चाल, करतूत।
कर्त्ता, सं. पुं. क्रियामें जो प्रधान है, कर्नेहार; सिरजनेहार; प्रभु; भर्त्ता।
कर्त्तार, सं. पुं. सिरजनेहार, कर्त्ता
कर्तृत्व, सं. पुं. कर्त्ताका धर्म।
कर्दम, सं. पुं. कीचड, काँदो।
कर्धनी, सं. स्त्री. कटि बन्धन।
कर्पूर, सं. पुं. कपूर।
कर्म, सं. पुं. कारक विशेष; काम; प्रालब्ध। शास्त्र विहित जपयज्ञादि।
कर्मकाण्ड, सं. पुं. जपयज्ञादि।
कर्मकारक, सं. पुं. कारकविशेष।
कर्मच्युत, गु. कामसे भ्रष्ट।
कर्मभोग, सं. पुं. प्रालब्धका भोग, तपस्या, पद्धतिविशेष।
* कर्मविपाक, सं. पुं. कर्मोंका फल।
कर्माधर्मी, गु. अपतपिया; भाग्यवान; दैवागत।
कर्मी, गु. कर्मोंका कर्नेहारा।
कर्षण, सं. पुं. खैंच।
कल, सं. स्त्री. चैन, सुख, यन्त्र। पुं. अव्यक्त मधुर शब्द; आजका पहिला वा पिछला दिन।
कलकल, सं. पुं. कोलाहल।
कलङ्क, सं. पुं. लिम, अपवाद, चिन्ह, दोष।
कलङ्की, गु दोषी।
कलङ्किनी, सं. स्त्री. दूषिता।
कलत्र, सं. स्त्री. पत्नी।
कलप, सं. पुं. रङ्ग जिस्से बाल रङ्गे जाते हैं; माँडी।
कलपना, अक. क्रि. कुढना, दुखित होना।
कलपाना, स. क्रि. कुढाना, दुखाना।
कलम, सं. स्त्री. लेखनी।
कलमलाना, अक. क्रि. कुलबुलाना।
कलश, सं. पुं. घट, गगरा, जलपात्र।
कलस, सं. पुं. शूल; कलश।
कलसस्थापनकर्ना, स. क्रि. यज्ञादि कर्नेमें प्रथम कलश पानीसे भर्के और उस्में इन वृक्षोंके पल्लव डालके अश्वत्थ, वट, उदुम्बर शमी, आम्र, स्थापन कर्ना अर्थात् बैठाना।
कलसी, सं. पुं. गगरी, छोटाकलश।
कलह, सं. पुं. झगडा, विरोध, लडाई।
कलहारा, गु. लडाका, झगडालू।
कलही, सं. स्त्री. कर्कशा लडाकी।
कला, सं. स्त्री. सोलह वाँ अंश, बांट।
कलाई, सं. स्त्री. पहुंचा; दलहन।
कलाना, स. क्रि. भुनाना।
* कलाप, सं. पुं. समूह; व्याकरण विशेष।
कलार, सं. पुं. कलवार, सूंडी।

कलि, सं. पुं. चौथायुग, वेदोक्त धर्म का नाशक समय, कलियुग।
कलिका, सं. स्त्री. कली, विनफूला-फूल।
* कलिङ्ग, सं. पुं. कटक, रङ्गकापौधा।
कलियाना, अक. क्रि. खिलना, फूलना।
कली, सं. स्त्री. कलिका; बरी।
कलेऊ, सं. पुं. वासीरसोई; प्रातःकालमें थोडा भोजन।
कलेजा, सं. पुं. आंत विशेष; सूरमापन साहस।
कलेवर, सं. पुं. देह।
कलेवा, सं. पुं. कलेऊ।
कलेस, सं. पुं. क्लेश।
कलोर, सं. पुं. ओसर।
कलोल, सं. स्त्री. खेल।
कलोजी, सं. स्त्री. मँङ्गरैला, मगरेला।
* कल्प, सं. पुं. ब्रह्माका दिनरात; प्रलय।
कल्पतरु, वा कल्पवृक्ष, सं. पुं. कामना के अनुसार फलोंका दाता स्वर्गीय वृक्ष विशेष।
कल्पना, अक. क्रि. खेदित होना।
कलमलाना, अक. क्रि. कुलबुलाना।
कल्याण, सं. पुं. कुशल, मंगल।
कल्लर, गु. ऊसर।
कवच, सं. पुं. झिलम।
कवर्ग सं. पुं. ककारादि पाँच अक्षर।
कवल, सं. पुं. ग्रास।
कवि, सं. पुं. भाट, श्लोक वा दोहरा बनाने हारा।

कविता, } सं. स्त्री. पद्य, श्लोक।
कविताई, }
कशेरु, सं. पुं. कसेरु।
कषाय, सं. पुं. कसैलारस।
कष्ट, सं. पुं. दुःख, पीडा।
कष्टी, गु. दुःखित, पीडित।
कसक, सं. पुं. पीडा, दुःख।
कसकना, अक. क्रि. दुःखभोगना, दुःखी होना।
कसन, सं. पुं. काठी, यन्त्रणा।
कसना, स. क्रि. खैंचना; जांचना; घीसे भून्ना, तलना।
कसाई, सं. स्त्री. खैंचाहट्।
कसेरु, सं. पुं. जलका कन्द विशेष।
कसेला, गु. कषाय।
कसौटी, सं. स्त्री. स्वर्णादिका परीक्षक पाषाण।
कस्तूरी, सं. स्त्री. गन्धद्रव्य विशेष, अर्थात् मृगमद।
कहना, स. क्रि. बोलना, जताना, आज्ञा कर्ना।
कहलाना, स. क्रि. बोलवाना; बुलवाना; भून्ना।
कहा, सर्व. क्या। सं. पुं. आज्ञा।
कहानी, सं. स्त्री. कथा, वृत्तान्त।
कहावत, सं. स्त्री. बात, दृष्टान्त।
का, सर्व. किसी; संबन्धार्थ।
कक्ष, सं. पुं. काख।
कक्षा, सं. स्त्री. ग्रहोंकी चालका मण्डलाकार पथ।
काँकर, सं. पुं. कङ्कर।
काँख, सं. स्त्री. कक्ष।
काँखना, अक. क्रि. घुरनाना।

काँगनी, सं. पुं. पौधा विशेष वा उसका बीज।
कांच, गु. कचा। सं. पुं. गुदामें रोग विशेष; सीसा।
काँजी, सं. स्त्री. जलविशेष जो भात को सडायके बनता है।
काँटा, सं. पुं. कण्टक; यन्त्रविशेष, स्वर्णादिका तौलनेकी तुला।
काँठा, गु. समीप।
काँड, सं. पुं. खण्ड।
काँडी, सं. स्त्री. कडी, धरन।
काँदू, सं. पुं. चीनी पकानेका कडाह; भूंजा, जाति विशेष जो अनाज भुनते हैं।
काँदो, सं. पुं. कीचड।
काँधा, सं. पुं. स्कन्ध।
काँपना, अक. क्रि. दलदलाना, थर थराना।
काँस, सं. पुं. तृण विशेष।
काँसा, } सं. पुं. धातु विशेष।
कांस्य, }
काँक्षा, सं. स्त्री इच्छा।
काई, सं. स्त्री. हरीवस्तु जो ताल तलैया में लगती है।
काक, सं. पुं. कौवा।
काका, सं. पुं. पिताका भाई।
काकी. सं. स्त्री. काकाकी स्त्री।
काकिणी, सं. स्त्री. बीस कौडी; छदाम।
काख, सं. स्त्री. कक्ष।
काखअलाई, सं. स्त्री. कखौरी।
काग, सं. पुं. काक।
काच, सं. पुं. सीसा।
काचा, गु. कचा; अज्ञानी।
काछ, सं. पुं. धोतीका दूसरा ओर जो पीछे खोंचते हैं; जाँग के ऊपर का भाग।
काछना, स. क्रि. काछ मार्ना वा चढ़ाना; पोंछना, बटोर्ना।
काछनी, सं. स्त्री. लङ्गोटी विशेष।
काज, सं. पुं. कार्य्य।
काजल, सं. पुं. कज्जल।
काञ्चन, सं. पुं. सोना।
काट, सं. स्त्री. चीरा; मैल; तीक्ष्णता।
काटना, स. क्रि. कतर्ना; काटखाना; लवना; आरा कर्ना; रहना; बिताना; रोकना; लज्जित कर्ना।
काठ, सं. पुं. काष्ठ। काठी, लकडी।
काठिन्य. सं. स्त्री. कठिनता, कठोर पना।
काठी, सं. स्त्री. घोडेके ऊपरका काष्ठका आसन; खोल जिसमें खड्ग रखते हैं; तन; डौल; लकडी।
काढना, स. क्रि. निकालना; चमडा उधेडना। कपडे में फूल बनाना।
काढा, सं. पुं. क्वाथ।
काण, वा-णा, वा-णी. गु. पुं. स्त्री. एकाक्ष।
काण्ड, सं. पुं. खण्ड, प्रकरण।
कातना, स. क्रि. सूत कातना, अर्थात् रूईसे सूत बनाना।
कातर, } गु. डरपेकाना, व्याकुल।
कादर, }

कादराई, सं. स्त्री. भय, डर।
कादो, सं. पुं. कीचड।
कान, सं. पुं. कर्ण ; लाज।
कानन, सं. पुं. वन ; ब्रह्माका मुख।
कानो, गु. स्त्री. जो एक आँखकी है।
कान्त, सं. पुं. पति।
कान्ता, सं. स्त्री. पत्नी, प्यारी।
कान्ति, सं. स्त्री. शोभा।
कापट्य, सं. पुं. शठता, कपट।
कापुरुष, गु. कुत्सित मनुष्य।
काम, सं. पुं. कार्य्य।
कामकेलि, सं. स्त्री. दुलार प्यार ; सङ्गम।
कामना, सं. स्त्री. इच्छा, मदन।
कामरी, सं. स्त्री. कम्मल।
कामरूपी, गु. बहुरूपिया ; सुन्दर ; कामरूपके लोग।
कामातुर, } गु. चुलहारा, कामी।
कामार्त्त, }
कामिनी, सं. स्त्री. उत्तम सुन्दरी और प्रेमी स्त्री ; पुष्प वृक्ष विशेष ; कामातुर।
कामी, गु. कामातुर।
कामुक, सं. पुं. स्त्रीके सुखमें आसक्त, कामातुर।
कामोद, सं. स्त्री. रागिनी विशेष।
काम्य, सं. पुं. कामना का विषय।
काम्यकर्म, सं. पुं. स्वर्गादि फलों के लिये जो कर्म कर्ना।
काय, वा काया, सं. स्त्री. देह, तन।
कायक, गु. देही।
कायफल, सं. पुं. औषधि विशेष।
कायर, गु. भयमान, हेठा।
कायस्थ, सं. पुं. जाति विशेष।
कारक, सं. पुं. क्रियाका साक्षात निमित्त।
कारज, सं. पुं. कार्य्य।
कारण, सं. पुं. निमित्त ; लिये।
कारागार, सं. पुं. बन्दि गृह।
कारु, } सं. पुं. शिल्पकार।
कारुकर, }
कार्त्तिक, सं. पुं. आठवाँ महीना।
कार्पण्य सं. पुं. दरिद्रता, दीनता।
कार्पास, सं. स्त्री. कपास।
कार्मुक, सं. पुं. धनुष्।
कार्य, सं. पुं. प्रयोजन, काम।
कार्षापण, सं. पुं. कैाडीके सोलह पण का माप वा तोल।
काल, सं. पुं. मृत्यु ; समय ; दुर्भिक्ष ; कल।
कालक, सं. स्त्री. दृष्णत्व ; बीज गणित में प्रमाण का बोधक।
कालकूट, सं. पुं. हलाहल विष।
कालक्षेप, सं. पुं. समय बिताना, अर्थात दुःखके दिन भोगने।
काला, गु. कृष्णवर्ण।
* काली, सं. स्त्री. मसी।
काल्पनिक, गु. आरोपित।
कावादेना स. क्रि. घोडेका चक्कर-देना ; रवडाना।
* काव्य, सं. पुं. पद, श्लोक।
काश, सं. पुं. खाँसी, खोखी।
काष्ठ, सं. पुं. लकडी।
काहन, सं. पुं. कार्षापण।
काहू, सर्व. किसूको।
काहे, सर्व. क्यों।

कि, अ. प्रथम वाक्यसे द्वितीय वाक्य का सम्बन्ध कारक।
किकियाना, अक. क्रि. चिचियाना।
किङ्कर, सं. पुं. दास।
किङ्किणी सं. स्त्री. घण्टी सहित कटि बन्ध।
किचकिचाना, अक. क्रि. दाँत पीसना।
किचडाना, अक. क्रि. चुन्धला होना।
किञ्चित, अ. थोडा, अल्प।
किडकिडाना, अक. क्रि. क्रोधसे दाँत पीसना।
किडहा, गु. किडखाई घुना।
कित अ. कहां, किधर।
कितना, } गु. प्रमाणका प्रश्न कारक।
किती, }
किधर, अ. कहाँ।
किनारी, सं. स्त्री. गोटा।
किन्तु, अ. परन्तु; तिस्पर।
किन्नर, सं. पुं. कुवेर का गन्धर्व।
किम, सर्व. क्या।
किम्वा, अ. अथवा।
किरकिरा, गु. रेतीला, बलूआ।
किरकिराना, अक. क्रि. कचकचाना।
किरण, सं. स्त्री. रश्मि।
किरिया, सं. स्त्री. सौंह, सौगन्ध।
किरीट सं. पुं. मुकुट।
किल, अ. निश्चित।
किल्कारीमार्ना, अक. क्रि. प्रसन्न होके जयजय कार कर्ना।
किल्किलाना, अक. क्रि. चिडचिडा होना।
किशोर, सं. पुं. तरुण अवस्था अर्थात् सोलह बरस तक।
किसनई, सं. स्त्री. किसानका काम।
किसान सं. पुं. जोतार।
कीकड, सं. पुं. बबूल।
कीच, } सं. स्त्री. काँदो।
कीचड, }
कीट, } सं. पुं. क्रमि।
कीडा, }
कीना, स. क्रि. कर्ना।
कीन्ना, स. क्रि. मोल लेना।
कीर, सं. पुं. तोता।
कीरत, सं. स्त्री. कीर्त्ति।
कीर्त्तन, सं. पुं. गान विशेष, कहना।
कीर्त्ति, सं. स्त्री. यश, स्तुति।
कील कीला, सं. पुं. लोहेका काँटा।
कीलना, स. क्रि. मन्त्र फुकना।
कु, अ. यह जब शब्दके प्रथम में संयुक्त होवे तब उस्का अर्थ कभी बुरा, कभी निन्दित, कभी न्यून होता है।
कुंचकी, सं. स्त्री. चोली।
कुंज, सं. पुं. कुञ्ज।
कुंड, सं. पुं. कुण्ड।
कुंडल, सं. पुं. कुण्डल।
कुंदन, सं. पुं. कुन्दन।
कुंभ, सं. पुं. कुम्भ।
कुंवर, } सं. पुं. कुमार।
कुंवारा, }
कुंवारी, सं. स्त्री. कुमारी।
कुकर्म, सं. पुं. बुरा कर्म।

कुक्कुट, सं. पुं. मुरगा।
कुक्रिया, सं. स्त्री. निन्दिताचरण।
कुङ्कुम, सं. पुं. केसर।
कुङ्कुमा, सं. पुं. गुलाल भर्नेके लिये जो लाखका बनता है।
कुच, सं. पुं. स्त्री. स्तन, चूँची।
कुचलना, स. क्रि. चूर कर्ना, मसलना।
कुचला, सं. पुं. औषधि विशेष।
कुचिया, सं. पुं. लोलकी, कर्णका अधो भाग।
कुछ, सर्व. थोडा, एक आध।
कुज, सं. पुं. मङ्गल।
कुजाति, गु. नीच।
कुञ्ज, सं. पुं. वृक्ष लतादि रचित रमणीय स्थान; पक्षी विशेष।
कुञ्जर, सं. पुं. हाथी।
कुञ्जी. सं. स्त्री. ताली, चाबी।
कुटकी, सं. स्त्री. औषधि विशेष; मच्छर।
कुटज, सं. पुं. औषधि का पौधा।
कुटना, सं. पुं. भडुवा।
कुटनाना, स. क्रि. फुसलाना।
कुटनी, सं. स्त्री. दूति, नायिका।
कुटिल, गु. टेढा; क्रूर।
कुटुम }
कुटुम्ब } सं. पुं. कुणबा, घराना।
कुटुमी वा-म्बी, सं. पुं. गृहस्त, घरवाला।
कुटेव, सं. स्त्री. कुभाव।
कुट्टनी, सं. स्त्री. कुटनी।
कुठार, सं. पुं. कुलहाडा।
कुठारी. सं. स्त्री. कुलहाडी।

कुडकना, }
कुडकुडाना, } अक. क्रि, क्रोधित होके कहना।
कुडमा, सं. पुं. कुणबा।
कुडुमचोदी, सं. स्त्री. गोत्र गमन।
कुढना, अक. क्रि. विलाप कर्ना कलपना।
कुढाना, स. क्रि. सटाना, छेडना।
कुणबा, सं. पुं. कुटुम्ब।
कुण्ठित, गु. लज्जित।
कुण्ड, सं. पुं. अग्नि रखनेके लिये कृत्रिम गडहा; जलका विशेष स्थान; पतिविद्यमान होते जारज पुत्र।
कुण्डल, सं. पुं. कर्णका भूषण; घेरा; मण्डल।
कुण्डलिया, सं. पुं. कविता विशेष।
कुण्डली, सं. स्त्री. गुण्डली; घेरा।
कुतप, सं. पुं. दिनका आठवाँ मुहूर्त्त।
कुतर्ना, स. क्रि. दाँतसे काटना।
कुतूहल, सं. स्त्री. कौतुक; चौंप, उतावली; खेल, हंसी।
कुत्ता, सं. पुं. कूकर।
कुत्रापि, अ. किसीठिकाने।
कुत्सा, सं. स्त्री. निन्दा, अवज्ञा।
कुत्सित, गु. निन्दित, नीच।
कुदकना, }
कुदराना, } अक. क्रि. उछलना, कूदना।
कुदाल, सं. पुं. मट्टीखोदनेका अस्त्र।
कुनबा, सं. पुं. कुणबा।
कुनीति, सं. स्त्री. कुचाल।
कुन्तल, सं. पुं. बाल, केश।

कुन्द, सं. पुं. श्वेतवर्ण पुष्पविशेष ; कांधा।
कुन्दन, सं. पुं. उत्तम सुवर्ण।
कुपथ, सं. पुं. कुमार्ग।
कुपरामर्श, सं. पुं. कुमन्त्रणा।
कुपात्र, गु. अयोग्य।
कुपूत, सं. पुं. कपूत।
कुप्पा सं. पुं. चमडेका बडा पात्र जिस्में घी वा तेल रखते हैं।
कुप्पी, सं. स्त्री. चमडेका छोटा पात्र।
कुब, सं. पुं. कुबडा।
कुबजा, } गु. कुब्ज।
कुबडा, }
कुब्ज, } गु. कुबडा वक्र पृष्ठ।
कुब्बा, }
कुमति, सं. स्त्री. मूर्खता, गु. उन्मत्त, मूर्ख।
कुमद, सं. पुं. कुमुद।
कुमन्त्रणा, सं. पुं. कुपरामर्श।
कुमार, सं. पुं. राजपुत्र ; बालक ;
कुमारिका, } सं. स्त्री. लडकी जिस्को रजोधर्म नहीं भया ; कन्या।
कुमारी, }
कुमार्ग, सं. पुं. कुपथ।
कुमुद, सं. पुं. श्वेतकमल जो रातको खिलता है और दिनमें मुंदा रहता है।
कमुदिनी, सं. स्त्री. कमलिनी।
कुम्भ, सं. पुं. कलश, कलसा।
कुम्भकार, सं. पुं. कुम्हार, कुलाल।
कुम्भीर, सं. पुं. मगरमच्छ।

कुम्हलाना, अक. क्रि. मुरझाना ; सूखना।
कुम्हार, सं. पुं. जो मट्टीके बासन बनाता है।
कम्हारी, सं. स्त्री. जन्तु जो बिरनीके तुल्य है, और अपना स्थान मृत्तिकासे बनाती है।
कुरङ्ग. सं. पुं. मृग, हरिण।
कुरीति, सं. स्त्री. कुचाल।
कुरुवंश, सं. पुं. कुरु राजाका सन्तान।
कुरुवक, सं. पुं. पुष्पविशेष।
कुरूप, गु. भोंडा।
कुरेलना, स. क्रि. टटोलना, खोदना।
कुर्कुट, सं. पुं. कूडा, झाडन।
कुर्याल, सं. स्त्री. पक्षीजब सुखमें आके अपने परोंको कुरेलता है। इस दशाको कुर्याल कहते हैं ; चैन।
कुल, सं. पुं. वंश ; वर्ण।
कुलटा, सं. स्त्री. व्यभिचारिणी, जो पतिव्रता नहो।
कुलतारण, सं. पुं. पुत्र जो अपने कुलकी लाजरखे।
कुलद्रोही, गु. जो मनुष्य कुकर्मसे अपने वंशपर अपमान लाता है।
कुलधर्म, सं. पुं. वंशका परम्परासे व्यवहार।
कुलपूज, सं. पुं. कुलका देवता वा पुरोहित।
कुलबधू, सं. स्त्री. कुलवन्ती स्त्री।
कुलबुलाना, अक क्रि. कलमलाना, चुलबलाना, खुजलाना।

कुलवन्त, } गु. जो अच्छे वंशमें उत्पन्न
कुलवान्, } भया।
कुलक्षण, सं. पुं. बुरे चिन्ह ; कु स्वभाव।
कुलक्षणा, गु. जिसके लक्षण बुरे हैं।
कुलाचार, सं. पुं. वंशका धर्म।
कुलाल, सं. पुं. कुम्हार।
कलाहल, सं. पुं. कोलाहल।
कुल्हाडी, सं. स्त्री. कुठार।
कुलीन, गु. जो भले वंशमें उत्पन्न भया।
कुलीनता, } सं. स्त्री. भले वंशमें
कुलीनाई } उत्पन्न।
कुल्ला, सं. पुं. मुखमें जलको फिराय के फेंकना।
कुश, सं. पुं. तृण विशेष जो अति पवित्र है।
कुशल, } सं. स्त्री. भलाई, कल्याण।
कुशलक्षेम,
कुशलात,
कशरात,
कुशासन, सं. पुं. कुशका आसन।
कुष्ठ. सं. पुं. कोढ।
कुष्ठी, गु. कोढी।
कुसङ्ग, सं. पुं. बुरे लोगोंका साथ।
कुसरात, सं. स्त्री. कुशल।
कुसीद, सं. पुं. लाभके लिये ऋण देना।
कुसुम, } सं. पुं. पुष्प विशेष जिस्का
कुसुम्भ, } बहुत लालरङ्ग वस्त्रादि पर आवता है।
कुहरा, सं. पुं. कोहर, कुहासा।
कुहराम, सं. पुं. विलाप।

कुहासा, सं. पुं. कुहरा।
कूहक. सं. स्त्री. कोकिलाका स्वर।
कूहकना, अक. क्रि. कोकिलाके रीतिसे बोलना।
कूक्षि, सं. पुं. कोख।
कूआँ. सं. पुं. कूप।
कूआँर, सं. पुं. आश्विन।
कूची. सं. स्त्री. तृण विशेषका वस्तु विशेष जिसे भीतमें चूना कर्ते है।
कूकना, अक. क्रि. आहमार्नो ; विलाप कर्नो। स. क्रि. घडीको कुञ्जीसे फेर्नो।
कूकर, सं. पुं. कुत्ता।
कूकू, सं. पुं. कपोतका शब्द।
कूट, सं. पुं. कागज जिस्का गाता बनता है। स्त्री. भाँडैती। गु. मिथ्या, विरुद्ध।
कूटना, स. क्रि. पीसना, खाँडना, कुचलना।
कूटार्थ, सं. पुं. विरुद्धार्थ।
कूडा, सं. पुं. झाडन, कुर्कुट।
कूढ, गु. मूर्ख, उन्मत्त।
कूत, सं. पुं. अन्दाव, अटकल।
कूतना, स. क्रि. मोल ठहराना।
कूदना, अक.क्रि. फाँदना, उछलना।
कूप. सं. पुं. कूआँ।
कूबड, सं. पुं. कुब।
कूर्म, सं. पुं. कछुवा।
कूल, सं. पुं. तीर, तट्।
कूला, सं. पुं. चूतड।
कूली, सं. पुं. नीचजाति विशेष।
कृत, गु. किया, बना।

कृतघ्न, गु. जो मनुष्य उपकारको नहीं मानता है, निर्गुणवादी।
कृतघ्नताई, सं. स्त्री. हित करनेसे उलटा करे, निर्गुणवाद।
कृतघ्नी, गु. कृतघ्न।
कृतज्ञ, गु. जो मनुष्य उपकारको मान्ता है, गुणावादी।
कृतज्ञता, सं. स्त्री. गुणावाद।
कृतयुग, सं. पुं. सत्ययुग।
कृतार्थ, गु. कृतकार्य; निहाल; अंशधारी।
कृत्तिका, सं. स्त्री. तीसरा नक्षत्र।
कृत्रिम, गु. जो वस्तु बनाई है।
कृदन्त, सं. पुं. जा शब्द धातुसे बना है।
कृपण, गु. सूम, कञ्जूस।
कृपणता, सं. स्त्री. कञ्जूसी, अदातृत्व।
कृपा सं. स्त्री. दया, अनुग्रह।
कृपाण, सं. पुं. खड्ग, तलवार।
कृपालु, गु. दयाशील।
कृमि, सं. पुं. कीडा।
कृश, गु. दुर्बल, क्षीण।
कृशता, सं. स्त्री. क्षीणता, दुर्बलता।
कृशाङ्गी, सं. स्त्री. स्त्री. जिसके अङ्ग खिचेऊए हैं।
कृषाण, सं. पुं. किसान।
कृषिकर्म, सं. पुं. हल जोतना।
कृष्णपक्ष, सं. पुं. वदि, अंधेरा पाख।
कृष्णसार, सं. पुं. कालामृग।
के, अ. सम्बन्धबोधक।
केकडा, सं. पुं. कर्कट।
केतकी. सं. पुं. पुष्पविशेष, वृक्षविविशेष।
केतिक, गु. थोडे, दोचार।
केतु, सं. पुं. नवमग्रह, पुंचियाहातारा।
केन्तकि, सं. स्त्री उत्तरआमेरिकाकी नदी वा मण्डल विशेष।
केन्द्र, सं. पुं. जहाँसे पृथ्वीका माप होता है, वे दो हैं उत्तर वा दक्षिण।
केली, सं. स्त्री. क्रीडा।
केवडा, सं. पुं. वृक्ष वा पुष्प विशेष।
केवल, अ. वा गु. मात्र, एकला, ही।
केवली, सं. स्त्री. जन्मपत्री।
केश, सं. पुं. बाल।
केशर, सं. पुं. नागकेसर।
केशाकेशी, सं. पुं. परस्पर बालोंको पकडके लडाना।
केस, सं. पुं. केश।
केसर. सं. पुं. कुङ्कुम, केशर।
केसरिया, गु. जो केसरसे रङ्गा गया।
केहरी, सं. पुं. सिंह।
कै, सर्व. किता; अनेक।
कैंचली, सं. स्त्री. सर्पका खोल।
कैत, सं. पुं. कपित्थ वृक्ष।
कैथी, सं. स्त्री. नागरी अक्षरका एक प्रकार जो कायस्थ लिखते है।
कैल, सं. स्त्री. अङ्कुर, गाभा।
कैवर्त्त, सं. पुं. धीवर, मच्छीमार।
कैसा, } सर्व. किस प्रकार।
कैसाँ, }
कैहैां, भवि. क्रि. कहूँगा।
को, अ. कर्मणि द्वितीयाका बोधक।

कोई, सर्व. अनिश्चय सर्वनाम, एक
सं. पुं. कमल विशेष।
कोऊ, सर्व. कोई।
कोंचना, स. क्रि. चुभाना, गोदना।
कोक, सं. पुं. स्त्रीसे सङ्गम कर्नेका
प्रतिपादक शास्त्र।
कोका, सं. पुं. दूध भाई, कँटिया।
कोकिल, सं. स्त्री. कोयल।
कोख, } सं. स्त्री. कुक्षि।
कोखा, }
कोखबन्ध, गु. बाँझ।
कोजागर, सं. पुं. आश्विन की पू-
र्णिमा।
कोटर, सं. पुं. खोंडकल, जो वृक्ष में
होता है।
कोट, सं. पुं. गढ।
कोटि, सं. पुं. करोड; पूर्वपक्ष।
कोठरी, सं. स्त्री. कोठा जो छोटा है।
कोठा, सं. पुं. पटाऊआ एक बडा
घर।
कोठी, सं. स्त्री. पटाऊआ एक छो-
टा घर, महाजनोंके व्यवहार का
स्थान, कोख।
कोडा, सं. पुं. चाबुक।
कोढ, सं. पुं. कुष्ठ।
कोढी, गु. कुष्ठी।
कोण, सं. पुं. कोना, दोरेखोंका मेल
स्थान।
कोना, सं. पुं. कोण।
कोप, सं. पुं. क्रोध।
कोपना, अक. क्रि. क्रोधित होना।
कोपान्वित, } गु. क्रोधी।
कोपी, }

कोपीन, सं. पुं. लङ्गोटी।
कोमल, गु. अकठोर, नम्र, भोला।
कोमलता, सं. स्त्री. अनिष्ठुरता,
भोलापन।
कोयल, सं. स्त्री. पक्षी विशेष; पुष्प
विशेष।
कोयला, सं. पुं. अङ्गार।
कोर, सं. स्त्री. कगर, छोर; धार।
कोरक, सं. पुं. कली।
कोरा, गु. मृत्तिका का नया पात्र वा
नया विनधोआ वस्त्र वा विनलि-
खा कागज।
कोल, सं. पुं. खाल; गली जो लम्बी
और सकेत है; पहाडिया।
कोलाहल, सं. पुं. कलकल, रौला।
कोलियाना, स. क्रि. गोदी में
लेना।
कोल्हू, सं. पुं. चरखी जिस्से तेल
निकालते हैं।
कोष, सं. पुं. अभिधान; भण्डार;
खड्गादि की काठी; अण्ड।
कोष्ठ, सं. पुं. खात; कोठा, ओज।
कोसना, स. क्रि. सरापना।
कोहनी, सं.क्रि. बांहके बीचकी
गाँठ।
कौ, अ. का।
कौं, अ. को।
कौंध, सं. स्त्री. प्रताप, प्रकाश।
कौंधना, अक. क्रि. प्रकाश होना,
चमकना।
कौंधा, सं. पुं. बिजली।
कौडियाला, सं. पुं. सर्प विशेष;
धनी।

कौडी, सं. पुं. छोटा शङ्ख; धन; कमाई।
कौतुक, सं. पुं. कुतूहल, परिहास।
कौन, सर्व. प्रश्न बोधक सर्वनाम।
कौपीन, सं. पुं. कोपीन।
कौर, सं. पुं. कवल।
कौरपाण्डु, सं. पुं. कौरव और पाँण्डव।
कौरव, सं. पुं. कुरुके सन्तान।
कौल, सं. पुं. कवल। गु. कुलीन।
कौला, सं. पुं. कोठरी इत्यादि का कोना; अङ्कवार।
कौली. सं. स्त्री. गोदी।
कौशल, सं. पुं. कुशल।
* कौशल्या, सं. स्त्री. पुं. क्षेम, कुशल।
कौषेय, गु. पाटी वस्त्र।
कौस्तुभ, सं. पुं. मणि जो विष्णुजीने उरपर धारण किया है।
क्या, सर्व. प्रश्न बोधक।
क्यारी, सं. स्त्री. उपवन का स्थान विशेष।
क्यों, ⎫ अ. किसलिये;
क्योंकर, वा-कि, ⎭ किस प्रकार।
क्रम, सं. पुं. परिपाटि, रीति।
क्रमि, सं. पुं. कीट।
क्रय, सं. पुं. मोल लेना।
क्रान्ति, सं. स्त्री. दीप्ति, प्रकाश; ज्योपिक के ऊपर का आकाश।
क्रिया, सं. स्त्री. व्यवहार; काम, धातु; मरने के अनन्तर जो शास्त्रोक्त कर्म।
क्रीडा, सं. स्त्री. खेल, केलि।
क्रीत, गु. मोल लिया।
क्रूर, गु. निठुर, कठोर।
क्रोध, सं. पुं. कोप।
क्रोधी, गु. कोपी।
क्रोश, सं. पुं. चार सहस्र हाथ का मार्ग।
क्लिष्ट, गु. दुःखित।
क्लीव, गु. नपुंसक।
क्लेद, सं. पुं. गीलापन।
क्लेश, सं. पुं. दुःख, पीडा, कष्ट।
क्वचित, अ. कहीं।
क्वाथ, सं. पुं. काढा।

ख

ख, देवनागरी वर्णमाला के हल वर्णों मेंका दूसरा अक्षर।
ख, ⎫ सं. पुं. स्वर्ग, आकाश।
खं, ⎭
खंखारना, अक. क्रि. खाँसी करना, खाँसना।
खंगालना, स. क्रि. अंवासना, धोना।
खंजन, सं. पुं. खञ्जन।
खंड, सं. पुं. खण्ड।
खंडना, स. क्रि. खण्डना।
खंभ, सं. पुं. खम्भ।
खग, सं. पुं. पक्षी; ग्रह।
खचर, स. पुं. खच्चर, जानवर विशेष, मेघ।
खचा, ⎫ गु. जडित।
खचित, ⎭
खजूर, सं. पुं. वृक्ष विशेष।

खञ्ज, गु. लंगडा।
खञ्जन, सं. पुं. पक्षी विशेष।
खञ्जरी, सं. स्त्री. वाद्य विशेष।
खञ्जरीट, सं. पुं. खञ्जन।
खट, सं. स्त्री. खाट।
खटक, सं. पुं. खटका।
खटकना, अक. क्रि. झगडना, लगना; शङ्का कर्ना।
खटका, सं. पुं. सन्देह, शंका; पाँवकी आहट।
खटखटाना, अक. क्रि. ठकठकाना।
खटछप्पर, सं. पुं. छप्परखट।
खटपट, सं. स्त्री. झगडा, लडाई।
खटाई, सं. स्त्री. अम्ल, खट्टापन।
खटास, सं. पुं. जन्तु विशेष।
खटिया, सं. स्त्री. खट्वा; रथी।
खटीक, सं. पुं. खट्टिक।
खट्टा, गु. अम्ला, अम्लत।
खट्टिक, सं. पुं. आखेटको।
खट्टू, सं. पुं. बनिहार।
खट्वा, सं. स्त्री. खाट।
खडक, सं. स्त्री. गौशाला।
खडकना, अक. क्रि. झनझनाना।
खडखडाना, स. क्रि. ठकठकाना, झनकाना; दाँत पीसना; खर्राट मार्ना।
खडा, गु. उठा; सीधा; अडा; ऊंचा, ठाढ।
खडाऊं, सं. स्त्री. पादुका, कठनई।
खडी, सं. स्त्री. छूई, दूधी मट्टी।
खड्ग, सं. पुं. गैंडा; तलवार, असि।
खण्ड, सं. पुं. टुकडा; दिशा; खाँड; अध्याय।
खण्डन, सं. पुं. दूषण।
खण्डना, स. क्रि. दूषण देना, काटना, तोडना।
खण्डनार्थ, गु. काटनेके लिये।
खण्डितकर्ना, स. क्रि. बात काटना, खण्डना।
खत्ता, सं. पुं. अन्न रखने के लिये गर्त्त।
खदिर, सं. पुं. खैर, कत्था।
खदेड, सं. स्त्री. रगेद, अहेर।
खदेडना, स. क्रि. रगेदना।
खन, सं. पुं. खण्ड।
खपत, गु. जो बिक गया। सं. स्त्री. बिकाव।
खपति, सं. स्त्री. कटित, बिकाव।
खपना, अक. क्रि. विकना; सूखना, ठहरना; पैठना।
खपरा, सं. पुं. घर छावने के लिये मिट्टी की बनी हुई वस्तु।
खपरैल, सं. स्त्री. छत जो खपरेकी बनी है।
खप्पर, सं. पुं. खोपरी; मृत्तिकाका पात्र जिसमें जोगी जलादि पीते हैं; अँगेठी।
खबशी, सं. पुं. आफ्रिका देश के लोग।
खब्बा, गु. बायाँ हत्था।
खमठोंकना, स. क्रि. मल्लयुद्ध कर्नेके पहिले बाहू पर हाथ ठोकना अर्थात् लडाई चाहना।
खम्भ, सं. पुं. थम्ब, थूनी।
खर, सं. पुं. गदहा; घास।
खरक, सं. पुं. खडक।

खरखरा, सं. पुं. खरहरा।
खरबर, सं. स्त्री. घोड़ेके दौड़ने में पैर का शब्द; खलबली।
खरल, सं. पुं. औषध इत्यादि घसने के लिये पाषाणका पात्र।
खरहरा, सं. पुं. घोड़ेको मलनेके लिये वस्तु विशेष।
खरहाना, स. क्रि. झाड़ना।
खरा, गु. चोखा, श्रेष्ठ।
खराई, सं. स्त्री. चोखाई, श्रेष्ठता, सचाई।
खरोंट, सं. स्त्री. बकोट, खसोट।
खरोचना, } स. क्रि. नोचना, खसोटना।
खरोटना, }
खर्जुर, सं. पुं. वृक्ष वा फल विशेष।
खर्रा, सं. पुं. मुसौदा; खरखरा; खूंठी।
खर्राटा, सं. पुं. घुर्र।
खर्ब, सं. पुं. सौ अर्बुद; बामन।
खल, गु. दुष्ट, नीच। सं. पुं. तिल आदिका खूद; गड़हा।
खलता, सं. स्त्री. दुष्टता।
खलबल, सं. स्त्री. हलबल।
खलबलाना, अक. क्रि. उबलना।
खलियान, सं. पुं. खत्ता; खलिहान।
खलियाना, स. क्रि. छीलना, उधेड़ना।
खलिहान, सं. पुं. सस्यके मर्द्दन वा दावने का स्थान।
खली, सं. स्त्री. तिलादिका खूद।
खलीता, सं. पुं. जेब।
खवा, सं. पुं. कन्धा।
खसखस, सं. स्त्री. गन्ध विशिष्ट तृण विशेष।
खसना, अक. क्रि. धसना; निकल पड़ना।
खसरा, सं. पुं. बही; खूठी, खुजली।
खसाना, स. क्रि. बिगाड़ना; गिराना।
खसोटना, स. क्रि. निकाल लेना; नोचना।
खाँच, सं. पुं. कीचड़।
खाँचा, सं. पुं. टोकड़ा; पिंजरा विशेष।
खाँड़, सं. स्त्री. शर्करा, शक्कर।
खाँड़ना, स. क्रि. छाँटना; कूटना।
खाँड़ा, सं. पुं. खड्ग विशेष।
खाँसना, अक. क्रि. खोंखना।
खाँसी, सं. स्त्री. खोंखी।
खाई, सं. स्त्री. गढ़के बाहर चारों ओर का नाला।
खाऊ, सं. पुं. पेटू।
खाग, सं. पुं. गैंडेकी सींग।
खाज, सं. स्त्री. खुजली।
खाजा, सं. पुं. मिठाई विशेष।
खाट, सं. स्त्री. खट्टा।
खात, सं. पुं. गर्त्त, गड़हा।
खाती, सं. पुं. बढ़ई।
खाद्य, गु. खानेके योग्य जो वस्तु।
खाना, स. क्रि. भक्षण कर्ना; उकार जाना; अक. समाना; उपार्जन वा भोग कर्ना। सं. पुं. भोजन।
खानि, सं. स्त्री. आकर।
खारा, गु. लोना।
* खाल, सं. स्त्री. चमड़ा; धौंकनी।

खिचड़ी, सं. स्त्री. दाल चावल जो मिलाय के पकाते हैं।
खिचना, अक. क्रि. खिचा होना।
खिचाव, सं. पुं. तनाव ; बिगाड़।
खिजलाना, } स. क्रि. सताना ; अक.
खिजाना, } क्रोधित होना।
खिझ, सं. स्त्री. खिसियाहट।
खिझलाना, } अक. क्रि. खिजलाना।
खिझना, }
खिड़की, सं. स्त्री. झरोखा।
खिलखिलाना, अक. क्रि. हसना।
खिलना, अक. क्रि. फूलना ; हर्षित होना।
खिलाड़, } गु. चञ्चल।
खिलाड़ी, }
खिलाना, स. क्रि. भोजन कराना, भोग करवाना ; खेल करवाना।
खिलौना, सं. पुं. खेलनेके लिये वस्तु।
खिसलना, अक. क्रि. फिसलना।
खिसलाहट, सं. स्त्री. फिसलाहट।
खिसायरहना, अक. क्रि. हिचकना ; टलना ; लज्जित होना।
खिसियाना, अक. क्रि. खीस निकालना ; गु. चिड़चिड़ा ; लज्जित।
खिसियाहट, सं. स्त्री. खिसियानपन ; चिड़चिड़ाहट।
खीच, सं. पुं. अप्रसन्नता ; चितहट।
खीज, सं. स्त्री. क्रोध ; खिसियाहट।
खीजना, अक. क्रि. क्रोधित होना ; दुःखित होना।
खीर, सं. स्त्री. क्षीर।
खीस, सं. स्त्री. टोटा ; दाँतका दिखलाहट ; पीयूष।
खीसना, अक. क्रि. दाँत निकालना।
खीसा, सं. पुं. खलीता, जेब।
खुस, सं. पुं. बैर ; लाग।
खुजलना, } अक. क्रि. स. क्रि. खुजलीकर्ना।
खुजलाना, }
खुजलाहट, सं. स्त्री. खुजलापन, चुल।
खुजली, सं. स्त्री. खाज।
खुटकना, स. क्रि. कुतर्ना ; सन्देह कर्ना।
खुटका, सं. पुं. सन्देह, शङ्का ; खटका।
खुड़ला, सं. पुं. वृक्षका छिद्र।
खुदवाना, स. क्रि. गुड़ाना।
खुनसाना, अक. क्रि. रिसाना।
खुनसी, गु. क्रोधी।
खुर, सं. पुं. अश्वादिके पैरका नख।
खुरचना, स. क्रि. छीलना, छोलना।
खुरण्ड, सं. पुं. खूठी, देवली।
खुर्पी, सं. स्त्री. छोलनी, घास खोदनेका अस्त्र।
खुलना, अक. क्रि. प्रगट होना, तितरबितर होना।
खूष, सं. पुं. नाड़ी विशेष।
खूंट, सं. पुं. कोना, कानका मैल।
खूंटला, सं. पुं. औषधि विशेष।
खूंटा, सं. पुं. काठका ठेकना।
खूंदना, स. क्रि. पाँवसे खोदना, टापमार्ना।

खूंठी, सं. स्त्री. देवली, खुरखड।
खूद, सं. पुं. खली, तरछट।
खेकसा, सं. पुं. चिन्ह विशेष।
खेचर, सं. पुं. ग्रह ; पक्षी, विद्याधर।
खेटक, सं. पुं. अहेर ; अस्त्रविशेष।
खेटकी, सं. पुं. बधिक।
खेत, सं. पुं. क्षेत्र ; पुण्यभूमि।
खेती, सं. स्त्री. किसनई। गु. जोताऊ।
खेद, सं. पुं. शोक, पश्चात्ताप।
खेदना, स. क्रि. खदेडना ; सताना।
खेदित, गु. दुःखित।
खेरी, सं. स्त्री. हल।
खेल, सं. पुं. क्रीडा।
खेलना, स. क्रि. क्रीडाकर्नी।
खेवक, } सं. पुं. नाविक, डाँडी।
खेवट, }
खेवना, स. क्रि. डाँडमार्नी।
खेवा, सं. पुं. उतराई, भाडा ; घाटीदेना।
खैंच, सं. स्त्री. उखाड, ऐंच।
खैंचना, स. क्रि. ऐंचना, कसना।
खैंचाखैंच, } सं. स्त्री. ऐंचाऐंची।
खैंचाखैंची, }
खैर, सं. पुं. कत्था।
खैला, सं. पुं. दोहान।
खोआ, सं. पुं. लेट ; सुरखी ; दूध जो उबालके गाटा किया है।
खोंखना, अक. क्रि. खाँसना।
खोंखी, सं. स्त्री. खाँसी।
खोंच, सं. स्त्री. चीर।

खोंचना, स. क्रि. घुसेडना।
खोंचा, सं. पुं. भराव, भोंक।
खोंडकल, सं. पुं. गडहा।
खोंता, सं. पुं. घोंसला।
खोंसना, स. क्रि. ठाँसना।
खोज, सं. पुं. ढूंढ ; यत्न ; चिह्न, पहिचान।
खोजना, स. क्रि. ढूढना।
खोट, सं. स्त्री. दोष, अवगुन।
खोटा, गु. भगलो, झूठा, अधर्मी।
खोटाई, सं. स्त्री. भगलपन।
खोदना, स. क्रि. गोडना, ककोर्नी।
खोना, स. क्रि. गँवाना, उडाना।
खोपरा, वा-डा, सं. पुं. ललाट ; नारियलमें की गरी।
खोपरी, वा-डी, सं. स्त्री. सिरके ऊपरकाभाग ; छिलका।
खोपा, सं. पुं नारियलमेंका गोला, जूडा।
खोल, सं. स्त्री. काठो ; दोहर, ढकना ; गडहा।
खोलना, स. क्रि. प्रगट कर्नी, बिछाना, उधेडना, लङ्गरउठाना।
खोह, सं. पुं. गुफा, गडहा।
खौड, सं. स्त्री. तिलक।
खौलना, अक. क्रि. उबलना।
ख्यात, गु. प्रतिष्ठित, प्रसिद्ध।
ख्याति, सं. स्त्री. यश, धाक।
ख्यात्यापन्न, गु. कीर्त्तिमान्।
ख्याल, सं. पुं. क्रीडा।
खोष्टियान, सं. पुं. मसीहमें विश्वासी।

ग

ग, देवनागरी वर्णमालाके हल वर्णों मेका तीसरा अक्षर।
गंठजोडाबांधना, स. क्रि. गाँठ बाँधना अर्थात् विवाह में दूलहिन दुलहेके अचलेमें गाँठ देना।
गंडा, सं. पुं. गण्डा।
गंडासा, सं. पुं. गण्डासा।
गंधक, सं. पुं. गन्धक।
गंधर्व्व, सं. पुं. गन्धर्व्व।
गंभीर, गु. गम्भीर।
गंवाना, स. क्रि. खोना, उडाना, काट्ना।
गंवार, सं. पुं. गांवमें बसनेहारा, अनपढा।
गगन, सं. पुं. आकाश।
गगरी, सं. स्त्री. कलसी।
गङ्गाजमनी, सं. स्त्री. कर्ण भूषण विशेष।
गच, सं. चूना, लेट्।
गज, सं. पुं. हाथी; कपडेका मापनेके लिये दोहाथका दण्ड।
गजगाह, सं. पुं. घोडे वा हाथीका ऊल्वेसहित भूषण विशेष।
गजगौनी, गु. गजमनी।
गजदन्त, सं. पुं. हाथीदांत।
गजपति, सं. पुं. हाथोका स्वामी अर्थात् राजा।
गजपाटल, सं. पुं. कज्जल।
गजपाल, सं. पुं. महावत।
गजमनी गु. स्त्री. स्त्री जो गजके चालसे चलती है।
गजमोती, सं. स्त्री. हाथीका मोती अर्थात् मोती जो हाथीके मस्तक में होता है
गजरा, सं. पुं. गाजरका पत्ता; पुष्पकी माला।
गञ्ज, सं. पुं. रोग विशेष, चाईं।
* गञ्जा, गु. जिस्को गञ्जरोग सिरमें है।
गट्पट्, सं. स्त्री. उलट्पुलट।
गठना, अक. क्रि. जुडना, मिलना।
गठरी, सं. स्त्री. मोटरी, मोट; झुण्ड।
गडंथ. सं. पुं. खेल विशेष; किसीको मारनेके लिये मन्त्रकी रीति।
गडक, सं. पुं. मत्स्य विशेष।
गडगडाना, अक. क्रि. गरजना।
गडगूदर, सं. पुं. जीर्णवस्त्र।
गडरिया, सं. पुं. गडेरिया।
गड्डालिकाप्रवाह, सं. पुं. भेडिया धसन।
गडन, सं. स्त्री. धसन, दलदल।
गडना, अक. क्रि. धसना, पैठना, रहजाना।
गडबड, सं. पुं. गटपट्; उलट् पुलट।
गडबडा, सं. पुं. खलबली, मरोडा।
गडबडाहट, सं. स्त्री. हडबडाहट्, भय।
गडहा, सं. पुं. गर्त्त।
गडुवा, सं. पुं. जलपात्र विशेष।
गडेरिया, सं. पुं. मेषपालक।
गढ, सं. पुं. कोट।
गढना, स. क्रि. ठोंकना; बनाना।

गढवार, गु. मोटा, गाढा।
गढा, सं पुं. गड्हा।
गढाई, सं. स्त्री. गढ़नेकी बनवाई।
गढी, सं. स्त्री. छोटाकोट।
गढेला, सं. पुं. गडहा अर्थात् पृथिवी खोदाभया गर्त्त।
गढैया, सं. स्त्री. छोटा पोखरा।
गण, सं. पुं. समूह, महादेवके दूतोंका झुण्ड।
गणक, सं. पुं. दैवज्ञ, ज्योतिषी।
गणना, सं. स्त्री. पक्षपात; गिनती।
गणिका, सं. स्त्री. वेश्या।
गणित, सं. पुं. अङ्कविद्या।
गणितकार, सं. पुं. गणक।
गण्ड, सं. पुं. नेत्रोंके नीचेका भाग, गाल।
* गण्डक, सं. पुं. गैंडा।
गण्डमाला, सं. स्त्री. कानके नीचे गिलटीमें रोग विशेष।
गण्डा, सं. पुं. घेरा; चारकौडी वा चारपैसा, बालकादिके गलेमें बांधनेके लिये अभिमन्त्रित सूत्र।
गण्डासा, अस्त्र विशेष।
गण्डिका, सं. स्त्री. नदी विशेष।
गण्डी, सं. स्त्री. घेरा जिसमें रामचन्द्र सीताको रखके गये थे।
गण्य, गु. जोगिनाजाय।
गत, गु. अतीत, व्यतीत; प्राप्त, गति।
गतार्थ, गु. ज्ञातार्थ, अर्थात् एकके जाननेसे अन्यका ज्ञानहोना।
गति, सं. स्त्री. क्रियाकर्म; उपाय; दिशा; चाल, गमन।
गते, अ. हौले, धीमे।
गत्ते, अ. गते।
गदका, सं. पुं. पटा, दण्ड विशेष।
गदला, गु. डबरा, मैला।
गदलाई, सं. स्त्री. गदलापन।
गदहा, सं. पुं. खर।
गदा, सं. स्त्री. सोंटा।
गदेला, सं. पुं. मोटा बिछौना। वा जिस वस्त्रमें बहुतरुई पडती है।
गद्गद, गु. हर्षमान।
गद्दर, गु. अधपक्का।
गद्दी, सं. स्त्री. तकिया वा बिछौना; आसन; राजाका सिंहासन।
गद्य, सं. पुं. छन्द विना वाक्य।
गन, सं. पुं. गण।
गनना, सं. क्रि. गिनना।
गन्ध, सं. स्त्री, बास।
गन्धक, सं. स्त्री. धातु विशेष।
गन्धमादन, सं. पुं. पर्वत विशेष।
गन्धराज, सं. पुं. चन्दन; सुगन्ध विशिष्ट पुष्प।
गन्धवह, सं. पुं. पवन।
गन्धसार, सं. पुं. चन्दन।
गन्धार, सं. पुं. रागिनी विशेष।
गप, वा-गपशप, सं. स्त्री. बक, बकबक।
गप्पी, गु. बक्की।
गभस्ति, सं. स्त्री. किरण, ज्योति।
गभीर, गु. गम्भीर।

गमन, सं. पुं. चलन।
गमनागमन, स. पुं. जाना आवना।
गम्भीर, गु. गहरा, औगाह।
गम्भीरता, सं. स्त्री. गहराई।
गम्य, गु. गमन कर्नेके योग्य, मिलन हार।
गयाली, सं. पुं. गयावाल, गयाके ब्राह्मण।
गर, सं. पुं. रोग।
गरगराना, अक. क्रि. कुल्लोकर्ना; गरजना; गूंजना।
गरजना, अक. क्रि. घडघडाना।
गरज, सं. पुं. विष।
गरारी, सं. स्त्री. रस्सी वा सूत बटनेका यन्त्र; कूप से जल निकालने के लिये काष्ठ रचित गोल वस्तु।
गरिमा, सं. स्त्री. गुरुता, गुरुवई; अहंकार।
गरी, सं. स्त्री. नारियलका गूदा।
गर्गज, सं. पुं. दौंजा; घढ।
गर्ज, वा, गर्जन, सं. पुं. उत्कट शब्द, गडगडाहट्।
गर्त्त, सं. पुं. गढा।
गर्द्दभ, सं. पुं. गदहा।
गर्भ, सं. पुं. पेट; अन्तरापत्य; मध्य।
गर्भदास, सं. पुं. मोलकी दासीका बेटा।
गर्भवती, गु. स्त्री. पेटसे, गर्भिणी; गाभिन।
गर्भस्राव, सं. पुं. गर्भपात, पेट गिर्ना।
गर्भिणी, गु. स्त्री. गर्भवती।
गर्व, सं. पुं. अहङ्कार, दम्भ।
गर्ववती, गु. स्त्री. अहङ्कारिन्।
गर्वित, गु. अहङ्कारी।
गर्हित, गु. निन्दित।
गल, सं. पुं. गला; फाँसी।
गलका, सं. स्त्री. फोडा विशेष।
गलगण्ड, सं. पुं. गण्डमाला।
गलगल, सं. पुं. चकोतरा; पक्षीविशेष।
गलना, अक. क्रि. पिघलना।
गलफटाकी, सं. स्त्री. बडाई, घमण्ड।
गलवाह, सं. स्त्री. गोदी।
गला, सं. पुं. कण्ठ, शब्द।
गलाघोंटना, स. क्रि. नरेटी दाबना।
गलाना, स. क्रि. पिघलाना।
गलित, गु. पतित; द्रवीभूत।
गलियाना, स. क्रि. बुरा कहना; बरबससे भोजन वा औषध गले में ठूसना।
गलियारा, सं. पुं. मार्ग, छोटामार्ग।
गली, सं. स्त्री. छोटा मार्ग।
गवन, सं. पुं. गमन।
गवाक्ष, सं. पुं. झरोखा।
गवैया, सं. पुं. गायक।
गव्य, गु. गोसम्बन्धी दुग्धादि।
गहन, सं. पुं. झाडी; ग्रहण।
गहना, स. क्रि. ग्रहण कर्ना; सं. पुं. भूषण।
गहनी, सं. स्त्री. सन, परास; कालापत्ती।
गहरा, गु. गम्भीर।

गाँजा, गाँझा, { सं पुं. सनका पौधा वा मादक द्रव्य जो उससे बनाते हैं।
गाँठ, सं. स्त्री. ग्रन्थि।
गाँठना, स. क्रि. बाँधना; वशमें लाना।
गाँड, सं. स्त्री. गुदा।
गाँडर, सं. स्त्री. तृण विशेष। जिसकी जड खस्खस् है।
गाँडा, सं. पुं. इक्षु।
गाँडू, सं. पुं. भवेसिया, लतिया, चुल्ली।
गाँव, सं. पुं. ग्राम।
गाँवना, स. क्रि. गाना।
गाँसना, स. क्रि. बरमाना; पिरोना, गूथना।
गाँसी सं. स्त्री. लोहा जो वाण के अन्त में लगा रहता है।
गागर, गागरी, { सं. स्त्री. गगरी, कलसी।
गाछ, सं. पुं. वृक्ष।
गाज, सं. स्त्री. झाग, फेन; बिजली, वज्र।
गाजना, अक. क्रि. गरजना; हर्षित होना।
गाजर, सं. स्त्री. मूल विशेष।
गाजाबाजा, सं. पुं. नाना प्रकार के बाजा का शब्द।
गाडना, स. क्रि. तोपना, समाधि कर्ना, मिट्टीदेना; लगाना।
गाडा, सं. पुं. घात, गडहा; गाडी।
गाडी, सं. स्त्री. छकडा, रथ, शकट।
गाढ, सं. स्त्री. जञ्जाल।
गाढा, गु. मोटा; चतुर।
गात, सं. स्त्री. देह, तन; वसन।
गाता, सं. पुं. कागज जिससे पुस्तक की जिल्दबनाते हैं।
गाती, सं. स्त्री. पट्टू, ऊर्णवस्त्र।
गात्र, सं. पुं. शरीर।
गाथक, सं. पुं. गायक।
गाद, सं. स्त्री. तरछट्।
गादी, सं. स्त्री. गद्दी।
गान, सं. स्त्री. गीत, राग, भजन।
गाना, स. क्रि. अलापना।
गाभ, सं. पुं. गर्भ।
गाभा, सं. पुं. केलेके वृक्षका नया पत्ता।
गाभिन, गु. स्त्री. गर्भिणी।
गाम्भीर्य्य, सं. पुं. गम्भीरता।
गाय, सं. स्त्री. गौ।
गायक, सं. पुं. गवैया।
गायत्री, सं. स्त्री. मन्त्र विशेष।
गायन, सं. पुं. गवैया।
गार, सं. स्त्री. गाली।
गारना, स. क्रि. निचोडना; दुहना।
गारा, सं. पुं. भीत बनानेके लिये बनाई भई मिट्टी।
गारी, सं. स्त्री. गाली।
गाल, सं. पुं. कपोल।
गाला, सं. पुं. रुईकी फली, धुनीऊई रुईका गोला।
गाली, सं. स्त्री. अपमानका बोधक वाक्य।
गाह, सं. पुं. ग्राह।
गाहक, सं. पुं. फेरीवाला; किनवैया।

गाहना, स. क्रि. ढूँढना ; दाबना।
गाहिगाहि, गु. ढूँढढूढके।
गाही, सं. स्त्री. पाँच।
गिचपिचिया, सं. पुं. कचपचिया।
गिडगिडाना, स. क्रि. घिघियाना।
गिद्ध, सं. पुं. पक्षी विशेष।
गिन्ती, सं. स्त्री. गणित।
गिन्ना, स. क्रि. गणन, गिन्तीकर्ना।
गिरगिट, सं. पुं. शरट, छकलाश।
गिरना, अक. क्रि. पडना।
गिरपडना, अक. क्रि. कूदपडना, झुकपडना।
गिराना, स. क्रि. औंधाना ; पटकना ; छलकाना।
गिरि, सं. पुं. अद्रि, पहाड।
गिरिर, सं. पुं. लकडा।
गिरिवर, सं. पुं. पर्वत।
गींज, सं. स्त्री. भोजन विशेष जो मुहर्रममें मुसलमान् खातें हैं।
गींजना, स. क्रि. मलना।
गीत, सं. पुं. गान।
गीदड, सं. पुं. शृगाल।
गीध, सं. पुं. गिद्ध।
गीर्वाण, सं. पुं. अमरा, देवता।
गीला, गु. ओदा, भीगा, सीला।
गुंज, गुंजा, } सं. स्त्री. गुञ्ज।
गुंजा, गु. धीरा।
गग्गुलु, सं. पुं. गूगल।
गुच्छा, सं. पुं. घौर ; बाल।
गुञ्ज, गुञ्जा, } सं. पुं. घुङ्घची।
गुञ्जान, गु. गाढा, मोटा, घना।
गुञ्जानी, सं. स्त्री. मोटाई, घनाई।
गुटकना, अक. क्रि. कूकूकर्ना ; निंगलना।
गुटका, सं. पुं. वस्तु विशेष जिस्को जोगी मुंहमें रखके अलोप होते हैं, मिठाई विशेष ; छोटी पोथी।
गुटिका, सं. स्त्री. गाली।
गुठली, सं. स्त्री. फलमेंका बीज।
गुड, सं. पुं. ईखका जमाहुआ रस।
गुडगुडाना, अक. क्रि. गडगडाना।
गुडगुडी, सं. स्त्री. छोटा हुक्का।
गुडफूल, सं. पुं. महुवा, महुआ।
गुडाना, स. क्रि. खोदना, खुदवाना।
गुडिया, सं. स्त्री. खिलौना, वस्त्रका पुतली।
गुड्डी, सं. स्त्री. कनकौवा।
गुण, सं. पुं. विशेषण, स्वभाव, प्रवीणता, विद्या, डोल, कृपा, रस्सी जिस्से नावखैंचते हैं।
गुणक, सं. पुं. जिस् अङ्कसे गुणन करें।
गुणन, सं. पुं. गुणकसे गुण्यकी क्रिया।
गुणवान्, गु. प्रवीण, पुण्यवान्, विद्यावान्।
गुणी, गु. प्रवीण, पुण्यवान्, विद्यावान्। सं. पुं. साँप पकडनेवाला।
गुण्य, सं. पुं. जिस् अङ्कको गुनिये।
गुथना, अक. क्रि. पिरोना।
गुथवाँ, गु. जो गुथाहुआ है।
गुद, सं. पुं. गाँड।

गदगुदाना, स. क्रि. सहलाना, चुलचुलाना।

गुदगुदाई, गदगुदाहट, गदगुदी, } सं. स्त्री. सहलाहट, सुरसुरी।

गुदड़ी, सं. स्त्री. तागाऊआ वस्त्र; चोक।

गुड्डा, सं. पुं. गुडिया।

गुन, सं. पुं. गुण।

गुनगाहक, गु. गुनका जाननेहारा, विद्याका प्रतिपालक।

गुनगुनाना, अ. क्रि. किञ्चित् उष्ण होना; नाकसे बोलना।

गुनवन्त, गुनवान्, } गु. गुणवान्।

गुनी, गु. गुणी।

गुप्त, गु. लुका, छिपा।

गुप्ती, सं. स्त्री. खड्ग विशेष।

गुफा, सं. स्त्री. खोह।

गुभाना, स. क्रि. चुभाना, गादना।

गुमटी, सं. स्त्री. कलश।

गुरु, सं. पुं. आचार्य्य, उपदेशक। गु. भारी; बडा।

गुरुतर, गु. अत्यन्त मान्य, बऊत भारी।

गुरुपाक, गु. जो द्रव्य बऊत बिलम्बमें पचे।

गुरुमुखहोना, अक. क्रि. गुरुसे इष्टदेवताका मन्त्र पाना; चेला होना।

गुरुवाइन, सं. स्त्री. गुरुकी स्त्री।

गुरुवार, सं. पुं. बृहस्पतिवार।

* गुर्जर, सं. पुं. गुजरात देशके लोग।

गुर्व्विणी, गु. स्त्री. गर्भिणी।

गुल, सं. पुं. पुष्प विशेष।

गुलगुला, स. पुं. पकवान विशेष।

गुलगूथना, गु. गलफूला।

गुलाई, सं. स्त्री. गोलता।

गुलाल, सं. पुं. अबीर, बूका जिस्को होलीमें कुमकुमेमें भरके अपने २ प्रियतमपर फेंकते हैं।

गुलेल, सं. स्त्री. धनुष जिस्से गोली अर्थात् गुलेला चलाते हैं।

गुल्फ, सं. पुं. एड़ीके ऊपरका भाग।

गुल्म, सं. पुं. रोग विशेष; झाड।

गुवाक, सं. पुं. सुपारीका वृक्ष।

गुह, सं. पुं. गू, विष्ठा, मल।

गुहनौं, स. क्रि. गूँथना।

गुहा, सं. स्त्री. गुफा।

गुह्य, गु. गुप्त, छिपा, निराला; छिपानेके योग्य जैसे गुदा।

गुह्यक, सं. पुं. कुबेरके दूत।

गू, सं. पुं. गुह।

गूंगा, गु. मूक।

गूंज, सं. स्त्री. शब्द, भिनभिनाहट।

गूंजना, अक. क्रि. गूँजरहना, भिनभिनाना।

गूंझा, सं. पुं. मिठाई विशेष।

गूंथना, स. क्रि. पिरोना, लडियाना।

गूंद, सं. पुं. गोंद।

गूंदना, स. क्रि. गूँधना।

गूंदनी, सं. स्त्री. वृक्ष विशेषका फल विशेष, जो पश्चिम देशमें ग्रीष्म ऋतुमें होता है।

गूंधना, स. क्रि. सानना, गँथना विन्ना।

गूजर, सं. पुं. नीचजाति विशेष।
गूजरी, सं. स्त्री. गूजरकी स्त्री; गहना विशेष जो पऊँचेमें वा पाँवमें पहनते हैं।
गूढ़, गु. सूक्ष्म, कठिन, गुप्त।
गूढ़ता, सं. स्त्री. सूक्ष्मता, कठिनता, छिपाव।
गूढ़पात्, सं. पुं. सर्प।
गूढार्थ, गु. गुप्तअर्थ।
गूथना, स. क्रि. गूँथना।
गूदड, सं. पुं. बडी गुदडी; पुराना वस्त्र।
गूदा, सं. पुं. भेजा; फलमेंका सार अंश।
गृञ्जन, सं. पुं. प्याज, लशुन गाँजा।
गृध्र, सं. पुं. गिद्ध।
गृह, सं. पुं. घर।
गृहस्थ, सं. पुं. दूसरा आश्रम, घर वाला।
गृहस्थाश्रम, सं. पुं. गृहस्थका व्यवहार।
गृहस्थी, सं. स्त्री. गृहस्थका धर्म।
गृहिणी, सं. स्त्री. भार्या, जोरू।
गृहीत, गु. जिसको ग्रहण किया।
गृह्य, गु. जो ग्रहण कर्नेके योग्य है, घरका सं. पुं. गृहस्थके कर्त्तव्य कर्मका उपदेशक शास्त्र।
गेंडा, सं. पुं. जन्तुविशेष।
गेंडक, सं. पुं. गेंदा।
गेंद, सं. स्त्री. खेलनेके लिये कपडेका गोला।
गेंदा, सं. पुं. पुष्प विशेष; गेंद।
गेंदी, सं. स्त्री. खेलनेके लियेगोली।
गेंदतडीखेलना, अक. क्रि. गेंदसे खेलना।
गेगटा, सं. पुं. केकडा।
गेगली, सं. स्त्री. बोदली।
गेरू, सं. पुं. गैरिक।
गेरूआ, गु. गेरूसे जो रङ्गा गया।
गेरूई, सं. स्त्री. गेरूका रङ्ग; लेढा; पाला।
गेह, सं. पुं. घर।
गेहूं, सं. पुं. गोधूम।
गेहूंआं, सं. पुं. गेहूंका रङ्ग, तृण विशेष।
गैया, सं. स्त्री. गौ।
गैरिक, सं. पुं. गेरू; पर्वतकी लाल मृत्तिका।
गैल, सं. स्त्री. मार्ग।
गो, सं. स्त्री. गौ.
गोंठा, सं. पुं. उपला, कण्डा।
गोंडली, सं. स्त्री. वृक्ष विशेष।
गोंद, सं. स्त्री. लासा, चेंप।
गोंदनी, सं. स्त्री. नरकट विशेष।
गोंदा, सं. पुं. चिडियाके खिलानेके लिये लोई वा पेडा।
गोंदी, सं. स्त्री. वृक्षविशेष।
गोकर्ण, सं. पुं. वितस्ति; मृग विशेष; खचर; गौका कान।
गोखरू, सं. पुं. गोक्षुर; भूषण विशेष।
गोचना, स. क्रि. पकडलना; गोहूं-चना।
गोचर, सं. पुं. समझ; गु. समझा।
गोचरी, गु. दर्शी प्रगट्।
गोजर, सं. पुं. कनखजूरा।

गोट, सं. स्त्री. चौपड खेलनेकी गुटि-
का ; अमलपत्ती।
गोटा, सं. पुं. किनारी।
गोड, सं. पुं. पिण्डली, पांव।
गोडना, सं. क्रि. खोदना, खुरचना।
गोडी, सं. स्त्री. चोरी।
गोण, सं. स्त्री. लोया, आखा, बोरा।
गोत, } सं. पुं. गोत्र।
गोता, }
गोती, गु. सम्बन्धी।
गोत्र, सं. पुं. वंश।
गोत्रज, गु. गोती, सम्बन्धी।
गोद, सं. स्त्री. गोदी।
गोदना, सं. क्रि. चोंकना, चिन्हदेना
गोदी, सं. स्त्री. अङ्कवार, कौला।
गोदोहनी, सं. स्त्री. दोहनी।
गोधूम, सं. पुं. गेहूं, गोहूं।
गोधूली, } सं. स्त्री. पुं. सायंकाल।
गोधौरा, }
गोप, सं. पुं. ग्वाला ; कण्ठका भू-
षण।
गोपग्वाल, सं. पुं. अहीर।
गोपन, सं. पुं. छिपाव, लुकाव।
गोपनीय, गु. छिपानेके योग्य।
* गोपाल, } सं. पुं. अहीर।
गोपालक, }
गोबर, सं. पुं. गौकी विष्ठा।
गोबरगनेश, गु. मोटा।
गोबरी, सं. स्त्री. लीपनेके लिये
बनाहुआ गोबर।
गोभी, सं. स्त्री. पौधा विशेष।
गोमय, सं. पुं. गोबर।
गोरस, सं. पुं. मट्ठा, छाछ।
गोरसी, सं. स्त्री. दोहनी।
गोरा, गु. गौर।
गोरी, गु. स्त्री. उत्तम स्त्री।
गोरू, सं. पुं. गौ।
गोरोचन, सं. पुं. गौके मूत्रसे
उत्पन्न जो पीतवस्तु।
गोल, गु. चकरीला ; मटका।
गोलक, सं. पुं. पतिके मरनेके उप-
रान्त जारजात पुत्र।
गोलता, सं. स्त्री. गोलाई।
गोलरूप, गु. गोलाकार।
गोला, सं. पुं. खाता, लोहेका
पिण्डा ; धरन ; कपोत विशेष ;
नारियल का गूदा।
गोलाई, सं. स्त्री. गोलपना।
गोलाकार, गु. गोलरूप।
गोलिका, सं. स्त्री. पतिके मरनके
उपरान्त जारजात पुत्री।
गोवना, स. क्रि. छिपाना।
गोष्ठ,-ष्ठी, सं. स्त्री. बाँधनू ; मेल।
गोष्पद, सं. पुं. गौका खुर।
गोसाँई, सं. पुं. ईश्वर ; ऋषि।
गोसैंया, सं. पुं. ईश्वर।
गोस्तनी, सं. स्त्री. दाख, द्राक्षा।
गोह, सं. पुं. बिस खोपरा।
गोहरा, सं. पुं. उपला।
गोहार, सं. पुं. ऊधम, रौला।
गोहूं, सं. पुं. गोधूम।
गोहुअन, सं. पुं. सर्प विशेष।
गोक्षुर, सं. पुं. गोखरू, पौधा वि-
शेष।
गौ, सं. स्त्री. गाय।
गौं, सं. स्त्री. दाव, औसर।

गौडा, सं. पुं. उडीसा देशके कहार; रागिनी विशेष।
गौडिया, सं. पुं. गौडवासी; चैतन्यका शिष्य।
गौडी, सं. स्त्री. गुडकी सुरा।
गौण, गु. जो मुख्य नहीं, अर्थात् अप्रधान।
गौदान, सं. पुं. गौका दान।
गौना, सं. पुं. विवाह कर्के थोडे दिनों में स्त्रीको अपने घरमें लाना।
गौनहार, सं. पुं. गौने में दुल्हेके साथी।
गौर, गु. चिट्टा, शुक्लवर्ण।
गौरा, सं. पुं. चटक, चिडा।
गौरिया, सं. स्त्री. चिडिया।
* गौरी, सं. स्त्री. रागिनी विशेष।
गौशाला, सं. स्त्री. गौका स्थान।
ग्रथित, गु. बंधा हुआ; पिरोया हुआ।
ग्रन्थ, सं. पुं. पुस्तक।
ग्रन्थकार, सं. पुं. ग्रन्थका बनानेहारा।
ग्रन्थि, सं. स्त्री. गाँठ।
ग्रस्त, गु. शब्द जो चबाय के कहा गया; खाया गया।
ग्रह, सं. पुं. सूर्य्यादि नवग्रह; घर।
ग्रहण, सं. पुं. हाथ में लेना; अङ्गीकार; सूर्य और चन्द्रके मध्यमें पृथिवी का व्यवधान उसको चन्द्र ग्रहण कहते हैं; पृथिवी और सूर्यके मध्यमें जब चन्द्र का व्यवधान होवे तब उसको सूर्य ग्रहण कहते हैं।
ग्रहस्थापन, सं. पुं. नवग्रहोंको बैठाके उनको आवाहन कर्ना।
ग्रहीता, गु. ग्रहण कर्नेहारा।
ग्राम, सं. पुं. गांव, वसति।
ग्रामीण, सं. पुं. गंवार, गांवमें बसनेहारा।
ग्राम्य, गु. गाँव में जो उत्पन्न भया।
ग्रास, सं. पुं. कवल, कौल।
ग्राह, सं. पुं. मगर, नाका।
ग्राहक, गु. ग्रहण कर्नेहारा।
ग्राह्य, गु. जो ग्रहण कर्नेके योग्य है।
ग्रीवा, सं. स्त्री. गला, गलेका पृष्ठ भाग।
ग्रीष्म, सं. स्त्री. चौथा ऋतु, गरमी।
ग्रेह, सं. पुं. घर।
ग्लानि, सं. स्त्री. घृणा; थकाई।
ग्वाल, } सं. पुं. अहीर।
ग्वाला, }
ग्वालिन, सं. स्त्री. अहीरन।
ग्वैंडा, सं. पुं. नगरका आसपास।
ग्वैंड, अ. समीप।

घ

घ, देवनागरी वर्णमालाके हल वर्णोंमेंका चौथा अक्षर।
घंघोरना, } स. क्रि. धोना; मिलाना।
घंघोलना, }
घंटा, सं. पुं. घण्टा।
घंटाली, सं. स्त्री. घण्टाली।
घघरी, सं. स्त्री. लहँगा।
घट, सं. पुं. घडा; देह; मन।
घटक, सं. पुं. मध्यस्थ, बिचवैया; सन्देसी।

घटना, अक. क्रि. मन्दा होना, कम होना।
घटनीय, गु. जो घटनेके योग्य है।
घटा, सं. स्त्री. मेघों का उमण्डना; मेघ, भीड।
घटाटोप, सं. पुं. पालकी वा रथका आच्छादन।
घटाना, स. क्रि. कम कर्ना।
घटाव, सं. पुं. कमती।
घटावना, स. क्रि. घटाना।
घटिका, सं. स्त्री. एडीके ऊपरका भाग; मुहूर्त्त।
घटिया, गु. थोडे मोलका, सस्ता।
घटी, सं. स्त्री. क्षति, हानि।
घडघडाना, अक. क्रि. गरजना।
घडना, स. क्रि. गढना।
घडा, सं. पुं. कुम्भ।
घडिया, सं. स्त्री. कुलहिया; मधुमक्षीका छाता, कोख।
घडियाल, सं. पुं. मकर, ग्राह।
घडियाली, सं. पुं. घण्टा बजानेहारा।
घडी, सं. स्त्री. साठ पल, समय मापनेका यन्त्र।
घडोंचा, सं. पुं. } टिकटी, तिपाई पानीका घडा रखनेके लिये।
घडोंची, स्त्री. }
घणा, गु. घना।
घण्टा, सं. पुं. वाद्य विशेष; अढाई घडीका समय।
घण्टाली, सं. स्त्री. छोटा घण्टा।
घण्टी, सं. स्त्री. छोटाघण्टा; छोटी लुटिया।

घन, सं. पुं. घटा; निहाई, हथोडा।
घनगरज, सं. पुं. गर्जन। गु. ऊंचा शब्द।
घनघनाना, अक. क्रि. झनझनाना।
घनघोर, सं. पुं. घटा; घेरा; घनगर्ज।
* घनतनवरन, गु. जिसका वर्ण मेघके समान है।
घनश्याम, गु. कालीघटा।
घनस, सं. पुं. पक्षी विशेष।
घनसार, सं. पुं. कपूर।
घना, गु. घिचपिच; बहुत।
घनेरा गु. बहुत।
घबराना, अक. क्रि. व्याकुल होना, हडबडाना।
घबराहट, सं. स्त्री. हडबडाहट।
घमंड, सं. पुं. गर्व, अहंकार।
घमंडी, गु. अहंकारी।
घमरौल, सं. स्त्री. रौला; भीड।
घमसान, सं. पुं. लडाई, युद्ध।
घमाघम, गु. कचाकच।
घमाना, स. क्रि. धूपदिखाना वा देना।
घमासान, सं. पुं. घमसान।
घमोरी, सं. स्त्री. अम्भौरी।
घर, सं. पुं. गृह।
घरनई, सं. स्त्री. चौघडा, बेडा।
घरना, स. क्रि. गढना।
घरनी, सं. स्त्री. पत्नी।
घरबार, सं. पुं. घराना।
घरबारी, सं. स्त्री. गृहस्थी।
घराना, सं. पुं. कुटुम्ब, घरके लोग

घरामी, सं. पुं. छवैया।
घरी, गु. जो कपडा लपेटा गया।
घरेला, गु. घरका, पालू।
घरौंदा, सं. पुं. छोटा घर जिसे लडके खिलौना रखते हैं खलनेके लिये।
घर्घर, सं. पुं. चक्की आदिका शब्द।
घर्घरा, सं. स्त्री. घाघरा।
घर्म, सं. पुं. प्रस्वेद; जलन; धूपकाल; घाम।
घर्षण, सं. पुं. घिसना, रगडना।
घलूआ, सं. पुं. लखन, जोमाल वा तौलसे अधिक लेता है।
घसन, सं. स्त्री. घर्षण।
घसना, स. क्रि. घिसना।
घसियारा, सं. पुं. घासकाटनेहारा।
घसियारिन, सं. स्त्री. घसियारेकी स्त्री।
घसीटना, स. क्रि. खींचना।
घसीला, गु. तृणस्थान।
घहराना, अक. क्रि. गरजना।
घाई, सं. स्त्री. घात; अंगुलीका मध्य स्थान; लठ वा खड्गका चीरा।
घाघ, गु. प्राचीन; चतुर।
* घाघरा, सं. पुं. लहँगा; पौधा विशेष।
घाट, सं. पुं. नदीआदिमें उतर्नेका वा स्नान कर्नेका स्थान।
* घाट, सं. पुं. डौल; घटी। गु. न्यून।
घाटा, सं. पुं. चढाव; घटी।
घाटिया, सं. पुं. घाटपरके ब्राह्मन जो स्नान कर्नेहारोंके वस्त्रको रक्षा कर्ते हैं।
घाटी, सं. स्त्री. पहाड में सकेत पन्थ।
घात, सं. स्त्री. दवा; मार, हत्या।
घातक, सं. पुं. हत्यारा, शत्रु।
घातुक, गु. अपकारी, निठुर, हत्या कर्नेहारा।
घान, सं. स्त्री ओखली वा चक्कीआदि में जितना एक बार डालें।
घानी, सं. स्त्री कोल्हू, चक्की।
घाबरा, गु. व्याकुल।
घाम, सं. स्त्री. धूप।
घामड, गु. भोला; उल्लू।
घायल, गु. अस्त्रके मार्नेसे जिसको घाव पड गया।
घाल, सं. स्त्री बुराई, बिगाड।
घालना, स. क्रि. बिगाडना, उजाडना; घुसेडना।
घाव, सं. पुं. चोरा, स्फोटकादिके कारणसे जो छिद्र।
घास, सं. स्त्री. तृण।
घिघियाना, अक. क्रि. लड्खडाना; जिगजिगी कर्ना, फुसलना।
घिचपिच, गु. घना; पासपास।
घिन, सं. स्त्री. घृणा।
घिनाना, अक. क्रि. कुढना।
घिनौना, गु. जो घृणा कराता है।
घिया, सं. पुं. तरकारी विशेष।
घिरना, अक. क्रि. घेरा होना; उमडना।
घिरनी, सं. स्त्री. गरारी; कपोत विशेष।

घिराना, स. क्रि. घेराकरवाना।
घिसना, अक. क्रि. रगडना, खियाना। स. मलना।
घिसाना, स. क्रि. रगडाना।
घिसाव, सं. पुं. } रगड्, रगडावट्।
घिसावट्, स्त्री. } रगड्, रगडावट्।
घिसियाना, स. क्रि. घसीटना।
घी, सं. पुं. घृत।
घीकुवार, सं. पुं. ओषधि, पौधा विशेष।
घुंगाना, सं. पुं. झुनझुना, खिलौना।
घुंघची, सं. स्त्री. रत्ती।
घुंघरू, सं. पुं. चौरासी।
घुंडी, सं. स्त्री. वस्त्रका बनाया भया गोल वस्तु जो अङ्गरखेमें लगाते हैं।
घुटना, सं. पुं. ठेवना; अक. क्रि. घिसना; साँस रुक जाना।
घुटनोंचलना, अक. क्रि. ठेवनेसे चलना।
घुटाना, स. क्रि. मुण्डाना, चिकना कर्ना।
घुड, सं. पुं. घोडा।
घुडकना, स. क्रि. दबकाना, धमकाना, झिडकना।
घुडकी, सं. स्त्री. धमकी, झिडकी।
घुडचढा, सं. पुं. अश्ववार, सवार।
घुडबहल, सं. स्त्री. चारपैयेका रथ जिस्मे घोडे जुतते हैं।
घुन, सं. पुं. कीडी, ढोला।
घुना, गु. जिस्मे कीडी लग गई, किड खाया।
घुनिया, ग. घुना, कपटी।

घुमघुमा, सं. पुं. घुमाव; टाला, सन्देह।
घुमघुमाना, स. क्रि. फिराना; बात फेर्ना।
घुमरी, सं. स्त्री. तिमिरी।
घुमाना, स. क्रि. फर्ना, फिराना; बहकाना।
घुरकना, स. क्रि. घुडकना।
घुलना, अक. क्रि. गलना, पिघलना; नरम होना; दुबला होना।
घुलाना, स. क्रि. पिघलाना, गलाना।
घुलावट्, सं. स्त्री. पिघलाहट्।
घुसना, अक. क्रि. पैठना।
घुसपैठ, सं. स्त्री. पहुंच।
घुसाना, स. क्रि. पैठालना।
घुसेडना, स. क्रि. ठाँसना।
घुंगनी, सं. स्त्री. उसना चना वा गेहूं।
घूंगर, सं. पुं. लहराये भये वाल।
घूंगी, सं. स्त्री. घोघी; छोटा घोंगा।
घूंघची, सं. स्त्री. घूंगची।
घूंघट्, सं. स्त्री. ओढनी।
घूंघर, सं. पुं. घूंगर।
घूंघरू, सं. पुं. नूपुर।
घूंटना, स. क्रि. निगलना, लीलना।
घूंस, सं. पुं. मूषक विशेष।
घूंसा, सं. पुं. घूसा।
घूघू, सं. पुं. पण्डुक।
घूटना, स. क्रि. घूंटना।
घून, सं. पुं. लाग, द्वेष, कपट, द्रोह।
घूना, ग. कपटी, द्रोही।

घूमघूमाला, गु. घेरा कर्नेद्वारा,वस्त्र जिस्मे घेर बडा है।
घूमना, अक. क्रि. फिर्ना।
घूर, सं. पुं. ताक।
घूरची, सं. स्त्री. उलझेडा।
घूरना, स. क्रि. ताकना, क्रोधसे दृष्टि लगाना।
घूस, सं. पुं. घूँस; अकोर।
घूसत, सं. पुं. उल्लूका बच्चा।
घूसा, सं. पुं. धप्पा, मूकी, मुक्की।
घेंटा, सं. पुं. } शूकरका बच्चा।
घेंटी, सं. स्त्री. }
घेगा, } सं. पुं. गलेमें रोग विशेष।
घेघा, }
घेतला, सं. पुं. जूती विशेष।
घेर, गु. रूँधा; घूमघुमाला; गोलाकार। सं. पुं. फेर।
घेरना, स. क्रि. रूँधना, घेरलेना।
घेरा, गु. जो रूँधा गया। सं. पुं. कुण्डल, मण्डल।
घेवर, सं. पुं. मिठाई विशेष।
घृणा, सं. स्त्री. घिन, ग्लानि।
घृत, सं. पुं. घी।
घृताक्त, गु. चिकना।
घेंगा, सं. पुं. शङ्खका जन्तु विशेष।
घोंटना, स. क्रि. घोटना, मलके चिकना कर्ना। सं. पुं. घाघाणादि जिस्से चिकना कर्त्ते हैं।
घोंसला, सं. पुं. खोंता।
घोखना, स. क्रि. रटना, चिन्तना।
घोघी, सं. स्त्री. वस्त्र विशेष।
घोट, सं. स्त्री. चिकनाहट, ओप।
घोटक, सं. पुं. घोडा।
घोटना, स. क्रि. परिश्रम कर्ना, मूंडना; घोंटना।
घोटा, सं. पुं. घोटनेका काठ।
घोडा, सं. पुं. अश्व।
घोर, गु. भयानक। सं. पुं. भय, धडका।
घोरनिद्रा, गु. सुख नींद।
घोल, सं. पुं. मट्ठा, छाछ।
घोलना, स. क्रि. मिलाना।
घोष, सं. पुं. अहीरोंका गाँव; अहीर।
घोषणा,सं. स्त्री. अभ्यास; प्रसिद्धरूपसे जनावना।
घोस, सं. पुं. घोष।
घोसी, सं. पुं. अहीर।
घौड, } सं. स्त्री. गुच्छ।
घौर, }
घ्राण, सं. पुं. नाक; गन्धका ग्रहण।
घ्राणेन्द्रिय, सं. स्त्री. नासिका, नक।

च

च, देवनागरी वर्णमालाके हलवर्णों मेंका छठा अक्षर।
चंवर, सं. पुं. चमर।
चक, सं. पुं. जिस भूमिपर अपना अधिकार होय।
चकचका, गु. स्वच्छ, निर्मल, तेजोमय।
चकता, सं. पुं. चिन्ह।
चकती, सं. स्त्री. गडेकी खाल; फाँक; थेगली।

चकनाचूर, सं. पुं. कतरण ; छोलन।
चकला, सं. पुं. वेश्याका घर ; वस्त्र विशेष जो पाट और सूतसे बना है ; देशका खण्ड जिसमें कई एक परगने हैं। गु. चैाडा।
चकलाई, सं. स्त्री. चैाडाई।
चकलाना, स. क्रि. चैाडाना, फैलाना।
चकवा, सं. पुं. राजहंस जाति के पक्षी विशेष।
चकवी, सं. स्त्री. चकवा की स्त्री।
चकित, गु. अचंभित।
चकोत्रा, सं. पुं. गलगल, फल विशेष।
चकोर, सं. पुं. पक्षी विशेष।
चक्का, सं. पुं. दही ; गाडीका पैया।
चक्कान, गु. गाढा।
चक्की, सं. स्त्री. दलेती, पाट्।
चक्कू, सं. पुं. छुरी।
चक्र, सं. पुं. अस्त्र विशेष ; पैया ; गोल।
चक्राकार, गु. गोलाकार।
चक्रवर्त्ती, सं. पुं. सार्वभैाम राज।
चक्रित, गु. चकित।
चक्री, सं. स्त्री. चकला ; गायकों की मण्डली।
चख, सं. पुं. चक्षु।
चखना, स. क्रि. चीखना, स्वादकर्ना।
चखाचखी, सं. स्त्री. बिगाड, फूट।
चङ्गा, गु. भला, अच्छा, सुखी।
चङ्गेर, सं. स्त्री. फूल रखने का पात्र ; कठरी।
चङ्गेरा, सं. पुं. } खाँचा, खाँची, कठरा, कठरी।
चङ्गेरी, स्त्री. }
चचा, सं. पुं. पिताका भाई।
चची, सं. स्त्री. पिताकी बहिन, वा पितृव्य की स्त्री।
चचोर्ना, स. क्रि. सूखी वस्तुको चूसना।
चञ्चनाना, अक. क्रि. टीसना।
चञ्चनाहट्, सं. स्त्री. टीस।
चञ्चल, गु. अस्थिर, चपल ; कंम्पाह्वा, खिलाड ; नाशी।
चञ्चलता, सं. स्त्री. अस्थिरता।
* चञ्चला, सं. स्त्री. बिजली।
चञ्चलाई, सं. स्त्री. ढिठाई।
चञ्चलाना, अक. क्रि. चपल होना।
चञ्चलाहट्, सं. स्त्री. अस्थिरता ; ढिठाई।
चञ्चु, सं. स्त्री. चोंच।
चट, अ. तुरन्त।
चटक, सं. स्त्री. चमक ; धडाका ; चिडा, गु. बुद्धिमान् ; बेगी।
चटक्ना, अक. क्रि. कडकडाना, तडकना, फटना।
चट्कना, सं. पुं. धप्पा।
चटका, सं. पुं. टोटा ; चट्टी।
चटकाना, स. क्रि. फटकार्ना, चुटकी बजाना ; चीरना।
चटकार्ना, स. क्रि. पशु आदि के हाँकने में टिटकारी मार्ना।
चटकीला, गु. चमकीला ; भडकीला।
चटनी, सं. स्त्री. खानेके लिये खट्टी बनाई ऊई वस्तु।

चटपट, अ. तुरन्त।
चटपटाना, अक. क्रि. व्याकुल होना; फडफडाना; धडधडाना।
चटपटाहट, सं. स्त्री. व्याकुलता, धडधडाहट।
चटपटिया, गु. फुर्तीला।
चटपटी, सं. स्त्री. उतावली, हड-बडी।
चटवाना, स. क्रि. चाट करके पिलाना।
चटसाल, सं. पुं. पाठशाला।
चटाई, सं. स्त्री. बिछानेके लिये नरकटकी बनीऊई वस्तु।
चटाक, सं. स्त्री. धडाका, भडाका।
चटाका, सं. पुं. धडाका, चूमा लेने में जो शब्द।
चटाचट, गु. दोहराय तेहराय के जो शब्द।
चटाना, स. क्रि. चटवाना।
चटिया, सं. पुं, शिष्य, चेला।
चटोरा, सं. पुं. रसिया, पेटू।
चट्टा, सं. पुं. चटशाली बालक।
चट्टाबट्टा, सं. पुं. खिलौना विशेष।
चड, सं. पुं. दृक्षकी डाली तोडने में जो शब्द।
चडचड, गु. चटाचट।
चडचडाना, अक. क्रि. तडकना, फटना।
चडबडिया, सं. पुं. बक्की।
चढके, अ. जानबुझके।
चढताहोना, अक. क्रि. निकलता होना, सरस होना।
चढती, सं. स्त्री. लाभ, फल।

चढना, अक. क्रि. आरोहण कर्ना, बिलकना, उठना; धावाकर्ना; सवार होना।
चढन्दार, सं. पुं. चढनहार, कर्ण-धार।
चढवैया, सं. पुं. सवार, घुड-चढा।
चढाई, सं. स्त्री. चढाव; धावा; पद; सवार होनेके निमित्त।
चढाना, चढानैं, स. क्रि. आरोहण कराना; बलिदान कर्ना; उठाना, ढोल-वा धनुष तानना-वा कसना।
चढाव, सं. पुं. चढाई; भाठा।
चढैत, चढैता, सं. पुं. चढवैया।
चढौवा, सं. पुं. जूता जो एडीसे चढा रहता है।
चणक, चणा, सं. पुं. चना।
चण्डाल, सं. पुं. अति नीच जाति; अकर्मी।
चण्डालिन, वा-ली, सं. स्त्री. चण्डाल की स्त्री।
चण्डाल, सं. पुं. पालकी विशेष; पक्षी विशेष; खिलौना विशेष।
चतुर, गु. निपुण, सुनारी, प्रवीण, सयाणा; धूर्त।
चतुरता, सं. स्त्री. सयाणपन, प्रवीणता; धूर्तता।
चतुरस्र गु. चौखूंटा।
चतुरा, गु. चतुर।
चतुराई, सं. स्त्री. चतुरता।

चतुर्थ, गु. चौथा।
चतुर्थी, गु. चौथ, चौथी।
चतुर्दिक् गु. चारों ओर।
चतुर्दश, गु. चौदह।
चतुर्दशी, गु. स्त्री. चौदहवीं तिथि।
चतुर्वर्ग, सं. पुं. धर्मार्थ काम मोक्ष।
चतुर्विंश, गु. चौबीसवाँ।
चतुर्विंशति, गु. चौबीस।
चतुष्कोण, गु. चौकोना।
चतुस्सहस्र, गु. चारहजार।
चना, सं. पुं. अन्न विशेष।
चन्द, सं. पुं. चन्द्रमा।
चन्दन, सं. पुं. गन्धसार, गन्धराज।
चन्दवा, सं. पुं. मेघडम्बर।
चन्दिया, सं. स्त्री. टटरी; चाँदी।
चन्द्र, सं. पुं. चन्द्रमा।
चन्द्रकला, सं. स्त्री. सोलहवाँ अंश चन्द्रमाका; स्त्रीयोंकी धोती विशेष।
चन्द्रकान्त, सं. पुं. मणि विशेष।
चन्द्रग्रहण, सं. पुं. सूर्य और चन्द्रके मध्यमें पृथिवी का व्यवधान।
चन्द्रबंसी, गु. चन्द्रवंशी।
चन्द्रमा, सं. पुं. चाँद।
चन्द्रमुखी, गु. जिसका मुख चन्द्र सरीखा है अर्थात् अति सुन्दरी।
चन्द्रवंशी, गु. चन्द्रमा से जो उत्पन्न भया, क्षत्रीके जाति विशेष का नाम।
चन्द्रवाला, सं. स्त्री. बडी इलायची।
चन्द्रहार, सं. पुं. गलेका गहना।

चन्द्रा, गु. मुण्डला, गञ्जा; बुद्धिमान्।
चन्द्रातप, सं. पुं. चाँदनी; चन्दवा।
चन्द्राना, अक. क्रि. सूखना, मुरझाना।
चन्द्रिका, सं. स्त्री. चाँदकी जोति।
चपकन, सं. स्त्री. अङ्गा विशेष।
चपकना, अक. क्रि. मिलजाना, बैठजाना, सटना।
चपकाना, स. क्रि. मिलाना, बैठाना, सटाना।
चपटना, अक. क्रि. चपटा होना।
चपटा, गु. बैठवाँ।
चपटाना, स. क्रि. बैठाना।
चपटी, सं. स्त्री. दोस्त्री आपस में पुरुष के समान सङ्गम करें उस व्यवहार का नाम।
चपडचपड, सं. पुं. खाते खाते मुखसे जो शब्द होता है।
चपडा, सं. पुं. लाख विशेष।
चपडाऊ, गु. निर्लज्ज; ढीठ। सं. पुं. पनही।
चपडाना, स. क्रि. खोटा करना ढीठ करना।
चपना, अक. क्रि. लज्जित होना, आधीन होना, मसल जाना।
चपनी, सं. स्त्री. ढकना, ढपना जो छोटा है।
चपरास, सं. स्त्री. पदातिके निमित्त स्वामीका चिन्ह।
चपरासी, सं. पुं. दूत जिसने चपरासनामा चिह्न को धारण किया है।
चपाती, सं. स्त्री. फुलका।

चपल, गु. चञ्चल।
चपला, सं. स्त्री. बिजली।
चपाना, स. क्रि. लजाना; थोपना।
चपेट, सं. स्त्री. } थप्पा. अचानक से
चपेटा, पुं. } जो विपत्ति आवे।
चप्पा, सं. पुं. चार अङ्गुलोका प्रमाण।
चप्पी, सं. स्त्री. अङ्गका दाबना वा मलना।
चप्पू, सं पुं. डाँड।
चबाई, सं. स्त्री. कुचलाई, चर्वण।
चबाना, स. क्रि. चाबना, चिकलना।
चबूत्र, सं. पुं. चौतरा।
चबेना, सं. पुं. } भूनाऊआ अन्न।
चबेनी, स्त्री. }
चभक, सं. स्त्री. डङ्क।
चमक, सं. स्त्री. चटक, झलक, भडक।
चमकता, गु. उजागर, उजला।
चमकना, अक. क्रि. झलकना, लौकना, प्रालव्द जगना, क्रोधित होना।
चमकाना, स. क्रि. झलकाना; घुमाना, फैलाना।
चमकाव, सं. पुं. } चमक।
चमकाहट, स्त्री. }
चमगादड, सं. पुं. } रात्रि मेंउडनेहारा पक्षी। दिवान्ध।
चमगीदड, पुं. }
चमगुदडी, स्त्री. }
चमचमाना, अक. क्रि. झुनझुनाना; चमकना।
चमचमाहट्, सं. स्त्री. चमकाहट्।
चमडा, सं पुं. चर्म, खाल।
चमत्कार, सं. पुं. अचम्भा, भडक।
चमत्कारी, गु. भडकीला, चमत्कार कर्नेहारा।
चमर, सं. पुं. चँवर, सुरभी गौकी पूंछ।
चमरी, सं. स्त्री. सुरभी।
चमार, सं. पुं. चर्मकार।
चमू, सं. स्त्री. सेना।
चमेटा, सं. पुं. चपेटा।
चमोटा, सं. पुं. } चमडा जिस पर छुरा फेरते हैं नाई।
चमोटी, स्त्री. }
चम्पक, सं. पुं. वृक्ष विशेष जिसका फूल पीतवर्ण और सुगन्ध वेष्टित है।
चम्पतहोना, अक. क्रि. अलोपना; भागना।
चम्पा, सं. पुं. चम्पक।
चम्पाकली, सं. स्त्री. चम्पाके फूलके समान गहना विशेष जो गले में पहनते हैं।
चम्बू, सं. पुं. जलपात्र विशेष, जिससे देवता को जल चढाते हैं।
चम्बेली, सं. स्त्री. फूल विशेष।
चय, सं. पुं. समूह; ढेर।
चर, गु. उठानेके योग्य, जिस्को चलनेकी सामर्थ है। सं. पुं. चारा; थाह।
* चरक, सं. पुं. कोढ।
चरकटा, सं. पुं. चारा काटनेहारा।
चरका, सं. पुं. श्वेत कष्ठ विशेष।

चरकी, सं. पुं. कोल्हू।
चरख, सं. पुं. चक्र।
चरखा, सं. पुं. रहटा।
चरखी, सं. स्त्री. छोटा चरखा; बिनौला निकालनेका यन्त्र।
चरचना, स. क्रि. देहमें चन्दन मलना।
चरचर, सं. पुं. गप, बक।
चरचराना, अक. क्रि. चटकना।
चरचेला, सं. पुं. बक्की।
चरचैत, सं. पुं. चर्चैत।
चरण, सं. पुं. पांव; श्लोकका पद।
चरणामृत, } सं. पुं. जल जिस्से मू-
चरणोदक, } र्त्तिका वा ब्राह्मणका पाँव धोये गये हैं।
चरती, सं. गु. जो व्रत नहीं कर्ता।
चरन, सं. पुं. चरण।
चरना, अक. क्रि. चुगना।
चरनी, सं. स्त्री. थान; कठरा।
चरन्नी, सं. स्त्री. चौअन्नी।
चरपरा, गु. तीता, कडुआ; तीक्ष्ण; फुर्तीला।
चरपराना, अक. क्रि. परपराना।
चरपराहट, सं. स्त्री. परपराहट।
चरपरिया, गु. मनचला; सुघड।
चरम, गु. पिछला।
चरवाई, सं. स्त्री. चराई।
चरवाहा, सं. पुं. रखवारा, गडेरिया।
चरस, सं. पुं. मादक वस्तु; मोठ, पुरवट।
चरसा, सं. पुं. अधौडी, खाल।

चराई, सं. स्त्री. चरानेके निमित्त कौडी।
चराक, सं. पुं. चरनेहारा पशु।
चरान, सं. पुं. तराई।
चराना, स. क्रि. चुगाना।
चराव, सं. पुं. खेत जो चरनेके योग्य है।
चरित, सं. पुं. चरित्र।
चरितार्थ, सं. पुं. कृतार्थ।
चरित्र, सं. पुं. स्वभाव, शील; वृत्तांत।
चरुआ, सं. पुं. भाँडा।
चर्चक, सं. पुं. चर्चा कर्नेहारा, वादी।
चर्चना, स. क्रि. विचारना, समझना।
चर्चा, सं. स्त्री. प्रस्ताव, बतकहाव।
चर्म, सं. पुं. चमडा।
चर्मकार, सं. पुं. चमार।
चर्य्या, सं. स्त्री. तपस्या कर्नेमें धुन वा रहन।
चर्व्वण, सं. पुं. दाँतोंसे पीसना।
चर्स, सं, पुं. चरस।
चलत, सं. गु. चलित।
चलदल, सं. पुं. पीपल।
चलन, सं. पुं. चाल, व्यवहार।
चलनता, गु. बिकनहार, खपती।
चलना, अक. क्रि. जाना, विदा होना; बहना।
चलनी, सं. स्त्री. छाँनी। गु. चलता।
चलबिधरा, गु. अडियल, मचला।
चलबिधराहट, सं. स्त्री. मचलाई।
चलबिचल, सं. पुं. चूक, भ्रम।
चलाचल, सं. पुं. } दौडधूप।
चलाचली, स्त्री. }

चलान, सं. स्त्री. भेजाव।
चलाना, स. क्रि. दौडाना, भगाना; छोडना; बढाना, अभ्यास डालना, चलना सिखलाना।
चलाव, सं. पुं. चलन।
चलित, गु. जो चलता है।
चलित्र, सं. पुं. चरित्र।
चलित्री, गु. खिलाडी, अचपल।
चलू, सं. पुं. आचमन।
चषक, सं. पुं. जलादि पीनेका पात्र।
चसक, सं. स्त्री. पीडा, टीस।
चसकना, अक. क्रि. टीसना।
चसका, सं. पुं. लालसा, प्रेम; चाट।
चसना, अक. क्रि. मसकना, फसकना।
चहकना, अक. क्रि. चहचहाना।
चहकार, सं. स्त्री. चहचहाहट।
चहकारना, अक. क्रि. चहचहाना।
चहचहाहट, सं. स्त्री. पक्षीका बोलना।
चहचहाना, अक. क्रि. बोलना जैसे पक्षी।
चहचहिया, सं. पुं. चहचहानेहारा।
चहला, सं. पुं. कीचड।
चहिये, अ. चाहिये।
चहुं, गु. चार।
चहुंचक, } गु. चारों ओर, लग-
चहुंदिस, } भग।
चक्षु, सं. पुं. नेत्र।
चाँड, सं. स्त्री. टेक, थाम्भ।
चाँद, सं. पुं. चन्द्रमा।
चाँदना, सं. पुं. उजाला, ज्योति।
चाँदनी, सं. स्त्री. चाँदकी ज्योति; श्वेत वस्त्रका विछौना।
चाँदा, सं. पुं. बिहरी।
चाँदी, सं. स्त्री. रूपा, रजत।
चाँप, सं. स्त्री. बन्दूककी कल; काठ।
चाँपना, स. क्रि. जोडना; ठाँसना।
चा, सं. स्त्री. पौधा विशेष।
चाक, सं. पुं. चक्र जिसपर कुम्हार बासन बनाता है।
चाकी, सं. स्त्री. चक्की।
चाखना, स. क्रि. स्वाद कर्ना वा लेना।
चक्कला, सं. पुं. घोडेका रङ्ग।
चाचा, सं. पुं. पिताका भाई।
चाची, सं. स्त्री. पिताकी बहिन, वा पितृव्य की स्त्री।
चाञ्चल्य, सं. पुं. अस्थिरता।
चाट, सं. स्त्री. चसका, लालच; पदार्थ।
चाटना, स. क्रि. चभड चभड पीना; जीभसे रस खींचना।
चाटी, सं. स्त्री. मथनिया।
चातक, सं. पुं. पपीहा।
चातर, सं. पुं. महाजाल।
चातुर, गु. चतुर; चार।
चातुरी, सं. स्त्री. धूर्त्तता।
चातुर्य्य, सं. पुं. चतुराई।
चान्द्रमास, सं. पुं. कृष्ण प्रतिपदादि पूर्णिमान्त।
चान्द्रायण, सं. पुं. व्रत विशेष जिसमें भोजन प्रतिदिन एक ग्रास घटाते बढाते हैं जैसे चन्द्रमा प्रति दिन घटता बढता है।
चाप, सं. पुं. धनुष, कमान।
चापलूस, सं. पुं. स्तुतिकारी; फासलाऊ।

चापलूसी, सं. स्त्री. लल्लोपत्तो।
चाबना, स. क्रि. चिकलना, दाँतसे कुचलना।
चाबी, सं. स्त्री. कुञ्जी।
चाम, सं. पुं. चर्म।
चामर, सं. पुं. चमर।
चामीकर, सं. पुं. सुवर्ण।
चाय, सं. पुं. चोप; हर्ष, स्वाद।
चार, गु. गिनती ४।
चारन, वा-ण सं. पुं. नचवैया, भाँड; भाट।
चारा, सं. पुं. बनास्पती, पशु भोजन।
चारु, गु. सुन्दर।
चार्वाक, गु. वेदवाह्य; नास्तिक विशेष।
चाल, सं. स्त्री. गति; चलन, रीति।
चालना, स. क्रि. झाडना, आखाकर्ना।
चालनी, सं. स्त्री. आटा छाननेके लिये बज़त छिद्रका पात्र।
चाव, सं. पुं. चाय; चार अङ्गुलका माप; बाँस विशेष।
चावल, सं. पुं. तण्डुल।
चाह, सं. स्त्री. इच्छा, प्रेम, रीझ, छोह।
चाहक, सं. पुं. छोही, हितकारी।
चाहत, सं. स्त्री. चाह।
चाहना, स. क्रि. प्रेम कर्ना, इच्छा रखना; प्रार्थना कर्ना; माँगना; देखना।
चाहा, सं. पुं. प्रेम, स्नेह, इच्छा।
चाहाचाही, सं. स्त्री. अपने देशका प्रेम।
चाहिये, अ. अवश्य।
चाहीता, गु. प्यारा, मनभाऊ
चाहीती, गु. स्त्री. प्यारी।
चाहे, अ. अथवा।
चिक, सं. स्त्री. द्वारमें लगानेके लिये बाँसका परदा।
चिकटा, सं. पुं. टस्सरका कपडा विशेष।
चिकठा, गु. चिक्कट्।
चिकना, सं. पुं. तैल वा घृत। गु. उजला; सुन्दर, तिलहा; अजितेन्द्रिय; चञ्चल।
चिकनाई, सं. स्त्री. चरबी, चञ्चलाहट्; झलक, ओप।
चिकनाना, स. क्रि. उज्जल कर्ना, ओपना।
चिकनाहट. सं. स्त्री. उज्जलाई, ओप; चिकनाई; सुन्दरता।
चिकारना, अक. क्रि. चें चें कर्ना, नाकीदेना।
चिकारा, सं. पुं. हिरन विशेष, छोटी सारङ्गी।
चिकित्सक, सं. पुं. वैद्य।
चिकित्सा, सं. स्त्री. बैदाई, औषध कर्ना।
चिकुर, सं. पुं. केश; घूँघर।
चिकोरना, स. क्रि. चिल्होर्ना, ठोंगाना, चोंचियाना।
चिकोरा, गु. चञ्चल, तरल,।
चिक्कट, गु. चिकटा, मलीन्।
चिक्कन. गु. चिकना।
चिक्कडा, सं. पुं. } झींगा।
चिक्कडी, स्त्री. }

चिङ्गनी, सं. स्त्री. } मुरगीका बचा।
चिङ्गा, सं. पुं. }
चिङ्गी, सं. स्त्री. चिनगी, चिनगारी।
चिङ्घाड, सं. स्त्री. किलकार, कूक, चिल्लाहट्।
चिङ्घाडना, अक. क्रि. किलकारी मार्ना; चीकना।
चिङ्घाडा, सं. पुं. चिङ्घाड।
चिचडी, सं. स्त्री. किलनी।
चिचियाना, अक. क्रि. चिल्लाना, मिमियाना।
चिट, सं. स्त्री. लीर, धज्जी।
चिटकारा, सं. पुं. छींटा, चिन्ह।
चिट्टा, गु. गोरा, श्वेत। सं. पुं. रूपया।
चिट्टा, सं. पुं. दिन २ की कमाई।
चिट्ठी, सं. स्त्री. पत्र, पाती।
चिड, सं. स्त्री. ग्लानि; खिजावट्।
चिडचिडा, गु. खुनसाहा, झनझना। सं. पुं. पौधा विशेष।
चिडना, अक. क्रि. झुंझलाना।
चिडपिडा, गु. तीक्ष्ण, तीता, कडुवा।
चिडपिडाहट, सं. स्त्री. कडुवाहट्।
चिडा, सं. पुं. चटक।
चिडाना, स. क्रि. खिजाना, सताना, छेडना।
चिडिया, सं. स्त्री. गौरिया; पक्षी।
चिडीमार, सं. पुं. बलिया।
चित, सं. पुं. चित्त। गु. सीधापडना।
चितकबरा, गु. चितला, कबरा।
चितना, अक. क्रि. रङ्गाजाना।
चितला, गु. चितकबरा।
चितवन, सं, स्त्री. दृष्टि।
चितहट्, सं. स्त्री. खीच।
चिता, } सं. स्त्री. मृतक के दाह
चिताखा, } देने का स्थान।
चिताना, } स. क्रि. जताना, जना-
चितावना, } ना, सूचेता कर्ना।
चितावनी, सं. स्त्री. जतावनी, चिन्ह।
चितेरा, सं. पुं. चित्रकार।
चितैनाँ, } स. क्रि. देखना, विलोक-
चितौना, } ना।
चित्त, सं. पुं. मन, हृदय; सुध।
चित्ता, सं. पुं. औषधि पौधा विशेष।
चित्ती, सं. स्त्री. चिन्ह, लहसन; सर्पविशेष; कौडी जो रगडने से चिकनी हो गई।
चित्र, सं. पुं. मूर्त्ति, रूप।
चित्रकार, सं. पुं. चितेरा।
चित्रकारी, सं. स्त्री. चित्रकार का काम।
चित्रविचित्र, गु. जो अनेक रङ्ग का है।
चित्रशाला, सं. स्त्री. जिस स्थानमें चित्र बहुत होवें।
चित्रा, सं. स्त्री. चौदहवाँ नक्षत्र।
चित्रिणी, सं. स्त्री. दूसरे प्रकार की स्त्री।
चिथडा, सं. पुं. लत्ता, गुदडा।
चिथडिया, गु. गुदडिया।
चिथाडना, स. क्रि. फाडना, चीरना, लताडना।
चिनग, सं. स्त्री. मूत्रकर्ते ऊपर जलन।
चिनगना, अक. क्रि. टीसना; चिल्लाना।

चिनगारी, } सं. स्त्री. लूका, आगका
चिनगी, } छोटा २ फूल।

चिनचिनाना, अक. क्रि. चिल्लाना।

चिन्त, सं. स्त्री. चिन्ता।

चिन्तन, सं. पुं. अभ्यास।

चिन्तना, स. क्रि. अभ्यास कर्ना।

चिन्ता, सं. स्त्री. सोच; डर; जोखिम; सन्देह; भावना।

चिन्ताना, स. क्रि. अभ्यास करवाना।

चिन्तित, गु. सोची; भावित।

चिन्ह, सं. पुं. लक्षण; पचान।

चिन्हार, सं. पुं. चीन्हा।

चिन्हारी, सं. स्त्री. चीन्ही।

चिन्हित, गु. जो पहिचाना गया।

चिपकना, अक. क्रि. सटना, लगना।

चिपचिपा, गु. लिजलिजा, लसलसा।

चिपचिपाना, } अक. क्रि. चिपकना,
चिपटना, } लिपटना।

चिपटा, गु. चिपचिपा।

चिपटाना, स. क्रि. चपराना, चिप्पी लगाना।

चिपडी, सं. स्त्री. गोहरी।

चिप्पक, गु. छिछला। सं. पुं. पक्षी विशेष।

चिप्पी, सं. स्त्री. थेगली; जहाँकागज फाडा है तहाँ जो टुकरा लगा रहता है उसका नाम।

चिबावला, गु. छुलुहला।

चिबुक, सं. स्त्री. ठोडी।

चिमटना, अक. क्रि. चिपकना, लिपटना।

चिमटरहना, अक. क्रि. लगा रहना।

चिमटा, सं. पुं. खूंठा।

चिमटाना, स. क्रि. लिपटाना।

चिमटीकाटना, स. क्रि. चुटकी लेना।

चिमठा, } गु. लचीला, कडा।
चिमडा, }

चिमडाई, सं. स्त्री. कडापन।

चिमडाना, स. क्रि. कडा कर्ना। अक. क्रि. कडा होना।

चिमडाहट, सं. स्त्री. चिमडाई।

चिमडी, गु. स्त्री. चिमडा।

चिर, अ. बहुत काल।

चिरंजी, } सं. पुं. आशीर्वाद विशेष, अर्थात् आयुर्दा
चिरंजीव, } बडी होय।

चिरकाल, अ. नित्य, सदा।

चिरकुट, सं. पुं. चिट्।

चिरकटिया, गु. गुदडिया।

चिरचिरा, सं. पुं. औषधिका पौधाविशेष।

चिरचिराना, अक. क्रि. चरचराना।

चिरचिराहट, सं. स्त्री. झनझनाहट।

चिरन्तन, गु. पुराना, प्राचीन।

चिरजीवना, अक. क्रि. चिरञ्जीव होना।

चिरवाना, स. क्रि. चराना।

चिरांद, सं. स्त्री. जलते हुए चर्मादि की दुर्गन्ध।

चिराना, स. क्रि. फडाना।

चिरौंजी, सं. स्त्री. गुच्छफल विशेष।

चिरौरी, सं. स्त्री. विनती।

चिलक, सं. स्त्री. चमक, भड़क, झलक।

चिलकना, अक. क्रि. चमकना, झलकना।

चिलचिलाना, अक. क्रि. चीखना, चिल्लाडना।

चिलम, सं. स्त्री. हुक्के का पात्र विशेष, जिस्में तमाकू और आग भर्ते हैं।

चिलमची, सं. स्त्री. पात्र विशेष जिस्में मुंह हाथ धोनेका पानी रहता है; चिलम के नीचे रखनेके लिये वस्तु विशेष।

चिलवन, सं. स्त्री. चिक. झंझरी।

चिलहौनी, स. क्रि. ठोंगाना।

चिल्ला, सं, पुं. धनुष पर चढ़ानेकी रस्सी, पगडीका सुनहरी पल्ला।

चिल्लाना, स. क्रि. चिल्लाडना, पुकार्ना।

चिल्लाहट्, सं. स्त्री. चिल्लाड, पुकार।

चिल्ली, सं. स्त्री. भोजन विशेष जो अण्डेसे बनाता है; उल्लू।

चींटीं, सं. स्त्री. चिंवटी, चेऊंटी।

चीक, सं. स्त्री. कीच।

चीख, सं. स्त्री. चिल्लार, चिल्लाहट्।

चीखना, अक. क्रि. चिल्लाना। स. क्रि. चखना।

चीखुर, सं. पुं. गिलहरी।

चीतना, स. क्रि. चाहना।

चीतल, सं, पुं. जंगली जन्तु विशेष। गु. चितला।

चीता, सं. पुं. तेंदुवा; चाह, बुद्धि।

चीथना, स. क्रि. चिथेडना, फाडना।

चीनी, सं. स्त्री. खाँड विशेष।

चीनीय, गु. चीनके मनुष्यादि।

चीन्ह, सं. पुं. चिन्ह।

चीन्हना, स. क्रि. पहिचान्ना।

चीन्हा, सं. पुं. पहिचाना, जान्कार।

चीर, सं. स्त्री. खोंच; वस्त्रका टुकडा; साडी।

चीरना, स. क्रि. फाडना।

चीरा, सं. पुं. काट्; घाव; मुग्धापन; पगडी।

चील, सं. स्त्री. पक्षी विशेष।

चीलर, } सं. स्त्री. ढील, बडी
चील्हर, } जूं।

चुआन, सं. स्त्री. जल रखनेका बना या ऊआ स्थान।

चुकती, सं. स्त्री. निपटारा।

चुकना, अक. क्रि. निपटना, समाप्त होना; ठहराना।

चुकाई, सं. स्त्री. चुकौता।

चुकाना, स. क्रि. निपटाना, समाप्त कर्ना; ठहराना।

चुकौता, सं. पुं. निपटारा।

चगना, अक. क्रि. टूंगना; चुन्ना।

चुङ्गी, सं. स्त्री. अन्नका कर जो प्रतिदिन अन्नका बेपारी देता है।

चुचकार्ना, स. क्रि. कोंहला कर्ना, चुमकार्ना।

चुचकारी, सं. स्त्री. चमकारी।

चुच्चड, सं. पुं. बडी चूंची।
चुटकी, सं. स्त्री. नोच, चुमटी; मुट्ठीभर अन्न; पैरकी अंगुली का गहना।
चुटकुला, सं. पुं. ठठाली।
चुटला, सं. स्त्री. चोटी।
चुटाना, चुटालना, } स. क्रि. घाव कर्ना।
चुड, सं. स्त्री. चूत।
चुडुआ, सं. पुं. चर्वण विशेष, जो धानको उसनके बनाते हैं।
चुडैल, सं. स्त्री. प्रेतनी; फूहड्।
चुदक्कड्, सं. पुं. चुदवैया।
चुदना, अक. क्रि. जुड्ना, सङ्गम होना।
चुदवाई, सं. स्त्री. प्रसङ्ग कर्नेका पैसा।
चुदवाना, स. क्रि. प्रसङ्ग करवाना।
चुदवैया, सं. पुं. लम्पट्, सङ्गम कर्नेहारा।
चुदाई, सं. स्त्री. केल, सङ्गम, मैथून।
चुदाना, स. क्रि. चुदवाना।
चुदास, सं. स्त्री. काम।
चुदासा, सं. पुं. चुदासी, स्त्री. } मथुनेच्छा, कामातुर।
चुनचुनी, सं. स्त्री. गुदाके कीडे।
चुनत, चुनन, } सं. स्त्री. परत।
चुनरी, सं. स्त्री. रङ्गा ऊआ वस्त्र विशेष।
चुनाना, स. क्रि. टुँगाना, बिनवाना, छँटवाना।
चुनावट्, सं. स्त्री. चुनत।
चुनौटा, सं. पुं. चुनौटी, स्त्री. } पात्र जिस्मे पान खानेके लिये चूना रखते हैं; उसीसे चूना निकालनेकी वस्तु।
चुनौटी, सं. स्त्री. युद्धमें पलटनको ढाडस देना; पलटनमेंसे बलवान् मनुष्योंको चुन्ना भारीधावा कर्नेके लिये; जेठशुदी एकादशीके दिनमें पैरके पार जानेका व्यवहार विशेष जो काशीमें चलित है।
चुन्धला, गु. त्योन्धा।
चुन्धलाना, अक. क्रि. त्योन्धा होना।
चुन्धा, गु. च्योन्धा।
चुन्ना, स. क्रि. चुगलेना, छाँटना; बिन्ना; ढबसे रखना; चुनत कर्ना।
चुन्नी, सं. स्त्री. छोटा मानिक।
चुप, चुपका, चुपचाप, } गु. मौनी; अबोल।
चुपचुपाना, अक. क्रि. चुपचाप रहना।
चुपडना, स. क्रि. चिकनाना, मलना।
चुपडी, गु. चिकना।
चुप्पी, सं. स्त्री. मौनता।
चुभकी, सं. स्त्री. डुबकी।
चुभना, अक. क्रि. घुसिड्ना, बिन्धना, छिदना, पैठना।
चुभाना, स. क्रि. घुसेडना, पैठालना, छेदना।

चुमाना, स. क्रि. चूमादिलवाना।
चुम्कार, सं. पुं.
चुम्कारी, सं. स्त्री. } चुचकारी।
चुम्कार्ना, स. क्रि. चुचकार्ना।
चुम्बक, सं. पुं. लोहेका आकर्षक लोह विशेष।
चुम्बन, सं. पुं. चूमा, स्नेहके वशसे अङ्गमें ओष्ठ स्पर्श कर्ना।
चुरकुठ, सं. पुं. बुक्नी, चूर्ण।
चुरगना, अक. क्रि. चेंचें कर्ना।
चुराना, स. क्रि. चोरी कर्ना।
चुरी, सं. स्त्री. चूडी।
चुलगना, अक. क्रि. बक्ना, बड्बडाना।
चुल, सं. स्त्री. खुजलानेकी इच्छा।
चुलचल, सं. पुं. चञ्चलाहट्।
चुलचुलाना, स. क्रि. खुजलाना, गुदगुदाना।
चुलचुली, सं. स्त्री. चञ्चलाहट्।
चुलबुला, गु. चञ्चल; रङ्गीला।
चुलबुलाना, अक. क्रि. चञ्चल होना।
चुलबुलाहट्, सं. स्त्री. चुलबुलापन।
चुलबुलिया, गु. चलबुला।
चुलहाई, गु. स्त्री. कामातुरी, चुदासी।
चुलहारा, गु. पुं. कामातुर।
चुल्लू, सं. पुं. एक हाथका सम्पुट; मुट्ठीभर।
चुसक्कार, सं. पुं. पीवक्कार।
चुसनी, सं. स्त्री. चूसनी
चुहचुहा, गु. जो गहरा रङ्गागया।
चुहचुहाना, अक. क्रि. गहरा रङ्गा जाना।

चुहल, सं. स्त्री. चर्चा; चहल पहल।
चुहला, गु. ठठोल; हंसोड।
चुंगी, सं. स्त्री. चुङ्गी।
चूंची, सं. स्त्री. कुच, भिटनी, थन।
चूंटा, सं. पुं. पृथ्वीमें रहनेहारा जन्तु विशेष।
चूंठी, सं. स्त्री. छोटा चूंटा वा उसकी स्त्री।
चूक, सं. स्त्री. भूल, भ्रम। गु. खट्टा।
चूकना, अक. क्रि. भूलना।
चूका, सं. पुं. खट्टा साग।
चूची, सं. स्त्री. चूंची।
चूड, सं. पुं. सोने वा रुपेकी बनी ऊई वस्तु, जिस्को विधवा पहनती है; कडा विशेष जो हाथीके दांतोंमें पहनाते हैं।
चूडा, सं. पुं. संस्कार की रीति से प्रथम मुण्डन; लाखकी चूडी। ललाटके ऊपर बंधेऊए केश।
चूडी, सं. स्त्री. हाथमें स्त्रियोंके पहनेंके लिये वस्तु जो काचकी बनती है।
चूत, सं. स्त्री. योनि; अम्ब।
चूतड, सं. पुं. नितम्ब, पूठ।
चूतिया, सं. पुं. उल्लू, उजबक।
चून, सं. पुं. आटा।
चूना, अक. क्रि. रिसना, टपकना; छन्ना। सं. पुं. चूर्ण, भरका।
चूनी, सं. स्त्री. दलाऊआ चना इत्यादि, वा खुद्दी।
चूमकपत्थर, सं. पुं. चुम्बक।

चूमना, स. क्रि. चूमा लेना, मच्ची-लेना।
चूमा, सं. पुं. मच्ची, मोठी।
चूर, सं. पुं. बुकनी, चूर्ण।
चूरन, सं. पुं. पाचन।
चूरा, सं. पुं. रेतन, बूरा।
चूरी, सं. स्त्री. बहुत घी डालके रोटी; चूडी।
चूर्ण, सं. पुं. बुकनी, रेणु।
चूर्ना, स. क्रि. चूरन कर्ना।
चूर्मा, सं. पुं. रोटी घी चीनीसे मिलायके भोजन विशेष।
चूल, सं. स्त्री. एक लकडीका अन्त जो दूसरी लकडीमें पैठाते हैं मिलानेके लिये; द्वारके नीचे ऊपरका खूंटा जिस्से द्वार फिरता है।
चूल्हा, सं. पुं. } आग रखने का
चूल्ही, स्त्री. } स्थान।
चूवनौ, अक. क्रि. चूना।
चूसना, स. क्रि. पीलेना, सुडुकना।
चूसनी, सं. स्त्री. झुनुनी।
चूहडा, सं. पुं. मेहतर।
चूहडी, सं. स्त्री. मेहतरानी।
चूहा, सं. पुं. मूसा, मषक।
चूही, सं. स्त्री. छोटा मूसा वा उस्की स्त्री।
चेंचपेंच, सं. पुं. कचबच।
चेंची, सं. स्त्री. वस्तु जिसमें सूई रखते हैं।
चेंचेंकर्ना, अक. क्रि. चुडगना।
चेंडा. गु. यौवन. छोटा।
चेंप, सं. पुं. वृक्ष वा फलका लासा।
चेत, सं. पुं. स्मरण, सुध।
चेतन, सं. पुं. प्राण; आत्मा; ज्ञान; ध्यान।
चेतना, स. क्रि. स्मरण कर्ना; ध्यान लगाना; विचारना; सुधमें आना।
चेता, सं. पुं. चेतकर्वानेहारा।
चेरा, सं. पुं. चेला।
चेराई, सं. स्त्री दासता।
चेरी, सं. स्त्री. चेली।
चेला, सं. पुं. लौंडा, दास; शिष्य।
चेली, सं. स्त्री. लौंडी, दासी।
चेवली, सं. स्त्री. रेशमी वस्त्र विशेष।
चेष्टा, सं. स्त्री. शरीरका व्यापार, उद्योग, अभ्यास।
चैत, सं. पुं. चैत्र।
चैतन्य, गु. चौकस, सुचेत; प्राणी। सं. पुं. आत्मा, परमात्मा।
चैत्र, सं. पुं. महीना पहिला।
चैन, सं. पुं. सुख, कल।
चैला, सं. पुं. जलानेके लिये चीरी ऊई लकडीका टुकडा।
चोंकना, स. क्रि. चुभाना, गडाना।
चोंगा, सं. पुं. नली; नलूआ।
चोंच, सं. स्त्री. चंचु, ठोड।
चोंचला, सं. पुं. चोचला।
चोंटला, सं. पुं. जिस्से चोटी गुधते हैं; वा चोटी।
चोंथना, स. क्रि. वकोटना, नोचना।
चोंप, सं. स्त्री. इच्छा, चाह, ऊलास।
चोआ, सं. पुं. सुगन्ध द्रव्य विशेष पली; टपका।

चोआड, सं. पुं. पहाडिया।
चोकर, सं. पुं. आटेकी भूसी, रई।
चोखा, गु. खरा, शुद्ध, सचा, तीक्ष्ण, सूक्ष्म।
चोखाई, सं. स्त्री. खराई, शुद्धता, तीक्ष्णता, सूक्ष्मता।
चोखी, गु. स्त्री. गाने बजाने में सूक्ष्म स्वर।
चोगा, सं. पुं. खाना जो छोटी चिडियाको खिलाते हैं।
चोङ्गा, सं. पुं. चोंगा।
चोचला, सं. पुं. चुचकारी, फुसलाहट् ज्ञांवलो।
चोट, सं. स्त्री. घाव ; चपेट ; पटकन, पछाड ; डाह।
चोटा, सं. पुं. बट्टा ; जूसी।
चोटियाना, स. क्रि. चटालना, लङ्गडा कर देना।
चोटी, सं. स्त्री. शिखा ; शिखर।
चोट्टा, सं. पुं. चोर।
चोथ, सं. पुं. गोबर।
चोदना, स. क्रि. मैथुन कर्ना, प्रसङ्ग कर्ना।
चोदवासी, सं. स्त्री. चुदासी।
चोदू, सं. पुं. चुदवैया।
चोन्धला, गु. चुन्धला।
चोन्धलाना, अक. क्रि. चुन्धलाना।
चोन्धी, सं. स्त्री. धुन्धलाई, धुन्ध।
चोप, सं. स्त्री. चोंप।
चोया, सं. पुं. छिलका ; देवली ; सूखी नदीमें पानीके लिये खोदा भया गर्त्त।
चोर, सं. पुं. चोट्टा, ठग।
चोराना, स. क्रि. चोरीकर्ना।
चोरी, सं. स्त्री. ठगाई, डकैती।
चोला, सं. पुं. अङ्गा ; वस्त्र विशेष जो दुलहन को पहनाते हैं।
चोली, सं. स्त्री. अङ्गिया।
चोवा, सं. पुं. चेआ।
चोष्य, गु. चूसनेके योग्य वस्तु, आम्रादि।
चौ, सं. पुं. पिछले दाँत ; लोहा जो नाङ्गलको मोनि पर लगा रहता है। गु. चार।
चौअन्नी, सं. स्त्री. रुपयेका चौथा अंश।
चौंक, सं. स्त्री. झिझक, भडक।
चौंकना, अक. क्रि. झिझकना, भडकना, चौंक उठना।
चौंकेल, सं. पुं. झिझकारा, बनेला।
चौंगा, सं. पुं. फुसलाहट्, छल।
चौंगी, सं. स्त्री. फुसलाहट्।
चौंतरा, सं. पुं. चबूतरा।
चौंतीस, गु. तीस और चार ३४।
चौंधियाना, अक. क्रि. घबराना, व्याकुल होना।
चौंरी, सं. स्त्री. चमर।
चौक, सं. पुं. गुदडी, हाट, कठरा, आँगन; चारका समूह।
चौकडा, सं. पुं. दोमोतीका बाला।
चौकडी, सं. स्त्री. कूद, उछाल ; मोतीका बाला जिसे पुरुष पंहनते हैं।
चौकन्ना, गु. चौकस।
चौकभर्ना, स. क्रि. उत्सवमें आँगन मिठाईसे भर्ना।

चौकस, गु. सावधान, सुचेत, सुर्त; निपुण, पूराताल।
चौकसाई, सं. स्त्री. सुचेती, सुर्त।
चौकसी, सं. स्त्री. धुन; रक्षा।
चौका, सं. पुं. लीपा भया रसोई-का स्थान; चारकोनेका स्थान; आगेके चार दाँत; चार पूरीका एक चौका।
चौकी, सं. स्त्री. काष्ठका चौकोना ऊंचा आसन; पहरा, वा पहरे का स्थान।
चौकोना, } गु. चौखूंटा।
चौकोर, }
चौखट, सं. पुं. द्वारके चारों ओर-का काष्ठ।
चौखूँटा, गु. जिसका चारों ओर समान है।
चौगडा, सं. पुं. लम्भा।
चौगान, सं. पुं. वनहीन निर्जन स्थान।
चौगानी, सं. स्त्री. ऊक्कीती सीधी नली।
चौगुना, गु. चारबेरका।
चौघडा, सं. पुं. चार घरका पात्र।
चौडचौपट, गु. दुष्ट, भ्रष्ट।
चौडा, गु. चकला।
चौडाई, सं. स्त्री. } पाट; बर; चकलाई; बडाई।
चौडान, सं. पुं. स्त्री. }
चौडाना, स. क्रि. चकलाना, फैलाना।
चौडोल, सं. पुं. पालकी विशेष।
चौतरा, सं. पुं. चौंतरा।
चौतारा, सं. पुं. चारतारका वाद्य विशेष।
चौताल, सं. पुं. रागिणी विशेष।
चौथ, सं. स्त्री. चतुर्थांश; चतुर्थी, कर।
चौथा, गु. चतुर्थ।
चौथाई, सं. स्त्री. चतुर्थांश।
चौथिया, सं. पुं. चौथ लेनेहारा।
चौथी, सं. स्त्री. चतुर्थी।
चौदन्त, गु. बलवन्त।
चौदन्ती, सं. स्त्री. सूर्मापन।
चौदस, सं. स्त्री. चतुर्दशी।
चौदह, गु. चतुर्दश १४।
चौदानिया, सं. पुं. } चारमोतीका बाला।
चौदानी, स्त्री. }
चौधर, गु. बलवन्त।
चौधराई, सं. स्त्री. चौधरीका काम।
चौधरी, सं. पुं. अनेक जातिमें प्रधान।
चौपट, गु. उजाड; सरपट।
चौपड, सं. स्त्री. खेल जो पासोंसे खेला जाता है।
चौपत्ती, सं. स्त्री. छोटी पोथी।
चौपहला, सं. पुं. चौपाला।
चौपाई, सं. स्त्री. चारपदका श्लोक।
चौपाड, सं. पुं. घर विशेष।
चौपाला, सं. पुं. पालकी विशेष।
चौपाय, सं. पुं. चौवा।
चौबार, सं. पुं. चौपाड।
चौबारा, सं. पुं. उसारा।
चौबीस, गु. बीस और चार २४।

चौबे, सं. पुं. चतुर्वेदी ; मथुराजीके तीर्थ पुरोहित।
चौमासा, सं. पुं. वर्सात।
* चौमुख, सं. पुं. चौमुखी दीवट्।
चौमुखा, सं. पुं. चार मुखका दीपक; घटा विशेष।
* चौमुखी, सं. स्त्री. रुद्राक्षका फल।
चौरङ्ग, सं. पुं. दाँव विशेष, जन्तुका चारों पाँव एक चपेटेसे काट् देना।
चौरस, गु. समान, एकसाँ।
चौरसाना, स. क्रि. समान कर्ना।
चौरसाई, सं. स्त्री. सीधाई, समता।
चौरा, सं. पुं. चबूतरा।
चौरान्वे, गु. नब्बे और चार, ९४।
चौरासी, गु. अस्सी और चार ८४।
चौराहा, सं. पुं. पथ जिस्में चारों ओरसे जानेका मार्ग होवे।
चौरी, सं. चौवार।
चौलडा, सं. पुं. } चारलडको माला।
चौलडी, सं. स्त्री. }
चाला, सं. पुं. अन्न विशेष।
चौलाई, सं. स्त्री. शाक विशेष।
चावा, सं. पुं. पशु।
चौवाई, सं. स्त्री. आँधी, झक्कड।
चौसठ्, गु. साठ और चार ६४।
चौसर, सं. पुं. चौपड।
चौहट्टा, सं. पुं. चौराहा।
चौहत्तर, गु. सत्तर और चार, ७४।
चौहान, सं. पुं. राजपूतोंकी जाति विशेष।
च्युत, गु. पतित, झडित।
च्युति, सं. स्त्री. योनि ; गुदा।

छ

छ, देवनागरी वर्णमालाके हल वर्णोंमेंका सातवाँ अक्षर।
छः, गु. षट्, ६।
छकडा, सं. पुं. गाडी, शकट।
छकडाना, स. क्रि. धौलियाना।
छकना, अक. क्रि. सन्तुष्ट होना, तृप्त होना ; दुःखित, व्याकुल होना।
छकाई, सं. स्त्री. तृप्ति, सन्तुष्टता।
छक्कड, सं. स्त्री. घमण्ड।
छक्का, सं. पुं. छःका समूह ; जाल सहित पिंजरा।
छगरी, सं. स्त्री. छोटी बकरी।
छगुनी, सं. स्त्री. चूसनी।
छज, गु. झाडखण्ड।
छज्जा, सं. पुं. बराँमदा।
छञ्छनाना, अक. क्रि. सनसनाना, शराटा देना ; चर्पराना।
छटना, सं. पुं. चलनी विशेष। अक. क्रि. घटना, बिछडना ; भिनभिन होना।
छटपटाना, स. क्रि. लोटपोट कर्ना।
छटाँक, सं. स्त्री. सेरका सोलहवाँ अंश।
छटा, सं. स्त्री. उजाला, चमचमाहट्।
छट्ठ, वा छठ, सं. स्त्री. षष्ठी।

छट्ठी, वा छठी, गु. स्त्री. छठवीं। सं. स्त्री. जन्मनेके पीछे छठवें दिनका व्यवहार।
छड, सं. पुं. भालेकी लकडी; उठा, डाँठी; छर।
छडना, स. क्रि. चावलका छाँटना।
छडा, गु. अकेला। सं. पुं. कानमें पहिर्नेके लिये मोतीका भूषण।
छडी, सं. स्त्री. बेत, छिकुनी।
छडीला, सं. स्त्री. जटामासी।
छण, सं. पुं. क्षण।
छणना, अक. क्रि. दुर्बल होना; घटना; निकलना।
छणवाना, स. क्रि. छिलका उतरवाना।
छणाई, सं. स्त्री. छाँटनेका काम।
छणाव, सं. पुं. कही; धानका कूटना।
छत, सं. स्त्री. घरके ऊपरकी गच वा पाटन।
छत्तर, सं. पुं. छत्र।
छत्तीस, गु. तीस और छः ३६।
छत्तीसी, गु. स्त्री. छिनाल घूंघटी।
छत्र, सं. पुं. छाता।
छत्रिनी, सं. स्त्री. क्षत्रिणी।
छत्री, सं. स्त्री. छोटा छाता; कपोतकी बैठकी। पुं. क्षत्रिय।
छदाम, सं. पुं. टुकडा।
छद्म, सं. पुं. कपट, छल।
छन, सं. पुं. क्षण; उष्ण पात्रपर पानीकी बूंद पडनेसे जो शब्द।
छनाक्, सं. पुं. छन; मृत्तिकाके पात्र टूटनेका शब्द।
छनिक, गु. क्षणिक।
छन्दः, सं. पुं. पद्य।
छन्दना, अक. क्रि. गठना, बन्धना।
छन्दबन्द, सं. पुं. छलबल, छल।
छन्दी, गु. छली।
छप, सं. पुं. जलमें किसू वस्तुके पडनेसे जो शब्द।
छपई, सं. पुं. छः पदका श्लोक।
छपकाना, स. क्रि. पानी डालना।
छपकी, सं. स्त्री. चिपकी।
छपना, अक. क्रि. छापा होना।
छपरी, सं. स्त्री. डबरा।
छपाई, सं. स्त्री. छापा कर्नेका पैसा, वा काम।
छपाका, सं. पुं. जलमार्नेसे जो शब्द।
छपाना, स. क्रि. छिपाना।
छप्पन, गु. पचास और छः ५६।
छप्पर, सं. पुं. तृणका छत्त।
छप्परखट्, सं. पुं. पलङ्ग जिसके ऊपर वस्त्र विशेषका आच्छादन होता है।
छब, सं. स्त्री. डौल, रूप।
छबडा, सं. पुं. टोकरी विशेष।
छबीला, गु. रूपवान्।
छबीस, गु. बीस और छः २६।
छमछमाना, अक. क्रि. चमकना, झलकना।
छय, सं. पुं. क्षय।
छयरोग, सं. पुं. क्षयरोग।
छर, सं. स्त्री. जटामासी, फाड; डण्डा।
छरछोबी, सं. स्त्री. झाडेफिर्नेका स्थान।

छर्दि, सं. स्त्री. वमन।
छर्रा, सं. पुं. छोटी२ लोहेकी गोली।
छल, सं. पुं. कपट, ठगाई, धोखा, धाँधल, मिष।
छलकना, अक. क्रि. निकल जाना, ढलना।
छलकाना, स. क्रि. गिरादेना, ढलकाना।
छलङ्गना, अक. क्रि. कुदकना।
छलछलाना, स. क्रि. धडधडाना, भनभनाना।
छलछलाहट्, सं. स्त्री. धडधडाहट्, भनभनाहट्।
छलछिद्री, गु. छली, कपटी।
छलना, स. क्रि. छल कर्ना, ठगना, भटकाना।
छलनी, सं. स्त्री. चलनी।
छलाङ्ग, सं. स्त्री. कुदक्का।
छलावा, सं. पुं. लूका, आगशैतानी।
छलिया, } गु. कपटी, ठग, पर-
छली, } पञ्ची।
छल्ला, सं. पुं. अङ्गुलीमें पहिन्नेका गहना।
छवि, सं. स्त्री. शोभा, चमक।
छवैया, सं. पुं. छानेहारा।
छाई, सं. स्त्री. छोप।
छाँ, सं. स्त्री. छाया।
छाँट, सं. स्त्री. खूद, सोठी, छीलन।
छाँटन, सं. स्त्री. टुकडा, धज्जी।
छाँटना, स. क्रि. वमन कर्ना; छिलका उतारनेके लिये ओखलीमें धान कूटना; कतरना।
छाँडना, स. क्रि. छोड देना, वमन कर्ना।
छाँद, सं. स्त्री. पगहा, पैकडा।
छाँदना, स. क्रि. बाँधना।
छाँदा, सं. पुं. भाग, अंश।
छाँव्, } सं. स्त्री. छाया, परछाँई।
छाँह, }
छाँहारा, गु. छायावान्।
छाक, सं. स्त्री. कलेवा।
छाकना, स. क्रि कूपका जल फछाना।
छाग, सं. पुं. बकरा।
छागल, सं. पुं. कुप्पी; बकरा; बकरेकी खाल।
छाछ, सं. स्त्री. मट्ठा।
छाज, सं. पुं. सूप।
छाजना, अक. क्रि. छाना; फब्ना; सजना।
छात, सं. स्त्री. छत।
छाता, सं. पुं. छत्र।
छाती, सं. स्त्री. छोटा छाता; उर, चूंची।
छात्र, सं. पुं. विद्यार्थी, शिष्य, चेला।
छान्, सं. स्त्री. ठठरी, ठाट।
छानवे, गु. नव्वे और छः ९६।
छानस, सं. पुं. बूर, भूसी।
छाना, स. क्रि. छाजना, छाया कर्ना, छप्पर देना, पाटना।
छान्ना, स. क्रि. निखार्ना, गार्ना; ढूंढना।
छाप, सं. स्त्री. मुद्रा, मुहर, अपना चिन्ह।
छापना, स. क्रि. छापाकर्ना, चिन्ह देना।

छापा, सं. पुं. वैष्णवी लेगोंकातिलक; मुद्रा।
छापाविद्या, सं. स्त्री. जिसके द्वारा अनेक पुस्तक छापी जाती हैं, वा सब वस्तु जानी जाती हैं।
छाया, सं. स्त्री. परछाँई, छाँह।
छायानट्, सं. पुं. रागिणी विशेष।
छायापाद, सं. पुं. छायाके परिमाण से समयका स्थिर कर्ना।
छार, सं. स्त्री. च्हार; ढेला जो बडा है।
छारछबीला, सं. पुं.. सुगन्धि वस्तु विशेष।
छारू, सं. पुं. निनाँवाँ।
छाल, सं. स्त्री. बकला, छिलका।
छाला, सं. पुं. फफोला, फुल्का।
छालिया, सं. स्त्री. सुपारी विशेष।
छावना, स. क्रि. छाना।
छावनी, सं. स्त्री. पलटनके रहनेका स्थान, लैन।
छिकुनी, सं. स्त्री. छडी, कमची।
छिङ्गुली, सं. स्त्री. कन अङ्गुली।
छिचडा, सं. पुं. घावका नया चमडा।
छिचडेल, गु. दुबला, चर्मचिचड।
छिछडा, सं. पुं. खलडी, छेवर।
छिछला; गु. उथला।
छिछलाई, सं. स्त्री. उथलाई।
छिछली, सं. स्त्री. खेल विशेष।
छिछोडा, गु. श्रोछा, हल्का।
छिटक्ना, अक. क्रि. फैलना, बिथर्ना।
छिट्कनी, सं. स्त्री. बिल्ली जो द्वारमें लगी रहती है।
छिटकाना, स. क्रि. फैलाना, बिथराना।
छिटको, सं. स्त्री. छरी; छींटा।
छिडकना, स. क्रि. छींटना।
छिडकाना, स. क्रि. छिटवाना।
छिडकाव, सं. पुं. सींचाई।
छितनी, सं. स्त्री. डलिया।
छितरना, अक. क्रि. बिथर्ना।
छितराना, स. क्रि. बिथराना।
छिती, सं. स्त्री. च्हिति।
छिदना, अक. क्रि.. बिधना।
छिदाना, स. क्रि. छिद्र कर्वाना।
छिद्र, सं. पुं. छेद।
छिन, सं. पुं. च्हण।
छिनला, सं. पुं. व्यभिचारी।
छिनवाना, स. क्रि. और किसूके द्वारासे खींचवाना।
छिनाल, सं. स्त्री. व्यभिचारिणी।
छिनाला, सं. पुं. व्यभिचार।
छिनेक, अ. च्हणैक।
छिन्न, गु. खण्डित।
छिन्नभिन्न, गु. अलग अलग।
छिपकली, सं. स्त्री. गृह गोधिका, टिक्टिकी।
छिपका, सं. पुं. छिडकाव।
छिपकी, सं. स्त्री. चिपकली।
छिपना, अक. क्रि. गुप्तहोना, लुकना।
छिपा, गु. गुप्त।
छिपाना, स. क्रि. गुप्तकर्ना, लुकाना।
छिपाव, सं. पुं. गोपन।
छिमा, सं. स्त्री. च्हमा।
छिमाजोग, गु. च्हमायोग्य।

छियालीस, गु. चालीस और छः ४६।
छियासट, गु. साट और छः ६६।
छियासी, गु. अस्सी और छः ८६।
छिलका, सं. पुं. बकला, फलादि के ऊपर की त्वचा।
छिलना, अक. क्रि. रगडजाना।
छिलौरी, सं. स्त्री. अङ्गुलीके कोर-पर फुडिया विशेष, घिनही।
छी, अ. तुच्छ कर्नेका वाक्य।
छींक, सं. स्त्री. सिनक।
छींकना, अक. क्रि. नाक सिनकना।
छींका, सं. पुं. जालकी रीतिसे बनाई ऊई रस्सी जिस्में वस्तु रखके लटका देते हैं।
छींट, सं. स्त्री. चित्रित वस्त्र।
छींटा, सं. पुं. जलादिकी बूंद।
छीका, सं. पुं. छींका।
छीछडा, सं. पुं. चमडेके समान अभक्ष्य मांस।
छीजना, अक. क्रि. घटना।
छीट, सं. स्त्री. छिटकी, छींट।
छीटना, स. क्रि. विथराना।
छीतर, सं. पुं. खरपा।
छीन, गु. क्षीण।
छीन्ना, स. क्रि. खींचना, झटक लेना।
छीप, सं. स्त्री. लहसन, छाईं; जिस लकडीमें बडसीका सूत, बांधते हैं; सींगसे ढकेलनेका काम।
छीपना, स. क्रि. वस्त्र छापना, सींगसे ढकेलना; छीप निकालना।
छीपी, सं. पुं. वस्त्रका छापनेहारा।
छीमी, सं. स्त्री. फली, छिलका।
छीलन, सं. स्त्री. काटन, कतरन।
छीलना स. क्रि. कतरना, छिलका उतार्नां, छोलना।
छुङ्गलिया, सं. स्त्री. छिङ्गुली।
छुछकार्नां, स. क्रि. तुच्छ कर्के निकालना; ऊलकार्नां।
छुछली, सं. स्त्री. छिछली।
छुछवाना, स. क्रि. झाडना, फूंकना।
छुछूंदर, सं. स्त्री. मूषिक विशेष जिस्के स्तनसे दुर्गंध आवती है।
छुटकाना, स. क्रि. छोडना, छोडाना।
छुटकारा, सं. पुं. छोडाव, उद्धार।
छुटखेला, गु. पुं. लुच्चा।
छुटखेली, गु. स्त्री. लुचपना।
छुटना, अक. क्रि. उद्धार होना; निकलना।
छुटान, } सं. स्त्री. सुभिता, छुट्टी।
छुटानी, }
छुटापा, सं. स्त्री. छोटाई।
छुट्टी, सं. स्त्री. छुटकारा, उद्धार।
छुडवाना, स. क्रि. छुटकारा कर देना।
छुडाना, स. क्रि. छोडाना।
छुडौती, सं. स्त्री. वुहद्रव्य जिस्के कारणसे मनुष्यादि उद्धार पाते हैं।
छुतहरा, गु. जो अपवित्र हो गया।
छुद्र, गु. क्षुद्र।
छुधा, सं. स्त्री. क्षुधा।
छुपना, अक. क्रि. गुप्त होना।
छुपाना, स. क्रि. छिपाना।

छुरा, सं. पुं. बड़ी छुरी; बालमूँडनेका अस्त्र।
छुरी, सं. स्त्री. चक्कू।
छुलकना, छुलछुलाना, } अक. क्रि. थोड़ा २ करके मूतना।
छुलाना, स. क्रि. छूआना।
छुहाना, स. क्रि. उजलाना।
छुहारा, सं. पुं. खजूर।
छुहावट, सं. स्त्री. लगावट्।
छूआना, स. क्रि. छुलाना।
छूई, सं. स्त्री. दूधीमट्टी, खरीमट्टी।
छूछला, गु. बोदला, बावला।
छूछा, गु. शून्य, खोखला।
छूछो, गु. कुत्सित, अपमानी, नीच। सं. स्त्री. फोंफी।
छूट्, सं. स्त्री. बट्टा; छोड़ाव; भूषणकी चमक।
छूटना, अक. क्रि. छुटना; निकलना।
छूत, सं. स्त्री. अस्पृश्यका स्पर्श।
छूना, स. क्रि. स्पर्श कर्ना।
छेंक, सं. स्त्री. रोक।
छेंकना, स. क्रि. रोकना।
छेंकवैया, सं. पुं. रोकवैया।
छेंकाव्, सं. पुं. रोकाव्।
छेंचना, स. क्रि. टुकरे टुकरे कर्ना।
छेक, गु. छिला, पाला।
छेकना, स. क्रि. छेंकना।
छेड़, सं. स्त्री. खिझावट्, दुखाव्।
छेड़ना, स. क्रि. खिजाना, दुखाना।
छेत्र, सं. पुं. क्षेत्र।
छेत्रफल, सं. पुं. क्षेत्रका माप।
छेद, सं. पुं. छिद्र; मुंह।
छेदक, सं. पुं. छेदकर्त्ता, बेधक।
छेदन, सं. पुं. छेद।
छेदना, स. क्रि. बेधना।
छेना, सं. पुं. खिसा।
छेनी, सं. स्त्री. छेवनी।
छेम, सं. स्त्री. क्षेम।
छेमङ्करी, सं. स्त्री. क्षेमङ्करी।
छेरी, सं. स्त्री. बकरी।
छेव, सं. पुं. पाछ।
छेवना, स. क्रि. ताड़ी निकलनेके लिये ताड़को पाछना।
छेवनी, सं. स्त्री. टाँकी।
छेवा, सं. पुं. पुस्तकके पढ़नेमें ठहरावके स्थानका चिन्ह।
छैया, सं. पुं. छोकरा।
छैल, वा-ला, छैलचिकनिया, } सं. पुं. बाँका, अकड़ैत।
छोआ, सं. पुं. जूसी।
छोँछलाकर्ना, स. क्रि. दुलार कर्ना।
छोकरा, सं. पुं. लड़का।
छोकरी, सं. स्त्री. लड़की।
छोछो, सं. स्त्री. अन्नी; गोदी।
छोटा, गु. कनिष्ठ, अल्प।
छोटाई, सं. स्त्री. थोड़ाई, छोटापा।
छोड़ना, स. क्रि. त्यागकर्ना, क्षमाकर्ना।
छोड़ा, छोड़ाव, छोड़ावा, } सं. पुं. छुटकारा, छुट्टी उद्धार।
छोड़ावना, स. क्रि. छुटकारा वा छुट्टी वा उद्धार कर्वाना।

छिडोती, सं. स्त्री. वुह द्रव्य जिस्के कारण मनुष्यादि उद्धार पावते हैं।
छिनो, सं. स्त्री. पृथ्वी।
छोप, सं. पुं. एकी बेर रङ्ग भर्देना।
छोपना, स. क्रि. भर्देना; रङ्ग देना।
छोर, सं. पुं. कगर, अन्न।
छोरा, सं. पुं. लडका।
छोराछोरी, सं. पुं. लडका लडकी।
छोलना, स. क्रि. छीलना।
छोलनी, सं. स्त्री. छीलनेका अस्त्र, खुर्चो।
छोह, सं. पुं. स्नेह, प्रेम।
छोहरा, सं. पुं. छोकरा।
छोही, गु. प्रेमी, चाहक।
छौंक, सं. स्त्री. } बघार।
छौंकन, पुं. }
छौंकना, स. क्रि. बघार्ना।
छौकन, सं. पुं. झपटा झपटी कर्नेहारा।
छौकना, स क्रि. झपटा झपटी कर्ना।
छौना, सं. पुं. जन्तुका बच्चा।
छौनी, सं. स्त्री. छावनी।

ज

ज, देवनागरी वर्णमालाके हल वर्णोमेंका आठवां अक्षर।
जकडना, स. क्रि. कसना; खींचना, बाँधना।
जकडबंद, सं. पुं. अकडवाई।
जग, सं. पुं. जगत्; यज्ञ।
जगजगा, सं. पुं. पीतलकी पन्नी।
जगजगाहट, सं. स्त्री. चमचमाहट।
जगत्, सं. पुं. संसार; टेक।
जगता, गु. अनोंदा।
जगती, सं. स्त्री. पृथ्वी, लोग।
जगना, अक. क्रि. नींदसे उठना।
जगमगा, गु. चमकीला।
जगमगाना, अक. क्रि. झलकना, चमकना।
जगाजोत, सं. स्त्री. चटक, भडक।
जगाना, स. क्रि. नींदसे उठाना।
जगेसर, सं. पुं. यज्ञेश्वर।
जघन, सं. पुं. उरुस्थल।
जघन्य, गु. नीच।
जङ्गम, सं. पुं. भेसधारी। ग. जिस्के चलनेकी सामर्थ्य है, बैरागी।
जङ्गल, सं. पुं. वन।
जङ्गला, सं. पुं. रागिनी विशेष।
जङ्गली, गु बनैला।
जङ्घा, सं. स्त्री. जांघ, जानु।
जचना, अक. क्रि. अटकल होना, परीक्षा होना।
जचावट, सं. स्त्री. परीक्षा, जांच।
जजमान, सं. पुं. यजमान।
जजमानी, सं. स्त्री. यजमानी।
जञ्जाल, सं. पुं. उलझेडा; दुःख, कलेश।
जञ्जाली, सं. पुं. कलेशी, दुःखदाई।
जट, सं. स्त्री. जटा।
जटना, स. क्रि. मूसना, मूंडना।
जटा, सं. स्त्री. बिगडेहुए वाल।
जटामाँसी, सं. स्त्री. ब्रड।
जटित, गु. जो मणि मुक्तादिसे जडा गया।

जटिल, गु. जटाधारी।
जठर, सं. पुं. पेट, उदर।
जठरानल, सं. पुं. उदरकी अग्नि।
जड, सं. स्त्री. मूल। गु. मूर्ख; स्थावर, निर्जीव।
जडन, सं. स्त्री. मणिमुक्तादिके जडनेका काम।
जडना, स. क्रि. लगाना, जोडना।
जडपेड, सं. स्त्री. समूचापेड अर्थात् सब।
जडवट, सं. स्त्री. स्तम्भ।
जडवाना, स. क्रि. मणि मुक्तादि लगवाना।
जडह्न, सं. पुं. जो धान बसंतके अन्तमें काटा जाता है।
जडाई, सं. स्त्री. मणि मुक्तादि जडवानेका पैसा वा काम।
जडाऊ, गु. मणि मुक्तादिसे जो जटित।
जडाना, स. क्रि. जडवाना।
जडाव. सं. पुं. मणि मुक्तादि जडनेका काम।
जडावर, सं. स्त्री. जाडका वस्त्र।
जडित, गु. जटित।
जडिया, सं. पुं. मणि मुक्तादिका जडनेहारा, जौहरी।
जडी, सं. स्त्री. औषधि पौधेकी जड।
जत, सं. स्त्री. रीति; डौल।
जतन, सं. पुं. यत्न।
जतनी, गु. यत्नी।
जताना, स. क्रि. बुझाना, चेताना, बताना।
जतारा, सं. पुं. वंश, घराना, पीडी।
जती, गु. यती।
जथा, अ. यथा। सं. पुं. समूह, मण्डली।
जथार्थ, अ. यथार्थ।
जद, अ. यदा।
जदवातदा, अ. यदातदा।
जदुवंशी, गु. यदुवंशी।
यद्यपि, अ. यद्यपि।
जन, सं. पुं. मनुष्य, लोग।
* जनक, सं. पुं. पिता।
जनता, सं. स्त्री. लोग, वा लोगोंका समूह।
जनन, सं. पुं. जन्म, उत्पत्ति।
जनना, अक. क्रि. जन्म होना।
जननी, सं. स्त्री. माता।
जनरव, सं. पुं. लोगोंका शब्द।
जनलोक, सं. पुं. लोक विशेष जिसमें साधुलोग मरनेके पीछे वास करते हैं।
जनवासा, सं. पुं. विवाहमें दुलहनके घरका स्थान विशेष जिसमें दुलहा अपने साथी समेत जायके बैठता है।
जनश्रुति, सं. स्त्री. संदेसा, समाचार।
जनहाई, } अ. मनुष्य मनुष्यके
जनहार, } सहित, हरएक।
जना, सं. पुं. लोग, मनुष्य। गु. जो उत्पन्न भया, पुत्र।
जनाई, सं. स्त्री. जो स्त्री लडका जनमाती है।
जनाजात, अ. जनहाई।

जनाना, स. क्रि. उत्पन्न कर्नी; जताना, चेताना।
जनाव्, सं. पुं. जताव, लखाव्।
जनिका, सं. पुं. वर्ण।
जनित, गु. जो उत्पन्न भया।
जनी, सं. स्त्री. दासी; बहू।
जनु, सं. पुं. जन्म, उत्पत्ति।
जनुक, अ. जानो।
जनेऊ, सं. पुं. यज्ञोपवीत।
जनेत, सं. स्त्री. बरात।
जनेवा, सं. स्त्री. तृण विशेष।
जनो, सं. पुं. यज्ञोपवीत।
जन्ता, सं. पुं. तार खींचनेका यन्त्र।
जन्ताना, स. क्रि. दबाना, निचोडना।
जन्तार, सं. पुं. यन्त्र।
जन्तु, सं. पुं. जीवधारी।
जन्त्र, सं. पुं. यन्त्र।
जन्त्री, सं. पुं. जन्ता; डीठबन्द।
जन्ना, अक. क्रि. उत्पन्न होना।
जन्म, सं. पुं. उत्पत्ति।
जन्मदाता, सं. पुं. पिता।
जन्मदिन, सं. पुं. वर्ष बन्धन।
जन्मपत्री, सं. स्त्री. जन्मकुण्डली, लग्नकुण्डली।
जन्मभूमि, सं. स्त्री. } उत्पत्तिका
जन्मस्थान, पुं. } स्थान।
जन्मसार्थ, सं. पुं. शुभ जीवनकाल।
जन्मान्तर, सं. पुं. और जन्म।
जन्मान्तरीय, गु. जो अगले जन्मका उपार्जित।
जन्मान्ध, गु. जन्मसे जो नेत्रहीन।
जन्मोत्सव, सं. पुं. श्री कृष्णजीके जन्मदिनका उत्सव।
जप, सं. पुं. मन्त्रादिका मुखमें उच्चार कर्नी।
जपना, } स. क्रि. मन्त्रादिका मुखमें
जपनी, } उच्चारण कर्नी।
जपमाला, सं. स्त्री. जप कर्नेकी माला।
जपा, सं. स्त्री. ऊडऊरका फूल।
जपीतपो, सं. पुं. अर्चक, भजनीक।
जब, अ. यदा।
जबतक, } अ. जिस् समयतक्।
जबलग, }
जबडा, सं. पुं. जभा।
जबद्दा, गु. अकडा; अनाडी।
जबद्दिया, गु. कुरूप।
जभा, सं. पुं. जबडा।
जम, सं. पुं. यम।
जमक, सं. पुं. यमक।
जमकना, अक. क्रि. बन्ना, निभना; ठहर्नी।
जमकाना, स. क्रि. बनाना; सैंतना; एकट्ठा कर्नी।
जमघट, सं. पुं. मण्डली, भीड।
जमजम, अ. निरन्तर, सदा।
जमदूत, पुं. पुं. यमदूत।
जमधर, सं. पुं. कटार।
जमहाई, सं. स्त्री. आलस्यमें आयके मुहका खोलना।
जमहाना, अक. क्रि. मुह पसार्नी, जमहाई लेना।
जमाना, स. क्रि. एकट्ठा कर्नी, बटोर्नी, बांधना।

जमालगोटा, सं. पुं. ओषधि विशेष।
जमाव, सं. पुं. भीड, बहुतात्।
जमावट, सं. स्त्री. बंधावट्।
जमोगना, स. क्रि. सहेजना।
जम्ना, अक. क्रि. बढना, पनपना।
जम्बीर, सं. पुं. नींबू।
जम्बुक, } सं. पुं. सिआर, सियार,
जम्बू, } शृगाल।
जय, सं. स्त्री. पराभव कर्ना; उन्नति। गु. जित्ता।
जयजयवन्ती, सं. स्त्री. रागिणी विशेष।
जयढाक, सं. पुं. ढोल विशेष।
जयत, सं. पुं. वृक्ष विशेष।
* जयन्ती, सं. स्त्री. वृक्ष विशेष।
जयबेर, गु. जितेबार।
जयमान, } गु. जय कर्नेहारा।
जयवान्, }
जतवन्त, }
जयी, }
जर, सं. स्त्री. ज्वर; जड।
जरन, सं. स्त्री. जलन।
जरना, अक. क्रि. जलना।
जरा, सं. स्त्री. वृद्धावस्था, बुढापा।
जरांस, सं. पुं. ज्वरांश।
जराना, स. क्रि. जलाना।
जरायु, सं. पुं. कोख, पेट।
जरायुज, गु. जो कोखसे उत्पन्न होय, अर्थात् मनुष्यादि।
जर्जर, सं. पुं. इन्द्रका झण्ड। गु. बूढा, जीर्ण।
जल, सं. पुं. पानी।
जलक्रीडा, सं. स्त्री. पानीमेंका खेल।
जलकुकड़, सं. पुं. पनडुब्बी।
जलचर, पनीहा, जलजन्तु, जलमें चरनेहारे पक्षी।
जलज, सं. पुं. कंवल।
जलजन्तु, सं. पुं. जलमें रहनेहारे जो जन्तु।
जलजला, गु. महा क्रोधी।
जलजलाना, अक. क्रि. आग होजाना, झुञ्झलाना।
जलजलाहट्, सं. स्त्री. कोप, क्रोध, झुञ्झलाहट्।
जलतरंग, सं. पुं. } वाद्य विशेष।
जलतरंगी, स्त्री. }
जलथल, सं. पुं. स्थल जो जल सहित है।
जलद, सं. पुं. मेघ।
जलधारा, सं. स्त्री. जलकी धारा।
जलधि, सं. पुं. समुद्र।
जलन्, सं. पुं. ज्वलन, तप, क्रोध।
जलना, अक. क्रि. बलना, दहकना।
जलनीम, सं. पुं. ओषधि विशेष।
जलन्धर, सं. पुं. जलके कारण से उदरका रोग।
जलपाई, सं. स्त्री. वृक्ष विशेष।
जलपान, सं. पुं. पानी पीना; कलेवा।
जलबल, गु. जो जलनेसे नाश हुआ।
जलमय, सं. पुं. जलार्णव; प्रलय।
जलमानुष्य, सं. पुं. मनुष्यके रूपका जलजन्तु।
जलवैया, सं. पुं. जलनेहारा।

जलसूत, सं. स्त्री. नहारवा।

जलसुनी, सं. स्त्री. जलमें सोना तपस्या विशेष: मत्स्य।

जला, सं. पुं. झील।

जलाकार, सं. पुं. जलका आकार।

जलाना, स. क्रि. बालना, दाहना।

जलाबला, } गु. चिडचिडा, क्रोधी;
जलाभुना, } जलबल।

जलार्णव, सं. पुं. जल प्रलय।

जलावन, सं. स्त्री. ईंधन।

जलाशय, सं. पुं. तलाव, पोखर।

जलिया, सं. पुं. धीवर, मच्छीमार।

जलेबी, सं. स्त्री. मिठाई विशेष।

जलोदर, सं. पुं. जलन्धर।

जलौका, सं. स्त्री. जोंख।

जव, सं. पुं. यव।

जवन, सं. पुं. यवन।

जवा, सं. पुं. अङ्गुलीके गाँठोंमें जो चिन्ह; पुष्प विशेष।

जवाखार, सं. पुं. ओषधि विशेष।

जवाङ्कुर, सं. पुं. जवारा।

जवान, गु. यौवन; तरुण।

जवानी, सं. स्त्री. यौवनता, तरुणाई।

जवार, सं. पुं. समुद्रकी बाढ।

जवारा, सं. पुं. भुट्टा; नवरात्र में बोआ ऊआ जव जिसको ब्राह्मण जजमानोंको देते हैं।

जवासा, सं. पुं. काँटों सहित हरा तृण विशेष।

जस, सं. पुं. यश।

जसअपजस, सं. पुं. बुरा भला।

जसत, } सं. पुं. राँगा।
जसता, }

जसपत, }
जसपति, }
जसवन्त, } गु. कीर्त्तिमान्, प्रतिष्ठित।
जसखो, }
जसी, }

जहाँ, अ. यत्र, जिस्स्थानमें, जिधर।

जहीं, अ. जिस् किसी स्थानमें।

जहाज, सं. पुं. समुद्रमें रहनेहारी नौका।

जा, सर्व. जिस्।

जाई, गु. स्त्री. जनी। सं. स्त्री. बेटी।

जाँगर, सं. पुं. पिछली समेत जाँघ, घुटना।

जाँघ, सं. स्त्री. जङ्घा, जानु।

जाँघिया, सं. पुं. कछना।

जाँच, सं. पुं. अटकल; कस; परख।

जाँचना, स. क्रि. कसना; परखना, सहेजना।

जाँता, सं. पुं. पाषाणका यन्त्र जिसें गेहूं पीसते हैं, चक्की।

जाकड, सं. पुं. जाकट्, बन्धक, गहना।

जाग, सं. पुं. निद्राका त्याग; यज्ञ।

जागत, सं. स्त्री. चौकसाई

जागतीज्योत, गु. अद्भुतपराक्रमी।

जागना, अ. क्रि. नींदसे उठना।

जागरण, सं. पुं. निद्राका त्याग।

जागा, सं. पुं. हिन्दूकी जाति विशेष।

जागू, सं. पुं. जागनेहारा।
जाग्रत, सं. स्त्री. स्वप्न और सुषुप्तसे भिन्न जो अवस्था।
जाचक, सं. पुं. याचक।
जाचना, स. क्रि. माँगना, चाहना।
जाजक, सं. पुं. झाँझ वा ढोलक बजानेहारा।
जाट, सं. पुं. राजपूतोंमें जाति विशेष।
जाठ, सं. पुं. कोल्हूकी धुरी; तलाव में की लाठ।
जाड, सं. स्त्री. मसूडा।
जाडा, सं. पुं. शीत, ठण्ड; शीतकाल।
जाडी, सं. स्त्री. दांतोंकी पाँती।
जाड्य, सं. पुं. जड्ता, शीतलता; मूढता।
जात, सं. स्त्री. जाति। गु. जना।
जातकर्म, सं. पुं. संस्कार विशेष।
जातपाँत, सं. स्त्री. पीढी, वंशावली।
जाति, सं. स्त्री एक रूपसे बहुते पिण्डोंमें जो धर्म समान भाव से रहे यथा पशुत्व, मनुष्यत्व आदि; वर्ण; उत्पन्न।
जातिभ्रष्ट, गु. पापादि कर्के जो अभी जातिसे निकल गया।
जाती, सं. स्त्री. पुष्प विशेष; जाविची।
जात्रा, सं. स्त्री. यात्रा।
जात्री, सं. पुं. यात्री।
जान, सं. पुं. डीठबन्द। गु. ज्ञानी।
जाननैं, स. क्रि. जान्ना।
जानपहचान, सं. पुं. चिन्हार।
जानबूझके, अ. ज्ञानसे।
जाना, अक. क्रि. चलना।
जानु, सं. पुं. घुट्ना।
जानेदेना, स. क्रि. छोडना, क्षमा कर्ना।
जानो, अ. समझो।
जानैं, अक. क्रि. जाना।
जान्ना, स. क्रि. पहचान्ना, समझना।
जाप, सं. पुं. जप।
जापक, सं. पुं. जपकर्नेहारा।
जापी, सं. पुं. जपकर्नेहारा।
जाब, सं. पुं. छाठी।
जाबी, सं. स्त्री. छोटी छाठी।
जाम, सं. पुं. पहर।
जामन, सं. स्त्री. पुं. वृक्ष विशेष वा उसका फल; जाडन।
जामनी, गु. यामिनी भाषा।
जामा, सं. पुं. एडीलग पहिनेंका वस्त्र विशेष।
जामाता, सं. पुं. बेटीका भतार।
जामिनी, सं. स्त्री. रात।
जायपत्री, सं. स्त्री. जावत्री।
जायफल, सं. पुं. फल विशेष।
जाया, गु. जना। सं. स्त्री. भार्य्या स्त्री।
जार, सं. पुं. उपपति, यार।
जारज, सं. पुं. विजन्मा।
जारन, सं. पुं. जलावन।
जारनैं, स. क्रि. जलाना।
जारल, सं. पुं. काष्ठ विशेष।

झाल, सं. पुं. जिस्से मत्स्यादि पकडे जाते हैं ; झंझरी ; माया।
झाला, सं. पुं. जिस्को मकडी बनाती है ; घडा ; मोतियाबिन्द।
झालिया, सं. पुं. छलिया।
झाली, सं. स्त्री. बऊत छिद्रोंकी खिडकी आदि।
झावक, सं. पुं. आलता।
झावत्री, सं. स्त्री. जावित्री।
झावनीभाषा, सं. स्त्री. यामिनी भाषा।
झावाँ, गु. माको पेटसे जो दो लडके साथी उत्पन्न भये हैं।
झावित्री, सं. पुं. वृक्ष विशेषकी छाल।
झासु, सर्व. जिस्से।
झाहि, सर्व. जिस्को।
झाही, सं. स्त्री. जूही, जाती।
जिगजिगिया, गु. जो चापलूसी कर्त्ता है।
जिगजिगी, सं. स्त्री. लपटसपट, चापलूसी।
जिगजिगीकर्ना, स. क्रि. चापलूसी कर्ना।
जिगीषा, सं. स्त्री. इच्छा, जय कर्नेकी इच्छा।
जिजिया, सं. स्त्री. बहिन ; चूंची।
जिज्ञासा, सं. स्त्री. जानने की इच्छा।
जिज्ञास्य, गु. जो जाननेके योग्य है।
जिठानी, सं. स्त्री. जेठकी स्त्री।
जित, अ. यत्र।

जितना, जितनी, स्त्री. जिता, जितेक, } गु. यह परिमाण वा अवधि वा संख्याके बोधक है।
जितेन्द्रिय, जितेन्द्री, } सं. पुं. जिस्ने इन्द्रियों को वश किया है।
जिधर, अ. यत्र, यहाँ।
जिन, सं. पुं. ऋषि विशेष।
जिभारा, गु. गप्पी, जो कठोर बचन कहता है।
जिम, अ. यथा।
जिमाना, स. क्रि. खिलाना।
जियरा, सं. पुं. आत्मा।
जियाना, स. क्रि. जिलाना।
जियोट, गु. सूर, योधा।
जिलाना, स. क्रि. जीता कर्ना।
जिवाना, स. क्रि. जिमाना ; जिलाना।
जिहिं, सर्व. जिस्।
जिह्वा, सं. स्त्री. जीभ, रसना।
जी, सं. पुं. जीव, प्राण ; मर्यादाका सूचक।
जीका, सं. स्त्री. जीविका।
जीकुराना, स. क्रि. सिकोड्ना।
जीत, सं. स्त्री. जय।
जीतना, स. क्रि. जयकर्ना, हराना।
जीतब, सं. पुं. आत्मा, हिया।
जीतवन्त, जीतवैया, } सं. पुं. जिस्का जयऊआ, जयमान्।
जीता, गु. प्राणधारी, अर्थात् जो मरा नहीं।
जीतिया, सं. स्त्री. लडकोंके जीनेके लिये स्त्रियोंका व्रत विशेष।

जीतू, सं. पुं. जीतवैया।
जीधर, अ. जिधर।
जीन, सं. पुं. घोडेपरका आसन।
जीना, अक. क्रि. जीता रहना।
जीभ, सं. स्त्री. जिह्वा, रसना।
जीभारा, गु. जिभारा, गप्पी, बक्की।
जीभी, सं. स्त्री. जीभसे मैल उतारनेकी वस्तु।
जीमना, स. क्रि. खाना, भोजन करना।
जीमार, गु. जो हननेके योग्य है; अभी इच्छाको मारनेहारा।
जीरन, गु. जीर्ण।
जीरा, सं. पुं. पौधे विशेषका बीज।
जीर्ण, गु. बूढा, बूड्ढा।
जील, सं. स्त्री. गानेमें अति तीव्र स्वर।
जीव, सं. पुं. प्राण, शरीरादिका धारक।
जीवगर, } गु. सूमा, योढा।
जीवट, }
जीवडा, सं. पुं. प्राण, प्रियतम।
जीवन, सं. जीविका; जन्मसे मृत्युतकका काल; जल।
जीवना, अक. क्रि. जीता रहना।
जीवन्त, गु. जीता।
जीविका, सं. स्त्री. वृत्ति, निर्वाह होनेका उपाय।
जीहारना, अक. क्रि. निराश होना, डरसे दबा रहना।
जुआरी, सं. पुं. द्यूतकारी।
जुग, सं. पुं. युग।
जुगत, सं. स्त्री. युक्ति, श्लेष, द्व्यर्थ।
जुगती, गु. छली, चतुर; ठठोल, द्व्यर्थका बोलनेहारा।
जुगनी, सं. स्त्री. } मखी जो रातको चमकती है; गले का भूषण विशेष।
जुगनू, सं. पुं. }
जुगम, गु. दो, युग्म।
जुगाना, स. क्रि. यत्न करना, अपने उपकारके निमित्त किसूका उपकार करना।
जुगाल, गु. दो, युगल।
जुगालना, स. क्रि. पागुराना।
जुगाली, सं. स्त्री. पागुर।
जुगुप्सा, सं. स्त्री. निन्दा, कुत्सा।
जुगुप्सित, गु. निन्दित, कुत्सित।
जुझाऊबाजना, अक. क्रि. युद्धमें लडाईका बाजा बाजना।
जुटना, अक. क्रि. भिडना, मिलना, सटना।
जुडना, अक. क्रि. मिलजाना, सटना।
जुडाई, सं. स्त्री. जोडनेका पैसा।
जुडाना, स. क्रि. मिलाना, सटाना।
जुढा, गु. आवाँ।
जुद्ध, सं. पुं. युद्ध।
जुनो, सं. पुं. अतिसूक्ष्म ग्रह विशेष जो दूरबीनसे देखा जाता है।
जुन, सं. पुं. समय, काल।
जुन्हरी, सं. स्त्री. अन्न विशेष।
जुन्हाई, सं. स्त्री. चाँदनी।
जुन्हार, सं. पुं. अन्न विशेष।
जुन्हैया, सं. स्त्री. चाँदनी।
जुरादेना, स. क्रि. पाना।

जुराना, अक. क्रि. धीरज होना। स. क्रि. पाना।
जुरावन्, गु. जो पानेके योग्य है; मिलनहार।
जुरुवा, सं. स्त्री. जोरू।
जुर्नां, अक. क्रि. मिलना, प्राप्त होना; सटना।
जुल, सं. पुं. छल।
जुवती, सं. स्त्री. युवती।
जुवराज, सं. पुं. युवराज।
जुवा, गु. युवा। सं. पुं. जूआ।
जुवार, सं. स्त्री. अन्न विशेष।
जुवारी, सं. पुं. जूआरी।
जुहार, सं. स्त्री. पायलागों, दण्डवत्।
जू, अ. जी।
जूआ, सं. पुं. गाडीके बैलोंके कन्धेपरका काठ; द्यूत।
जूआट, सं. पुं. जूआ।
जूआरी, सं. पुं. जूआ खेलनेमें प्रवीण।
जूं, सं. स्त्री. चिल्लड्।
जूझना, अक. क्रि. लडना; लडाईमें कट्ना, अर्थात् लडमर्ना।
जूड, गु. शीतल, ठंडा। सं. पुं. शीत।
जूडा, सं. पुं. ठंड, शीत; सिरके पीछे गाँठदेके बाँधेऊए बाल।
जूडी, सं. स्त्री. अंतरिया।
जूता, सं. पुं. } पनही पैरोंकेरत्ताके लिये चमडेकी पादुका।
जूती, सं. स्त्री. }
जून, सं. पुं. समय।
जूना, सं. पुं. तृणकी बनाई ऊई रस्सी; मटके के टेकनेके लिये ऐंठी ऊई घास।
जूवा, सं. पुं. जूआ।
जूष, } सं. पुं. परेह, रोगीका पथ्य।
जूस, }
जूह, सं. पुं. जूआ।
जूही, सं. स्त्री. पुष्प विशेष।
जृम्भा, सं. स्त्री. जम्हाई।
जे, सर्व. जो सब।
जेट, सं. स्त्री. ढेर।
जेठ, सं. पुं. पतिका बडाभाई; तीसरा महीना।
जेठरा, गु. पहिलौटा; पतिका बडा भाई।
जेठा, गु. पहिलौटा; कुसुमका पहिला रङ्ग।
जेठानी, सं. स्त्री. जेठकी स्त्री।
जेठीमधु, सं. पुं. मुलहट्टी।
जेठौत, सं. पुं. जेठका बेटा।
जेता, } गु. जितना।
जेतिक, }
जेब, सं. पुं. खलीता, डब।
जेर, सं. पुं. खेरी।
जेल, सं. पुं. बन्धवोंकी पंक्ति।
जेवडा, सं. पुं. रस्सा, डोर।
जेवडी, सं. स्त्री. रस्सी, डोरी।
जेवना, स. क्रि. खाना।
जेवनार, सं. स्त्री. खाना, भोज।
जेवरी, सं. स्त्री. रस्सी, डोरी।
जेष्ठ, सं. पुं. जेठ।
जेहर, सं. पुं. स्त्रियोंके भूषण विशेष।

जै, सं. स्त्री. जय।
जैत, सं. पुं. वृक्ष विशेष; रागिणी विशेष।
जैन, सं. पुं. नास्तिकोंका मत विशेष।
जैनी, गु. जैनके मतमें विश्वासी, सरावक, सरौगी।
जैसा, अ. यथा।
जैहै, क्रि. जायेंगे।
जैहो, क्रि. जाओगे।
जो, सर्व. यः, यह शब्दके सम्बन्ध बोधक सर्वनाम है। अ. यदा, यदि।
जोआर, सं. स्त्री. अन्न विशेष; समुद्रकी बाढ़।
जोआरभाटा, सं. पुं. समुद्रके जल का चढ़ाव उतार।
जोँ, अ. जो, यदि; जैसा।
जोँक, सं. स्त्री. जलौका, रक्तपा।
जोँकर, अ. जिस् प्रकार।
जोँहीं, अ. जिस् समय।
जोख, सं. स्त्री. तौल।
जोखना, स. क्रि. तौलना।
जोखिम, सं. स्त्री. चिन्ता, शङ्का।
जोखिमी, सं. पुं. जोखोंउठानेहारा।
जोखोँ, सं. स्त्री. जोखिम।
जोग, सं. पुं. योग।
जोगमाया, सं. स्त्री. मायारूपकी शक्ति जो जोगियोंमें है जिसको वे कहते हैं कि हम अपा स्वरूप अपे वशमें रखें।
जोगा, गु. योग्य।
जोगाभ्यास, सं. पुं. जोगका अभ्यास।
जोगिन्, सं. स्त्री. जोगीकी स्त्री।
जोगिया, सं. पुं. रङ्ग विशेष। स्त्री. रागिणी विशेष।
जोगी, सं. पुं. योगी।
* जोगेश्वर, सं. पुं. तपस्वी, पुजारी।
जोग्य, गु. योग्य।
जोट, सं. पुं. साथी, जोडो। गु. सम।
जोड, सं. पुं. मेल, गाँठ; थेगली।
जोडती, सं. स्त्री. लेखा, गिनती।
जोडन्, सं. पुं. सोहागा, साँठन; जामन।
जोडना, स. क्रि. मिलाना; थेगली लगाना; सङ्कलन कर्ना; धनबटोर्ना; बनाना; गाँठना।
जोडा, सं. पुं. युग्म, दूसरा; जूता।
जोडाई, सं. स्त्री. जोडनेका काम, वा पैसा।
जोडी, सं. स्त्री. युग्म, दूसरा।
जोत, सं. स्त्री. उजाला, प्रकाश; हलप्रवाह; किरण; टेम; दृष्टि।
जोतना, स. क्रि. नाधना, जूएमें लगाना; हलाई कर्ना।
जोतमान, गु. ज्योतिष्मान्।
जोतार, सं. पुं. हलवाहा।
जोति, सं. स्त्री. जोत।
* जोतिस्स्वरूप, गु. तेजस्वी।
जोतिष, सं. पुं. ज्योतिष।

जोतिषी, गु. ज्योतिषी।
जोती, सं. स्त्री. तराजूके पलडे की रस्सी।
जोधन, सं. पुं. लडाई।
जोधा, सं. पुं. योद्धा।
जोन, वा नि, सं. स्त्री. योनि।
जोबन, सं. पुं. यौवन, छाती, स्तन।
जोबनवती, गु. स्त्री. यौवनवती।
जोय, } सं. स्त्री. पत्नी, भार्य्या।
जोरू, }
जोला, सं. पुं. हल।
जोवत, क्रि. देखत।
जोवनौ, स. क्रि. देखना, ताकना।
जोसी, सं. पुं. ज्योतिषी।
जोहना, स. क्रि. वाट देखना।
जौ, अ. यदि; जब।
जौतुक, सं. पुं. यौतुक।
जौन, सर्व. जो।
ज्ञाता, सं. पुं. जाननेहारा।
ज्ञाति, सं. पुं. पिता; असपिण्ड।
ज्ञान्, सं. पुं. बुद्धि, यत्न और धर्मकी बुद्धि जिस्‌कर्के आत्मा आवागमनसे रहित होता है।
ज्ञानवान्, } गु. बुद्धिमान्, पण्डित।
ज्ञानी, }
ज्ञापक, गु. जतानेहारा।
ज्ञापन, सं. पुं. जतावना।
ज्या, सं. स्त्री. माता; पृथ्वी; धनुषका चिल्ला।
ज्यानौं, स. क्रि. जिलाना; पालन कर्ना।
ज्येष्ठ, सं. पुं. तीसरा महीना; बडा भाई; श्रेष्ठ।
ज्येष्ठा, सं. स्त्री. अठारवाँ नक्षत्र।
ज्योति, सं. स्त्री. जोत।
ज्योतिषी, सं. पुं. ज्योतिष शास्त्रका ज्ञाता।
ज्योतिष्मान्, गु. तेजस्वी, प्रतापी।
ज्योत्स्ना, सं. स्त्री. चाँदनी।
ज्वर, सं. पुं. तप।
ज्वार, सं. स्त्री. अन्न विशेष।
ज्वाला, सं. स्त्री. आँच, लौ, लपक, लाट्।

झ

झ, देवनागरी वर्णमालाके हल वर्णोंमेंका नवाँ अक्षर।
झक्, सं. पुं. क्रोध।
झंखना, } अक. क्रि. बडबडाना; रोना।
झंखनौ, }
झंखाड, सं. पुं. बिनापत्तेके वृक्ष।
झंगा, सं. पुं. अङ्गा,।
झंझकार, सं. स्त्री. झनझनाहट्।
झंझट्, सं. पुं. झगडा, घबडाहट्।
झंझटी, गु. कठिन।
झंझना, गु. चिडचिडा।
झंझनाना, अक. क्रि. टनटनाना, बाजना।
झंझनाहट्, सं. स्त्री. चिडचिडाहट्, झनकार।
झंवाना, अक. क्रि. धूपसे श्यामवर्ण होना। स. क्रि. झाँवेसे पैरधोना।
झक, सं. स्त्री. क्रोध।
झकझोरी, सं. स्त्री. छीनाछानी।
झकना, स. क्रि. बकबक कर्ना, हाय हाय कर्ना।

झकरी, सं. स्त्री. दोहनी।
झकाझक, गु. झलाझल।
झकोर, सं. स्त्री. टोटा, विपत्ति।
झकोरा, सं. पुं. झपास, वायु सहित जो झडी; बौछार।
झकोर्ना, स. क्रि. चलाना जैसे आँधीमें जो झडी।
झकोलना, स. क्रि. डुलाना।
झक्काड़, सं. पुं. आंधी, चौवाई।
झक्की, सं. पुं. विना प्रयोजन जो आप आप बात करे।
झखना, अक. क्रि. झंखना।
झगडना, अक. क्रि. लडना।
झगडा, सं. पुं. लडाई, रगडा।
झगडाना, स. क्रि. लडाना।
झगडालिन्, स्त्री. } गु. लडाकिन,
झगडालू, पुं. } लडाका।
झगा, सं. पुं. झंगा।
झगुला, सं. पुं. कुर्त्ता।
झज्झर, सं. पुं. झझर।
झझ, सं. पुं. लंबीदाढी।
झझकार्ना, स. क्रि. दबाना, दबकाना।
झझला, सं. पुं. मिठाई विशेष।
झज्झर, सं. पुं. झज्झर।
झज्झरी, सं. स्त्री. झरोखा।
झज्झा, सं. स्त्री. झडी सहित आँधी।
झट, गु. शीघ्र, उतावला।
झटक, सं. स्त्री. ख़सोट; उछाल।
झटकना, स. क्रि. खसोटना, निझोड़ना। अक. क्रि. दबला हो जाना।

झटका, गु. जो झटकेसे मारा गया, फाडा गया। सं. पुं. खींच, खसोट।
झटकाना, स. क्रि. झटका मार्ना।
झटपट, अ. तुरन्त, शीघ्र।
झटास, सं. पुं. झडाक, बौछार।
झटिति, अ. शीघ्र, तुरन्त।
झड, सं. स्त्री. झडी; ताला विशेष।
झडन, सं. स्त्री. टपकना जैसे फल पकके पेडसे गिरते हैं, बत्तीके टेमका फूल।
झडना, अक. क्रि. टपकना; गिर्ना; पतन होना; निकलना; छन्ना; नौबत बजना।
झडप, सं. स्त्री. कडुवाहट्।
झडपाझडपी, सं. स्त्री. लडाई।
झडपाना, स. क्रि. लडाना।
झडबेर, सं. पुं. } जंगलीबेर।
झड़बेरी, स्त्री. }
झडवाना, स. क्रि. झडाना।
झडाक, } सं. पुं. उतावली, फुर्त्ती,
झडाका, } हडबडी।
झडाझड, अ. चटपट्।
झडाना, स. क्रि. झाडू दिलवाना; झाडफूंक कर्वाना।
झडी, सं. स्त्री. लगातार वृष्टि, उपरी प्राप्त।
झडाता, सं. पुं. फलादि समयका अन्त।
झण्डा, सं. पुं. ध्वजा, पताका।
झण्डूला, गु. पत्तों कर्के घना ऊआ वृक्ष, बालसे घना ऊआ सिर।

झन, सं. पुं. धातुकी दो वस्तुके भिडनेका जो शब्द।
झनक, सं. स्त्री. झनकार।
झनकना, अक. क्रि. झनझनाना।
झनकार, सं. स्त्री. झंझकार, ठनकार।
झनकारना, स. क्रि. बजाना।
झनवाँ, सं. पुं. चावल विशेष।
झप, अ. तुरन्त, शीघ्र।
झपकना, स. क्रि. झलना, पंखा हिलाना। अक. क्रि. लपकना; झपट लेना; पलक मार्ना।
झपकाना, स. क्रि. पलक मार्ना, मटकाना।
झपकी, सं. स्त्री. लपक; मटकी।
झपट, सं. स्त्री. लपक।
झपटना, अक. क्रि. लपकना।
झपट्टा, सं. पुं. धावा, दौड; लपक।
झपट्टामार्ना, स. क्रि. झपट लेना।
झपलाना, स. क्रि. खंगालना, धोना।
झपाझपी, सं. स्त्री. उतावली, हडबडी।
झपात, सं. स्त्री. स्फूर्त्ति।
झपाना, अक. क्रि. झपकी लेना।
झपास, सं. स्त्री. फूही, झीसी।
झपासिया, गु. छली, अधर्मी।
झबकाना, स. क्रि. घाबरा कर्ना।
झबिया, सं. पुं. भूषण विशेष।
झबुआ, गु. जिस् कुत्ते वा बकरेको बडे २ बाल हैं; झुका झुआ।
झब्बा, सं. पुं. लटकन।
झमक, सं. स्त्री. चमक।
झमकना, अक. क्रि. चमकना; नाचना।
झमक्डा, सं. पुं. चटक, भडक।
झमका, सं. पुं. प्रताप; झन।
झमकी, सं. स्त्री. झलक, चमक।
झमझम, अ. लगातार।
झमझमाना, अक. क्रि. चमकना।
झमरझमर, अ. बूंदबूंदसे।
झमाका, सं. पुं. झडी; वेगताई।
झमाझम, अ. झमझम।
झर, सं. स्त्री. झडी; आगसे जो जलन।
झरना सं. पुं. सोता, झर्ना।
झरोखा, सं. पुं. झञ्झरी, खिडकी।
झर्झर, सं. पुं. झञ्झर।
झर्ना, सं. पुं. सोता; बहुत छेदवाली लोहेआदिकी छाननेकी वस्तु; बहुत छिद्रका शूर्प विशेष। अक. क्रि. झडना।
झल, सं. स्त्री. क्रोध, जलजलाहट्; आगसे जो उष्ण।
झलक, सं. स्त्री. चमक, उजाला।
झलकना, अक. क्रि. चमकना।
झलका, सं. पुं. फफोला, फोला।
झलकाना, स. क्रि. चमकाना, उज्जल कर्वाना।
झलकी, सं. स्त्री. दृष्टि।
झलझल, सं. पुं. चमक, लहक।
झलझलाना, अ. क्रि. चमकना; क्रोधित होना; टीसना।
झलझलाहट्, सं. स्त्री. चमकाहट्; परपराहट्, चरपराहट्।

झलना, स. क्रि. झपकना। अक. क्रि. सुधनां।
झलहाया, गु. वसवासी; ज्वलित।
झलाबोर, गु. चमकीला, भडकीला। सं. पुं. चमत्कार।
झलाझल, गु. ज्योतिषान्। सं. स्त्री. झलक।
झलार, सं. पुं. झाडी।
झलाना, स. क्रि. सुधारना, जोडना।
झाँई, सं. स्त्री. परछाईं; लहसन।
झाँक, सं. स्त्री. ताक। सं. पुं. हिरन वा पक्षीका झुंड।
झाँकना, स. क्रि. छुपके देखना, ताकना।
झाँकड, सं. पुं. झाडी।
झाँकाझाँकी, सं. स्त्री. देखादेखी, ताकाताकी।
झाँख, सं. पुं. हिरन विशेष।
झाँझ, सं. स्त्री. मंजीरा।
झाँझट्, सं. पुं. स्त्री. झगडा, रगडा।
झाँझा, सं. पुं. कोडा।
झाँझिया, गु. क्रोधी।
झाँझी, सं. स्त्री. खेल विशेष।
झाँवरा, गु. काला।
झाँवली, सं. स्त्री. चोंचला, भाव, छाव।
झाँवा, सं. पुं. अत्यन्त पकी ईंट्।
झाँसना, स. क्रि. उभानां।
झाँसू, सं. पुं. फुसलाऊ।
झाऊ, सं. पुं. छोटा वृक्ष विशेष।
झाग, सं. पुं. फेन।
झाझा, सं. पुं. मादक वस्तु।
झाड, सं. पुं. छोटा वृक्ष।
* झाडखण्ड, गु. झंडूला, कुञ्ज। सं. पुं. वन।
झाडन, सं. स्त्री. बुहारन, कचरा, कुर्कुट्, पोंछन।
झाडना, स. क्रि. बोहानां; फर्छा कर्ना; निकालना; पटकना।
झाडन्त, अ. सभी।
झाडा, सं. पुं. मलका त्याग।
झाडी, सं. स्त्री. बधना; वन, जङ्गल।
झाडू, सं. स्त्री. बढनी, बुहारी।
झाया, सं. पुं. टोकरी विशेष।
झाबा, सं. पुं. चमडेका पात्र तेल घी मापनेके लिये।
झामा, सं. पुं. झाँवा।
झारी, सं. स्त्री. दो मुहका जल पात्र।
झाल, सं. पुं. कडुवाहट्; बडी टोकडी; धातुका सुधानां।
झालना, स. क्रि. ओपना, चिकनाना; जोडना।
झालर, सं. स्त्री. अाँचल।
झालरा, सं. पुं. सोता।
झिझक, सं. स्त्री. चैंाक, भडक।
झिझकना, अक. क्रि. चैंाकना, भडकना।
झिझकाना, स. क्रि. भडकाना, भचकाना।
झिडक, सं. स्त्री. धमकी, भबकी; झटक।
झिडकना, स. क्रि. घुडकना, दबकाना, धमकाना, झटका देना।

झिडकाझिडकी, सं. स्त्री. झगडा झगडी, घुडकाघुडकी।
झिडकी, सं. स्त्री, घुडकी।
झिनहड्डा, गु. सुकटा।
झिरझिर, गु. पतली धारसे जो बहता।
झिरझिरा, गु. बहुत पतला।
झिरझिराना, अक. क्रि. बहना, तिरतिराना।
झिलगा, सं. पुं. खट्टाकी पुरानी और टूटी रस्सीकी बिनावट। गु. खट्टा जिस्की बिनावट टूटी वा पुरानी होगई।
झिलङ्गा, सं. पुं. पदाति विशेष।
झिलम, सं. स्त्री. युद्धमेंपहिर्नेके लिये लोहेकी कुर्त्ती; तिलङ्गोंके टोप पर लोहे वा पीतलका कटोरा।
झिलमिल, सं. पुं. द्वार विशेष।
झिलमिलाना, अक. क्रि. लहरना; चिनगी निकलना।
झिल्ली, सं. स्त्री. कीट विशेष; अति सूक्ष्म चर्म; खेढी।
झीकना, अक. क्रि. शोकित होना पछताना।
झींगट, सं. पुं. मांझी, पटनी।
झींगुर, सं. पुं. कीट विशेष, घुरघुरा।
झीन, झीना, } गु. सूक्ष्म।
झील, सं. स्त्री. बहुत लम्बा जलाशय।
झीसी, सं. पुं. फूही, फूहार।
झुकना, अक. क्रि. निहुर्ना, लचना, क्रोधित वा व्याकुल होना।
झुकाना, स. क्रि. निहुराना, लचाना।
झुकावट, सं. स्त्री. निहुरावट।
झुझलाना, अक. क्रि. चिडचिडा होना, जलजलाना।
झुठलाना, झुठालना, } स. क्रि. झूठा कर्ना; मिथ्या बतलाना; अशुद्ध कर्ना।
झुण्ड, सं. पुं. मण्डल, अखाडा।
झुण्डा, सं. पुं. पताका।
झुण्डी, सं. स्त्री. झाड।
झुन, सं. स्त्री. थोडी समानता।
झुनझुना, सं. पुं. खिलौना विशेष।
झुनझुनी, सं. स्त्री. पैंजनी।
* झुमका, सं. पुं. कानमें पहिर्नेका गहिना विशेष; फूल वा फलका गुच्छा; फूल विशेष।
झुरमट, सं. पुं. भीड, मण्डली, झूमक।
झुरियाना, स. क्रि. मिकाना, सोहना; पोंछना, उज्ज्वल कर्ना।
झुरी, सं. स्त्री. शरीरके मांसका सकोंड।
झुर्ना, अक. क्रि. कुमलाना, सूखना।
झुलकाना, स. क्रि. जला देना, भुलसाना।
झुलसजाना, अक. क्रि. भुलसना।
झुलसदेना, स. क्रि. भुलसाना।
झुलसना, अक. क्रि. भुलसना।
झुलसाना, स. क्रि. भुलसाना।
झुलाना, स. क्रि. डोलाना; लटकाना; नाचनचवाना।
झुल्ला, सं. पुं. पहिर्नेका वस्त्र विशेष।
झूझल, सं. स्त्री. क्रोधका आवेश।

झूटर, सं. स्त्री. भूमि जिसमें बरसमें दो बेर अन्न बोते हैं।
झूठनझाठन सं. पुं. छूटा, बचा।
झूठ, गु. सं. अशुद्ध, मिथ्या।
झूठा, गु. मिथ्यावादी: जो कुछ अपवित्र वस्तुके छूनेसे अशुद्ध हो गया। सं. पुं. उच्छिष्ठ।
झूना, सं. पुं. पक्का नारियल; महीन कपडा विशेष।
झूमक, सं. स्त्री. झुमट्।
झूमझूम, सं. पुं. घन।
झूमना, अक. क्रि. लहरना, हिलना, ऊँघना; उमडना, घिर्ना।
झूरना, स. क्रि. कूटना, पेडसे फल झाडना; सूखना।
झूरा. गु. सूखा, मुर्झा।
झूल, सं. पुं. बैलादि पशुओंके ओढनेका वस्त्र।
झूलना, अक. क्रि. डोलना, हिलना, लटकना। सं. पुं. छंन्द विशेष।
झूला, सं. पुं. हिंडोला।
झोँक, सं. स्त्री. ढकेल; धक्का, झकोरा।
झोँकना, स. क्रि. ढकेलना, फेंकना, ईंधन भाडमें डालना।
झोंटा, सं. पुं. } सिरकेपीछेके बाल;
झोंटी, स्त्री. } झूलेका हिलाना।
झोंपडा, सं. पुं. } मढी, छप्परका
झोंपडी, स्त्री. } घर।
झोंपा, सं. पुं. फलका गुच्छा, बाल।
झोरा, सं. पुं. गुच्छा,
झोक, सं. स्त्री. धक्का।
झोका, सं. पुं. ठोकर, ठेस, झकोरा।
झोझ, सं. पुं. खोंता; ओझ; बडा पेट।
झोझा, सं. पुं. ओझ।
झोल, सं. पुं. कपडेकी सकोर वा चुनत; बच्चे।
झोला, सं. पुं. अर्द्धांग; थैला।
झोली, सं. स्त्री. थैली।
झौंरा, गु. पीला, सांवला।
झौंसा, गु. जो अत्यन्त जल गया।
झौड, सं. स्त्री. झगडा।

ट

ट, देवनागरी वर्णमालाके हल वर्णोंमेंका ग्यारहवां अक्षर।
टक, सं. स्त्री. स्वभाव; ताक, दृष्टि।
टकटकी, सं. स्त्री. घूर, ताक।
टकराना, स. क्रि. टक्कर खिलवाना; टक्कर मार्ना। अक. क्रि. टटोलना।
टकसाल, सं. पुं. स्थान जिसमें रुपया आदि बनाते हैं।
टकसालिया, } सं. पुं. टकसालका
टकसाली, } काम कर्नेहारा।
टका, सं. पुं. दो पैसे।
टकाई, सं. स्त्री. कर; जो वेश्या दो पैसा लेके मैथुन करवावे।
टकी, सं. स्त्री. ताक, फुक्की।
टकुआ, सं. पुं. तकला।
टकैता, } गु. धनवान्।
टकैत, }
टकोर, सं. स्त्री } पुचकारी, चुमकारी; अति छोटा
टकोरा, सं. पुं } कच्चाआम: ढोल बजानेकाशब्द।

टकोर्ना, स. क्रि. सेंकना, ततार्ना।
टकौना, सं. पुं. टका।
टक्कर, सं. स्त्री. ठेलाठेली जैसे मेंढे आपसमें सिरसे ठेलाठेली कर्ते हैं; ठोकर।
टखना, सं. पुं. गुल्फ, घूटी।
टघलना, अक. क्रि. पिघलना।
टघलाना, स. क्रि. पिघलाना।
टङ्क, सं. पुं. चार माषेका तौल; खड्ग।
टङ्कार, सं. स्त्री. धनुषके चिल्लेका शब्द।
टङ्गोर्ना, अक. क्रि. ऊड़ऊडाना।
टङ्गजाना, } अक. क्रि. लटकना।
टङ्गना, }
टङ्गडी, सं. स्त्री. गोड़।
टञ्च, गु. सूम, कृपण।
टटका, गु. नवीन, नया।
टटवानी, सं. स्त्री. छोटी घोडी।
टटिया, सं. स्त्री. द्वारबन्द कर्नेके लिये जो तृणादिसे किवाड बनती है, टट्टी, झाँप।
टटीहरा, सं. पुं. } पक्षी विशेष।
टटीहरी, स्त्री. }
टटोलना, स. क्रि. टोआटोई कर्ना।
टट्डी, सं. स्त्री. चाँदी, बाड़।
टट्टर, } सं. पुं. बडी टट्टी।
टट्टा, }
टट्टी, सं. स्त्री. टटिया।
टट्टू, सं. पुं. छोटा घोडा।
टण्टा, सं. पुं. लडाई, खटापटी।
टप, सं. पुं. कूद, फाँद; बूंद।
टपक, सं. स्त्री. पीडा; टपकनेका शब्द।
टपकना, अक. क्रि. टपटपाना, चूना; छन्ना; रिसना; टीसना।
टपका, सं. पुं. पानीकी बूंद; फल जो वृक्षसे पकके गिर्ता है।
टपकाना, स. क्रि. चूआना; छान्ना, रिसाना।
टपकी, सं. स्त्री. छोटी बूंद।
टपजाना, अक. क्रि. कूदजाना, फाँद जाना।
टपपडना, स. क्रि. औरके कामम हाथ देना।
टपना, अक. क्रि. फाँदना।
टपाना, स. क्रि. फँदवाना, कुदवाना।
टप्पा, सं. पुं. डाकघर; रागिणी विशेष; जहांतक गोली जावे उतनेको टप्पा कहते हैं; चौकडी।
टर, गु. मतवाला, अचेत।
टरटर, सं. स्त्री. बकबक।
टरटराना, स. क्रि. बकवक कर्ना।
टरटरी, गु. बकबकी।
टरना, अक. क्रि. टलना।
टर्रा, गु. मगरा, दुष्ट; बलवान्; कक्की।
टर्राना, स. क्रि. बकबक कर्ना।
टलजाना, } अक. क्रि. हटजाना,
टलना, } अलोपना, जातारहना।
टलप, सं. स्त्री. टुकडा, छाँट।
टलमलाना, अक. क्रि. डगमगाना; ललचाना।
टलाना, स. क्रि. हटाना, छिपाना।

टवग, सं. पुं. टकारादि पाँच वर्ण।
टसक, सं. स्त्री. टीस, चमक।
टसकना, अक. क्रि. हिलना; चसकना, घटना।
टसकाना, स. क्रि. हिलाना; चसकाना।
टसना, अक. क्रि. मसकना, फटना।
टहक, सं. स्त्री. गाँठकी पीडा।
टहकना, अक. क्रि. दुखना।
टहटह, } सं. पुं. सुन्दरता, नवीनता।
टहटहा, }
टहना, सं. पुं. शाखा, डाल।
टहनी, सं. स्त्री. डाली।
टहल, सं. स्त्री. ग्टहस्ती, सेवा, काम।
टहलना, अक. क्रि. बाहर फिर्ना, हवा खाना।
टहलनी, सं. स्त्री. ग्टहस्तन्, दासी।
टहलाना, स. क्रि. फिराना, हवा खिलाना।
टहलुआ, सं. पुं. सेवक, दास।
टहलूई, सं. स्त्री. दासी, ग्टहस्तन्।
टहो, सं. पुं. जनमते लडकेका शब्द।
टहोका, सं. पुं. घूंसा, चपेटा।
टाँक, सं. पुं. टङ्क।
टाँका, सं. पुं. लपको, तेपची; साँठन, जोडन।
टाँकी, सं. स्त्री. घट, खसरा जो गरमीके रोगसे होता है; तरबूजका काटा ऊआ टुकडा परीक्षाके लिये।
टाँग, सं. स्त्री. एडीसे घुटनेतकका नाम।

टाँगन, सं. पुं. पर्ब्बतका अश्व विशेष।
टाँगना, स. क्रि. लटकाना, हिलगाना।
टाँगी, सं. स्त्री. कुलहाडी।
टाँघन, सं. पुं. टांगन।
टाँच, } गु. हठीला, टेढा, उजड।
टाँचडा, }
टाँठ, सं. स्त्री. चाँदी।
टाँठा, गु. पोढा, कडा, ठोस।
टँठाई, सं. स्त्री. पोढाई, ठोसाई।
टाँड, सं. स्त्री. मचान।
* टाँडा, सं. पुं. खेप; बन्जारेकी वस्तु।
टाट, सं. पुं. अजाड्, सनसे बिना ऊआ बिछौना।
टाटक, गु. टटका।
टाटी, सं. स्त्री. टट्टी।
टाडी, सं. स्त्री. छोटी कुलहाडी।
टानना, स. क्रि. तानना, ऐंचना।
टाप, सं. स्त्री. घोडेके खुरका शब्द, घोडेके अगले खुरोंकी मार।
टापना, अक. क्रि. टाप मार्ना; छिनाला कर्ना।
टापा, सं. पुं. खाँचा।
टापू, सं. पुं. द्वीप।
टाबर, सं. पुं. छोटी झील।
टारना, स. क्रि. टालना।
टारी, सं. स्त्री. दूर।
टाल, सं. स्त्री. टालमटोल; छल कर्के कालको यतीत कर्ना; अन्नका ढेर, अटाल; बुढापेसे चन्दराया, मल्लयुद्ध कर्नेमें छल।
टालटोल, सं. पुं. टालमटोल।

टालना, स. क्रि. छल करके बातका फेरना वा बदलना वा उडाना; हटाना, अटकाना।

टालमटोल, सं. पुं. उडानघाई; चकरमकर।

टाला, सं. पुं. टाल।

टालाबालाबताना स. क्रि. उडाना, झुलाना, टालमटोल करना।

टिकटिकी, सं. स्त्री. चिपकली।

टिकठी, सं. स्त्री. काठकी तिपाई वा चौपाई।

टिकना, अक. क्रि. रहना, ठहरना।

टिकली, सं. स्त्री. बिन्दी जिस्को स्त्रियां माथेपर लगाती हैं।

टिकाऊ गु. ठहराऊ चलाऊ।

टिकाना, स. क्रि. रखना, ठहराना, अटकाना।

टिकाव, सं. पुं. ठहराव्।

टिकिया, सं. स्त्री. बाटी, अंगाकडी, छोटी रोटी जो कोयलोंपर बनाते हैं; कोयलेको पीसके मांड डालके बनी ऊई गोल वस्तु।

टिकोर सं. पुं. लोबदी, लोपडी।

टिक्कड, सं. पुं. अंगाकडा।

टिक्कली, सं. स्त्री. टिकली।

टिक्की, सं. स्त्री. अंगाकडी।

टिघल्ना, अक. क्रि. पिघलना, गलना।

टिटकारना. स. क्रि. टिटकारी करनेसे पशुको चलाना।

टिटकारी, सं. स्त्री. पशु चलानेमें तालूको जीबसे मारनेका शब्द।

टिटीहरी, टिट्टिभ, सं. स्त्री. पक्षी विशेष।

टिड्डा, सं. पुं. टिड्डी, स्त्री. उडता कीडा।

टिपका. सं. पुं. रङ्गका चिन्ह जो अङ्गुलीसे लगा है।

टिप्पन, सं. स्त्री. टीका, विवर्ण।

टिप्पस, सं. स्त्री. अभिमान।

टिभाना, स. क्रि. प्रतिदिन थोडीसी जीविका देना।

टिभाव, सं. पुं. प्रतिदिनकी थोडीसी जीविका।

टिमटिम, सं. पुं. पराठा।

टिमटिमाना, अक. क्रि. झलझलाना, जगमगाना।

टिहरा सं. पुं. छोटी बस्ती।

टींट, सं. पुं. करीलका फल।

टीक, सं. स्त्री. शिर वा गलेका गहना।

टीका, सं. पुं तिलक; टिप्पन; माथेमें गहना विशेष; व्याह बांधनेके लिये दुलहनके ओरसे दुलहे पास जो कुछ भेंट जाता है।

टीकैत, गु. जिन्ने टीका पाया है।

टीटली, सं. स्त्री. औषधि विशेष।

टीडी, सं. स्त्री. टिड्डी।

टीप, सं. स्त्री. ऋणपत्र; तानका खैंचना; स्वर उठाना, दबाहट्।

टीपना, स. क्रि. दाबना; टटोलना; निचोडना।

टीला, स. क्रि. ढाल, पहाडी।

टीस, सं. स्त्री. पीडा, टपक, धडक।

टोसना, अक. क्रि. टोस मार्ना, धमक्ना, धडक्ना।
टुक, गु. थोडा, अल्प।
टुकडा, सं. पुं. एक खण्ड, चिट्।
टुकसा, गु. थोडासा।
टुङ्गा, सं. पुं. छोटी पूंछ।
टुच्चा, सं. पुं. लुच्चा, गुण्डा, लपका।
टुञ्आ, सं. पुं. नन्हा।
टुण्टुनाना, अक. क्रि. गुन्गुनाना, धोरजसे अलापना।
टुण्ड, सं. पुं. हाथ वा डाली जो काटी गई।
टुण्डा, गु. लूला, जो हाथसे अपाहज।
टुण्डियाँचढाना, स. क्रि. हाथ पिछाडी बांधना।
टुण्डी, सं. स्त्री. नाभि। गु. स्त्री. जिस् स्त्रीका हाथ नहीं है।
टुसकना, } अक. क्रि. रोना, कूकटुऊकना, } ना।
टूँ, सं. पुं. वाव सडनेका शब्द।
टूँगना, स. क्रि. चोंचियाना, चिल छोरना।
टूँडी, सं. स्त्री. नाभि; ठूंठ्।
टूक, } सं. पुं. टुकडा, अणु; ढोलका टूका, } एक शब्द।
टूट, सं. स्त्री. खण्डन; मित्रोंके बीचमें फूटन; टोटा; लिखनेमें जो भूलके ऊपर लिख दिया, त्रुटि।
टूटना, अक. क्रि. ऊमकना; दौडना; चढाई कर्ना; फूटना, फटना।
टूटा, गु. फूटा। सं. पुं. टोटा, न्यूनता।
टूम, सं. पुं. थोडी बात; भूषण विशेष; छतरी।
टूमटाम, सं. पुं. कुछ थोडी बात।
टूसा, सं. पुं. आकका फल।
टूसी, सं. स्त्री. कोंपल, कली।
टेँगरा, सं. पुं. } मत्स्य विशेष।
टेँगरी, स्त्री. }
टेँट, सं. पुं. करीलका पक्का फल; फुल्ली;
टेँटर, सं. पुं. फल विशेष।
टेँटा, सं. पुं. } करीलका बडा पक्का
टेँटी, स्त्री. } फल; व्यर्थ भाषण।
टेँटुआ, सं. पुं. नरी, साँसी, नरेटी।
टेँटेँ, सं. पुं. चेचें, किलकिलाहट्।
टेक, सं. स्त्री. थूनी, आड, टेकनी; प्रतिज्ञा।
टेकन, सं. स्त्री. आड्, थाँभ।
टेकना, स. क्रि. आडना, थाँभना।
टेकर, } सं. पुं. टीला, ऊंचा।
टेकरा, }
टेढा, गु. वक्र।
टेढाई, सं. स्त्री. वक्रता, बाँकपन।
टेढी, सं. स्त्री. गर्व, अहङ्कार; हठ्।
टेम, सं. स्त्री. दीपककी जरन वा लय।
टेर, सं. स्त्री. स्वर, लय।
टेरना, अक. क्रि. ललकार्ना; आलापना।
टेलना, स. क्रि. पेलना, घुसेडना।
टेव, सं. स्त्री. चाल, चाट्।
टेवकी, सं. स्त्री. थूनी, खम्भा।

टेवना, स. क्रि. बाढ देना।
टेवा, सं. पुं. जन्मपत्रीका देखना वा निकालना; पाट्।
टेहरा, सं. पुं. ग्राम।
टेहला, सं. पुं. विवाहकी रीति।
टोआई, सं. स्त्री. कूआई।
टोआटोईकर्ना, स. क्रि. टटोलना।
टोँटा, सं. पुं. पटाका, मुर्रा; पोर; बारूतकी पुडिया।
टोँटी, सं. स्त्री. पैनाला, मोरी।
टोक, टोकटाक, सं. स्त्री. अटकाव, रुकाव।
टोकना, स. क्रि. पूछना; रोकना; रोकटोक कर्ना; डाह लगाना; बुरीदृष्टिसे देखना।
टोकरा, सं. पुं. दौरा, डलिया।
टोकरी, सं. स्त्री. दौरी।
टोकाटोकी, सं. स्त्री. रुकाव।
टोटका, सं. पुं. मोहनी, लटका, वशीकरण।
टोटरू, सं. पुं. घूघू विशेष।
टोटा, सं. पुं. घटी, न्यूनता।
टोडी, सं. स्त्री. रागिणी विशेष।
टोन्हा, सं. पुं. बन्दा, ओझा, नट्वा।
टोन्हाई, सं. स्त्री. बन्हाई।
टोना, स. क्रि. टटोलना, टीपना। सं. पुं. टोन्हा।
टोनाटानी, सं. स्त्री. चटक फटक, धोखा।
टोप, सं. पुं., टोपा, पुं., टोपी, स्त्री. कानतक सिर ढकने का वस्त्र।
टोरा. सं. पुं. भीतमें पानीके बचावके लिये मृत्तिकादिकी आड विशेष।
टोल, सं. पुं. सभा, सङ्कल।
टोला, सं. पुं. खण्ड।
टोली, सं. स्त्री. टोल।
टौना, सं. पुं. टोन्हा।

ठ

ठ, देवनागरी वर्णमालाके हल वर्णोंमेंका बारहवाँ अक्षर।
ठकठक, सं. पुं. अत्यन्त परिश्रम कार्य्य, गूढता; शब्द विशेष।
ठकठकाना, स. क्रि. ठोंकना; खटखटाना।
ठकठकिया, सं. पुं. झगडालू, बखेडिया।
ठकठौवा, सं. स्त्री. पनसोई।
ठकुराई, सं. स्त्री. ईश्वरता, प्रधानता।
ठकुरायन, सं. स्त्री. ठाकुरकी स्त्री।
ठग, सं. पुं. भुलावा देनेहारा, प्रतारक; चोर।
ठगई, सं. स्त्री. प्रतारण, ठगाई।
ठगना, स. क्रि. छलना, धुत्ता देना।
ठगनी, सं. स्त्री. ठगकी स्त्री, चोट्टी।
ठगाई, सं. स्त्री. प्रतारण, छल।
ठगाना, स. क्रि. छलाना, चोरी करवाना।
ठगिन, सं. स्त्री. ठगनी।
ठगिया, सं. पुं. प्रतारक, छली।
ठगौरी, सं. स्त्री. ठगाई।
ठचरा, सं. पुं. बखेडा।

ठठ, सं. पुं. भीड, मण्डली।
ठठरा, सं. पुं. आड, घेरा।
ठठरी, सं. स्त्री. ठाठ; रथी; दुर्बल शरीर।
ठठकना, अक. क्रि. रुकना, अटकना, आश्चर्य्यमें होजाना; डिगना।
ठठाना, स. क्रि. पीटना, मार्ना, कूटना; दुखितहोके अग्रे सिरको ठोंकना।
ठठेरा, सं. पुं. कसेरा।
ठठेरी, सं. स्त्री. ठठेरेकी स्त्री.।
ठठोर, } गु. ठट्ठा कर्नेहारा, हँसोड।
ठठोल, }
ठठोली, सं. स्त्री. हाँसी, परिहास।
ठट्ठ, सं. पुं. ठठ।
ठट्ठा, सं. पुं. परिहास, खिल्ली।
ठड्डा, सं. पुं. गुड्डीके बीचका काष्ठ, मुड्ढा।
ठण्ड, सं. स्त्री. शीत, जाडा, हेम।
ठण्डक, सं. स्त्री. शीतलता।
ठण्डा, गु. शीतल।
ठण्डाई, सं. स्त्री. शीतलता; ठण्डी औषधि; बनाइ ऊई भङ्ग।
ठण्डी, गु. स्त्री. शीतल।
ठण्ढा, गु. ठण्डा।
ठनकना, अक. क्रि. टीसना, टपकना; ठनकना।
ठनठनाना, अक. क्रि. ठनठनाना, ठनकना।
ठनाक, सं. पुं. ठनक, ठनकार।
ठन्ना, अ. क्रि. ठहर्ना, जचना।
ठप्पा, सं. पुं. छापनेका यन्त्र।
ठरिया, सं. पुं. मृत्तिकासे बनाऊआ ऊक्का विशेष।
ठर्रा, सं. पुं. मादक वस्तु विशेष।
ठसक, सं. स्त्री. महत, पत।
ठसकना, अक. क्रि. ठुसकना।
ठसनी, सं. स्त्री. बन्दूकमें ठाँसनेकी लोहेकी शलाका।
ठसाठस, गु. कचाकच मचामच।
ठस्सा, सं. पुं. साँचा; ढाँचा; अहंकार।
ठहरना, अक. क्रि. रुकना, रहना, ठीक होना, निपटना।
ठहराव, सं. पुं. रुकाव, निपटारा।
ठहराना, स. क्रि. रखना, रोकना, ठीक कर्ना, निपटाना।
ठहाका, सं. पुं. धमाका, भडाका।
ठाँ, } सं. पुं. स्थान।
ठाँव, }
ठाँसना, स. क्रि. ठूंसना, घुसेडना।
ठाकुर, सं. पुं. देवता; मूर्त्ति, राजपूतोंमें प्रधान; भूपति; नाई।
ठाकुरद्वारा, सं. पुं. देवालय।
ठाठ, सं. पुं. ठठरी; सैंताव, घुकौता; भडक, भीडभाड्।
ठाडा, गु. खडा, सीधा।
ठाढ, गु. ऊंचा, औघट्।
ठाढा, गु. पुं. } खडा, खडी।
ठाढी, स्त्री. }
ठान्ना, स. क्रि. ठहराना, निश्चय कर्ना, मन लगाना।
ठाला, गु. कामसे रहित समय, खाली।

ठिकरा, सं. पुं. फूटे बर्त्तनका टुकडा, ठींकरा।
ठिकाना, सं. पुं. स्थान, वास ; छोर, सिवाना।
ठिङ्गना, गु. नाटा।
ठिठक, सं. स्त्री. आश्चर्यमें होना।
ठिठना, अक. क्रि. जमना, ठखडा होना, अकड जाना।
ठिठरा, गु. अकडा, शून्य।
ठिठराहट् } सं. स्त्री. ठखडक, अकडाहट्।
ठिठुर, }
ठिठुना, अक. क्रि. ठिठना।
ठिठुरा, गु. ठिठरा।
ठिलिया, सं. स्त्री. गगरी।
ठीक, गु. शुद्ध, पूरा, योग्य, सत्य, उचित ; अदाता, लोचड। सं. पुं. जोड।
ठीकठाक, गु. शुद्ध, योग्य।
ठीकमठीक, अ. शुद्धतासे।
ठीकरा, सं. पुं. ठिकरा।
ठीकरी, सं. स्त्री. फूटे बर्त्तनका छोटा टुकडा ; योनिमें स्थान विशेष।
ठीका, सं. पुं. भाडा ; चुकौता।
ठुकराना, स. क्रि. ठोकर मारना।
ठुड्डी, सं. स्त्री. ठोढी ; जोन्दरी वा मखाना जो भूनके खिला वा लावा नहीं ऊआ।
ठुनुक, सं. स्त्री. सिसक।
ठुनुकना, अक. क्रि. सिसकना।
ठुमक, सं. स्त्री. सुन्दर चालसे जो चलन, मटक।
ठुमकना, अक. क्रि. सुडौलसे चलना, अकडके चलना।
ठुमका, गु. छोटा, नाटा, ठिङ्गना।
ठुमकी, गु. आलसी। सं. स्त्री. गुड्डीको उडाके हिलाना।
ठुसकना, अ. क्रि. हवा छोडना, पादना ; धीमे २ रोना।
ठुसकी सं. स्त्री. शब्द रहित वायुको छोडना।
ठुसाना, स. क्रि. ठाँसना।
ठूँठ, सं. पुं. पत्र रहित तोडी ऊई डाली ; टुण्ड।
ठूँठा, } गु. टुण्डा ; वृक्ष जिसकी
ठूँठिया, } डाली काटी गई।
ठूँठो, सं. स्त्री. खूँटी अनाजकी।
ठेउना, सं. पुं. ठेवना।
ठेँगा, सं. पुं. लाठी ; लिङ्ग।
ठेँगाबाजना, स. क्रि. बिगाड्ना।
ठेँठ, गु. निपट, चोखा, केवल।
ठेँठी, सं. स्त्री. कानका मैल ; ढट्टा, धोती।
ठेक, सं. स्त्री. टेकनी, आड ; बडा बोरा जो अन्नसे भरा है।
ठेका, सं. पुं. ढट्टा।
ठेकी, सं. स्त्री. सिरसे बोझ उतारके सुस्ताना।
ठेठ, गु. ठेंट।
ठेपी, सं. स्त्री. ढट्टा।
ठेलना, स. क्रि. ढकेलना, रेलना झोंकना।
ठेला, सं. पुं. धक्का।
ठेलाठेली, सं. स्त्री. धक्काधक्की।
ठेवना, सं. पुं. घुटना, जानु।

ठेस, सं. स्त्री. ठोकर, चपेट; झोंक।
ठेसना, स. क्रि. छेदना; ठोकर लगाना; ठांसना।
ठेसरा, सं. पुं. नाकचढी।
ठोँकना, स. क्रि. मार्ना; गाडना; अङ्गुलीसे बजाना।
ठोँग, सं. स्त्री. चोंच वा अंगुलीसे मार्ना।
ठोँगना, ठोँगाना, स. क्रि. चोंचियाना, चिलहोना।
ठोँठ, सं. पुं. चोंच, ठोर।
ठोकना, स. क्रि. ठोंकना।
ठोकर, सं. स्त्री. ठेस; ठेस लगनेकी वस्तु।
ठोढी, सं. स्त्री. टुड्डी।
ठोर, सं. स्त्री. चोंच।
ठोला, सं. पुं. शुकादिके निमित्त पात्र जिसमें दाना पानी रखते हैं; अंगुलियोंकी गांठ।
ठोस, गु. टांठा।
ठोसना, स. क्रि. ठांसना।
ठोसाई, सं. स्त्री. टांठाई।
ठौर, सं. स्त्री. स्थान।

ड

ड, देवनागरी वर्णमालाके हल वर्णोंमेंका तेरहवां अक्षर।
डकराना, अक. क्रि. कूक मारके रोना।
डकार, सं. स्त्री. उद्गार।
डकार्ना, स. क्रि. ढिकार्ना; झंकार्ना; पचाजाना।
डकैत, सं. पुं. डाकू, चोर, बटपार।
डकैती, सं. स्त्री. डाका, चोरी, बटमारी।
डकौत, डकौतिया, सं. पुं. वर्णशंकरकी जाति विशेष जिसका पिता ब्राह्मन और माता ग्वालिन।
डग, सं. स्त्री. चलावा, फाल, पद, डेग।
डगडगाना, अक. क्रि. हिलना, चमचमाहट् से जलना।
डगमग, गु. चञ्चल।
डगमगाना, अक. क्रि. लडखडाना।
डगर, सं. स्त्री. मारग, सडक, पैंडा।
डगरा, सं. पुं. बांसका बनाया ऊआ पात्र विशेष।
डगर्ना, अक. क्रि. फिर्ना।
डग्गा, सं. पुं. दुर्बल अश्व विशेष।
डङ्क, सं. पुं. बिच्छू आदि जन्तुका विष, प्रधान अवयव, चभक।
डङ्का, सं. पुं ढक्का. धौंसा, नगाडा।
डङ्किनी, सं. स्त्री. डाकिनी।
डङ्कियाना, स. क्रि. डङ्क मार्ना. चभकना।
डङ्कीला, गु. जिस् जन्तुमें डंक है।
डटना, अक. क्रि. अडना।
डट्टा, सं. पुं. ढट्टा।
डठा, सं. पुं. बोंट्, डण्डी।
डढमुण्डा, गु. डाढीरहित।
डढियल. गु. डाढी सहित।
डण्ड. सं. पुं. बाऊ, भुजा, बल होनेके लिये साधन।

डण्डवत, सं. स्त्री. प्रनाम विशेष, पायलागीं।
डण्डा, सं. पुं. सोंटा, सीढोका पाया; छाठका करउगाहनेहारा।
डण्डिया, सं. पुं. वस्त्र विशेष जो स्त्री पहिनती हैं; छाठका करउगाहनेहारा।
डण्डी, सं. स्त्री. बेंट; तराजूके पलडेमें लगानेका काठ; सन्यासी; हरसिंघारकी नाल।
डण्डीर, सं. स्त्री. धारी, लकीर, लीख।
डण्डौत, सं. स्त्री. डण्डवत।
डपट्ना, क्रि. पुकार्ना; सपेट् दौडना; डाँटना।
डफ, सं. पुं. वाद्य विशेष।
डफार्ना, अक. क्रि. कूक मार्ना, बिलकना।
डफाली, सं. पुं. डफ बजानेहारा।
डब, सं. पुं. बल, पराक्रम; जेब, चमडा जिससे कुप्पा बनाते हैं।
डबका, सं. पुं. टटका कुएका जल। गु. मोटा।
डबडवाना, अक. क्रि. भर्ना जैसे आँख आँसूसे भर आती है।
डबरा, सं. पुं. सीलीभूमी, लिवार, छपरी।
डबरिया, गु. खब्बा।
डबोना, स. क्रि. डुबाना।
डब्बा, सं. पुं. बडी डिबिया।
डब्बू, सं. पुं. लोहेका कर्छा।
डमरू, सं. पुं. वाद्य विशेष।
डर, सं. पुं. भय, भीत।
डरना, डरपना, } अक. क्रि. भय खाना।
डरवैया, गु. भयमान, हेठा, डरपोकना।
डराऊ, गु. भयङ्कर।
डराक, गु. भयमान्।
डराना, डरावना, } स. क्रि. भय खिलाना।
डलवा, सं. पुं. टोकडा।
डलवाना, स. क्रि. झोंकवाना।
डला, सं. पुं. बडा टुकडा वा ढेला; टोकडा।
डलिया, सं. स्त्री. छोटी टोकडी।
डली, सं. स्त्री. छोटा टुकडा वा ढेला।
डस, सं. पुं. तुलाकी रस्सी; दशा।
डसना, स. क्रि. काटना, डङ्कियाना, चभकना।
डसौना, सं. पुं. बिछौना।
डहक, सं. पुं. गुफा, खोह, चोर गडहा।
डहकाना, स. क्रि. निरास कर्ना; ललचाना; बिगाडना।
डहडहा, गु. प्रफुल्लित।
डहडहाना, अक. क्रि. खिलना, फूलना।
डाँक, सं. पुं. जगजगा; बिछूका डंक।
डाँग, सं. स्त्री. लाठी; पहाडकी चोटी।
डाँगर, गु. दुर्बल। सं. पुं. दुर्बल पशु; मूलीका फल ऊआ पत्ता।
डाँटना, स. क्रि. ताडन कर्ना, घुडकना।

डाँठल, सं. पुं. ⎫
डाँठी, स्त्री. ⎭ डंडी, बोंट।

डाँड, सं. पुं, बदला; दण्ड, ताडन; नाव खेवनेका अस्त्र, चप्पू; रीढ; डंडार।

डाँडना, स. क्रि. बदला लेना।

डाँडा, सं. पुं. मेंड, सिवाना।

डाँडी, सं. पुं. खेवनहार, खेवैया।

डाँवरू, सं. पुं. शेरका बच्चा।

डाँवाँडोल, सं. पुं. इधरसे उधर रबडना।

डाँस, सं. पुं. डङ्ग; बडी मखी विशेष।

डाक, सं. स्त्री. टप्पा; अन्तर रहित वमन; डाकिनीका पति।

डाकना, स. क्रि. वमन कर्ना।

डाका, सं. पुं. चोरोंका धावा।

डाकिन, ⎫ सं. स्त्री. डायन, चु-
डाकिनी, ⎭ डैल।

डाकिया, सं. पुं. डाकू; डाकवाला।

डाकी, गु. खाऊ, पेटू।

डाकू, सं. पुं. डकैत, चोर।

डाट, सं. स्त्री. घुडकी, धमकी।

डाटना, स. क्रि. डांटना।

डाढ, सं. स्त्री. पिछले दाँत।

डाढी, सं. स्त्री. ठुड्डीपर के बाल।

डाब, सं. पुं. परतला, कच्चा नारियल।

डाबर, सं. पुं. हाथ धोनेका पात्र; गोलताल।

डाभ, सं. पुं. कुश; दाव।

डामर, सं. पुं. धूना, राल।

डायन्, सं. स्त्री. डाकिनी।

डार, सं. स्त्री. डाल।

डारना, स. क्रि. डालना।

डारिम, सं. पुं. दाडिम, अनार।

डाल, सं. स्त्री. डाली, शाखा, टहनी।

डालना, स. क्रि. फेंकना, घुसेडना, झोंकना।

डाला, सं. पुं. डोला; बडी डाली।

डाली, सं. स्त्री. टहनी; फलादिका भेट, पुष्पादि रखनेके लिये बांस का पात्र।

डाह, सं. पुं. द्रोह, द्वेष।

डाहना, अक. क्रि. द्रोही होना।

डाही, गु. द्रोही, द्वेषी।

डिगना, अक. क्रि. हिलना, लहकना; हटना, टलना।

डिगाना, स. क्रि. हिलाना।

डिठना, स. क्रि. देखना, ढुक्की लगाना।

डिठियारा, गु. देखनेहारा।

डिबिया, सं. स्त्री. ढकने सहित काष्ठादिका गोल पात्र विशेष।

डिब्बा, सं. पुं. बडी डिबिया।

डिब्बी, सं. स्त्री. टोंटा रखनेका पात्र।

डिम्भ, सं. पुं. अहङ्कार, गर्व।

डींग, सं. पुं. बडाई।

डींगमार्ना, स. क्रि. बडाई कर्ना।

डीठ्, सं. स्त्री. दृष्टि।

डील, सं. पुं. तन।

डीहा, सं. पुं. टीला।

डुक, सं. पुं. मुक्की, घूंसा।

डुकरिया, गु. स्त्री. बुढिया।

डुगडुगाना, अक. क्रि. डङ्का बजना, तिमतिमाना।
डुबकी. सं. स्त्री. बुडकी, गोता, सिर डुबायके स्नान।
डुबाना, स. क्रि. बोरना, डुबोना; उजाडना।
डुबाव, सं पुं. जलस्थान जो डूबनेके योग्य है।
डुरियाना, स. क्रि. फिराना।
डुलाना, स. क्रि. हिलाना, झुलाना।
डूब, सं. पुं. डुबकी।
डूबना, अक. क्रि. डुबकी मार्ना, उजडना, डूब मर्ना; चिन्तामें होना।
डेग, सं. पुं. डग, फलास।
डेढ, गु. एक और आधा।
डेढगत, सं. स्त्री. नाच विशेष।
डेरा, सं. पुं घर, तंबू। गु. भेंगा।
डेल, डेला, } सं. पुं. ढेला।
डेवढा. गु एक और एक का आधा।
डेवढाना, स. क्रि. एक और एक का आधा लेना।
डेवढी, सं. स्त्री. दिहली।
डेऊड, सं. स्त्री. बाढ।
डेऊडी, सं. स्त्री. डेवढी।
डैन, सं. पुं. पङ्ख, पच्च।
डैना, सं. पुं. डाल।
डोई, सं. स्त्री. काष्ठकी कर्छी।
डोंगा, सं. पुं. } छोटी एक काष्ठकी नाव; कर्छी; कठरा।
डोंगी, स्त्री.
डोंडी, सं. स्त्री. ढिंढोरा।
डोंरा, सं. स्त्री. दो मुंहा सांप।
डोकरा, सं. पुं. बुड्ढा।
डोकरी, गु. स्त्री. बुड्ढी।
डोब, सं. पुं. डूब।
डोबा, सं. पुं. पोखरा, ताल; मूर्छा।
डोम, डोमडा, } सं. पुं. हिन्दू लोगनके बीचमें नीच वर्णशङ्कर जाति विशेष, यवन लोगमें जाति विशेष।
डोमनी, सं. स्त्री. डोम की स्त्री।
डोर, सं. स्त्री. रस्सा जो सूतसे बनी है।
डोरा, सं. पुं. सीमने का सूत; रस्सा; धार, धागा।
डोरिया, सं. पुं. सूसी, मालदई।
डोरी, सं. स्त्री. रस्सी, सुतली।
डोल, सं. पुं. कूपसे जल निकालन के लिये पात्र।
डोलची, सं. स्त्री. छोटा डोल।
डोलना, अक. क्रि. हिलना, टलना; फिर्ना; झूलना।
डोला, सं. पुं. पालकी विशेष; स्त्री जो छोटे कुलसे बडे कुलमें बिवाही गई।
डोली, सं. स्त्री. पालकी विशेष जो स्त्रियोंके लिये है।
डौंजा, सं. पुं. गरगज, मचान्।
डौंडी, सं. पुं. डोंडी।
डौढी, सं. स्त्री. डेवढी। गु. डेवढा।
डौल, सं. पुं. प्रकार, ढब; स्वरूप, ब्योंत।

ढ

ढ, देवनागरी वर्णमाला के हल वर्णोंमें का चौदहवाँ अक्षर।

ढक, सं. पुं. तौल विशेष।
ढकना, स. क्रि. ढाँपना। सं. पुं. आच्छादक, ढपना।
ढकनी, सं. स्त्री. चपनी।
ढकार, सं. स्त्री डकार।
ढकेल, सं. पुं. रेल, धक्का।
ढकेलना, स. क्रि. ठेलना, रेलना, झोंकना।
ढकेलू, सं. पुं. ढकेलनेहारा।
ढक्का, सं. पुं. वाद्य विशेष।
ढङ्ग, सं. पुं. चाल, लच्छन।
ढट्टा, सं. पुं. ठेपी।
ढडकौवा, सं. पुं. जंगली कौवा।
ढडवा, सं. पुं. पच्छी विशेष।
ढण्ढोरा, सं. पुं. राजाकी आज्ञासे नगरमें समाचार सुनावने के लिये वाद्य विशेष।
ढण्ढोरिया, सं. पुं. ढण्ढोरा बजाने हारा।
ढपढपाना, स. क्रि. ढोलको पीटना।
ढपना, अक. क्रि. छिपना।
ढब, सं. पुं. डौल; रूप, चाल, रीति; बनावट; हथौटी।
ढबरा, गु. गदला।
ढबीला, गु. सजीला, सुडौल।
ढबुआ, सं. पुं. पैसा।
ढमलाना, अक. क्रि. डगरना।
ढलकना, अक. क्रि. डगरना, फिर्ना।
ढलका, गु. धुन्धला; झुका, छलका।
ढलकाना, स. क्रि. औंधाना, बहाना।
ढलना, अक. क्रि. गिरना, पिघलना; बीतना; छलकना; डगरना; झुकना।
ढलमलाना, अक. क्रि. डगमगाना।
ढलाना, स. क्रि. सांचेमें डालना; बहाना।
ढलैत, सं. पुं. ढाल तलवार बांधने हारा, फरियैत।
ढवाना, स. क्रि. गिरवाना, उजडवाना।
ढहना, ⎫ अक. क्रि. गिर पडना,
ढहपडना, ⎭ उजड जाना।
ढाई, गु. अढाई।
ढाँकना, स. क्रि. ढाँपना, छिपाना।
ढाँग, सं. स्त्री. कंदला, शिखर।
ढाँचा, सं. पुं. ठाट, घर, साँचा।
ढाँपना, स. क्रि. ढाँकना, छिपाना।
ढाँसना, स. क्रि. दोष देना।
ढाँसा, सं. पुं. लिम।
ढाक, सं. पुं. पलाशका वृक्ष।
ढाटा, सं. पुं. अङ्गोछा जो पगडी और कानपर बाँधके रहते हैं।
ढाठी, सं. स्त्री. कसन, यन्त्रणा; फांदा जो घोडेके मुखपर बाँधते हैं।
ढाढस, सं. पुं. स्त्री. सूमापन; दिलासा, शान्ति, भरोसा।
ढाढिन, सं. स्त्री. ढाढीकी स्त्री।
ढाढी, सं. पुं. जाति विशेष जो बजाता और गाता है।
ढाना, स. क्रि. गिराना, उजाडना।
ढाबा, सं. पुं. जाल; ओरी, ओलती।
ढाल, सं. पुं. उतार; फरी।
ढालना, स. क्रि. साँचेमें उतार्ना। औंधाना; बिगाडना।
ढालवाँ, गु. उतारू; जो साँचेमें उतारा गया।

ढालू, गु. उतारु, बेंडा; बिगाड़ू; साँचेमें का उतारो।
ढाहा. सं. पुं. नदीका कराडा।
ढिग, सं. पुं. स्त्री. दिग; समीप।
ढिठाई, सं. स्त्री. चञ्चलता।
ढिबका, सं. पुं. उभार, गुमडा।
ढिमढिमी, सं. स्त्री. खञ्जरी विशेष।
ढिल्लर, गु. आलसी।
ढीठ, } गु. धींताल, चञ्चल, मगढीठा, } रा।
ढील, सं. स्त्री. आसकत, बिलम्ब, अचेतो।
ढीला, गु. शिथिल, छुटा, आलसी; अचेता।
ढीलाई, सं. स्त्री. शिथिलता।
ढीहा, सं. पुं. टीला।
ढुक्कीलगाना. स. क्रि. तकाना।
ढुलना, अक. क्रि. ढलना; मरना।
ढुलवाना, } स. क्रि. उठवाना, छलढुलाना, } काना।
ढुलाई, सं. स्त्री. उठवानेका पैसा वा काम।
ढूआ, सं. पुं. मेंड, मिट्टीका पिण्डा।
ढूँडढाँड, सं. पुं. खोज, ढाडाढूडी।
ढूँढन्, सं. पुं. खोज।
ढूँढना, स. क्रि. खोजना।
ढूँढिया, सं. पुं. जैनलोग में भिखारी।
ढूकना, अक. क्रि. बन्दकरना, मूचना; छिपाके पास आना; पैठना।
ढूसर, सं. पुं. जाति विशेष।
ढेँकली, सं स्त्री. कूपसे जल चढाने का यन्त्र।
ढेँका, सं. पुं. कूटनेका यन्त्र।
ढेडस, सं. पुं. तरकारी विशेष।
ढेँडी, सं. स्त्री. पोस्तका पुष्प।
ढेँढा, सं. पुं. गर्भ, गर्भता; बडा पेट।
ढेढ, सं. पुं. चमारकी जाति; कौवा।
ढेढी, सं. स्त्री. कानका गहना विशेष।
ढेर, सं. पुं. राशि, टाल, बहुतात। गु. बहुत, घनेरा।
ढेरा, गु. भेंगा।
ढेरी, सं. स्त्री. छोटा ढेर।
ढेला, सं. पुं. मृत्तिका का लोंदा।
ढेलाचौथ, सं. स्त्री. भादोंकी चौथ।
ढैया, सं. स्त्री. अढैया।
ढैयाटेकर, गु. जो उजडगया।
ढोआ, सं. पुं. पर्वमें फल और पुष्पको भेट जिस्को छोटे लोग चढाते हैं।
ढोक, सं. स्त्री. डण्डवत्।
ढोकना, स. क्रि. पीना, घूटना।
ढोका, सं. पुं. पाषाणादिका टुकडा;
ढोटा, सं. पुं. लडका।
ढोना, स. क्रि. लेजाना, उठाना।
ढोर, सं. पुं. गायगोरू।
ढोरा, सं. पुं. ताजिय, जो मुसलमान मुहर्रम में बनाते हैं।
ढोरी, सं. स्त्री. दहक, चाप।
ढोल, सं. पुं. वाद्य विशेष।
ढोलक, सं. स्त्री. छोटा ढोल।
ढोलकिया, सं. पुं. ढोलकका बजानेहारा।

ढोलकी, सं. स्त्री. छोटा ढोल।
ढोलन, सं. पुं. प्यारा, रसिया।
ढोलना, सं. पुं. ढोलके समान जन्त्र विशेष।
ढोला, सं. पुं. छोकरा।
ढोलिया, सं. पुं. ढोलका बजानेहारा।
ढोली, सं. स्त्री. दो सौ पानका परिमाण।
ढौंचा, गु. साढे चार।

त

त, देवनागरी वर्णमालाके हल वर्णोंमेंका सोलहवाँ अक्षर।
तई, } अ. तलक, लग। सं. स्त्री.
तक, } दृष्टि, ताक।
तकतक, सं. पुं. चलने से जो शब्द।
तकना, स. क्रि. ताक लगाना। अक. क्रि. दृष्टि लगना।
तकला, सं. पुं. तकुआ।
तकली, सं. स्त्री. अटेरन, परेता।
तकाना, स. क्रि. ढुक्की लगाना।
तकीनो, सं. पुं. छोटा तकिया।
तकुआ, सं. पुं. सूत कातनेके लिये लोहेकी शलाका जो चरखे में रहती है।
तक्र, सं. पुं. छाछ, मट्ठा।
तखडी, सं. स्त्री. तुला।
तखान, सं. पुं. बढई।
तगना, स. क्रि. तागा डालना।
तगाई, सं. स्त्री. सिलाई, तागा डालनेका पैसा।
तगाना, स. क्रि. तागाडलवाना।
तग्गा, सं. स्त्री. सीनेके लिये बनाया हुआ सूत।
तघडी, सं. स्त्री. करधनी।
तङ्गा, सं. पुं. दो पैसा।
तज, सं. पुं. वृक्ष विशेष।
तजना, स. क्रि. त्यागना, छोडना।
तट, सं. पुं. तीर।
तटस्थ, गु. तीरवासी।
तड, सं. पुं. पक्ष।
तडकना, अक. क्रि. फटना, फूटना।
तडका, सं. पुं. प्रातःकाल, भोर।
तडके, अ. सवेरे।
तडतडाना, अक. क्रि. रिसना, झिरझिराना ; फटनेसे जो शब्द।
तडप, सं. स्त्री. चटक, झपट, उतावली ; उचक।
तडपना, अक. क्रि. तलफना ; धडकना ; कुदकना।
तडपाना, स. क्रि. तलफाना, धडकाना।
तडपीला, गु. फुर्त्तीला, चटपटिया।
तडफ, सं. स्त्री. व्याकुलता, धडक।
तडफडाना, अक. क्रि. धडकना।
तडफडाहट, सं. स्त्री. व्याकुलता धडाहट।
तडफाना, स. क्रि. तडपाना।
तडा, सं. पुं. टापू, द्वीप।
तडाक, गु. भडकीला, चटकीला।
तडाका, सं. पुं. मारनेसे जो शब्द।
तडाग, सं. पुं. तलाव, पोखरा।
तडाडा, सं. पुं. जलकी धारा, तरेडा।
तडाया, सं. पुं. चटक, भडक।

तड़ावा, सं. पुं. छहा।
तण्डुल, सं. पुं. चावल।
तत्काल, अ. उसी समय।
तत्क्षण, अ. उसीक्षण, तुरन्त।
तत्पर, गु. निपुण, सुचेत, अभ्यासी।
तताना, स. क्रि. तापना।
तत्ता, गु. गरम, ज्वलित ; क्रोधी।
तत्त्व, सं. पुं. यथार्थ, मूल, सत ; सार, भाव।
तत्त्वज्ञान, सं. पुं. ब्रह्मज्ञान।
तत्र, अ. तहाँ।
तथा, अ. तिसप्रकार, तैसा।
तथापि, अ. तौभी।
तथास्तु, अ. तैसा होवे।
तद, अ. तब, तिस समय।
तदनन्तर, अ. तिसके पीछे।
तदा, अ. तब।
तधी, अ. तिसी समय।
तन, सं. पुं. शरीर।
तनक, गु. थोडा, अल्प।
तनय, सं. पुं. पुत्र।
तनया, सं. स्त्री. बेटी।
तनी, सं. स्त्री. अंगरखेका वन्धन ; तनया।
तनु, सं. पुं. देह।
तनुक, गु. अल्प।
तन्तनाना, अक. क्रि. पिनपिनाना।
तन्तनाहट, सं. पुं. जलनसे जो पीडा।
तन्तु, सं. पुं. सूत्र।
* तन्त्र, सं. पुं. टोटका, लटका।
तन्त्री, सं. पुं. तन्त्रका कर्नेहारा।
तन्द्रा, सं. स्त्री. थकाई, श्रम, मूर्छा।
तन्ना, अक. क्रि. खिचना, फैलना।
तन्नाना, अक. क्रि. पिनपिनाना।
तन्मात्र, गु. केवल, वही।
तप, सं. स्त्री. ताप, उष्ण। पुं. पुण्य के लिये दुःख सहित जो कर्म।
तपत, सं. स्त्री. उष्ण। गु. गरम, तत्ता।
* तपन, सं. स्त्री. उष्ण, ज्वलन।
तपना, अक. क्रि. ऐश्वर्य्यवान् होना, उष्ण होना।
तपस्या, सं. स्त्री. तप, योग।
तपस्विनी, सं. स्त्री. तप कर्नेहारी स्त्री।
तपस्वी, सं. पुं. तपस्या कर्नेहारा, जोगी।
तपा, सं. पुं. अचक, जोगी।
तपाना, स. क्रि. गरम कर्ना, तताना, अरपना।
तपास, सं. स्त्री. किरण, धूप ; परिश्रम, दौडधूप।
तपी, सं. पुं. तपा।
तप्त, सं. स्त्री. गु. तपत।
तब, अ. तिस् समय।
तबे, तभी, } अ. तिसी समय।
तमः, सं. पुं. अन्धकारका गुण ; अन्धेरा।
तमक, सं. स्त्री गर्व, घमण्ड ; मुखका लाल होना।
तमकना, स. क्रि. मुख लालहोना, दहकना, दगदगाना ; निष्कारणसे क्रोधित होना।

तमका, सं. पुं. धूपकीमार।
तमतमाना, अक. क्रि. मुखमें लाली होनी, दगदगाना।
तमस, सं. पुं. तम।
तमस्विनी, सं. स्त्री. रात्रि।
तमाल, सं. पुं. तिलक जो चन्दनसे बनाते हैं; वृक्ष विशेष।
तमोगुण, सं. पुं. मनका गुण जिस्से क्रोध मोह इत्यादि होते हैं।
तम्बू, सं. पुं. रावटी, पाल, कपड कोठा।
तर, अ. तले।
तरई, सं. स्त्री. तारा, नक्षत्र।
तरकारी, सं. स्त्री. भाजी।
तरङ्ग, सं. पुं. लहर, उमङ्ग; ललक।
* तरणि, सं. स्त्री. नौका।
तरन, सं. पुं. पारहोना, उद्धारहोना; जिस मनुष्यने मुक्तिपाई।
तरना, अक. क्रि. पारउतरना; उबरना, बचना।
तरपन, सं. पुं. तर्पण।
तरफना, अक. क्रि. तडफडाना।
तरबूज, सं. पुं. चित्रवाना, फल विशेष।
तरल, गु. चचल, ओछा
तरला, सं. पुं. बाँस विशेष। गु. जो सब से नीचला है वा जो दूसरेसे निचला।
तरव, सं. पुं. वृक्ष।
तरवर, सं. पुं. वृक्ष जो बडा है।
तरसना, अक. क्रि. जी लगा रहना, ललचाना; दयाहोना, पसीजना।
तराई, सं. स्त्री. दलदल, चराओ।
तरान्, सं. पुं. उगाही, प्राप्त।
तराना, स. क्रि. पारकर्वाना, पैराना; बचाना।
तरी, सं. स्त्री. नौका।
तरु, सं. पुं. वृक्ष।
तरुण, गु. युवा।
तरुणाई, सं. स्त्री. यौवन, किशोर।
तरुणी, सं. स्त्री. युवती।
तरेडा, सं. पुं. टोंटीसे पानीका गिर्ना।
तरैया, सं. स्त्री. तारा।
तर्क, सं. पुं. बुद्धिसे विवेचना, अनुमानोक्ति, न्यायशास्त्र।
तर्कित, गु. शङ्कित।
तर्की, सं. स्त्री. स्त्रियोंके कानमें पहिर्नेके लिये ताडपत्रकी ढेढी। सं. पुं. तर्क कर्नेहारा।
तर्कुल, सं. पुं. ताड्काफल।
तर्खा, गु. धारा जो बहुत शीघ्र बहती है।
तर्जन, सं. पुं. कोप।
तर्जिनी, सं. स्त्री. अंगूठेके पासकी अंगुली।
तर्जुमा, सं. पुं. उलथा।
तर्पण, सं. पुं. पित्रादिके निमित्त जलका देना; मङ्गल, हुलास।
ततराना, गु. जो बहुत चिफना; गिलाईसे जो टपकता है। अक. क्रि. सन्नाटा भर्ना, गलफटाकी कर्ना।

तर्रराहट्, सं. स्त्री. सन्नाटा, गीदडभबकी, गलफटाकी।
तर्राना, अक. क्रि. बडबडाना, खुनसाना, कुडकुडाना।
तर्वरिया, सं. पुं. खड्ग ; तरवार बाँधनेहारा।
तर्वार, सं. स्त्री. खड्ग।
तर्सों, अ. परसों के आगेका दिन।
तल, सं. पुं. अधोभाग।
तलक, अ. तक।
तलछट्, सं. स्त्री. निचोड, मैल ; खूद।
तलना, स. क्रि. घीमें भून्ना।
तलपट, गु. मलमेट, चौपट्।
तलफना, अक. क्रि. तरफना।
तलमलाना, अक. क्रि. ललचाना।
तलवरिया, सं. स्त्री. तर्वरिया।
तलवार, सं. पुं. तर्वार।
तला, सं. पुं. पेंदा, थाह, जूतीके नीचेका भाग ; पत्त।
तलातल, सं. पुं. पाताल।
तली, सं. स्त्री. तला, निरखर्णी बुकनी।
तलऊपर, गु. औंधा, उलटपुलट्।
तलुआ, } सं. पुं. पाँवके नीचेका
तलूआ, } भाग।
तले, अ. नीचे।
तलैया, सं. स्त्री. छोटा पोखरा।
तवर्ग, सं. पुं. तकारादि पांच अक्षर।
तश्तरी, सं. स्त्री. थाली विशेष।
तसला, सं. पुं. खाना पकानेका पात्र विशेष।
तस्कर, सं. पुं. चोर।
तस्करता, } सं. स्त्री. चोरी।
तस्करी, }
तस्म, सं. पुं. चमोटी।
तस्सू, सं. पुं. माप विशेष।
तहसनहस, गु. चौपट्, तितर वितर।
तहाँ, अ. तिस स्थान, उस स्थान।
तहीं, अ. तिसी वा उसी स्थान।
ता, सर्व. उसको।
ताँगा, सं. पुं. गाडी विशेष।
ताँत, सं. स्त्री. चमडे से बनी रूई रस्सी ; पटकारकी सामग्री।
ताँतबाँधना, स. क्रि. बकवक्की को चुपचुपाना।
ताँता, सं. पुं. पाँत, पङि, तार।
ताँती सं. पुं. पटकार।
ताँडव, सं. पुं. देवताके सन्निध थपडी बजायके नाच विशेष।
ताँबडा, सं. पुं. ताँबेका वर्ण ; माणिक्यके समान झूठा पत्थर।
ताँबा, सं. पुं. धातुविशेष।
ताइत, सं. पुं. यन्त्र, गण्डा।
ताई, सं. स्त्री. चाची।
ताऊ, सं. पुं. चाचा।
ताक, सं. स्त्री. दृष्टि, ढुक्की।
ताकना, स. क्रि. देखना ; घूर्ना ; झाँकना।
ताकबाक, सं. स्त्री. ठीक समय।
ताग, सं. पुं. सूत, धागा।
तागना, स. क्रि. सूईमें धागा पिरोना।
तागा, सं. पुं. सूत।

ताड, सं. पुं. खजूर। स्त्री. पहिचान।
ताडक, सं. पुं. ताडनेहारा।
ताडङ्क, सं. पुं. कानका भूषण विशेष।
ताडन, सं. पुं. झिडकी, दण्ड, डाँट।
ताडना, स. क्रि. पहिचान्ना, बूझना, अटकलना। सं. पुं. ताडन।
ताडनीय, गु. ताडन कर्नेके योग्य।
ताडी, सं. स्त्री. ताडका रस।
तात, सं. पुं. पिता। गु. तत्ता।
तातनी, ताती, } सर्व. उस्की, उस्का।
तातें, सर्ब. उस्से।
तात्कालिक, गु. उसी समयका।
तात्पर्य, सं. पुं. अभिप्राय, प्रयोजन।
तादात्म्य, सं. स्त्री. तत्स्वरूपता।
तादृश, गु. वैसाही।
तान्, सं. स्त्री. रागका जो उच्चारण, स्वर।
ताना, सं. पुं. बस्त्रके लम्बे सूत, बाना।
तानी, सं. स्त्री. ताना; कपडा बिन्नेका पैसा।
तान्त्रिक, सं. पुं. सिद्धान्तका जाननेहारा, विद्वान; तन्त्र शास्त्रज्ञ।
तान्ना, स. क्रि. खींचना, कसना; फैलाना।
ताप, सं. पुं. उष्णता, तप, ज्वर, मनका दुःख।
तापना, स. क्रि. घमाना, तताना।
तापस, सं. पुं. तपस्वी।

तामचीनी, सं. स्त्री. ताँबा जिस्में और धातु भी जडा होय।
तामडा, सं. पुं. ताँबेके रङ्ग कामणि।
तामस, गु. तमोगुणका कार्य्य। सं. पुं. तमः।
तामसिक, तामसी, } गु. तमोगुण युक्त, कनिष्ठ।
तामा, सं. पुं. ताँबा।
तामेश्वर, सं. पुं. ताँबेकी बङ्ग।
ताम्बा, सं. पुं. तामा।
ताम्बूल, सं. पुं. पान।
* तारक, सं. पुं. गुरू; उद्धार कर्नेहारा, जो पारलगावे।
तारण, सं. पुं. उद्धार कर्नेहारा; उद्धारका कर्ना।
तारतम्य, सं. पुं. न्यूनाधिक्य, थोडा बहुत।
* तारा, सं. स्त्री. नक्षत्र; नेत्रकी पुतली।
तारिका, सं. स्त्री. नक्षत्र; पुतली।
तारिणी, सं. स्त्री. उद्धार कर्नेहारी।
तारू, सं. पुं. तालू।
तार्किक, सं. पुं. धर्म शास्त्रिक, नैयायिक।
तार्ना, स. क्रि. उद्धार कर्ना।
ताल, सं. स्त्री. गानेका परिमाण; मल्लयुद्ध कर्नेमें हाथ बाहूपर मार्ना; ताड; तडाग।
तालवृन्त, सं. पुं. ताडका पङ्खा।
तालव्य, सं. पुं. जो अक्षर तालूसे उच्चारण करें।

ताला, सं. पुं. बन्द कर्नेका यन्त्र, कुफल।
ताली, सं. स्त्री. कुञ्जी, चाबी; दोनों हाथके पीटने से जो शब्द।
तालु, ⎫ सं. पुं. मुखमें ऊपरका
तालू, ⎭ स्थान।
ताव, सं. पुं. ताप; क्रोध; बल; चटक; ऐंठ; कागजका दो पत्र; कस।
तावत्, अ. एत्ता, यहाँतक।
तावना, स. क्रि. गरम कर्ना; कसना; ऐंठना।
ताश, सं. पुं. लप्पा।
तास, सं. पुं. गंजीफा; लप्पा।
तासु, ⎫ सर्व. उसका।
तासुकौ, ⎭
ताहि, सर्व. उसको।
ताहिरी, सं. स्त्री. भोजन विशेष।
तिकोनिया, गु. जिसका तीन कोना।
तिक्का, सं. पुं. माँसका छोटा टुकडा।
तिक्त, गु. तीता।
तिखराकर्ना, स. क्रि. तीन बेर जोतना।
तिखार्ना, स. क्रि. ठहराना, सच कर्ना; यत्नसे पूछना; तीन बेर जोतना।
तिगुण, ⎫ गु. जिसका तीन गुण है,
तिगुना, ⎭ तिहारा।
तिजरी, ⎫ सं. स्त्री. अन्तरिया।
तिजारी, ⎭
तित, अ. तत्र।
तितना, गु. पुं. ⎫ अवधिका निश्चय
तितनी. स्त्री. ⎭ बोधक।
तितरबितर, गु. भिन्न भिन्न।
तिथि. सं. स्त्री. चन्द्रकला की क्रिया कर्के उपलक्षित काल, दिन।
तिदरी, गु. तीन द्वारका स्थान।
तिधारा, सं. पुं. पौधा विशेष; तीन धाराका सङ्गम।
तिनकना, अक. क्रि. धडकना; फडफडाना; टीसना।
तिनका, सं. पुं. डाँठी वा टहनीका छोटा२ टुकडा।
तिन्नी, सं. स्त्री. चावल विशेष।
तिबारा, गु. तीन बेर; तिदरी।
तिमिर, सं. पुं. अन्धकार।
तिय, सं. स्त्री. स्त्री।
तिरखूँटी, सं. स्त्री. तीन कोनका अस्त्र विशेष।
तिरछा, गु. टेढा, आडा; हटीला।
तिरछाना, स. क्रि. टेढा कर्ना। अक. क्रि. हटीला होना।
तिरतिराना, अक. क्रि. रिसना, झिरझिराना।
तिरना, अक. क्रि. पैरना।
तिरपद, सं. पुं. तिपाई।
तिरपन, गु. पचास और तीन ५३
तिरपौलिया, सं. पुं. धनुष आकारके तीन द्वारका स्थान।
तिरफला, सं. पुं. हड, बहेडा, आँवला।
तिरभङ्गा, गु. तिरछा खडा होना।
* तिरभङ्गी, सं. स्त्री. छन्द विशेष।
तिरसठ, गु. साठ और तीन ६३।

तिरस्कार, सं. पुं. अपमान, अवज्ञा।
* तिरोहित, गु. छिपा हुआ, गुप्त;
तिर्मिरा, सं. पुं. तेलकी बूंद जो पानीपर बहती है।
तिर्मिराना, अक. क्रि. झूलना, लहनी, थरथराना; चमकना जैसे तेलकी बूंद पानीपर।
तिर्मिराहट, सं. स्त्री. थरथराहट, फरफराहट।
तिर्मिरी, सं. स्त्री. घुमडी।
तिल, सं. पुं. पौधा विशेष, जिसके बीजसे तेल निकालते हैं; शरीरका चिह्न विशेष; क्षण।
तिलक, सं. पुं. ललाटमें विहित चन्दनादि; टीका।
तिलकुट, सं. पुं. मिठाई विशेष।
तिलङ्गा, सं. पुं. तैलङ्गा।
तिलङ्गी, सं. स्त्री. गुड्डी।
तिलचट्टा, सं. पुं. कीट विशेष।
तिलचावली, सं. स्त्री. तिल और चावलकी मिलौनी; कालाबाल और श्वेत बालकी मिलौनी।
तिलचूरी, सं. स्त्री. मिठाई विशेष।
तिलडा, सं. पुं. तीन लडका भूषण विशेष।
तिलवर, सं. पुं. पक्षी विशेष।
तिलहा, गु. तेलिया।
तिलुआ, सं. पुं. मिठाई विशेष।
तिल्ली, सं. स्त्री. पिलई।
तिष्य, सं. स्त्री. आठवाँ नक्षत्र।
तिसरायत, सं. पुं. मध्यवर्त्ती।
तिसूत, सं. पुं. औषधि विशेष।
तिहत्तर, गु. सत्तर और तीन ७३
तिहरा, गु. तिगुना, तिलडा।
तिहराना, स. क्रि. तिहरा करना।
तिहरावट, सं. स्त्री. त्रिगुण करनेका कार्य्य।
तिहरे, सर्व. तिहारे।
तिहाई, सं. स्त्री. तीसरा भाग।
तिहायत, सं. पुं. तिसरायत।
तिहारी, स्त्री.
तिहारे, पुं. } सर्व. तेरी, तेरे।
तिहारो, पुं.
तिच्छण, } गु. तीक्ष्ण।
तीखा,
तीखी, गु. स्त्री. सूक्ष्म स्वर।
तीखुर, सं. पुं. श्वेत वस्तु जिसका हिन्दू लोगोंमें व्रतके दिन फलाहार करके खाते हैं।
तीज, सं. स्त्री. तृतीया।
तीजा, सं. पुं. मनुष्यके मरनेका तीसरा दिन।
तीछन, गु. तीक्ष्ण।
तीत, गु. तीता।
तीतर, सं. स्त्री. पक्षी विशेष।
तीतरी, सं. स्त्री. पतङ्गा विशेष।
तीता, गु. कडुआ, पडपडा, तीखा।
तीन, गु. त्रि ३।
तीनतेरह, गु. तितरबितर।
तीय, सं. स्त्री. स्त्री।
तीयल, सं. स्त्री. स्त्रीके पहिरनेके तीनो वस्त्र।
तीर, सं. पुं. समुद्र वा नदीका तट। अ. निकट।
तीरथ, } सं. पुं. पुण्यस्थान, यात्रा।
तीर्थ,

तीव्र, गु. अत्यन्त ; कडुवा ; तीता।
तीसरा, गु. तृतीय।
तीसी, सं. स्त्री. अलसी।
तीक्ष्ण, गु. पडपडा, तत्ता ; क्रोधी, जाँजिया ; पैना ; तीता।
तुक, सं. स्त्री. पद, सम्बन्ध।
तुकला, सं. पुं. }
तुकली, सं. स्त्री. } छोटा पतङ्ग विशेष।
तुक्कल, स्त्री. }
तुक्का, सं. पुं. वाण जिसकी अङ्कडी नहीं है, छोटा पहाड।
तुङ्ग, गु. ऊचा, लम्बा।
तुच्छ, गु. शून्य ; कुत्सित, अपमानी।
तुडाना, स. क्रि. तोडाना।
तुतई, सं. स्त्री. तूतई।
तुतराना, }
तुतलाना, } अक. क्रि. अधूरा बोलना जैसे छोटे बालक बोलते हैं।
तुनतुनाना, अक. क्रि. शरराटा देना।
तुन्दिल, गु. तोंदैल।
तुन्न, सं. पुं. वृक्ष विशेष।
तुपक, सं. पुं. बन्दूक।
तुमतनौ, सर्व. तुम्हारा।
तुमाई, सं. स्त्री. तुमानेका पैसा।
तुमाना, स. क्रि. धुनवाना।
तुमुल, सं. पुं. रौला, ऊलड्।
तम्बा, सं. पुं. लौका।
तुम्बी, सं. स्त्री. लौकी ; बजानेका यन्त्र जो मदारी बजाते ह।
तुरई, सं. स्त्री. तरकारी विशेष।
* तुरक, सं. पुं. तुरुक।
तुरग, }
तुरङ्ग, } सं. पुं. घोडा।

तुरत, }
तुरन्त, } अ. शीघ्र, अभी।
तुरपना, स. क्रि. सीना, टाँकना।
तुरही, सं. स्त्री. वाद्य विशेष, नरसिंघा।
तुरी, सं. स्त्री. तुरही।
* तुरुक, }
* तुरुष्क, } सं. पुं. यवन।
तुर्त्त, }
तुर्त्तफुर्त्त, }
तुर्त्ताव, } अ. तुरन्त, शीघ्र।
तुर्त्तीफुर्त्ती, }
तुल, गु. तुल्य।
तुलना, अक. क्रि. तुलापर चढना।
तुलसा, }
तुलसी, } सं. स्त्री. छोटा वृक्ष जो विष्णु वा सालिग्राम को चढाते हैं।
तुला, सं. स्त्री. तराजू ; अपने देहके बराबर दान विशेष।
तुली, सं. स्त्री. मोटीसींक ; चित्र लिखनेकी कलम।
तल्य, सं. पुं. समान।
तुष, सं. पुं. धान्यादिका छिलका।
तुषार, सं. पुं. शीत, पाला, हिम।
तुष्ट, गु. प्रसन्न, तृप्त।
तुष्टता, सं. स्त्री. प्रसन्नता, तृप्ति।
तुझी, सर्व. तुजको।
तू, सर्व. मध्यम पुरुषका एक वचन।
तूताँकनौ, स. क्रि. तूकानौ।
तूँवा, सं. पुं. तुम्बा।
तूँबी, सं. स्त्री. तुम्बी।
तूकानौ, स. क्रि. अलेतबे कनौ।

तूण, } सं. पुं. शर रखनेका
तूणीर, } घर।
तूतई, सं. स्त्री. तुतई, टोंटीदार मृत्तिकाका पात्र।
तूतिया, सं. पुं. नीलाथोथा।
तून, सं. पुं. तूण; वृक्ष विशेष।
तूमना, स. क्रि. रूईको हाथसे बनाना।
तूर्ण, अ. शीघ्र।
तूल, सं. स्त्री. निर्बीज रूई।
तूवर, सं. पुं. राजपूतोंमें जाति विशेष।
तूहिन, सं. पुं. हिम, पाला।
तृण, सं. पुं. घास।
तृणवत्, गु. घासके समान, निकम्मा।
तृतीय, गु. तीसरा।
तृप्त, गु. सन्तुष्ट।
तृप्ति, सं. स्त्री. भोजनादि करके सन्तोष।
तृषा, सं. स्त्री. प्यास।
तृषावन्त, गु. प्यासा।
तृष्णा, सं. स्त्री. प्यास; लालच, अभिलाषा।
तृषार्त्त, गु. पिपासा करके व्याकुल।
ते, सर्व. वे, ये।
ते, अ. से।
तैं, सर्व. तू। अ. से।
तेंतालीस, गु. चालीस और तीन ४३।
तेंतीस, गु. तीस और तीन ३३।
तेंदुआ, सं. पुं. चीता विशेष।
तेंदू, सं. पुं. फल विशेष।
तेईस, गु. बीस और तीन २३।

तेज, सं. पुं. दहक, प्रताप, बल; अग्नि।
तेजपात, सं. पुं. तजकी पत्ती।
तेजमान, } गु. प्रतापी, चमकीला।
तेजवन्त, }
तेजस्कर, सं. पुं. वीर्य बढावनेहारा अन्न, पुष्टई।
तेजस्वी, } गु. प्रतापी, दीप्ति-
तेजोमय, } मान।
तेता, अ. तितना।
तेमन्, सं. पुं. ओदा, गिलाई; व्यञ्जन।
तेरस, सं. पुं. त्रयोदशी।
तेरह, गु. बारह और एक १३।
तेरुस, सं. पुं. तीसरा वर्ष।
तेल, सं. पुं. चिकना।
तेलिन्, सं. स्त्री. तेलीकी स्त्री।
तेलिया, सं. पुं. रङ्ग विशेष।
तेली, सं. पुं. जाति विशेष जो तेल बेचते हैं।
तेवर, सं. पुं. घुमडी।
तेवराना, अक. क्रि. घुमडीमें होना, गिरपडना।
तेवरी, सं. स्त्री. घुडकी।
तेवहार, सं. पुं. पर्व्व।
तेह, सं. पुं. क्रोध, झांझ।
तेहर, सं. स्त्री. स्त्रीके पैरका गहना।
तेहा, सं. पुं. तेह।
तेही, अ. अभी।
तैरना, स. क्रि. पैरना।
तैल, सं. पुं. तेल।
* तैलङ्ग, सं. पुं. कर्नाट देशके लाग।
तैलङ्गा, सं. पुं. तैलङ्ग देशके लोग, इङ्गरेजोंके प्यादे।

तैसा, गु. तिसके समान। अ. योंकर।
तो, अ. तब, तदा; निस्सन्देह। सर्व. तुझ।
तौं, अ. योंकर।
तोंद, सं. स्त्री. बडा पेट।
तोंदी, सं. स्त्री. नाभि।
तोंदैल, } गु. जिसका पेट बडा है।
तोंदैला, }
तोंहीं, अ. तभी, उसी क्षणमें।
तोड, सं. पुं. फूट; नदीके धाराका बल; दहीका पानी।
तोडना, स. क्रि. फोडना; रुपया भुनाना।
तोडल, सं. पुं. कडा।
तोडवाई, सं. स्त्री. मुद्रा भुनवानेका पैसा।
तोडवाना, स. क्रि. फोडवाना; मुद्रा भुनवाना।
तोडा, सं. पुं. चटका; सहस्र रुपयेकी थैली; रञ्जकमें आग लगानेके लिये वस्त्र विशेष; चर; चो; साँकरके समान गलेका गहना।
तोडाना, स. क्रि. तोडवाना।
तोतला, गु. हकला।
तोतलाना, अक. क्रि. हकलाना।
तोता, सं. पुं. } सुगा, शुक।
तोती, स्त्री. }
तोपना, स. क्रि. ढाँकना, गाडना।
तोपाना, स. क्रि. गडवाना।
तोबडा, सं. पुं. थैली जिसमें घोडेको दाना देते हैं।
तोय, सं. पुं. जल।

तोर, सं. पुं. दलहन विशेष। सर्व. तेरा।
तोरण, सं. पुं. फूलोंकी माला जो पर्वमें फाटकपर लोग लगाते हैं।
तोरी, सं. स्त्री. ककरी विशेष।
तोल, सं. स्त्री. तौल।
तोलक, } सं. पुं. बाट जो बारह वा
तोला, } सोलह माषेभर है।
तोष, सं. पुं. हर्ष, तृप्ति।
तोहि, सर्व. तुझको।
तौ, अ. तब, तो।
तौंसना, अक. क्रि. धूपके कारणसे शिथिल होना।
तौरेत, सं. स्त्री. पुरानी इञ्जीलका एक भाग।
तौल, सं. पुं. जोख, परिमाणकी क्रिया।
तौलना, स. क्रि. जोखना, परिमाण कर्ना।
तौलवाई, } सं. स्त्री. तौलनेका पैसा।
तौलाई, }
तौलाना, स. क्रि. जोखवाना।
तौलिया, सं. पुं. } हिन्दू लोगोंका
तौली, स्त्री. } पात्र विशेष।
तौही, अ. अभी।
तौहू, अ. तथापि।
त्यक्त, गु. जिसको त्याग दिया।
त्याग, सं. पुं. छोडाव, वैराग्य।
त्यागना, स. क्रि. छोडना।
त्यागी, गु. वैरागी, छोडनेहारा।
त्याज्य, गु. जो त्यागनेके योग्य है।

त्यों, अ. तैसे, इस् प्रकारसे, एकही समयमें।
त्योंधा, गु. चुन्धला।
त्रय, गु. त्रि।
त्रयोदशी, सं. स्त्री. तेरस।
त्राण, सं. पुं. रक्षा, निस्तार, उद्धार।
* त्राणकर्त्ता, सं. पुं. रक्षक।
त्राणी, सं. पुं. त्राणकर्त्ता।
त्रास, सं. पुं. भय।
त्रासा, } गु. भयमान्।
त्रासित, }
त्राह, } अ. दया चाहनेका शब्द,
त्राहि, } पश्चात्तापका शब्द।
त्रि, गु. तीन, परन्तु यह शब्द विशेषके आगे योग होता है, जैसे त्रिलोक,त्रिनेत्र,त्रिशूल,इत्यादि।
त्रिंश, गु. तीसवाँ।
त्रिंशत, गु. तीस।
त्रिकोण, सं. पुं. तीन कोन।
त्रिगुण, गु. तीन बेर।
त्रिदोष, स. पुं. रोग विशेष जिसमें कफ रक्त पित्त बिगडे है।
त्रिपद, सं. पुं. तिपाई।
त्रिपुण्ड, सं. पुं. शाक्त मतका तिलक विशेष जो आडा है; वैष्णव का तिलक जो ठाडा देते हैं।
त्रिपौलिया, सं. पुं. तीनद्वार का मार्ग।
त्रिफला, सं. पुं. हड बहेडा आंवला इन तीनोंकी मिलौनी।
त्रिभङ्गा, गु. तिर्छा खडा होना।
* त्रिभङ्गी, सं. पुं. छन्द विशेष।
त्रिभुवन, सं. पुं. स्वर्ग मर्त्य और पाताल ये तीन।
त्रिया, सं. स्त्री. स्त्री.।
त्रिलोक, सं. पुं. त्रिभुवन।
त्रिलोकी,सं. स्त्री. तीन लोकका समुदाय।
त्रिशूल, सं.पुं. महादेवका अस्त्र विशेष।
त्रुटि, सं. स्त्री. टूट, न्यूनता।
त्रेता, सं. पुं. दूसरा युग।
त्रोटक, सं. पुं. छन्दो विशेष।
त्वक, सं. स्त्री. छाल; स्पर्श इन्द्रिय।
त्वचा, सं. स्त्री. छिलका, बकला।
त्वरा, सं. स्त्री. उतावली।

थ

थ, देवनागरी वर्णमालाके हल वर्णोंमेंका सत्रवाँ अक्षर।
थई, सं. स्त्री. वस्त्रादिकी ढेर।
थँब, }
थँबा, } सं. पुं. खंभ, थूनी।
थँभ, }
थँभना, अक. क्रि. ठहरना, रुकना; संभलना।
थक, सं. पुं. थक्का।
थकथक, गु. लथपथ।
थकना, अक. क्रि. मांदा, होना, हारना।
थका, गु. मांदा, हारा।
थकाना, स. क्रि. मांदाकर्ना, हराना।
थकित, गु. थका, जो रुकगया, अचम्भित।

थक्का, सं. पुं. चक्कान।
थन, सं. पुं. गौआदिका स्तन।
थनी, सं. स्त्री. घोडेका दोष विशेष।
थनेला, सं. पुं. थनमें रोग विशेष।
थनेसरी, सं. पुं. कुरुक्षेत्रके ब्राह्मण।
थपक, सं. पुं. थाप।
थपडा, सं. पुं. थप्पड, चपेटा।
थपडी, सं. स्त्री. तालो।
थपेडा, सं. पुं. चपेटा।
थप्पड, सं. पुं. चपेटा।
थम्ना, थम्बना, थम्भना, अक. क्रि. रुकना, थंभना।
थर, सं. पुं. सिंह और शेरका खोह।
थरथर, गु. कम्प।
थरथराना, अक. क्रि. काँपना, कम्पना, हलहलाना।
थरथराहट्, थरथरी, सं. स्त्री. कम्पाहट्।
थरहर्ना, थरहराना, थर्राना, अक. क्रि. काँपना, कम्पना, हलहलाना।
थल, सं. पुं. भूमि, स्थल।
थलकना, अक. क्रि. धडकना, तलप्ना।
थलथलकर्ना, थलथलाना, अक. क्रि. हिलना, जैसे स्थूल मनुष्यका माँस हिलता है।
थलिया, सं. स्त्री. भोजन कर्नेका पीतल आदिका पात्र।
थवई, सं. पुं. राज, घरकारी।
थाँग, सं. स्त्री. चोरोंकी माँद।

थाँगी, सं. पुं. चोर धनिक।
थाँभ, सं. पुं. स्तम्भ।
थाँभना, स. क्रि. टेकना; आडदेना; अटकना; रोकना; सहायता कर्ना।
थाँवला, सं. पुं. वृक्षादिकी रक्षाके लिये वा पानी सींचनेके लिये घेरा।
थाकना, अक. क्रि. थकना।
थाथी, वा-ती, सं. स्त्री. धरोहर।
थान, सं. पुं. सारा कपडा; अश्वादिके रहनेका स्थान; मुद्रा; कक्ष।
थाना, सं. पुं. रक्षा कर्नेवालोंका स्थान; बाँसका ढेर।
थानी, सं. पुं. स्थानका स्वामी; थाँगी।
थाप, सं. स्त्री. धौल, थप्पड; पशुका पाँव।
थापना, स. क्रि. थोपना; धौलियाना। सं. पुं. व्यवहार विशेष।
थापा, सं. पुं. पशुके पाँवका चिन्ह।
थापी, सं. स्त्री. थापनेसे जो शब्द; काष्ठका अस्त्र जिस्से छत पीटते हैं।
थाम, सं. पुं. थम्भ।
थाम्भना, स. क्रि. थाँभना।
थार, थाल, सं. पुं. भोजन कर्नेका बडा पात्र।
थाला, सं. पुं. थाँवली, थाल।
थाली, सं. स्त्री. भोजन कर्नेका पात्र।
थाह, सं. स्त्री. नदीका स्थान जहाँ पाँवसे पार उतर जाय; नदीकी तली।

थाही, सं. स्त्री. थाहपना।
थिर, गु. स्थिर।
थिरकना, अक. क्रि. चमत्कार कर्के नाचना।
थिरता, सं. स्त्री. स्थिरता।
थिराना, स. क्रि. बैठाना, ठहराना।
थीर, गु. सुखित; स्थिर, मन्दा।
थुकथुकाना, अक. क्रि. रोगका नाम सुनके उस्से रक्षा पानेके लिये थूकना; वा कुदृष्टि दूर कर्नेके लिये थूकना।
थुकाना, स. क्रि. थूक फिकवाना; निन्दा कर्वाना।
थुथकार्ना, स. क्रि. तुच्छकर्के किसूको बाहर कर्ना।
थुथनी, सं. स्त्री. अश्वादिका मुँह।
थुथाना, स. क्रि. भवेंटेढी कर्ना।
थूक, सं. पुं. मुखमेंका पानी।
थूकना, स. क्रि. मुखमें से पानी फेंकना।
थूणी, सं. स्त्री. थूनी।
थूथडा, } अश्वादिका मुंह।
थूथना, सं. पुं. } अश्वादिका मुंह।
थूथनी, स्त्री. } अश्वादिका मुंह।
थूनी, सं. स्त्री. धरन, टेकन।
थूहर, सं. पुं. पौधा विशेष।
थेईथेई, सं. स्त्री. चहलपहल।
थेगली, सं. स्त्री. कपडेमें जोड्।
थेवा, सं. पुं. नग।
थैला, सं. पुं. } दुलमियान,बटुआ।
थैलिया, स्त्री. } दुलमियान,बटुआ।
थैली, स्त्री. } दुलमियान,बटुआ।

थोक, सं. पुं. समूह, ढेर, रोक; भाग।
थोड,सं.पुं.फले केलेके वृक्षमेंका गर्भ।
थोडा, गु. अल्प।
थोथला, गु. भोता।
थोथा, सं. पुं. औषधि विशेष; फल रहित तीर। गु. छूछा, पोपला।
थोप, सं. पुं. पालकीके बाँसके अन्तका भूषण।
थोपना, स. क्रि. टेकना; छोपना; गाँजना, बटोर्ना।
थोपियाना, अक. क्रि. बुन्दियाना, झिझिराना।
थोपी, सं. स्त्री. धप्पा।
थोहर, सं. पुं. थूहर।

द

द, देवनागरी वर्णमाला के हल वर्णोंमें का अठारहवाँ अक्षर; यह अक्षर जब शब्द के अन्तमें आवे तब उस्का अर्थ देनेहारा हो।
दंश, सं. पुं. बनकी मकडी; दाँत।
दंशन, सं. पुं. दाँतोंसे काटना।
दखन, सं. पुं. दक्षिण।
दगड, सं. पुं. ढक्का, डङ्का।
दगडा, सं. पुं. पैंडा।
दगडाना, स. क्रि. दौडाना, डगडाना।
दगदगा, गु. चमकीला।
दगदगाना, अक. क्रि. दहकना, तमतमाना, चमकना।
दगदगाहट, सं. स्त्री. चमकाहट।

दगधना, स. क्रि. जलाना; छेडना, सताना; डाँटना; युक्ताना।
दगला, सं. पुं. भारी रूईका वस्त्र।
दग्ध, गु. जो जल गया।
दग्धा, गु. जला; वार विशेष, वा मासयुक्त तिथि।
दङ्गल सं. पुं. चौकी विशेष।
दङ्गा, सं. पुं. रौला।
दङ्गैत, गु. रौला वा दङ्गा कर्नेहारा।
दट्ना, अक. क्रि. अडना, साम्ना कर्ना।
दण्ड, सं. पुं. शासन; छोडौती; घडी; लाठी।
दण्डवत, सं. स्त्री. डण्डवत्।
दण्डादण्डी, सं. पुं. परस्पर दण्ड लेके युद्ध, लाठालाठी।
दण्डायमान, सं. पुं. दण्डकी न्याँई खडा।
दण्ड्य, गु. दण्ड देनेके योग्य।
दतवन, दतून, दतौन, सं. पुं. दन्तधावन।
दत्त, गु. जो दिया गया।
ददियाल, सं. पुं. दादाका घराना, पुरखे।
ददोडा, सं. पुं. मच्छरादि के काटनेसे जो सूजन।
दधि, सं. पुं. दही।
दधिकाँदो, सं. पुं. जन्माष्टमीके दूसरे दिनका पर्व।
दन्त, सं. पुं. दाँत।
दन्तशूल, सं. पुं. दाँतकी पीडा।
दन्ती, सं. पुं. हाथी।
दन्तुर, दन्तैल, दन्तैल, गु. जिसके दाँत ओष्ठसे नहीं ढके जाँय; और जिस जन्तुके बडे दाँत हैं।
दन्त्य, गु. दन्ती, अर्थात् जिन् अक्षरोंका उच्चारण दाँतसे होता है।
दन्दनाना, अक. क्रि. विराजना।
दन्ना, सं. पुं. इन्द्रिय, लिङ्ग।
दपट, सं. स्त्री. दौड।
दपट्ना, अक. क्रि. दौडना; डाँटना।
दपटाना, स. क्रि. दौडाना।
दबकना, अक. क्रि. छिप रहना; घातमें बैठना।
दबकर, सं. स्त्री. कल।
दबकाना, स. क्रि. धमकाना, डाट्ना; लुकाना।
दबकी, सं. स्त्री. दाँव, छिपकी।
दबकीला, दबकेल, गु. घुसडू, दबकनेहारा।
दबङ्ग, दबङ्गा, गु. कुशील, कुढंग।
दबा, सं. पुं. दाँव, घात।
दबाना, स. क्रि. दाबना, निचोड्ना; डाँट्ना।
दबायडालना, स. क्रि. छिपाय रखना।
दबाव्, सं. पुं. पराक्रम; अधोनता।
दबीला, सं. पुं. औषधि विशेष; बैठा, चप्पू।
दबेपाँव, अ. होले, धीमे।
दबेल, सं. पुं. प्रजा।

दबोचना, स. क्रि. दबाय डालना।
दम, सं. पुं. मनका अग्रे बसमें रखना।
दमक, सं. स्त्री. दहक, दाह; झलक।
दमकना, अक. क्रि. झलकना।
दमडा, सं. पुं. सम्पति।
दमडो, सं. स्त्री. पैसेका आठवाँ भाग।
दमदमाना, स. क्रि. हिलाना।
दमन, सं. पुं. सूर्मा; पुष्प विशेष; अधीनता।
दमना, अक. क्रि. झमकना, लहकना; लचकना।
दमाना, स. क्रि. लचकाना, निऊराना।
दमामा, सं. पुं. डङ्का।
दम्पती, सं. पुं. स्त्री पुरुष।
दम्भ, सं. पुं. अहंकार, घमण्ड।
दम्भो, गु. अहंकारी, घमण्डी।
दम्य, गु. शास्य। सं. पुं. खैला।
दया, सं. स्त्री. कृपा, करुणा; दान, वितरण।
दयायुत, दयालु, दयावान्, दयाशील, } गु. कृपावन्त, मिलनसार; मायावन्त; दाता।
दयौ, गु. दिया, दत्त।
दर, सं. पुं. मोल, भाव।
दरकना, अक. क्रि. चिरजाना, फटना।
दरकाना, स. क्रि. फाडना।
दरदर, सं. पुं. ईंगुर, सिन्दूर।
दरदरा, गु. अधकूटा।
दरमाहा, सं. पुं. महीना।
दरस, सं. पुं. दर्श।
दरही, सं. स्त्री. मछली विशेष।
दरांती, सं. स्त्री. हंसुआ।
दरार, सं. पुं. फटा, चीर।
दरिद्र, सं. पुं. } दीनता, कङ्गालता।
दरिद्रता, स्त्री. }
दरिद्री, गु. दीन, कङ्गाल।
दर्प, सं. पुं. अहङ्कार, अभिमान।
दर्पण, सं. पुं. मुकुर, आदर्श।
दर्भ, सं. पुं. कुश।
दर्राना, अक. क्रि. डर और विलम्ब से रहित आगे जाना, निडर होके आगे बढजाना।
दर्वी, सं. स्त्री. कर्छी।
दर्श, सं. पुं. दृष्टि; परिवा, प्रतिपद।
दर्शन, सं. पुं. दृष्टि, भेंट।
दर्शनधारी, गु. सुन्दर।
दर्शनी, सं. स्त्री. ऊण्डी जिस्के देखतेही रुपया दिया जाय; भेंट। गु. देखनेके योग्य अर्थात् सुडौल।
दल, सं. पुं. पत्ता; बडी सेना; ढेर।
दलक, सं. स्त्री. झलक।
दलकना, अक. क्रि. झलकना।
दलदल, सं. स्त्री. धसाव, पाँका।
दलदलाना, अक. क्रि. कांपना, थरथराना।
दलदलाहट्, सं. स्त्री. थरथराहट्।
दलन, सं. पुं. दोटूक कर्नेका काम।

दलना, स. क्रि. दोटूक कर्ना।
दलबादल, सं. पुं. मेघोंका समूह।
दलवाना, स. क्रि. दोटूक कर्वाना।
दलवैया, सं. पुं. दलनेहारा।
दलाना, स. क्रि. दलवाना।
दलिद्र, सं. पुं. } दरिद्र।
दलिद्रता, स्त्री, }
दलिद्री, गु. दरिद्री।
दलिया, सं. पुं. अधकुट्टा।
दलिहन, सं. स्त्री. जो अन्न दोटूक कर्नेके योग्य है जैसे चनाआदि।
दलैंती, सं. स्त्री. छोटी चक्की।
दश, गु. दस।
दशन, सं. पुं. दांत।
दशम, गु. दसवीं।
दशमी, सं. स्त्री. दसवीं तिथि।
दशा, सं. स्त्री. अवस्था, गत।
दशांश, सं. पुं. दशवां अंश।
दस, गु. दश, १०।
दसन, सं. पुं. दशन।
दसम, गु. दशम।
दसमी, सं. स्त्री. दशमी।
दसहरा, सं. पुं. चैत्र शुक्ल और आश्विन शुक्लकी दसवीं तिथि।
दसी, सं. स्त्री. सूत; दशा।
दसोला, गु. सुखकी दशामें रहनेहारा।
दसोखा, सं. पुं. पङ्खका झाड़ना।
दसौंद्वार, सं. पुं. शरीरके दश द्वार अर्थात् आँख, कान, नाक, मुंह, लिङ्ग, गुदा, चाँदी; परन्तु चाँदी के विना केवल नव द्वार ठीक है।
दसौंधी, सं. पुं. भाट, बरदैत।

दस्ता, सं. पुं. तामचीनी।
दस्यु, सं. पुं. बैर, चोर।
दस्युवृत्ति, सं. स्त्री. चोरी।
दह, सं. पुं. गहराव्।
दहक, सं. स्त्री. दाह।
दहकना, अक. क्रि. जलना; सन्तापित होना; पछताना।
दहकाना, स. क्रि. जलाना; बिगाड़ना; पश्चात्ताप कर्वाना; गर्माना।
दहडदहडजलना, स. क्रि. महाबलसे जलना।
दहन, सं. पुं. अग्नि।
दहनं, }
दहना, } अक. क्रि. जलना, बलना।
दहनौं, }
दहलना, अक. क्रि. दबना, काँपना।
दहलाना, स. क्रि. कम्पाना।
दहसेरा, सं. पुं. दस सेरका तौल।
दहाडना, अक. क्रि. गरजना जैसे शेर।
दहाना, स. क्रि. जलाना।
दहिना, गु. दक्षिण।
दही, सं. पुं. दधि।
दहेड, सं. पुं. पक्षी विशेष।
दहेंडी, सं. स्त्री. दहीकी हाँडी।
दहेल, सं. पुं. पक्षी विशेष।
दह्यौ, सं. पुं. दही। क्रि. जला।
* दक्ष, गु. निपुण।
दक्षिण, गु. खरा; उदित् सूर्यका बाँवाँ भाग; दहिना।
दक्षिणअक्षांश, सं. पुं. रेखा भूमि से दक्षिणकेन्द्र पर्यन्त जो माप है।

दक्षिणा, सं. स्त्री. करम करवानेके निमित्त ब्राह्मणके लिये दान; काम कर्नेका पैसा।

दक्षिणायन, सं. पुं. कर्कट सङ्क्रान्तिसे धनु संक्रान्तिलग।

दक्षिणीय, गु. दक्षिण देशके मनुष्यादि।

दच्छी, गु. योग्य, सामर्थी।

दाइक, } सं. स्त्री. दायक, देनेहारा।
दाई,

दाई, सं. पुं. दूधपिलाई।

* दाऊ, सं. पुं. पिता वा जेठका नाम।

दाऊदी, सं. स्त्री. झाड विशेष।

दाँड, सं. पुं. दण्ड; चप्पू।

दाँडा, सं. पुं. रीति।

दाँडामेँडा, सं. पुं. सिवाना, छोर।

दाँडी, सं. पुं. नावखेवनेहारा। स्त्री. डण्डी।

दाँत, सं. पुं. दन्त रदन।

दाँतन, सं. पुं. दन्तधावन काष्ठ।

दाँतपीसना, अक. क्रि. किचकिचाना।

दाँताकिलकिल, सं. स्त्री. झगडा, बखेडा।

दाँती, सं. स्त्री. आराका दाँत।

दाँव, सं. पुं. घात, औसर; बारी; होड।

दाख, सं. स्त्री. द्राक्षा।

दाग, सं. पुं. चिन्ह।

दागना, स. क्रि. चिन्ह कर्ना।

दाडिम, सं. पुं. अनार।

दाढी, सं. स्त्री. ठोढीपर के बाल।

दात, सं. पुं. दानपना।

दातन, सं. स्त्री. दन्तधावन।

दाता, सं. पुं. धर्मात्मा, देनेहारा, दयाल।

दात्र, सं. पुं. दराँती विशेष।

दाद, सं. पुं. दद्रु, रोग विशेष।

दादमर्द्दन, सं. पुं. दद्रुमर्द्दन, पौधा विशेष।

दादा, सं. पुं. पिताका पिता; बडा भाई।

दादी, सं. स्त्री. पिताकी मा।

दादुर, सं. पुं. मेंडक।

दादू, सं. पुं. महापुरुष विशेष जिसने अपना पन्थ चलाया है।

दाधना, अक. क्रि. दगधना।

दान, सं. पुं. पुण्यार्थ धनका त्याग, भूर।

दानपत्र, सं. पुं. पुण्यार्थ धनका पत्र।

दानव, सं. पुं. असुर।

दाना, सं. पुं. अश्वादिके खानेका अन्न।

दानी, गु. दाता।

दाबना, स. क्रि. दबाना।

दाम, सं. स्त्री. रस्सी। पुं. पैसेका चौबीसवाँ अंश; मोल।

दामासाही, सं. स्त्री. यथार्थ भागकी कर्त्तव्यता; बखरा; यथार्थ बिहरी।

दामिनी, सं. स्त्री. बिजली।

दामी, सं. स्त्री. यथार्थ बिहरी।

दाम्भिक, गु. दम्भी, अहंकारी।

दाय, सं पुं. पैतृक धन।

दायक, सं. पुं. देनेहारा।

दायजा, सं. पुं. व्याहदान।
दाया, सं. पुं. दावा।
दार, सं. स्त्री. दारा।
दारचीनी, सं. स्त्री. सुगन्ध वेष्टित काष्ठ विशेष।
दारा, सं. स्त्री. स्त्री।
दारिद्री, गु. दरिद्री।
दारिद्र्य, सं. पुं. दरिद्रता।
दारी, सं. स्त्री. लौंडी जो लूटकर्के लाई है।
दारु, सं. पुं. काष्ठ; वृक्ष विशेष।
दारुण, गु. भयानक, असह्य।
दारुमय, गु. जो काष्ठसे निर्मित।
दारू, सं. स्त्री. औषध; मद।
दारूडा, सं. पुं. } मद।
दारूडी, स्त्री. }
दार्ढ्य, सं. पुं. दृढता।
* दाल, सं. स्त्री. चनेआदि अन्नके दो २ खण्ड।
दालगलनीकिसीकी, अक. क्रि जय-होना।
दालिद्र, सं. पुं. दरिद्र।
दालिद्री, गु. दरिद्री।
दाव, सं. पुं. दाँव; कुलहाडी विशेष; वन।
दावना, स. क्रि. गाहना, कुचलदेना।
दावा, सं. पुं. दाईका स्वामी।
दावाग्नि, } सं. पुं. बनमें जन्मकर जो अग्नि बनको दग्ध-करे।
दावानल, }
दास, सं. पुं. भृत्य, सेवक।
दासा, सं. पुं. हंसुआ।
दासी, सं. स्त्री. चेली, सेवकी।

दासता, सं. स्त्री. } लौंडीपना, चेलाई, सेवकाई।
दास्य, पुं. }
दाह, सं. स्त्री. जलन, दहक।
दाहना, स. क्रि. जलाना।
दाहिना, गु. दक्षिण।
दिक, सं. पुं. दिग, दिशा।
दिखलाना, स. क्रि. दिखाना।
दिखाई, सं. स्त्री. सुझाई, लखाई।
दिखाऊ, गु. सुन्दर, सजीला।
दिखाना, स. क्रि. सुझाना, लखाना, बतलाना।
दिखाव, सं. पुं. फडकाव, टीमटाम, हुद्दा।
दिग्, सं. पुं. दिशा, ओर।
दिगम्बर, गु. वस्त्रहीन, नग्न, परम-हंस।
दिगवान्, } सं. पुं. रखवार, पहरु।
दिगवार, }
दिगशूल, सं. पुं. दिशाशूल. किसी दिगमें विदेश जानेके लिये बुरा दिन।
दिग्गज, सं. पुं. एक दिगका रक्षा कर्नेहारा हाथी।
दिग्गी, सं. स्त्री. बडा पोखरा।
दिग्विजयी, सं. पुं. जो सब देशके लोगोंको जीते।
दिढाना, स. क्रि. ठहराना, सच-कर्ना।
दिन, सं. पुं. सूर्यके उदयके सूर्यास्त लग काल, दिवस।
दिनमान, सं. पुं. दिनका परि-माण।
दिनाई, सं. स्त्री. दाद, सेंऊआ।

दिनामार, सं. पुं. देन्मार्कदेशकेलोग।
दिनी, गु. बज्जत दिनके पशु।
दिया, स. पुं. दीपक।
दियासलाई, सं. स्त्री. दिया जलानेके लिये वस्तु विशेष।
दिलवाना, स. क्रि. देनाधातुकी प्रेरणार्थ क्रिया।
दिलवाली, सं. पुं. दिल्लीके रहनेहारे।
दिलवैया, सं. पुं. दिलवानेहारा।
दिलाना, स. क्रि. दिलवाना।
दिवस, } सं. पुं. दिन।
दिवा, }
दिवान्ध, सं. पुं. जो दिनमें नहीं देख सकते अर्थात् उलूकादि।
दिवाला, सं. पुं. ऋण भरनेमें असमर्थ।
दिवाली, सं. स्त्री. कार्त्तिककी अमावस्याका तिहवार।
दिव्य, सं. स्त्री. शपथ; स्वच्छ।
दिश, } सं. स्त्री. पूर्वादि दश।
दिशा, }
दिशाशूल, सं. पुं. दिगशूल।
दिसावर, सं. पुं. देसावर।
दिहरा, सं. पुं. देवालय।
दिहली, सं. स्त्री. डेवढी।
दीखना, अक. क्रि. दिखाई देना।
दीठ, } सं. स्त्री. दृष्टि, दर्शन।
दीठि, }
दीधित, सं. स्त्री. किरण।
दीन, गु. कङ्गाल, आधीन।
दीनता, } सं. स्त्री. दरिद्रता; आधीनता।
दीनताई, }
दीनदयाल, गु. दीनोंपर अनुग्रह कर्नेहारा।
दीनबन्धु, गु. दीनोंका मित्र।
दीना, स. क्रि. देना।
दीनानाथ, गु. दीनोंका स्वामी।
दीनौ, क्रि. दिया।
दीप, सं. पुं. दीवा, द्वीप।
दीपक, सं. पुं. दिया; रागिणी विशेष।
दीपमाला, } सं. स्त्री. दिवाली; दीपोंकी पंक्ति।
दीपमालिका, }
दीप्त, गु. प्रज्वलित, प्रकाशित।
दीप्ति, सं. स्त्री. चमक, प्रकाश।
दीर्घ, गु. लम्बा; गुरु।
दीर्घसूत्री, सं. पुं. जो विलम्बमें कार्यको करें।
दीवट, सं. स्त्री. दीपके रखनेका आधार।
दीवली, सं. स्त्री. छोटा दिया।
दीवा, सं. पुं. दिया।
दीसना, स. क्रि. देखना।
दीक्षा, सं. स्त्री. मन्त्रका ग्रहण।
दुःख, सं. पुं. पीडा, क्लेश, कष्ट, विथा।
दुःखडा, सं. पुं. आपदा, दुर्गत।
दुःखदाई, गु. दुःख देनेहारा।
दुःखना, अक. क्रि. कष्ट होना।
दुःखाना, स. क्रि. दुःख देना।
दुःखित, } गु. पीडित, दुःखसंयुक्त, अभागी; कङ्गाल।
दुःखिया, }
दुःखियारा, }
दुःखियारी, }
दुःखी, }

दुःखशील, गु. जिसका स्वभाव दुष्ट होय।
दुःसमय, सं. पुं. विपतकाल।
दुकड़ा, सं. पुं. पैसेका चौथा भाग।
दुकान, सं. पुं. वस्तु बेचनेका स्थान।
दुगन, ⎫ गु. द्विगुण, दोहरा।
दुगना, ⎭
दुग्ध, सं. पुं. दूध।
दुचित, ⎫ गु. जिसका मन दो ओर
दुचित्ता, ⎭ लगा होवे।
दुत, अ. दूर।
दुतकार, सं. पुं. उरिहना, झिड़क।
दुतकारना, स. क्रि. सांसना।
दुतकारी, सं. स्त्री. सांस, ताड़न।
दुताना, स. क्रि. दबाना; डाँटना।
दुति, सं. स्त्री. चटक, भड़क, सुन्दरता।
दुदही, वा-दुद्धी, सं. स्त्री. औषधि पौधा विशेष।
दुधार, ⎫ गु. दूध देनेहारी।
दुधैल, ⎭
दुन्दुभि, सं. पुं. वाद्य विशेष।
दुपट्टा, सं. पुं. ओढ़नेका वस्त्र विशेष।
दुपहरिया, सं. स्त्री. पुष्प विशेष; मध्याह्न।
दुबधा, सं. स्त्री. सन्देह, अधड़्।
दुबला, गु. दुर्बल।
दुबलाई, ⎫ सं. स्त्री. दुर्बलता।
दुबलापा, ⎭
दुभाषिया, गु. दोभाषाका जाननेहारा।
दुर, अ. शब्दके प्रथममें संयोगिक अव्यय जिसका अर्थ कु, कठिन, बुरा, न्यून, नीच है।
दुरना, अक. क्रि. छिपना, लुकना।
दुरदृष्ट, सं. पुं. मन्द भाग्य।
दुरन्त, गु. अशान्त।
दुराचार, ⎫ गु. जिसका व्यवहार
दुराचारी, ⎭ निन्दित है।
दुरात्मा, गु. पापी, दुष्ट।
दुराना, स. क्रि. छिपाना, लुकाना।
दुरित, सं. पुं. पाप।
दुरी, सं. स्त्री. दूआ।
दुरुखा, गु. जिसकी दोनो ओर एकही हैं।
दुर्ग, सं. पुं. गढ़; घाट।
दुर्गति, सं. स्त्री. कुगति, बुरी अवस्था, दरिद्रता; नरक।
दुर्गन्ध, सं. स्त्री. कुवास।
दुर्गम, गु. औघट, गम्भीर।
दुर्गमता, सं. स्त्री. गम्भीरता।
दुर्घट, गु. जो कष्टसे हो सके, औघट।
दुर्जन, सं. पुं. शत्रु। गु. दुष्ट, अपकारी।
दुर्जनताई, सं. स्त्री. शत्रुता, द्रोह।
दुर्जय, गु. बलवान् शत्रु; जो पराभव नहीं हो सक्ता।
दुर्दशा, सं. स्त्री. बुरी अवस्था, विपत्ति।
दुर्नाम, सं. पुं. अपयश।
दुर्बल, गु. असमर्थ, निर्बल।
दुर्बलता, सं. स्त्री. निर्बलता।

दुर्भगा, गु. स्त्री. अभागिन स्त्री जिसको अपना स्वामी प्यार नहीं करता है।
दुर्भाग्य, गु. प्रारब्धहीन, अभागी।
दुर्भाव, सं. पुं. बुरा स्वभाव।
दुर्भिक्ष, सं. पुं. अकाल, काल।
दुर्मति, सं. स्त्री. कुबुद्धि, मूर्खता।
* दुर्मुख, गु. कठोर भाषी; नाग विशेष।
दुर्मूल्य, गु. महङ्गा.
दुर्योग, सं. पुं. बऊतेरे बाधकोंका एकट्ठा होना।
दुर्लभ, गु. दुःखसे जो मिले, अनोखा।
दुर्लक्षण, सं. पुं. अशुभ चिन्ह।
दुर्वचन, दुर्वाच्य, } सं. पुं. बुरी बात, गाली।
दुलकी, सं. स्त्री. कूकर चाल।
दुलडा, गु. दोलडा, दुगुना।
दुलत्ती, सं. स्त्री. पशुके पिछले दो पैरका चलाना वा छाँटना।
दुलहन, सं. स्त्री. बनी, बनरी, नई वह्न।
दुलहा, सं. पुं. वर, बनरा।
दुलहिन्, सं. स्त्री. दुलहन।
दुलाई, सं. स्त्री. ओढनेका वस्त्र विशेष।
दुलार, सं. पुं. प्यार, स्नेह।
दुवार, सं. पुं. द्वार।
दुशाला, सं. पुं. ओढनेका वस्त्र।
दुष्कर, गु. जो कष्टसे किया जाय।
दुष्कर्म, दुष्कृत, } सं. पुं. कुकर्म, पाप।
दुष्कर्मी, सं. पुं. पापी।
दुष्ट, गु. बुरा, उत्पाती, नीच।
दुष्टता, सं. स्त्री. बुराई, पाप।
दुष्टा, सं. स्त्री. छिनाल।
दुष्नाम, सं. पुं. गाली।
दुश्मन, सं. पुं. शत्रु।
दुश्मनी, सं. स्त्री. शत्रुता, वैर।
दुहाई, सं. स्त्री. न्यायके लिये पुकार; किरिया, हाय।
दुहाईतिहाईकर्ना, स. क्रि. कई बेर दुहाई पुकार्ना।
दुहाना, स. क्रि. दूध निकलवाना।
दुहार, सं. पुं. दूध निकालनेहारा।
दुहिता, सं. स्त्री. कन्या, पुत्री।
दुहेला, गु. कठिन, भारी।
दूआ, सं. पुं. दोका अङ्क।
दूज, सं. स्त्री. दूसरी तिथि।
दूजबर, सं. पुं. जिसने दो व्याह किया।
दूजा, गु. दूसरा।
दूत, सं. पुं. समाचार पहुंचानेहारा, सन्देशी।
दूती, सं. स्त्री. कुटनी।
दूध, सं. पुं. दुग्ध, क्षीर, पय।
दूधिया, गु. दूधका। सं. पुं. अनेक पौधेका नाम जिनका रस दूधके समान है।
दूधी, गु. दूधका, दुधैल। सं. स्त्री. आहार, माँडी; दूधिया।
दूना, गु. दोहरा।
दूब, सं. स्त्री. दूर्वा।
दूबर, गु. दुर्बल; कठिन।
दूबिया, सं. स्त्री. तृणकी हरियाई।

दूर, सं. स्त्री. अन्तर, बीच, व्यवधान। अ. परे।
दूरदर्शी, सं. पुं. विवेकी।
दूरबीन, सं. स्त्री. दूरकी वस्तु देखनेके लिये यन्त्र विशेष। गु. दूरका देखनेहारा।
दूर्वा, सं. स्त्री. तृण विशेष।
दूषण, सं. पुं. दोष।
दूष्य, गु. निन्दित, कुत्सित।
दूसरा, गु. दूजा, अन्य।
दृग, सं. पुं. आँख।
दृढ, गु. पोढा, अचल, कडा।
दृढता, सं. स्त्री. पोढाई, पौरुष।
दृढाना, स. क्रि. पोढा कर्ना।
दृश्य, गु. जो देखनेके योग्य है।
दृष्ट, गु. जो देखा गया है, दृष्टिमान, प्रगट।
दृष्टकूट, सं. पुं. पहेली।
दृष्टान्त, सं. पुं. उपमा; उदाहरण।
दृष्टि, सं. स्त्री. दर्शन, आँख।
देआडा, सं. पुं. दीमक का बनाया ऊआ घर।
देखना, स. क्रि. लखना, दृष्टि कर्ना, विलोकना।
देखवैया, सं. पुं. देखनहार।
देनलेन, सं. पुं. व्यवहार।
देना, स. क्रि. देडालना, सौंपना।
देमार्ना, स. क्रि. पटकोदेना, फेंकदेना।
देय, गु. देनेके योग्य।
देर, देरी, } सं. स्त्री. विलम्ब।

देव, सं. पुं. देवता।
देवकाँडर, सं. पुं. चनसर।
देवगीरी, सं. स्त्री. रागिणी विशेष।
देवगृह, सं. पुं. देवालय।
देवठान, सं. स्त्री. देवोत्थान।
देवता, सं. स्त्री. देव।
देवदत्त, गु. जो कुछ देवतासे दिया गया।
देवदारु, सं. पुं. वृक्ष विशेष।
देवनागर, सं. पुं. हिन्दूके यथार्थ अक्षर।
देवपूजक, सं. पुं. देवताका पूजाकर्नेहारा, पौत्तलिक।
देवपूजा, सं. स्त्री. देवताकी पूजा।
देवर, सं. पुं. पतिका छोटा भाई।
देवराणी, सं. स्त्री. देवरकी स्त्री।
देवल, सं. पुं. मन्दिर, ठाकुरद्वारा।
देववाणी, सं. स्त्री. संस्कृत भाषा।
देवस्थान, सं. स्त्री. देवालय।
देवस्व, सं. पुं. देवताका धन।
देवा, सं. पुं. देव; देनेहारा।
देवाल, सं. पुं. देनेहारा।
देवालय, सं. पुं. देवस्थान, देवताका घर।
देवाला, सं. पुं. दिवाला।
देवालिया, गु. दिवालिया।
देवाली, सं. स्त्री. दिवाली।
देवालेई, सं. स्त्री. लेनदेन।
* देवी, सं. स्त्री. देवताकी स्त्री।
देवोत्थान, सं. स्त्री. कार्तिक शुक्ल पक्षकी दूसरी तिथि जिसमें विष्णु नींदसे उठते हैं।

देश, सं. पुं. पृथ्वीका खण्ड विशेष, लोक।
देशभाषा, सं. स्त्री. देशकी बोली।
देशमात्र, गु. सर्वत्र।
देशाचार, सं. पुं. देशकी रीति।
देशाटन, सं. पुं. देशोंमें फिर्ना।
देशाधिपति, सं. पुं. देशका राजा।
देशाधीश, सं. पुं. देशका रक्षक।
देशान्तर, सं. पुं. दूसरा देश।
देशावर, सं. पुं. परदेश।
देशी, गु. जो देशका है।
देह, सं. स्त्री. शरीर।
देहरा, सं. पुं. देवालय।
देही, गु. शरीरी।
देऊ, क्रि. दे।
दैजा, सं. पुं. कन्यादान।
दैत्य, सं. पुं. असुर।
दैन्य, सं. पुं. दीनता।
दैया, सं. स्त्री. माता।
दैव, सं. पुं. प्रारब्ध, देवके अधीन।
दैवज्ञ, सं. पुं. गणक, ज्योतिषी।
दैवागत, सं. स्त्री. आपदा जो अकस्मात् आती है।
दैवात्, दैवी, } अ. अकस्मात्।
दैहो, क्रि. देओगे।
दो, गु. दूसरी संख्या, २।
दोऊ, गु. दोनो।
दोक, सं. पुं. बछेरा, दो बरस का घोडा।
दोगाना, गु. दोहरा।
दोजीवा, गु. गर्भिणी।
दोजा, गु. दजवर।
दोदना, स. क्रि. मुकर्ना।
दोना, सं. पुं. दौना, पत्तेसे बनाया ऊआ छोटा पात्र; पुष्प विशेष।
दोनाली, गु. बन्दूक जिस्का दो नाल है।
दोनो, गु. दोऊ।
दोपस्ता, गु. गर्भिणी।
दोबर, गु. दोबेर।
दोमुहा, गु. दोमुखका सर्प।
दोल, सं. पुं. झूलनेका उत्सव।
दोष, सं. पुं. निन्दा; अपगुण, चूक, अपराध।
दोषक, सं. पुं. निन्दक, अपगुणी, अपराधी।
दोषी, गु. अपराधी, जिस्में दोष है।
दोषना, स. क्रि. दोष देना।
दोहत्तड्, सं. पुं. दोनो हाथका देमार्ना।
दोहता, सं. पुं. नाती।
दोहती, सं. स्त्री. नतिनी, नातिन्।
दोहन, सं. पुं. रसका खींचना।
दोहन, दोहना, } स. क्रि. दूहना, गार्ना।
दोहनी, सं. स्त्री. दूहनेका पात्र।
दोहर, सं. पुं. ओढनेका दोहरा वस्त्र विशेष।
दोहरा, गु. द्विगुण, दोलड्।
दोहराव, सं. पुं. दोहरानेका कार्य्य।
दोहा, सं. पुं. छन्द विशेष।
दोहाई, सं. स्त्री. दुहाई।
दोहान, सं. पुं. दोवर्षका गौका बचा, खेला।

दौड, सं. स्त्री. बहुत शीघ्र चलनेकी चाल, धावा।
दौडधूप, सं. पुं. जतन, परिश्रम।
दौडना, अक. क्रि. बहुत शीघ्र चालसे चलना, धाना।
दौडाक, सं. पुं. दौडनेहारा।
दौडादौडी, सं. स्त्री. वेगावेगी।
दौडाना, स. क्रि. शीघ्र चालसे चलाना।
दौडाहा, सं. पुं. सन्देशी, अगुआ।
दौहित्र, सं. पुं. नाती।
दौहित्री, सं. स्त्री. नतिनी, नातिन।
द्यूत, सं. पुं. जूआ।
द्यौरानी, सं. स्त्री. देवरकी स्त्री।
द्रव्य, सं. पुं. धन; सार, वस्तु।
द्राघिमा, सं. स्त्री. पूर्वसे पश्चिम लगका माप।
द्रावक, गु. घुलावनहार।
द्रावन, सं. पुं. निर्मली।
द्राक्षा, सं. स्त्री. दाख।
द्रुत, सं. पुं. शीघ्र।
द्रुम, सं. पुं. वृक्ष।
द्रोणकाक, सं. पुं. बडा कौवा, ढरकौवा।
द्रोह, सं. पुं. बैर।
द्रोहिया, } सं. पुं. द्रोहकर्नेहारा,
द्रोही, } बैरी।
द्वन्द्व, सं. पुं. युगल, जोडा।
द्वादश, सं. पुं. बारह।
द्वादशी, सं. स्त्री. बारहीं तिथि।
द्वापर, सं. पुं. तीसरा युग।
द्वार, सं. पुं. घरका मुख।
द्वारपाल, सं. पुं. द्वारका रक्षक, डेवढीवान।
द्वारा, अ. कारणसे।
द्वारी, सं. पुं. द्वारपाल।
द्विगुण, गु. दोहरा।
द्विज, सं. पुं. ब्राह्मणादिक तीनवर्ण; दन्त; पक्षी।
द्विजपत्नी, सं. स्त्री. ब्राह्मणी।
द्विजाति, सं. पुं. द्विज।
द्वितीय, गु. दूसरा।
द्वितीया, सं. स्त्री. दूज।
द्विधा, अ. दो प्रकार।
द्विपद, गु. मनुष्य।
द्विरुक्ति, सं. स्त्री. पुनरुक्ति, फेर २ के कहना।
द्विवचन, सं. पुं. द्वित्वसंख्यायुक्त जो शब्द, जिसका भाषामें प्रयोग नहीं है।
द्वीप, सं. पुं. जलके मध्यमें, समुद्रके व्यवधान विना, अनेक देशोंसे युक्त पृथिवीका बडा भाग, टापू।
द्वेष, सं. पुं. वैर, द्रोह; हिंसा।
द्वेषी, सं. पुं. शत्रु, वैरी।
द्वै, गु. दो।
द्वैत, सं. पुं. सन्देह; भेद; दुगनाहट।
द्वैतवादी, सं. पुं. भेदवादी।
द्वैध, सं. पुं. सन्देह; दोखण्ड।
द्वैधीकरण, सं. पुं. छेदन।
द्व्यर्थ, गु. जिसका दो प्रकार से अर्थ होय।

ध

ध, देवनागरी वर्णमालाके हल वर्णोंमेंका उन्नीसवाँ अक्षर।
धँधलाना, स. क्रि. छलना।
धँधा, सं. पुं. काम।
धँधार, गु. उदास, एकाँती।
धँधारी, सं. स्त्री. उदासी, अकेलाई।
धँसना, अक. क्रि. धसना, गड़ना, पैठजाना।
धकधक, सं. पुं. धड़क, भयसे हृदय में कम्प।
धकधकाना, अक. क्रि. धड़कना।
धक्का, सं. पुं. ढकेल, झोंक, ठेला।
धक्काधक्का, सं. पुं. ठेलाठेली।
धगड़ा, धगड़, } सं. पुं. यार, लगुआ।
धज, सं. पुं. चाल, आसन; डौल, रूप।
धजभङ्ग, सं. पुं. नपुंसकी।
धजा, सं. स्त्री. पताका।
धजीला, गु. धज्से चलनेहारा, सुरूप, सजीला।
धज्जी, सं. स्त्री. पुराने कपड़ेका टुकड़ा।
धड़, सं. पुं. देह।
धड़क, सं. स्त्री. फड़क, धड़धड़ाहट्; भय।
धड़कना, अक. क्रि. फड़कना, हिलना, धकधकाना।
धड़का, सं. पुं. भय, सन्देह, दुबधा; धड़क।
धड़काना, स. क्रि. डराना।
धड़धड़ाना, अक. क्रि. धड़कना।
धड़ा, सं. पुं. जथा, पक्ष; तौल, जोख।
धड़ाका, सं. पुं. हड़हड़ाहट, धाएँ धाएँ।
धड़ी, सं. स्त्री. लकीर; पांच सेर का तौल; जितना एक बेर तौला जाय।
धत, सं. पुं. हाथी चलानेका शब्द।
धतूरा, सं. पुं. पौधा विशेष।
धतूरिया, गु. छलिया, बहुरूपिया।
धधकना, अक. क्रि. भभकना, धाँए धाँए जलना।
धन, सं. पुं. द्रव्य, अर्थ, सम्पत्ति, लक्ष्मी।
* धनंजय, सं. पुं. अग्नि।
धनक, सं. स्त्री. गोटेसे बनाई हुई वस्तु जो टोपी आदिमें लगाते हैं।
धनकटी, सं. स्त्री. कपड़ा विशेष; धान काटनेका समय।
* धनत्तर, धनन्तर, धनन्तरी, } गु. धनवान्, धनी।
धनमानी, गु. गुणज्ञदी।
धनवन्त, धनवान्, धनाढ्य, } गु. अर्थवान्, लक्ष्मीवान्।
धनान्ध, गु. धन करके जो अन्ध अर्थात् अहंकारी।
* धनाध्यक्ष, सं. पुं. धनका स्वामी।

धनार्जन, सं. पुं. द्रव्यका उपार्जन।
धनाशा, सं. स्त्री. अर्थकी आशा।
धनासरी, सं. स्त्री. रागिणी विशेष।
धनिक, सं. पुं. महाजन, ऋणका दाता।
धनिया, सं. स्त्री. बीज विशेष।
धनिष्ठा, सं. स्त्री. तेईसवाँ नक्षत्र।
धनी, गु. लक्ष्मीवान्। सं. पुं. स्वामी।
धनु, सं. पुं. धनुष; नवम राशि; चार हाथका परिमाण।
* धनुर्धर, सं. पुं. जिस मनुष्यके पास धनुष रहता है।
धनुष, सं. पुं. शरके फेंकनेका यन्त्र।
धनुही, सं. स्त्री. धुनकी।
धनेश, सं. पुं. पक्षी विशेष।
धन्य, गु. प्रशंसाके योग्य।
धन्यवाद, सं. पुं. स्तुति, कृतज्ञता।
धन्याक, सं. पुं. धनिया।
धप, }सं. पुं. चमेटा, थप्पड़; छलावा।
धप्पा, }
धब्बा, सं. पुं. कपड़ेमें जो लोख।
धमक, सं. स्त्री. भयका सूचक शब्द, पैरोंका शब्द विशेष।
धमकना, अक. क्रि. टीसना; धड़कना; जगमगाना।
धमका, सं. पुं. बड़ी धूप; साँस; भारी वस्तुके गिरनेसे जो शब्द।
धमकाना, स. क्रि. झिड़कना, डाँटना।
धमकाहट, }सं. स्त्री. घुड़की, डाँट्।
धमकी, }
धमधूसड़, गु. मोटा, स्थूल।
धमनी, सं. स्त्री. नाड़ी।
धमाका, सं. पुं. तोप विशेष जो हाथीपर रखते हैं।
धमाचौकड़ी, सं. स्त्री. रौला, बखेड़ा।
धमाधम, सं. पुं. पाँव पीटनेसे जो शब्द।
धमाल, सं. पुं. ताल विशेष; गीत विशेष जिसको होलीमें गाते हैं।
धमोका, सं. पुं. खञ्जरी विशेष।
धरणि, }सं. स्त्री. पृथ्वी।
धरती, }
धरन, सं. स्त्री. कड़ी।
धरना, स. क्रि. रखना; सौंपना; पकड़ लेना। सं. पुं. किसीके द्वार पर बैठके इच्छा भर धन माँगना।
धरनी, सं. स्त्री. पृथ्वी।
धरनैत, सं. पुं. धरना देनेहारा।
धरा, सं. स्त्री. पृथ्वी।
धरातल, सं. पुं. पृथ्वीतल।
धराना, अ. क्रि. ऋणी होना।
धरित्री, सं. स्त्री. पृथ्वी।
धरोहर, सं. स्त्री. थाती।
धर्त्तव्य, गु. ग्राह्य।
धर्त्ता, सं. पुं. ऋणी, धारणिक।
धर्म, सं. पुं. न्याय, कीर्त्ति; पुण्य; व्यवहार, चाल, काम; गुन।
धर्मशाला, सं. स्त्री. धर्म बिचारनेका स्थान।
धर्मशील, गु. भक्तिमान, कीर्त्तिमान्, साधु।

धर्मात्मा, गु. कीर्त्तिमान, साधु। सं. पुं. ईश्वरत्वमें जो तीसरा है उस्का नाम।
धर्माध्यक्ष, सं. पुं. न्यायी, विचार कर्त्ता।
धर्मावतार, सं. पुं. धर्मका अवतार।
धर्मिष्ठ, } गु. धर्ममें जिस्का निष्ठा
धर्मी, } है, पुण्यवान्।
धवल, सं. पुं. शुक्लवर्ण।
धसक्ना, अक. क्रि. गडना, धस जाना।
धसन, सं. पुं. धसान; धसनेकी अवस्था।
धसना, अक. क्रि. घुसिड्ना, खुबना, छिदना, पठ्ना।
धसान, सं. पुं. दलदल, गडन, धसन।
धसाना, स. क्रि. घुसेडना, पैठालना।
धसाव, सं. पुं. धसान।
धाँधत, सं. पुं. नटखटी, फरफन्द, झगडा।
धाँधली, गु. झगडालू, नटखट्।
धाँगर, सं. पुं. जाति विशेष।
धाँयधाँय, सं. स्त्री. तोप चलानेसे जो शब्द, धडाका।
धाँसी, सं. स्त्री. खाँसी, खोँखी।
धाँसना, स. क्रि. खाँसना, खोंखना।
धाई, सं. स्त्री. दूध पिलानेहारी।
धाक, सं. स्त्री. ठाठ, प्रताप; कीर्त्ति; भय, डर; ढाक।
धागा, सं. पुं. सूत्र।
धातु, सं. पुं. ताँबा आदि; वीर्य; क्रिया वाचक शब्द।
धात्री, पुं. स्त्री. आँवला; धाई।
धान, सं. पुं. तुषसे ढका चावल।
धाना, अक. क्रि. दौडना; टहल कर्ना; पूजना, अर्चना।
धानी, सं. स्त्री. चावल विशेष; धानके सदृश जो रङ्ग।
धानुक, सं. पुं. धनुर्द्धार।
धान्य, सं. पुं. धान।
धाप, सं. स्त्री. हाथके दो तिहाईका माप; जहाँतक मनुष्य एक खाससे दौड सके।
धाम, सं. पुं. घर, स्थान।
धामा, सं. पुं. बेतका टोकरा।
धामिन, सं. पुं. सर्प विशेष; काष्ठ विशेष।
धाय, सं. स्त्री. धाई।
धायमार्ना, अक. क्रि. पुकारके रोना।
धार, सं. स्त्री. लकीर; बहाव्; अस्त्रकी बाढ।
धारक, सं. पुं. ऋणी।
धारण, सं. पुं. धारनेकी अवस्था।
धारण, स. क्रि. धारना।
धारणा, सं. स्त्री. खराईमें स्थिरता बुद्धिकी ग्रहण सामर्थ्य।
धारणा, स. क्रि. रखना, सम्भालना; धराना।
धारा, सं. स्त्री. प्रवाह; बहाव्; रीति।
धारावाहिक, गु. विच्छेदविन।

धारित, गु. जो धारण किया गया है।
धारी, सं. स्त्री. लकीर; पौधा विशेष।
धार्म्मिक, गु. पुण्यात्मा, साधु।
धाव, सं. पुं. पौधा विशेष।
धावना, अक. क्रि. फिरा कर्ना; दौडना; चढना; खडना; अर्चना।
धावमान्, गु. दौडता भया।
धावा, सं. पुं. दौड, चढाई; वृक्ष विशेष।
धाह, सं. स्त्री. धराटा, कूक।
धिक, अ. निन्दाका बोधक शब्द, फिट्।
धिक्कार, सं. पुं. फिटकार, शाप; निन्दा।
धिक्कारना, स. क्रि. निन्दा कर्ना, फिटकार्ना।
धिक्कारी, गु. शापित, फिट्कारी।
धिया, सं. स्त्री. बेटी।
धिराज, सं. पुं. महाराज।
धिराना, स. क्रि. धमकाना।
धी, सं. स्त्री. बेटी; बुद्धि।
धीम, सं. पुं. ढील; कोमलता।
धीमर, सं. पुं. धीवर।
धीमा, गु. ढीला, कोमल, मध्यम।
धीमाई, सं. स्त्री. ढील, धीरज।
धीमान्, गु. बुद्धिमान्।
धीमेधीमे, अ. हौलेहौले।
धीर, गु. ढीला; सन्तोषी; जीवट्; स्थिर। सं. पुं. धीरज।
धीरज, सं. पुं. } धैर्य्य, स्थिरता;
धीरता, स्त्री. } साहस।
धीरा, गु. कोमल, सन्तोषी, साहसी, विचारशील।
धीरिया, सं. स्त्री. बेटी।
धीरी, सं. स्त्री. नेत्रमेंकी पुतली।
धीवर, सं. पुं. मच्छीमार, कैवर्त्त।
धुँगार, सं. पुं. छौंकन, बघार।
धुँगार्ना, स. क्रि. बघार्ना।
धुँध, सं. पुं. धुँधलाई।
धुँधकार, सं. पुं. अंधेरा।
धुँधराना, अक. क्रि. अंधा होना।
धुँधला, गु. अन्धला।
धुँधलाई, सं. स्त्री. अन्धेरा, चुन्धलाई।
धुँधेला, गु. छली, ठग।
धुँवा, सं. पुं. धूम।
धुकड्पुकड्, सं. स्त्री. धडक, धडधडाहट्।
धुकडी, सं. स्त्री. छोटी थैली पैसा रखनेके लिये।
धुकधुकी, सं. स्त्री. कण्ठमेंका भूषण विशेष; घबराहट्; सन्देह; ध्यान।
धुत्ता, सं. पुं. धूर्त्तता।
धुन, सं. स्त्री. चसका, लौ; अभ्यास; परिश्रम; दहक; उमङ्ग।
धुनकना, स. क्रि. तूमना।
धुनिया, सं. पुं. तूमनेहारा।
धुन्ना, स. क्रि. तूमना; पीटना, मार्ना।
धुमला, गु. चुन्धा, अन्धा, अन्धेरा।
धुमलाई, सं. स्त्री. अन्धियारा।
धुर, सं. पुं. आरम्भ; अवधि।
धुरपद, सं. पुं. गीत विशेष।

धुरसाँझ, सं. स्त्री. गोधूली।
धुरियाना, स. क्रि. धूल फेंकना; पछोडना, झाडना।
धुरी, सं. स्त्री. काष्ठ वा लोहेकी वस्तु जिस पर पैया फिरता है।
धुलवाना, स. क्रि. धुलाना।
धुलाई, सं. स्त्री. वस्त्र धोनेका काम वा पैसा।
धुलाना, स. क्रि. मैल निकलवाना, वस्त्रको श्वेत कराना।
धुलेंडी, सं. स्त्री. होलीका दूसरा दिन।
धुस्सा, सं. पुं. लोई, ऊर्णवस्त्र विशेष।
धूँआँ, } सं. पुं. धुँवा, धूम।
धूवा, }
धूवारा, सं. पुं. धुँवा निकलनेका स्थान।
धूँवाराना, स. क्रि. धुँआ देना।
धूना, सं. पुं. राल।
धूनी, सं. स्त्री. धुँवा; आग। गु. स्थिर।
धूप, सं. स्त्री. घाम; सुगन्ध द्रव्य जो पूजामें जलाके चढाते हैं।
धूपना, स. क्रि. राल लगाना; धूप जलाना।
धूम, सं. पुं. धुँवा। स्त्री. रौला, बखेडा, उत्पात।
धूमधाम, सं. स्त्री. हल्ला, रौला, गुहार।
धूमरा, }
धूमला, } ग. अरुण, धुँवाका रङ्ग।
धूमा, }
धूमी, गु. उत्पाती।
धूर, सं. स्त्री. धूल।
धूर्त, गु. नटखट, शठ, ठग।
धूर्तता, सं. स्त्री. शठता, ठगाई।
धूल, } सं. स्त्री. रज, रेणु।
धूलि, }
धूहा, सं. पुं. धोखा, पक्षीके डरके लिये जो बीच खेतमें गाडते हैं।
धृत, गु. जो धारण किया जाय, रखा गया।
धृति, सं. स्त्री. धैर्य।
धैंगामुष्टि, सं. स्त्री. घूँसंघूँसा।
धेनु, सं. स्त्री. बच्चे सहित गौ, दुधार।
धेला, सं. पुं. अधेला।
धैर्य, सं. पुं. धीरज।
धोआ, सं. पुं. फलका भेंट।
धोई, सं. स्त्री. भिगाई ऊई दाल।
धोँवाला, सं. पुं. धूआके निकसनेका मार्ग।
धोक, सं. स्त्री. देवताके आगे झुकना।
धोकड, गु. महाबली।
धोखा, सं. पुं. भ्रम; छल, धाँधल; सन्देह; धूहा; असत्, बाफ।
धोता, गु. धूर्त, परपंची।
धोती, सं. स्त्री. कटिमें पहिर्नेका वस्त्र विशेष।
धोना, स. क्रि. पखार्ना, फींचना।
धोप, सं. स्त्री. खड्ग विशेष।
धोब, सं. पुं. प्रक्षालन, धोनेका काम।
धोबिन, सं. स्त्री. धोबीकी स्त्री।

धोबी, सं. पुं. कपडा धोनेहारा।
धोया, गु. प्रक्षालित।
धो, सं. पुं. वृक्ष विशेष।
धौं, सं. पुं. बीस सेरका परिमाण।
धौंक, सं. स्त्री. हंफाहट; काशश्वास।
धौंकना, स. क्रि. धौंकनीसे आग फूकना।
धौंकनी, वा धौंकी, सं. स्त्री. आग बालनेके लिये चमडेकी वस्तु।
धौंताल, गु. धनवान्; बलवान्; सूमा; दुर्जन।
धौंताली, सं. स्त्री. धन; बल; सूमापन; दुर्जनता।
धौंस, सं. पुं. दौड, धंकी।
धौंसा, सं. पुं. बडा डंका।
धौंसिया, सं. पुं. दौड कर्नेहारोंका प्रधान।
धौर, सं. पुं. कपोतकी जाति विशेष।
धौरा, गु. धौला।
धौल, सं. स्त्री. धप्पा, थाप।
धौलधप्पा, सं. पुं. धप्पाधप्पी।
धौला, गु. श्वेत।
धौलाई, स. स्त्री. उज्जलता, गोराई।
धौलाना, धौलियाना, } स. क्रि. थप्पड मार्ना, मुकियाना।
ध्यान, सं. पुं. विचार, सोच, चिन्ता।
ध्यानी, गु. विचारवान्, सोची।
ध्यानौं, ध्यावनौं, } स. क्रि. सोचाना, बिचार्ना।

* ध्रुव, ध्रुवतारा, } सं. पुं. उत्तर दक्षिण केंद्रस्थानमें प्राय स्थिर एक तारा विशेष। गु. स्थिर, सनातन।
ध्रुवपद, सं. पुं. धुरपद, गीत विशेष।
ध्वंस, सं. पुं. नाश।
ध्वजा, सं. स्त्री. पताका।
ध्वनि, सं. स्त्री. शब्द, वाद्यका शब्द।
ध्वनित, गु. संक्षेपसे कथित।

न

न, देवनागरी वर्णमालाके हल वर्णोंमेका बीसवाँ अक्षर। अ. नहीं।
नक, सं. पुं. नाक।
नकचढा, गु. क्रोधी, चिडचिडा।
नकछिकनी, सं. स्त्री. पौधा विशेष।
नकटा, गु. नककटा।
नकडा, सं. पुं. नाकमें रोग विशेष।
नकतोडा, गु. हंसोड; धूर्त्त।
नकसीर, सं. स्त्री. नाककी शिरा।
नकार, सं. पुं. यह शब्द स्वीकारके विरुद्ध है।
नकार्ना, स. क्रि. नकार कर्ना, मुकर्ना।
नकुल, सं. पुं. नेवला, सर्पका बैरी जन्तु विशेष।
नकूआ, सं. पुं. नाक; आण।
नकेल, सं. स्त्री. काठकी वस्तु विशेष जो ऊँटकी नाकमें पहनाते हैं।

नक्का, सं. पुं. पासे वा तासका एक्का।
नक्की, सं. स्त्री. नाकसे बोलना।
नक्कीमूठ, सं. स्त्री. द्यूत विशेष।
नक्कू, गु. अपजसी।
नक्र, सं. पुं. कुम्भीर, मगर।
नख, नखर, सं. पुं. अंगुलियोंके अग्र परका अस्थिभाग।
नखरेखा, सं. स्त्री. खसोट, बकोट्।
नखियाना, स.क्रि. खसोट्ना, बकोट्ना।
नग, सं. पुं. अँगूठीमेंका पाषाण विशेष, मणि; पर्वतादि।
नगचाई, सं. स्त्री. अवाई।
नगचाना, अक. क्रि. पास आना।
नगचाहट, सं. स्त्री. नगचाई।
नगदौना, सं. पुं. पौधा विशेष।
नगन, सं. पुं. हाथी। गु. नग्न।
नगर, सं. पुं. पुरी।
नगरकोट, सं. पुं. काँगडा।
नगरनारी, सं. स्त्री. गणिका, वेश्या।
नगरवर्त्ती, सं. पुं. नगरवासी।
नगरी, सं. स्त्री. छोटा नगर, बसती।
नग्न, नङ्ग, नङ्गा, गु. दिगम्बर, वस्त्रहीन।
नचवाना, नचाना, स. क्रि. नाच कर्वाना।
नचवैया, सं. पुं. नाचनेहारा।
नट, सं. पुं. डीठबन्दोंकी वा नाचनेहारोंकी जाति विशेष, कौतुकी।
नटखट, गु. धूर्त्त, कपटी, छली, फरफन्दिया।
नटखटी, सं. पुं. धूर्त्तता, कपट, छल, फरफन्द।
नट्वर, नठ्वा, सं. पुं. डीठबन्द, टोन्हा।
नटिन, नटिनी, सं. स्त्री. नट्की स्त्री।
नटी, सं. स्त्री. वेश्या।
नटुआ, नटुवा, सं. पुं. नट्वा।
नत, गु. नम्र।
नति, सं. स्त्री. नमस्कार।
नतिनी, सं. स्त्री. दौहित्री।
नतैत, सं. पुं. गोतैत।
नथ, सं. स्त्री. नाकमेंका गहना विशेष।
नथना, सं. पुं. नाकका मार्ग।
नथनी, सं. स्त्री. छोटी नथ।
नद, सं. पुं. ब्रह्मपुत्रादि जल प्रवाह विशेष।
नदी, सं. स्त्री. जो प्रवाहरूप जल पर्वतादिसे निकलकर देशान्तरोंमें होके समुद्रमें मिले; जैसा गङ्गा आदि।
नदोला, सं. पुं. नाँद
ननद, ननदिया, ननदी, सं. स्त्री. पतिकी भगिनी।
ननिहाल, सं. पुं. नानाका घराना।
* नन्दन, सं. पुं. पुत्र। गु. आनन्द देनेहारा।
* नन्दिनी, सं. स्त्री. पत्नीकी बहिन।
नन्दोई, नन्दोसी, सं. पुं. पतिकी बहिनका स्वामी, ननदका स्वामी

नन्दोला, सं. पुं. नांद।
नन्हा. गु. छोटा, लघु।
नपुंसक, सं. पुं. क्लीब, हिजडा।
नपुंसकलिङ्ग, सं. पुं. तीसरालिङ्ग।
नभः, सं. पुं. आकाश ; सावन।
नभचर, गु. आकाशमें उडनेहारे।
नमः, सं. पुं. नमस्कार, त्याग।
नमकीन, गु. नोनकी वस्तु।
नमन, गु. सदृश, समान।
नमस्कार, सं. पुं. प्रमाण, सन्मान-का बोधक।
नमस्य, गु. नमस्कारके योग्य।
नम्र, गु. विनयी, मिलनसार ; आधीन।
नम्रता, सं. स्त्री. आधीनता, विनय।
नय, सं. पुं. नीति।
नयन, सं. पुं. नेत्र।
नया, गु. नवीन।
नर, सं. पुं. मनुष्य, पुरुष।
नरक, सं. पुं. पापोंके फलका भोग स्थान।
नरकट, नरकुल, सं. पुं. सरकण्डा, तृण विशेष, जिस्की चटाई बनती है।
नरपति, सं. पुं. मनुष्योंका रक्षक, राजा।
नरपुर, सं. पुं. मर्त्यलोक।
नरम, गु. कोमल।
नरसिंगा, सं. पुं. वाद्य विशेष तुरही।
नरसिंगिया, सं. पुं. नरसिंगा बजा-नेहारा।
नरसों, अ. बीता हुआ चौथा दिन वा आनेवाला चौथा दिन।
नरहड, सं. पुं. पिण्डलीकी हड्डी।
नरिया, सं. स्त्री. खपरा।
नरी, सं. स्त्री. चर्म विशेष ; काष्ठका यन्त्र जिसमें बानेका सूत रखते हैं।
नरूख, गु. पुंलिङ्ग।
नरेट, नरेटा, नरेटी, सं. पुं. स्त्री. सांसी, नली, नटई।
नरेन्द्र, नरेश, सं. पुं. राजा, बहुत देशों का पालक।
नर्त्तक, सं. पुं. नचवैया।
नर्त्तकी, सं. स्त्री. नाचनेहारी।
नर्त्तन, सं. पुं. नृत्य, नाच।
* नल, सं. पुं. फोंफी; तृण विशेष; चिडीमारका अस्त्र विशेष।
नला, सं. पुं. उदरमें स्थान विशेष।
नलिन, सं. पुं. कोई।
नलिनी, सं. स्त्री. बहुत नलिनका स्थान।
नली, सं. स्त्री. फोंफी ; नरेटी ; नाल ; लिङ्गमें रोग विशेष ; नरहड ; काष्ठका यन्त्र जिसमें बानेके लिये सूत रखते हैं।
नलुआ, सं. पुं. मोटे बांसकी एक पोर जिसमें पत्रा आदि रखते हैं; डांठी।
नव, गु. गिनती विशेष ९ ; नया।
नवखण्ड, सं. पुं. पृथिवीका नव खण्ड।
नवजीवना, सं. स्त्री. जीवन्वती।
नवद्वार, सं. पुं. आंख, कान, नाक, मुंह, लिंग, गुदा, ये नव द्वार कहलाते हैं।
नवनिधि, सं. स्त्री. कुबेरका धन।

नवनीत, सं. पुं. मखन।
नववधू, सं. स्त्री. नई बधू।
नवबाला, सं. स्त्री. नवजोवना।
नवम, गु. नववाँ।
नवरत्न, सं. स्त्री. बाजूमें पहिर्नेके लिये भूषण विशेष।
नवल, गु. सुन्दर। सं. पुं. केडा, पैाधा।
नवला, सं. स्त्री. नवबाला।
नवा, गु. नया।
नवाडा, सं. पुं. नाव विशेष।
नवाना, स. क्रि. झुकना ; दोहराना; अधीन कर्वाना।
नवानी,अक. क्रि. रमना, भटकना।
नवारी, सं. स्त्री. पुष्प विशेष।
नवासा, सं. पुं. नाती।
नवासी, सं. स्त्री. दुहती, नतनी। गु. अस्सी और नव ८९।
नवी, सं. स्त्री. रस्सी जिस्से दूध दुह-नेके समय गैाके पैर बाँधते हैं।
नवीन, गु. नया।
नवीनता, सं. स्त्री. नयापन।
नव्य, गु. नवीन, उपरा।
नश्वर, गु. विनाशी।
नष्ट,गु. जिस्का नाश हो चुका; भ्रष्ट।
नष्टता, सं. स्त्री. भ्रष्टता।
नष्टा, सं. स्त्री. व्यभिचारिणी।
नसाना, स. क्रि. नाश कर्ना, बिगा॰ड्ना।
नसी, सं.स्त्री.लोहा जो हलमें लगा-रहता है।
नस्य, गु. सानुनासिक।
नह, सं. पुं. नख।
नहक, गु. दुबला, पतला, सुकटा।
नहट्टा, सं. पुं. बकोट, खसोट।
नहर्नी,सं. स्त्री. नख काटनेका अस्त्र।
नहनी. सं. स्त्री. नहर्नी, रुखानी विशेष।
नहलाना, स. क्रि. स्नान कर्वाना।
नहान, सं. पुं. स्नान।
नहाना, अक. क्रि. स्नान कर्ना।
नहानी, सं. स्त्री. रज, कपडे।
नहारमूँह, अ. बिना खाके।
नहारुवा, सं. पुं. रोग विशेष।
नहियर, सं. पुं. स्त्रीका सुसराल।
नहीं, अ. निषेध, न।
नक्षत्र, सं. पुं. तारा, चन्द्रमाका स्थान।
नक्षत्री, गु. भाग्यशाली।
ना, अ. नहीं।
नाइन, सं. स्त्री. नाईकी स्त्री।
नाई, नाऊ, } सं. पुं. नापित, उस्तरा।
नाक, सं. स्त्री. नासिका।
नाकडा,सं.पुं. नाकमें रोग विशेष।
नाका,सं. पुं. मार्ग वा पैंडेका अन्त ; सूईका छिद्र ; गली।
नाग, सं. पुं. सर्प।
नागकन्या, सं. स्त्री. कन्या जो पाता-लमें रहती हैं।
नागकेसर, सं. पुं. पुष्प विशेष।
नागदौना, सं. पुं. पैाधा विशेष, मरूआ।
नागन, नागनी, } सं. स्त्री. नागकी स्त्री।
नागपञ्चमी, सं. स्त्री. सावन सुदी पंचमीके दिनका पर्व।

नागपत्री, सं. स्त्री. नागन्।
नागपाश, सं. पुं. पासा वा वन्धन विशेष।
नागफाँस. सं. स्त्री. फाँसी विशेष।
नागवेल, सं. पुं. पान।
नागभाषा, सं स्त्री. प्राकृत भाषा, जो पातालके रहनेहारे बोलते हैं।
नागर, सं. पुं. गुजराती ब्राह्मणकी जाति विशेष; नगरोत्पन्न अर्थात् चतुर।
नागरङ्ग, सं. पुं. नारङ्गी।
नागरमोथा, सं. पुं. सुगन्ध वेष्ठित तृण विशेषका मूल।
नागरिन्, सं. स्त्री. नागरकी स्त्री।
नागरी, सं. गु. संस्कृतके अक्षर; चातुरी स्त्री।
नागा, सं. पुं. नग्न सन्यासी।
नागिन्, } सं. स्त्री. साँपकी स्त्री।
नागिनी, }
नाङ्घना, स. क्रि. लांघना।
नाच, सं. पुं. नृत्य।
नाचना, अक. क्रि. नाच कर्ना, कूदना।
नाज, सं. पुं. अनाज।
नाटा, गु. ठिंगना, टेनी।
नाड, सं. स्त्री. ग्रीवा।
नाडिका, सं. स्त्री. एक घडी।
नाडी.सं.स्त्री. पेटमेंकी नस; रोगादिके परीक्षाके लिये हाथमेंकी प्रधान एक शिरा।
नाडीमण्डल, सं. पुं. नाडियोंका समूह।

नातर, अ. नान्यथा।
नाता, सं. पुं. सम्बन्ध।
नातिन्, सं. स्त्री. बेटीकी बेटी।
नाती, सं. पुं. बेटीका पुत्र।
नाथ, सं. पुं. स्वामी, प्रभु; बैलके नाकमें जो रस्सी। स्त्री. बत्ती जो घावमें रखते हैं।
नाथना, स. क्रि. बैलके नाकमें रस्सी डालना।
नाधित्, गु. जो नधागया।
नाद, सं. पुं. शब्द, गरज; गीत।
नादना, स. क्रि. आरम्भ कर्ना।
नाधना, सं. क्रि. जूएमें लगाना।
नाना, सं. पुं. मातामह। गु. अनेक।
नानाप्रकार, } गु. अनेकप्रकार।
नानाभाँति, }
नानार्थ, सं. पुं. अनेकार्थ।
नानाविध, गु. नाना प्रकार।
नानी, सं. स्त्री. मातामही।
नान्द,सं. स्त्री. मृत्तिकाका बडा पात्र।
नान्दिया, सं. स्त्री. शिवका वाहन अर्थात् बैल।
नान्दीमुख, सं. पुं. यज्ञोपवीत वा विवाहमे श्राद्ध विशेष।
नान्धना, स. क्रि. आरम्भ कर्ना।
नान्यतर, } अ. अन्यथा नहीं।
नान्यथा, }
नाप, सं. स्त्री. माप, परिमाण।
नापना, स. क्रि. मापना, परिमाण कर्ना।
नापित्, सं. पुं. नाई, उस्ता।
नाभि, सं. स्त्री. पेटका मध्यस्थान, तोंदी।

नाम, सं. पुं. संज्ञा ; यश, विख्याति।
नामकरण, सं. पुं. संस्कार विशेष।
नामी, गु. विख्यात।
नायक, सं. पुं. बनजारोंका स्वामी, प्रधान ; पलटनमें छोटा पदवान विशेष ; सुन्दर रीतिसे नाचने वा गानेहारा आदि।
नायन, सं. स्त्री. नाईकी स्त्री।
नायिका, सं. स्त्री. नायककी स्त्री ; घर्नी ; कुटनी।
नार, सं. स्त्री. स्त्री, नाल ; झुंड ; ग्रीवा।
नारक, सं. पुं. नरक।
नारकी, गु. नरकी।
नारङ्गी, सं. स्त्री. फल विशेष।
नारा, सं. पुं. नाला ; लालरङ्गका सूत।
नारिकेल, नारियल, } सं. पुं. फल विशेष।
नारियली, सं. स्त्री. ऊक्का जो नारियलसे बनाया है।
नारी, सं. स्त्री. स्त्री ; नाडी।
नाल, सं. स्त्री. फोंफी, नल ; नली ; धरन ; कँवलका डाँठ।
नाला, सं. पुं. जल निकसनेका मार्ग।
नाल्की, सं. स्त्री. पाल्की विशेष।
नाव, सं. स्त्री. नौका।
नावना, स. क्रि. झुकाना ; डालना, नवाना।
नाविक, सं. पुं. माँझी।
नाश, सं. पुं. ध्वंस।
नाशक, सं. पुं. नाश कर्नेहारा ; उजाड़ू।
नाशपाती, सं. स्त्री. फल विशेष।

नास, सं. स्त्री. सुंघनी, ऊलास।
नासना, अक. क्रि. भागना। स. क्रि. नाश कर्ना।
नासा, सं. स्त्री. नाक, नाकडा।
नासिका, सं. स्त्री. नाक।
नास्ति, अ. जो नहीं है।
नास्तिक, नास्तिकी, } सं. पुं. जिनके मतमें परलोककी बातको नहीं मानते हैं।
नाहर, सं. पुं. शेर।
नाहीं, अ. नहीं।
निः, अ. जिस् शब्दके पहिले इस्का योग होय उस्का अर्थ रहित् होय ; जैसा निःसन्देह अर्थात् सन्देह रहित्।
निःशङ्क, गु. निडर।
निःशेष, गु. शेष रहित्, अर्थात्, संपूर्ण।
निःसङ्ग, गु. संगहीन अर्थात् अकेला।
निःसरण, सं. पुं. सरण हीन अर्थात् मृत्यु ; उपाय ; बिदा।
निःस्व, गु. दरिद्री।
नि, अ. में ; भीतर ; ऊपर।
निकँटक, गु. आनन्दी, सुखी ; निर्दैषी ; सीधा, सुगम।
निकंद, गु. स्कन्ध रहित अर्थात् उखडा।
निकट, अ. समीप, पास।
निकटवर्त्ती, सं. पुं. पासमें।
निकम्मा, गु. निर्गुणी, जो किसी कामका नहीं है।
निकर, सं. पुं. समूह, झुंड ; सार।

निकरना, अक. क्रि. निकलना।
निकलचलना, अक. क्रि. भाग जाना; अधिक होना, सरस होना; बढके बोलना।
निकलजाना, अक. क्रि. भागना।
निकलना, अक. क्रि. उखड्ना; आरम्भ होना; उठना; बढना; निकसना; बहना।
निकलपडना, अक. क्रि. बाहर आना।
निकलभागना, अक. क्रि. रमजाना, भागजाना।
निकसना, अक. क्रि. निकलना।
निकाना, स. क्रि. घास निकालना, चिखुर्ना।
निकाल, सं. पुं. जोडतोड, निकास; उभार।
निकालना, स. क्रि. उखाडना; उठाना; उतार्ना; बिन्ना, चुन्ना।
निकास, सं. पुं. कगर, नगरका आसपास; निकलनेका माग; मूल; चुकौता।
निकासा, सं. पुं. थूनो, टेक, खम्बा।
निकासना, स. क्रि. निकालना।
निकासी, सं. स्त्री. मोल लिई हुई वस्तुके निकास कर्नेके लिये जो कर।
निकुञ्ज, सं. पुं. कुञ्ज; मंडवा।
निकृष्ट, गु. अधम, नीच।
निखङ्ग. सं. स्त्री. तून्।
निखट्टू, गु. उडाऊ, लुटाऊ, आलसी।
निखण्ड, गु. मध्य।
निखरना, अक. क्रि. छिलका उतर्ना; चमडा उधडना; उज्जल होना।
निखराना, स. क्रि. फछीना।
निखर्व, गु. दश खर्व।
निखारना, स. क्रि. उज्जल कर्ना; निचोडना।
निखारा, गु. स्वच्छ।
निखिल, गु. सम्पूर्ण।
निखोट, सं. पुं. सीधा मनुष्य, खोट रहित।
निखोडना, स. क्रि. छीलना, चमडा उधेडना, उज्जल कर्ना।
निगड, सं. पुं. बेडी, पैकडी; काठ्।
निगत, गु. नङ्गा।
निगन्दना, स. क्रि. तागना।
निगन्दा, सं. पुं. } तागनेका काम।
निगन्दाई, स्त्री. }
निगलना, स. क्रि. लीलना, घोंटना।
निगाली, सं. स्त्री. हुक्केकी नली जिस्से पीते हैं।
निगूढ, गु. अप्रगट, दुर्गम, गुप्त।
निगोडा, सं. पुं. अकर्म्मी, चण्डाल।
निग्गर, गु. ठोस।
निग्रह, सं. पुं. घिन, चिड्; कुपथ।
निचिन्त, गु. चिन्ता रहित, असोची।
निचिन्ताई, सं. स्त्री. प्रमाद, अचिन्ताई; सुभीता।
निचोड, सं. पुं. कार्यकी समाप्ति।
निचोडना, स. क्रि. दबाना; गारना; चूसलेना; बरबससे ले लेना।
निचोडू, गु. लुटेरा, घाऊघप।

निछावर, सं. स्त्री. उतारा, बल।
निज, गु. आप।
निजका, गु. अपना।
निजस्थान, सं. पुं. अपना स्थान।
निझाना, स. क्रि. निरेखना।
निझोटना, स. क्रि. खसोटना, झटकना।
निझाल, गु. झोल रहित् अर्थात् सुडौलसे चलनेहारा।
निठुर, गु. कठोर, निर्दय।
निठुरता, } सं. स्त्री. कठोरता।
निठुराई, }
निडर. गु. निर्भय, डर रहित।
निढाल, } गु. स्थावर, अचल।
निढोल, }
नित, } अ. नित्य।
नितप्रति, }
नितम्ब, सं. पुं. चूतड, स्त्रीलोगकी कटिके पीछेका निचला भाग।
नितान्त, अ. अत्यन्त, अधिक।
नितउठ, अ. निरन्तर।
नित्य, अ. सदा।
नित्यकर्म, सं. पुं. स्नान सन्ध्यादि अवश्य कर्त्तव्य कर्म।
नित्यता. सं. स्त्री. सदापन।
निथरा, गु. फर्छा।
निथार्ना, स. क्रि. उंडेजना; फर्छा कर्ना।
निदर्शन, सं. पुं. उदाहरण; प्रमाण।
निदान, अ. अन्त, पीछे; पूरा। सं. पुं. आदि कारण।
निद्रा, सं. स्त्री. नींद।
निद्रालु, गु. स्वभावसे जिसको अधिक नींद आवे।
निद्रित, गु. नींदासा।
निधडक, गु. निर्भय। अ. अचानक।
निधन, सं. पुं. मृत्यु, नाश।
निधान, सं. पुं. स्थान, घर।
निधि, सं. स्त्री. कुवेरका एक रत्न, सम्पत्ति।
निनद, } सं. पुं. घराटा, शब्द।
निनाद, }
निनाया, सं. पुं. खटमल।
निन्दक, सं. पुं. निन्दा कर्नेहारा, कलङ्क देनेहारा।
निन्दकाई, सं. स्त्री. निन्दकपन।
निन्दना, स. क्रि. कलङ्क लगाना।
निन्दा, सं. स्त्री. दोष, कलङ्क, जिम।
निन्दास, सं. स्त्री. ऊंघास।
निन्दित, गु. निषिद्ध, दूषित।
निन्द्य, गु. निन्दाके योग्य।
निनाँवा, सं. पुं. रोग विशेष।
निन्नान्वे, गु. नव्वे और नव ९९।
निपट् अ. अधिक, अत्यन्त, बहुत्।
निपटना, अक. क्रि. चुकना, पूरा होना।
निपटाना, स. क्रि. चुकाना, पूरा कर्ना, ठहराना, निबड़ना।
निपटारा, सं. पुं. निबडा।
निपटारू, सं. पुं. निबेरू।
निपात, सं. पुं. मृत्यु।
निपान, सं. पुं. जलाशय; दोहनी।
निपुण. गु. प्रवीण, चतुर।
निपूता, गु. पुत्रहीन।
निबटेरा, सं. पुं. निस्तोक, छुटानी।

निबडना, अक. क्रि. निपटना, हो चुकना।
निबन्ध, सं. पुं. बन्धेज। गु. जो ठहर गया।
निबल, गु. निर्बल।
निबाह, सं. पुं. समाप्त, निबेडा, निर्वाह; बाचाका संपूर्ण कर्ना।
निबाहना, स. क्रि. सिद्ध कर्ना; रक्षा कर्ना; बचनको पूरा कर्ना; चलन चलना; देना, बजा लाना।
निबाहू, गु. टिकाऊ। सं. पुं. निपटारू।
निबेडना, स. क्रि. निपटाना।
निबेडा, सं. पुं. निबटेरा।
निबेड, गु. निबाहू।
निभना, अक. क्रि. निबाह होना, पार लगना, बन्ना।
निभाना, स. क्रि. निबाहना।
निमकी, सं. स्त्री. नोनका निम्बू।
निमकौडी, सं. स्त्री. नींबका फल।
निमन, गु. पोढा।
निमनाई, सं. स्त्री. पोढाई।
निमनाना, स. क्रि. पोढा कर्ना, सँभालना।
निमाना, गु. भोला, हृदियाहा।
निमित्त, सं. पुं. कारण; लिये; भाग।
निमीलन, सं. पुं. मृत्यु; झपकी, पलक।
निमेष, सं. पुं. पलक, विपल।
निम्न, गु. नीचास्थान, नीचान।
निम्ब, सं. पुं. नींब, वृक्ष विशेष।
निम्बू, सं. पुं. नींबू, लेमू।
नियत, गु. जो छेंका गया।
नियन्ता, सं. पुं. सारथी; अथच, स्वामी।
नियम, सं. पुं. बचन, अङ्गीकार; जो कुछ धर्मकी क्रिया अपनी इच्छा-से करे जैसे ब्रत, जाग, यात्रा आदि।
नियमन, सं. पुं. रोक।
नियमित, सं. पुं. निश्चत।
नियर, अ. समीप।
नियराई, सं. स्त्री. समीपता।
नियामक, सं. पुं. नाविक, माँझी; नियन्ता।
नियाय, सं. पुं. न्याय।
नियुक्त, गु. नियोजित, स्थापित।
नियुत, गु. दश लाख।
नियोग, सं. पुं. प्रेरण, आज्ञा, तथा।
नियोजन, सं. पुं. स्थापन, आज्ञा।
नियोजित, गु. स्थापित, रखा।
निर, अ. निः।
निरङ्कार, गु. निराकार।
निरङ्कुश, गु. स्वेच्छाचारी।
निरखना, स. क्रि. निरेखना।
निरञ्जन, गु. निर्मल।
निरतक, सं. पुं. नचवैया।
निरन्त, गु. अन्तरहित, अपरम्पार।
निरन्तर, अ. नित उठ, जिसमें कुछ वियोग नहीं।
निरपराध, गु. अपराध बिना, निर्दोष।
निरपराधी, गु. जिसका कछ अपराध नहीं है, निर्दोष।

निरर्थक, गु. ढीला, प्रमादी ; अनरीत ; अर्थहीन।
निरस, गु. रसहीन, फीका।
निरस्त, गु. त्यागित।
निरस्त्र, गु. अस्त्रहीन।
निरा, गु. केवल ; सारा, ठेंठ ; रूखा।
निराकार, गु. आकार रहित जैसे परमेश्वर।
निराकाङ्क्षी, सं. पुं. निस्पृह।
निरादर, गु. आदरहीन, अवज्ञा कर्नेहारा।
निराधार, गु. आधार रहित।
निरामिष, सं. पुं. विना माँस भोजन।
निरालस्य, गु. आलस्य हीन, कामकाजी।
निराला, गु. चोखा ; अनूठा, एकान्त।
निराश, गु. जिस्की आशा टूट गई।
निराहार, गु. बिना भोजन।
निरीक्षण, सं. पुं. ताक, दृष्टि।
निरुत्तर, ग. उत्तर हीन।
निरूप, गु. रूपरहित, निराकार।
निरूपण, सं. पुं. दृष्टि ; जचाव् ; निर्णय।
निरूपित, गु. निश्चय कर्के स्थापित, जो निर्णय किया गया।
निरेखना, स. क्रि. विलोकना, झाँकना।
निरोग, निरोगी, गु. रोगरहित, भला चंगा।
निर्गत, गु. निकला।
निर्गुण, गु. गुणहीन, निकम्मा, मूर्ख।
निर्घण्ट, सं. पुं. सूचीपत्र।
निर्जन, गु. जनहीन।
निर्जीव, गु. जिस्में जीव नहीं है।
निर्णय, सं. पुं. निश्चय, ठिकाना।
निर्णीत, गु. निश्चित।
निर्दई, निर्दय, निर्दयी, गु. कठोर, जिस्में दया नहीं है।
निर्दिष्ट, गु. जो भले प्रकारसे निरूपित है, वा वर्णन किया गया है।
निर्देश, सं. पुं. निरूपण, आज्ञा ; वर्णन।
निर्दोष, निर्दोषी, गु. दोषहीन।
निर्द्वन्द्व, गु. झगड़ा रहित।
निर्धन, गु. धनहीन, दरिद्री।
निर्धार, निर्धारण, सं. पुं. निश्चय।
निर्धारित, गु. निश्चित।
निर्पक्ष, गु. पक्षहीन।
निर्वंश, गु. वंशहीन।
निर्बन्धु, गु. बन्धुहीन।
निर्बल, गु. जिस्को समार्थ्य नहीं है।
निर्बलता, सं. स्त्री. असामर्थ्य।
निर्बस, गु. असमर्थ।
निर्बीज, गु. बीजहीन, पुत्रहीन।
निर्बुद्धि, गु. बुद्धिहीन, मूर्ख।
निर्बूझ, गु. जो बूझा नहीं जाय।
निर्भय, गु. भयहीन, निडर।
निर्मम, गु. ममता हीन।

निर्मल, गु. शुद्ध, फर्क्का, उजला।
निर्मलता, सं. पुं. शुद्धता, पवित्रता, फर्क्काई।
निर्मली, सं. स्त्री. बीज विशेष जिस्से पानी फर्क्काते हैं।
निर्माण, सं. पुं. बनावट, रचना, कर्त्तब; सार।
निर्माल्य, सं. पुं. प्रसाद, निवेदित वस्तु; पवित्रता; उजलाई।
निर्मित, गु. रचित, जो निर्माण किया गया।
निर्मूल, गु. मूल रहित।
निर्मोही, गु. मोह रहित।
निर्यास, सं. पुं. वृक्षका रस अर्थात् गोंद; क्काथ।
निर्लज्ज, गु. लज्जाहीन, नकटा।
निर्लिप्त, गु. स्पर्शहीन।
निर्लोभ, गु. लोभहीन।
निर्वाण, सं. पुं. मोक्ष; लय। गु. जो मोक्षको प्राप्त भया, वैकुण्ठवासी।
निर्वाह, सं. पुं. निबाह।
निर्वाहक, सं. पुं. निबाह कर्नेहारा।
निर्विघ्न, गु. विघ्न रहित।
निर्वृत्ति, सं. स्त्री. मुक्ति; मृत्यु; आनन्द, सुख।
निवान, गु. नीचान्।
निवाना, स. क्रि. नवाना।
निवार, सं. स्त्री. कोर, पट्टी सूतकी।
निवारण, सं. पुं. निषेध, रोक।
निवारना, स. क्रि. रोकना, अटकाना, बरजना।
निवावना, स. क्रि. नवाना।
निवास, सं. पुं. वसनेका स्थान।
निवासी, सं. पुं. बसनेहारा।
निवृत्ति, सं. स्त्री, रहाव्, विश्राम, चैन्।
निवेदन, सं. पुं. विनती, प्रार्थना, विनयपत्री।
निशङ्क, गु. निडर, निःसन्देह।
निशा, सं. स्त्री. रात्रि।
निशाचर, सं. पुं. उलूकादि; राक्षस; चोर।
निशीथ, सं. पुं. आधीरात।
निश्चय, सं. पुं. निर्णय। गु. ठीक।
निश्चल, गु. स्थिर, अचल।
निश्चित, गु. निर्णीत।
निश्चिन्त, गु. चिन्ताहीन।
निश्चेष्ट, गु. चेष्टाहीन, मूर्छित।
निश्छिद्र, गु. निर्दोष, छेंक विना।
निश्वास, सं. पुं. प्राणवायु, श्वास।
निषङ्ग, सं. पुं. तूण; मेल।
निषाद, सं. पुं. गानेमें पहिला स्वर, वर्णशङ्कर, चण्डाल।
निषिद्ध, गु. जो रोका गया, वर्जित।
निषिद्धता, सं. स्त्री. } निवारण।
निषेध, सं. पुं. }
निष्कण्टक, सं. पुं. उपाधि शून्य।
निष्कपट, गु. छलहीन, भोला।
निष्कर्ष, सं. पुं. निश्चय।
निष्कारण, गु. बिना प्रयोजन।
निष्क्रमण, सं. पुं. संस्कार विशेष।
निष्ठ, गु. स्थापित, तत्पर।
निष्ठा, सं. स्त्री. विश्वास, भरोसा।
निष्ठुर, गु. निर्दय, कठोर।
निष्ठुरता, सं. स्त्री. कठोरपन।
निष्पत्ति, सं. स्त्री. सिद्धि, समाप्ति।

निष्पन्न, गु. हुत, बना. सिद्ध।
निष्पादन, सं. पुं. सम्पादन।
निष्पाप, } गु. पाप रहित।
निष्पापी, }
निष्प्रयोजन, गु. विना प्रयोजन।
निष्फल, गु. वृथा, फलहीन।
निस, सं. स्त्री. निशा।
निसङ्ग, गु. निश्शङ्क।
निसङ्कट, गु. सङ्कट रहित।
निसचर, सं. पुं. निशाचर।
निसन्धाई, सं. स्त्री. ठोसाई।
निसन्धि, गु. ठोस, सन्धिरहित्।
निसरना, अक. क्रि. निकसना।
निसास, सं. पुं. निश्वास।
निसि, सं. स्त्री. रात।
निसेनी, सं. स्त्री. काष्ठकी सीढी।
निस्कपट, गु. निष्कपट्।
निस्तार, सं. पुं. उद्धार, मुक्ति।
निस्तारा, सं. पुं. निपटारा।
निस्तारना, स. क्रि. निस्तार कर्ना, निर्दोषी ठहराना।
निस्तेज, गु. प्रताप हीन।
निस्तोक, सं.पुं. चुकौता, निपटेरा।
निस्पीन्द, सं. पुं. निस्पेस, हिलाव्।
निस्पृह, गु. लालसाहीन्।
निस्सन्देह, गु. सन्देह रहित।
निस्व, गु. निर्धन।
निहङ्ग, गु. नङ्गा; चिन्तारहित।
निहत्था, गु. अस्त्रहीन, हाथ विना।
निहाई, सं. स्त्री. लोहेकी वस्तु, जिसपर सर्णकारादि भूषण वा पात्र बनाते हैं।
निहानी, सं. स्त्री. रज, कपडे।
निहार्ना, स. क्रि. देखना; अगोर्ना; झाँकना।
निहाल, गु. जो बहुत बढ गया, हर्षित।
निहुर्ना, अक. क्रि. झुकना; दबना।
निहुराना, स. क्रि. झुकाना, दबाना।
निहोरा, सं. पुं. कृपा, उपकार; बिनती, फुसलाहट्।
निक्षिप्त, गु. जो निक्षेप किया जाय, त्यागित।
निक्षेप, सं. पुं. परित्याग; थाथी, धरोहर।
नींद, सं. स्त्री. निद्रा।
नींदना, अक. क्रि. सोना। सं. क्रि. मुकर्ना।
नींदू, सं. पुं. सोवैया।
नींब, सं. स्त्री. निम्ब।
नींबू, सं. पुं. लेमू।
नीका, } गु. भला, सुन्दर।
नीकौ, }
नीच, गु. छोटा, हीन, कुत्सित, निकम्मा; तले, हेठ।
नीचगामी, गु. जो नीचे जाता है, जैसे पानी।
नीचा, गु. इस शब्दका अर्थ ऊँचा शब्दसे विरुद्ध है।
नीचाई, सं. स्त्री. छोटाई, नीचापन
नीचे, अ. तले।
नीति, सं. स्त्री. उचित व्यवहार।
नीद, सं. स्त्री. नींद।
नीप, सं. पुं. कदम्ब वृक्ष।
नीपूर, सं. पुं. लिङ्ग, लौडा।
नीबू, सं. पुं. निम्बू।

नीम, सं. पुं. वृक्ष विशेष।
नीमन, गु. निमन।
नीमावत, सं. स्त्री. नीमानन्द सन्या- सोका पन्थ।
नीर, सं. पुं. जल।
नीरथ, गु. निरर्थक, निष्फल।
नीरस गु. रसहीन, फीका।
नीरोग, गु. निरोग, आरोग्य।
* नील, सं. पुं. कृष्णवर्ण विशेष।
नीलक, गु. नीला। सं. पुं. नील रङ्गका हरन विशेष; बीज गणि- तमें विशेष प्रमाणका नाम।
* नीलकण्ठ, सं. पुं. पक्षी विशेष; मयूर।
नीलगाव, सं. स्त्री. रोज।
नीलगून, गु. आकाशी रङ्ग।
नीलबडी, सं. स्त्री. नीलका टुकडा।
नीलम, } सं. पुं. मणि विशेष।
नीलमणि, }
नीलम्बर, सं. पुं. नील रङ्गका वस्त्र।
नीला, गु. जो नील रङ्गका है।
नीलाई, सं. स्त्री. नीलापन।
नीलाथोथा, सं. पुं. तूतिया।
नीलाम, सं. पुं. बिक्री, विकाव्।
नीवा, सं. पुं. सुनाहट्, मन्दाई।
नीसनो, } अक. क्रि. निसनो।
नीसनौं, }
नीहार, सं. पुं. शिशिर, ओस, पाला।
नूतन, गु. नवीन, नया।
नूधा, सं. पुं. तमाकू विशेष।
नून, सं. पुं. लवण।
नून्नी, सं. स्त्री. छोटे बालकका लिङ्ग।
नूपुर, सं. पुं. स्त्रियोंके पैरका गहना।
नृत्य, सं. पुं. नाच।
नृत्यक, } सं. पुं. नचवैया।
नृत्यकारी, }
नृप, } सं. पुं. राजा।
नृपति, }
ने, अ. सकर्मक क्रियाके भूतकाल- में कर्त्ताके अन्तमें यह आता है, जैसे उसने मुझे बतलाया।
नेक, } गु. तनिक, अल्प।
नेकु, }
नेग, सं. स्त्री. विवाहमें जो दान कुटुम्बको देना अवश्य है उसको नेग कहते हैं।
नेटा, सं. पुं. पोटा, रेंटा।
नेती, सं. स्त्री. रस्सी जो मथनीमें बाँधते हैं।
नेत्र, सं. पुं. आँख।
नेत्रलोत, सं. पुं. बन्धुआ।
नेम, सं. पुं. नियम, संयम।
नेमी, गु. नियमी, संयमी।
नेरै, अ. निकट्।
नेव, सं. स्त्री. भीतकी जड्।
नेवतना, स. क्रि. नेवता देना।
नेवता, सं. पुं. बुलाहट, निमन्त्रण।
नेवताना, स. क्रि. नेवता देना।
नेवर, सं. स्त्री. घोडेके पाँवमें रोग विशेष।
नेवल, } सं. पुं. नकुल, जन्तु जो
नेवला, } साँपका वैरी है।
नेह, सं. पुं. स्नेह; तेल।
नेही, सं. पुं. स्नेही।
नैऋत्य, सं. पुं. दक्षिण और पश्चि- मके मध्यका कोण।

नैकट्य, सं. पुं. निकटता।
नैजाना, अक. क्रि. झुकना, निऊर्ना।
नैन, } सं. पुं. नेत्र।
नैना, }
नैना, सं. पुं. पगहा।
नैपुण, गु. निपुण।
नैपुण्य, सं. पुं. निपुणता।
नैया, सं. सं. खेवट, डाँडी।
नैयायिक, सं. पुं. न्यायशास्त्रका जाननेहारा, तार्किक।
नैर्मल्य, सं. पुं. निर्मलता।
नैवेद्य, सं. पुं. देवताके निमित्त खानेकी सामग्री।
नैहर, सं. स्त्री. स्त्रीका मैका।
नोच, सं. पुं. चुटकी, बकोट।
नोचना, स. क्रि. चुटकी लेना, बकोटना।
नोन, सं. पुं. लोन।
नोना, स. क्रि. दहनेके समय गैाके पिछले पैरको बाँधना। सं. पुं. सीताफल विशेष।
नोनापानी, सं. पुं. लवणाम्बु, समुद्रका जल।
नोनिया, सं. पुं. लोनिया।
नैाकर, सं. पुं. सेवक।
नैाकरी, सं. स्त्री. सेवकाई।
नैाका, सं. स्त्री. नाव।
नैाखण्ड, सं. पुं. पृथ्वीका नैाखण्ड।
नैागरी, सं. स्त्री. स्त्रियोंके पहुँचाके लिये गहना।
नैाची, सं. स्त्री. नायिकाके पास जो यैावन वेश्या।
नैाछावर, सं. पुं. निछावर।
नैाढना, अक. क्रि. झुकना; निहुडना; अधीन होना।
नैाढाना, स. क्रि. झुकाना; निहुडाना; निवाना।
नैातना, स. क्रि. नेवतना।
नैाता, सं. पुं. नेवता;
नैाना, अक. क्रि. नैाढना।
नैाबत, सं. स्त्री. वाद्य विशेष।
नैामासा, सं. पुं. गर्भसे नवें महीनेमें जो उत्सव।
नैामी, सं. स्त्री. नवमी, नवीं तिथि।
नैारतन, सं. स्त्री. नवरत्न।
नैाल, सं. पुं. नवल।
नैासादर, सं. पुं. औषध विशेष।
न्यक्कार, सं. पुं कुत्सा।
न्यस्त, गु. सैांपित।
न्याय, सं. पुं. धर्म, विचार; तर्कशास्त्र।
न्यायक, सं. पुं. न्यायकर्नेहारा।
न्यायशास्त्र, सं. पुं. तर्कशास्त्र।
न्यायी, सं. पुं. न्यायक; न्यायशास्त्रका जान्नेहारा।
न्यार, सं. पुं. चारा।
न्यारा, गु. अलग, निराला, अनूठा।
न्यारिया, गु. सचेता, चैाकस।
न्यून, गु. घाट, हीन।
न्योतना, स. क्रि. नेवतना
न्योता, सं. पुं. नेवता।
न्योताना, स. क्रि. नेवताना।

प

प, देवनागरी वर्णमालाके हल वर्णोंमेंका एकीसवाँ अक्षर।

पकड, सं. स्त्री. ग्रहण।
पकडना, स. क्रि. गोधना, लोकना, ग्रहण करना, धरलाना।
पकडाना, स. क्रि. ग्रहण करवाना; सौंपना।
पकना, अक. क्रि. रन्धना, पक्का होना, पीबियाना।
पकवाई, सं. स्त्री. पकवानेका पैसा।
पकवान, सं. पुं. पाक जो घीसे बना है; पूरी, मठरी, समोसाआदि।
पकवाना, स. क्रि. राँधना, पक्का करवाना।
पका, गु. पक्का।
पकाई, सं. स्त्री. पूराई, तैयारी, सिद्धता।
पकाव, सं. पुं. पीबियाहट।
पकाना, स. क्रि. पकवाना।
पकोडा, सं. पुं. } बेसनसे बनाया
पकोडी, स्त्री. } ऊआ पाक वि-
पकौडी, स्त्री. } शेष।
पक्क, } गु. पूरा, खडा, तैयार,
पक्का, } राँधा।
पख, सं. पुं. पक्ष।
पखडी, सं. स्त्री. पुष्पकी पत्ती।
पखरौटा, सं. पुं. बीडेपर लगाया ऊआ चाँदी वा सोनेका पत्र।
पखान, सं. पुं. पाषाण।
पखार्ना, स. क्रि. धोना।
पखाल, सं. पुं. बैलपर लादनेका चमडेका जलपात्र।
पखावज, सं. स्त्री. ढोलक, मृदङ्ग।
पखावजी, सं. पुं. पखावजका बजानेहारा।

पखेडू, सं. पुं. पक्षी।
पखेस, सं. पुं. छाया, चिन्ह।
पग, सं. पुं. पद, पाँव।
पगडी, सं. स्त्री. सिरमें बाँधनेके लिये वस्त्र विशेष।
पगदण्डी, सं. स्त्री. गुप्त मार्ग, छोटा वा सकेत मार्ग जिसपर मनुष्य पैदल चलता है।
पगना, अक. क्रि. रसमें डूबना; मन लगाना।
पगला, गु. मूर्ख, बावला।
पगहा, सं. पुं. बैलके गले वा पैरके बाँधनेके लिये रस्सी।
पगार, सं. पुं. भीत बनानेके लिये भीगी मट्टी।
पगिया, सं. पुं. पगडी।
पगुराना, अक. क्रि. जुगालना।
पङ्क, सं. पुं. कीचड।
पङ्कज, सं. पुं. कमल।
पङ्क्ति, सं. स्त्री. पाँती।
पङ्ख, सं. पुं. पाँख, पक्ष।
पङ्खा, सं. पुं. बीजना, बेना।
पङ्खिया, सं. स्त्री. छोटा पङ्खा सं. पुं. भिखारी विशेष; अकर्मी मनुष्य।
पङ्खी, सं. स्त्री. छोटा पङ्खा; पक्षी।
पङ्गत, सं. स्त्री. धारी, श्रेणी।
पङ्गला, गु. लङ्गडा।
पङ्गा, गु. पतला।
पङ्गास, सं. स्त्री. मच्छी विशेष।
पङ्गु, ग लङ्गडा।
पचखना, गु. जिसमें पाँच खण्ड हैं।
पचतोलिया, सं. पुं. वस्त्र विशेष।

पचना, अक. क्रि, सडना ; भस्म होना ; परिश्रम कर्ना ।
पचपचाना, अक. क्रि. गीला वा भीगा होना ; पसीजना ।
पचपन, गु. पचास और पाँच ५५ ।
पचमहला, गु. घर जिसमें पाँच कोठे हैं ।
पचमल, गु. मिश्रित ।
पचलडा, गु. जिसमें पाँचलड हैं ।
पचलोना, सं. पुं. औषध विशेष ।
पचाडालना, स. क्रि. पचाना, सडाना ।
पचानवे, गु. नब्बे और पाँच ९५ ।
पचाना, स. क्रि. सडाना ; पकाना ।
पचास, गु. गिन्ती विशेष ५० ।
पचासी, गु. अस्सी और पाँच ८५ ।
पचीस, गु. बीस और पाँच २५ ।
पचीसी, सं. स्त्री. खेल विशेष ।
पचूका, सं. पुं. पिचकारी ।
पचोरत, } सं. पुं. पाँच रुपैया सैकडा ।
पचोतरा, }
पचौनी, सं. स्त्री. ओझ, झोज ।
पच्चर, सं. स्त्री. फणी, ठेका ।
पच्छम, } गु. पश्चिम ।
पच्छिम, }
पछडजाना, अक. क्रि. आधीन होना ।
पछत्तर, गु. सत्तर और पाँच ७५ ।
पछताना, स. क्रि. पश्चात्ताप कर्ना ।
पछतावा, सं. पुं. पश्चात्ताप, शोक ।
पछना, सं. पुं. गोटी खोदवाई ; चीरा ; अस्त्र विशेष ।
पछनी, सं. स्त्री. शरीरके चमडेमें चीरा कर्ना ।

पछवा, सं. स्त्री. वायु जो पश्चिमसे आता है ।
पछाड, सं. स्त्री. पटकन ; फटकनेका काम ।
पछाडना, स. क्रि. गिरा देना, आधीन कर्ना ।
पछियाव, सं. स्त्री. पछवा ।
पछोडना, स. क्रि. फटकना, सूप कर्ना ।
पजावा, सं. पुं. जिस स्थानमें ईंट पकाते हैं ।
पजेब, सं. स्त्री. पैरमें पहर्नेका गहना विशेष ।
पजौडा, गु. निकम्मा ।
पञ्च, गु. पाँच । सं. पुं. जातिका विचार कर्नेहारे, सभा ।
पञ्चक, सं. स्त्री. चिल्ला ।
पञ्चगव्य. सं. पुं. पाँच वस्तु जो गौसे आती हैं अर्थात् दूध, दधि, घी, गोमूत्र, और गोवर ।
पञ्चतत्व, सं. पुं. पाँच तत्व अर्थात् मट्टी, जल, अग्नि, वायु, आकाश ।
पञ्चत्व, सं. पुं. मृत्यु ।
पञ्चदश, गु. पन्दरहवां ।
पञ्चपल्लव, सं. पुं. पाँच वृक्षकी नईडाली वा टहनी ।
पञ्चपात्र, सं. पुं. पूजाके लिये पात्र विशेष ।
पञ्चभूत, सं. पुं. पञ्चतत्व ।
पञ्चम, गु. पाँचवां ।
पञ्चमी, सं. स्त्री. पाँचवीं तिथि ।
पञ्चविंशति, गु. पचीस २५ ।
पञ्चविंशतितम, गु. पचीसवां ।

पञ्चशाखा, सं. पुं. हाथ।
पञ्चाध्याई, सं. स्त्री. श्रीभागवतका पाँच अध्यायका समुदाय।
पञ्चामृत, सं. पुं. दही, दूध, घी, मधु, सक्कर।
पञ्चायत्, सं. स्त्री. जातिकी सभा वा समुदाय।
पञ्चावन,गु. पचास और पाँच ५५।
पञ्छी, सं. पुं. पक्षी, चिडिया।
पञ्जर, सं. पुं पाँजर, पसली, पिँजरा।
पञ्जाबी, गु. जो पञ्जाबका है।
पञ्जीरी, सं. स्त्री. औषध विशेष।
पट, सं. पुं. वस्त्र; गिर्नेसे वा मार्नेसे जो शब्द है; द्वारका पल्ला। गु. उलटा पुलटा।
पटकन, सं. स्त्री. पछाड, चोट।
पटक्ना, स. क्रि. पटकी देना, देमार्ना। अक. क्रि. चरचराना।
पटका, सं. पुं. कर्धनी, कटिमें बाँधनेका वस्त्र।
पटकाजाना, अक. क्रि. पतित होना।
पटकाना,वा-कार्ना, } स. क्रि. पटकना।
पटकीदेना, }
पटडा, सं पुं. सिली; बैठनेके लिये काठका आसन; चौकी।
पटन, सं. पुं. पाटनेका काम।
* पटना, अक. क्रि. भरपाना; भर्ना; छपना, छत् बन्ना।
पट्नी, सं. पुं. नैया।
पटपट, सं. पुं. पीटने वा मार्नेसे जो शब्द अता है।
पटरा, सं. पुं. पटडा।
पटरानी, सं. स्त्री. राणी।
पटरी, सं.स्त्री छोटा पटरा, पटिया; खपरा।
पटवाना, स. क्रि. पाटना।
पटवार, } सं. पुं. पृथिवी का लेखा कर्नेहारा।
पटवारी, }
पटा, सं. पुं. गदका; बैठनेके लिये काठका आसन।
पटाक, सं. पुं. धडाका, शराटा।
पटाका, सं. पुं. छुछुन्दर; आतशबाजी विशेष।
पटाना, स. क्रि. सींचना; चौकेको गोबर वा मिट्टी से लीपना; भर देना; धरन लगाना।
पटापट, सं. पुं. मार्नेसे वा बूँद पडनेसे जो शब्द।
पटाव, सं. पुं. सींचाई; भराव्।
पटिया, सं. स्त्री. पटरी।
पटीना, सं. पुं. पक्षी विशेष।
पटीमा,सं. पुं. कपडा छापनेके लिये बडा पटरा।
पटीलना, स.क्रि. निचोडना, मार्ना, आधीन कर्ना।
पटु, गु. चतुर, निपुण।
पटुआ, सं. पुं. मोतियोंका पिरोनेहारा, गँधनेहारा, झालर वा निवार बनानेहारा।
पटुता, सं. स्त्री. चतुराई, निपुणता।
पटूआ, सं. पुं. पाट, सन।
पटूका, सं. पुं. पटका।
पटूत, स. पुं. पुरुषत्व, पटुता।

पठेरा, सं. पुं. बूटा विशेष।
पटेल, सं. पुं. लठियानेका काम; प्रभुता; कुनबी जातिमें प्रधान; महाराष्ट्रकी पदी।
पटेला, सं. पुं. नाव विशेष।
पटेली, सं. स्त्री. छोटा पटेला।
पटैला, सं. पुं. पटेला।
पटोतन, सं. पुं. पटन।
पटोल, सं. पुं. पलवल।
पटोहिया, सं. पुं. उल्लू।
पटौनी, सं. पुं. नैया, पटनी।
पट्टवस्त्र, सं. पुं. रेशमी कपडा।
पट्टा, सं. पुं. घोडेकी पेटी; कुत्तेके गलेमें बाँधनेके लिये चर्म विशेष; कानोंपरके रखे भये बाल, लिखतंग।
पट्टी, सं. स्त्री. बन्धन, पनकपडा; स्थानकी चौथाई; पाटी।
पट्टू, सं. पुं. ऊर्णवस्त्र विशेष।
पट्ठा, सं. पुं. यौवन, पाठा, मल्लयुद्ध करनेहारा; घिरा विशेष; जिस पौधेका लम्बा पत्ता होय।
पठाना, स. क्रि. भेजवाना।
पठिया, सं. स्त्री. यौवना स्त्री।
पठौना, स. क्रि. पठाना।
पडआना, अक. क्रि. लेटना; थमना; घटना।
पडना, अक. क्रि. गिर्ना; लेटना, डेरा कर्ना।
पडपडाना, अक. क्रि. बडबडाना; टोसना।
पडाना, स. क्रि. गिराना; लिटाना।
पडापड, अ. बारम्बार मारके।
पडापाना, स. क्रि. सहजसे पाना।
पडाव, सं. पुं. ठहराव, टिकाव्; सेना, भीड्।
पडिया, सं. स्त्री. भैंसकी बछिया।
पडोस, सं. पुं. समीपता।
पडोसिन, सं. स्त्री. स्त्री जो समीप बसती हैं।
पडोसी, सं. पुं. समीप रहनेहारा।
पढन्, सं. स्त्री. पढनेकी चाल।
पढना, स. क्रि. बाँचना, पाठ कर्ना, जपना।
पढन्त, सं. स्त्री. अध्याय, सम्था; विद्या, टोटका।
पढा, गु. पण्डित, बुद्धिमान्।
पढाना, स. क्रि. सिखलाना।
पढिन्, सं. स्त्री. मत्स्य विशेष।
पण, सं. पुं. प्रतिज्ञा; बीसगण्डा कौडी; कमाई; मोल।
पण्डा, सं. पुं. पुजारी, देवालयका प्रधान।
पण्डित, गु. विद्वान, पढा, बुद्धिमान्।
पण्डिताई, सं. स्त्री पण्डितकी विद्या।
पण्डियायन, सं. स्त्री. पाँडेकी स्त्री।
पण्डुबी, सं. स्त्री. जलपक्षी।
पण्डूरी, सं. स्त्री. पक्षी विशेष।
पत, सं. स्त्री. सुख्याति, बडाई। पुं. प्रभु, स्वामी।
* पतङ्ग, सं. पुं. छोटा उडनेहारा जन्तु विशेष; तुक्काल विशेष; लकडी विशेष।
पतङ्गा, सं. पुं. चिङ्गारी।
पतझड, गु. पत्ता रहित। सं. स्त्री. ऋतु विशेष।

पतदिन, अ. प्रतिदिन।
पतन, सं. पुं. पटकन, पछाड़।
पतनो, सं. स्त्री. पत्नी।
पतला, गु. पानीसा, झीना ; दुबला।
पतलाई, सं. स्त्री. झीनाई, दुर्बलता।
पतलो, सं. पुं. मुर्ग़ीपत्ता।
पतवार, } सं. स्त्री. कनहर, नावके
पतवाल, } पिछाडीका डाँड विशेष।
पता, सं. पुं. चिन्ह।
पताका, सं. स्त्री. ध्वजा।
पताल, सं. पुं. पाताल।
पति, सं. पुं. स्वामी। स्त्री. सुख्याति।
पतित, गु. जो गिर गया, भ्रष्ट।
पतिया, सं. स्त्री. प्रतीतिपत्र ; चिट्ठी।
पतियाना, स. क्रि. प्रतीति करना, भरोसा रखना।
पतियारा, सं. पुं. प्रतीत, भरोसा, विश्वास।
पतिव्रता, सं. स्त्री. भली स्त्री, साध्वी, कुलवन्ती।
पतीरी, सं. स्त्री. चटाई विशेष।
पतील, गु. पतला।
पतीला, सं. पुं. बटलोही, तम्बिया तसला।
पतुकी, सं. स्त्री. छोटी कड़ाही।
पतुरिया, सं. स्त्री. वेश्या।
पतोह, } सं. स्त्री. बहू।
पतोहू, }
पतौवा, सं. पुं. पत्ता।
पत्तन, सं. पुं. नगर।
पत्तर, सं. पुं. पत्र।
पत्तल, सं. स्त्री. भोजनके लिये मिले भये पत्ते।
पत्ता, सं. पुं. पात, दल ; भगली गहना।
पत्ती, सं. पुं. पाती ; भङ्ग।
पत्थर, सं. पुं. पाषाण, शिला।
पत्नी, सं. स्त्री. विवाहिता स्त्री, भार्य्या।
पत्र, सं. पुं. पत्ता ; चिट्ठी, लिखतङ्क।
पत्रा, सं. पुं. तिथिपत्रा।
पत्राङ्क, सं. पुं. पत्रकी संख्या।
पथ, सं. पुं. मार्ग।
पथरकला, सं. पुं. बन्दूक।
पथरचटा, सं. पुं. तरकारी विशेष ; कञ्जूस ; सर्प विशेष ; मच्छी विशेष।
पथरचूर, सं. पुं. पौधा विशेष।
पथरफोड, सं. पुं. कठफोड।
पथराना, अक. क्रि. पत्थर हो जाना, कड़ा होना।
पथरी, सं. स्त्री. किरकिर, आँकर, कङ्करी ; चकमकका पत्थर ; पत्थर जो मूत्रबन्दकर्ता है ; बूटी विशेष ; पक्षीके भीतर अङ्ग विशेष।
पथरीला, गु. भूमि जिसमें बहुत पत्थर हैं।
पथिक, सं. पुं. बटोही, मार्गमें चलनेहारा।
पथ्य, सं. पुं. रोगीका आहार।
पद, सं. पुं. चरण ; पाँव ; महिमा, पत ; स्थान ; शब्द।
पदच्युत, गु. महिमासे जो भ्रष्ट।
पदना, गु. } पदक्कार, पादू ;
पदनी, गु. स्त्री. } डरपोकना।

पदम, सं. पुं. पद्म।
पदवी, सं. स्त्री. पत ; वंशमें परम्परासे जो नाम ; मार्ग।
पदवृत्त, सं. पुं. शब्द जो दो शब्दसे मिलके बना होय।
पदस्थ, गु. जो अभी महिमामें स्थिर है।
पदाघात, सं. पुं. पादसे प्रहार, लातकी मार।
पदाति, सं. पुं. भृत्य, पैदल।
पदाना, स. क्रि. वायु छोड़ाना ; डराना।
पदाभिषिक्त, सं. पुं. राज्यस्थानमें जो अभिषिक्त।
पदार्थ, सं. पुं. भली वस्तु, अनूप वस्तु ; शब्दका अर्थ ; द्रव्य, गुण, कर्म, सामान्य, विशेष, समवाय, अभाव, ये सात।
पदोड़ा, गु. पादू, पदक्कार।
पद्धति, सं. स्त्री. पदवी।
पद्म, सं. पुं. कमल ; संख्या विशेष १०००००००००००।
पद्मराग, सं. पुं. मणि विशेष।
पद्माकर, सं. पुं. कमलों सहित जो तड़ाग।
* पद्मावती, सं. स्त्री. पुस्तक विशेष।
पद्मिनी, सं. स्त्री. कमलिनी ; उत्तम स्त्री विशेष।
पद्य, सं. पुं. श्लोक, छन्दः।
पधारना, अक. क्रि. विदा होना, जाना।
पन, सं. पुं. प्रण ; अवस्था बोधक, जैसे लड़कपन।
पनकपड़ा, सं. पुं. गीला कपड़ा जो घावपर बाँधते हैं।
पनघट, सं. पुं. पानीभरनेका घाट।
पनच, सं. स्त्री. चिल्ला।
पनचक्की, सं. स्त्री. चक्की जो पानीसे चलती है।
पनचोरा, सं. पुं. पात्र विशेष।
पनपना, अक. क्रि. मोटा होजाना, प्रफुल्लित होना।
पनपाना, स. क्रि. मोटा करना, प्रफुल्लित करना।
पनपनाहट, सं. स्त्री. सनसनाहट।
पनभत्ता, सं. पुं. पानी और भातकी मिलौनी।
पनवार, सं. पुं. पौधा विशेष ; राजपूतोंमें जाति विशेष।
पनवारा, सं. पुं. पत्तल।
पनवारी, वा-ड़ी, सं. स्त्री. पानकी बाड़ी।
पनसल्ला, सं. पुं. पथिकों को जलपिलानेका स्थान।
पनसा, गु. फीका, अलोना। सं. स्त्री. छाला।
पनसारहट्टा, सं. पुं. पनसारीका हाट।
पनसारी, सं. पुं. औषध वा किराना बेचनेहारा।
पनसाल, वा-ला, सं. पुं. पनसल्ला।
पनसोई, सं. स्त्री. छोटी नाव विशेष।
पनहाना, स. क्रि. थनमें दूध लेआना।
पनहारा, सं. पुं. पनभरा।

पनहारिन, पनहारी, } सं. स्त्री. पनभरिन।
पनही, सं. स्त्री. जूती।
पना, अ. पन।
पनारा, पनाला, } सं. पुं. मोरी।
पनिया, सं. पुं. पानी, जलका सर्प।
पनियाना, स. क्रि. सीचना। अक. पानी भरआना।
पनियाला, सं. पुं. फल विशेष।
पनीहा, सं. पुं. जलजन्तु।
पन्थ, पन्था, } सं. पुं. मार्ग, मत्त।
पन्नग, सं. पुं. सर्प।
पन्ना, सं. पुं. रत्न विशेष; पत्र।
पन्नी, सं. स्त्री. सुवर्णादि का सूक्ष्म पत्र विशेष।
पपडा, सं. पुं. टुकडा, चूर।
पपडियाकथ, सं. स्त्री. श्वेत कथ।
पपडी, सं. स्त्री. देवली, छिलका; परत; पाक विशेष।
पपडीला, गु. परतीला।
पपनी, सं. स्त्री. वरनी।
पपीहा, सं. पुं. चूहेमार, तुमंती।
पपैया, सं. पुं. खिलौना विशेष; वृक्ष विशेष वा उसका फल।
पयः,सं.पुं. दूध, पानी। अ. ऊपर, तौभी; परन्तु। सं. स्त्री. दोष।
पयस्विनी, गु. स्त्री. दुधार गौआदि।
पयान, सं. पुं. छाला, विदा।
पयार, सं. पुं. तृण विशेष।
पयोधर, सं. पुं. स्तन, चूंची; मेघ; तृण विशेष।

पयोधि, सं. पुं. समुद्र।
पर, गु. दूसरा; दूर; पराया, बिराना। अ. ऊपर, द्वारा, उपरान्त।
परकना, अक. क्रि. सधना, अभ्यासी होना।
परकाज, सं. पुं. पराया काम, दूसरेका काम।
परकाजी, गु. पराये कामका सोचनेहारा, परार्थी।
परकाना, स. क्रि. सधाना; सिखाना।
परकीय, गु. औरका, दूसरेका।
परकीया, सं. स्त्री. परपुरुष गामिनी स्त्री।
परख, सं. स्त्री. परीक्षा।
परखना, स. क्रि. परीक्षा कर्ना।
परखाई, सं. स्त्री. परखनेका काम वा परीक्षा कर्नेका पैसा।
परखाना, स. क्रि. परीक्षा कर्वाना।
परखैया, सं. पुं. परीक्षक।
परचा, परचौ, } सं. पुं. परीक्षा।
परजङ्क, सं. पुं. खाट्।
परजा, सं. स्त्री. प्रजा।
परत, सं. पुं. लड, पपडा।
परतन्त्र, सं. पुं. पराधीन।
परतल, सं. पुं. डेराडंडा।
परतला, सं. पुं. डाब।
परता, सं. पुं. परेता, चरखी।
परती, सं. स्त्री. बञ्जर।
परतीत, सं. स्त्री. प्रतीत।
परदार, सं. पुं. परस्त्री गमन।

परदेश, सं. पुं. विदेश।
परदेशी, गु. विदेशी, अनजान।
परन, सं. पुं. प्रतिज्ञा।
परनाना, सं. पुं. प्रमातामह।
परनाला, सं. पुं. } मोरी, नाला।
परनाली, स्त्री. }
परन्तु, अ. किन्तु।
परपञ्च, सं. पुं. प्रपञ्च, छल, धोखा, कपट, लपाट्।
परपञ्ची, गु. लपाटी, कपटी।
परपराना, अक. क्रि. चरपराना।
परपराहट, सं. स्त्री. चरपराहट्।
परपूरन, गु. परिपूर्ण, भरपूर।
परपैट, सं. पुं. हुण्डीका उतारा।
परब, सं. पुं. पर्व; उत्सव; अध्याय।
परबल, गु. प्रबल।
परबस, गु. आधीन; जो दूसरेके वशमें हो; निरस्थिर।
परम, गु. उत्कृष्ट, श्रेष्ठ।
परमल, सं. पुं. चर्बण विशेष।
परमहंस, सं. पुं. जोगी विशेष।
परमाणु, सं. पुं. अत्यन्त सूक्ष्म वस्तु।
परमात्मा, सं. पुं. परब्रह्म।
परमान्न, सं. पुं. पायस, खीर।
परमायुः, सं. स्त्री. जीवनकाल।
परमार्थ, सं. पुं. कार्य वा व्यवहार जो सबसे उत्तम है, कीर्त्ति, पुण्य।
परमार्थी, गु. कीर्त्तिमान्, पुण्यवान्, भक्तिमान्।
परमेश्वर, सं. पुं. परमात्मा, सर्वोपरिस्थ ईश्वर।
परम्परा, सं. स्त्री. क्रमागत्।
परलोक, सं. पुं. स्वर्ग, मर्नेके उपरांत जो लोक।
परवल, सं. पुं. पलवल, तरकारी विशेष।
परवश, गु. अस्वाधीन।
परश्राद, सं. पुं. प्रसाद।
परशु, सं. पुं. अस्त्र विशेष।
परश्वः, अ. परसों।
परस, सं. पुं. स्पर्श, छुवावट्।
परसना, स. क्रि. छूना।
परसिया, सं. पुं. हँसुवा।
परसूत, सं. पुं. रोग विशेष।
परसों, अ. अगला तीसरा दिन, पिछला तीसरा दिन।
परस्पर, अ. आपसमें।
परा, अ. जिस शब्दके प्रथममें यह संयुक्त होय उसका अर्थ कभी प्रभुता कभी उलटाई कभी अहंकार, कभी अधिकाई आदि है। सं. पुं. श्रेणी।
पराक्रम, सं. पुं. सामर्थ्य।
पराक्रमी, गु. सामर्थी, बलवान्।
पराग, सं. पुं. पुष्पकी रज वा धूल।
पराङ्मुख, सं. पुं. विमुख, मुंहफिरा।
पराजय, सं. पुं. पराभव, तिरस्कार, भगेल।
पराजित, गु. जिसका पराजय भया है।
पराठा, सं. पुं. रोटी विशेष।
परात, } सं. स्त्री. थाल, पहरात।
पराती, }
पराधीन, गु. पराये वशमें।
पराना, अक. क्रि. भागना।

पराञ्च, सं. पुं. दूसरेको लागतसे भोजन कर्ना।
पराभव, सं. पुं. पराजय।
परामर्श, सं. पुं. विचार; मन्त्र, उपदेश।
परामोधना, सं. पुं. फुसलाहट्।
परायण, सं. पुं. किसी काममें मनका लगाव। गु. गठपट्।
पराया, गु. औरका, दूसरेका।
परास, सं. पुं. पलास, वा गहनी जो उसकी छालसे बनी है।
पराह, सं. स्त्री. भागाभाग, देश त्याग।
परि, अ. जिस् शब्दके प्रथममें यह संयुक्त होवे उसका अर्थ कभी चोदिशा, कभी भाग, कभी त्याग, कभी अवधि, कभी अधिक आदि है।
परिक्रमा, सं. स्त्री. प्रदक्षिणा।
परिखा, सं. स्त्री. खाई।
परिचय, सं. पुं. मेल।
परिचर्य्या, सं. स्त्री. सेवकाई।
परिचारक, सं. पुं. सेवक।
परिच्छिन्न, सं. पुं. परिमित।
परिच्छेद, सं. पुं. विभाग, अध्याय, पर्व।
परिजन, सं. पुं. परिवारके लोग।
परिणाम, सं. पुं. समाप्ति; अवस्थान्तरकी प्राप्ति।
परितः, अ. चारोंओर, सर्वत्र।
परिताप, सं. पुं. पीडा, कष्ट, शोक।
परितोष, सं. पुं. सन्तोष।
परित्राण, सं. पुं. रक्षा।
परित्यक्त, गु. सम्यक् प्रकारसे जो त्यागा।
परित्याग, सं. पुं. भली रीतिसे जो त्याग।
परिधान, सं. पुं. पहर्नेका वस्त्र।
परिधि, सं. स्त्री. वेष्टनका माप, मण्डल।
परिधेय, गु. जो पहरा जाय।
परिपक्क, गु. पक्का; पटु।
परिपन्थी, गु. वैरी, शत्रु।
परिपाक, सं. पुं. समाप्ति।
परिपाटी, सं. स्त्री. अनुक्रम, उत्क्रम।
परिपूर्ण, गु. सम्पूर्ण।
परिभव, सं. पुं. पराभव, कुत्सा।
परिभाषा, सं. स्त्री. व्याकरणादि शास्त्रका सङ्केत।
परिभ्रमण, सं. पुं. फिर्ना, घूमना।
परिमल, सं. पुं. सुबास।
परिमाण, सं. पुं. परिच्छेद कर्ना; बाट, बटखरा।
परिमित, गु. मिला हुआ; जो नापा गया।
* परिवर्त्त, सं. पुं. बदल, एराफेरी, भागाभाग।
परिवाद, सं. पुं. गाली, निन्दा, उलहना।
परिवार, सं. पुं. वंश; घरानेके लोग, पोष्यवर्ग।
परिवृत्त, गु. चारों ओरसे वेष्टित।
परिवेषण, सं. पुं. लपेटना; भोजनका परोसना।

परिवेष्टित, गु. जो लपेटा गया।
परिव्राजक, स. पुं. सन्यासी।
परिशोध, सं. पुं. ऋणको चुकाय देना।
परिश्रम, सं. पुं. आयास, क्लेश, थकाई।
परिश्रमी, गु. कामकाजी, धुनी।
परिष्कार, सं. पुं. शोभा।
परिहर्ना, स. क्रि. छोड़ना, त्यागना; लेलेना।
परिहार, सं. पुं. अवज्ञा, अपमान।
परिहास, सं. पुं. ठट्ठा, कौतुक, खिल्ली।
परीक्षक, सं. पुं. परीक्षा कर्नेहारा।
परीक्षा, सं. स्त्री. जाँच, खोज।
* परीक्षित, गु. जो जाँचा गया।
परु, सं. पुं. पोर, गाँठ्।
परुष, गु. कठोर। सं. पुं. कुवचन, गाली।
परे, अ. उधर।
परेखा, सं. पुं. पछतावा।
परेतना, स. क्रि. अटेर्ना।
परेता, सं. पुं. अटेरन, चर्खी।
परेवा, सं. पुं. कपोत; प्रतिपद्।
परेह, सं. पुं. पलेव्।
परोपकार, सं. पुं. पराया भला कर्ना।
परोपकारी, गु. परोपकार जो करे।
परोस, सं. पुं. समीपता।
परोसना, स. क्रि. भोजन थालीमें लादना।
परोसा, सं. पुं. पाक जो मित्रोंके लिये भेजते हैं।
परोसी, सं. पुं. पड़ोसी।
परोसैया, सं. पुं. परोसनेहारा।
परोहन, सं. पुं. वाहन, रथ, बहल।
परोहा, सं. पुं. चरस, मोठ।
परोक्ष, सं. पुं. वनवासी, वाणप्रस्थ। गु. अगोचर।
पर्चा, सं. स्त्री. परीक्षा।
पर्चाना, स. क्रि. भेट कर्वाना; बात चीत कर्ना।
पर्चूनिया, सं. पुं. आटेवाला।
पर्चौनी, सं. स्त्री. आटा बेचनेका काम।
पर्छत्ती, सं. स्त्री. छोटी छपरिया जो मट्टीकी भीतपर डालते हैं।
पर्छाँ, पर्छाँई, पर्छाँवा, — सं. स्त्री. प्रतिबिम्ब, प्रतिरूप।
पर्ज, सं. स्त्री. रागिनी विशेष; छालका हथकड़ा।
पर्ण, सं. पुं. प्रतिज्ञा; पत्ता; पान।
पर्णशाला, सं. स्त्री. पत्तोंकी कुटी।
पर्दादा, सं. पुं. प्रपितामह।
पर्दादी, सं. स्त्री. प्रपितामही।
पर्य्यङ्क, सं. पुं. खाट, पलङ्ग।
पर्य्यटन, सं. पुं. भ्रमण।
पर्य्यन्त, अ. तक, लग। सं. पुं. अन्त्यकी सीमा।
पर्य्यवसान, सं. पुं. चरम, समाप्ति।
पर्य्याय, सं. पुं. क्रम; डौल, औसर; टीप।
पर्ला, गु. उसपारका।
पर्व, सं. पुं. तिव्हार, बडादिन्, उत्सव; अध्याय; मणि, हीरा।

* पर्वत, सं. पुं. पहाड; तरकारी विशेष।
पर्वतिया, सं. पुं. लौको, लौवा।
पर्वतो, सं. पुं. पहाडिया। स्त्री. लौकी।
पर्वतोय, गु. पहाडिया, जिस देश में बहुत पर्वत है।
पर्वाल, सं. पुं. अञ्जनहारी, कञ्जिया।
पर्वी, सं. स्त्री. पर्व।
पल. सं. पुं. घडी वा दण्डका साठवाँ अंश, निमेष।
पलक, सं. पुं. निमेष, पपनी।
पलङ्ग, सं. पुं. खाट।
पलङ्गडो, सं. स्त्री. छोटा पलङ्ग।
पल्टन, सं. स्त्री. सहस्र तिलङ्गेकी एक पलटन।
पलट्ना, अक. क्रि. फिर्ना, लौटना, बहुर्ना।
पलटलेना, स. क्रि. पलटालेना।
पलटा, सं. पुं. बदला, फल, पैंचा, प्रतिकार।
पलटाखाना, स. क्रि. उलटाना।
पलटाना, स. क्रि. बदल डालना, फिराना।
पलटालेना, स. क्रि. बदला लेना।
पलटाव, सं. पुं. विरोध।
पलडा, सं. पुं. तखडीका एक।
पलथामार्ना, अक. क्रि. दोनो पैर समेट्के बैठ्ना।
पलथी, सं. स्त्री. बैठनेकी चाल. एक प्रकारका बैठना।
पलना, अक. क्रि. प्रतिपालन होना, पनपना, बढना।
पलवल, सं. पुं. तरकारी विशेष।
पलवाना, स. क्रि. पोसवाना, पालन कर्वाना।
पलवार, सं. स्त्री. नाव विशेष।
पलवारी, सं. पुं. पलवारके खेवक।
पला, सं. पुं. कर्छी।
पलाण्डु, सं. पुं. प्याज।
पलाना, अन. क्रि. भागजाना; छाना, छाजना।
पलानी, सं. स्त्री. छानेका काम।
पलायन, सं. पुं. भागाभाग।
पलाव, सं. पुं. पलानी।
पलाश, सं. पुं. ढाकका वृक्ष; पत्ता।
पलाशपपडा, सं. पुं. पलाशका बीज।
पली, सं. स्त्री. तैलादिके निकालनेके लिये कर्छी।
पलीत, सं. पुं. प्रेत, भूत।
पलीता, सं. पुं. बत्ती विशेष।
पलुवा, सं. पुं. पालाभया।
पलेथन, सं. पुं. लोई बेलनेके लिये जो सूखा आटा।
पलेव, सं. पुं. जूस, परेह।
पलौठा, गु. पहिलौटा।
पल्लव, सं. पुं. कौल, पत्तों संयुक्त शाखा।
पल्ली, सं. स्त्री. छोटा ग्राम; छिपकी।
पल्लू, सं. पुं. वस्त्रके खूंट।
* पवन, सं. स्त्री. वायु।
पवाई, सं. स्त्री. घोडेके पैरकी साँकर; पैकडी; मोजा।

पवाज, सं. पुं. नीच लोग।
पवित्र, गु. शुद्ध, निर्मल, पापहीन।
पवित्रता, सं. स्त्री. शुद्धता।
पवित्रा, सं. पुं. यज्ञोपवीत; कुश।
पवित्री, सं. स्त्री. कुशसे वा पञ्चधातुसे बनाई हुई वस्तु जो पूजामें अनामिका वा तर्जनीमें पहिनते हैं।
पशु, सं. पुं. जन्तु, जीवधारी, चतुष्पद।
पशुपालक, सं. पुं. ग्वाला, अहीर।
पश्चात्, अ. पीछे, अनन्तर।
पश्चात्ताप, सं. पुं. पछतावा।
पश्चिम, सं. पुं. जिस् दिशामें सूर्यका अस्त होय।
पषान, सं. पुं. पाषाण।
पसर्ना, अक. क्रि. फैलना।
पसली, सं. स्त्री. पाँजर।
पसा, सं. पुं. दो मुट्ठीभर।
पसाई, सं. स्त्री. चांवल विशेष।
पसाना, स. क्रि. भातका माँड निकालना; काढ़ना।
पसारा, सं. पुं. फैलाव, बिछाव।
पसारी, सं. पुं. पनसारी।
पसार्ना, स. क्रि. फैलाना, बिछाना।
पसीजना, अक. क्रि. स्वेद निकलना।
पसीना, सं. पुं. स्वेद, सितरी।
पसूजना, स. क्रि. तुर्पाना, तगाना।
पसेव, सं. पुं. पसीना।
पह, सं. स्त्री. तड़का, भोर।
पहचान्, सं. स्त्री. ज्ञान, चिन्हारी।
पहचान्ना, स. क्रि. जान्ना, चीन्हना।
पहन्ना, स. क्रि. पहर्ना, ओढ़ना।
पहनावा, सं. पुं. वस्त्र, कपड़ा।
पहर, सं. पुं. समयका परिमाण जिस्में आठ घड़ी हैं।
पहरा, सं. पुं. चौकी; पहरिया; नायक वः सिपाहियोंके समेत।
पहराना, स. क्रि. पहिराना, ओढ़ाना।
पहरावनी, सं. स्त्री. स्त्री जो विवाहके नेवतहरियोंको कपड़ा पहिनाती है।
पहरिया, पहरुआ, पहरू, सं. पुं. अगोरिया, रखवार।
पहर्ना, स. क्रि. पहन्ना।
पहल, सं. पुं. रूईकी पर्त्त; पढ़ाव; त्रिकोनेका एक ओर।
पहला, गु. प्रथम।
पहाड़, सं. पुं. पर्वत।
पहाड़ा, सं. पुं. जोड़ती, गुणन।
पहाड़िया, सं. पुं. पहाड़का बसनेहारा।
पहाड़ी, सं. स्त्री. छोटा पहाड़।
पहिया, सं. पुं. चक्र, पैय्या।
पहिरावन, पहिरावनी, सं. स्त्री. विवाहमें नेवतहरियोंको जो वस्त्र देते हैं।
पहिर्ना, स. क्रि. पहर्ना।
पहिला, गु. प्रथम, आदि।
पहिले, अ. आगे।
पहिलौटा, गु. पहिला जन्मा हुआ बालक।
पऊंच, सं. स्त्री. आवन; पैठ, प्रवेश; रसीद।

पहुँचना, अक. क्रि. आना, उतर्ना।
पहुँचा. सं. पुं. कलाई।
पहुँचाना, स. क्रि. भेजाना, पठाना।
पहुँची, सं. स्त्री. पहुँचेमें पहिर्नेका गहना विशेष।
पहुड़ना, अक. क्रि. लेटना, सोना।
पहुनई, सं. स्त्री. पाहुनका प्रतिपालन कर्ना, अतिथि पालन।
पहुप, सं. पुं. पुष्प।
पहेली, सं. स्त्री. दृष्टकूट, बूझबुझव्वल, प्रहेलिका।
पक्ष, सं. पुं. महीनेका आधा; ओर; तड़, जथा; आड़, रक्षा; पङ्ख।
पक्षपात, सं. पुं. अपने लोगोंके लिये आग्रह, वा रक्षा।
पक्षाघात, सं. पुं. रोग विशेष।
पक्षी, सं. पुं. पखेरू, चिड़िया; सहायक।
पाई, सं. स्त्री. एक पैसा; पतली छड़ी जिसपर बाना लपेटते हैं।
पाँक, सं. पुं. कीचड़, दलदल।
पाँगा, सं. पुं. लवण विशेष।
पाँच, गु. चारके अन्तरका अङ्क, ५।
पाँचवाँ, सं. पुं. पञ्चम।
पाँजर, सं. पुं. पसली, काखके नीचे दोनो ओरके हाड़।
पाँड़े, सं. पुं. ब्राह्मणकी एक प्रकारकी पदवी, शिक्षक।
पाँत, } सं. स्त्री. धारी, श्रेणी, लकीर,
पाँती, } पङ्क्ति।
पाँव, सं. पुं. पैर, पद।
पाँवड़ा, सं. पुं. बिछौना विशेष जिसपर बड़े मनुष्य चलते हैं।
पाँवपाँव, गु. पैदल।
पाँस, सं. पुं. खाद, सार।
पाँसना, स. क्रि. सारना, खाद देना।
पाँसु, सं. स्त्री. पाँजरकी हड्डी, पसली।
पाक, सं. पुं. रसोई, औषध विशेष।
पाकड़, } सं. पुं. गूलर विशेष।
पाकड़िया, }
पाकना, अक. क्रि. रसमें उबलना।
पाख, सं. पुं. पक्ष।
पाखण्ड, सं. पुं. पाषण्ड।
पाखर, सं. स्त्री. घोड़े वा हाथीके पहिर्नेके लिये लोहेकी झूल विशेष।
पाखा, सं. पुं. ओसारा।
पाग, सं. स्त्री. पगड़ी; रस।
पागल, गु. उन्मत्त, सिड़ा।
पागा, सं. पुं. घोड़ोंका झुण्ड।
पागुर, सं. पुं. चबाई।
पागुराना, स. क्रि. चाबना, जुगालना।
पाचक, } सं. पुं. रसोइया; अग्नि
पाचन, } कारक औषध।
पाछ, सं. पुं. टीका, गोटी खोदवाई।
पाछना, स. क्रि. टीकादेना, गोटी खोदना।
पाछें, } अ, पीछे।
पाछे, }
पाट, सं. पुं. सणकी जातिविशेष, पटुआ; चौड़ाई; तसर; रेशम; सिंहासन।
पाटक्रिम, सं. पुं. रेशमका कीड़ा।

पाटन, सं. स्त्री. छान, छत; पटना।
पाटना, स.क्रि. छाना, छत बनाना; भर देना; सींचना; रेलपेल करना, थोपना।
पाटम्बर, सं. पुं. चेत्रली, रेशमी कपडा।
पाटल, सं. पुं. वर्ण विशेष।
पाटला, सं. पुं. पुष्प विशेष।
पाटा, सं. पुं. पट्टा।
पाटी, सं. स्त्री. खाटमेंका लम्बाकाठ; पटिया; मिठाई विशेष; चटाई विशेष।
पाटीर, सं. पुं. चन्दन।
पाठ, सं. पुं. सन्था, अध्याय; अध्ययन।
पाठक, सं. पुं. पढानेहारा, शिक्षक; ब्राह्मणोंकी पदी।
पाठशाला, सं. स्त्री. पढने पढानेका घर, चटशाला।
पाठा, सं. पुं. युवा जन्तु; मल्लयुद्ध करनेहारा।
पाठी, सं. स्त्री. युवा बकरी। पुं. पाठक।
पाठ्य, गु. जो पढनेके योग्य हैं।
पाड, सं. स्त्री. गरगज, डेंजा।
पाडना, स. क्रि. गिराना; काजल निकालना।
पाडा, सं. पुं. भैंसका बचा; टोला, खण्ड।
पाढा, सं. पुं. मृग विशेष।
पाढी, सं. स्त्री. नदीकेपार जाना।
पाण, सं. स्त्री. नवीन वस्त्रकी माँडी वा दसी।
पाणि, सं. पुं. हाथ।
पाणिग्रहण, सं. पुं. विवाह।
पाणिनीय, गु. पाणिनि मुनिका व्याकरण वा उसके पढने वा पढानेहारा।
पाण्डर, गु. पीला, सीठा।
पाण्डित्य, सं. पुं. पण्डिताई, विद्या।
पाण्डुर, सं. पुं. वर्ण विशेष।
पाण्डे, सं. पुं. ब्राह्मणोंकी पदी, पाधा।
पात, सं. पुं. पतन; पत्र; कानका गहना।
पातक, सं. पुं. पाप।
पातकी, गु. पापी।
पातर, सं. स्त्री. वेश्या, कसनी। गु. पतला, दुर्बल।
पाता, सं. पुं. पत्ता। गु. रक्षिता।
पाताल, सं. पुं. नागलोक, नरक।
पाती, सं. पुं. चिट्ठी; पत्ती।
पात्र, सं. पुं. बर्तन। गु. उचित, योग्य।
पाथना, स. क्रि. गोबरसे चिपडी गोहरी बनाना, थोपना।
पाथर, सं. पुं. पत्थर।
पाथेय, सं. पुं. पथमें व्यय करनेकी सामग्री।
पाद, सं. पुं. पद, चरण; चैाथा भाग; गुदशब्द, ठुसकी।
पादना, अक. क्रि. पाद मारना, ठुसकना।
पादानोन, सं. पुं. लोन विशेष।
पादार्पण, सं. पुं. पैर देना।

पादुका, सं. स्त्री. खडाऊं, जूती।
पाद्य, सं. पुं. पाँव धानेका जल।
पाधा, सं. पुं. शिक्षक, लाला।
पान, सं. पुं. ताम्बूल, तम्बोल; पत्ता; पीना; पाणि।
पानदान, सं. पुं. पान रखनेके लिये पात्र विशेष।
पाना, स. क्रि. उपार्जन करना, मिलना।
पानी, पानीय, } सं. पुं. जल; वीज; धातु भडक; पति।
पान्थ, सं. पुं. पथिक।
पाप, सं. पुं. अधर्म, अपराध।
पापखण्डन, सं. पुं. पापनाशन।
पापड, सं. पुं. बहुत मिहीन फुलका, खानेके लिये मूंगसे बनाई हुई वस्तु।
पापडबेलना, स. क्रि. बहुत परिश्रम उठाना।
पापडा, सं. पुं. पौधा विशेष।
पापडाखार, सं. पुं. केलेके वृक्षको जलायके जो क्षार बनता है और पापड्पर लगाते हैं।
पापरोग, सं. पुं. कोढ; माता विशेष।
पापात्मा, गु. पापिष्ठ, अधर्मशील।
पापिन, पापिनी, } गु. स्त्री. पाप करनेहारी।
पापिया, सं. पुं. एरण्ड विशेष; वृक्ष विशेष जिसके फलको बङ्गालेके लोग खाते हैं।
पापिष्ठ, गु. पापात्मा।
पापी, गु. अपराधी, पापकरनेहारा।
पामर, गु. अधम।
पामरी, सं. स्त्री. रेशमी वस्त्र विशेष; नीचकी स्त्री।
पायठ, सं. पुं. डाँजा।
पायंती, सं. स्त्री. खाटके पैरका ओर।
पायल, गु. सुचाल। स. बाँससे बनी हुई सीढी।
पायस, सं. पुं. खीर।
पाया, सं. पुं. खाट आदिका पैर।
पार, सं. पुं. नद्यादिका परला तीर।
पारख, सं. पुं. परीक्षक।
पारग, सं. पुं. पारजाना।
पारण, सं. पुं. उपवासके परकेदिन विहित भोजन; मेघ।
पारद, सं. पुं. पारा।
पारदारिक, सं. पुं. परस्त्री गामी।
पारना, सं. पुं. उपवासका खोलना। स. क्रि. निबेडना।
पारल, सं. पुं. पौधा विशेष।
पारलौकिक, गु. जो परलोकका है।
पारस, सं. पुं. पत्थर विशेष।
पारसपीपल, सं. पुं. वृक्ष विशेष।
पारसाल, सं. पुं. अगला वा पिछला वर्ष।
पारसी, पारसीक, } सं. पुं. पारसिक देश के लोग वा उनकी भाषा।
पारा, सं. पुं. पारद, धातु विशेष।
पारायण, सं. पुं. पुराणादिका सङ्कल्प पूर्वक पाठ, पूर्णता।
पारावार, सं. पुं. नदीके दोनों तट; समुद्र।

पारिजात, सं. पुं. स्वर्गका वृक्ष विशेष; हरसिंगार।
पारितोषिक, गु. जिस् कर्के सन्तुष्ट होय।
पारिषद, सं.पुं. सहचर, देखवैया।
पारी, सं. स्त्री. बारी।
पार्थिव, सं. पुं. राजा; मृत्तिकासे निर्मित।
पार्वण, सं. पुं. पर्वमें श्राद्ध विशेष।
पार्श्व, सं. पुं. बायाँ वा दहिना पाँजर। अ. पास, समीप।
पार्श्ववर्ती, सं. पुं. निकटवर्ती।
पाल, सं. पुं. नाव दौडानेके लिये टाटसे बनाई ऊई वस्तु; छोटा तम्बू; घास वा पत्तेका पर्त जिस्में कच्चाआम पकाते हैं।
पालक, सं. पुं. भाजी विशेष; पालन कर्नेहारा।
पालकजूही, सं. स्त्री. औषधि वृक्ष विशेष।
पालकी, सं. स्त्री. शिविका, डोली विशेष।
पालन, सं. पुं. पोषण; पक्ष, रक्षा।
पालना, स. क्रि. पालन कर्ना, बचाना। सं. पुं. हिंडोला।
पाला, सं. पुं. कोहर, जाडा, हिम; रखवाली; ऊडबेरीका पत्ता।
पालागन, सं. पुं. प्रनाम कर्के पैरोंपर गिर्ना।
पालि, सं.स्त्री. मागधी प्राकृतभाषा जिस्को श्यामादि देशके पण्डित सीखते हैं।
पालिक, सं. पुं. पालक।
पालित, गु. रक्षित, जो पाला गया।
पाली, सं. स्त्री. बङ्ग देशमें अन्नादिके परिमाण कर्नेका पात्र; स्थान जिस्में पक्षियोंकी लडाई होती है।
पाल्य, गु. पालन कर्नेके योग्य।
पाल्लस, सं. पुं. शिरोश आदि चार ग्रहोंमें एक छोटा ग्रह विशेष।
पावन, गु. पवित्र; जल।
पावना, स. क्रि. पाना।
पाश, सं. पुं. पासा, फाँसी।
पाशा, सं. पुं. पासा।
पाषण्ड, सं. पुं. वेद विरुद्ध; अति दुरात्मा, कपटी।
पाषण्डता, सं. स्त्री. अपनिन्दा, कपट्।
पाषण्डी, गु. पाषण्ड।
पाषाण, सं. पुं. पत्थर।
पास, अ. समीप। सं. पुं. पाश।
पासा, स. पुं. अक्ष।
पासी, सं. स्त्री. फाँसी।
पाहन, सं. पुं. पाषाण।
पाहुन, सं. पुं. } अतिथि।
पाहुना, पुं. }
पाहुनी, स्त्री. }
पिउ, गु. प्रिय। सं. पुं. स्वामी, प्रीतम।
पिक, सं. पुं. कोकिल।
पिकबयनी, } गु. जिस स्त्रीका स्वर
पिकबैनी, } पिकके सदृश है।
पिघलना, अक. क्रि. गलना, टिघलना।

पिघलाना, स. क्रि. गलाना, टिघलाना; धीमा कर्ना।
पिघलाव, सं. पुं. गलाव, टिघलाव।
पिङ्गूरा, सं. पुं. हिंडोला, पालना।
पिचकना, अक. क्रि. दबना, निचुडना, सिमट्ना।
पिचकाना, स. क्रि. दबाना, सिकोडना, समेटना।
पिचकारी, सं. स्त्री. पचूका, दमकला।
पिचपिचा, गु. पिलपिला, ढीला।
पिचुक्का, सं. पुं. पिचकारी।
पिछलन, सं. पुं. फिसलन, खिसलन।
पिछलना, अक. क्रि. फिसलना, खिसलना।
पिछला. गु. पिछाडी, पीछेका।
पिछवाडा, सं. पुं.) पीछा, पीछेका
पिछवाडी, स्त्री. } स्थान।
पिछाडी, सं. स्त्री. पीछेके पैरोंके बाँधनेकी रस्सी; पश्चात्।
पिछूत, अ. पीछे, उपरान्त। सं. पुं. घरका पिछवाडा।
पिछेत, सं. पुं. घरका पिछवाडा; आँगन।
पिछौरा, सं. पुं. दोहर, चद्दर, दुपट्टा।
पिछौरी, सं. स्त्री. छोटा पिछौरा।
पिञ्जर,) सं. पुं. पक्षीआदि रखने-
पिञ्जरा, } केलिये काष्ठादिका घर।
पिटना, अक. क्रि. मारखाना।
पिटारा, सं. पुं. वस्त्र आदि रखनेके लिये तृण आदिसे बनाई हुई मञ्जूषा।
पिटारी, सं. स्त्री. छोटा पिटारा।
पिण्ड, सं. पुं. तन, देह; गोल वस्तु; श्राद्धमेंका गोलाकार अन्न।
पिण्डली, सं. स्त्री. फिल्ली।
पिण्डा, सं. पुं. पिण्ड।
पिण्डारा, सं. पुं. लुटेरा।
पिण्डालू, सं. पुं. फल विशेष वा औषधि जड विशेष।
पिण्डी, सं. स्त्री. महादेवजीके लिङ्गका उपरला भाग; पिलिण्डी; बालूसे बनाई हुई छोटी वेदी।
पिण्डुक, सं. पुं. घूघू।
पिण्डोल, सं. स्त्री. मृत्तिका विशेष जिस्से दिवालोंमें घर लीपते हैं।
पितर, सं. पुं. पूर्वज, मरेभये पितृ पितामहादि।
पितराई, सं. पितृके तीन पीढी तकके सम्बन्धी। स्त्री. पीतलका मुर्चा।
पितरौ, सं. पुं. माता पिता।
पितलाना, अक. क्रि. पितराईसे विगडना।
पिता, सं. पुं. जनक।
* पितामह, सं. पुं. पिताका पिता, दादा, आजा।
पितामही, सं. स्त्री. पिताकी माता, दादी, आजी।
पिताम्बर, सं. पुं. पीताम्बर।
पितिया, सं. पुं. चाचा, पिताका भाई।
पितृ, सं. पुं. पिता।
पितृघातक, सं. पुं. जो पुत्र पिताका वैरी होय।
पितृपक्ष, सं. पुं. आश्विन महीनेका कृष्ण पक्ष।

पितृव्य, सं. पुं. ताउ, पितिया।
पितृस्वसा, सं. स्त्री. फूफी, पिताकी बहिन।
पित्त, सं. पुं. शरीरका धातु विशेष।
पित्तलाना, अक. क्रि. पितलाना।
पित्ता, सं. पुं. शरीरके भीतर जिसमें पित रहता है; क्रोध।
पित्पापडा, सं. पुं. औषधि पौधा विशेष।
पिधान, सं. पुं. आच्छादन, ढकना।
पिन, सं. पुं. शराटा, शब्द।
पिनकी, सं. स्त्री. पीनक।
पिनपिनाना, अक. क्रि. टिनटिनाना, टङ्कोर्ना।
पिनहाना, स. क्रि. पहिनाना।
पिनाक, सं. पुं. महादेव जीका धनुष; वाद्य विशेष।
पिन्ना, सं. पुं. खली।
पिन्नी, सं. स्त्री. चावलका लड्डू।
पिपासा, सं. स्त्री. प्यास।
पिपासित, गु. प्यासा, तृषावन्त।
पिपोलक, सं. पुं. चिउंटा।
पिपीलिका, सं. स्त्री. चिउंटी।
पिप्पली, सं. स्त्री. पीपल।
पिय, सं. गु. प्रिय।
पियाना, स. क्रि. पिलाना।
पियार, सं. पुं. प्यार।
पियारा, गु. प्यारा।
पियाल, सं. पुं. चिरौंजी।
पियास, सं. स्त्री. प्यास।
पियासा, गु. प्यासा।
पियासो, सं. स्त्री. मछली विशेष।
पिरकी, सं. स्त्री. फुडिया।
पिराना, अक. क्रि. दुखना।
पिरोना, स. क्रि. लडियाना, गूथना; तागना।
पिलई, सं. स्त्री. तापतिल्ली।
पिलचना, अक. क्रि. लिपट्ना, चिमट्ना।
पिलना, स. क्रि. धावा मार्ना वा कर्ना। अक. क्रि. पिटना।
पिलपिला, गु. पिचपिचा, ढीला, नम्र।
पिलपिलाना, स. क्रि. नम्र कर्ना, ढीला कर्ना।
पिलपिलाहट, सं. स्त्री. कोमलता।
पिलाना, स. क्रि. पान कर्वाना।
पिलुआ, सं. पुं. पिल्लू, कीट।
पिल्ला, सं. पुं. कुत्तेका बच्चा।
पिल्लू, सं. पुं. कीट विशेष।
पिशाच, सं. पुं. प्रेत विशेष।
पिशाचग्रस्त, गु. जिस मनुष्यको पिशाच लगा है।
पिशाची, सं. स्त्री. पिशाचकी स्त्री, प्रेतनी।
पिशाब, सं. पुं. मूत्र।
पिशुन, गु. दुष्ट, कठोर।
पिसाई, सं. स्त्री. पीसनेका पैसा वा काम।
पिसान, सं. पुं. आटा।
पिसाना, स. क्रि. पिसवाना, बुकवाना।
पिसू, सं. पुं. छोटा जन्तु विशेष।
पी, गु. पिय। सं. पुं. स्वामी, प्रीतम।

पीक, सं. स्त्री. पानके रससे युक्त जो थूक।
पीच, सं. स्त्री. माँड।
पीचू, सं. पुं. फल विशेष।
पीछ, सं. स्त्री. माँड।
पीछा, सं. पुं. पिछला भाग; रगेद।
पीछाफेर्ना, स. क्रि. त्यागना, फेर-लेना।
पीछे, अ. पश्चात्; निदान।
पीछेडालना, स. क्रि. पीछे छोड़ना।
पीजाना, स. क्रि. पीलेना; चुप रहना।
पीटना, स. क्रि. कूटना, मार्ना।
पीठ, सं. पुं. पृष्ठ, देहका पिछला भाग; आसन विशेष।
पीठा, सं. पुं. भोजन विशेष।
पीठियाठोक, अ. सटे सटे, भिड़ाके।
पीठी, सं. स्त्री. धोई और पीसी हुई उरदकी दाल।
पीठौता, सं. पुं. पत्रका पृष्ठ।
पीड़, सं. स्त्री. दुःख, वेदन; दया।
पीड़क, गु. पीड़ादायक।
पीड़ना, अक. क्रि. पीड़ित होना।
पीड़ा, सं. स्त्री. दुःख, वेदन।
पीड़ाकर, गु. पीड़क।
पीड़ित, गु. दुःखित।
पीढ़ा, सं. पुं. पटरा, मचिया।
पीढ़ाबन्ध, सं. पुं. पुस्तकके आद्यमें जो समाचार, दीबाचा।
पीढ़ी, सं. स्त्री. छोटा पीढ़ा; बंशकी परम्परा।
पीत, गु. पीला वर्ण। सं. स्त्री. प्रीति।
पीतम, गु. प्रियतम।
पीतम्बर, सं. पुं. पीताम्बर।
पीतरस, सं. पुं. हरिद्रा।
पीतल, सं. पुं. धातु विशेष।
पीतला, गु. पीतलका।
* पीताम्बर, सं. पुं. रेशमी पीला वस्त्र।
पीन, गु. मोटा, स्थूल।
पीनक, सं. स्त्री. अफीमके खानेसे जो मतवालपन।
पीनना, स. क्रि. रुईके अवयवोंको पृथक्‌र कर्ना।
पीनस, सं. स्त्री. पालकी विशेष; नाव विशेष।
पीना, स. क्रि. सुड़कना, पान कर्ना। सं. पुं. खली।
पीपल, सं. पुं. अश्वत्थका वृक्ष।
पीपल, सं. स्त्री. पिप्पली, औषधि विशेष।
पीपला, सं. पुं. खड्गकी नोक वा अणि, मोनी।
पीपलामूल, सं. पुं. पिप्पलीका मूल।
पीपा, सं. पुं. मद्यादि रखनेके लिये काठका भाँड़ा।
पीब, सं. स्त्री. माँज, राद।
पीबियाना, अक. क्रि. पकना
पीबियाहट, सं. स्त्री. पकाव
पीयूष, सं. पुं. गायका बच्चा जनमके सात दिन तकका दूध; अमृत।
पीर, सं. स्त्री. पीड़।
पीरा, गु. पीला।
पीराई, सं. पुं. ढोल बजानेहारे।
पीला, गु. पीत वर्ण।
पीलाई, सं. स्त्री. पीतत्व।

पीलाम, सं. पुं. रेशमी वस्त्र विशेष।
पीली, सं. स्त्री. सुवर्ण मुद्रा, मोहर।
* पीलु, सं. पुं. वृक्ष विशेष।
पीसना, स. क्रि. आटाकर्ना ; किच किचाना। सं. पुं. पीसनेके लिये जो अन्न।
पीहर, सं. पुं. मैका।
पुंल्लिङ्ग, सं. पुं. पुरुषका चिन्ह।
पुंसवन, सं. पुं. संस्कार विशेष।
पुंस्त्व, सं. पुं. पुरुषत्व।
पुकार, सं. स्त्री. गोहार, हाँक।
पुकारना, स. क्रि. गोहारना, हाँक मार्ना।
पुखराज, सं. पुं. आठवाँ नक्षत्र ; मणि विशेष।
पुचकारा, } सं. पुं. भीत लीपनेके
पुचारा, } लिये गीली मिट्टी।
पुच्छ, सं. स्त्री. पूँछ।
पुछवैया, सं. पुं. खोजनहार।
पुजवाना, स. क्रि. पूजा कर्वाना।
पुजाना, स. क्रि. भर्ना, पूरा कर्ना।
पुजापा, सं. पुं. पूजाकी सामग्री।
पुञ्ज, सं. पुं. समूह, ढेर।
पुट, सं. पुं. मिलाव, घुलाऊ।
पुट्ठा, सं. पुं. पशुआदिका चूतड़।
पुडा, सं. पुं. बडी पुडिया।
पुडिया, सं. स्त्री. पत्तोंमें वा काग़ज़में बंधी वस्तु।
पुडी, सं. स्त्री. खाल जिस्से ढोल बनाते हैं।
पुण्डरीक, सं. पुं. कमल विशेष।
पुण्य, सं. पुं. सुकृत कर्म, कीर्त्ति।
* पुण्यग्राम, सं. पुं. पुण्य समूह।
पुण्यग्रामीय, गु. पूनेके सम्बन्धी।
पुण्यभूमि, सं. स्त्री. आर्यावर्त्त।
पुण्यवान्, सं. पुं. सुकृत कर्मका कर्ने-हारा।
पुण्याई, सं. स्त्री. सुकृत कर्म जो पूर्व जन्ममें किया है।
पुण्यात्मा, गु. पुण्यवान, दाता।
पुतला, सं. पुं. तृणकाष्ठादि निर्मित मनुष्यका आकार।
पुतली, सं. स्त्री. आँखका तारा ; काष्ठ तृणादिकके निर्मित जो प्रतिमा, मूर्त्ति।
पुताई, सं. स्त्री. लीपनेका पैसा वा काम।
पुत्तलिका, सं. स्त्री. पुतली।
पुत्र, सं. पुं. बेटा।
पुत्री, सं. स्त्री. बेटी।
पुनः, अ. फेर।
पुनःपुनः, अ. फेर फेर।
पुनराय, सं. पुं. दूसरी बेर।
पुनरुक्ति, सं. स्त्री. फेर कहना, पुनः कथन।
पुनरुत्थान, सं. पुं. फेर उठना।
पुनर्जन्म, सं. पुं. दूसरा जन्म।
पुनर्वसु, सं. पुं. सातवाँ नक्षत्र।
पुनि, अ. पुनः।
पुनीत, गु. निर्मल, पवित्र।
पुर, सं. पुं. ग्राम वा नगर।
पुरःसर, सं. पुं. अग्रगामी।
पुरश्चरण, सं. पुं. मन्त्रका जप हो-मादि क्रिया विशेष।
पुरस्कार, सं. पुं. आदर, सन्मान।
* पुरनिया, गु. प्राचीन, बूढा।

पुरवासी, सं. पुं. नगरका रहनेहारा।
पुरा, सं. पुं. बड़ागाँव्।
पुराण, सं. पुं. व्यासके रचे भये ग्रन्थ विशेष।
पुरातन, } गु. प्राचीन, अगला; पुरातम, } पुर्खा।
पुराना, स. क्रि. भरदेना। गु. प्राचीन।
पुरखा, सं. पुं. बुड्ढा।
पुरखे, सं. पुं. अगले पुरुष।
पुरुष, सं. पुं. मनुष्य।
पुरुषत्व, सं. पुं. मनुष्यत्व।
पुरुषाः, सं. पुं. अगले वा प्राचीन लोग।
पुरुषाधम, गु. पुरुषोंमें जो निन्दित।
पुरुषार्थ, सं. पुं. मनुष्यकी योग्यता, सूर्मापन।
* पुरुषोत्तम, सं. पुं. पुरुषोंमें जो प्रधान।
पुरोहित, सं. पुं. जो ब्राह्मण वंश विशेषमें शास्त्रीय कर्म करावें।
पुरोहितानी, सं. स्त्री. पुरोहितकी स्त्री।
पुर्खा, सं. पुं. पुरातम, बुड्ढा।
पुर्चक, सं. स्त्री. छल; बढ़ावा।
पुर्वा, सं. स्त्री. पूरबकी वायु।
पुर्वाना, स. क्रि. भर्वाना।
पुर्वैया, सं. स्त्री. पुर्वा।
पुर्सा, सं. पुं. चार हाथका माप।
पुल, सं. पुं. सेतु, बन्ध।
पुलकित, गु. हर्षित्।
पुलपुला, ग. पिलपिला।
पुलपुलाना, अक. क्रि. डर्ना।
पुलपुलाहट्, सं. स्त्री. डर, भय।
पुलहाना, स. क्रि. मनाना।
पुलाक, } सं. पुं. माँसौदन, भोजन पुलाव, } विशेष।
पुलिन, सं. पुं. नदीमें बालूका टापू।
पुल्लिङ्ग, सं. पुं. पुंल्लिङ्ग।
* पुष्कर, सं. पुं. आकाश।
पुष्करिणी, सं. स्त्री. जलाशय, तलैया।
पुष्कल, गु. श्रेष्ठ; बहुत; पूर्ण।
पुष्ट, गु. पाला, स्थूल; पोढ़ा।
पुष्टई. सं. स्त्री. पुष्ट कर्नेकी वस्तु।
पुष्टता, } सं. स्त्री. मोटाई, पोढ़ाई। पुष्टि, }
पुष्टिकर, सं. पुं. पुष्टई।
पुष्प, सं. पुं. फूल।
पुष्पक, सं. पुं. कुवेरका विमान।
पुष्पपात्र, सं. पुं. फूलका आधार।
पुष्परस, सं. पुं. पुष्प जिस्से मधु वा अम्रत निकलता है।
पुष्पाञ्जलि, सं. स्त्री. फूलोंसे भरी अञ्जली।
पुष्पित, सं. पुं. जिस् वृक्षमें फूल लगे हैं।
पुष्य, सं. पुं. आठवाँ नक्षत्र।
पुस्तक, सं. पुं. ग्रन्थ।
पूआ, सं. पुं. मीठी रोटी पुरी विशेष।
पूँ, सं. पुं. पादनेसे जो शब्द।
पूँगी, सं. स्त्री. बाँसली विशेष।
पूँछ, सं. स्त्री. पुच्छ।
पूँछना, स. क्रि. पोंछना।

पूँछार, गु. पुच्छवान, पोंछियाहा।
पूँजी, सं. स्त्री. मूल।
पूग, सं. पुं. समूह; सुपारीका वृक्ष।
पूगीफल, सं. स्त्री. सुपारी।
पूछ, सं. पुं. खोज।
पूछना, स. क्रि. खोजना, प्रश्न करना।
पूछी, सं. स्त्री. मच्छीकी पूँछ।
पूजक, सं. पुं. अर्चक।
पूजन, सं. पुं. पूजाका व्यापार।
पूजना, स. क्रि. अर्चना, भजना। अ. भरजाना, पूरा होना।
पूजनीय, } गु. पूजाके योग्य।
पूजमान, }
पूजा, सं. पुं. अर्चा; आदर।
पूजित, गु. जो पूजा गया।
पूज्य, } गु. पूजाके योग्य।
पूज्यमान, }
पूठ, सं. पुं. पुट्ठा।
पूठा, सं. पुं. पुस्तकका गाता।
पूडा, गु. बेसनका पकवान विशेष।
पूणी, सं. स्त्री. रुई जो कातनेके लिये बनाई है।
पूत, सं. पुं. पुत्र।
पूतली, सं. स्त्री. पुतली।
पूति, सं. पुं. पवित्रता; जमीन्कन्द छोटा अवयव।
पूनसलाई, सं. स्त्री. पतली छडी जिसमें पूनी बनाते हैं।
पूनियो, सं. स्त्री. पूर्णमासी।
पूनी, सं. स्त्री. पूणी।
पूनो, सं. स्त्री. पूर्णमासी।
पूप, सं. पुं. पूआ।
पूय, सं. पुं. राद, मांझ।

पूरक, गु. जो पूरा करता वा पूरा हो जाता है।
पूरण, गु. भरा, पूरा; सब, सारा।
पूरब, सं. पुं. पूर्व।
पूरा, गु. पूरण।
पूराई, सं. स्त्री. भराई, पूरणता।
पूरिया, सं. स्त्री. रागिणी विशेष।
पूरी, सं. स्त्री. पकवान विशेष।
पूर्ण, गु. पूरण।
पूर्णपात्र, गु. पात्र जो भरा है; पात्र जो चावलकी दो सौ छपन मुष्टिसे भरके प्रधान पण्डित को देते हैं।
पूर्णमासी, } सं. स्त्री. शुक्ल पक्षकी
पूर्णिमा, } समाप्ति तिथि।
पूर्त्ति, सं. स्त्री. पूराई।
पूर्णाहुति, सं. स्त्री. होममें समाप्ति की आहुति।
पूर्व, सं. पुं. सूर्यके उदय होनेकी दिशा। गु. अगला, पहिला।
पूर्वकृतकर्म, सं. पुं. पूर्वजन्ममें किये भये जो कर्म।
पूर्वज, सं. पुं. अग्रज, ज्येष्ठभ्राता, बडाभाई।
पूर्वदेश, सं. पुं. मध्यदेशसे पूर्वका देश।
पूर्वपक्ष, सं. पुं. चर्चाकर्नेमें जो स्थापन किया जाता है वा निषेध किया जाता है।
पूर्वा, सं. पुं. छोटा ग्राम।
पूर्वाफाल्गुनी, सं. स्त्री. पूर्वफल्गुनी, ग्यारहवाँ नक्षत्र।

पूर्वभाद्रपद, सं. पुं. पूर्वभाद्रपद, छबीसवां नक्षत्र।
पूर्वाभिमुख, सं. पुं. पूर्वदिशाके सन्मुख।
पूर्वार्द्ध, गु. पहिला आधा।
पूर्वाषाढ़ा, सं. स्त्री. बीसवाँ नक्षत्र।
पूर्वाह्न, सं. पुं. दिनका प्रथम भाग।
पूर्वी, गु. पूर्वदेशका जो है। सं. स्त्री. रागिणी विशेष।
पूला, सं. पुं. } तृणकी छोटी छोटी
पूली. स्त्री. } गड्डी।
पूस, सं. पुं. पौष।
पृच्छा, सं. पुं. जिज्ञासा, प्रश्न।
पृथक्, अ. भिन्न, अलग।
पृथकत्व, सं. पुं. भिन्नत्व।
पृथवी, सं. स्त्री. पृथिवी।
पृथवीनाथ, सं. पुं. पृथिवीका नाथ अर्थात राजा।
पृथिवी, सं. स्त्री. धरती।
पृथिवीपति, सं. पुं. राजा।
पृथूदर, सं. पुं. मेढ़ा।
पृथ्वी, सं. स्त्री. धरती।
पृथ्वीनाथ, }
पृथ्वीपति, } सं. पुं. राजा।
पृथ्वीपाल, }
पृष्ट, गु. पूछाभया।
पृष्ठ, सं. पुं. पीठ, पिछला भाग, पत्रका एक मुख।
पेई, सं. स्त्री. पिटारी।
पेंग, सं. स्त्री. झूलेका हिलाना। पुं. पक्षी विशेष।
पेंठ, सं. स्त्री. हाट, मण्डी।
पेंड, सं. स्त्री. डग, चलावा; टीला।
पेंदा, सं. पुं. तला, पेंदी।
पेखना, सं. पुं. स्वाँग; खिलौना; स्त्रीयोंका छल। स. क्रि. देखना।
पेखनिया, सं. पुं. स्वाँगी।
पेच, सं. पुं. मरोरी।
पेचक, }
पेचा, } सं. पुं. उलूक।
पेट, सं. पुं. उदर; गर्भ।
पेटक, सं. पुं. पिटारा।
पेटारा, सं. पुं. पिटारा।
पेटार्थी, } गु. पेटपालू, खाऊ,
पेटार्थू, } भक्षक।
पेटिया, सं. पुं. प्रतिदिनका भोजन।
पेटी, सं. स्त्री. पेटका बन्धन; पिटारी; सन्दूक; छाती।
पेटू, गु. पेटार्थू।
पेटौखा, सं. पुं. पेट चलनेका रोग।
पेठा, सं. पुं. लौकी वा कद्दू विशेष।
पेड़, सं. पुं. वृक्ष।
पेड़ा, सं. पुं. मिठाई विशेष; लोई।
पेड़ी, सं. स्त्री. पेड़ा; सुपारी; नीलकावृक्ष जब एकबार काटा गया; पेड़का स्तम्भ।
पेड़ू. सं. पुं. नाभिके नीचेका स्थान।
पेम, सं. पुं. प्रेम।
पेमी, गु. प्रेमी।
पेय, सं. पुं. पानी, दूध। गु. जो पीनेके योग्य है।
पेरू, सं. पुं. कुकुट विशेष।
पेलड़, } सं. पुं. आँड, कोडी,
पेलड़ा, } कोष।

पेलना, स. क्रि. ठेलना, रेलना, ठाँसना, दबाना, भर्ना।
पेला, सं. पुं. आँड ; दोष, उपद्रव ; टेकन।
पेलू, सं. पुं. ढकेलू।
पेवडी, सं. स्त्री. पीतरङ्ग विशेष।
पेवसो, सं. स्त्री. पीयूष।
पेषण, सं. पुं. एक पत्थरपर दूसरे पत्थरसे किसी एक वस्तुको बार म्बार घिसना ; दलैंती।
पेषणी, सं. स्त्री. चक्की, दलैंती।
पेषणीय, गु. पीसनेके योग्य।
पै, सं. पुं. दूध ; जल। स्त्री. दोष। अ. ऊपर, तौभी, परन्तु।
पैंचना, स. क्रि. पछोडना, फटकना।
पैँचा, सं. पुं. बदला, पलटा।
पैँजनी, सं. स्त्री. पैरमेंका गहना विशेष।
पैँडा, सं. पुं. मार्ग, सडक।
पैँतालीस, गु. चालीस और पाँच ४५।
पैँतीस, गु. तीस और पाँच ३५।
पैँसठ, गु. साठ और पाँच ६५।
पैकडा, सं. पुं. } बेडी ; पैरका गहना विशेष।
पैकडी, स्त्री. }
* पैग, सं. पुं. ब्रह्मा।
पैज, सं. स्त्री. प्रतिज्ञा, प्रण।
पैठ, सं. पुं. झण्डीकी प्रतिया ; पऊंच ; प्रवेश।
पैठना, अक. क्रि. घुसना, धसना।
पैठालना, स. क्रि. प्रवेश करवाना, घुसाना।
पैड, सं. पुं. पैरोंका चिन्ह।
पैडा, सं. पुं. ऊँची खडाऊँ।
पैडी, सं. स्त्री. सीढी।
पैतला, गु. उथला, छिछला।
पैतृक, गु. बपौती, पूर्वपुरुषसे प्राप्त जो धन, वा व्यवहार।
पैदल, अ. पैरोंसे। सं. पुं. पियादे।
पैन, सं. पुं. नाली, पोखरा।
पैना, सं. पुं. पशुहाँकनेके लिये लोहेका अस्त्र। गु. तीक्ष्ण।
पैनाना, स. क्रि. तीक्ष्णकर्ना, बाढदेना।
पैनाला, सं. पुं. पनाला, मुहरी।
पैय्या, सं. पुं. चक्र।
पैर, सं. पुं. पाँव।
पैरना, अक. क्रि. हेलना, पँवर्ना, तिर्ना।
पैराई, सं. स्त्री. पैरनेकी चाल ; पैरना सिखलानेका पैसा।
पैराक, सं. पुं. पैरनेहारा।
पैराकी, स्त्री. पैरनेहारी।
पैराना, स. क्रि. हेलाना, पैंराना।
पैराव, गु. जलस्थान जो पैरनेके योग्य है।
पैरी, सं. स्त्री. पाँवका गहना विशेष।
पैला, सं. पुं. अन्न मापनेका पात्र विशेष।
पैशून्य, सं. पुं. दुष्टता।
पैसा, सं. पुं. ताँबेकी मुद्रा।
पैसार, सं. पुं. पऊंच, पैठ, प्रवेश।
पैहै, क्रि. पावेगा।
पोआ, सं. पुं. पोधा ; दूधपीनेहारा बच्चा ; साँपका बच्चा जो थोडे दिनका है।

पोआना, स. क्रि. घमाना।
पोईस, अ. अरे।
पोंकना, अक. क्रि. पेट चलना।
पोंका, सं. पुं. कीडा विशेष।
पोंगा, सं. पुं. उल्लू, मूर्ख; ढोल विशेष; पोर। गु. छूछा।
पोंछन, सं. पुं. झाडन, गूदड।
पोंछना, स. क्रि. फर्छाना झाडना।
पोखना, स. क्रि. पालना।
पोखर, } सं. पुं. जल; तडाग।
पोखरा, }
पोट, सं. स्त्री. मोट, गाँठ; गठरी।
पोटला, सं. पुं. बडी गठरी।
पोटली, सं. स्त्री. गठरी।
पोटा, सं. पुं. गेदा; पलक; पक्षीका जोज; श्रोज; रेंटा।
पोढा, गु. कडा, बलवान्, ठोस।
पोढाई, सं. स्त्री. कडापन, ठोसाई; बल।
पोत, सं. स्त्री. काचके सूक्ष्म मणिये; नात; स्वभाव, प्रकृत; बच्चा।
पोतडा, सं. पुं. छोटे लडकोंका बिछैाना, गुदडी।
पोतडी, सं. स्त्री. खेरी, हल।
पोतना, स. क्रि. लीपना, घरपोतनेका वस्त्र।
पोता, सं. पुं. लडकेका लडका, पैात्र, दुहता।
पोती, सं. स्त्री. पैात्री, दुहती।
पोथा, सं. पुं. बडा ग्रन्थ।
पोथी, सं. स्त्री. छोटा ग्रन्थ।
पोदना, सं. पुं. पक्षी विशेष।
पोदनी, सं. स्त्री. पोदनाकी स्त्री।
पोना, स. क्रि. पकाना; पिराना। सं. पुं. ऊनो।
पोपनी, सं. पुं. वाद्य विशेष।
पोपला, गु. अदाँत, दाँतरहित।
पोमचा, सं. पुं. जैनगरका रङ्गीन श्रोढनेका वस्त्र।
पोय, सं. स्त्री. } साग विशेष।
पोया, पुं. }
पोर, सं. स्त्री. दोनो ग्रन्थिका मध्य।
पोरी, सं. स्त्री. टोंटा बाँसकी गाँठ।
पोला, गु. छूछा, खाली, कोमल।
पोली, सं. स्त्री. अनाडी, अज्ञानी।
पोषक, सं. पुं. पालनेहारा।
पोषण, सं. पुं. पालन।
पोषना, स. क्रि. पालना।
पोष्य, गु. पालनेके योग्य।
पोष्यवर्ग, सं. पुं. कुटुम्ब।
पोष्यपुत्र, सं. पुं. लेपालक।
पोसना, स. क्रि. पालना।
पोह, सं. स्त्री. तडका, भोर।
पोहना, स. क्रि. पेडा बनाना।
पैा, सं. स्त्री. जल पियावनेकी शाला; पासेमेंका एक्का।
पैांडा, सं. पुं. मोटा इक्षु विशेष।
पैाढना, अक. क्रि. सोना, लेटना।
पैाढा, गु. पोढा।
पैाढाई, सं. स्त्री. पोढाई।
पैात्तलिक, सं. पुं. मूर्त्तिकी पूजा कर्नेहारा।
पैात्र, सं. पुं. पोता।
पैात्री, सं. स्त्री. पोती।
पैाधा, सं. पुं. वृक्ष जो तरुण है, एक वर्षका वृक्ष।

पौन, गु. तीन चौथाई।
पौना, सं. पुं. ऊनौ।
पौने, गु. जिस् संख्याके साथ इस्का सम्बन्ध होय वह उस् संख्यासे एक अंश न्यून कर्ता है।
पौर, सं. स्त्री. फाटक ; द्वार।
पौराणिक, सं. पुं. पुराणका व्यवसाई, व्यास।
पौरिया, सं. पुं. डेवढ़ीवान, द्वारपाल।
पौरी, सं. स्त्री. पौर।
पौरुष, सं. पुं. परक्रम ; मनुष्यत्व।
पौरोहित्य, सं. स्त्री. पुरोहिताई।
पौली, सं. स्त्री. पौर।
पौवा, सं. पुं. सेरका चौथा भाग।
पौष, सं. पुं. नवाँ महीना।
पौष्टिक, गु. पुष्टई।
पौसरा, सं. पुं. पौ।
पौह, सं. पुं. जल पिलावनेकी शाला।
पौहदा, सं. पुं. पौधा।
प्यार, सं. पुं. प्रेम।
प्यारा, पुं. } गु. प्रिय।
प्यारी, स्त्री. }
प्यावना, स. क्रि. पिलाना।
प्यास, सं. स्त्री. तृषा।
प्यासा, पुं. } गु. तृषावन्त।
प्यासी, स्त्री. }
प्र, अ. जिस् शब्दके प्रथममें यह संयुक्त होवे उस्का अर्थ कभी आगे कभी अधिक है।
प्रकट, गु. प्रगट्।
प्रकटित, गु. प्रगट्।
प्रकरण, सं. पुं. एक विषयका प्रस्ताव, पढ़नेमें ठहरानेका स्थान।
प्रकाण्ड, सं. पुं. वृक्षका लम्ब वा डाल ; बड़ाई ; सुख।
प्रकार, सं. पुं. विशेषण, भेद ; सादृश्य ; रीति, डौल।
प्रकारान्तर, गु. दूसरा प्रकार।
प्रकाश, सं. पुं. ज्योति, उजाला। गु. प्रगट।
प्रकाशक, सं. पुं. प्रकाश कर्नेहारा।
प्रकाशित, गु. जो प्रकाश किया गया।
प्रकीर्ण, सं. पुं. चौंरी ; अध्याय। गु. प्रगट्, व्याप्त।
प्रकीर्त्तित, गु. कथित।
प्रकृत, सं. स्त्री. स्वभाव, गुण। गु. जो बनाया गया।
प्रकृतार्थ, सं. पुं. प्रकृतका जो अर्थ।
प्रकृति, सं. स्त्री. स्वभाव।
प्रकृष्ट, गु. उत्तम, मुख्य।
प्रक्रम, सं. पुं. चलन, गमन ; अवकाश।
प्रक्रिया, सं. स्त्री. व्याकरणका ग्रन्थ विशेष, साधनिका।
प्रखर, सं. पुं. पाखर। गु. तीक्ष्ण।
प्रख्यात, गु. प्रतिष्ठित, प्रसिद्ध ; प्रसन्न, आनन्दित।
प्रगट, गु. व्यक्त, साक्षात, प्रत्यक्ष, प्रकाश।
प्रगटना, अक. क्रि. प्रगट होना।
प्रगल्भ, गु. सूमी, निडर ; प्रतिष्ठित ; सामर्थी।
प्रगाढ़, सं. पुं. पीड़ा, तपस्या। गु. बहुत ; कठिन।

प्रघट गु. प्रगट।
प्रघटो सं. स्त्री. साँचा सोने वा रूपेके लिये।
प्रचण्ड, गु. असह्य; प्रबल, भयानक; क्रोधी।
प्रचार, सं. पुं. प्रकाश, प्रगटता, फैलाव।
प्रचुर, गु. बहुत।
प्रचोदित, गु. प्रेरित, जो आज्ञा किई गयी।
प्रच्छन्न, सं. पुं. चोर खिडकी। गु. गुप्त, आच्छादित।
प्रजा, सं. स्त्री. सन्तान; राज्यके लोग।
* प्रजापति, सं. पुं. राजा।
प्रज्ञ, गु. विज्ञ, विद्यावान्, पण्डित।
* प्रज्ञा, सं. स्त्री. बुद्धि। गु. स्त्री जो विद्यावती है।
प्रज्वलित, गु. ज्योतिष्मान्, उज्ज्वल; जला।
प्रण, सं. पुं. प्रतिज्ञा।
प्रणति, सं. स्त्री. प्रणाम।
प्रणय, सं. पुं. प्रीति, अपनायन, मुक्ति; भरोसा।
प्रणाम, सं. पुं. नमस्कार।
प्रणाली, सं. स्त्री. नाली।
प्रणिधान, सं. पुं. मनोयोग, उद्योग।
प्रणिपात, सं. पुं. दण्डवत्, प्रणाम।
प्रणी, गु. मनचला।
प्रताप, सं. पुं. तेज, सूर्मापन।
प्रतापवान, } गु. तेजवान, तेजस्वी।
प्रतापी, }
प्रतारक, सं पुं. ठग, वञ्चक।
प्रतारण, } सं. पुं. ठगाई, वञ्चन।
प्रतारणा, }
प्रतारित, गु. ठगाया, वञ्चित।
प्रति, अ. यह जिस शब्दके प्रथममें संयुक्त होवे उसका अर्थ कभी फेर, कभी सन्ते, कभी एक एक है।
प्रतिकार, सं. पुं. बदला, पलटा।
प्रतिकूल, गु. विरुद्ध, उलटा, प्रतिबन्धक।
प्रतिक्षण, अ. एक एक क्षण, बारम्बार।
प्रतिग्रह, सं. पुं. दान जो ब्राह्मणके योग्य है, वा ऐसे दानका ग्रहण कर्ना।
प्रतिघात, सं. पुं. मारण, वध।
प्रतिच्छाया, सं. स्त्री. प्रतिबिम्ब; सदृश, मूर्त्ति।
प्रतिज्ञा, सं. स्त्री. बचन, प्रण, अवधि, अवश्य कर्नेका स्वीकार।
प्रतिदान, सं. पुं. धरोहर फेरदेना।
प्रतिदिन, अ. दिन दिन।
प्रतिनिधि, सं. स्त्री. सदृश, तदनुरूप; प्रतिभू।
प्रतिपत, द, सं. स्त्री. परेवा, पक्षकी पहिली तिथि।
प्रतिपत्ति, सं. स्त्री. यश, ज्ञान।
प्रतिपन्न, गु. जो जानागया, निश्चित।
प्रतिपक्ष, सं. पुं. शत्रु।
प्रतिपादन, सं. पुं. दान; बुझावना।

प्रतिपादित, गु. जिसका प्रतिपादन हो चुका।
प्रतिपाद्य, गु. बोध्य।
प्रतिपाल, सं. पुं. प्रतिपालन।
प्रतिपालक, सं. पुं. प्रतिपाल कर्नेहारा।
प्रतिपालन, सं. पुं. पोषण।
प्रतिपालना, स. क्रि. प्रतिपालन कर्ना।
प्रतिप्रसव, सं. पुं. जो बात और बातसे सिद्ध होय।
प्रतिफल, सं. पुं. सम्पूर्ण फल।
प्रतिबन्ध, सं. पुं. कार्य्यका नाशक।
प्रतिबन्धक, सं. पुं. बाधक, रोकने वा अटकानेहारा।
प्रतिभा, सं. स्त्री. समझ, बुद्धि; ज्योति।
प्रतिभाग, सं. पुं. अंश अंश पर।
प्रतिभू, सं. पुं. मनौति।
प्रतिमा, सं. स्त्री. मूर्त्ति, पुतला।
प्रतिमास, सं. पुं. महीने २।
प्रतिमूर्त्ति, सं. स्त्री. मूर्त्तिके समान मूर्त्ति।
प्रतियोग, सं. पुं. शत्रुता, विरोध।
प्रतियोगी, गु. विरोधी, शत्रु।
प्रतिरूप, सं. पुं. सदृश, चित्र, मूर्त्ति।
प्रतिरोध, सं. पुं. अटकाव्।
प्रतिरोधक, सं. पुं. चोर।
प्रतिलोम गु. बायाँ, उलटा; औंधा, नीच, दुष्ट।
प्रतिवचन, सं. पुं. उत्तर।
प्रतिवर्ष, सं. पुं. वर्ष वर्ष।
प्रतिवाक्य, सं. पुं. उत्तर। गु. जो उत्तर देनेके योग्य है।
प्रतिवाद, सं. पुं. विवाद, झगडा, विरोध।
प्रतिवादी, सं. पुं. विवादी, प्रत्यर्थी, विरोधी।
प्रतिवास, सं. पुं. पडोस।
प्रतिवासी, सं. पुं. पडोसी।
प्रतिबिम्ब, सं. पुं. दर्पणादि वस्तुमें देखी जाय जो छाया, प्रतिरूप।
प्रतिषिद्ध, गु. निषिद्ध, वर्जित।
प्रतिषेध, सं. पुं. निषेध, मनाई, रुकी।
प्रतिष्ठा, सं. स्त्री. मूर्त्तिकी स्थापना कर्ना; सुख्याति।
प्रतिष्ठित, गु. सुख्यातियुक्त; स्थापित।
प्रतिहत, गु. जो निरास हुआ; जो रोका गया, भ्रष्ट, नष्ट।
प्रतीक, सं. पुं. अवयव, अङ्ग।
प्रतीकार, सं. पुं. पलटा, बदला।
प्रतीची, सं. स्त्री. पश्चिम दिशा।
प्रतीत, गु. प्रतिष्ठित, प्रगट।
प्रतीति, सं. स्त्री. विश्वास, श्रद्धा, भरोसा; समझ।
प्रतीक्षा, सं. स्त्री. औरकी बाट देखनी, प्रत्याशा।
प्रत्यय, सं. पुं. विश्वास; समझ; प्रकृतिके आगे अर्थ विशेषके बोधके लिये जिसका प्रयोग होय।
प्रत्यवाय, सं. पुं. वियोग।
प्रत्यह, अ. प्रतिदिन।

प्रत्यक्ष, गु. साक्षात्; आँखोंकेआगे, देखनेके योग्य। अ. आगे।

प्रत्याशा, सं. स्त्री. आसरा, भरोसा।

प्रत्युत्तर, सं. पुं. उत्तरका उत्तर।

प्रत्युत्थान, सं. पुं. उत्थानपूर्वक जो सन्मान।

प्रत्युपकार, सं. पुं. उपकारके बदले उपकार।

प्रत्येक, गु. एक २, हरएक।

प्रथम, गु. पहिला, आदि।

प्रथा, सं. स्त्री. सुख्याति।

प्रथित, गु. यशवन्त, प्रसिद्ध।

प्रदक्षिण, प्रदक्षिणा, } सं. स्त्री. पूज्यके दहिने ओरसे फिरके अपने स्थानपर आना; मण्डलाकार फिर्ना, फेरी देना।

प्रदीप, सं. पुं. दीपक।

प्रदेश, सं. पुं. स्थान; देश; परदेश; छोटी वितस्ति।

प्रदोष, सं. पुं. सूर्यके अस्त होनेसे पीछे दो मूहूर्त्त; दोष।

प्रधान, सं. पुं. मन्त्री, मुख्य, श्रेष्ठ, पहिला।

प्रधानता, सं. स्त्री. श्रेष्ठता।

प्रनाम, सं. पुं. प्रणाम।

प्रपञ्च, सं. पुं. विरोध; ढेर; धोखा, छलबल; चूक; बातोंका विस्तार।

प्रपञ्चित, गु. जो विस्तार कर्के वर्णन किया गया।

प्रपञ्ची, सं. पुं. प्रपञ्च कर्नेहारा; घाती, छली।

प्रपितामह, सं. पुं. पितामहका पिता।

प्रपितामही, सं. स्त्री. पितामहकी माता।

प्रपौत्र, सं. पुं. पौत्रका पुत्र।

प्रपौत्री, सं. स्त्री. पौत्रकी पुत्री।

प्रफुल्ल, गु. विकसित।

प्रफुल्लित, गु. विकसित; मगन, प्रसन्न।

प्रबन्ध, सं. पुं. क्रमसे वाक्यकी रचना; कथा, वृत्तांत।

प्रबल, सं. पुं. बलवान्।

प्रबलता, सं. स्त्री. बरबस।

प्रबोध, सं. पुं. ज्ञान; सुर्त्त, उजगता।

प्रभव, सं. स्त्री. उत्पत्ति, उत्पन्न; उत्पत्तिकारी।

प्रभा, सं. स्त्री. दीप्ति, चमक।

प्रभाव, सं. पुं. महात्म्य; सामर्थ।

प्रभात, सं. पुं. भोर।

प्रभाती, सं. स्त्री. रागिणी विशेष।

प्रभु, सं. पुं. नाथ, स्वामी, ईश्वर।

प्रभुता, सं. स्त्री. } स्वामित्व, ईश्वरत्व।
प्रभुत्व, सं. पुं. }

प्रभृति, अ. इत्यादि।

प्रमदा, सं. स्त्री. सुलक्षणा स्त्री।

प्रमा, सं. स्त्री. यथार्थका ज्ञान, अनुभव।

प्रमाण, सं. पुं. निश्चयका कारण, साक्षी; अवधि। गु. निश्चय, सच्चा, ग्राह्य।

प्रमाणिक, गु. योग्य, ग्राह्यरूप।

प्रमातामह, सं. पुं. मातामहका पिता।

प्रमातामही, सं. स्त्री. मातामह की माता।
प्रमाद, सं. पुं. चूक ; आनाकानी।
प्रमादी, गु. अचेता, असोच।
प्रमुदित, गु. हर्षित।
प्रमेह, सं. पुं. वीर्य्यका रोग।
प्रमोद, सं. पुं. हर्ष।
प्रमोदित, गु. हर्षित।
प्रयत्न, सं. पुं. अत्यन्त चेष्टा।
प्रयाण, सं. पुं. धावा, गमन।
प्रयास, सं. पुं. परिश्रम, थकाई।
प्रयुक्त, गु. मिलाऊआ, भराऊआ।
प्रयोग, सं. पुं. अनुष्ठान; दृष्टान्त; फल।
प्रयोजक, सं. पुं. प्रेरक, उठानेहारा।
प्रयोजन, सं. पुं. कारण ; तात्पर्य्य।
प्रयोजनी, गु. अवश्य।
प्रयोज्य, गु. मुख्य। सं. पुं. सेवक, चेला।
प्रलय, सं. पुं. कल्पका अन्त; सर्वनाश।
प्रलयकाल, सं. पुं. नाशका समय।
प्रलाप, सं. पुं. अज्ञान अवस्थाका वाक्य, निरर्थक वाक्य।
प्रलेप, सं. पुं. औषधादिका लेपन।
प्रवञ्चना, सं. स्त्री. प्रतारणा।
प्रवर, सं. पुं. सन्तान; वंश, गोत्र। गु. श्रेष्ठ।
प्रवर्त्तक, सं. पुं. प्रेरक, उतारनेहारा।
प्रवास, सं. पुं. विदेश, देशावर, परदेश।
प्रवासी, सं. पुं. विदेशी, परदेशी।
प्रवाह, सं. पुं. नदीकी धारा।
प्रविष्ट, गु. जो प्रवेश किया गया।
प्रवीण, गु. निपुण, सुचतुर, स्याना।
प्रवीणता, सं. स्त्री. निपुणता, सुचतुराई, स्यानपन।
प्रवृत्ति, सं. स्त्री. काज; समाचार; धारा; इच्छा।
प्रवेश, सं. पुं. पैठ, पऊंच।
प्रशंसनीय, गु. प्रशंसाके योग्य।
प्रशंसा, सं. स्त्री. स्तुति, बड़ाई।
प्रशमन, सं. पुं. वध।
प्रशस्त, गु. आनन्दी ; योग्य, भला।
प्रश्न, सं. पुं. जिज्ञासा।
प्रष्टा, सं. पुं. पूछनेहारा।
प्रष्ठ, सं. पुं. पीठ, अगुआ। गु. मुख्य, श्रेष्ठ।
प्रसक्त, अ. सदा। गु. सनातन; प्राप्त।
प्रसङ्ग, सं. पुं. प्रस्ताव; मेल, सङ्गम।
प्रसन्न, गु. हर्षित, आनन्दित; दयालु।
प्रसन्नता, सं. स्त्री. प्रसाद; हर्ष, आनन्द, कृपा।
प्रसव, सं. पुं. गर्भसे बालकका निकलना, जनाया।
प्रसाद, सं. पुं. देवताओंका उच्छिष्ट वा गुरूका ; कृपा, दान।
प्रसादी, गु. जो कुछ देवताओंको चढाया गया।
प्रसारण, सं. पुं. पसराव, फैलाव।
प्रसारित, गु. विस्तारित, जो फैलाया गया।
प्रसिद्ध, गु. प्रकाशित, विख्यात।

प्रसिद्धता, सं. स्त्री. प्रगटता, सुख्याति।
प्रसूत, सं. पुं. पानी बहनेका रोग। गु. जात. जन्मा।
प्रसून, सं. पुं. पुष्प; फल।
प्रसौती, सं. स्त्री. स्त्री जिस्को प्रसव ऊआ है।
प्रस्तर, सं. पुं. पत्थर, पाषाण।
प्रस्तरमय, गु. पाषाणमय, पथरीला।
प्रस्ताव, सं. पुं. अवसर, चर्चा।
प्रस्ताविक, गु. समयपर।
प्रस्तुत, गु. कथित; सिद्ध; जो स्तुति किया गया।
प्रस्थ, सं. पुं. परिमाण विशेष।
प्रस्थान, सं. पुं. गमन, विदा, धावा कर्नेहारेका गमन।
प्रस्थापित, गु. प्रेरित, भेजा गया।
प्रस्फुटित, गु. विकसित।
प्रस्राव, सं. पुं. मूत, पिशाब।
प्रहर, सं. पुं. पहर, दिन वा रात्रिका चौथा भाग।
प्रहार, सं. पुं. चोट्, ठोकर।
प्रहारी, सं. पुं. मार्नेहारा।
प्रहेलिका, सं. स्त्री. पहेली, दृष्टकूट।
प्रहृष्ट, गु. सन्तुष्ट।
प्रक्षालन, सं. पुं. धोलाई।
प्रक्षालित, गु. जो धोआ गया।
प्राक्. अ. आगे, पहिले; पूर्व।
प्राकार, सं. पुं. गढ।
प्राकृतभाषा, सं. स्त्री. संस्कृतभाषा विशेष।
प्राक्तन, गु. पुराना।
प्रागल्भ्य, सं. पुं. प्रगल्भता, ढिठाई, घमण्ड।
प्राची, सं. स्त्री. पूर्वदिशा।
प्राचीन. गु. पुराना, अगला।
प्राचीनता, सं. स्त्री. पुरानपन।
प्राज्ञ, गु. पण्डित. बुद्धिमान्, विज्ञ।
प्राड्विवाक, सं. पुं. राजाकी आज्ञासे बिचार कर्नेके लिये स्थापित पुरुष, न्यायक।
प्राण, सं. पुं. श्वास, वायु, जीव; प्रीतम।
प्राणयत्न, सं. पुं. अत्यन्त प्रयास।
प्राणप्रतिष्ठा, सं. पुं. मन्त्र कर्के प्रतिमामें देवताके जीव धारण कर्ना।
प्राणदण्ड, सं. पुं. वध।
प्राणान्त, सं. पुं. प्राणका नाश।
प्राणायाम, सं. पुं. श्वासको रोकना।
प्राणी, गु. जीवधारी, जन्तु।
प्रातः, प्रातःकाल, } सं. पुं. भोर, प्रभात, तड्का।
प्रादुर्भाव, सं. पुं. आविर्भाव; महिमा।
प्राधान्य, सं. पुं. श्रेष्ठता।
प्रान्त, सं. पुं. कगर, शेषभाग।
प्रापक, सं. पुं. जो पऊंचावे।
प्राप्त, गु. जो मिला, लब्ध।
प्राप्ति, सं. स्त्री. लाभ, उपार्जन, गोडी।
प्रामाणिक, सं. पुं. अतिमान्य लोग, प्रधान।
प्रामाण्य, गु. जो प्रमाण कर्नेके योग्य।
प्रायः, अ. कभी २, बऊधा।
प्रसिद्ध, गु. प्रकाशित, विख्यात।

प्रायश्चित्त, सं. पुं. पापमात्रके नाश करनेहारा कर्म विशेष।
प्रारब्ध, सं. स्त्री. भाग, लिखा।
प्रारम्भ, सं. पुं. आरम्भ।
प्रार्थना, सं. स्त्री. विनति, चाहत।
प्रार्थित, गु. वाञ्छित।
प्रावृत, सं. पुं. घूँघट; घोघो। गु. ढका।
प्रासाद, सं. पुं. मन्दिर; राजभवन, सदन।
प्रिय, गु. प्यारा।
प्रियतम, गु. अत्यन्त प्यारा। सं. पुं. पिया, प्रेमी; पति।
प्रिया, गु. स्त्री. प्यारी। सं. चाहीती, आँखलगी।
प्रीति, सं. स्त्री प्रेम, प्यार, मोह।
प्रेत, सं. पुं. मरा; पिशाच, भूत।
प्रेतनी, सं. स्त्री. प्रेतकी स्त्री।
प्रेम, सं. स्त्री. प्रीति, स्नेह, लाड।
प्रेमी, गु. प्रेम करनेहारा, कोही, स्नेही।
प्रेरक, सं. पुं. भेजनेहारा।
प्रेरण, प्रेरणा, } सं. पुं. नियोग, भेजना।
प्रेरणार्थ, गु. जिसमें प्रेरणका ज्ञान है।
प्रेरित, गु. जो मनुष्य भेजा गया।
प्रेष्ठ, गु. प्रियतम।
प्रेष्य, सं. पुं. दूत, सेवक।
प्रेक्षण, सं. पुं. चक्षु; दृष्टि।
प्रोक्त, गु. कथित।
प्रोत्साह, सं. पुं. बडा उद्योग; बडा उत्साह।
प्रोषित, गु. जो उकसा गया. विदेशी।
प्रोषितभर्तृका, सं. स्त्री. जिस स्त्रीका पति विदशमें गया है।
प्रोहित, सं. पुं. पुरोहित।
प्रोक्षण, सं. पुं. यज्ञमें बलिदान करना; वध, छिडकाव।
प्रोक्षित, गु. जो छिडका गया वा वध किया गया।
प्रौढ, गु. जो बढचुका।
प्रौढा, सं. स्त्री. स्त्री तीस वर्षसे पचपन वर्ष लग।
प्रौढता, सं. स्त्री. मोटाई।
प्रौढि, सं. स्त्री. जोखिम, धुन।
प्लीह, सं. पुं. पिलही, तिल्ली।
प्लुत, सं. पुं. दः स्वर विशेष।
प्लुति, सं. स्त्री. कूदना, फाँदना।

फ

फ, देवनागरी वर्णमालाके हल वर्णोंमेंका बाईसवाँ अक्षर।
फँदना, अक. क्रि. फसना।
फँदलाना, स. क्रि. फुसलाना।
फँदा, सं. पुं. फसडी, फाँसी; जञ्जाल।
फँसाव, सं. पुं. उलझेडा, अटकाव्
फँसियारा, सं. पुं. बटपार जो पथिकको फाँसी देता है।
फकडी, सं. स्त्री. अनादर करनेका काम।
फक्कड, सं. पुं. झगडा, गाली गलौज, ठठोली।
फक्का, सं. पुं. फक्का।
फक्किका, सं. स्त्री. फाँकी।

फक्की, सं. स्त्री. फंकी।
फकिया, सं. स्त्री. फाँक।
फगुवा, सं. पुं. होलीके दिन।
फङ्का, सं. पुं. } चूर्णादिको हथेलीमें
फङ्की, स्त्री. } लेके मुखमें फेंकना।
फटक, सं. पुं. स्फटक।
फटकना, स. क्रि. पछोडना; झाडना।
फटकरी, सं. स्त्री. फिटकरी।
फटकी, सं. स्त्री. चिडीमारका जाल; बडा पिञ्जरा, पक्षीके भयके लिये रक्खो जो वृक्षमें टाँगी है।
फट्ना, अक. क्रि. चिरजाना, फूटना, टूट्ना।
फटपडना, अक. क्रि. बऊतसा उपजना; अचानकसे मोटा होना; कामकी अधिकाईसे व्याकुल होना।
फटफटाना, स. क्रि. पङ्ख झाडके उडना।
फटिक, सं. पुं. स्फटिक।
फड, सं. पुं. द्यूतस्थान।
फडकना, अक. क्रि. उछलना, फडफडाना; टीसना, कन्धा उछलना।
फडफडाना, अक. क्रि. फडक्ना।
फडफडिया, सं. पुं. फडक्नेहारा।
फडाना, स. क्रि. फटाना।
फण, सं. पुं. साँपका पसारा भया माथा।
फणधर, सं. पुं. साँप।
फणा, सं. पुं. फण।
फणी, सं. पुं. साँप।
फणीन्द्र, सं. पुं. साँपोंका राजा।
फदफदाना, अ. क्रि. बल्बलाना।
फन, सं. पुं. फण।
फनगा, सं. पुं. टिड्डा, आँखफोडा।
फनफनाना, अक. क्रि. फणखोलना।
फफसा, गु. फुल्लित।
फफूँदी, सं. स्त्री. गिलाहटके कारणसे जो अचार वा फलादि वस्तुमें लगती है, अर्थात् सडता है।
फफोला, सं. पुं. फुल्का, छाला।
फब, सं. स्त्री. शोभा।
फबक्ना, अक. क्रि. डाली निकलना, पनप्ना।
फबता, गु. ठीक, योग्य।
फबती, सं. स्त्री. शोभा; किसीको कपडा पहने ऊए देखके कहना कि यह किस् जातिका है।
फबन, सं. स्त्री. शोभा।
फबना, अक. क्रि. सोहना, छाजना, सज्ना।
फबीला, गु. सजीला।
फर, सं. पुं. फल।
फरकना, अक. क्रि. फडकना।
फरचा, सं. पुं. भीड वा मेघोंका बिथराव; अर्थी और प्रत्यर्थी पर न्यायक की पूरी आज्ञा।
फरचाना, स. क्रि. आज्ञा देना, न्याव चुकाना।
फरछा, गु. निर्मल, स्वच्छ, खरा।
फरछाना, स. क्रि. स्वच्छ वा निर्मल कर्ना, खराना।

फरफन्द, सं. पुं. छल, कपट।
फरफन्दिया, गु. छलिया, कपटी।
फरसा, सं. पुं. फावडा।
फरहरा, सं. पुं. } ध्वजा, पताका।
फरहरी, स्त्री. } गु. अधसूखा।
फरिया, सं. स्त्री. स्त्रीके ओढनेका वस्त्र विशेष।
फरी, सं. स्त्री. ढाल।
फरीटा, सं. पुं. बाँसका टुकडा; ध्वजाके हिलनेसे वा घोडेके श्वासलेनेसे जो शब्द।
फरीना, अक. क्रि. हिलना वा उडना जैसे ध्वजा वायुसे हिलती है।
फरीस, सं. पुं. वृक्ष विशेष।
फल, सं.पुं. वृक्षादिका सस्य; कर्मोंके द्वारा जो मिले; सन्तान; वाणके आगेका लोहा; खड्गादि वस्तुके लोहेका भाग, फलडा।
फलजनक, सं. पुं. जो फल जन्मावे।
फलताड, सं. पुं. ताड वृक्ष जो फल देता है।
फलद, सं. पुं. वृक्ष। गु. फलदाता।
फलदाता, गु. फल देनेहारा।
फलना, अक. क्रि. फल लाना; निकलना; भाग्यवान् होना।
फलबुझव्वल, सं. पुं. फलबुझानेका खेल।
फलवान्, सं. पुं. फलसंयुक्त।
फला, सं. पुं. संयुक्त अक्षर, सारे स्वर
फलाङ्ग, } सं. स्त्री. कूद, लङ्घन,
फलास, } डेग।
फलित, गु. फलों सहित।
फलितार्थ, सं. पुं. तात्पर्यार्थ।
फलिया, } सं. स्त्री. छीमी;
फली, } तुकमा।
फली, गु. फलवान्।
फलोदय, सं. पुं. फलोत्पत्ति; प्राप्ति; लाभ; स्वर्ग; आनन्द।
फसकड, सं. पुं. बैठक विशेष।
फसकना, अक. क्रि. फटना, फूटना।
फसकाना, स. क्रि. फाडना, फोडना, तोड्ना।
फसना, अक. क्रि. बझना, अझुना, उलझना; जालमें पडना; बन्दीशालमें पडना; रुकना।
फसफसा, गु. पिलपिला, अलगा।
फसाना, स. क्रि. बझाना; उलझाना, अटकाना, जालमें डालना, बन्दीशालामें रखवाना।
फहरना, अक. क्रि. फरीना।
फाँक, सं. स्त्री. फलका विभाग।
फाँकना, स. क्रि. फङ्का मारना।
फाँकी, सं. स्त्री. फक्किका; पूर्वपक्ष।
फाँद, सं. पुं. फन्दा।
फाँदना, स. क्रि. कूदना, लाँघना।
फाँदा, सं. पुं. फाँद,।
फाँदी, सं. स्त्री. पौंडोंका एक बोझ जिसमें पचास वा सौ होते हैं।
फाँफड, सं. पुं. छेद, मुंह।
फाँस, सं. स्त्री. सूक्ष्म काँटा।
फाँसा, सं. पुं. लोटेमें लगानेके लिये रस्सीमें ग्रन्थि विशेष।
फाँसी, सं. पुं. फँदी, फसडी, फन्दा; कण्ठबन्धन।

फाग, सं. पुं. गुलाल वा उसका उडाना वा फेंकना।
फागुन, सं. पुं. फाल्गुन।
फाटक, सं. पुं. वडा दार; अटकाव।
फाटना, अक. क्रि. फटना।
फाडखाना, स. क्रि. भँभोर्ना; ऊँजोर्ना।
फाडना, स. क्रि. चीरना, फोडना, मसकाना, तोडना।
फाडा, गु. चीरा।
फाल, सं. स्त्री. हलके आगेका लोहा; चो; सुपारीका टूक; डग।
फालसा, सं. पुं. फल विशेष।
फाल्गुन, सं. पुं. ग्यारहवाँ महीना।
फाव, सं. पुं. घलूआ, रूखन।
फावडा, सं. पुं. मृत्तिका खोदनेके लिये लोहेका अस्त्र, फर्सा।
फावडी, सं. स्त्री. बैरागा वा-गी।
फाहा, सं. पुं. अतरसे भिगोया हुआ रूईका छोटा गाला; तीसी।
फिकार्ना, स. क्रि. सिरको नङ्गा कर्ना।
फिट, सं. पुं. फिटकार।
फिटकरी, सं. स्त्री. फटकरी।
फिटकार, सं. स्त्री. धिक्कार।
फिटकार्ना, स. क्रि. धिक्कार कर्ना, सरापना, कोसना।
फिटाना, स. क्रि. फेंट्ना, फिनाना।
फिर, अ. फेर।
फिरकी, सं. स्त्री. बंगी, भौंरा, फिरानेकी वस्तु जिसको लडके खेलते हैं, चकई।
फिरजाना, अक. क्रि. पलटना, फिर्ना।
फिरत, सं. पुं. वस्तु जो अप्रसन्न होके फिर दिई; अथ्य जो वेश्या अपे प्रियतमको देती है।
फिरता, गु. रमता।
फिरतारहना, अक. क्रि. रमना, फेरा कर्ना, भटकता फिर्ना।
फिराना, स. क्रि. घुमाना, भटकाना।
फिराव, सं. पुं. घुमाव, फेर।
फिर्ना, अक. क्रि. घूमना, लौटना, रमना, भटकना।
फिर्नी, सं. स्त्री. फिर्की।
फिल्ली, सं. स्त्री. पिण्डली।
फिसफिसाना, अक. क्रि. भयभीत होना।
फिसलन, सं. स्त्री. खिसलन, बिछलाहन।
फिसल्ना, अक. क्रि. खिसलना, बिछलना, रपटना।
फिसलाना, स. क्रि. खिसलाना, बिछलाना; चूकना।
फिसलाहट, सं. स्त्री. खिसलाहट, चिकनाहट।
फींचना, स. क्रि. खँघालना, धोना।
फीका, गु. स्वाद रहित, सोठा; पीला, साँवला।
फुंकार, सं. स्त्री. साँपका फनफनाहट।
फुंकार्ना, अक. क्रि. फनफनाना।
फुंहार, सं. स्त्री. ओसी, फूही।
फुकना, अक. क्रि. जलना। सं. पुं. थैली।

फुकनी, सं. स्त्री. आग फूंकनेका यन्त्र।
फुट, गु. अयुग्म।
फुटकर, गु. अलग, भिन्न२; अयुग्म।
फुटकी, गु. अयुग्म। सं. स्त्री. छींट, छिटकी।
फुडिया, सं. स्त्री. फुन्सी, छोटा फोडा।
फुदकना, अक. क्रि. थोडा२ उछलना, कुदकना।
फुदकी, सं. स्त्री. पक्षी विशेष।
फुनगी, सं. स्त्री. कली, कोंपल।
फुनङ्ग, सं. स्त्री. शिखर, चोटी।
फुनसी, सं. स्त्री. मुहासा, फुडिया, घिरकी।
फुनिया, फुन्नी, फुन्नो, } सं. स्त्री. फुन्नी, नूनी, लोलो।
फुफकार, सं. स्त्री. फूतकार।
फुप्फा, सं. पुं. फुप्फीका स्वामी।
फुप्फी, सं. स्त्री. पिताकी बहिन।
फुफेरा, पुं. फुफेरी, स्त्री. } गु. जो फुप्फीसे उत्पन्न भया, वा जो फुप्फीका संबधी हो।
फुर, गु. सच्चा, ठीक।
फुरफुराना, अक. क्रि. कांपना, हिलना।
फुरफुरी, सं. स्त्री. कंपाहट, थरथराहट्; धडक।
फुर्त्त, फुर्त्ती, } सं. स्त्री. वेगताई, शीघ्रता, चटपटी।
फुर्तीला, गु. वेगी, चटपटिया।
फुलका, गु. फूला हुआ, हलका। सं. पुं. फफोला, पतली छोटी रोटी।
फुलकाना, अक. क्रि. फूलना; फन उठाना।
फुलकारी, सं. स्त्री. कपडा जिसमें फूल निकाला है।
फुलकी, सं. स्त्री. रोटी विशेष।
फुलझडी, सं. स्त्री. आतशबाजी विशेष।
फुलवाडी, सं. स्त्री. फूलकी बाडी।
फुलाना, स. क्रि. सुजाना, मोटा करना।
फुलासरा, सं. पुं. लल्लोपत्तो, फुसलाहट्।
फुलेल, सं. पुं. चँबेलीका तेल।
फुलौरी, सं. स्त्री. पकौडी विशेष।
फुल्ली, सं. स्त्री. आँखमें रोग विशेष।
फूआ, सं. स्त्री. पिताकी बहिन।
फूँक, सं. पुं. फूकनेकी चाल।
फूँकना, स. क्रि. मुखसे वायु छोडना; सुलगाना; मुखसे बजाना; उडाना।
फूँकाना, अक. क्रि. फनफनाना।
फूँदी, सं. स्त्री. झींसी।
फूकना, स. क्रि. फूँकना।
फूट, सं. स्त्री. खरबूजा विशेष; ककडी विशेष; अयुग्म; विगाड; भिन्नता; खोट्।
फूटन, सं. स्त्री. अनबनाव्; विरोध।
फूटना, अक. क्रि. टूटना, फटना; भिन्न२ होना; प्रगट होना, दुर्गन्ध निकलना।

फूटा, गु. टूटा।
फूटी, सं. स्त्री. विरोध, बिगाड़।
फूफा, सं. पुं. फूफू।
फूफी, सं. स्त्री. फूफी।
फूफू, सं. पुं. फुफ्फा।
फूल, सं. पुं. पुष्प, कली; निशानी; सूज; जले ऊपर मृतककी हड्डी।
फूलना, अक. क्रि. खिलना, बिगसना; आनन्दित होना; सूजना; अभिमानी होना।
फूला, गु. सूजा।
फूलाव, सं. पुं. सूज।
फूली, सं. स्त्री. फुल्ली।
फूस, सं. पुं. पुरानी घास।
फूसडा, सं. पुं. गूदड।
फूसी, सं. स्त्री. भूसी।
फूहड, गु. स्त्री. अनसीखी, घामड, कुचाल चलनेहारी स्त्री। सं. स्त्री. भिष्टल।
फूहडा, गु. कुवचन कहनेहारा।
फूहा, सं. पुं. स्तनके सदृश रूई-आदिसे बनाई हुई वस्तु जिससे छोटे लडकेको दूध पिलाते हैं।
फूहार, सं. स्त्री. फुहार; कुहरा।
फूही, सं. स्त्री. झींसी।
फेँक, सं. स्त्री. फेंकनेकी चाल।
फेँकना, स. क्रि. डालना, झोंकना।
फेँकाव, गु. फेंकनेके योग्य।
फेँट, सं. स्त्री. डब; कटिबन्ध, पटुका।
फेँटना, स. क्रि. मिलाना, सान्ना, लतपत कर्ना।
फेँटा, सं. पुं. छोटी पगडी।
फेँटी, सं. स्त्री. आँटी।
फेट, सं. स्त्री. फेंट।
फेटना, स. क्रि. फेंटना।
फेटा, सं. पुं. फेंटा।
फेन, } सं. पुं. झाग।
फेना, }
फेनाना, अक. क्रि. फेनउठना।
फेनी. सं. स्त्री. पक्वान विशेष।
फेनुस, सं. पुं. पीयूष।
फेफडी, सं. स्त्री. चलनेकी अशक्ति;
फेर, अ. पुनः।
फेर, सं. पुं. बाँक; टेढाई; घुमाव; कुण्डली; घेरा; घोलघुमाव।
फेरना, स. क्रि. घुमाना।
फेरा, सं. पुं. घुमाव; फैला।
फेराफेरी, सं. स्त्री. इधर उधर जाना, आवागमन।
फेरी, सं. स्त्री. प्रदक्षिण।
फेरीवाला, सं. पुं. बिसाती।
फैँटा, सं. पुं. फेंटा।
फैनाना, अक. क्रि. फेनाना।
फैलना, अक. क्रि. बिछना, पसर्ना; बिथर्ना; प्रगट होना।
फैलाना, स. क्रि. बिछाना, पसार्ना; बिथराना, चौडाना; प्रगट कर्ना।
फैलाव, सं. पुं. बिछाव, पसराव; प्रगटता, प्रचार; भरपूर।
फोँक, गु. खोखला, पोला।
फोँफी, सं. स्त्री. नली, छूछी।
फोँहार, सं. स्त्री. फुहार।
फोक, सं. पुं. सीठी, तरछट। गु. खोखला।

फोकट, सं. पुं. कङ्काल।
फोकड, सं. पुं. खूद, तरछट, कूडा।
फोडना, स. क्रि. तोडना, फाडना।
फोडा, सं. पुं. स्फोटक, बलतोड, पिरकी।
फोला, सं. पुं. फफोला, छाला।

ब

ब, देवनागरी वर्णमालाके हल वर्णोंमेंका तेईसवाँ अक्षर।
बँझोटी, सं. स्त्री. बाँझ होनेके लिये औषधि विशेष।
बँटवाना, स. क्रि. भाग करवाना।
बँटवैया, सं. पुं. भाग करनेहारा।
बँटाना, स. क्रि. बाँटना।
बँटैत, सं. पुं. बँटवैया।
बँडोहा, सं. पुं. बवण्डर।
बँश, सं. पुं. वंश।
बँशावलि, सं. स्त्री. वंशावली।
बँशी, सं. स्त्री. बंशी।
बक, सं. पुं. वक। स्त्री. झक, गप।
बकचो, सं. स्त्री. पौधा विशेष, जिस्के बीज्से खुजली चंगी होती है।
बकझक, सं. स्त्री. बकबक।
बकना, अक. क्रि. बडबडाना, झक मार्ना।
बकबक, सं. स्त्री. बडबड, गपशप।
बकबकाना, स. क्रि. बकबक कर्ना।
बकरा, सं. पुं. अज, छागल।
बकरी, सं. स्त्री. छेरी, अजा।
बकला, सं. पुं. छिलका, छाल।
बकवाद, सं. स्त्री. बकबक।
बकवादी, सं. पुं. बकबकिया।
बकवास, सं. स्त्री. बकवाद।
बकवाहा, सं. पुं. } बडबडिया।
बकवाही, स्त्री. }
बकसा, गु. समेट, बन्धेजो।
बकसूवा, सं. पुं. चपडास।
बकसैला, गु. बकसा।
बकायन, सं. स्त्री. वृक्ष विशेष।
बकारा, सं. पुं. अगुवा; पथिक, बटोही।
बकिया, सं. स्त्री. छुरी, चाकू।
बकेलू, सं. पुं. मूंज।
बकोटना, स. क्रि. खसोटना, नोचना।
बक्कम, सं. पुं. रङ्गनेका काष्ठ।
बक्कल, सं. पुं. बकला।
बक्की, गु. झक्की, गप्पी।
बखरी, स. स्त्री. झोँपडी, रहनेका स्थान।
बखान, सं. पुं. वर्णन; स्तुति।
बखान्ना, स. क्रि. वर्णन कर्ना, स्तुति कर्ना, सराहना।
बखार, सं. पुं. } खाता, भण्डार।
बखारी, स्त्री. }
बखेडा, सं. पुं. झगडा, लडाई, रौला।
बखेडिया, ग. झगडालू, लडाका।
बखेरना, स. क्रि. खिण्डाना, बिथराना।
बग, सं. पुं. वक।
बगछूट, सं. स्त्री. सरपट।
बगपाती, सं. स्त्री. बगुलोंकी पाँती।
बगड, सं. पुं. चावल विशेष।
बगडा, सं. पुं. दुःख; छल।

बगडिया, गु. छली, ठग।
बगदना, अक. क्रि. फिर्ना, बिगडना; भूलना।
बगदाना, स. क्रि. फिराना; बिगाडना; भुलाना।
बगला, सं. पुं. वक।
बगलाभगत, सं. पुं. कपटी।
बगहंन्स, सं. पुं. हन्स विशेष।
बगिया, } सं. स्त्री. फुलवाडी, छोटा
बगीचा, } उपवन।
बगुला, सं. पुं. बक।
बगूला, सं. पुं. बवण्डर।
बघनहा, सं. पुं. सुगन्धि विशेष; जड विशेष।
बघना, सं. पुं. व्याघ्रनख वा दन्त जो लडकेके गलेमें पहिनाते हैं।
बघार, सं. पुं. छौंक।
बघार्ना, स. क्रि. छौंकना।
बघी, सं. स्त्री. डांस, घुडमखी।
बघेल, सं. पुं. राजपूतोंकी जाति विशेष।
बघेला, सं. पुं. बघेल; व्याघ्रका बच्चा, डाँवरू।
बङ्काई, सं. स्त्री. फेर, टेढाई।
* बङ्ग, सं. स्त्री. धातु विशेष।
बङ्करी, सं. स्त्री. पाँचेपरका गहना विशेष।
बङ्गला, सं. पुं. छप्पर वा खपरैलका घर विशेष; पान विशेष; बङ्गालेका अक्षर वा भाषा।
बङ्गा, सं. पुं. बाँसकी जडका पोर।
बङ्गालिन, सं. स्त्री. बङ्गालीकी स्त्री।
बङ्गाली, सं. पुं. बङ्गालेका रहनेहारा।
बङ्गी, सं. स्त्री. भौंरा।
बच, सं. स्त्री. पौधे विशेषकी जड।
बचकाना, गु. छोटा। सं. पुं. भगतिया, भवैया।
बचकानी, सं. स्त्री. नौचो।
बचती, सं. स्त्री. शेष।
बचन, सं. पुं. भाषा, बोली, बात, प्रण।
बचनदत्त, गु. मङ्गेतर, जो सगाई किया गया।
बचना, अक. क्रि. रक्षा पाना; शेष रहना।
बचपन, सं. पुं. लडकाई, बालकपन।
बचाना, स. क्रि. उद्धार वा रक्षा कर्ना; छोडाना; रख छोडना, छिपाना।
बचाव, सं. पुं. रक्षा, पक्ष।
बच्चा, सं. पुं. लडका, ढोटा, गेदा; वत्स।
बच्छनाग, सं. पुं. विष विशेष।
बच्छा, सं. पुं. }
बछडा, पुं. } गौका बच्चा।
बछडू, पुं. }
बछिया, स्त्री. }
बछेरा, सं. पुं. } घोडेका बच्चा।
बछेरी, स्त्री. }
बजना, अक. क्रि. शब्द वा स्वर निकलना।
बजनी, सं. स्त्री. लडाई।
बजन्त्री, सं. पुं. समाजी, वाद्य बजानेहारा।
बजबजाना, अक. क्रि. उबलना।
बजरबट्टू, सं. पुं. फल विशेष।

बजरङ्गी, सं. स्त्री. तिलक विशेष।
बजरा, सं. पुं. नाव विशेष।
बजाक, सं. पुं. सर्प विशेष।
बजाना, स. क्रि. शब्द वा स्वर निकालना; छेडना।
बजालाना, स. क्रि. पूरा कर्ना, पार लगाना, मान्ना, निबाहना।
बझना, अक. क्रि. फसना, पकडा जाना।
बझाना, } स. क्रि. फसाना, पकडाना।
बझावना, }
बट, सं. पुं. बड, एक कौडी।
बटई, सं. स्त्री. बादला बनानेकी विद्या।
बटना, स. क्रि. बल देना, वा औंठन देना; लाभ कर्ना। अक. क्रि. भाग लगाना वा होना। सं. पुं. यन्त्र जिस्से रस्सीको बल देते हैं।
बट्पार, सं. पुं. ठग, हत्यारा।
बटपारी, सं. स्त्री. ठगई, डकैती।
बटलोही, सं. स्त्री. पात्र विशेष जिस्में भोजन पकाते हैं।
बटवार, सं. पुं. कर लेनेहारा।
बटवारा, सं. पुं. अंश, भाग, बाँट्।
बटाई, सं. स्त्री. रस्सी आदि बटनेका पैसा।
बटाऊ, सं. पुं. बटोही, पथिक।
बटिया, सं. स्त्री. सकेत मार्ग; छोटे पत्थरका बनाया हुआ माप।
बटुवा, सं. पुं. सुपारी आदि रखनेके लिये थैली; छोटी बटलोही।
बटुर्ना, अक. क्रि. एकट्ठा होना।
बटेर, सं. स्त्री. पक्षी विशेष।
बटोर, सं. पुं. भीड्।
बटोर्ना, स. क्रि. एकट्ठा कर्ना, समेटना।
बटोही, सं. पुं. पथिक।
बड, सं. पुं. बरगत, वृक्ष विशेष; बडा।
बडना, अक. क्रि. पैठना।
बडबड, सं. पुं. बकबक।
बडबडाना, स. क्रि. कुडकुडाना, बकबक कर्ना।
बडबडिया, सं. पुं. बकबकी।
बडहल, सं. पुं. फल विशेष।
बडा, गु. महा। सं. पुं. उरदसे बनाया हुआ पकवान् विशेष।
बडाई, सं. स्त्री. }
बडापन, पुं. } महत्त्व; घमण्ड।
बडाया, पुं. }
बडी, सं. स्त्री. उरद पीसके पकौडीके समान बनायके भोजन विशेष।
बडूँखा, सं. पुं. इक्षु विशेष।
बडेमियाँ, सं. पुं. बुड्ढा।
बढई, सं. पुं. खाती, सुतार।
बढता, सं. पुं. } अधिकाई, बढाव्।
बढती, स्त्री. }
बढन्, सं. स्त्री. बढईकी स्त्री।
बढना, अक. क्रि. अधिक होना; आगे जाना; उगना; चढना।
बढनी, सं. स्त्री. झाडू; अगाडी, जो पैसा कोई काम कर्नेके लिये पहिले दिया जाय।
बढाना, स. क्रि. अधिकाना; लम्बाना, चलाना, चढाना, बुझाना, दुकान उठाना।

बढालाना, स. क्रि. आगे लाना।
बढाव, सं. पुं. बढती, चढाव।
बढावा, सं. पुं. रचाव, उठाव, उकसाव्; बसती।
बढिया, गु. महँगा।
बढेला, गु. बनैला शूकर।
बढोतर, सं. पुं. } ब्याज, लाभ।
बढोतरी, स्त्री. }
बणिया, सं. पुं. बणिक्, वैश्य जाति।
बत, सं. पुं. कीट विशेष; बात, और बातका संक्षेप।
बतक, सं. पुं. पक्षी विशेष।
बतकहा, गु. बक्की, बातूनी।
बतकहाव, सं. पुं. } बक, बड।
बतकही, स्त्री. }
बतक्कड, गु. बक्की।
बतराना, स. क्रि. बतियाना।
बतलाना, स. क्रि. बताना।
बता, सं. पुं. खपाच; लम्बा चौडा पत्थर विशेष। जिस्पर चूरन पीसते हैं।
बताना, स. क्रि. दिखलाना, समझाना, सिखलाना। सं. पुं. पगडोके नीचे जो फेंटा बाँधते हैं।
बतास, सं. स्त्री. वायु।
बतासा, सं. पुं. मिठाई विशेष; बुल्ला, बुलबुला।
बतियाना, स. क्रि. बातचीत कर्ना, बोलना।
बतूनी, गु. गप्पी।
बताली, सं. स्त्री. भाँडैती।
बतौरी, सं. स्त्री. फुडिया विशेष।

बत्ती, सं. स्त्री. अन्धकार में प्रकाश कर्नेके लिये मोमआदिसे बनाई ऊई वस्तु विशेष; घायमें रखनेके लिये कपडेके चिटसे बनाई ऊई वस्तु।
बत्तीस, गु. तीस और दो ३२।
बत्तीसा, सं. पुं. घोडेके लिये औषधि विशेष।
बत्तीसी, सं. स्त्री. सबदाँत। गु. जिस्में बत्तीस वस्तुका समुदाय होय।
बत्सा, सं. पुं. चावल विशेष।
बथुवा, सं. पुं. शाक विशेष।
बद, सं. स्त्री. रोग विशेष, बाघी।
बदना, स. क्रि. दाँवलगाना, मान्ना; अङ्गीकार कर्ना।
बदल, सं. पुं. मेघ; प्रतीकार। अ. सन्ते।
बदलना, स. क्रि. अदला बदली कर्ना।
बदला, सं. पुं. सन्ती, तोडाव।
बदलाई, सं. स्त्री. तोडवाई।
बदलाना, स. क्रि. फेर डालना; तोडाना।
बदली, सं. स्त्री. अन्धेरा; छोटा-मेघ।
बदा, गु. जो कुछ प्रारब्धमें लिखा गया।
बदाबदी, अ. हिस्का सहित, लडाईसे, झगडे से।
बदि, } सं. स्त्री. कृष्णपक्ष।
बदी, }
बद्दल, सं. पुं. मेघ।

बद्ध, गु. जो बाँधा गया।
बद्धी, सं. स्त्री. गलेमें पहिर्नेका भूषण विशेष।
बध, सं. पुं. हिंसा, हत्या।
बधना, स. क्रि. मार्ना, हिंसा वा हत्या कर्ना। सं. पुं. जलादि पीनेके लिये मृत्तिकाका पात्र विशेव।
बधवँश, सं. पुं. वँशका बध।
बधस्थान, सं. पुं. स्थान जिस्में बध होय।
बधाई, सं. स्त्री. बधावा, पुं. } जयकार मनाना, मंगलाचार; जनमनेके छठे वा चालीसवें दिन को जो कुछ भेट लडकेको माके पास लेजाते हैं।
बधिक, सं. पुं. आखेटकी, बहेलिया; हिंसक; फंसियारा।
बधिया, सं. स्त्री. पशुवोंमें जो नपुंसक किये गये।
बधिर, गु. बहरा।
बधू, सं. स्त्री. बहू, पुत्रकी स्त्री।
बध्य, गु. जो वध कर्नेके योग्य है।
बन, सं. पुं. वन।
बनज, सं. पुं. बनिज।
बनजारा, सं. पुं. अन्नके बैपारी; सेनाके लिये जो अन्न बैलोंपर लेजाते हैं।
बनजारी, सं. स्त्री. बनजाराकी स्त्री; तम्बू विशेष। गु. अधसीजा जो अन्न।
बनठनके, गु. सिंगार कर्के, सँवारके।
बनत, सं. पुं. गोटेसे बनी हुई वस्तु विशेष जो शोभाके लिये टोपी आदिमें लगाते हैं।
बनतराई, सं. स्त्री. पौधा विशेष।
बनपडना, अक. क्रि. बन्ना, सुधर्ना।
बनमाल, सं. पुं. माला जो अनेक फूलोंसे गुथी और लम्बी पैरोंतक है।
बनरा, सं. पुं. दुलहा।
बनरी, सं. स्त्री. दुलहिन।
बनवाई, सं. स्त्री. किसूवस्तुके बनवानेके लिये जो पैसा।
बनवैया, सं. पुं. बनानेहारा, कर्त्ता।
बनसी, सं. पुं. बाँसली, मुरली; मच्छी पकडनेकी कँटिया।
बना, सं. पुं. दुल्हा। गु. बनाया।
बनात, सं. स्त्री. ऊनका वस्त्र विशेष।
बनाती, गु. बनातसे जो बना, ऊनी।
बनाना, स. क्रि. रचाना; कमाना; उठाना; सधाना; पकाना; सुधार्ना; गाँठना, साँटना, बाँधना; चिडाना; सिंगार्ना।
बनाव, सं. पुं. रचाव; सिंगार; मिलाप।
बनावट, सं. स्त्री. साँठगाँठ; डौल; बहाना; छलावा; बाँधन, जुगत।
बनावना, स. क्रि. बनाना।
बनावरी, सं. स्त्री. सिद्ध वा तैयार कर्नेका काम।
बनिज, सं. पुं. व्यापार, लेनदेन।
बनिया, सं. पुं. बैपारी, वणिक्।

बनियायन सं. स्त्री. बनियेकी स्त्री।
बनी, सं. स्त्री. दुलहिन।
बनेला, गु. बनैला।
बनैटी, सं. स्त्री. छोटी लकडी जिसमें दोनो ओर बत्ती लगाके फिराते हैं।
बनैनी, सं. स्त्री. बनियायन।
बनैला, गु. जङ्गली।
बन्दनवार, सं. स्त्री. सिहरा; मौर, हार, गजरा।
बन्दर, सं. पुं. कपि, वानर।
बन्दरिया, } सं. स्त्री. बन्दरकी स्त्री।
बन्दरी, }
बन्दरी, सं. स्त्री. कीट विशेष; खड्ग विशेष; तृण विशेष।
बन्दी, सं. पुं. बन्धुवा। स्त्री. माथेपरका गहना विशेष।
बन्दीगृह, सं. पुं. बन्धुवोंके रहनेका स्थान।
बन्दीजन, सं. पुं. भूषण विशेष; भाट।
बन्ध, सं. पुं. गाँठ; पट्टी। गु. जो बाँधा गया।
बन्धक, सं. पुं. गहना, धरोहर।
बन्धन, सं. पुं. गाँठ, बाँध; पट्टी; अटकाव।
बन्धान, सं. पुं. बँधी जीविका।
बन्धानी, सं. पुं. नीचजाति जो पत्थर वा लट्ठा उठाते हैं; जो बन्धान पाते हैं।
बन्धु, सं. पुं. मित्र; नतैत।
बन्धुता, सं. स्त्री. मित्रता; मित्रोंकी बढ़ताव।
बन्धुवा, सं. पुं. बन्दीगृहमें रहनेहारा।
बन्ध्या, गु. बाँझ; अनफल।
बन्ना, अक. क्रि. रचना; सँवर्ना; मिलना; सधना; होना; सुधर्ना; चिडना। सं. पुं. दुल्हा।
बन्हा, सं. पुं. टोन्हा।
बन्हाई, सं. स्त्री. टोन्ही, टोन्हाई।
बपँस, सं. पुं. }
बपौती, } पैतृक।
बफारा, स्त्री. }
बफारा, सं. पुं. बाफ।
बबुवा, सं. पुं. लडका, बालक।
बबूल, सं. पुं. वृक्ष विशेष जिसमें काँटे होते हैं।
बम, सं. स्त्री. सोता; युसा।
बमकना, अक. क्रि. उभर्ना, सूजना, फूलना।
बम्बा, सं. पुं. कूप विशेष; सोता।
बया, सं. स्त्री. पक्षी विशेष; निरखी।
बयार, सं. स्त्री. वायु।
बयाला, गु. जिस् वस्तुमें बाई रहती है।
बयालीस, गु. चालीस और दो ४२।
बयासी, गु. अस्सी और दो ८२।
बर, सं. पुं. आशीर्वाद; पदार्थ; दुल्हा; थानकी चौडाई। स्त्री. बिर्नी। गु. श्रेष्ठ। अ. परन्तु।
बरखना, अक. क्रि. बरसना।
बरगत, सं. पुं. बड्।
बरजना, स. क्रि. निषेध कर्ना, बार्ना।

बरत, सं. पुं. व्रत; वर्त; चमोटी। गु. जलत, धधकत।
बरतना, स. क्रि. सोचाना, बिचारना।
बरतनी, सं. स्त्री. अक्षरौटी।
बरदैत, सं. पुं. भाट, दसौंधी।
बरध, सं. पुं. बैल।
बरधना, अक. क्रि. गौ और बैलसे मैथुन होना।
बरधाना, स. क्रि. गौको बैलसे मैथुन करवाना।
बरन, सं. पुं. वर्ण। अ. तौभी, किम्वा।
बरनन, सं. पुं. वर्नन।
* बरना, सं. पुं. वृक्ष विशेष। स. क्रि. विवाह करना।
बरनी, सं. स्त्री. पपनी।
बरबस, सं. पुं. बल; बलात्कार, प्रबलता।
बरव, सं. पुं. पक्षी विशेष।
बरवट, सं. पुं. पेटमें रोग विशेष। सं. स्त्री. सर्प विशेष।
बरवा, सं. स्त्री. रागिणी विशेष, जिस्से सर्प और हिरनको मोह लेते हैं।
बरस, सं. पुं. वर्ष; मादक वस्तु विशेष जो अफीमसे बनी है।
बरसगाँठ, सं. स्त्री. जन्मदिन, वा लडकेके हरएक जन्मदिनमें गाँठ बाँधनेका व्यवहार।
बरसवान, गु. वर्षा, संवर्ती।
बरसौडी, सं. स्त्री. वर्षका भाडा वा कर।
बरहा, सं. पुं. खेत जिस्में गौ चराते हैं; रस्सा, चमोटी।

बरा, सं. पुं. बडा।
बरात, सं. स्त्री. विवाहके लिये दुल्हिनके घरमें दुल्हा और उस्के साथीका जाना।
बराती, सं. पुं. विवाहके नेवतहरी।
बराना, अक. क्रि. परे रहना।
बराव, सं. पुं. संयम।
बरियाई, सं. स्त्री. बडाई, उमङ्ग।
बरियार, गु. बलवान, प्रबल।
बरी, सं. स्त्री. कली; बडी।
बरेठा, सं. पुं. धोबी।
बरेठन, सं. स्त्री. धोबिन।
बरेरा, सं. स्त्री. बिरनी।
बरै, सं. पुं. तम्बोली।
बरैन, सं. स्त्री. तम्बोलिन।
बरोठा, } सं. पुं. धोबी; डेवढी।
बरौठा, }
बर्छा, सं. पुं. } भाला विशेष।
बर्छी, स्त्री. }
बर्छैत, सं. पुं. भालैत, भाला फेंकनहारा।
बर्त, सं. पुं. काम, अभ्यास।
बर्तन, सं. पुं. बासन, पात्र।
बर्तना, स. क्रि. काममें लाना।
बर्त्तनी, सं. स्त्री. बरतनी।
बर्मा, सं. पुं. बेधक, बढईका अस्त्र विशेष।
बर्माना, स. क्रि. बेधना, छेदना।
बर्म्हा, सं. पुं. आवा देशके लोग।
बर्रै, सं. स्त्री. कुसुम्भका फल।
बर्वै, सं. स्त्री. भाषाका छन्द विशेष।
बर्स, सं. पुं. वर्ष।

बसात, सं. स्त्री. वर्षाकाल।
बसाती, सं. स्त्री. घोडेके पैरमें रोग विशेष।
बसाना, स. क्रि. मेघ पडाना।
बर्सी' सं. पुं. बरसवें दिनका श्राद्ध।
बर्ह, सं. पुं. मोरपङ्ख।
* बल, सं. पुं. सामर्थ्य; बली; अैंठन।
बलकना, अक. क्रि. खोलना।
बलताड, सं. पुं. वृक्ष विशेष।
बलतोड, सं. पुं. फुडिया जो बालके तोडनेसे होती है।
बलद, सं. पुं. बोझा ढोनेहारा बैल।
बलदाऊ, बलदिया, बलदी, } सं. पुं. बैलका लादनेहारा वा चलानेहारा।
बलना, अक. क्रि. जलना।
बलबकरा, सं. पुं. युद्धमें विना लडाई किये जो मनुष्य मारा जाय।
बलबलाना, अक. क्रि. उबलना; कामातुर होना।
बलम, बलमा, } सं. पुं. प्रियतम, स्वामी।
बलवन्त, बलवान, } गु. पराक्रमी, सामर्थी
बलही, सं. स्त्री. आँटी, भार।
बलाईलेना, क्रि. किसीके सिरपर हाथ फैलाना यह चिन्ह दिखाके कि वुह उसीका दुर्गत अपने ऊपर उठा लेता है।
बलात्कार, सं. पुं. बरबस, अनिच्छासे काम कराना।
बलिदान, सं. पुं. देवताके लिये पशुका अर्पण।
बलिहारी, सं. स्त्री. निछावर।
बली, गु. बलवान्।
बलीवर्द, सं. पुं. बलद।
बलुआ, गु. बालूमय।
बलूला, सं. पुं. बुलबुला।
बलेंडा, सं. पुं. बवण्डर।
बलेंडी, सं. स्त्री. लम्बी धरन जो छप्परके बीचमें लगती है।
बल्लम, सं. पुं. भाला, सेल।
बल्ला, सं. पुं. } लट्ठा, दण्डा, लम्बाबाँस
बल्ली, स्त्री. } जिससे नाव चलातेहैं।
बवँडर, सं. पुं. बगडोहा, बगूला।
बवेसिया, सं. पुं. गाँडू।
बवासीर, सं. पुं. गुदामें रोग विशेष।
बस, सं. पुं. वश।
बसन, सं. पुं. वसन।
बसना, अक. क्रि. रहना; भरा होना।
बस्नी, सं. स्त्री. खुत्ती, थैली।
बसाना, स. क्रि. बस्ती करवाना।
बसूला, सं. पुं. बढ़ईका अस्त्र विशेष।
बसूली, सं. स्त्री. ईंट् छाँटनेके लिये अस्त्र विशेष।
बसैंधा, गु. सडा, उबसा।
बसेरा, सं. पुं. चक्कस; समय जिसमें पक्षी चक्कस पर बैठते हैं; सायङ्काल।
बस्त, सं. स्त्री. वस्तु।
बस्ती, सं. स्त्री. ग्राम, गाँव, बढावा।

बहता, सं. पुं. बेठन।
बहकना, अक. क्रि. निरास होना, भटकना, भूलना।
बहकाना, स. क्रि. निरास करना, डहकाना, भटकाना, भुलाना।
बहङ्गी, सं. स्त्री. जिसपर कहार लोग बोझ लेके चलते हैं।
बहजाना, अक. क्रि. बहना; बिगड़ना, उजड़ना।
बहत्तर, गु. सत्तर और दो ७२।
बहना, अक. क्रि. चलना, भसना।
बहनेऊ, सं. पुं. भगिनीपति, बहिन का स्वामी।
बहनेली, सं. स्त्री. लेपालक बहिन।
बहनोई, सं. पुं. बहनेऊ।
बह्मनेटा, सं. पुं. ब्राह्मणका पुत्र।
बहर, सं. स्त्री. अनेक नौका।
बहरा, गु. बधिर।
बहरिया, गु. अनजान।
बहरी, सं. स्त्री. बाज, पक्षी विशेष।
बहल, सं. पुं. चढ़नेकी गाडी।
बहलना, अक. क्रि. मन प्रसन्न रहना।
बहलाना, स. क्रि. खिलाना, फिराना, मन प्रसन्न करना।
बहलिया, सं. पुं. आखेटकी, बधिक, धनुषधर।
बहली, सं. स्त्री. चढ़नेकी हलकी गाडी।
बहादेना, स. क्रि. तोडना, उजाडना, बिगाडना, निर्धन करना।
बहाना, स. क्रि. चलाना, भसाना।
बहाफिरना, अक. क्रि. भटकता फिरना, दर्दशामें होना, मतवाला होना।
बहाव, सं. पुं. आहला, बाढ़, चढ़ाव।
बहिजाना, अक. क्रि. पतित होना; बहना।
बहिन, सं. स्त्री. भगिनी।
बहिरा, गु. बधिर।
बहिराना, स. क्रि. बहलाना। अक. क्रि. निकलना।
बहिर्देश, सं. पुं. बाह्य स्थान।
बहिर्मुख, सं. पुं. धर्म करनेमें अचेत, अभगत।
बही, सं. स्त्री. महाजनके हिसाब लिखनेकी पोथी, खसरा, खाता।
बहीर, सं. स्त्री. सेनाके सङ्ग जो सामग्री।
बऊ, गु. बऊत, ढेर।
बऊकाल, सं. पुं. अनेक दिन।
बऊत, गु. ढेर, अधिक, बडा।
बऊतात, } सं. स्त्री. अधिकाई, सरसाई, विस्तार।
बऊतायत, }
बऊतेरा, गु. अनेक, अधिक।
बऊदर्शी, सं. पुं. जिसे बऊत देखा है।
बऊधा, अ. अनेक प्रकारसे; कई बार।
बऊमूल्य, गु. महँगा।
बऊर, अ. फेर।
बऊरङ्गी, गु. अनेक रङ्गका; अस्थिर।
बऊराना, स. क्रि. फेरलाना, फिराना।

बहुरि, अ. फेर।
बहुरिया, सं. स्त्री. बहू, वधू।
बहुरूपा, सं. पुं. घूरट।
बहुरूपिया, } सं. पुं. भाँड, सवाँगी।
बहुरूपी, }
बहुरूप्य, सं. पुं. भाँडैती।
बहुरना, अक. क्रि. फिर्ना, लौटना।
बहुवचन, सं. पुं. बहुत संख्याका बोधक प्रत्यय।
बहुविध, सं. गु. पुं. अनेक प्रकार का।
बहुव्रीहि, सं. पुं. समास विशेष।
बहू, सं. स्त्री. वधू।
बहेडा, सं. पुं. फल विशेष।
बहेतु, सं. पुं. लुच्चा, फिरन्ता।
बहेलिया, सं. पुं. बधिक, चिडीमार।
बाँक, सं. पुं. वाजू विशेष; कटार विशेष; फेर, टेढाई, घुमाव; दोष।
बाँकपन, सं. पुं. टेढापन, छिछोड्पन, लुचपन।
* बाँका, सं. पुं. छैला, अकडैत, बाँश काटनेका अस्त्र विशेष। गु. टेढा।
बाँगा, सं. पुं. बिनौले सहित रूई।
बाँचना, स. क्रि. पढना।
बाँजर, गु. बञ्जर, जिस् भूमिमें कुछ नहीं उपजता है, ऊसर।
बाँज, सं. स्त्री. बन्ध्या।
बाँट, सं. पुं. भाग, अंश; बटखरा।
बाँटना, स. क्रि. भाग कर्ना।
बाँडा, गु. पूछबिना पशु। सं. पुं. सर्प जिस्का पूँछ नहीं है।
बाँडी, सं. स्त्री. लठ, लक्कड।
बाँदा, सं. पुं. अकाश लता।
बाँदी, सं. स्त्री. लौंडी।
बाँध, सं. पुं. मेंड, बन्ध।
बाँधना, स. क्रि. जकडना, गाँठना, लगाना; बन्दकर्ना; बनाना; अटकाना; लपेटना; उठाना; तकाना।
बाँधनू, सं. पुं. रङ्गनेकी रीति विशेष; कलङ्क; उपाय; रेशमी कपडा विशेष; तोता विशेष।
बाँस, सं. पुं. वृक्ष विशेष; तडाग आदि मापनेके लिये माप विशेष।
बाँसफोड, सं. पुं. जाति विशेष, जो बाँससे वस्तु बनाते हैं।
बाँसली, सं. स्त्री. मुरली।
बाँसा, सं. पुं. नासिका की हड्डी।
बाँसी, सं. स्त्री. मुरली। गु. बाँससे जो बनी है।
बाँसुरी, सं. स्त्री. मुरली।
बाँह, सं. स्त्री. बाहु।
बाँहियाँ, सं. पुं. पक्षी, छोरी।
बाई, सं. स्त्री. महाराष्ट्रोंमें स्त्रियोंका नाम; कञ्चनी; वात; अजीर्ण।
बाईस, गु. बीस और दो २२।
बाईसी, सं. स्त्री. राजाकी सेना; बाईस हजार पलटन पर प्रधानता।
बाकला, सं. पुं. तरकारी विशेष।

बाकस, सं. पुं. झाडी, जिस्के कोयले से बारूत बनती है।

बाखर, बाखल, सं. पुं. अङ्गनाई; कई एक घर जो एक हातेके भीतर है।

बाग, सं. स्त्री. लगाम।

बागडोर, सं. स्त्री. लम्बी बाग।

बागा, सं. पुं. जोडा, खिलत, पहिर्नेका वस्त्र विशेष।

बागी, सं. पुं. अश्ववार, घुडचढा।

बाघ, सं. पुं. व्याघ्र।

बाघन, बाघनी, सं. स्त्री. व्याघ्री।

बाघम्बर, सं. पुं. बाघकी खाल।

बाघा, सं. पुं. व्याघ्र।

बाछ, सं. स्त्री. चुनाव, छांट; होंठके दोनो ओरका कोन। गु. निकम्मा।

बाछना, स. क्रि. चुन्ना, छांटना।

बाजगाज, सं. पुं. कई एक वाद्यसे जो शब्द।

बाजन, सं. पुं. बाजा, कई एक बाजा।

बाजना, अक. क्रि. बजाना; प्रगट होना।

बाजरा, सं. पुं. अन्न विशेष।

बाजा, सं. पुं. वाद्य।

बाजी, सं. पुं. वाजी।

बाजू, सं. पुं. बाँहमें पहिर्नेका गहना विशेष।

बाट, सं. स्त्री. मार्ग।

बाट, सं. पुं. बाँट्।

बाड, सं. स्त्री. धार; खेतादिके रक्षाके अर्थ आड; पलटन सिपाहियोंकी पाँती।

बाडव, सं. पुं. ब्राह्मण।

बाडवानल, सं. पुं. जलमेंकी अग्नि।

बाडा, सं. पुं. हाता, घेरा; भूर, दान।

बाडिया, सं. पुं. सान धरनेहारा।

बाडी, सं. स्त्री. उपवन विशेष; उपवन सहित जो घर।

बाढ, सं. स्त्री. बढती, अधिकाई, सरसाई; आहला, जलार्णव।

बाढना, बाढनौ, अक. क्रि. बढना, उमडना।

बाण, सं. पुं. शर; बाध, खाटकी रस्सी।

बाणिज्य, सं. पुं. व्यापार।

बाणी, सं. स्त्री. वाणी।

* बाण्डा, सं. पुं. बाँडा।

बात, सं. स्त्री. वार्त्ता, वाणी, वचन; कारण; कारज; समाचार।

बातकीबातमें, अ. अभी, तुरन्त।

बाती, सं. स्त्री. बत्ती।

बातूनिया, बातूनी, गु. बडबडिया, घरघैत।

बादल, सं. पुं. मेघ।

बादला, सं. पुं. सोने रूपेका तार विशेष; लप्पा।

बादली, सं. स्त्री. लप्पा।

बादुर, सं. पुं. चमगीदड।

बाध, सं. पुं. निवारण, रोक; खाटकी रस्सी।

बाधक, सं. पुं. जो बाधकरै, प्रतिबन्धक।

बाधा, सं. स्त्री. दुःख, पीडा; अटकाव, रुकाव।

बाध्य, गु. बाधनेके योग्य।

बान, सं. स्त्री. स्वभाव, प्रकृति; चाल; वाण; खाटकी रस्सी।

बानगी, सं. स्त्री. नमूना, सरीखा, दृष्टान्त।

बानवे, गु. नब्बे और दो ९२।

बाना, सं. पुं. स्वभाव, व्यवहार; अस्त्र विशेष; कपडेकी बोंत; भर्नी; भेष।

बानी, सं. स्त्री. वाणी।

बानीबानी, सं. स्त्री. बिनवाई।

बानूआ, सं. पुं. जलपक्षी विशेष।

बानूसा, सं. पुं. } वस्त्र विशेष।
बानूसी, स्त्री. }

बान्धव, सं. पुं. नतैत, संबन्धी।

बाप, सं. पुं. पिता।

बापडा, गु. बापरौ।

बापतिस्मा, सं. पुं. जगत्‌का त्राणकर्त्ता प्रभु ईसा मसीहकी रीति विशेष, जो ईसा मसीहका चिह्न है।

बापरौ, गु. दीन, कङ्गाल, असामर्थ्य।

बाफ, सं. स्त्री. बफारा।

बाबर, सं. पुं. मिठाई विशेष।

बाबा, सं. पुं. नानक; दादा; बूढा; सन्यासी; बालक।

बाबू, सं. पुं. बालक; राजा; स्वामी।

बाम, गु. वाम। सं. स्त्री. वामा।

बाम्हनी, सं. स्त्री. ओषधि पौधा विशेष; ब्राह्मणी; कन्निया, अञ्जनहारी; छिपकली विशेष।

बायन, सं. पुं. मिठाईआदि वस्तु जो कृतार्थ होनेके लिये मित्रोंको दिई जाती है।

बायव, गु. दूसरा, अलग। सं. पुं. वायु कोण।

बायाँ, गु. वामा, दक्षिणाङ्गका विपरीत भाग।

बार, सं. स्त्री. समय; घात; विलम्ब। पुं. दिन; वारि; द्वार; बालक; बाल। स्त्री. बाला।

बारन, सं. पुं. हाथी; निवारण, रुकावट।

बारना, अक. क्रि. खिण्डना, बिलगना। स. क्रि. निषेध कर्ना।

बारम्बार, अ. बारबार, घडीघडी।

बारह, गु. द्वादश १२।

बाराखरी, सं. स्त्री. द्वादशमात्रा जो व्यञ्जनके साथ मिलायके बालकोंको पढाते हैं।

बारासिँगा, सं. पुं. कन्दसार।

बाराह, सं. पुं. शूकर।

बारी, सं. स्त्री. बाडी; झरोखा; जाति विशेष, जो पत्तल बनाते हैं; बाली; बाला, दाव, पारी।

बारुत, सं. स्त्री. दारु, बन्दूक छोडनेके लिये चूर्ण विशेष।

* बाल, सं. पुं. केश; बालक; स्त्री. डाँठके ऊपरका भाग जिसमें अन्न रहता है; दरार, चाक, बाला।

बालक, सं. पुं. लडका।

बालकपन, सं. पुं. लडकाई।
बालका, सं. पुं. जोगी वा सन्यासी-का चेला।
बालछड, सं. स्त्री. औषध वा सुगन्ध विशेष।
बालतोड, सं. पुं. बलतोड।
बालना, स. क्रि. सुलगाना।
बालबच्चे, सं. पुं. लडकेबाले।
बालभोग, सं. पुं. प्रातःकाल जो श्रीकृष्णजीके निर्मित्त भोग लगाते हैं।
बालम, सं. पुं. प्रियतम; पति; कपडा विशेष।
बालरांड, सं. स्त्री. स्त्री जो लडकाई में रांड हो गई।
बाला, सं. स्त्री. सोलह वर्षपर्यन्तकी जो कन्या; पौधा विशेष। सं. पुं. कानमें पहिर्नेका कुण्डल; बालक।
बालापन, सं. पुं. लडकपन।
बाली, सं. स्त्री. लडकी; कानमें पहिर्नेका गहना।
बालुका, सं. स्त्री. रेत।
बालुकामय, गु. रेतीला, किरकिरा।
बालू, सं. स्त्री. रेत।
बालूचरी, गु. रेशमी वस्त्र जो बालूचरमें बनता है।
बाल्य, सं. पुं. बालकपन।
बाव, सं. स्त्री. वायु।
बावग, सं. पुं. बोआई, बोआरा।
बावगोला, सं. पुं. बावसूल।
बावऊक, गु. गप्पी, बक्की।
बावडी, सं. स्त्री. बडाकूप।
बावबतास, सं. स्त्री. देवग्रस्त; दुर्गत, आपदा।
बावला, गु. विक्षिप्त, सिडी।
बावली, सं. स्त्री. बडाकूप; धोखा, छल।
बावसडना, अक. क्रि. गुदासे वायु निकलना।
बावसूल, सं. पुं. पेटमें रोग विशेष।
बास, सं. पुं. बसनेका स्थान, ठांव। स्त्री. गन्ध, महक।
बासन, सं. पुं. पात्र, बर्त्तन।
बासना, स. क्रि. सोंधाना, महकाना। सं. स्त्री. अभिलाषा, इच्छा।
बासा, सं. पुं. बसनेका स्थान।
बासी, गु. जो कलका है; महकीला; वासी।
बाहक, सं. पुं. बहनेहारा।
बाहन, सं. पुं. वाहन।
बाहना, स. क्रि. अस्त्र चलाना, वा फेंकना।
बाहर, सं. अ. बहिः, परदेश। गु. विदेशी।
बाऊ, सं. स्त्री. भुजा।
बाऊयुद्ध, सं. पुं. मल्लयुद्ध, कुस्ती।
बाऊल्य, सं. पुं. आधिक्य।
बाऊल्यता, सं. स्त्री. अधिकाई।
बिआरी, सं. स्त्री. बयालू, सायंकालका भोजन।
बिंजन, सं. पुं. व्यञ्जन।
बिक, सं. पुं. ऊंडार, भेडिया।
बिकट, गु. कठिन; भयानक।

बिकना, अक. क्रि. बिकजाना, खपना।
बिकराल, गु. भयानक, भोंडा।
बिकल, गु. व्याकुल, निरस्थिर।
बिकसना, अक. क्रि. खिलना, फूलना, हर्षित होना।
बिकसित, गु. प्रफुलित ; हर्षित।
बिकाना, स. क्रि. बेचना।
बिकाव, सं. स्त्री. बिक्री।
बिकास, सं. पुं. प्रकाश, फैलाव, दिखलावा ; हर्ष, आनन्द।
बिक्री. सं. स्त्री. खपत् कटित्।
बिखर्ना, अक. क्रि. बिथर्ना, फैलाना ; क्रोधित हो जाना।
बिगडना, अक. क्रि. नाश वा भ्रष्ट होना ; झगडना।
बिगडो, सं. स्त्री. लूट्, टूट्, लडाई।
बिगहा, सं. पुं. बीघा।
बिगाड, सं. पुं. भङ्गता, तोड।
बिगाडना, स. क्रि. नसाना, टोटा पऊँचाना, मित्रोंमें टूटकर्वाना।
बिघन, सं. पुं. विघ्न।
बिच, अ. बीच।
बिचकना, अक. क्रि. निरासहोना; भागजाना, अङ्गीकार कर्के उलटना।
बिचकाना, स. क्रि. निरासकर्ना ; नकार्ना, बचन तोडना।
बिचलना, अक. क्रि. फिर्ना, घूमना ; लचना, बिछलना।
बिचवई, सं. पुं. बिचौलिया।
बिचार, सं. पुं. विचार, सोच, बूझ, ध्यान।

बिचारक, सं. पुं. सोची, बूझनहार, न्यायक।
बिचारना, स. क्रि. सोचना, ध्यानकर्ना, समझना, जाँचना।
बिचाली, सं. स्त्री. पोआर वा ल।
बिचौलिया, सं. पुं. मध्यस्थ, तिसरैत।
बिच्छू, सं. पुं. वृश्चिक, जन्तु विशेष।
बिछराहट, सं. स्त्री. भिन्नता।
बिछर्ना, } अक. क्रि. खिसलना ;
बिछलना, } भिन्न२ होना, विलगना।
बिछवाना, } स. क्रि. फैलाना, पसा-
बिछाना, } र्ना।
बिछुडना, अक. क्रि. बिछलना।
बिछुआ, सं. पुं. कटार विशेष ; पैरोंकी अङ्गलीका गहना।
बिछोडना, स. क्रि. भिन्नकर्ना, विलगाना।
बिछोह, } सं. पुं. वियोग।
बिछोहा, }
बिछौना, सं. पुं. शयनके लिये चटाई आदि जो पृथ्वीपर बिछाते हैं।
बिजना, सं. स्त्री. बेना, पङ्खा।
बिजली, सं. स्त्री. विद्युत्, चञ्चला, वज्र।
बिजायठ, सं. पुं. बाहुका गहना विशेष।
बिजार, सं. पुं. साँड, बैल।
बिजाला, गु. बीज संयुक्त।
बिजिया, सं. स्त्री. भङ्ग।
बिटप, सं. पुं. वृक्ष, वृक्षका नया कैल, पल्लव ; पसराव ; गच्छा।
बिठाना, स. क्रि. बैठालना।

बित, सं. पुं. धन, द्रव्य, वस्तु; सामर्थ।

बितना, अक. क्रि. बीतना।

बितरना, स. क्रि. देडालना, दान-कर्ना।

बिताना, स. क्रि. गँवाना, काटना।

बितीत, सं. गु. व्यतीत।

बित्त, सं. पुं. बित।

बित्ता, सं. पुं. वितस्ति।

बित्तिया, सं. पुं. बौना, ठुमका।

बिथरना, क्रि. छिटकना, बिखर्ना।

बिथराना, स. क्रि. खिँडाना, छिट-काना, छिडकना।

बिथा, सं. स्त्री. पीडा, आपदा।

बिथुरना, अक. क्रि. बिथर्ना, पसर्ना।

बिदरी, सं. स्त्री. धातु विशेष जिसका हुक्का बनता है।

बिदा, सं. स्त्री. विदा।

बिदारन, सं. पुं. फाडन।

बिदारना, स. क्रि. फाडना, चीर्ना।

बिध, सं. स्त्री. विधि।

बिधना, सं. पुं. विधाता।

बिधावट, सं. स्त्री. साज।

बिन, अ. बिना।

बिनती, सं. स्त्री. विनय, प्रार्थना।

बिनवाई, सं. स्त्री. बिन्नेका पैसा।

बिनसना, अक. क्रि. नसा जाना, बिगडना।

बिना, अ. छोडके, रहित।

बिनाई, } स. स्त्री. बिन्नेका काम।
बिनावट,

बिनौना, स. क्रि. अर्चना, पूजाकर्ना, भजन कर्ना, विनय कर्ना।

बिनौला, सं. पुं. रुईका बीज।

बिनौली, सं. स्त्री. छोटा ओला जो आकाशसे गिर्ता है।

बिन्द, } सं. स्त्री. विन्दु।
बिन्दी,

बिन्धना, स. क्रि. डसना, डङ्गिया-ना। अक. क्रि. छिदना।

बिन्ना, स. क्रि. बुन्ना; जालो निका-लना; चुन्ना।

बिपत, } सं. स्त्री. बिपत्ति।
बिपा,

बिफर्ना, अक. क्रि. चिडना, दुःखित होना; मगरा, हठोला, वा ढीठ होना।

बिया, सं. पुं. बीज।

बियारी, } सं. स्त्री. सायङ्काल के
बियाल, } पश्चात्‌का भोजन।

बियाह, सं. पुं. विवाह।

बियाहा, गु. विवाहित।

बिरकट, सं. पुं. जोगी विशेष। गु. जिसका मन उचाट है।

बिरचन, सं. पुं. बेरका आटा।

बिरद, सं. पुं. यश, स्तुति।

बिरमना, अक. क्रि. रहना; बिलम्ब कर्ना।

बिरमाना, स. क्रि. ठहराना, अट-काना; अपने वशमें कर्ना।

बिरह, सं. पुं. वियोग।

बिरहा, सं. पुं. वियोग; धोबियों-का गीत विशेष।

बिरहिया, गु. स्त्री. विरहिणी।

बिरही, गु. पुं. जो पुरुष अपने सज-नोंसे भिन्न है।

बिराजना, अक. क्रि. प्रकाशित वा प्रज्ज्वलित होना; स्वाधीन होके सुखभोग करना।

* बिराट, सं. पुं. राजाधिराज; जगत्।

बिराना, गु. पराया। स. क्रि. चिढाना, सताना।

बिराम, गु. निरस्थिर, व्याकुल।

बिरियाँ, सं. स्त्री. जून, समय।

बिर्नी, सं. स्त्री. बर।

बिवाँ, सं. पुं. पौधा, वृक्ष।

बिल, सं. स्त्री. सर्पादिके रहनेका छिद्र।

बिलकना, अक. क्रि. सिसकना, कूकना; किसूवस्तुपर जी लग रहना।

बिलखना, स. क्रि. देखना, निरेखना, बिलोकना। अक. क्रि. अप्रसन्न होना।

बिलग, गु. अलग, भिन्न। सं. पुं. भिन्नता; फूट।

बिलगना, अक. क्रि. भिन्न २ होना; फटना, जमना।

बिलगाना, स. क्रि. भिन्न २ करना, बिछोडना।

बिलगाव, सं. पुं. भिन्नता, बिछराहट।

बिलङ्गना, स. क्रि. चढना।

बिलनी, सं. स्त्री. अञ्जनहारी।

बिलबन्द, सं. पुं. निपटारा, निखोख।

बिलबिलाना, अक. क्रि. व्याकुल होना; पीडासे दुःखितहोना, हाय२ करना, कूकना।

बिलम्ब, सं. पुं. देरी, ढील, टालमटोल, शिथिलता।

बिलमना, अक. क्रि. ढील करना, अटकना।

बिललाना, अक. क्रि. बिलबिलाना।

बिलसना, अ. क्रि. भोगना, तृप्त वा आनन्दित होना।

बिलस्त, सं. पुं. बित्ता।

बिलहरा, सं. पुं. पान रखनेके लिये पात्र विशेष।

बिलहरी, सं. स्त्री. पत्नी; छोटा बिलहरा।

बिलाई, सं. स्त्री. बिल्ली, लोहेकी वस्तु जिसपर कद्दू ककडी रगडते हैं।

बिलाईकन्द, सं. पुं. औषधि विशेष।

बिलाना, अक. क्रि. अलोपना, भटकना। स. क्रि. अलोप करवाना, उडाना, बाँटना।

बिलाप, सं. पुं. विलाप, हाहाकार।

बिलापना, अक. क्रि. रोना, कूकना।

बिलार, } सं. पुं. मार्जार।
बिलाव, }

बिलावल, सं. स्त्री. रागिणी विशेष।

बिलास, सं. पुं विलास, हर्ष, तृप्ति।

बिलासी, गु. भोगी, आनन्दी।

बिलोकना, स. क्रि. देखना, निरेखना।

बिलोना, } स. क्रि. मथना, महना।
बिलोवना, }

बिल्ला, सं. पुं. बिलार।
बिल्ली, सं. स्त्री. बिलाई।
बिल्लीलोटन, सं. पुं. बिलाईकन्द, औषधि विशेष।
बिसखपरा, सं. पुं. औषधि पौधा विशेष।
बिसखोपरा, सं. पुं. गोह विशेष।
बिसन, सं. पुं. बुराई, दोष ; काम, कामना।
बिसनपन, सं. पुं. छैलापन, लुच-पन।
बिसनी, सं. पुं. लुच्चा, लम्पट। गु. सुघड, छैला, छिछाडा।
बिसबिसाना, अक. क्रि. बजबजाना, सडी हुई वस्तुसे शब्द निकलना।
बिसमार, सं. पुं. औषधि लता विशेष।
बिसर, सं. पुं. भूल, चूक।
बिसराना, स. क्रि. भुलाना, बह-काना।
बिसर्ना, अक. क्रि. भूलना, भट-कना।
बिसात, सं. स्त्री. मूल, पूँजी।
बिसाती, सं. पुं. फेरीवाला।
बिसाँध, } सं. स्त्री. कुवास, दु-
बिसागन्ध, } र्गन्ध।
बिसाना, स. क्रि. मोल लेना।
बिसाना, स. क्रि. भुलाना।
बिसाह, सं. स्त्री. वस्तु जो मोल लिई।
बिसाहना, स. क्रि. मोल लेना।
बिसुर्ना, अक. क्रि. सिसकना, झु-कना।

बिसेला, गु. विषधर।
बिस्तार, सं. पुं. विस्तार।
बिस्तुइया, } सं. स्त्री. छिपकली।
बिस्तुई, }
बिहन, सं. पुं. बीज।
बिहवल, गु. व्याकुल, भयभीत।
बिहरना, अक. क्रि. रीझना, हुल-सना,। स. क्रि. भोग कर्ना ; रि-झाना।
बिहरी, सं. स्त्री. चन्दा ; दामा साही।
बिहाग, सं. पुं. राग विशेष।
बिहान, सं. पुं. प्रातःकाल, तडके।
बिहाना, अक. क्रि. कालकाटना।
बिहाने, अ. सबेरे।
* बिहार, सं. पुं. क्रीडा, लीला।
* बिहारी, गु. खिलाडी, क्रीडावन्त।
बी, अ. भी।
बींडा, सं. पुं. लपेटाहुआ कागज।
बींधना, स. क्रि. बेधना, छेदना।
बीक, सं. पुं. भेडिया।
बीघा, सं. पुं. बीस बिश्वेका एक बीघा।
बीच, अ. मध्य, में, अन्तर।
बीछा, सं. पुं. वृश्चिक।
बीज, सं. पुं. वीर्य्य।
बीजक, सं. पुं. चलान चिट्ठी।
बीजना, सं. पुं. पङ्खा, बेना।
बीजार, गु. बिजैला।
बीजी, सं. स्त्री. नेवल, नकुल।
बीझना, स. क्रि. ठेलना, रेलना, जैसे बैल पृथ्वीको सींगसे ठेल-ता है।

बीट, सं. स्त्री. बीठ।
बीटना, अक. क्रि. छलकना, ढलना, बिथरना।
बीठ, सं. स्त्री. पच्छियोंकी विष्ठा।
बीठा, सं. पुं. बिड़ुवा, सिरपर बोझ रखनेके लिये ठेकन।
बीड़ा, सं. पुं. लगाया भया पान।
बीतना, अक. क्रि. व्यतीतहोना, हो चुकना।
बीन, सं. स्त्री. वीणा, वाद्य विशेष।
बीमा, सं. पुं. वस्तुको टोटे रहित पहुंचानेके लिये जो पैसा दिया जाता है, ऊपड़ा भाड़ा।
बीर, सं. पुं. भाई, भैया; कानमें पहिनेके लिये मणि विशेष; वीर।
बीरता, सं. स्त्री. वीरता।
बीरबहूटी, सं. स्त्री. लालरङ्गका कीड़ा विशेष।
बीरा, सं. पुं. बीड़ा; भाई।
बीरी, सं. स्त्री. बीड़ा; पानखानेसे रङ्ग जो ओठपर लगा रहता है।
बीर्य्य, सं. पुं. वीर्य्य।
बील, सं. पुं. बिल्वफल।
बीस, गु. दोदशका एक बीस २०।
बीसा, सं. पुं. बीसनखका कुत्ता।
बीसी, सं. स्त्री. अन्न मापनेका परिमाण विशेष। गु. बीस।
बुँदा, सं. पुं. विन्दु।
बुँदिया, सं. स्त्री. मिठाई विशेष।
बुँदेला, सं. पुं. बुँदेल खण्डके राजपूत।
बुकचा, सं. पुं. पहिरनेके कपड़ेोंकी गठरी।
बुकटा, } सं. पुं. नख; मूठी भर।
बुकट्टा, }
बुकनी, सं. स्त्री. चूर्ण, बूरा।
बुकलाना, अक. क्रि. आपी आप बकना।
बुक्का, सं. पुं. बुकटा।
बुक्की, सं. स्त्री. जो वस्त्र काँधे पर रखके काखसे मारके पीठपर बाँधा जाय; मूठी भर।
बुजना, सं. पुं. निहानीके कारणसे जो वस्त्र स्त्री पहनती हैं।
बुजहरा, सं. पुं. गरमपानी रखनेके लिये पात्र।
बुझना, अक. क्रि. ठण्डा होना।
बुझाना, स. क्रि. ठण्डा कर्ना; समझाना, सुझाना।
बुड़ाना, स. क्रि. डुबाना।
बुड्ढा, गु. बूढ़ा, प्राचीन मनुष्य।
बुढ़भस, गु. जो बुड्ढातरुणके चालसे चले।
बुढ़वा, गु. बुड्ढा।
बुढ़ापा, सं. पुं. वृद्धावस्था।
बुढ़िया, गु. स्त्री. वृद्धा स्त्री।
बुण्डा, सं. पुं. कानका भूषण विशेष।
बुत, सं. पुं. जूआखेलनेमें जिसपर पासा फेंकते हैं; घूँसा।
बुताना, स. क्रि. बुझाना।
बुत्ता, सं. पुं. ठगाई, छल।
* बुद्ध, सं. पुं. पण्डित; चौथाग्रह; चौथीवार।

बुद्धि, सं. स्त्री. ज्ञान, समझ, बूझ, सोच।
बुद्धिमान्, } गु. ज्ञानवान्।
बद्धिवान्, }
बुद्बुद, सं. पुं. बुलबुला।
बुदबुदाना, अक. क्रि. बडबडाना।
* बुध, सं. पुं. चौथा ग्रह।
बुधवार, सं. पुं. चौथा वार।
बुन्ना, स. क्रि. बिन्ना।
बुभुक्षित, गु. भूखा।
बुर, सं. स्त्री. योनि।
बुरभसिया, गु. बुढभस।
बुरा, गु. दुष्ट।
बुराई, सं. स्त्री. दुष्टता।
बुर्ज, सं. पुं. रक्षा, लश्कर।
बुर्जरी, सं. स्त्री. स्त्रीकेलिये गाली।
बुर्द, सं. पुं. शतरञ्जके खेलमें जब एक ओर केवल राजा रहे तब उसको बुर्द कहते हैं; लाभ होनेका औसर।
बुल, सं. स्त्री. बुर।
बुलबुला, सं. पुं. बुल्ला।
बुलाक, सं. पुं. नाकमें पहिर्नेके लिये भूषण विशेष।
बुलाना, स. क्रि. पुकार्ना, हाँक मार्ना।
बुलाभेजना, स. क्रि. मंगवाना।
बुलालाना, स. क्रि. बुलायके लाना।
बुलाहट, सं. स्त्री. आवाहन।
बुल्ला, सं. पुं. बुलबुला।
बुहनी, सं. स्त्री. बयाना, पहिली बिकरीका नाम।
बुहरी, सं. स्त्री. भूनेऊए जव।
बुहारन, सं. स्त्री. झाडन।
बुहारी, सं. स्त्री. झाडू।
बुहारू, सं. पुं. भङ्गी।
बुहार्ना, स. क्रि. झाडना।
बूआ, सं. स्त्री. बहिन; फूफी।
बूई, सं. स्त्री. लडकोंके डरानेके लिये शब्द।
बूँद, सं. स्त्री. बिन्दु, टपकन। गु. भला; ऊँचा; उडाँक।
बूँदा, सं. पुं. बडीबूँद।
* बूँदी, सं. स्त्री. टपका, वर्षाकी बूँद; मिठाई विशेष।
बूकना, स. क्रि. पीसना, बुकनी कर्ना।
बूका, सं. पुं. चूर्ण, बुकनी; छोटा-मोती।
बूचा, गु. पुं. } कनकटा।
बूची, स्त्री. }
बूझ, सं. स्त्री. समझ, बुद्धि।
बूझना, अक. क्रि. समझना, जान्ना।
बूझाई, सं. स्त्री. सिखाई, शिक्षा।
बूट, सं. पुं. हराचना।
बूटा, सं. पुं. फूल जो कपडेमें काढा है; पौधा।
बूटी, सं. स्त्री. बनास्पती; औषध, छोटा बूटा।
बूडना, अक. क्रि. डूबना।
बूडमर्ना, अक. क्रि. डूब मर्ना।
बूडिया, सं. पुं. डूबनेहारा।
बूता, सं. पुं. बल, सामर्थ्य।
बूबू, सं. स्त्री. बहिन; बोली।
बूर, सं. स्त्री. भूसी, छिलका।
बूरा, सं. स्त्री. खाँड; लकडीकी बुकनी, चूर्ण।

बे, अ. अरे।
बेंट, सं. पुं. छुरीआदि अस्त्रका हथकडा।
बेंडा, गु. टेढा, बाँका।
बेंधना, स. क्रि. गूँधना, चुन्ना।
बेग, सं. पुं. वेग।
बेगार, सं. पुं. काम करवानेके लिये बरबससे पकडे ऊए बनिहार।
बेगारी, सं. स्त्री. काम करवानेके लिये बरबससे पकडनेकी कर्त्तव्यता।
बेगी, गु. वेगी।
बेङ्ग, सं. पुं. मेंडक, भेक।
बेचना, स. क्रि. विकाना।
बेजु, सं. पुं. जन्तु विशेष।
बेझा, सं. पुं. चिन्ह जिसपर धनुषधर अभ्यास करनेके लिये तीर छोडता है।
बेटा, सं. पुं. पुत्र।
बेटी, सं. स्त्री. पुत्री।
बेठन, सं. पुं. वेष्टन, लपेटन।
बेढ, सं. पुं. बाडा।
बेडा, सं. पुं. घरनई, चौघडा।
बेडिया, सं. पुं. हिन्दु लोगोंकी जाति विशेष।
बेडी, सं. स्त्री. पैकडी; टोकडी, जिससे खेतको सींचते हैं।
बेढना, स. क्रि. बाडा बाँधना; छेंकना; घेरना।
बेत, सं. स्त्री. वेत्र, छडी।
बेद, सं. पुं. वेद।
बेध, सं. पुं. छेद।
बेधडक, सं. गु. निधडक।
बेधना, स. क्रि. छेदना।
बेधी, सं. पुं. छेदकरनेहारा।
बेन, सं. स्त्री. बाँसुरी, बनसी।
बेना, सं. पुं. पङ्खा, बीजना; खसखस।
बेनी, सं. स्त्री. जूडा।
बेर, सं. पुं. वृक्ष वा फल विशेष। सं. स्त्री. वार, विलम्ब; वेला।
बेरबेर, अ. बारम्बार।
बेरी, सं. स्त्री. बेरका वृक्ष।
बेल, सं. स्त्री. लता; विल्वफल; पुष्प विशेष।
बेलन, बेलना, { सं. पुं. रोटी बेलनेके लिये काष्ठादिकी बनी ऊई वस्तु। स. क्रि. फैलाना।
बेलनी, सं. पुं. टहनी।
बेलबूटा, सं. पुं. झाडी, लता विशेष।
बेला, सं. पुं. पुष्प विशेष; वेला, कटोरा; वाद्य विशेष।
बेलि, सं. स्त्री. लता।
बेला, गु. उदास।
बेसन, सं. पुं. चनेसे बनाया ऊआ आटा।
बेसनी, गु. जो बेसनसे बना।
बेसनौटी, सं. स्त्री. बेसनकी रोटी।
बेसर, सं. स्त्री. नथनी।
बेसरा, सं. पुं. पक्षी विशेष।
बेसवा, सं. स्त्री. वेश्या।
बेह, सं. पुं. छिद्र, साल।
बेहड, गु. पृथ्वी जहाँ ऊँची नीची है।
बैंगन, सं. पुं. भण्टा, तरकारी विशेष।

बैँगनी, } गु. रङ्ग जो बेगनके समान
बैँजनी, } है, पिङ्गल।
बैँटा, सं. पुं. कुलहाडीका हथकडा।
बैँदी, सं. स्त्री. टिकुली, टिक्कली; स्त्रीके माथेका भूषण।
बैठक, सं. स्त्री. } बैठनेका स्थान वा
बैठका, पुं. } बैठनेकी चाल।
बैठना, अक. क्रि. आसन मारना; घोडेपर चढना।
बैठवाँ, गु. चपटा, चैापट।
बैठा, सं. पुं. चप्पू, डाँड।
बैठाना, } स. क्रि. स्थापन करवा-
बैठालना, } ना।
बैतरा, सं. पुं. सोंट विशेष।
बैदिक, सं. पुं. वैदिक।
बैन, सं. स्त्री. बनसी; वाणी।
बैना, सं. पुं. माथेका भूषण विशेष; पकवान जो विवाहमें बाँटते हैं।
बैपार, सं. पुं. व्यापार।
बैपारी, सं. पुं. बैपार कर्नेहारा।
बैर, सं. पुं. वैर।
बैरख, सं. स्त्री. झण्डा, ध्वजा, पताका।
बैरागी, सं. पुं. वैरागी।
बैल, सं. पुं. अनड्वान, बर्धा।
बैस, सं. पुं. आयुर्दा, वयः; वैश्य।
बैसँदर, सं. पुं. अग्नि।
बैसाँडु, गु. आसकती, मखीमार, घरमें बैठनेहारा।
बोआई, सं. स्त्री. बोनेका काम; बोनेका समय।
बोआना, स. क्रि. पृथ्वीमें बीजडलवाना; बसाना।
बोआरा, सं. पुं. बोनेका समय।
बोँट, सं. पुं. डाँट, डटा, डाली।
बोकडा, } सं. पुं. बकरा; भेडा।
बोकरा, }
बोकरी, सं. स्त्री. बकरी।
बोच, सं. पुं. मगर, कुम्भीर।
बोचा, सं. पुं. पालकी विशेष।
बोझ, सं. पुं. भार, लादी।
बोझना, स. क्रि. लादना।
बोझल, } गु. लदा, भरा।
बोझेल, }
बोटी, सं. स्त्री. माँसका छोटा २ टुकडा।
बोतू, सं. पुं. बकरा।
बोदली, गु. स्त्री. भोली, गेगली।
बोदा, गु. निर्बल, निर्जीव।
बोद्धा, गु. बुद्धिमान्।
बोध, सं. पुं. ज्ञान, मति; मनोती।
बोधक, सं. पुं. जिस्से ज्ञान होता है।
बोधना, स. क्रि. फुसलाना।
बोना, स. क्रि. बीजना।
बोनी, सं. स्त्री. बोनेका समय।
बोर, सं. पुं. पजेबके घूँघरु। गु. गम्भीर।
बोँरा, सं. पुं. गोन, गठिया, लोधा, टाटका थैला।
बोरो, सं. पुं. रामधनुष; चावल विशेष।
बोल, सं. पुं. शब्द, बात; गीतके शब्द।
बोलचाल, सं. स्त्री. बातचीत।
बोलता, सं. पुं. बोलनेकी शक्ति; प्राण, जीव।

बोलना, अक. क्रि. बातकर्ना, कह-
ना ; बजना।
बोलबाला, सं. पुं. आशीर्वाद वि-
शेष।
बोली, सं. स्त्री. वाणी, भाषा,
बात।
बौंड, सं. पुं. बेल, लता।
बौंडना, ⎫ अक. क्रि. लिपटना,
बौंडियाना, ⎭ घूमना, भँवरखाना।
बौछार, सं. स्त्री. वायु सहित बडी
दृष्टि।
बौद्ध, सं. पुं. बुधका मतावलम्वी।
* बौना, गु. ठिङ्गना, नाटा।
बौनी, सं. स्त्री. ठिङ्गनी।
बौरहा, गु. बौराहा।
बौराना, अक. क्रि. बावला होना।
बौरापन, सं. पुं. सिडपन।
बौराहा, गु. बावला, सिडा।
बौला, गु. पोपला, मुलौ।
बौहा, गु. पथरीला।
बौहाई, सं. स्त्री. जिस् स्त्रीको गर-
मीका रोग है।
ब्यान, सं. पुं. पश्वादिका प्रसव।
ब्याना, अक. क्रि. जनमना, उत्पन्न
होना।
ब्याह, सं. पुं. विवाह।
ब्याहता, गु. विवाहिता।
ब्याहनयोग, गु. ब्याहनेके जो योग्य।
ब्याहना, स. क्रि. विवाह कर्ना।
ब्याहा, गु. विवाहित।
ब्योंगा, सं. पुं. ⎫ चमडा छीलनेका
ब्योंगी, स्त्री. ⎭ अस्त्र।
ब्योंत, सं. पुं. गढन, डौल।
ब्योंतना, स. क्रि. कपडेको डौलिया-
ना वा बनाना।
ब्योरा, सं. पुं. भेद ; वृत्तान्त, बखान।
ब्रह्म, सं. पुं. परमेश्वर, जगत्का
कारण।
ब्रह्मअस्त्र, सं. पुं. ब्रह्माजीका अस्त्र
विशेष।
ब्रह्मचर्य, सं. पुं. ब्रह्मचारीका व्यव-
हार।
ब्रह्मचारी, सं. पुं. प्रथमाश्रमी।
ब्रह्मदैत्य, सं. पुं. ब्रह्म राक्षस।
ब्रह्मन, सं. पुं. ब्राह्मण।
ब्रह्मबान, सं. पुं. ब्रह्म अस्त्र।
ब्रह्मभोज, सं. पुं. ब्राह्मणोंके लिये
भोजन।
ब्रह्मरन्ध्र, सं. पुं. मस्तकका मध्य-
स्थान।
ब्रह्मरात्रि, सं. स्त्री. ब्रह्माकी रात
जिस्में देवताओंका एक सहस्र
युग है।
ब्रह्मराक्षस, सं. पुं. भूत विशेष,
लूका।
ब्रह्मवादी, सं. पुं. वेदान्ती।
ब्रह्महत्या, सं. स्त्री. ब्राह्मणकी हत्या।
* ब्रह्मा, सं. पुं. पैगू देशके राजा-
की जाति।
ब्रह्माण्ड, सं. पुं. जगत् ; सिरकी
चांदी।
ब्राह्मण, सं. पुं. पहिला वर्ण।
ब्राह्मणी, सं. स्त्री. ब्राह्मणकी स्त्री।
ब्राह्मण्य, सं. पुं. ब्राह्मणका धर्म ;
ब्राह्मणोंकी सभा ; सातवाँ
ग्रह।

ब्राह्म्य, सं. पुं. अचंभा, आश्चर्य ; ब्राह्मणोंकी पूजा ।
ब्राह्ममुहूर्त्त, सं. पुं. सूर्योदयसे पहिले चारघडी, पोह ।

भ

भ, देवनागरी वर्णमालाके हल वर्णोंमेंका चौबीसवाँ अक्षर ; नक्षत्र ; राशि ।
भँवर, सं. पुं. भौंर, चक्कर ।
भँवर, भँवरा, } सं. पुं. अलि ; लता ।
भँवरी, सं. स्त्री. तीतरी ।
भँबोना, स. क्रि. फाडखाना ।
भई, क्रि. हुई ।
भकसी, सं. पुं. गुफा ।
भकुवा, गु. निर्बुद्धि ।
भकुवाना, अक. क्रि. निर्बुद्धि होना ।
भकोसना, स. क्रि. खालेना, छुकसना ।
भक्त, सं. पुं. अर्चक, उपासक ; भात । गु. धर्मी ; चाहक ।
* भक्तवत्सल, सं. पुं. भक्तप्रिय ।
भक्ताई, सं. स्त्री. भगताई, धर्म ।
भक्ति, सं. स्त्री. मत, धर्म, श्रद्धा ।
भग, सं. स्त्री. योनि ; सुभाग, ऐश्वर्यादि गुण ।
भगत, सं. पुं. भक्त ।
भगतन, सं. स्त्री. भगतकी स्त्री, अर्थात् वेश्या ।
भगताई, सं. स्त्री. भगतपना ।
भगतिया, सं. पुं. भवैया, कत्थक ।
भगन्दर, सं. पुं. गुदामें रोग विशेष ।
भगल, सं. पुं. छल, कपट ।
भगवत, सं. स्त्री. भागवत ।
भगवन्त, गु. सं. भगवान् ।
भगवाँ, सं. पुं. गेरुवा वस्त्र ।
* भगवान, गु. ऐश्वर्यादि गुणयुक्त, प्रतापवान्, तेजस्वी ।
भगाना, स. क्रि. हंकाना ।
भगिनी, सं. स्त्री. बहिन ।
भगेल, सं. स्त्री. पराजय । सं. पुं. भगेडा ।
भगोडा, भग्गू, } सं. पुं. भागनेहारा ।
भग्न, गु. पराजित ; टूटा, फूटा ।
भङ्ग, सं. पुं. खण्डन ; तोड, लहर ; पराजय ; भाँग ; गु. भग्न ।
भङ्गडा, सं. पुं. जडीविशेष ।
भङ्गन, सं. स्त्री. भङ्गीकी स्त्री ।
भङ्गना, सं. स्त्री. मछली विशेष ।
भङ्गा, सं. स्त्री. भाँग ; पक्षी विशेष ।
भङ्गी, सं. पुं. भङ्गका पीनेहारा ; मिहतर, चुहडा ।
भङ्गेरन्, सं. स्त्री. भङ्गबेचनेहारी ।
भङ्गेरा, सं. पुं. भङ्गबेचनेहारा ।
भचक, गु. घाबरा, अचम्भित, विस्मित ।
भचकना, अक. क्रि. अचम्भित वा विस्मित होना ।
भजन, सं. पुं. अर्चा, पूजा, सेवा ।
भजना, स. क्रि. अर्चा, वा पूजाकरना, जपना ।

भगना, अक. क्रि. भागना।
भजनीक, सं. पुं. अर्चक, भजन कर्नेहारे।
भजिजाना, अक. क्रि. भाग जाना।
भञ्जन, सं. पुं. खण्डन।
भञ्जाना, स. क्रि. भुनाना, तोडाना, बदलाना।
भट, सं. पुं. जोधा, शूरबीर; धिक्कार; तनूर।
भटई, सं. स्त्री. भाटकी स्तुति।
भटकटाई, भटकटैया, } सं. स्त्री. कँटीलापौधा विशेष।
भटकना, अक. क्रि. बहकना, भूलना।
भटका, गु. भूला, चूका।
भटकाना, स. क्रि. बहकाना, भुलाना, भडकाना।
भटपडना, अक. क्रि. आपित होना; अभागा होना।
भट्ट, सं. पुं. विद्यावान्, पण्डित, दक्षिणी ब्राह्मणोंकी उपाधि।
भट्टाचार्य, सं. पुं. पण्डितोंमेंसे जो सबसे बडा ज्ञानवान्, बङ्गालेके ब्राह्मणोंका उपाधि।
भट्ठी, सं. स्त्री. चूल्हा विशेष।
भटियारपन, सं. पुं. भटियारेका काम।
भठियारा, सं. पुं. सरायका भाडा उगाहनेहारा।
भठियारिन, सं. स्त्री. भठियारेकी स्त्री।
भठियाना, अक. क्रि. नदीकी धारापर बहना; भाठा लगना।
भठियाल, गु. जो नदीकी धारापरसे बहे।
भड, सं. पुं. बडी नाव विशेष।
भडक, सं. स्त्री. चटक, झलक, घबराहट, झिझक, चौंक।
भडकना, अक. क्रि. झिझकना, चौंकना; आँच उठना।
भडकाना, स. क्रि. डराना, भटकाना; आँच कर्ना, लूका लगाना।
भडकीला, गु. चटकीला, चमकीला।
भडकेल, गु. जङ्गली, अनपरचा।
भडभडिया, गु. निष्कपट, सीधा।
भडभूँजन, सं. स्त्री. भडभूँजेकी स्त्री।
भडभूँजा, सं. पुं. भाडमें जो अन्न भूने।
भडरिया, सं. पुं. ठग, भड्डी।
भडसाँई, सं. पुं. भाड्।
भडुवा, सं. पुं. कुटना।
भडुवाई, सं. स्त्री. कुटनापा।
भडैत, भडैती, } सं. पुं. भाडादेनेहारा, प्रजा।
भणित, गु. कथित।
भण्टा, सं. पुं. बैंगन।
भण्ड, सं. पुं. भाँड, अष्टता।
भण्डा, सं. पुं. मट्का; मोटी अरई।
भण्डार, सं. पुं. कोठा, खात, बखार।
भण्डारा, सं. पुं. जोगी वा सन्यासी आदिका ज्योंनार, भोज।
भण्डारी, सं. पुं. भण्डारेका रखवाला; रोकडिया।
भण्डेरिया, सं. पुं. भडरिया।
भण्डौवा, सं. पुं. निन्दा, फक्कड्।

भतार, सं. पुं. पति, स्वामी।
भतोजा, सं. पुं. भाईका पुत्र।
भतोजी, सं. स्त्री. भाईकी पुत्री।
भत्ता, सं. पुं. भाता।
भद, सं. स्त्री. धप्पा; धडाका।
भदभद, सं. पुं. वृक्षके फल गिर्नेसे वा मनुष्यके चलनेसे जो शब्द।
भदभदाना, स. क्रि. मारनेसे शब्द निकालना, बारम्बार मार्ना।
भदभदाहट, सं. स्त्री. वृक्षसे फल गिर्नेमें जो शब्द।
भदाक, सं. पुं. धडाका।
भदाका, सं. पुं. शब्द।
भदेसल, गु. कुडौल, भोंडा, अनाडी।
भद्दा, गु. निर्बुद्धि, उल्लू।
भद्र, सं. पुं. भागमानी; मूछ सहित सिरका मुण्डन। गु. भाग्यवान्, भला, श्रेष्ठ।
भद्रक, सं. स्त्री. प्राप्त, लाभ; स्वभाव; सुन्दरता, भलाई।
भद्रहोना, अक. क्रि. मूछ सहित सिरमुण्डाके शुद्ध होना।
भद्रा, सं. स्त्री. अशकुन समय; पक्षकी दूसरी सातवीं बारहवीं तिथि। पुं. पक्षी विशेष।
भद्राक्ष, गु. कृत्रिम रुद्राक्ष।
भद्री, सं. पुं. उक्तोत, सामुद्रिकी।
भबकना, अक. क्रि. क्रोधित होके दौडना; आगलगना।
भबका, सं. पुं. बडेमुखका पात्र विशेष।
भबकाना, स. क्रि. सुलगाना, जलाना; उकसाना, खिजाना; एड मार्ना।
भबकी, सं. स्त्री. धमकी।
भभड, सं. पुं. डर, खटका, भभर।
भभक, सं. स्त्री. अचानकसे जो आंच वा कुबास उठे।
भभकना, अक. क्रि. सनसनाना, बुलबुला उठना, खलबलाना।
भभर, सं. पुं. डर, खटका।
भभराना, अक. क्रि. खटकाहोना; सूजना।
भभूका, सं. पुं. जोत, आंच, गु. लाल; सुन्दर, भडकीला।
भभूत, सं. स्त्री. भस्म, विभूत।
भय, सं. पुं. डर, शङ्का।
भयङ्कर, गु. भयानक।
भयचक, गु. भयकर्के जो व्याकुल।
भयभीत, गु. शङ्कित, भयमान्।
भयमान्, गु. शङ्कित, डराक।
भया, क्रि. हुआ।
भयातुर, गु. भयचक।
भयानक, गु. भयङ्कर, जिस्को देखके डर लगे, डराऊ।
भयापा, सं. पुं. अपनयत्, भाईपना।
भयावना, गु. डरावना।
भयो, क्रि. भया।
भर, गु. पूर्ण।
भरका, सं. पुं. जब बरीपर पानी दिया उस्का नाम।
भरकाना, स. क्रि. बरीपर पानी डालना।
भरण, सं. पुं. पोषण।

भरणी, सं. स्त्री. दूसरा नक्षत्र।

* भरत, सं. पुं. अनेक धातुका मेल।

भरन, अ. तक, तलक।

भरना, स. क्रि. पूरण कर्ना; छोपना, लेसना, घावचंगा कर्ना।

भरनी, सं. स्त्री. बाना।

भरपाना, अक. क्रि. दामपाना।

भरपूरण, गु. मुहामुंह।

भरभराना, अक. क्रि. सूजना।

भरभरी, सं. स्त्री. सूज, फूलाव।

भरभाँड, सं. पुं. ऊटकटारा, कँटीला छोटा पौधा विशेष।

भरम, सं. पुं. यश, साख; भ्रम।

भरमगँवाना, अक. क्रि. अपजसी होजाना, साखगवाँना।

भरमाना, स. क्रि. फुसलाना; व्याकुल कर्ना।

भरमीला, गु. दोअर्था, गोल गोल, सन्देही, घाबरा।

भरवाना, स. क्रि. पूरण कर्वाना।

भरा, गु. पूरा।

भराना, स. क्रि. भरवाना; घोडा और घोडीको लगाना।

भरावट, सं. स्त्री. वस्तु जिस्से दूसरी वस्तुको भराते हैं।

भरी, सं. स्त्री. तोला, बारह माशेका परिमाण।

भरैव, सं. पुं. भडैव।

भरोटा, सं. पुं. तृणादिका बोझा।

भरोसा, } सं. पुं. आशा, प्रतीत।
भरोसौ, }

भर्जन, सं. पुं. भूननेका काम।

भर्ता, सं. पुं. पति; प्रतिपालक; तरकारी जो आगमें भूनके और मलके बनाते हैं।

भर्तिया, सं. पुं. ठठेरा, कसेरा।

भर्ती, सं. स्त्री. समाप्ति, भरावट; बढाव्।

भर्त्ता, सं. पुं. भर्त्ता।

भर्त्सना, सं. स्त्री. तिरस्कार।

भल, गु. भला। सं. पुं. ओर।

भलका, सं. पुं. सोनेकी टिक्की जो नथपर लगाते हैं।

भलमनसात, } सं. स्त्री. सत्वगुण।
भलमनसी, }

भला, गु. अच्छा, शीलवन्त; चङ्गा; धर्मी, अद्भुत; चुहला।

भलाई, सं. स्त्री. अच्छापन; क्षेमकुशल।

भलाचङ्गा, गु. अच्छा।

भल्लूक, सं. पुं. रीछ।

* भव, सं. पुं. संसार।

भवन, सं. पुं. घर।

भवार्णव, सं. पुं. संसार समुद्र।

भवितव्य, स. गु. होनहार, जो कुछ होगा।

भवितव्यता, सं. स्त्री. प्रारब्ध।

भविष्य, } गु. जो कुछ होवेगा;
भविष्यत, } आवनेहारा काल।

भविष्यत्वक्ता, सं. पुं. भविष्यत् कहनेहारा, आगमज्ञानी।

भवैया, सं. पुं. कत्थक, नाचनेहारा।

भव्य, गु. भाग्यवान्; योग्य।

भस, सं. पुं. राख।

भसकना, अक. क्रि. गिरना, पडना।
भसना, अक. क्रि. तैरना, बहना।
भसभसा, गु. पिलपिला।
भसम, सं. पुं. भस्म।
भसाना, स. क्रि. बहाना, चलाना।
भस्म, सं. स्त्री. विभूति, राख।
भहराना, अक. क्रि. काँपना, लड-
खडाना, डगमगाना।
भक्षक, सं. पुं. खानेहारा।
भक्षण, सं. पुं. भोजन।
भक्ष्य, गु. जो खानेके योग्य है, खाद्य।
भाँग, सं. स्त्री. बूटी, बिजिया, सब-
जी, भङ्ग, मादक पत्ती।
भाँज, सं. पुं. ऐंठ, बल।
भाँजना, स. क्रि. फिराना, वा घु-
माना, हिलाना, चमकाना।
भाँजा, सं. पुं. बहिनका पुत्र।
भाँजी, सं. स्त्री. बहिनकी पुत्री;
अटकाव, विघ्न।
भाँट, सं. पुं. औषधि पौधा वि-
शेष।
भाँटा, सं. पुं. भण्टा।
भाँड, सं. पुं. हण्डा; बजरूपिया।
भाँडना, स. क्रि. गालीदेना, बिगा-
डना।
भाँडा, सं. पुं. मृत्तिकाका बडा पात्र
विशेष; सामग्री।
भाँडीर, सं. पुं. अञ्जीरका वृक्ष।
भाँडैती, सं. स्त्री. वक्ररूप्य, स्वाँग।
भाँति, सं. स्त्री. रीति, डौल, ढब;
जाति।
भाँवर, } सं. स्त्री. फेर, घुमाव।
भाँवरी, }

भाई, सं. पुं. भ्राता।
भाईचारा, सं. पुं. भयापा।
भाईबन्द, सं. पुं. जातिके लोग।
भाक्त, सं. पुं. परबस, पिछलगा।
भाखना, स. क्रि. बोलना, कहना।
भाग, सं. पुं. अंश; प्रारब्ध।
भागजाना, अक. क्रि. धोखा देना,
टलना।
भागड, सं. स्त्री. बलाव; देशत्याग;
धडका, भागड।
भागना, अक. क्रि. पीछादेना, भाग
जाना।
भागमान्, गु. भाग्यवान्।
भागमानी, सं. स्त्री. सुभाग।
भागवत, सं. पुं. पुराण विशेष।
भागवान, गु. भाग्यवान्।
भागाभाग, सं. पुं. भागड्।
भागिनेय, सं. पुं. भाँजा।
भागी, सं. पुं. साझी, अंशी, बँटैत।
गु. भाग्यवान्।
भाग्य, सं. पुं. प्रारब्ध। गु. जो भाग
करनेके योग्यहै।
भाग्यवन्त, } गु. प्रारब्धी; लक्ष्मी-
भाग्यवान्, } वान्।
भाग्यहीन, गु. मन्दभाग्य, दरिद्री।
भागड, सं. स्त्री. उपद्रवके कारणसे
स्थान छोडके भागना।
भाजन, सं. पुं. बासन।
भाजना, सं. क्रि. भूनना, तलना;
अक. क्रि. भागना।
भाजी, सं. स्त्री. साग, शाक; बैना।
भाट, सं. पुं. बरदैत, कवि विशेष।
भाटन, सं. स्त्री. भाटकी स्त्री।

भाठा, सं. पुं. धारा, समुद्रका उतार।
भाठियाल, सं. पुं. भठियाल।
भाठो, सं. स्त्री. भठियाल ; धौंकनी।
भाड, सं. पुं. अन्न भूननेके लिये आगका स्थान ; छिनाला करनेसे जो पैसा मिले।
भाडा, सं. पुं. भडेतसे जो पैसा लेतेहैं, किराया।
भाण्ड, सं. पुं. बासन।
भाण्डार, सं. पुं. भण्डार।
भाण्डारी, सं. पुं. भण्डारका अधिपति।
भात, सं. पुं. रींधेहुए चावल।
भाता, सं. पुं. भत्ता।
भादवा, भादों, भाद्रपद, भाद्रमास, } सं. पुं. छठा महीना।
भान, सं. पुं. स्मरण।
भानमती, सं. स्त्री. नटिनी।
भाना, अक. क्रि. भला लगना; सजना।
* भानुमति, सं. गु. सुन्दर।
भान्ना, स. क्रि. भाँजना, तोडना, फाडना।
भाफ, सं. स्त्री. वाष्प।
भाफना, स. क्रि. समझना ; अटकलाना।
भाभी, सं. स्त्री. भाईकी स्त्री।
भामिनी, सं. स्त्री. कर्कशा, लडाकी।
भार, सं. पुं. बोझ; आंटी, बलही।
भारवाहक, गु. जो भारको लेचले, मोटिया।
भारा, सं. पुं. बोझ।
भारी, सं. गु. गरव, बडा, महँगा; मोटा ; गम्भीरा, फाढा ; टेढा। सं. पुं. मोटिया।
भार्य्या, सं. स्त्री. पत्नी।
भाल, सं. पुं. तीरका फल ; ललाट ; रीछ।
भाला, सं. पुं. बर्छा विशेष।
भालू, सं. पुं. रीछ।
भाव, सं. पुं. सम्मति, चसका, प्रकृत ; सोच, बूझ ; चोचला, झाँवली, स्वाँग ; मनकी लहर; द्रव्य ; जन्तु, माल।
भावई, गु. भविष्यत, बदा।
भावक, गु. सोचो; मित्र, सज्जन।
भावज, सं. स्त्री. भाईकी स्त्री।
भावज्ञ, गु. भावको जो जाने।
भावता, गु. प्रिय, चाहीता।
भावना, सं. पुं. चिन्ता, सन्देह, शङ्का।
भावह, सं. स्त्री. छोटे भाईकी स्त्री।
भावान्तर, सं. पुं. प्रकारान्तर।
भावित, गु. चिन्तित, शङ्कित।
भावी, गु. भविष्यत्, बदा।
भावेँ, भावोँ, } अ. लेखे, बिचारमें वा मनमें।
* भाषा, सं. स्त्री. बोली, वाणी; रागिणी विशेष।
भासना, अक. क्रि. प्रगट होना, सूझना,।

भासुर, सं. पुं. पतिका बडा भाई।
* भास्वर, सं. पुं. दिन।
भिखारी, सं. पुं. याचक।
भिगाना, भिगोना, भिजाना, स. क्रि. गीला वा ओदा करना।
भिटनी, सं. स्त्री. कुचके ऊपरका दाना।
भिड़ना, अक. क्रि. मिलना, सटना, लड़ना।
भिडाना, स. क्रि. मिलाना, सटाना, लडाना।
भिण्डी, सं. स्त्री. रामतरोई, घियातरोई।
भित्ति, सं. स्त्री. भींत।
भिनकना, भिनभिनाना, अक. क्रि. मक्खीके उडनेसे शब्द निकलना।
भिन्न, गु. पृथक् अलग।
भिन्नाना, अक. क्रि. सिर घूमा।
भिन्सार, सं. पुं. भोर।
भिलावाँ, सं. पुं. औषधि विशेष जिसके शरीरपर लगानेसे फफोला हो आता है।
भिलौंजी, सं. स्त्री. भिलाँवेका बीज।
भिक्षा, सं. स्त्री. भीख।
भिक्षु, सं. पु. सन्यासी.।
भिक्षुक, सं. पुं. याचक।
भी, अ. च. क्रं. और।
भीख, सं. स्त्री. भिक्षा; भूर, बाडा।
भीगना, भीजना, अक. क्रि. गीला वा ओदा होना; दुःखी होना।
भीजा, गु. गीला।
भीड, सं. स्त्री. मण्डली, ठठ्।
भीडा, सं. पुं. सङ्कीर्ण।
भीत, गु. डरा, भययुक्त। सं. स्त्री. दीवार।
भीतर, अ. अन्तर, बीच, में।
भीतरिया, सं. पुं. भीतरके रहने हारे; जो मनुष्य देवालयमें देवताका काम कत्त हैं अर्थात् भण्डारी, पुजारी, रसोइया।
भीति, सं. स्त्री. भय, शङ्का।
भीत्री, गु. भीतरका।
भीम, सं. पुं. भय। गु. भयानक।
भीमसैनी, सं. स्त्री. कपूर विशेष।
भीषण, सं. पुं. भय। गु. भयानक।
भीष्माष्टमी, सं. स्त्री. माघकी शुक्लाष्टमी।
भुक्त, गु. जो भोजन किया गया है।
भुगतना, स. क्रि. सुख वा दुःखका भोग करना, पुण्य वा पापका फल उठाना।
भुगतमान्, गु. भुगतनेके जो योग्य।
भुगताना, स. क्रि. भोग कर्वाना।
भुग्गा, गु. सीधा, भोला।
भुच, गु. अनगढ, अनक्षोला, मूर्ख।
भुचंपा, सं. पुं. वृक्षविशेष; आतशबाजी जो उस वृक्षके फूलके समान है।
भुज, सं. स्त्री. बाऊ, डण्ड।
भुजङ्ग, भुजङ्गम, सं. पुं. काला, सर्प विशेष।
भुजबन्द, सं. पुं. बाऊपर पहिर्नेका गहना, बाजूबन्द।
भुजा, सं. स्त्री. भुज।

भुजिया, सं. स्त्री. भाजी।
भुट्टा, सं. पुं. बाल, बडी जुनहार।
भुण्डली, सं. स्त्री. कीट विशेष।
भुतना, सं. पुं. छोटा भूत, भोकस।
भुतनी, सं. पुं. भुतनेकी स्त्री।
भुताहा, गु. जो भूतके समान है।
भुतियाना, अक. क्रि. भुताहा होना।
भुन्ना, अक. क्रि. कुम्हलना, सूखना।
भुभुक्षित, गु. भूखा।
भुरभुरा, गु. सूखी बुकनी।
भुरभुराना, सं. क्रि. लोन वा चीनी किसी खानेकी वस्तुपर छींटना वा छिडकना।
भुलसना, अक. क्रि. झुलसना।
भुलाना, सं. क्रि. भूल कर्वाना, फुसलाना, बहकाना।
भुलावा, सं. पुं. धोखा, छलावा, ठगपना।
भुव, सं. पुं. स्वर्ग; आकाश, अम्बर।
भुवङ्ग, सं. पुं. भुजङ्ग।
भुवन, सं. पुं. जगत्; लोक; मन्दिर।
भुस, सं. पुं. चोकर।
भुसेरा, सं. पुं. स्थान जिसमें भूसा रखते हैं।
भू, सं. स्त्री. पृथिवी।
भूईंडोल, सं. पुं. भूकम्प।
भूँ, } सं. स्त्री. भूमि।
भूँई, }
भूँजा, सं. पुं. भडभूँजा।
भूँसना, अक. क्रि. हौं हौं कर्ना।
भूकम्प, सं. पुं. भौंचाल।
भूख, सं. स्त्री. क्षुधा।
भूखा, गु. भुभुक्षित।
भूगोल, सं. पुं. पृथ्वीमण्डल।
भूचर, सं. पुं. पृथ्वीपर चरनेहारे जन्तु।
भूत, सं. पुं. अतीत काल; पृथिवयादि पाँच तत्व; पृथ्वी, अप, तेज, वायु, आकाश; प्रेत विशेष।
भूतनी, सं. स्त्री. प्रेतनी।
भूतल, सं. पुं. पृथ्वी।
भूदेव, सं. पुं. ब्राह्मण।
भूधर, सं. पुं. पर्वत।
भूप, सं. पुं. राजा।
भूपति, } सं. पुं. राजा, महीपति।
भूपाल, }
भूभल, सं. पुं. गरम राख।
भूमि, सं. स्त्री. पृथ्वी, मही।
भूमिकम्प, सं. पुं. भूईंडोल।
भूमिपाल, सं. पुं. महीपति।
भूमियाँ, सं. पुं. भूमिका देवता।
भूयः, अ. पुनः, फेर।
भूयोभूयः, अ. पुनः२, फेर२।
भूर, } सं. स्त्री. दक्षिणा, बाडा, दान; भीख।
भूरसी, }
भूरा, गु. खैरा, कपिल, पिङ्गल।
भूरि, गु. अ. बहुत, अधिक।
भूर्जपत्र, सं. पुं. भोजपत्र।
भूल, सं. स्त्री. बिसरण; चूक।
भूलना, अक. क्रि. बिसरना, चूकना; भटकना; लोप होना; खोजना।
भूलाबिसरा, } गु. जो भटक गया।
भूलाभटका, }
भूलोक, सं. पुं. मनुष्य लोक।

भूषण, सं. पुं. आभरण, गहना, शोभा।
भूषित, गु. अलङ्कृत, शोभित।
भूसा, सं, पुं. गेहूं और यवका सूखा तृण।
भूसी, सं. स्त्री. बूर, चोकर।
भूस्वामी, सं. पुं. भूपति।
भृकुटी, सं. स्त्री. भौं, भ्रू; घुडकी।
भृङ्ग, सं. पुं. भ्रमर।
भृङ्गराज, सं. पुं. झाडीविशेष; पक्षीविशेष।
भृङ्गी, सं. स्त्री. कुम्हारी।
भृत्य, सं. पुं. दास।
भृष्ट, गु. जो भूना गया।
भेँगा, गु. स्वर्गपताली, डेरा।
भेँट, सं. स्त्री. भेट।
भेँटना, सं. क्रि. भेट्ना।
भेक, सं. पुं. मेडक; मेघ।
भेजना, सं. क्रि. पठाना, पऊंचाना।
भेजा, सं. पुं. गूदा।
भेट, सं. स्त्री. दर्शन; सौगात्, अर्पण, उपायन।
भेटना, सं. क्रि. मिलना, उपायन कर्ना।
भेटी, सं. स्त्री.
भेटु, पुं. } बोंट् डठा।
भेड, सं. स्त्री. मेढ, मेषकी जाति।
भेडा, सं. पुं. मेंढा।
भेडिया, सं. पुं. ऊण्डार।
भेडियाधसान, सं. पुं. गचपचकर्के मण्डली; और किसूके मार्गपर चलना।
भेडी, सं. स्त्री. मेढी।
भेद, सं. पुं. भिन्नभाव, बीच, विशेष; गुप्तकी बात।
भेदक, सं. पुं. भेद करावनेहारा।
भेदकिया,
भेदिया,
भेदी, } सं. पुं. भेद लेनेहारा, खोजी।
भेदू, सं. पुं. भेद रखनेहारा।
भेद्य, गु. भेदके योग्य।
भेना, सं. स्त्री. बहिन।
भेर,
भेरी, } सं. स्त्री. वाद्य विशेष।
भेला, सं. पुं. भिलावाँ।
भेली, सं. स्त्री. गुडका ढेला।
भेव, सं. पुं. भाव, प्रकृत, स्वभाव।
भेष, सं. पुं. रूप, चाल।
भेषज, सं. पुं. औषध।
भैँस, सं. स्त्री. महिषी।
भैँसा, सं. पुं. महिष।
भैँसियादाद, सं. पुं. दाद विशेष।
भैचक, गु. भयचक।
भैमी, सं. स्त्री. माघ शुक्ल एकादशी।
भैया, सं. पुं. भाई।
* भैरव, सं. पुं. घृणा; राग विशेष।
* भैरवी, सं. स्त्री. रागिणी विशेष जो भैरवकी स्त्री है।
भैहू, सं. स्त्री. छोटे भाईकी स्त्री, भौजी।
भोँकना, स. क्रि. ठोंकना; हूलना।
भोँडा, गु. कुडौल, कुरूप।
भोँदू, गु. सीधा, भोला।
भोँप, सं. पुं. नरसिंघा।

भोई, सं. पुं. कहार।
भोकस, सं. पुं. ओझा, मन्त्री।
भोक्ता, गु. भोजनमें जो निपुण, अच्छा खानेहारा।
भोग, सं. पुं. सुख वा दुःखका उठाना ; हर्ष, सुख ; नैवेद्य।
भोगना, अक. क्रि. सुख दुःख उठाना वा पाना।
भोगा, सं. पुं. छल, ठगाई, धोखा।
भोगी, गु. भोग करनेहारा, आनन्दी।
भोग्य, गु. जो भोगनेके योग्य।
* भोज, सं. पुं. ज्योंनार।
भोजन, सं. पुं. आहार, खाना।
भोजपत्र, सं. पुं. वृक्ष विशेषका छाल जो नैचेपर चढ़ाते हैं।
भोज्य. गु. जो खानेके योग्य ; सीधा।
* भोट, सं. पुं. भोट देशके वस्त्र।
भोटिया, सं. पुं. भोटदेशके लोग।
भोडल, सं. पुं. अभ्रक।
भोता, गु. जो अस्त्र तीक्ष्ण नहीं है, कुन्द।
भोपा, सं. पुं. टोन्हा।
भोर, सं. पुं. प्रातःकाल, पोह।
भोला, गु. छलहीन, सीधा।
भोली, गु. स्त्री. सीधी।
भोसडा, } सं. पुं. बडी योनि।
भोसडी, }
भौं, सं. स्त्री. भृकुटी, भ्रू ; भूमि।
भौंकना, अक. क्रि. हौं हौं करना ; मूर्खतासे बोलना।
भौंचाल, सं. पुं. भूमिडोल।
भौंर, सं. पुं. भँवर।
भौंरा, सं. पुं. भ्रमर।
भौंरियाना, स. क्रि. फिराना, घुमाना।
भौंरी, सं. पुं. घोडेमें दोष विशेष। सं. स्त्री. भौंरेकी स्त्री जाति।
भौंसना, अक. क्रि. भौंकना।
भौ, सं. पुं. भय।
भौचक, गु. भयचक।
भौजाई, } सं. स्त्री. भाईकी स्त्री।
भौजी, }
भौनास, सं. पुं. बडा खूँटा जिसमें हाथीको बाँधते हैं।
भौमवार, सं. पुं. मङ्गलवार।
भ्रंस, सं. पुं. ध्वंस।
भ्रम, सं. पुं. भूल, चूक ; सन्देह, संशय।
भ्रमण, सं. पुं. पर्य्यटन ; भाँवर।
भ्रमर, सं. पुं. भौंरा, अलि।
भ्रष्ट, गु. पतित, स्वधर्महीन ; छुटखेला।
भ्रष्टा, सं. स्त्री. व्यभिचारिणी।
भ्राता, सं. पुं. भाई।
भ्रान्त, गु. जो घुमाया गया।
भ्रान्ति, सं. स्त्री. भूल, चूक, भ्रम।
भ्रामक, सं. पुं. भ्रमदेनेहारा, ठग।
भ्रू, सं. स्त्री. नेत्रोंके ऊपरकी रोम पङ्क्ति।
भ्रूणहत्या, सं. स्त्री. गर्भपातन वा नाशन।
भ्रूभङ्ग, सं. पुं. भ्रू विक्षेप, घुडकी।

म

म, देवनागरी वर्णमालाके हल वर्णोंमेंका पचीसवाँ अक्षर।

मँडुआ, सं. पुं. अन्नविशेष।
मकडा, सं. पुं. कीट विशेष, जो जाल बनाता है।
मकडाना, अक. क्रि. टेढा चलना अर्थात् जी चोराना।
मकडी, सं. स्त्री. मकडा।
मकर, सं. पुं. दशवाँ राशि, मगर।
मकरन्द, सं. पुं. पुष्पका रस; कोकिला।
मकोडा, सं. पुं. बडा चूँटा।
मकोय, सं. पुं. फल विशेष वा पैाधा विशेष।
मक्खन, सं. पुं. नवनीत, माखन।
मक्खी, सं. स्त्री. मक्षिका, माछी; बन्दूकके ऊपरका मसा वा दाना।
मख, सं. पुं. यज्ञ।
मखन, सं. पुं. माखन।
मखना, सं. पुं. हाथी विशेष, जिस्को दाँत नहीं हैं; मुरग जिस्को खाग नहीं है।
मखनिया, सं. पुं. मक्खन बनानेहारा।
मखाना, सं. पुं. पैाधा विशेष।
मखी, सं. स्त्री. मक्खी।
मग, सं. पुं. मार्ग।
मगधभाषा, सं. स्त्री. प्राकृत विशेष जिस्का श्याम और बर्मा देशमें बडा प्रचार है उस्देशमें उस्को पालिक कहते हैं।
मगन, गु. मग्न।
मगनता, सं. स्त्री. प्रसन्नता।
मगर, } सं. पुं. मकर, ग्राह,
मगरमच्छ, } कुम्भीर।
मगरा, गु. ढीठ, घमण्डी, मचला, हठीला।
मगराई, } सं. स्त्री. ढिठाई,
मगरापन, } घमण्ड, मचला।
मगरेला, सं. पुं. कालेरङ्गका छोटा बीज विशेष।
मगसिर, सं. पुं, मङ्गसिर।
मगही, गु. मगध देशकी वस्तु।
मगहैया, सं. पुं. मगध देशके वासी।
मगुरी, सं. स्त्री. मत्स्य विशेष।
मग्न, गु. डूबा; प्रसन्न, हर्षित, मुदित।
मघन, गु. सुबास, सुगन्ध।
मघा, सं. स्त्री. दशवाँ नक्षत्र।
मङ्गा, सं. पुं. जापी, माला, सुमरन; कङ्करोड। गुही।
मङ्गत, } सं. पुं. भिखारी।
मङ्गता, }
मङ्गनी, सं. स्त्री. सगाई; उधार।
मङ्गरा, गु. बलवन्त।
मङ्गल, सं. पुं. कुशल; तीसरा ग्रह; तातार देशके लोगोंकी तीन जातिमें एक जाति।
मङ्गलकोटी, सं. स्त्री. चटाई विशेष।
मङ्गलवार, सं. पुं. तीसरावार।
* मङ्गलसमाचार, सं. पुं. शुभसमाचार।
मङ्गलाचरण, सं. पुं. शुभ कर्मोंके आदिमें गणेशादि देवताकी पूजा वा नमस्कार वाक्य।
मङ्गलाचार, सं. पुं. बधावा; विवाहका गीत।

मङ्गलामुखी, सं. पुं. स्त्री. गवैया, रागी, बजन्ती।
मङ्गली, गु. मङ्गल कर्नेहारा, जयवन्त।
मङ्गवाना, स. क्रि. बुला भेजना।
मङ्गसिर, सं. पुं. मार्गशीर्ष।
मङ्गाना, मङ्गाभेजना, } स. क्रि. बुलाभेजना।
मङ्गूला, सं. पुं. छोटा डब्बा।
मङ्गेतर, सं. पुं. स्त्री. स्त्री वा पुरुष जो बनदत्त है।
मचक, सं. स्त्री. गाँठकी पीडा।
मचकना, अक. क्रि. गाँठोंमें पीडाहोना; चर्चराना।
मचकाना, अक. क्रि. पलक मार्ना, झपकना।
मचना, अक. क्रि. रचना, होना, उठना।
मचमचाना, अक. क्रि. चर्चराना, जैसे खाट बैठनेसे चर्चराती है।
मचलना, अक. क्रि. मचला होना।
मचलपन, सं. स्त्री. हठ, मगराई, ढिठाई।
मचला, गु. हठीला, मगरा, ढीठ।
मचलाई, सं. स्त्री. मचलपन।
मचलाना, अक. क्रि. मतलाना; हठकर्ना, बहानः कर्ना।
मचलाहट्, सं. स्त्री. हठ्।
मचलाहा, सं. गु. हठीला।
मचान, सं. पुं. मञ्च।
मचाना, स. क्रि. रचाना, कर्ना, उठाना।
मचामच, गु. लदालद।
मचिया, सं. स्त्री. पीढी, चौकी।
मचोडना, स. क्रि. निचोड्ना, ऐंठके तोड्ना।
मच्छ, सं. पुं. मत्स्य।
मच्छड, सं. पुं. अप्रेनामसे प्रसिद्ध छोटा उडनेहारा कीट।
मछ, सं. पुं. मत्स्य।
मछन्दर, सं. पुं. चूहा। गु. मूर्ख।
मछली, सं. स्त्री. जलसैनी, जलतरोई मत्स्य।
मछवा, सं. पुं. धीमर।
मछी, सं. स्त्री. मत्स्य।
मछुवा, सं. पुं. धीमर।
मजीठ्, सं. स्त्री. औषधि विशेषजिस्से लालवर्ण रङ्गाजाताहै।
मजीत, गु. सस्ता, जो वस्तुकाममेंलायके बेचीजाय।
मजीरा, सं. पुं. वाद्यविशेष, झाँझ।
मजूर, सं. पुं. कमेरा।
मज्जा, सं. स्त्री. हाडके भीतरकागूदा।
मझला, गु. मंझोला।
मझार, सं. पुं. बीच, माँझ।
मझेली, सं. स्त्री. मझोली।
मझोला, गु. ऐसा वैसा, न भला न बुरा, मध्यम।
मझोली, सं. स्त्री. छोटी गाडी।
मञ्च, सं. स्त्री. गरगज, डेंजा; सिंहासन विशेष; खाट्; वेदी; मचान्।
मञ्जन, सं. पुं. दांतधोनेके लिये चूर्ण विशेष; मार्जन।

मञ्जना, अक. क्रि. उजला होना, फरका होना।
मञ्जरी, सं. स्त्री. फूलोंका गुच्छा।
मञ्जार, सं. पुं. बिलार।
मञ्जिष्ठा, सं. स्त्री. मजीठ।
मञ्जीरा, सं. पुं. मजीरा।
मञ्जु, गु. सुन्दर, चाहीता।
मञ्जूषा, सं. स्त्री. टोकरा।
मटक, मटकन, सं. स्त्री. चोचला, झाँवली।
मटकना, सं. पुं. पुरवा, बधना, मृत्तिकाका छोटा पात्र।
मटकना, अक. क्रि. पलक वा झाँवली मारना, चमकना।
मटका, सं. पुं. मठोर, मट्टीका बडा पात्र।
मटकाना, स. क्रि. आँख घुमाना, चमकाना।
मटकी, सं. स्त्री. चूसनी, गुल्ली, छगुनी; छोटा मटका; झपकी, सैन।
मटकोठा, सं. पुं. मट्टीसे बनाया ऊआ घर।
मटर, सं, पुं. अन्नविशेष, छीमी।
मटरा, सं. पुं. मटरविशेष; रेशमीवस्त्रविशेष।
मटरी, सं. स्त्री. मटरविशेष।
मटरीला, सं. गु. जो मटरसे मिश्रित है।
मटियाना, अक. क्रि. सून खींचना, आँख छिपाना, होनेदेना।
मटियारा, गु. जोताऊ, खेतोंकेयोग्य।
मटियाव, सं. पुं. आनाकानी, आँख छिपाव।
मट्टी, सं. स्त्री. मिट्टी।
मट्ठा, सं. पुं. छाछ।
मठ, सं. पुं. गोसाईयोंका घर, मण्डप।
मठडी, सं. स्त्री. पकवानविशेष।
मठा, गु. ढीला, धीमा, धीरा।
मठोर, सं. पुं. मटका।
मठोली, सं. स्त्री. हाथसे लिङ्ग मलके वीर्य्यका पतन।
मडियाना, स. क्रि. चपकाना, जमाना।
मडोड, सं. स्त्री. ऐंठ, बल।
मडोडना, स. क्रि. ऐंठना, बल देना, मडोडा खाना।
मडोडा, सं. पुं. पेटमेंकी पीडा, अन्तडियोंकी ऐंठन।
मढन, सं. स्त्री. मढनेकी वस्तु।
मढना, स. क्रि. लेसना, लगाना।
मढा, गु. जोमढागया। सं. पुं. विवाहका मण्डप।
मढी, सं. स्त्री. कुटी, मण्डप।
मण, सं. पुं. मन।
मणि, सं. पुं भूषणके लिये पाषाण विशेष, हीरा।
मणियाँ, सं. पुं. मालाका दाना।
मणियार, सं. पुं. चूडीबनानेहारा।
मण्ड, सं. पुं. जूस; माँड, पीच।
मण्डन, सं. पुं. भूषणविशेष।
मण्डप, सं. पुं. तृणादिसे रचित देवताका स्थान; घर।
मण्डल, सं. पुं. गोल; कुण्डल; आकाश; देश।
मण्डलाकार, गु. गोलाकार।

मण्डलाना, अक. क्रि. फिर्ना, जैसे पच्छी आकाशमें फिर्तेहैं।
मण्डलिया. स. पुं. कपोत विशेष।
मण्डली, सं. स्त्री. समूह, सभा।
मण्डवा, सं. पुं. कुञ्ज। सं. स्त्री. मण्डवी।
मण्डवी, सं. स्त्री. अन्नविशेष।
मण्डा, सं. पुं. पेडाविशेष।
मण्डित, गु. जडित, शोभित।
मण्डियाना, अक. क्रि. कलप देना वा लगाना।
मण्डी, सं. स्त्री. हाट, गोला।
मण्डूक, सं. पुं. मेंडुक, भेक।
मण्ढना, स. क्रि. मढना।
मण्ढप, सं. पुं. मण्डप।
मण्ढा, सं. पुं. मढा।
मण्ढियाना, स. क्रि. मण्डियाना।
मण्ढी, सं. स्त्री. मढी।
मत, सं. स्त्री. रीति, ढब, डौल; धर्म; पन्थ. अभिप्राय, बुद्धि। अ. निषेधार्थक।
मतङ्ग, सं. पुं. हाथी।
मतना, सं. पुं. ऊखविशेष।
मतभेद, सं. पुं. अभिप्रायका भेद।
मतराना, स. क्रि. मनाना।
मतलाना, अक. क्रि. जीघिनाना।
मतवाला, गु. माता, मदमाता।
मतहीन, गु. बुद्धिहीन।
मता, सं. पुं. उपदेश; परामर्श।
मतानुसार, सं. पुं. अभिप्रायके-अनुकूल।
मतान्तर, सं. पुं. दूसरा मत।
मतान्तराचार, सं. पुं. दूसरे-मतका व्यवहार।
मतावलम्बी, सं. पुं. मताश्रयी, पन्थी।
मति, सं. स्त्री. बुद्धि।
मतिमान्, गु. बुद्धिमान्।
म, गु. मधमाता।
मत्तवत्, गु. मधमाता, मधमातेके-समान।
मत्सर, सं. पुं. डाह, जलन। गु. जलनी।
मत्स्य, सं. पुं. मछली।
मथन, सं. पुं. बिलोवन।
मथना, सं. क्रि. महना, बिलोना। सं. पुं. मथनी।
मथनिया, सं. स्त्री. मथानी।
मथनी, सं. स्त्री. बिलोनी, महानी।
मथा, सं. पुं. माथा।
मथानी, सं. स्त्री. दूधहाँडी, मटकी, चाटी।
मथित, सं. स्त्री. छाछ, मट्ठा।
मथुरिया, सं. पुं. मथुराके ब्राह्मण।
मथुर्नी, सं. स्त्री. मथुरियाकी स्त्री।
मथौट्, सं. पुं. चन्दा, बिहरी।
मथौरा, सं. पुं. सूरजमुखी छाता, छतरी।
मद, सं. पुं. गर्व, अहङ्कार; मादक वस्तु।
* मदन, सं. पुं. औषधिपैाधाविशेष, मैनफल।
मदमाता, गु. पुं. ⎫ मतवाला, वा
मदमाती, स्त्री. ⎭ ली।
मदार, सं. पुं. आक, अर्क।
मदारिया, सं. पुं. मदारका पुष्प।

मदारी, सं. पुं. साँपवाला, नटवर।
मदिक, गु. अहङ्कारी।
* मदिरा, सं. स्त्री. सुरा।
मदेरा, सं. स्त्री. मदिरा।
मद्गुर, सं. पुं. मत्स्यविशेष।
मद्य, सं. स्त्री. सुरा।
मद्यप, सं. पुं. जो अत्यन्त सुरापीवे।
मधमाता, गु. मतवाला।
* मधु, सं. पुं. मद्य, पुष्पका रस; सहत; चैत्रमास।
मधुकर, सं. पुं. भ्रमर।
मधुकोष, सं. पुं. मधुमाखीकाछाता वा छत्ता।
मधुप, सं. पुं. भ्रमर।
मधुपर्क, सं. पुं. पूजाकी सामग्री, मधु और दहीका खाना।
मधुपर्ण, सं. पुं. पक्का रसीला फल।
मधुमाखी, सं. स्त्री. सहतकी माखी।
मधुमात, सं. पुं. रागिणीविशेष।
मधुमास, सं. पुं. चैत्रमास।
मधुर, गु. मीठा; चाहीता।
मधुरमल, सं. पुं. मोम।
मधुरी, गु. स्त्री. मीठी, रसीली।
मधूकरी, सं. स्त्री. पकायेहुए अन्न की भिक्षा जो अतिथिको देतेहैं।
मध्य, अ. अन्तराल, बीच।
मध्यभाग, सं. पुं. मध्यस्थान।
मध्यम, गु. न बहुत भला न बहुत बुरा।
मध्यमा, सं. स्त्री. अनामिका और तर्जनीके बीचकी अङ्गुली।
मध्यलोक, सं. पुं. मनुष्यलोक।
मध्यवर्त्ती, मध्यस्थ, सं. पुं. बिचवैया, बिचवई।
मध्यस्थल, मध्यस्थान, सं. पुं. कटि, कमर।
मध्याह्न, सं. पुं. ठीक दोपहर, दिनका बीच।
मन, सं. पुं. चित्त, हृदय, आत्मा।
मनकामना, सं. स्त्री. मनोयोग।
मनघटा, सं. पुं. कूपके चारोंओरका चबूतरा।
मनचला, गु. चरफरा, अगमना; सूमा।
मनत, सं. स्त्री. मनौती, स्वीकार।
मनन, सं. पुं. चिन्तन।
मनभावन, मनभावना, गु. ग्राह्य, भला।
मनमारना, स. क्रि. अपनी इच्छाको रोकना।
* मनमोहन, सं. पुं. जो मनको मोहले, सज्जन, प्यारा।
मनमौज, सं. पुं. आपमान।
मनमौजी, गु. आपमानी।
मनसा, सं. स्त्री. इच्छा; अर्थ, बिचार।
मनसेधू, सं. पुं. मनुष्य।
मनस्ताप, सं. पुं. मनकी पीडा।
मनहारी, गु. मनका हरण कर्नेहारा।
मनहु, अ. मानो, जानो।
मनाना, मनावना, स. क्रि. अङ्गीकारकरवाना, साकरलेना; बहलाना, मनको थामना; खपाल करवाना।

मनार्थ, सं. पुं. मनका अर्थ, बिचार।
मनि, सं. स्त्री. मणि।
मनिहार, सं. पुं. चुड़िहारा।
मनिहारी, सं. स्त्री. मणिका व्यापार।
* मनु, सं. पुं. स्वयम्भवआदि चौदह जो हरएक कल्पमेंहै; स्वायम्भवमनुकी रची स्मृति।
मनुज, सं. पुं. मनुष्य।
मनुष्य, सं. पुं. मानव, मर्त्य, नर।
मनुहार, सं. स्त्री. मोहिनी, सुन्दरी।
मनुआ, सं. पुं. मन; बिलार। स्त्री. रूई विशेष।
मनो, सं. अ. मानो।
मनोज्ञ, गु. सुन्दर, सुरूप, चाहीता।
मनोयोग, सं. पुं. मनका योग।
मनोरथ, सं. पुं. इच्छा, कामना, वासना।
मनोरम, गु. मनोज्ञ।
मनोहर, गु. मनका हरनेहारा, मनोज्ञ।
मनौती, सं. स्त्री. जामिनी। पुं. बिचवई, मध्यस्थ।
मन्त्र, सं. पुं. टोटका. बसीकरणी, लटका; एकान्त वा गुप्त जो उपदेश।
मन्त्रणा, सं. स्त्री. परामर्ष।
मन्त्री, सं. पुं. जिस्से साथ परामर्ष कीजिये, वजीर।
मन्थन, सं. पुं. मथन।
मन्थित, सं. स्त्री. छाछ।
मन्द, गु. अल्प, थोडा, शिथिल; बुरा।
मन्दरा, गु. गचगीना, नाटा, ठिङ्गना।
मन्दा, गु. धीरा, कोमल, नम्र; सस्ता, हलका, घाट।
मन्दिर, सं. पुं. घर; देवताका घर।
मन्दिरा, सं. पुं. मजीरा।
मन्वन्तर, सं. पुं. एक मनुका राज्य अर्थात् देवताओंके एकहत्तर युगका परिमाण।
मपान, सं. पुं. माप, परिमाण।
मपाना, स. क्रि. माप करवाना।
मम, सर्व. मेरा।
ममता, } सं. स्त्री. घमण्ड, डिम्ब,
ममत्व, } मनमौज; माया।
ममियासास, सं. स्त्री. पति वा पत्नीकी मामी।
ममियाससुर, सं. पुं. पति वा पत्नीका मामू।
ममेरा, गु. मामूका जैसे ममेरा भाई, अर्थात् मामूका पुत्र।
मयना, सं. स्त्री. मैना।
मया, सं. स्त्री. माया।
मयूर, सं. पुं. मोर, पक्षी विशेष।
मरक, सं. पुं. सर्वव्यापिक रोग, मरी।
मरकत, सं. पुं. प्रवाल, मणि विशेष।
मरकहा, गु. मारनेहारा।
मरघट, सं. पुं. शवके जलानेका स्थान।
मरजाना, अक. क्रि. मर्ना।

मरजिया, सं. पुं. समुद्रसे मोती निकालनेहारेका नाम।
मरण, सं. पुं. प्राणका वियोग, मृत्यु।
मरदनिया, सं. पुं. मर्द्दनी।
मरना, अक. क्रि. प्राण निकलना।
मरघच, गु. सडा, गंदा, जीर्ण।
मरपचना, अक. क्रि. दुःख वा शोकका भोग कर्ना; अत्यन्त उद्यम कर्ना।
मरभूखा, गु. उपासा, खाऊ, बड्-पेटा।
मरम, सं. पुं. मर्म्म।
मरमर, सं. पुं. पाषाण विशेष।
मरमराना, स. क्रि. चरचराना, जैसे नई जूती चलनेसे चर-चराती है।
मरवैया, सं. पुं. मृतक, मरनेहारा।
मराल, सं. पुं. बतक।
मरिच, सं. स्त्री. मिरच।
मरियल, गु. दुबला।
मरीची, सं. स्त्री. रश्मि।
मरुआ, सं. पुं. पौधा विशेष जिस्में बडी सुगन्ध होती है।
मरोड, सं. स्त्री. मडोड।
मरोडना, स. क्रि. मडोडना।
मरोडफली, सं. स्त्री. पौधा विशेष।
मरोडा, सं. पुं. मडोडा।
मरोडी, सं. स्त्री. अैंठन; मरोही।
मरोह, सं. स्त्री. छोह, प्यार, मा-या, भलमनसात्।
मरोही, गु. छोही, मायावन्त, दया शील।
मर्कट, सं. पुं. वानर।

मर्त्य, सं. पुं. मनुष्य।
मर्त्तलोक, } सं. पुं. मनुष्य लोक।
मर्त्यलोक, }
मर्द्दन, सं. पुं. शरीरका मलना; रगडा, घिसाव्।
मर्द्दनी, सं. पुं. मलनेहारा।
मर्द्दित, गु. जो मला गया।
मर्म्म, सं. पुं. भेद; समाचार; ज्ञान; कोर।
मर्म्मर, सं. पुं. मरमर।
मर्म्मज्ञ, गु. मर्म्मको जो जाने, ज्ञानी।
मर्म्मस्थान, सं. पुं. शरीरके जिस् स्थानका घाव सांघातिक है।
मर्य्यादा, सं. स्त्री. महत, पत; सन्मान; सामा।
मर्य्यादिक, गु. मानी, आदरी, प्रमा-णिक।
मल, सं. पुं. मैल; विष्ठा।
मलकना, अक. क्रि. कहारके समान चलना।
मलङ्ग, सं. पुं. पक्षी विशेष।
मलङ्गी, सं. पुं. लवण बनानेहारा।
मलत, सं. पुं. रुपया वा पैसा जो घिस गया है, सिलपट्।
मलन, सं. पुं. बाट, लीक।
मलना, स. क्रि. मर्द्दनकर्ना, घसना, मींजना।
मलबा, सं. पुं. कूडा, मैल।
मलमल, सं. पुं. कपडा विशेष।
मलमास, सं. पुं. लौंद; अधिमास।
मलमेट, गु. उजाड; सत्यनाश; हो चुका जैसे संवाद।
मलयज, सं. पुं. चन्दन।

मलयागीरी, सं. पुं. चन्दनकारङ्ग।
मलवाई, सं. स्त्री. मलवानेका पैसा।
मलवैया, सं. पुं. मलनेहारा।
मलाई, सं. स्त्री. साढी, दूधके ऊपरका सर।
मलाना, स. क्रि. मर्दन कर्वाना, घिसाना,।
मलार, सं. स्त्री. रागिणी विशेष।
मलिच्छ, गु. म्लेच्छ।
मलिन, गु. मलीन।
मलिनता, सं. स्त्री. मालिन्य, अपवित्रता।
मलिनमुख, गु. उदासमुख; कठोर, लिहाडा, दुष्ट।
मलिया, सं. पुं. काष्ठ वा नारियलका पात्र जिस्में तेल रखते हैं मर्दन कर्नेके लिये।
मलीन, गु. मैला, अपवित्र; धुन्धला; उदास; दुःखित; व्याकुल।
मलेपञ्ज, गु. जिस् घोडेकी आयष्य दशवर्षसे अधिक ऊई है।
मलेच्छ, सं. पुं. मलिच्छ।
मल्ल, सं. पुं. बाऊयुद्धमें जो निपुण।
मल्लयुद्ध, सं. पुं. बाऊयुद्ध।
मल्लार, सं. स्त्री. मलार।
मल्लिका, सं. स्त्री. चम्बेली, पुष्प विशेष।
मवास, सं. पुं. शरण, पाला, आसरा।
मशक, सं. पुं. मच्छर, मसा।
मशहरी, सं. स्त्री. मच्छरोंके निवारणार्थ आवरण जो पलङ्गके ऊपर रहता है।
मसकना, अक. क्रि. फटना, चिरजाना, चसना।
मसकाना, स. क्रि. फाडना, चीरना, तोडना।
मसबिर्द, सं. पुं. मसा।
मसमसाना, अक. क्रि. किसूके डरसे अपने मनकी बातको छिपाना।
मसलना, स. क्रि. कुचलना, मीजना, पीसना।
मसहरी, सं. स्त्री. मशहरी।
मसा, सं. पुं. मच्छर; इल्ला, मसबिर्द, शरीरमें चिन्ह विशेष।
मसान, सं. पुं. श्मशान, मरघट।
मसानिया, सं. पुं. शवके अर्थको जो ग्रहण करे।
मसी, सं. स्त्री. काली।
मसीन्, }
मसीना, } सं. पुं. दलिहन।
मसीहाई, गु. मसीहका।
मसूडा, सं. पुं. दाँतोंके ऊपरका माँस।
मसूर, सं. पुं. अन्न विशेष।
मसूरिया, सं. स्त्री. माता विशेष।
मसँ, सं. पुं. होंठके ऊपरके बाल जो चढते यौवन कालमें निकलते हैं।
मसोसना, स. क्रि. मरोडना; निचोडना।
मसोसा, गु. मरोडा, निचोडा; दुःखी। सं. पुं. व्यथा; पछतावा।
मस्तक, सं. पुं. माथा, सिर, खोपडी।

मस्तूल, सं. पुं. थम्भ जो नावकेबीचमें गाडते हैं पाल चढानेकेलिये।
मश्याधार, सं. पुं. मसीके रखनेका पात्र।
मश्शा, सं. पुं. मसा।
महँगा, गु. बडे मोलका।
महँगी, सं. स्त्री. काल, दुर्भिक्ष।
महक, सं. स्त्री. सुगन्ध, सुबास।
महकना, अक. क्रि. सुबास निकलना वा उठना।
महकाना, स. क्रि. वासना, सोंधाना।
महकीला, गु. सोंधा।
महत, गु. बडा, तेजस्वी; श्रेष्ठ। सं. स्त्री. बडाई, मान, मर्यादा।
महता, सं. पुं. महतो।
महतारी, सं. स्त्री. माता।
महतो, सं. पुं. जो मनुष्य भूपतिके लिये गाँवका भाडा उगाहता है।
महत्व, सं. पुं. बडाई, श्रेष्ठता।
महना, स. क्रि. मथना।
महन्त, सं. पुं. गोसाँई वा वैरागियोंमें जो प्रधान।
महन्ताई, सं. स्त्री. महन्तका काम।
महर, सं. पुं. प्रधान स्त्र जोरू, स्त्री।
महरा, सं. पुं. कहार, भोई।
महराई, सं. स्त्री. कहारका काम; अहीरोंके बीचमें गीतविशेष।
महरि, सं. स्त्री. स्त्री।
महा, गु. बडा; कुलीन, निपट।
महाखाल, सं. पुं. समुद्रका जो जल किसी देशके बीचमें प्रवेश कर्त्ता है, परन्तु भेद नहीं कर्त्ता है तिस्का नाम महाखाल है।
महाजन, सं. पुं. उत्तमलोग; साहूकार, सेठ, कोठीवाल।
महाजनी, सं. स्त्री. महाजनका काम।
महाजाल, सं. पुं. चातर।
महातम, सं. पुं. माहात्म्य।
महातीर्थ, सं. पुं. श्रेष्ठतीर्थ।
महात्मा, सं. गु. महाशय, अति शिष्ट।
महानवमी, सं. स्त्री. आश्विन शुक्लकी नवमी।
महानिद्रा, सं. स्त्री. बडी नींद; मृत्यु।
महापातक, सं. पुं. ब्रह्महत्यादि पाँच, बडा पाप।
महापातकी, गु. महा पापी, ब्रह्महत्यादि पाँचमें एकभी जो करे।
महापुरुष, सं. पुं. साधुमनुष्य।
महाप्रलय, सं. पुं. जगतका नाश जो हरएक कल्पके अन्तमें होता है; सारे जगत्का नाश जिस्में ब्रह्मा सब सृष्टि सहित नष्ट होता है।
महाप्रसाद, सं. पुं. जगन्नाथजीका प्रसाद।
महाभारत, सं. पुं. भरतके वंशकी बडी लडाई; कौरव और पाण्डवके युद्धके विषयमें व्यासका रचा एक बडा इतिहास।
महामोह, सं. पुं. अत्यन्त अज्ञानता।

महाराज, सं. पुं. श्रेष्ठ राजा, राजाधिराज; साधारण सम्बोधन।
महारानी, सं. स्त्री. महाराजकी प्रधान स्त्री।
महावठ्, सं. पुं. मेह जो माघमें बरसता है।
महावत, } सं. पुं. हाथीवान्।
महावथ, }
महावर, सं. पुं. लाखका रङ्ग, लाखी।
महाशय, सं. पुं. महात्मा; दाता।
महाष्टमी, सं. स्त्री. आश्विन शुक्ल की अष्टमी।
महिमा, सं. स्त्री. महत्त्व, बड़ाई।
महिष, सं. पुं. भैंसा।
महिषी, सं. स्त्री. भैंस; अभिषिक्त राज पत्नी।
मही, सं. स्त्री. पृथ्वी; दधि।
महीना, सं. पुं. मास, वा महीने भरकी कमाई।
महीप, } सं. पुं. राजा, पृथ्वीपति।
महीपति, }
महीरुह, सं. पुं. वृक्ष।
मऊआ, सं. पुं. वृक्ष विशेष जिस्के फूलोंसे मदिरा बनाते हैं।
महूरत, सं. स्त्री. मुहूर्त्त।
महेन्द्र, सं. पुं. प्रधान राजा, इन्द्र।
महेर, सं. पुं. } भोजन विशेष।
महेरी, स्त्री. }
महेला, सं. पुं. घोड़ेके लिये पकाया ऊआ लोबिया वा अर्दावा।
महोखा, सं. पुं. पक्षी विशेष।
महोत्सव, सं. पुं. बड़ा उत्सव।
महोक्ष, सं. पुं. बड़ा बैल; मूर्ख।
महौषध, सं. पुं. जो औषध शीघ्र रोगका नाश करे; लहसन; अतीस।
मक्षौ, सं. पुं. क्षाक्ष।
मक्षिका, सं. स्त्री. माखी।
* मा, सं. स्त्री. माता।
माई, सं. स्त्री. माता।
माईं, सं. स्त्री. मामी।
माँ, अ. में।
माँग, सं. स्त्री. सिरके बीचकी लकीर जिस्से बाल दोनोओरके अलग होतेहैं; जो कन्या बचनदत्त ऊई।
माँगचिकनी, सं. स्त्री. पक्षी विशेष।
माँगदेना, स. क्रि. किसीके लिये उधार लेना।
माँगनिकालना, स. क्रि. सिरकेबीचसे बालोंको अलग कर्ना।
माँगलेना, स. क्रि. उधारलेना।
माँगी, सं. स्त्री. उधार; जो वस्तु उधार लिई है।
माँज, सं. पुं. राद, पीब।
माँजना, स. क्रि. मलना, उज्ज्वल कर्ना, फर्कांना।
माँझ, सं. पुं. रागिणीविशेष; मध्य; बीच।
माँझत, सं. स्त्री. ठाठ्।
माँझा, सं. पुं. पतङ्ग उड़नेकी डोरमें शीशेके चूरनसे और भातसे जो कलप देते हैं; जड़वट्।
माँझी, सं. पुं. नाविक, कर्णधार।

माँड, सं. पुं. पीच, काँजी।
माँडना, स. क्रि. मलना, मीजना, साम्रा ; कलप चढाना।
माँडा, सं. पुं. फूली ; रोटी विशेष।
माँडी, सं. स्त्री. कलप विशेष जो चावलको पीसके बनाते हैं।
माँढा, सं. पुं. मढा।
माँद, सं. पुं. गुफा, भार।
माँस, सं. पुं. मास।
माँसाद, सं. पुं. माँसका खानेहारा।
माँह, } अ. मध्य, में।
माँहि, }
माकन्द, सं. पुं. आम्रफल।
माखडा, गु. मूर्ख, निर्बुद्धि।
माखन, सं. पुं. नैनू, मकखन।
मागध, सं. पुं. भाट, कडखैत।
माघ, सं. पुं. ग्यारहवाँ महीना।
माचा, सं. पुं. मञ्च, पलङ्ग।
माची, सं. स्त्री. हेंगा ; खटोला।
माछर, सं. पुं. मशक।
माछी, सं. स्त्री. मकखी।
माजाई, सं. पुं. बेटा वा बेटी जो एक मासे उत्पन्न है।
माजू, सं. पुं. माजूफल, औषधि विशेष।
माझधार, सं. स्त्री. बीचधारा।
माटी, सं. स्त्री. मिट्टी।
माठा, गु. मगरा, नटखट।
माठू, सं. पुं. ठठोल।
माडनि, सं. स्त्री. माँडी।
माडिया गु. दुबला, पतला।
माणवक, सं. पुं. यज्ञोपवीतके योग्य जो बालक; वा जिस बालकका वय सोलह बरससे अधिक नहुआहो।
माणिक्य, सं. पुं. रत्नविशेष।
मात, सं. स्त्री. मात्रा।
मातङ्ग, सं. पुं. हाथी।
मातना, अक. क्रि. मतवाला होना।
माता, सं. स्त्री. जननी ; सीतला। गु. मत्त।
मातामह, सं. पुं. नाना।
मातामही, सं. स्त्री. नानी।
मातुल. सं. पुं. मामू, माका भाई।
मात्र, गु. अल्प, किंचित्। अ. केवल।
मात्रा, सं. स्त्री. अक्षरके ऊपरकी रेखा ; स्वर ; परिमाण।
मात्सर्य्य, सं. पुं. डाह, जलन, द्रोह।
माथा, सं. पुं. मस्तक, ललाट ; गलही।
माथोलेना, स. क्रि. एकसाँबनाना।
माथुर, सं. पुं. मथुराकारहनेहारा कायस्थ और ब्राह्मणकी जाति विशेष।
मादक, गु. उन्मत्तकरनेहारी वस्तु।
मादकता, सं. स्त्री. अमल, नशा।
माधवी, सं. स्त्री. लताविशेष।
माधुर्य्य, सं. पुं. मधुरता, मिठास।
माध्वी, सं. पुं. महुवेकी मदिरा।
* मान, सं. पुं. नाम, पत, मर्यादा; घमण्ड, अहङ्कार ; परिमाण।
मानकचू, सं. पुं. कन्दविशेष जो

बङ्गालेके आदिदेशमें होताहै।
मानचु, सं. पुं. ततारके लोगोंकी एक जाति।
मानता, सं. स्त्री. प्रण, प्रतिज्ञा।
मानव, सं. पुं. मनुके पुत्र, अर्थात् मनुष्य।
मानस, सं. पुं. मन ; मनसा।
मानक्ष, अ. माने।
मानिक, सं. पुं. माणिक्य।
मानिकजोड, सं. पुं. पक्षीविशेष।
मानिनी सं. स्त्री. अभिमानवती स्त्री।
मानी, गु. मर्यादिक ; अभिमानी।
मानुष्य, सं. पुं. मनुष्य।
माने, अ. जाने।
मान्ना, सं. क्रि. पत रखना ; पूजना ग्रहण कर्ना, अङ्गीकार कर्ना, बजालाना, मनमें लाना।
मान्य, गु. जो माननेके योग्य।
माप, सं. पुं. लम्बाई चैाडाईका परिमाण, नाप।
मापना, स. क्रि. नापना, परिमाण कर्ना।
माबाप, सं. पुं. माता पिता।
मामा, सं. पुं, मातुल, माका भाई।
मामी, सं. स्त्री. मामाकी स्त्री।
मामीपीना, स. क्रि. पक्षकर्ना।
मामू, सं. पुं. मामा ; सर्प।
माया, सं. स्त्री. कृपा, मोह, दया, करुणा, प्रेम ; छल, धोखा, सम्पत्ति, धन।
मायावी, गु. छली, कपटी।
मायिक, सं. पुं. ऐन्द्रजालिक, टोन्हा

* मार, सं. स्त्री. प्रहार, धप्पा ; लडाई।
मारक, सं. पुं. मारनेहारा।
मारग, सं. पुं. मार्ग।
मारडालना, स. क्रि. बध कर्ना।
मारण, सं. पुं. बध।
मारना, स. क्रि. पीटना, कूटना, ताडन कर्ना ; बध कर्ना ; बिगाडना, ठठाना, डङ्कियाना ; डालना ; रोकना, थाम्भना।
मारवा, सं. पुं. रागविशेष।
मारा, गु. बधा ; जो डूब गया। सं. पुं. वारा, निछावर।
माराजाना, अक. क्रि. कटजाना, आधीन होना, डूब वा बैठजाना।
मारी, सं. स्त्री. मरक।
मारू, सं. पुं. मार्नेहारा ; डङ्का ; बैगनविशेष ; रागविशेष।
मारे, अ. से, कारण, निमित्त।
मार्ग, सं. पुं. सडक, पैंडा, बाट।
मार्गशीर्ष, सं. पुं. अगहन।
मार्जन, सं. पुं. पर्छाकर्नेका काम ; छँटाई।
मार्ज्जार, सं. पुं. बिलार।
माल, सं. पुं. मल्ल ; माला
मालकङ्गनी, सं. स्त्री. औषधिपैाधा विशेष।
मालकैास, सं. पुं. रागविशेष।
मालती, सं. स्त्री. दोतीन जातिके पुष्प पैाधाका नाम।
मालपूआ, सं. पुं. पकवान् विशेष।
माला सं. स्त्री. पुष्पादिका हार ; पोथी।

मालाकार, सं. पुं. माली।
मालिन, सं. स्त्री. मालीकी स्त्री।
मालिन्य, सं. पुं. मलिनता।
माली, सं. पुं. उपवनमें पानीसींचनेहारा वा पुष्प बेचनेहारा।
माल्य, सं. पुं. फूलकी माला।
मावस, सं. स्त्री. अमा, कृष्णपक्षके समाप्तिकी तिथि।
मावा, सं. पुं. आहार; अण्डेकी पीलाई; खोआ, गाढादूध।
माष, सं. पुं. उरद।
माषा, सं. पुं. तोलविशेष. जिस्में पाँच वा आठ वा दश रत्तीहै।
मास, सं. पुं. महीना; सगौती, माँस।
मासा, सं. पुं. माषा।
मासान्त, सं. स्त्री. महीनेके अन्तकी तिथि।
मासिक, गु. महीनेका। सं. पुं. प्रति महीनेमें कर्त्तव्य जो प्रेतका श्राद्ध।
मासी, सं. स्त्री. माताकी भगिनी।
माहात्म्य, सं. पुं. प्रभाव; बडाई।
माहुर, सं. पुं. विष।
माहू, सं. पुं. कनसलाई।
मिचकाना, स. क्रि. खँघालना, अँवासना, धोना।
मिचना, अक. क्रि. मुँदना, लगना।
मिचोलना, सं. क्रि. आँख मूंदना।
मिटना, अक. क्रि. बिगड़ना, सिलपट्होना; मलमेट्होना।
मिटाना, स. क्रि. बिगाडना, मेटना, मलमेट कर्ना।
मिटिया, सं. स्त्री. मृत्तिकाका पात्रविशेष।
मिट्टी, सं. स्त्री. मृत्तिका, भूमि, धूल।
मिठरी, सं. स्त्री. पकवानविशेष।
मिठाई, सं. स्त्री. मिष्टान्न; मधुराई।
मिठास, सं. पुं. मधुरता, मिष्टता।
मिती, सं. स्त्री. तिथि; ब्याज, सूद।
मित्र, सं. पुं. हितू, बन्धु।
मित्रता, सं. स्त्री. बन्धुता, हितकारी।
मित्रद्रोही, सं. पुं. जो मित्रताको प्रकाश कर्के द्रोह करे।
मिथः, अ. परस्पर।
मिथुन, सं. पुं. स्त्री पुरुष, युग्म; तीसरी राशि।
मिथ्या, अ. अयथार्थ। सं. पुं. झूठ्।
मिथ्यावादी, सं. पुं. झूठ कहनेहारा।
मिनती, सं. स्त्री. विनती।
मिर्गी, सं. स्त्री. राजरोगविशेष।
मिर्गीहा, गु. जिसको मिर्गीका रोग होवे।
मिर्च, सं. स्त्री. मरिच।
मिर्चा, मिर्चाई, } सं. पुं. लालमिर्च।
मिर्दङ्ग, सं. स्त्री. मृदङ्ग।
मिर्दङ्गिया, मिर्दङ्गी, } सं. पुं. मिर्दङ्गका बजानेहारा।
मिर्दहा, सं. पुं. करोडा जो गाँवमें रहताहै।

मिलन, सं. पुं. मेल।
मिलन्सार, गु. मिलापी. मेली।
मिलना, अक. क्रि. मिश्रित होना; भेंटना; एकट्ठा होना; बैठना, बन्ना; पाना।
मिलवाना, स. क्रि. मिश्रित कर्वाना; भेंटकर्वाना।
मिलाना, स. क्रि. मिश्रित कर्ना; जोडना; सहेजना; लगाना; सादृश्यकर्ना; मिलापकर्वाना।
मिलाप, सं. पुं. मेल, बनाव, एकता, भेंट।
मिलापी, गु. मिलनसार।
मिलाव, सं. पुं. मिलौनी, मेल।
मिलित, गु. मिला, मिश्रित।
मिश्र, गु. मिलाहुआ। सं. पुं. ब्राह्मणोंकी पदीविशेष; वैद्य।
मिश्रित, गु. मिलाहुआ।
मिष, सं. पुं. बनावट, पेखना, धाँधल, धोखा।
मिष्ट, सं. पुं. मीठा, मधुर।
मिष्टान्न, सं. पुं. मिठाई।
मिस, सं. पुं. मिष।
मिसना, अक. क्रि. पिसना।
* मिसर, सं. पुं. मिश्र।
मिसी, सं. स्त्री. मिस्सी।
मिस्सी, सं. स्त्री. तूतिया आदिसे बनाईहुई बुकनी जो दाँतमें लगातेहैं।
मिहंदी, सं. स्त्री. मेहँदी।
मिहना, सं. पुं. बोलीठोली।
मिहरा, सं. पुं. पुरुष जो स्त्रीका भेष धरताहै।

मिहरारू, } सं. स्त्री. स्त्री।
मिहरिया, }
मिहरी, }
मिहाना, अक. क्रि. सीलना, गीला होना।
मिहानी, सं. स्त्री. मथनिया, चाटी।
मींजना, स. क्रि. माँजना, मलना।
मीच, सं. स्त्री. मृत्यु।
मीचना, } स. क्रि. मूँदना।
मीछना, }
मीजना, स. क्रि. मलना, रगडना, मसलना।
मीजू, सं. पुं. मसूर।
मीठा, गु. मधुर; धीमा। सं. पुं. विष विशेष; फल विशेष।
मीठिया, सं. पुं. } चूमा, मच्चो।
मीठी, स्त्री. }
मीणा, सं. स्त्री. जाति विशेष।
मीत, सं. पुं. मित्र, सज्जन; मीता।
मीतन, सं. स्त्री. सनामी स्त्री, सखी, सहेली।
मीता, सं. पुं. सनामी।
* मीन, सं. स्त्री. मछली; बारहवीं राशि।
मीना, सं. पुं. हिन्दू जाति विशेष, जो चोर होते हैं।
मीमाँसा, सं. स्त्री. हिन्दूका मत विशेष।
मीमियाना, अक. क्रि. मेंमें कर्ना।
मीसना, स. क्रि. पीसना, मलना, ऐंठना, मुरेर्ना, चुननदेना।

मुकरना, स. क्रि. नकारकर्ना, नमान्ना।

मुकरी, सं. स्त्री. ब्रजभाषामें छन्द विशेष।

मुकुट, सं. पुं. मटुक।

मुकुर, सं. पुं. दर्पण।

मुकुल, सं. पुं. कली जो खुलजाती है।

मुकुलित, गु. थोड़ी खिलीऊई कली।

मुकेल, सं. स्त्री. नकेल।

मुक्का, सं. पुं. } घूँसा।
मुक्की, स्त्री. }

मुक्त, गु. जिस्ने मुक्ति पाई।

मुक्ता, सं. पुं. मोती। गु. बऊत।

मुक्ति, सं. स्त्री. मोक्ष, पापसे उद्धार, निस्तार, त्राण।

मुक्तिदाता, सं. पुं. मुक्ति देनेहारा, उद्धार कर्नेहारा।

मुख, } सं. पुं. वदन, मुँह।
मुखड़ा, }

मुखिया, } गु. प्रधान, पहिला।
मुख्य, }

मुगदर, सं. पुं. मोगरी; काष्ठकी बनी ऊई वस्तु जिस्को बलहोनेके लिये लोग फेर्ते हैं।

मुग्ध, गु. अज्ञानी, मूर्ख, भकुवा।

मुग्धा, सं. स्त्री. कुँवारी, कन्या, अज्ञातयौवना।

मुजरा, सं. पुं. प्रणाम; दण्डोत, भेंट।

मुटापा, सं. स्त्री. मोटाई।

मुट्ठी, सं. स्त्री. हाथ, बकटा।

मुठिया, सं. पुं. हाथभर।

मुठोलिया सं. पुं. मठोलिया, मुठोली मार्नेहारा।

मुठोली, सं. स्त्री. हाथसे लिङ्गको हिलायके बीजका गिराना।

मुड़ना, अक. क्रि. टेढ़ाहोना, बल खाना।

मुढ़, सं. पुं. प्रधान।

मुढ़ियाना, अक. क्रि. मुड़्ना।

मुण्ड, सं. पुं सिर, मस्तक; मुढ़।

मुण्डन, सं. पुं. लड़केको बालबनानेका पहिला बेर; मूँडनेका काम।

मुण्डना, अक. क्रि. बालबन्ना।

मुण्डला, गु. जो मूँडा गया।

मुण्डवाना, स. क्रि. मुण्डला कर्वाना।

मुण्डा, सं. पुं. पतङ्गका सिर; मुढ़। गु. जो मूँडा गया; चन्दला।

मुण्डाना, स. क्रि. मुण्डवाना।

मुण्डासा, सं. पुं. कुछकपड़ा जो सिरमें बाँधा है।

मुण्डित, गु. मुण्डला।

मुण्डिया, सं. पुं. सिर।

मुण्डी सं. स्त्री. औषधि पौधाविशेष।

मुण्डू सं. पुं. सन्यासी, गोसाँई।

मुण्डेर, } सं. स्त्री. छतपरकी
मुण्डेरी, } छोटी भीत।

मुतना, गु. बऊत मूतनेहारा, खट् मुतवा।

मुतास, सं. स्त्री. मूत्रकर्नेकी इच्छा।

मदित, गु. हर्षित, आनन्दित, निहाल।

मुद्ग, सं. पुं. मूँग।

मुद्गर, सं. पुं. मोगरा।

मुद्रा, सं. स्त्री. छाप; सुवर्ण वा रजतका खण्ड अर्थात् रुपया वा मोहर; छल्ला; यन्त्र, अङ्गूठी।

मुद्रित, गु. जो छापा गया।

मुद्रित, गु. अनखिला; मुंदा; जो छापा गया।

मुनक्का, सं. पुं. दाख विशेष।

मुनमुन, सं. पुं. बिल्लीके पुकारनेका शब्द।

मुनि, सं. पुं. ऋषि।

मुनिया, सं. स्त्री. लाल चिड़ियाकी नारी।

मुनीश, सं. पुं. मुनियोंका प्रधान, ऋषीश।

मुन्दना, अक. क्रि. बन्दहोना, मिचना।

मुन्रा, सं. पुं. } अङ्गूठी।
मुन्री, स्त्री. }

मुमाखी, सं. पुं. मधुमाखी।

मुमानी, सं. स्त्री. मामी।

मुमूर्षु सं. पुं. जो मनुष्य मरनेपर है।

मुरई, सं. स्त्री. मूली।

मुरकना, अक. क्रि. ऐंठना, बलपड़ना।

मुरकाना, स. क्रि. ऐंठना, बलदेना।

मुरकी, सं. स्त्री. कानका भूषण विशेष।

मुरचङ्ग, सं. पुं. बाजा विशेष।

मुरझाना, अक. क्रि. सूखजाना, कुमलाना।

मुरखडाकर्ना, स. क्रि. जकडना, बाँधना।

मुरमुरा, सं. पुं. चबैना विशेष।

मुरला, गु. पोपला, अदाँत। सं. पुं. मयूर।

मुरली, सं. स्त्री. बन्सी।

* मुरलीधर, सं. पुं. बनसीधर।

मुरहा, सं. पुं. जकड़, ऐंठ। गु. जो ऐंठा गया। सं. पुं. मयूर; बिन मा बापका लडका।

मुरही, सं. स्त्री. ऐंठन, बल, मरोडा।

मुराई, } सं. पुं. तरकारी बोनेहारा और बेंचनेहारा, कोयरी।
मुराऊ, }

मुरेला, सं. पुं. मोरका बच्चा।

मर्रा, सं. पुं. पटाका, छछूँदर।

मुलतानी, सं. स्त्री. रागिणी विशेष।

मुलतानीमिट्टी, सं. स्त्री. मुलतानकी मिट्टी, गजनी।

मुलहट्ठी, सं. स्त्री. जेठीमध।

मुलाई, सं. स्त्री. आँकाव।

मुलाना, स. क्रि. मोल ठहरना, आँकना।

मुष्क, सं. पुं. अण्ड, पेलढ़।

मुष्टामुष्टि, सं. पुं. घूँसमघूँसा।

मुष्टि, सं. स्त्री. मुट्ठी।

मुसकान, सं. स्त्री. बिनमुँह खोलेकी हसी; खीस।

मुसकाना, अक. क्रि. बिनमुँह खोले हसना; खीस निकालना।

मुसकुराई, सं. स्त्री. मुसकुराहट्।

मुसकुराना, अक. क्रि. मुसकाना।

मुसकुराहट्, सं. स्त्री. मुसकुरानेकी चाल।

मुसल, सं. पुं. मूसल

मुसलमान्, सं. पुं. मुहम्मदका मतावलम्बी।
मुसलमानी, सं. स्त्री. मुसलमानकी स्त्री वा मति।
मुसाना, स. क्रि. चोरी कर्वाना।
मुहरा, सं. पुं. हरावल, अगाडी।
मुहरी, सं. स्त्री. कोस।
मुहासा, सं. पुं. फुनसी।
मुहो, सर्व. मोहि।
मुहुर्मुहु, अ. पुनःपुनः बारम्बार।
मुहूर्त्त, सं. पुं. दोघडी।
मूआ, गु. मरा।
मूँग, सं. स्त्री. मुद्ग, अन्नविशेष।
मूँगची, } सं. स्त्री. मूंगको बडी।
मूँगरी, }
मूँगा, सं. पुं. प्रवाल।
मूँगिया, सं. पुं. मूँगेके रंगके समान रंग।
मूँछ, सं. स्त्री. मूछ, होठके ऊपरके बाल।
मूँज, सं. स्त्री. तृणविशेष जिस्से रस्सी बनतीहै।
मूँड, सं. पुं. मस्तक, सिर।
मूँडना, स. क्रि. बालबनाना, घोटना; शिष्यकर्ना; फुसलाके लूटना।
मूँडला, गु. मुण्डला, जिस्का सिर मुंडा गया।
मूँडी, सं. स्त्री. सिर।
मूँढा, सं. पुं. मोंढा।
मूँदना, स. क्रि. बन्द कर्ना, ढाँकना; मोचना।
मूँदरी, सं. स्त्री. मुँदरी।
मूँह, सं. पुं. मुख।
मूँहाँ, सं. पुं. मुखमें रोगविशेष।
मूक, गु. गूँगा।
मूका, सं. पुं. घूँसा; हाथ; झरोखा।
मूकी, सं. स्त्री. घूँसा।
मूछ, सं. स्त्री. मूँछ।
मूछाकडा, सं. पुं. बडीमूँछ।
मूछैल, गु. बडीमूछोंवाला।
मूठ, सं. पुं. खड्गके पकडनेका स्थान, बेंट; हाथ; हाथभर।
मूठा, सं. पुं. बेंट।
मूढ, गु. मूर्ख।
मूढता, सं. स्त्री. मूर्खता।
मूत, सं. पुं. मूत्र, पिशाब, लघुशङ्का।
मूतना, अक. क्रि. मूत्र वा लघुशङ्का कर्ना।
मूत्र, सं. पुं. मूत।
मूना, अक. क्रि. मर्ना।
मून, गु. लघु, थोडा।
मूरख, गु. मूर्ख।
मूरत, सं. स्त्री. मूर्त्ति।
मूर्ख, गु. मूढ, अज्ञानी, बोदला।
मूर्खता, } सं. स्त्री. मूरखपन,
मूर्खताई, } अज्ञानता, दुर्मति।
मूर्छा, सं. स्त्री. अचेतता, तेवर, मोह।
मूर्छित, गु. जो मूर्छामें पडाहै; मोहित।
मूर्त्ति, सं. स्त्री. प्रतिमा, पुतली, आकार।
मूर्त्तिमन्त, गु. आकारवन्त।
मूर्द्धन्य, सं. पुं. जिस् वर्णका उच्चारण मूर्द्धासे होय।

मूर्द्धा, सं. पुं. मस्तक।
मूल, सं. पुं. जड, वंश, कुल; पूंजी, बिनटीकाकी पुस्तक; उन्नीसवाँ नक्षत्र।
मूलिया, गु. जिसका मूल नक्षत्रपर जन्म हुआ।
मूली, सं. स्त्री. मूलविशेष।
मूल्य, सं. पुं. मोल।
मूषिक, सं. पुं. मूसा।
मूसना, स. क्रि. चुराना, झपट लेना।
मूसरा, सं. पुं. चूहा।
मूसरी, सं. स्त्री. चूही।
मूसल, सं. पुं. ओखलीमें वस्तु रखके जिससे कूटतेहैं, काष्ठका कूटक।
मूसलधार, सं. पुं. झडी।
मूसाई, सं. स्त्री. यहूदियोंका मत।
मृग, सं. पुं. हरिण।
मृगछाला, सं. स्त्री. मृगकी छाल।
मृगतृष्णा, सं. स्त्री. तेजमें जलकी भ्राँति।
मृगनाभि, सं. पुं. कस्तूरी।
मृगनैनी, ⎫ गु. जिसकी आँख मृगकी
मृगनयनी, ⎭ आँखके समानहै।
मृगया, सं. स्त्री. आखेटक, अहेर।
मृगराज, सं. पुं. सिंह।
मृगशिरा, सं. पुं. पाँचवाँ नक्षत्र।
मृगी, सं. स्त्री. हरिणी; रोग विशेष।
मृगेन्द्र, सं. पुं. सिंह।
मृत, गु. मरा।
मृतक, सं. पुं. शव, लोथ।
मृत्तिका, सं. स्त्री. मिट्टी।
मृत्यु, सं. स्त्री. मौत, मरण, काल।
मृदङ्ग, सं. पुं. वाद्यविशेष।
मृदङ्गिया, ⎫ सं. पुं. मृदङ्गका बजा-
मृदङ्गी, ⎭ नेहारा।
मृदु, गु. नम्र; कुन्द; कोमल।
मृषा, अ. मिथ्या।
में, अ. अधिकरणका बोधक।
मेंगनी, सं. स्त्री. लेंडी, अजादिकी विष्ठा।
मेंड, सं. स्त्री. खेतको पृथक् करनेके लिये जो बाँध।
मेंडक, सं. पुं. ⎫ भेकी, मण्डूक।
मेंडकी, स्त्री. ⎭
मेंडा, सं. पुं. कुंवेकामुह।
मँडियाना, अक. क्रि. घिर्ना।
मेंढा, सं. पुं. भेडा।
मेंह, सं. पुं. वृष्टि।
मेंहदी, सं. स्त्री. मिहँदी, पौधा विशेष जिसकी पत्ती लगाने से हाथ पैर लाल होते हैं।
मेख, सं. पुं. मणिपुर और बङ्गाले के बीच एक प्रकारके पर्वतीय लोग; कील, खूटा।
मेखला, सं. स्त्री. स्त्रियोंकी कर्धनी; ब्राह्मणका यज्ञोपवीत जो मृगछालासे बना है; तीन वर्णोंका यज्ञोपवीत।
मेखली, सं. स्त्री. टाट, पट्टी।
मेघ, सं. पुं. घन, बदली; राग विशेष।
मेघनाद, सं. पुं. मेघका शब्द।

मेघागम, सं. पुं. वर्षाकाल।
मेटना, स. क्रि. धोडालना; मल-मेट वा सिलपटकर्ना; विरोध कर्ना।
मेढा, सं. पुं. भेडा।
मेथी, सं. स्त्री. साग विशेष।
मेद, सं. पुं. मेध; मज्जा; बडी मोटाई।
मेदिनी, सं. स्त्री. पृथ्वी।
मेध, सं. पुं. यज्ञ, बलिदान।
मेधा, सं. स्त्री. अनुभव, बूझ, निपुणता।
मेधावी, गु. मेधावान्, बुद्धिमान्, निपुण।
मेमना, सं. पुं. बकरीका बच्चा।
मेरो, सर्व. मेरा।
मेल, सं. पुं. सम्बन्ध; मिलाप; संयोग; भेंट।
मेलना, स. क्रि. ठाँसना, घुसेड्ना।
मेला, सं. पुं. किसी देवताकी पूजा कर्नेके लिये बज्रत लोगोंका समूह।
मेली, सं. पुं. साझी। गु. मिलापी।
मेव, मेवडा, मेवाती, सं. पुं. मेवात पर्वतके बसनेहारे लोग।
मेष, सं. पुं. मेंढा, पहिली राशि।
मेह, सं. पुं. मेघ; मूत्र वा वीर्यमें रोग विशेष।
मेहतर, सं. पुं. भङ्गी, चहडा।
मेहतरानी, सं. स्त्री. मेहतरकी स्त्री, चूहडी।
मेहनहारा, सं. पुं. ठठोली कर्नेहारा।
मेहना, सं. पुं. ठठोली।
मैँ, सर्व. सर्वनाम वाचक उत्तम पुरुषका एक वचन।
मैका, सं. पुं. स्त्रीकी माका घराना वा कुटुम्ब।
मैत्री, सं. स्त्री. मित्रता, बन्धुता।
मैथिल, गु. तिरहुतके बसनेहारे।
मैथुन, सं. पुं. प्रसङ्ग, स्त्री और पुरुषकी पुत्रोत्पादनके अर्थ क्रिया, रति।
मैनफल, सं. पुं. औषधि फल विशेष।
मैना, सं. स्त्री. पक्षी विशेष, शारिका।
मैभा, सं. स्त्री. सौतेलीमा।
मैया, सं. स्त्री. माता।
मैल, सं. स्त्री. मल; मुर्चा; झाग, गाज।
मैला, मैलाकुचैला, गु. मलीन, अपवित्र।
मैहिका, सं. पुं. महिष, भैंसा।
मैहिकी, सं. स्त्री. महिषी, भैंस।
मो, सर्व. मैं।
मोँढा, सं. पुं. कान्धा; कूबड; मोढा।
मोखा, सं. पुं. कोठरीमें उजियाला होनेके लिये भीतमें छिद्र।
मोगरा, सं. पुं. मुद्गर; पुष्प विशेष।
मोगरी, सं. स्त्री. कुन्दीकर्नेके लिये काठकी वस्तु विशेष।
मोघ, गु. वृथा, निष्फल।
मोच, सं. पुं. लचक, कचक।

मोचन, सं. पुं. चोरी।
मोचन, वा-ना, सं. पुं. त्याग।
मोचना, स. क्रि. त्यागना, छोडना; झाडना; बुझाना. मिटाना। सं. पुं. बाल उखाडनेके लिये छोटा चिमटा।
मोचरस, सं. पुं. सेमल वृक्षका गोंद।
मोचा, सं. पुं. केलेका गाभा वा फूल।
मोची, सं. पुं. चर्मकार।
मोट, सं. स्त्री. मोठ।
मोटकी, सं. स्त्री. कुदारी; मोटी स्त्री।
मोटरा, सं. पुं. गठरी।
मोटरी, सं. स्त्री. छोटी गठरी।
मोटा, गु. स्थूल; गाढा; बडा।
मोटाई, सं. स्त्री. } पुष्टता; गाढा-
मोटापा, पुं. } ई।
मोटिया, सं. पुं. कुली, बोझ उठानेहारा।
मोठ, सं. स्त्री. गठर, पोट; बोझ; संकलन करनेसे जो गठरी; चरस, पुरवट; अन्न विशेष।
मोड, सं. पुं. बाँक, फेर, बल, ऐंठन।
मोडना, स. क्रि. फेरना, ऐंठना, बल खिलाना, चढाना।
मोडा, सं. पुं. वैरागी।
मोढा, सं. पुं. आसन विशेष। पैर रखनेके लिये वस्तु विशेष।
मोतिया, सं. पुं. पुष्प विशेष।
मोतियाबिन्द, सं. पुं. आँखमें रोग विशेष।
मोती, सं. पुं. मुक्ता।
मोतीचूर, सं. पुं. मिठाई विशेष।
मोथरा, सं. पुं. घोडेमें रोग विशेष, अर्थात् छडुा।
मोथा, सं. पुं. नागर मोथा।
मोद, सं. पुं. हर्ष।
मोदक, सं. पुं. लड्डू; हर्षका उत्पादक।
मोदी, सं. पुं. बेपारी, बनिया; बनजारा।
मोनी, सं. स्त्री. अणी, नोक।
मोम, सं. पुं. मधुरमल।
मोमबत्ती, सं. स्त्री. मोमसे बनी हुई बत्ती।
मोमियाई, सं. स्त्री. चोटकी औषधि विशेष।
मोमी, गु. मोमका।
मोर, सं. पुं. मयूर। सर्व. मेरा।
मोरछल, सं. पुं. चँवर जो मोरके पङ्खसे बना है।
मोरा, सर्व. मेरा।
मोल, सं. पुं. भाव, दाम; विसाह।
मोसना, स. क्रि. मूसना, छलसे लूटना।
मोह, सं. पुं. मूर्छा; माया, दया, करुणा, दुलार; हावभाव।
* मोहन, सं. पुं. सज्जन; प्यारी। गु. मनका लेजानेहारा।
मोहनभोग, सं. पुं. मिठाई विशेष।
मोहनमाला, सं. स्त्री. माला जो सोने और मँगेसे बनी है।
मोहना, स. क्रि. मनहाथमें लेलेना।

मोहनी, सं. स्त्री. मोहिनी।
मोहाना, सं. पुं. जहाँ समुद्र सूक्ष्म धारासे सागरमें पड़ता है।
मोहि, सर्व. मुझको।
मोहित, गु. मूर्छित; जो मोहा गया।
मोहिनी, सं. स्त्री. मोहनेहारी स्त्री, वेश्या; दिठबन्दी; टोटका, बसीकरणी।
मोही, सर्व. मुझीको।
मोक्ष, सं. पुं. मुक्ति।
मौ, सं. पुं. मधु।
मौड, सं. पुं. सिहरा जो दुल्हा पहिनता है।
मौन, सं. पुं. } चुप, चुप्पी।
मौनता, स्त्री. } चुप, चुप्पी।
मौना, सं. पुं. मटका; डलिया।
मौनी, गु. चुपका, चुपचाप। सं. पुं. जोगी विशेष।
मौनी, सं. स्त्री. छोटी डलिया।
मौर, सं. पुं. वृक्षका फूल वा कली; कन्धा; मौड।
मौराना, } अक. क्रि. खिलना, फूलना।
मौलना, } अक. क्रि. खिलना, फूलना।
मौलसरी, सं. स्त्री. वृक्ष विशेष।
मौलि, सं. पुं. मस्तक।
मौलिक, गु. कायस्थ जो छोटी जातिका है।
मौली, सं. स्त्री. नारा।
मौसा, सं. पुं. माकी बहिनका पति।
मौसी, सं. स्त्री. माकी बहिन।
मौसेरा, गु. जो मौसाके सम्बन्धी, जैसे मौसेरा भाई।
म्लान, गु. मैला; मन्द।
म्लेच्छ, सं. पुं. जो कोई संस्कृत न बोले वा जिसका धर्म हिन्दूके धर्म से विपरीत है इनका नाम।

य

य, देवनागरी वर्णमालाके हल वर्णोंमेंका छबीसवाँ अक्षर।
यजमान, सं. पुं. जो दक्षिणा देके कर्म करावे।
यज्ञ, सं. पुं. याग, मेध, बलिदान।
यज्ञसूत्र, सं. पुं. जनेऊ।
यज्ञोपवीत, सं. पुं. उपनयन, जनेऊ।
यतन, सं. पुं. यत्न।
यति, सं. पुं. जती, सन्यासी; भिखारी, वा जैन मतका भिखारी।
यत्किंचित्, अ. जो कुछ।
यत्न, सं. पुं. जतन; उपाय, उद्योग।
यत्नवान्, } गु. यत्नकर्नेहारा।
यत्नी, } गु. यत्नकर्नेहारा।
यत्र, अ. जहाँ।
यत्रतत्र, अ. जहाँ तहाँ।
यथा, अ. जैसा।
यथाकथंचित्, अ. जिस् किसी प्रकारसे।
यथाकाल, सं. पुं. जैसा समय।
यथाक्रम, सं. पुं. क्रमसे, परिपाटीसे।
यथायोग्य, सं. पुं. जैसा उचित।
यथार्थ, अ. ठीक, सच, खरे।
यथावत, अ. सम्पूर्ण।

यथाशक्ति, सं. स्त्री. जैसी सामर्थ्य, भरसक।
यथाशास्त्र, अ. शास्त्रके अनुसार, शास्त्रसम्मत।
यथासम्भव, गु. जैसा होनेके योग्य।
यथेच्छा, सं. स्त्री. जैसी इच्छा।
यथोक्त, गु. सत्य, जैसा कहा गया।
यथोचित, गु. यथायोग्य।
यदवधि, अ. जबसे।
यदा, अ. जब।
यदि, अ. जो ; कदाचित।
यदुवंश, सं. पुं. यदुराजाका वंश।
यदुवंशी, सं. पुं. यदुसे जो उत्पन्न भया।
यद्यपि, अ. जोभी।
यद्वातद्वा, अ. ऐसा वैसा, भला बुरा।
यन्त्र, सं. पुं. कल ; समाज, वाद्य ; टोटका विशेष जो रक्षाके लिये बाँहपर बाँधते हैं।
यन्त्रणा, सं. स्त्री. पीडा, क्लेश।
यन्त्री, सं. पुं. यन्त्रदेनेहारा ; तार खींचनेके लिये यन्त्र।
यमक, सं. पुं. छन्दमें अक्षरसगाई, तुक ; जो दो लडके माके पेटसे एक बेर जन्मलेवें उन्का नाम।
यमदूत, सं. पुं. यमराजका दूत वा गण विशेष।
यमन, सं. पुं. यवन; राग विशेष।
यमनी, गु. जो यवन देशका है।
यमल, गु. दो, जोडा, युग्म।
यव, सं. पुं. जौ, अन्न विशेष।
* यवन, सं. पुं. यवनदेशका रहनेहारा ; म्लेच्छ।
यवक्षार, सं. पुं. औषध विशेष, शोरा।
यवास, सं. पुं. पुष्प विशेष, जवासा।
यश, सं. पुं. कीर्त्ति, ख्याति, पति।
यशपति, } गु. कीर्त्तिमान्. प्रति-
यशस्वी, } ष्ठित।
यष्टि, } सं. स्त्री. लाठी।
यष्टिका, }
यह, सर्व. निश्चय वाचक सर्व नाम।
यहाँ, अ. इस स्थानमें, इधर।
यहीं, अ. इसी स्थानमें।
यहूदी, सं. पुं. यहूदियःदेशके लोग।
या, सर्व. यह।
याग, सं. पुं. यज्ञ।
याचक, सं. पुं. मांगनेहारा, भिक्षुक।
याचना, स. क्रि चाहना, मांगना, विनयकर्ना, भीख मांगना।
याचित, गु. मांगा हुआ।
याजक, सं. पुं. पुरोहित ; जो ब्राह्मण दक्षिणालेके यज्ञादि कर्मको करावे।
याजन, सं. पुं. याजकका काम।
याज्य, सं. पुं. यज्ञकर्वानेके लिये जो दक्षिणा मिलती है।
याज्ञिक, सं. पुं. यज्ञ कर्नेहारा।
यातना, सं. स्त्री. अत्यन्त वेदना, यन्त्रणा, नरकका कष्ट।
यातायात, सं. पुं. आवागमन।

यात्रा, सं. स्त्री. तीरथ ; प्रस्थान, कूच ; पर्व ।
यात्री, सं. पुं. तीरथ करनेहारा ।
यायार्थिक, सं. पुं. जो ठीक कर्म करै ।
याथार्थ्य, सं. पुं. यथार्थता, सचाई ।
* यादव, सं. पुं. यदुका सन्तान ।
यान, सं. पुं. वाहन, ।
याबू, सं. पुं. टाँघन, टट्टू ।
यामिनी, सं. स्त्री. रात्रि ।
यामिनीभाषा, सं. स्त्री. यवन लोगोंकी भाषा ।
यावक, सं. पुं. लाखी ।
यावज्जीव, } अ. मृत्युपर्यन्त, जीवन
यावज्जीवन, } काल भर ।
यावत, अ. जबलग ।
यिह, सर्व. यह ।
युक्त, गु. उचित, योग, लगा ।
युक्ति, सं. स्त्री. प्रवीणता ; हथौटी ; तर्क ; गुण ।
युग, सं. पुं. सत्य, त्रेता, द्वापर, कलि, इन् चारोंमें एक ; युग्म, जोडा ।
युगपत, अ. एकबेरमें ।
युगल, गु. दो, युग्म ।
युगान्त, सं. पुं. युगका अन्त ; प्रलय ।
युग्म, गु. दो, जोडा ।
युत, गु. युक्त, मिला, जैसे धर्मयुत, श्रीयुत ।
युद्ध, सं. पुं. लडाई, संग्राम ।
युवती, सं. स्त्री. यौवनवती स्त्री, अर्थात् सोलह बरससे तीस बरस तक ।
युवन, गु. युवा ।
युवराज, सं. पुं. राजाका प्रधान पुत्र ।
युवा, गु. यौवनयुक्त, तरुण वा मनुष्य सोलह बरससे सत्तर बरस तक ।
यूँ, अ. इस् प्रकार ।
यूँही, अ. इसीप्रकार ।
यूका, सं. स्त्री. जूँ ।
यूथ, सं. पुं. झुण्ड, जथा ।
यूथी, सं स्त्री. जूही ।
यूप, सं. पुं. यज्ञका खम्भ ।
यूष, सं. पुं. जूस, परेह ।
योग, सं. पुं. मेल, लगन, मिलन ; भला समय ; तपस्या विशेष ।
योगिनी, सं. स्त्री. भूतनी विशेष जो दुर्गाकी सहचरी है ।
योगी, सं. पुं. जो योग साधन करे, तपस्वी ।
योगेश्वर, सं. पुं. तपस्वी ।
योग्य, गु. उपयुक्त, उचित ; सम्भव ।
योग्यता, सं. स्त्री. उपयुक्तता, उचितता ।
योजन, सं. पुं चार कोशका परिमाण ।
योजना, सं. पुं. मेल, मिलाप, जोड ।
योतिष, सं. पुं. ज्योतिष ।
योतिषी, सं. पुं. ज्योतिषी ।
योद्धा, सं. पुं. युद्धकरनेहारा, सावन्त ।
योधन, सं. पुं. युद्ध, लडाई ।
योधापन, सं. पुं. सावन्ती, वीरता ।
योनि, सं. स्त्री. उत्पत्तिका स्थान, कोख ।

योषित, सं. स्त्री. पत्नी, स्त्री।
यों, अ. इसप्रकार।
यौतिक, सं. पुं. ज्योतिष।
यौतुक, सं. पुं. दैजा, दहेज।
यौवन, सं. पुं. बाल्यावस्थासे पीछेकी अवस्था।

र

र, देवनागरी वर्णमालाके हल वर्णोंमेंका सत्ताईसवाँ अक्षर।
रई, सं. स्त्री. मथनी, बिलोनी; कनी, बूरा।
रँहट, सं. पुं. कूपसे पानी निकालनेके लिये यन्त्र।
रँस, सं. स्त्री. रश्मि।
रक्त, गु. लाल। सं. पुं. रुधिर, लोहू।
रक्तकोढ, सं. पुं. कुष्ठ विशेष।
रक्तचन्दन, सं. पुं. लाल चन्दन।
रक्तपा, सं. स्त्री. जोंक।
रक्तपात, सं. पुं. लोहूका निकालना।
रक्तपित्त, सं. पुं. रोग विशेष।
रक्तिमा, सं. स्त्री. लाली।
रखछोडना, स. क्रि. धरना, रखना, सौंपना।
रखदेना, स. क्रि. धरना, रखना।
रखना, स. क्रि. धरना, त्यागना; बचाना, दाब रखना।
रखलेना, सं. क्रि. धरलेना।
रखवाई, सं. स्त्री. रखवानेका पैसा।
रखवाना, स. क्रि. धरवाना, सौंपवाना।
रखवाल, } सं. पुं. रक्षक, गडे-
रखवाला, } डिया।
रखवाली, सं. स्त्री. रक्षा; चरानेका काम।
रखाना, स. क्रि. रखवाना।
रखिया, सं. स्त्री. रक्षा, बचाव, रखवाई।
रखी, सं. स्त्री. शिखके प्रधानको रक्षाकर्नेके लिये जो कर दिया जाता है। पुं. रक्षा कर्नेहारा।
रखैया, सं. पुं. रक्षक।
रग, सं. स्त्री, शिरा, नाडी।
रगड, सं. स्त्री. घिसाव।
रगडना, स. क्रि. घिसना, घोंटना, मलना।
रगडा, सं. पुं. झगडा; घिसाव; अञ्जन विशेष।
रगेद, सं. स्त्री. खदेड।
रगेदना, स. क्रि. खदेडना, पीछेदौडना।
* रघुवंश, सं. पुं. रघुराजाकावंश।
रङ्क, सं. पुं. कङ्गाल मनुष्य।
रङ्ग, सं. पुं. वर्ण; डौल, रीति; रङ्गनेकी वस्तु; क्रीडा, खेल।
रङ्गत, सं. स्त्री. वर्ण।
रङ्गना, स. क्रि. रङ्गचढाना।
रङ्गभङ्ग, सं. पुं. क्रीडाका बिगाड।
रङ्गभूमि, सं. स्त्री. क्रीडाका स्थान, नाचघर।
रङ्गमहल, सं. पुं. रङ्गभवन, क्रीडाका स्थान,।

रङ्गमानी, स. क्रि. चौपडके खेलमें जीतना।

रङ्गरस, सं. पुं. हर्ष।

रङ्गरातना, अक. क्रि. किसीका हो रहना।

रङ्गरूप, सं. पुं. वर्ण, आकार।

रङ्गवैया, सं. पुं. रङ्गनेहारा।

रङ्गाई, सं. स्त्री. रङ्गनेका पैसा।

रङ्गाना, स. क्रि. रङ्ग दिलवाना।

रङ्गावठ, सं. स्त्री. रङ्गनेका काम।

रङ्गीला, गु. रसीला, चमकीला।

रचना, अक. क्रि. व्यापना; किसी काममें लगा रहना; मन लगाना; ताल सहित गाना; पैठना; बदना। स. क्रि. बनाना; कर्ना, सिरजना। सं. स्त्री. उत्पत, बनावटी, सृष्टि, बनावट्।

रचाना, स. क्रि. बनाना, कर्ना, सिरजना; चलाना; आनन्द-कर्ना; मिहँदीसे हाथ पैर रङ्गना, लगाना।

रच्छक, सं. पुं. रक्षक।

रच्छा, सं. स्त्री. रक्षा।

रजः, सं. स्त्री. धूल; पराग; निशानी, कपडे। पुं. मनुष्यत्वका दूसरा गुण।

रजक, सं. पुं. धोबी।

रजत, सं. पुं. चाँदी, रूपा।

रजनी, सं. स्त्री. रात्रि।

रजनीगन्धा, सं. स्त्री. सुगन्धरा, पुष्प विशेष।

रजवाडा, सं. पुं. राज्य, देश जो राजाके वशमें है।

रजस्वला, सं. स्त्री. ऋतुमती, कपडोंसे।

रजाई, सं. स्त्री. शीतकालमें ओढनेके लिये वस्त्र; राजत्व।

रजोगुण, सं. पुं. मनुष्यका दूसरा गुण, जिस्से क्रोधादि निकसता है।

रज्जु, सं. स्त्री. सूत, रस्सी।

रञ्जक, सं. पुं. प्रीतिको जो उपजावे; रङ्गदेनेहारा, चित्रकार; तोप आदि चलानेकी बारूद।

रञ्जन, सं. पुं. रङ्गावट्, चित्रकारी; प्रसन्नता जन्मावना।

रट्, सं. स्त्री. दोहराव।

रट्ना, स. क्रि. दोहराना, तिहराना।

रण, सं. पुं. युद्ध, लडाई।

रण्ड, सं. पुं. रँड।

रण्डा, सं. स्त्री. राँड, विधवा।

रण्डापा, सं. पुं. विधवापन।

रण्डिया, सं. स्त्री. विधवा; स्त्री।

रण्डी, सं. स्त्री. स्त्री, नारी।

रण्डूआ, सं. पुं. निर्स्त्री, जिस्पुरुषकी स्त्री मरगई होय।

रत, सं. पुं. मैथुन; रात।

रतकेल, सं. पुं. मैथुन।

रतजगा, सं. पुं. उत्सवमें रातका जागरण।

रतन, सं. पुं. रत्न।

रतनार, सं. पुं. लालवर्ण।

रतनियाँ, सं. पुं. चावल विशेष।

रतवाही, सं. स्त्री. रातको जो धावा; सुरैतिन जो रातको पुरुष पास आती है।

रताना, अक. क्रि. कामातुर होना।
रतालू, सं. पुं. आलू विशेष।
* रति, सं. स्त्री. प्यार; मैथुन।
रती, सं. स्त्री. आठ यवका तौल, रत्ती; भाग।
रतीवत, } गु. भाग्यवान्।
रतीवन्त, }
रतौंधा, सं. पुं. अन्धलाई जिसके कारणसे रातको कुछ नहीं सूझता है।
रत्ती, सं. स्त्री. आठ यवका तौल वा परिमाण; भाग।
रत्न, सं. पुं. मणि, मुक्ता आदि; पुतली।
रत्नजोत, सं. स्त्री. पौधा विशेष; आँखके लिये औषध विशेष।
रत्नमाला, सं. स्त्री. माला जो रत्नसे बनी है।
रत्नसिंहासन, सं. पु. सिंहासन जो रत्नोंसे जडित है।
रत्नाकर, सं. पुं. समुद्र।
रथ, सं. पुं. चार पैयोंकी गाडी विशेष।
रथवान, सं. पुं. सारथी।
रथवानी, सं. स्त्री. रथवानका काम।
रथाङ्ग, सं. पुं. पैया, चक्र; चकवा।
रथी, सं. पुं. रथका स्वामी; रथका सवार; शवको श्मशानमें लेजानेकी काठी।
रद, सं. पुं. दाँत।
रदच्छद, सं. पुं. ओष्ठ।
रदन, सं. पुं. दाँत।
रद्दा, सं. पुं. भीतकी परत।
रद्दी, सं. स्त्री. जो कागज लिखने पढनेके कामका न होय।
रन, सं. पुं. रण।
रनगढ, सं. पुं. छावनी, सङ्कर।
रनवन, सं. पुं. महावन।
रनवास, सं. पुं. अन्तःपुर जिसमें राजाकी स्त्रियाँ रहती हैं।
रन्द्र, सं. पुं. रन्ध्र।
रन्धना, अक. क्रि. पकना, उबलना।
रन्ध्र, सं. पुं. छिद्र, छेद।
रपट, सं. स्त्री. रवड; खिसलाहट; रगेद।
रपटना, अक. क्रि. फिसलना, खिसलना।
रपटपाना, अक. क्रि. बहुत सरपट दौडना।
रबड, सं. स्त्री. परिश्रम, थकाई, व्यर्थ दौडधूप।
रबडना, अक. क्रि. थकना; व्यर्थ दौडधूप कर्ना।
रबडा, गु. थका।
रबडाना, स. क्रि. थकाना, व्यर्थ दौडधूप कर्वाना।
रबडी, सं. स्त्री. गाढादूध।
रमचेरा, सं. पुं. गुलाम, किङ्कर, लौंडा।
रमण, सं. पुं. क्रीडा, मैथुन।
रमणी, सं. स्त्री. उत्तम स्त्री।
रमणीय, गु. मनोहर, सुन्दर।
रमना, स. क्रि. भोगकर्ना, मैथुन कर्ना; फिर्ना।
रमाना, स. क्रि. फुसलाना, बहकाना।

* रम्भा, सं. स्त्री. वेश्या ; केला।
रलना, अक. क्रि. मिलना, पिसना, मिसना,।
रलाना, स. क्रि. मोसना, मीचना।
रव, सं. पुं. शब्द।
रवन, सं. पुं. पति, प्रियतम, यार।
रवन्ना, सं. पुं. रनवासका सेवक जो स्त्रियोंके लिये वस्तु मोल लेते हैं।
रवा, सं. पुं. सोने वा रूपेका रेतन वा चूर, बालू, धूल आदिका अणु।
रविवार, सं, पुं. पहिलावार, विश्रामका दिन।
रश्मि, सं. स्त्री. किरण।
रस, सं. पुं. जीभसे जिसका ग्रहण होय, स्वाद; शृङ्गारादि नव; पारा।
रसकपूर, सं. पुं. रस औषध विशेष।
रसज्ञ, गु. रसका ज्ञानवान, कवि ; रसधातुका बनानेहारा।
रसज्ञा, } सं. स्त्री. जीभ।
रसना, }
रसमसाना, अक. क्रि. पसीनेसे वा सुगन्ध द्रव्यसे भीगजाना।
रसमसीला, गु. जो पसीने वा सुगन्ध द्रव्यसे भीग गया।
रसरा, सं. पुं. डोरा, मोटी रस्सी।
रसरी, सं. स्त्री. डोरी, रस्सी।
रसवत, सं. स्त्री. रसौत।
रसवती, गु. रसीली।
रसातल, सं. पुं. पाताल।
रसाना, स. क्रि. जोडना, मिलाना।
रसायन, सं. पुं. विद्या विशेष जिससे ताम्रादि धातुको स्वर्णादि कर्ना ; विष घटित चिकित्सा विशेष।
रसाल, सं. पुं. आँब ; इक्षु।
रसिक, गु. रसज्ञ ; रसिया।
रसिकाई, सं. स्त्री. ग्यानपन, धूर्त्तताई ; कामातुरी।
रसिया, सं. पुं. लुचा, कामी ; मगनी।
रसियाना, अक. क्रि. गीला वा रसीला होना ; पसीजना, रिसना।
रसीद, सं. स्त्री. किसी वस्तुके पहुंचनेका पत्र।
रसीला, गु. रससे जो पूर्ण; बिसनी।
रसे, अ. धीमे, हौले।
रसोइया, सं. पुं. भोजन पकानेहारा।
रसोई, सं. स्त्री. पाक, भोजन ; पाकस्थान।
रसौत, सं. पुं. औषधि विशेष।
रस्सा, सं. पुं. जेवडा।
रस्सी, सं. स्त्री. जेवडी।
रहकल, } सं. पुं. छोटी तोप ;
रहकला, } लढी, छकडा।
रहचोला, सं. पुं. लल्लोपत्तो, मीठी बातें।
रहजाना, अक. क्रि. बाट जोहना, धीरज कर्ना, सन्तोष कर्ना।
रहठ, सं. स्त्री. गरारी।

रहटा, सं. स्त्री. चरखी।
रहते, अ. होते, सामे, आगे।
रहन, सं. स्त्री. रीति, चलन।
रहना, अक. क्रि. टिकना, ठहरना, बसना; बचजाना।
रहला, सं. पुं. चना।
रहवैया, सं. पुं. बसनेहारा।
रहस, सं. पुं. ठठोलपन। गु. एकान्त, निर्जन, छिपा।
रहसना, अक. क्रि. प्रसन्न होना, ऊलसना।
रहस्य, गु. रहस।
रहाइस, सं. स्त्री. } टिकाव, लगान, रहनेका स्थान।
रहाव, पुं. }
रहित, गु. वर्जित, हीन, बिना।
रक्षक, सं. पुं. रक्षाकर्नेहारा।
रक्षण, सं. पुं. } बचाव, त्राण, उद्धार; राखी।
रक्षा, स्त्री. }
राई, सं. स्त्री. सर्सों विशेष।
राए, सं. पुं. राजा, राणा।
राएता, सं. पुं. कदूआदि वस्तुको दहीमें डालके जो बनता है।
राएबाँस, सं. पुं. बर्छा विशेष।
राएबेल, सं. स्त्री. पुष्प विशेष।
राएरायान, सं. पुं. हिन्दू लोगोंको पदी, अर्थात् राजाओंका प्रधान।
राँगा, सं. पुं. धातु विशेष।
राँजन, }
राँजना, } सं. पुं. सज्जन, प्रियतम।
राँजा, }
राँड्, सं. स्त्री. रण्डा, विधवा।

राँदपडोस, सं. पुं. आडोस पडोस, समीपता।
राँधना, स. क्रि. रींधना, पकाना।
राँपी, सं. स्त्री. खुर्पी।
राँभना, अक. क्रि. बिंबियाना, डकारना, गौका पुकारना।
राकस, सं. पुं. राक्षस।
राका, सं. स्त्री. पूर्णिमा।
राख, सं. स्त्री. भस्म।
राखना, स. क्रि. रखना।
राखी, सं. स्त्री. यन्त्र, जो सावनकी पूर्णिमाके दिन हिन्दू लोग बाऊ पर बाँधते हैं।
राग, सं. पुं. गायकोंमें प्रसिद्ध जैसे मल्लार, बिहाग, बसन्तादि; क्रोध; प्यार।
रागना, स. क्रि. अलापना।
रागमाला, सं. स्त्री. रागकी पोथी।
रागसागर, सं. पुं. गीत जिस्से कई एक राग निकलता है।
रागिनी, सं. स्त्री. रागकी स्त्री।
रागी, सं. पुं. गायक; पिया। गु. क्रोधी।
* राघव, सं. पुं. समुद्रका मत्स्य विशेष।
राचना, अक. क्रि. प्यारमें अटकना, वा लीन होना।
राछ, सं. पुं. कारीगरोंके अस्त्र।
राज, सं. पुं. राज्य; घरबनानेहारा कारीगर।
राजकन्या, सं. स्त्री. राजकुमारी।
राजकर, सं. पुं. राजाका कर।
राजकीय, गु. राजाका, राजाऊ।

राजकुमार, सं. पुं. राजाका पुत्र।
राजत्व, सं. पुं. राजाका काम।
राजद्वार, सं. पुं. राजभवनका फाटक।
राजधर, सं. पुं. राजाका मन्त्री।
राजधानी, सं. स्त्री. जिस् नगरमें राजा आप बसे।
राजना, अक. क्रि. चमकना, शोभित होना।
राजनीति, सं. स्त्री. राज्यकर्नेकी चाल।
राजपति, सं. पुं. हिन्दूलोगोंकी पदी, राजा।
राज़पुत्र, } सं. पुं. राजाका पुत्र;
राजपूत, } जाति विशेष।
राजभवन, सं. पुं. घर जिस्में राजा बसता है।
राजभोग, सं. पुं. मध्याह्नमें देवताके लिये जो नैवेद्य।
राजमन्दिर, सं. पुं. राजभवन।
राजमार्ग, सं. पुं. राजपथ, सडक, पैंडा।
राजयोग्य, गु. राजाके जो योग्य है।
राजरानी, वा-णी, सं. स्त्री. राजाकी स्त्री।
राजरोग, सं. पुं. रोग जिस्में बचनेकी आशा न हो; क्षय रोग।
राजवंशी, सं. पुं. राजाका सन्तान; राजपूतोंकी जाति विशेष।
राजशासन, सं. पुं. राजाका दण्ड।
राजस, सं. पुं. जो काम रजोगुण कर्के होय, राज्य।
राजसिंहासन, सं. पुं. राजाका सिंहासन।
राजसू, सं. पुं. यज्ञ विशेष जिस्को केवल राजाधिराज कर सके।
राजस्व, सं. पुं. कर।
राजहंस, सं. पुं. हंस विशेष।
राजा, सं. पुं. नृपति।
राजाज्ञा, सं. स्त्री. राजाका आदेश।
राजाधिराज, सं. पुं. राजाओंमें बडा जो राजा।
राजी, सं. स्त्री. पंक्ति।
राजेश्वर, सं. पुं. महीपति।
राज्ञी, सं. स्त्री. राणी।
राज्य, सं. पुं. अधिकार; देश; राजकाज।
राढी, सं. पुं. राढदेशमें उत्पन्न जो ब्राह्मण जाति।
राणा, सं. पुं. राजपूतकी जाति विशेष।
राणी, सं. स्त्री. रानी।
रात, सं. स्त्री. रात्रि, रजनी, निशा, रैन।
रातना, स. क्रि. रङ्ग देना। अक. क्रि. राचना।
राता, गु. रक्त, लाल; जो रङ्गा-गया।
रात्रि, सं. स्त्री. रजनी, रात।
रात्रिचर, सं. पुं. प्रेत, भूत; चोर।
रात्र्यान्ध, सं. पुं. जो रातमें नहीं देखसके, रतौंधी।

राद, } सं. पुं. पीब, मज्जा।
राध, }
राधानगरी, सं. स्त्री. रेशमी वस्त्र जो राधानगरमें बनता है।
राना, सं. पुं. राय।
रानी, सं. स्त्री. राणी।
राब, सं. स्त्री. जूसी विशेष।
राबडी, सं. स्त्री. भोजन विशेष।
रामकहानी, सं. स्त्री. रामायण; लम्बा वृत्तान्त।
रामकेली, सं. स्त्री. रागिणी विशेष।
रामजनी, सं. स्त्री. नाची वेश्या।
रामतुरई, सं. स्त्री. तरकारी विशेष।
रामदुहाई, सं. स्त्री. रामकी किरिया।
रामराम, सं. पुं. प्रणाम विशेष।
रामसर, सं. पुं. काष्ठ विशेष; नरकट विशेष।
रामानन्दी, सं. पुं. बैरागी जो रामके सेवक हैं।
रामावत, सं. पुं. बैरागी जाति विशेष का मत।
राय, सं. पुं. राजा, उपाधि विशेष।
राल, सं. स्त्री. धूना।
राव, सं. पुं. राजकुमार, राय।
रावचाव, सं. पुं. बिलास, आनन्द, दुलार, प्यार; हित, छोह।
रावटी, सं. स्त्री. तम्बू विशेष।
रावत, सं. पुं. बीर, सूर्मा।
रावरा, } सर्व. तुम्हारा।
रावरै, }
राशि, सं. पुं. ढेर; मेषादि बारह।
राश्यन्तर, सं. पुं. एक राशिसे दूसरी राशि।
राष्ट्र, सं. पुं. बसा हुआ देश।
रास, सं. पुं. गोपियोंके साथ श्रीकृष्ण जीकी क्रीडा; पर्व विशेष; राशि। स्त्री. बाग; सन्देसा; लेपालन।
रासचक्र, सं. पुं. लगन मण्डल।
रासी, गु. घोडा जो न भला न बुरा; ऐसा वैसा।
राखा, सं. स्त्री. वृक्षके ऊपर जो जन्मे तृण विशेष, बन्दा।
राहना, स. क्रि. चक्कीमें दाँत बनाना।
* राहु, सं. पुं. आठवाँ ग्रह।
राक्षस, सं. पुं. असुर विशेष, कौणप।
राक्षसी, सं. स्त्री. राक्षसकी स्त्री।
राक्षसीबेला, सं. स्त्री. सन्ध्याके पूर्व तीन मुहूर्त्त।
रिक्त, गु. शून्य, खाली।
रिचा, सं. स्त्री. वेदके मन्त्रका नाम।
रिझवैया, गु. रीझनेहारा।
रिझाना, सं. क्रि. प्रसन्न करना; सताना, दुःख देना।
रिताना, स. क्रि. कूछा वा दूर्गन्ध कराना।
रितु, सं. स्त्री. ऋतु।
रिद्धि, सं. स्त्री. बढती, वृद्धि, सम्पत्ति।
रिपु, सं. पुं. शत्रु।

रिष्टपुष्ट, गु. मोटा, स्थूल।
रिस, सं. स्त्री. कोप, क्रोध, खिसियाहट्।
रिसना, अक. क्रि. धीमे टपकना।
रिसहा, गु. क्रोधी।
रिसाना, रिसियाना, अक. क्रि. अप्रसन्न वा क्रोधित होना, चिडना।
री, अ. रे।
रींगना, अक. क्रि. चलना, जैसे कीडा चलता है, रेंगना।
रींधना, स. क्रि. पकाना।
रीछ, सं. पुं. भालू।
रीज, सं. स्त्री. चाह, इच्छा; सुख, तृप्ति।
रीजना, अक. क्रि. प्रसन्न वा तृप्त होना।
रीठा, सं. पुं. फलविशेष।
रीठी, सं. स्त्री. छोटा रीठा।
रीढ, सं. स्त्री. पीठके बीचकी हड्डी।
रीता, गु. शून्य।
रीति, सं. स्त्री. चाल, चलन, प्रकार।
रीर, सं. पुं. रोर।
रीरियाना, अक. क्रि. लडकेके रीतिसे रोना; कुडकुडाना। स. गिडगिडाना।
रीस, सं. स्त्री. क्रोध।
रुक्, सं. पुं. रोक; उबियाहट्।
रुकना, अक. क्रि. अटकना, बन्द होना, ठहरना।
रुकवैया, सं. पुं. अटकाऊ।
रुकाना, स. क्रि. अटकाव करवाना, छेकवाना।
रुकाव, सं. पुं., रुकावट्, स्त्री. अटकाव, छेंकाव।
रुखाई, सं. स्त्री. घुडकी, तिखाई।
रुग्न, गु. टेढा; रोगी।
रुच, सं. स्त्री. रुचि।
रुचना, अक. क्रि. भाना, अच्छा लगना।
रुचि, सं. स्त्री. भोजनमें प्रवृत्ति; चाहत।
रुण्ड, सं. पुं. सिरबिना देह।
रुदन, सं. पुं. रोदन।
रुद्ध, गु. छेंका, रुका, बँधा।
रुधिर, सं. पुं. रक्त, लोहू।
रुपना, अक. क्रि. डट्ना।
रुपया, सं. पुं. रुपैया।
रुपहरा, गु. रुपेका।
रुपैया, सं. पुं. सोलह आनेकी रुपेकी मुद्रा।
रुलाना, स. क्रि. रोआना।
रुसना, अक. क्रि. रिसना।
रुष्ट, गु. क्रुद्ध, क्रोधित।
रुक्ष, गु. रूखा, रुढा; खरखरा।
रुइया, सं. पुं. रुईका बेपारी।
रुई, सं. स्त्री. जो कपाससे निकलती है।
रूँघट, सं. स्त्री. मैल, मल।
रूँधना, स. क्रि. घेरलेना, अगोरना। अक. रुकना; याकुल वा विस्मित होना।
रूख, सं. पुं. वृक्ष।
रूखड, सं. पुं. जोगी विशेष।
रूखडा, सं. पुं. छोटा वृक्ष।
रूखन, सं. पुं. घलुआ।

रूखा, गु. सूखा; निरा, रूक्ष, स्नेहहीन।
रूखाई, सं. स्त्री. खरखराहट, खराई।
रूखानी, सं. स्त्री. टाँकी, छेनी।
रूखी, सं. स्त्री. चाखर. गिलहरी।
रूचना, अक. क्रि. रुचना।
रूक्ष, गु. रूखा।
रूज, सं. पुं. कीट विशेष।
रूजा, स. गु. जन्तु वा पक्षी जिसको रूज सताता है।
रूठना, अक. क्रि. बिगडना, झगडना।
रूठनी, गु. झगडालू। सं. स्त्री. लजालू।
रूठारूठी, सं. स्त्री. परस्पर बिगाड।
रूढ, गु. कडा, अकडा, कठोर।
रूप, सं. पुं. आकार, मुख, चित्र; ढब, चाल; सुन्दरता।
रूपजस्त, सं. पुं. राँगा।
रूपरस, सं. पुं. रूपा जो जारा गया।
रूपवती, गु. स्त्री. सुन्दर स्त्री।
रूपवान, गु. सुन्दर, सुरूप।
रूपहला, गु. जो रूपेसे बना है।
रूपा, सं. पुं. चाँदी, रजत।
रूपी, गु. आकारवान्।
रूमाल, सं. पुं. अँगोछा, मुख पोछन।
रूमी, सं. पुं. रूमदेशके लोग।
रूमीमस्तकी, सं. स्त्री. औषध विशेष।
रूस्ना, अक. क्रि. रोसना।
रूसी, सं. स्त्री. सिरका मैल।
रे, अ. अरे, हो।
रेंक, सं. स्त्री. गदहेका शब्द।
रेंकना, अक. क्रि. रेंक कर्ना।
रेंगना, अक. क्रि. चलना, जैसे कीडा चलता है।
रेंठ, सं. पुं. रहट; रेंटा।
रेंटा, सं. पुं. पोंटा, सिनक, नेटा।
रेंड, सं. पुं. } एरण्ड।
रेंडी, स्त्री. }
रेंदी, सं. स्त्री. छोटा खरबूजा।
रेख, } सं. स्त्री. लकीर, चिन्ह;
रेखा, } प्रारब्ध; ललाट।
रेणु, सं. स्त्री. धूल।
रेतः, सं. पुं. बीज।
रेत, सं. स्त्री. बालू; चूर।
रेतना, स. क्रि. सोहन कर्ना; ओटना।
रेतल, } गु. जहाँ बहुत रेत
रेतला, } होय।
रेता, सं. पुं. बालू।
रेताई, सं. स्त्री. रेतनेके लिये जो पैसा।
रेतियाना, स. क्रि. रेतना, चिकना कर्ना।
रेती, सं. स्त्री. जिस स्थानपर बहुत रेत है; रेतनेका अस्त्र।
रेतीला, गु. बलूआ, किरकिरा।
रेतूआ, सं. पुं. रेतनेहारा।
रेफ, सं. पुं. रकारके आगेका वर्ण।
रेलना, स. क्रि. ठेलना, ढकेलना, पेलना।

रेलपेल, सं. स्त्री. बझतात, सरसाई ; भीड, धूमधाम।
रेला, सं. पुं. आहला, बाढ ; पशुओंकी पाँती ; ढकेल, पेला, झपट, ठेला।
रेवडी, सं. स्त्री. तिल संयुक्त मिठाई विशेष।
* रेवती, सं. स्त्री. सताईसवाँ नक्षत्र।
रेवन्चीनी, } सं. स्त्री. औषधि विशेष।
रेवन्द, }
रेह, सं. स्त्री. ऊषर भूमिकी मिट्टी।
रेहडू, सं. पुं. लढिया।
रेही, सं. स्त्री. रेह।
रैँकना, अक. क्रि. रेकना।
रैन, सं. स्त्री. रात।
रोआई, सं. स्त्री. बिलाप, हाहाकार।
रोआना, स. क्रि. रोलाना, सताना, कुढाना।
रोआँ, सं. पुं. रोम।
रोँगटी, } सं. स्त्री. झगडा ; ठग विद्या, छल।
रोँटगी, }
रोँटना, स. क्रि. मुकरना।
रोँपना, स. क्रि. लगाना, जमाना, गाडना।
रोक, सं. स्त्री. टोक, अटक, विघ्न ; रोकड।
रोकड, सं. स्त्री. वस्त मोललेके तत्काल दामदेना, जो रुपया अपने पास हो ; नगद ; दिन दिनके खरचकी बही।
रोकडिया, सं. पुं. रोकडका रखनेहारा।
रोकन, सं. स्त्री. ओट, आड।
रोकना, स. क्रि. घेरलेना, थामना, छेंकना, अटकाना ; बात काटना।
रोकू, सं. पुं. रोकनेहारा।
रोग, सं. पुं. व्याधि, दुःख।
रोगिया, } गु. व्याधी, दुःखी।
रोगी, }
रोचक, सं. पुं. रुचिको जो जन्मावे, पाचक।
रोचना, सं. पुं. गोरोचन।
रोज, } सं. पुं. बिलाप।
रोजडा, }
रोझ, सं. पुं. नीलगाव।
रोट, } सं. पुं. मोटीरोटी ; हनुमान जीकेलिये मीठीरोटीका नैवेद्य।
रोटा, }
रोटी, सं. स्त्री. गेंहू आदिके चूनकी तवेपर वा तन्दूरमें जो खानेके लिये बनती है।
रोडा, सं. पुं. बडा कङ्कर।
रोदन, सं. पुं. रोआई ; आँसू।
रोध, सं. पुं. तट, तीर, रोक।
रोना, अक. क्रि. आँसूडबडवाना वा गिराना, बिलाप करना ; उदास होना। सं. पुं. बिलाप, रोदन ; शोक रोनेहारा।
रोपक, सं. पुं. जो वृक्षादिको रोपण करे।
रोपण, सं. पुं. वृक्षादिको लगाना।
रोपना, स. क्रि. रोँपना ; रोकना।

रोमकूप, सं. पुं. रोमका जड्।
रोमाञ्च, सं. पुं. रोमका खडा होना।
रोलना, स. क्रि. रन्दाकर्ना, चिकनाना; चुन्ना।
रोली, सं. स्त्री. चावल हलदी और फिटकरीकी मिलौनी जिस्का लाल तिलक बनताहै।
रोवना, अक. क्रि. रोना।
रोष, सं. पुं. क्रोध।
रोसना, अक. क्रि. रूठना।
रोहट, सं. स्त्री. रोदन।
* रोहिणी, सं. स्त्री. चौथा नक्षत्र।
रोहित, रोहू, } सं. स्त्री. मत्स्यविशेष।
रौंदना, रौंधना, } स. क्रि. पाँवसे खूँदना वा मींजना वा मसलना, खुँदलना।
रौद्र, सं. पुं. झाँझ, क्रोध; धूप। गु. भयानक।
रौर, सं. पुं. रौला; जस।
रौरव, सं. पुं. नरकका खण्ड विशेष।
रौला, सं. पुं. धूमधाम, बखेडा, ऊधम, दङ्गा।

ल

ल, देवनागरी वर्णमालाके हल वर्णोंमेंका अट्ठाईसवाँ अक्षर।
लकड, सं. पुं. काष्ठ, लठ्।
लकडहारा, सं. पुं. लकडी चीरनेहारा, वा बेंचनेहारा।
लकडा, सं. पुं. गिरिर; लकडीका बडा टुकडा।
लकडी, सं. पुं. काष्ठ, लाठी, इन्धन। गु. कडा।
लकीर, सं. स्त्री. रेखा, डँडीर, धारी।
लकुट, सं. पुं. छडी, लाठी।
लखना, स. क्रि. देखना; समझना।
लखपति, गु. धनी, भाग्यवान्।
लखलखाना, अक. क्रि. हफाहफाना।
लखलुट, गु. उडाऊ।
लखा, सं. पुं. लाखों।
लखाऊ, गु. जनाऊ।
लखिया, सं. पुं. देखनेहारा।
लखेरा, सं. पुं. लहेरा, लाखचढानेहारा।
लखौटा, गु. जो लाखसे लपेटा गया।
लग, अ. तक, पर्य्यन्त; समीप।
लगचलना, अक. क्रि. साथ, साथ चलना, जिगिजिगि कर्ना।
लगड, सं. पुं. पक्षी विशेष।
लगन, सं. स्त्री. लग्न।
लगना, अक. क्रि. होना; सोहना, फबना; स्पर्श होना, भिडना, मिलना।
लगभग, अ. आसपास, निकट।
लगातार, गु. एकपर एक, ताबडतोड, बारबार।
लगान, सं. पुं. उतरने वा बास कर्नेका स्थान।

लगाना, स. क्रि. भिडाना, मिलाना; बन्द करना; लेसना; बाधना।
लगाव, सं. पुं. गठाव; मेल, सम्बन्ध।
लगावट्, सं. स्त्री. मेल।
लगुड, सं. पुं. लाठी।
लगूआ, सं. पुं. यार, धगड्।
लग्गा, सं. पुं. खेह, माया, बडा-बाँस।
लग्गी, सं. स्त्री. छोटा बाँस, लाठी।
लग्न, सं. स्त्री. निमिष, पल; राशिका उदयकाल; प्रेम, मित्रता; विवाहका दिन ठहराना।
लघु, सं. पुं. छोटा; ह्रस अक्षर; हलका।
लघुता, सं. स्त्री. छोटाई, हलकापन।
लङ्क, सं. पुं. ढेर, बहुत; कटि।
लङ्कना, सं. पुं. लम्बा, चौगडा।
लङ्ग, } गु. पङ्गु, अपाहज।
लङ्गडा, }
लङ्गडाना, अक. क्रि. लङ्गकर्ना।
लङ्गर, सं. पुं. नौकादिके ठहरानेके लिये बडा भारी लोह विशेष।
लङ्गरी, सं. स्त्री. थाली।
लङ्गूचा. सं. पुं. खानेकी वस्तु विशेष।
* लङ्गूर, सं. पुं. वानर विशेष।
लङ्गोट, } सं. पुं. काछ बाँधनेके लिये छोटा वस्त्र, कोपीन।
लङ्गोटा, }
लङ्गोटिया, सं. पुं. जो लडकाईका मित्र है।
लङ्गोटी, सं. स्त्री. लङ्गोट।
लङ्घन, सं. पुं. उपास, कडाका; उछलना।
लङ्घना, अक. क्रि. उछलना, फाँदना; बीतना।
लङ्घनी, सं. स्त्री. उपास।
लचक, सं. स्त्री. चिमडाहट।
लचकना, अक. क्रि. टेढा होना।
लचका, सं. पुं. धक्का, झोंक; नाव विशेष।
लचकाना, स. क्रि. धक्का देना, झोकना।
लचना, अक. क्रि. टेढा होना।
लचलचाना, अक. क्रि. लजलजा होना; चिमडा होना।
लचर, सं. पुं. अनाडी।
लचाना, स. क्रि. टेढा कर्ना।
लच्छा, सं. पुं. फेंटी।
लछन, सं. पुं. लक्षण।
लजलजा, गु. लसलसा, चिपचिपा।
लजलजाना, अक. क्रि. पिलपिला होना।
लजवाना, स. क्रि. सङ्कोच कर्वाना।
लजाना, अक. क्रि. सकोचना, लज्जित होना।
लजालू. सं. पुं. लज्जावन्ती, पौधा विशेष। गु. सङ्कोची।
लजियाना, अक. क्रि. लजाना।
लजीला, गु. लाजवन्त, सङ्कोची।
लज्जा, सं. स्त्री. लाज, सङ्कोच।

लज्जामान, } गु. सङ्कोचित, लाज-
लज्जित, } युक्त।
लट, सं. स्त्री. केश जो उलझ गया है।
लटक, सं. पुं. हिलग; झाँवलीका प्रकार विशेष।
लटकन, सं. पुं. गहना विशेष; जो कुछ लटकता है; फल विशेष; पक्षी विशेष; घरोंची।
लटकना, अक. क्रि. हिलगना।
लटका, सं. पुं. टोना, झाडफूक, टोटका, चुटकुला।
लटकाना, स. क्रि. हिलगाना, टाँगना।
लटकाव, सं. पुं. टंगाव।
लटपटा, गु. चञ्चल, खिलाड, पगडी जो अनरीतिसे बाँधी है।
लटपटाना, अक. क्रि. लडखडाना, ठोकर खाना।
लटपटी, सं. स्त्री. ठोकराहा।
लटा, गु. दुर्बल, दुबला, पतला।
लटाई, सं. स्त्री. परेतो, चर्खी।
लटपटा, सं. पुं. अटाला, सामग्री।
लटूरिया, } सं. स्त्री. छोटेकेश जि-
लटूरी, } नमें लट पड गई।
लटोरा, सं. पुं. पक्षी विशेष।
लट्टू, सं. पुं. भौंरा, बङ्गो।
लट्टूहोना, अक. क्रि. किसू पर मोहित होना।
लठ, सं. पुं. सोंटा, लाठी।
लठालठी, सं. स्त्री. परस्पर लाठीकी लडाई।
लठियाना, स. क्रि. लाठालाठी कर्ना, पीटना।
लड्डर, गु. ढीला, ठग्डा।
लड, सं. स्त्री. लडी, पाँती पर्त; पञ्च, जघा।
लडकपन, सं. पुं. लडकाई।
लडकबुद्धि, सं. स्त्री. चिबिल्लापन, लडके का सा।
लडका, सं. पुं. बालक।
लडकाई, सं. स्त्री. } बालपन।
लडकापन, पुं. }
लडखडाना, अक. क्रि. डगमगाना, लडबडाना।
लडना, अक. क्रि. झगडना, युद्ध कर्ना।
लडबडाना, अक. क्रि. लडखडाना।
लडाई, सं. स्त्री. युद्ध, झगडा।
लडाक, } गु. झगडालू।
लडाका, }
लडाना, स. क्रि. लडाई वा युद्ध कर्वाना; लाड कर्ना।
लडियाना, स. क्रि. पिरोना, गूथना।
लडी, सं. स्त्री. मोतियोंकी पाँती।
लड्डू, सं. पुं. मोदक।
लढा, सं. पुं. } छकडा, रद्दू।
लढिया, सं. स्त्री. }
लढी, सं. स्त्री. छोटा छकडा।
लण्ठ, गु. मूर्ख।
लण्ड, सं. पुं. लिङ्ग, लौडा।
लण्डूरा, गु. लुण्डा, बाँडा; बन्धुहीन, अनाथ।
लत, सं. स्त्री. बुरीचाल।

लतरी, सं. स्त्री. पुरानी जूती; दलिहन विशेष।
लता, सं. स्त्री. बेल, दाखका वृक्ष।
लताडना, स. क्रि. दौडधूप करवाना; हलका करना, तुच्छ करना।
लतिका, सं. स्त्री. लता।
लतिया, गु. जिसको चाल बुरी है।
लतियाना, स. क्रि. लातसे मारना।
लत्ता, सं. पुं. पुराना कपडा, चीथडा।
लत्ती, सं. स्त्री. लट्टूकी डोरी; तैरनेमें जो लात।
लथडना, अक. क्रि. कीचडसे भीगजाना।
लथेडना, स. क्रि. कीचडसे भिगादेना।
लदना, अक. क्रि. बोझेल वा भरा होना।
लदाना, स. क्रि. बोझना, भरना, लादना।
लदाव, सं. पुं. बोझ, मोठ, लाद।
लप, सं. स्त्री. मुट्ठीभर; हथेली।
लपक, सं. स्त्री. चटक, भभक, झलक; झपट।
लपकना, अक. क्रि. लहकना, भभकना, चमकना; झपटना, झपकना।
लपका, सं. पुं. झपट; फुर्त; बुरीचाल।
लपकाना, स. क्रि किसी वस्तुको लेनेके लिये हाथ बढाना।
लपकी, सं. स्त्री. तेपची, टाँका।
लपची, सं. स्त्री. मछली विशेष।
लपझप, गु. फुर्तीला, चञ्चल।
लपट, सं. स्त्री. सुगन्ध, महक, दहक।
लपटा, सं. पुं. जूसो विशेष; सम्बन्ध; घास विशेष।
लपटी, सं. स्त्री. लुपरी।
लपलप, सं. गु. लपझप।
लपाटिया, सं. पुं. मिथ्यावादी, झूठा।
लपाटी, सं. स्त्री. मिथ्या, झूठमूठ।
लपेट्, सं. स्त्री. पत्त, लड, लपेटन।
लपेटझपेट्, सं. स्त्री. घेलघुमाव्, टाला।
लपेटन, सं. स्त्री. बेठन।
लपेट्ना, स. क्रि. बाँधना, बेठन लगाना; लीपना।
लपेट्वाँ, गु. जो लपेटा गया।
लप्पा, सं. पुं. कपडा जो बादलेसे बिना है।
लबडचटाई, सं. स्त्री. चूँची लडकेको देना, जब इसमें कुछ दूध नहीं है।
लबडसबड्, सं. पुं. बकझक, झूठ सच।
लबडा, सं. पुं. झूठा, बक्की।
लबनी, सं. स्त्री. मिट्टीका पात्र जिसमें ताडी चुआते हैं।
लबलब, सं. पुं. पपरी।
लबलबा, गु. चिपचिपा, लजलजा।
लबार, सं. पुं. झूठा, गप्पी।
लबी, सं. स्त्री. इक्षुका रस जब चीनी बनानेके लिये पकाते हैं।
लबेदा, सं. पुं. लठ विशेष।

लबेरा, सं. पुं. फल विशेष।
लब्ध, गु. प्राप्त, उपार्जित।
लभ्य, गु. मिलनहार, पानेके योग्य।
लमछडा, गु. ऊँचा, लम्बा।
लम्पट, गु. झूठा, असत्य, खैरग्ग, परस्त्रीगामी, कुटखेला।
लम्बा, गु. ऊँचा, दीर्घ।
लम्बाई, सं. स्त्री. } ऊँचाई, दीर्घपन।
लम्बान, सं. पुं. }
लम्बाना, स. क्रि. लम्बा कर्ना, बढाना।
लम्बित, गु. जो लटकाया गया।
लम्बियाँकर्ना, अक. क्रि. कलोलकर्ना, कदकना।
लम्बोसाँसभर्ना, अक. क्रि. रोना, बिलापकर्ना।
लम्बू, गु. लम्बा।
लम्भा, सं. पुं. चैागडा, ससा।
लय, सं. पुं. टेर, ताल, स्वर; अत्यन्त स्नेह; विनाश।
लर्छा, सं. पुं. फेटी, आँटी।
ललक, सं. स्त्री. लहर, तरङ्ग।
ललकना, अक. क्रि. चढना, धावाकर्ना।
ललकाना, स. क्रि. झगडा उठाना, लडाना।
ललकार, सं. स्त्री. हाँक, पुकार।
ललकार्ना, स. क्रि. पुकार्ना, हाँकना. लडाई माँगना।
ललगण्डा, सं. पुं. वानर।
ललगण्डी, सं. स्त्री. वानरकी स्त्री।
ललचाना, अक. क्रि. तरसना, जी लगा रहना। स. तरसाना।
ललना, सं. स्त्री. स्त्री; खिलार स्त्री।
लला, सं. पुं. छोकरा, लैांडा।
ललाट, सं. पुं. कपाल, माथा; प्रारब्ध।
ललित, सं. स्त्री. रागिनी विशेष। गु. सुन्दर।
ललिता, सं. स्त्री. स्त्री; अटखेल।
ललियाना, स. क्रि. फुसलाना, बहलाना, गिडगिडाना; तमतमाना।
लली, सं. स्त्री. छोकरी, लैांडी। गु. नपुंसक, ढोला।
लल्लोपत्तो, सं. पुं. चापलूसी।
लव, सं. पुं. अंश; क्षण।
लवङ्ग, सं. पुं. लैांग, वृक्ष विशेष।
लवण, सं. पुं. लोन।
लवणाम्बु, सं. पुं. समुद्र, खारा पानी।
लवा, सं. पुं. बटेर विशेष।
लशटम्पशटं, गु. उलटापुलटा।
लशुन, सं. पुं. लहसन।
लस, सं. पुं. चिपचिपाहट।
लसकना, अक. क्रि. लजलजा हो जाना, गीला होजाना।
लसना, अक. क्रि. सोहना, सजना, फबना; चमकना।
लसलसा, गु. लजलजा, चिपचिपा।
लसलसाना, अक. क्रि. लसलसा होना।
लसित, गु. लक्षित, साक्षात।
लसियाना, अ. क्रि. लसलसाहोना।
लसोडा, सं. पुं. फल विशेष जिस्में बडी लस है।

लस्सी, सं. स्त्री. दूध और पानी।
लहंगा, सं. पुं. घघरा, फरिया।
लहक, सं. स्त्री. चमक, झलक।
लहकना, अक. क्रि. चमकना, झलकना. गिटकरीलेना, हिलना; झूमना, जैसे वृक्ष वायुसे।
लहकाना, स. क्रि. गिटकरीसे गाना; चमकाना; दहकाना।
लहकार्ना, स. क्रि. चुमकार्ना, पीठ पर हाथ फेर्ना।
लहकावट्, सं. स्त्री. चमकाहट्।
लहकीला, गु. चमकीला।
लहकौवर, सं. पुं. खीर जो दुल्हा दुल्हिन खाते हैं।
लहना, स. क्रि. पाना, खाना। अक. क्रि. फलना. कामआना। सं. पुं. उधार, धर्त्ता, प्रारब्ध।
लहबर, सं. पुं. तोता।
लहबेरा, सं. पुं. पौधा विशेष।
लहर, सं. स्त्री. तरङ्ग; हिलोरा; सर्पके बिषसे जो फल होय।
लहरबहर, सं. स्त्री. सुभाग, सम्पत्ति।
लहराना, अक. क्रि. ललचाना; हिलकोर्ना।
लहरालगाना, स. क्रि. टालना, उडानघाई कर्ना।
लहरिया, गु. जो लहरके रीत पर है।
लहरी, गु. तरङ्गी, तरल, ओछा।
लहलहा, गु. विकसित, प्रफुल्लित।
लहलहाना, अ. क्रि. खिलना, फूलना।
लहलोट, गु. जो उधार लेके कभी नहीं भर देता।
लहसन, सं. पुं. कन्द विशेष।
लहसनिया, सं. पुं. रत्न विशेष।
लहास, } सं. स्त्री. नाव बाँधनेकी
लहासी, } रस्सी।
लहू, सं. पुं. लोहू।
लहूआ, सं. पुं. पौधा विशेष।
लहौरी, गु. जो लहौरकाहै।
लक्ष, सं. पुं. सौ हजार; शर निक्षेपका उद्देश।
लक्षण, सं. पुं. चिह्न।
लक्षित, गु. प्रकाशित।
* लक्ष्मी, सं. स्त्री. सम्पत्ति, धन; सुन्दरता, भडक।
लक्ष्य, सं. गु. पुं. जो देखा जाय।
लाई, सं. स्त्री. धानके लावेका लड्डू।
लाँघना, स. क्रि. फाँदना।
लाख, सं. पुं. लक्ष; लाह, लाक्षा जिस्से चूडीआदि बनाते हैं।
लाखना, स. क्रि. लाख लगाना।
लाखी, सं. स्त्री. लालरङ्ग जो लाखसे निकालते हैं।
लाग, सं. पुं. वैर, शत्रुता, द्वेष; नेह, छोह; भाव, मोल; भेद; नगचाई।
लागत, सं. स्त्री. मोल, दाम।
लागना, अक. क्रि. लगना।
लागी, सं. स्त्री. चाँद; नेह, छोह।
लागू, गु. चाहनेहारा, पिछलगा।
लाघव, सं. पुं. आरोग, क्षेमकुशल; हलकाई, सूक्ष्मता।
लाङ्गल, सं. पुं. हल।

लाङ्गूल, सं. पुं. लोमी पुच्छ।
लाज, सं. स्त्री. लज्जा, सङ्कोच।
लाजवन्त, गु. लजीला, सङ्कोची, कुलवन्ती।
लाजा, सं. स्त्री. खीला।
लाक्षा, सं. पुं. लस।
लाट, }
लाठ, } सं. स्त्री. स्तम्भ, खम्भा।
लाठी, सं. स्त्री. लकडी, छडी।
लाड, सं. पुं. दुलार, अलोल।
लाडला, गु. दुलारा।
लाडू, सं. पुं. लड्डू।
लात, सं. स्त्री. पाँवकी मार।
लातिन, सं. स्त्री. भाषा विशेष।
लाद, सं. स्त्री. बोझ।
लादना, स. क्रि. बोझना।
लादिया, सं. पुं. बोझनेहारा।
लादी, सं. स्त्री. छोटीलाद, धोबीके कपडोंकी गठरी।
लादू. गु. जो लादनेके योग्य।
लाना, स. क्रि. लेआना; जनाना, व्याना, उपजाना।
लाफना, अक. क्रि. कूदना. उचकना।
लाभ, सं. पुं. प्राप्ति, उपार्जन, फल।
लार, सं. स्त्री. राल, थूक।
लाल, गु. दुलारा, प्रिय; रक्तवर्ण। सं. पुं. बालक; रत्न विशेष।
लालच, सं. पुं. लोभ, तृष्णा, आपस्वार्थ।
लालची, गु. लोभी, आपस्वार्थी।
लालडी, सं. स्त्री. मानिक, चुन्नी।
लालन, सं. स्त्री. ललना।
लालबुझक्कड, सं. पुं. मूर्ख जो अपने तईं ज्ञानवान् जाने।
लालसा, सं. स्त्री. इच्छा, चाह, तीक्ष्ण, चाहत।
लाला, सं. पुं. वैश्यादिकोंकी पदवी, कायस्थ जाति जो लडकोंको पढाते हैं।
लालाटिक, सं. पुं. प्रारब्धाधीन।
लालित्य, सं. पुं. मनोहरता, कोमलता।
लाव, सं. पुं. रस्सी; लहास।
लावण्य, सं. पुं. सुन्दरता।
लावलाव, सं. पुं. लालच।
लावसाव, सं. पुं. लाभ।
लावा, सं. पुं. खील।
लावालुत्रा, सं. पुं. लुत्रा।
लासा, सं. पुं. चेप, वस्तु जिसमें लस है; पौधाका दूध; सरेस।
लाह, सं. पुं. कपडा विशेष, लाभ, क्षेम कुशल; लाख।
लाहा, सं. पुं. लाभ।
लाही, सं. स्त्री. पौधा विशेष; मिहीन कपडा विशेष।
लाक्षा, सं. स्त्री. लाख, जतु।
लिखत, }
लिखतङ्ग, } सं. पुं. चिट्ठी, पत्र।
लिखना, स. क्रि. लेख वा लिखाई करना।
लिखनी, सं. स्त्री. लेखनी, कलम।
लिखनीदास, सं. पुं. लेखक, वा उपलेखक।
लिखलेना, स. क्रि. उतारलेना।
लिखा, सं. पुं. प्रारब्ध, होतव्य।

लिखाई, सं. स्त्री. लिखनेका दाम वा काम।
लिखाना, स. क्रि. लेख कवाना।
लिखाव, सं. पुं. } लिखनेका काम।
लिखावट, स्त्री. }
लिखित, गु. जो लिखा गया।
लिङ्ग, सं. पुं. लौडा, इन्द्री, लण्ड;
लिचु, सं. पुं. फल विशेष।
लिजडी, सं. स्त्री. छल, खेरी, पोतडी।
लिटाना, स. क्रि. सोलाना।
लिट्टी, सं. स्त्री. टिकिया, अंगाकडी, बाटी, घीडालके छोटीरोटी जो कोयलोंपर बनाते हैं।
लिथडना, अक. क्रि. लथडना।
लिथाडना, स. क्रि. लथेडना।
लिपटना, अक. क्रि. चिपकना, चिमट्ना, सट्ना।
लिप्टाना, स. क्रि. सटाना, लगाना।
लियडी, सं. स्त्री. बहुत दिनकी पगडी।
लिपवाना, स. क्रि. पोतवाना।
लिपि, सं. स्त्री. हस्ताक्षर, लिखा पत्र, लिखावट्।
लिपिकर, सं. पुं. लेखक।
लिप्त, गु. जो लीपा गया।
लिम, सं. स्त्री. कलङ्क; धांसा, चिह्न, पहिचान्।
लिये, अ. निमित्त, कारण, सन्ते।
लिवाना, स. क्रि. ग्रहण कवीना।
लिवालाना, स. क्रि. लेकेआना, बुलालाना।
लिवैया, सं. पुं. लेवैया।
लिसौडा, सं. पुं. लसोडा।
लिहाडा, गु. नीच, कुत्सित।
लीक, सं. स्त्री. गाडीके पैयोंका चिन्ह; पगडण्डी; कलङ्क।
लीख, सं. स्त्री. माथेमें की छोटी जूं।
लीचड, गु. कृपण, कंजूस, सूम।
लीची, सं. स्त्री. फल विशेष।
लीजी, सं. स्त्री. गाद, तरछट।
लीतरा, सं पुं. पुराना जूता।
लीद, सं. स्त्री. घोडेकी विष्ठा।
लीन्, गु. तन्मय, डूबित, मिला-ऊआ।
लीपना, स. क्रि. पोतना, लेसना।
लीम, सं. पुं. सन्धि, मेल, मिलाप।
लीमू, सं. पुं. नींबू।
लीर, सं. स्त्री. चिट, धज्जी।
लील, सं. स्त्री. नील। गु. नीला।
लीलकण्ठ, सं. पुं. नीलकण्ठ।
लीलना, स. क्रि. निगलना, घूंटना।
लीला, सं. स्त्री. क्रीडा, बिहार। गु. नीलवर्ण।
लीलावती, सं. स्त्री. गणितका पुस्तक विशेष।
लुक, सं. पुं. गिर्नेका तारा।
लुकना, अक. क्रि. छिपना।
लुका, गु. गुप्त।
लुकाञ्जन, सं. पुं. अञ्जन विशेष जिस्के लगानेसे मनुष्य अदृश्य हो जाय।
लुकाना, } स. क्रि. छिपाना, गुप्त
लुकावना, } कवीना।

लुगाई, सं. स्त्री. स्त्री।
लुच, गु. निरा, नग्न।
लुचई, सं. स्त्री. पूरी विशेष।
लुचपन, सं. स्त्री. नष्टता।
लुच्चा, सं. पुं. जो लुचपन कर्ता है, कुकर्मी।
लुजलुजा, गु. लज्लजा।
लुञ्जा, गु. हाथोंसे हीन, लूला।
लुटना, अक. क्रि. लूट होना।
लुटवैया, सं. पुं. लुटेरा।
लुटाना, स. क्रि. गंवाना, उडाना; लूट कर्वाना।
लुटिया, सं. स्त्री. छोटा लोटा।
लुटेरा, } सं. पुं. लूट कर्नेहारा,
लुटेरू, } उडाऊ, लखलूट।
लुट्टस, सं. पुं. लूट, बिगाड्, सत्यानाश।
लुडका, सं. पुं. कानका गहना विशेष।
लुडखना, } अक. क्रि. ढमलाना, निक-
लुढकना, } लजाना, गिर पडना,
लुढना, } ढुलना।
लुढाना, स. क्रि. उगराना; गिरादेना।
लुढिया, सं. पुं. लोढा।
लुढियाना, स. क्रि. कपडेको खडा कर्के दूसरेबेर सीना।
लुण्डा, गु. बाँडा, पुच्छहीन।
लुतरा, सं. पुं. लण्डधरवा, बडबडिया, इधरका उधर उधरका इधर कहनेहारा।
लुपरी, सं. स्त्री. भोजन विशेष।
लुपलुप, सं. पुं. चभडचभड्।
लुप्त, गु. गुप्त; लूट।
लुब्ध, गु. लोभी।
लुब्धक, सं. पुं. बधिक; लुच्चा, लम्पट।
लुभाना, स. क्रि. ललचाना।
लुहण्डा, सं. पुं. लोहेका पात्र विशेष।
लुहरा, सं. पुं. छोटा।
लुहाँगी, सं. स्त्री. लाठी जिसमें लोहा लगा रहता है।
लुहार, सं. पुं. लोहकार।
लुहारिन, सं. स्त्री. लोहकारकी स्त्री।
लू, सं. स्त्री. ज्येष्ठ वैशाखकी गरम वायु।
लूआट, गु. लूकट।
लूक, सं. स्त्री. लू।
लूकट्, गु. अधजला।
लूकटी, सं. स्त्री. कुरेलनी।
लूकना, अक. क्रि. लूहसे भूलसना।
लूकवाइ, सं. स्त्री. अगवाही।
लूका, सं. स्त्री. जलती रूई वस्तु जो वायु लुकवाईसे उडाता है।
लूख, सं. स्त्री. आँच, लूका।
लूट, सं. स्त्री. जो वस्तु बरबससे छीन लेता है।
लूटना, स. क्रि. बरबससे छीन लेना; उडाना, गँवाना।
लूटालूट, सं. स्त्री. लूटनेका काम।
लून, सं. पुं. लवण।
लूनिया, सं. पुं. लोनका बनानेहारा; बनियेकी जाति विशेष। गु. लोना।

लूनी, सं. स्त्री. मखन ; लोना।
लूला, गु. टुंडा।
लूह, सं. स्त्री. लू।
ले, अ. तलक, लग ; से।
लेई, सं. स्त्री. अहार।
लेँडी, सं. स्त्री. मेंगनी, बकरीकी विष्ठा।
लेँढा, सं. पुं. गेरूई।
लेख, सं. पुं. लिखना।
लेखक, सं. पुं. लिपिकर, लिखनेहारा।
लेखकी, सं. स्त्री. लेखक का काम।
लेखन, सं. पुं. लिपि, लिखाई।
लेखनी, सं. स्त्री. कलम।
लेखा, सं. पुं. गिन्ती, हिसाब।
लेख्य, सं. पुं. चिट्ठी।
लेजाना, स. क्रि. ढोना, लेभागना; हाथ् जोडना ; जीतना।
लेट्, सं. पुं. चूनादिवस्तु भीत पर लगानेके लिये।
लेटना, अक. क्रि. सोना, पडना।
लेनदेन, सं. पुं. व्यवहार, व्यापार।
लेना, स. क्रि. ग्रहणकर्ना, पकडना; चुन्ना।
लेप, सं. पुं. लेट् ; शरीरमें लगानेके लिये औषध विशेष।
लेपडना, स. क्रि. सङ्ग पडना, मैथुन कर्ना ; अपने कलङ्कसे दूसरेको फसाना।
लेपना, स. क्रि. पोतना।
लेपालक, सं. पुं. धर्मबेटा, पोष्यपुत्र।
लेपालना, स. क्रि. बेटा कर लेना, पोष्यपुत्र कर्ना।
लेमनी, अक. क्रि. कलङ्क लगाना।
लेरखना, स. क्रि. सिद्ध कर्के रखना।
लेरहना, अक. क्रि. ठगना, चोरीकर्ना।
लेरू, लेरुआ, } सं. पुं. बछरू।
लेला, सं. पुं. भेडीका बच्चा।
लेलूट, गु. लहलोट।
लेलेना, स. क्रि. ग्रहण कर्ना, छीनलेना।
लेव, सं. पुं. भीतकी पपडी जो गिर्नेके योग्य है।
लेवा, सं. पुं. लेनेहारा ; घन खीरी ; रसोई पकानेके बर्तनोंपर जो राख वा मिट्टी लगाते हैं।
लेवादेई, सं. स्त्री. लेनदेन।
लेवार, सं. पुं. गीलीमिट्टी जो भीत पर लगाते हैं।
लेवास, सं. पुं. लट।
लेवैया, सं. पुं. लेनेहारा।
लेश, गु. छोटा, थोडा। सं. पुं. छोटाई।
लेसना, स. क्रि. लीपना, पोतना ; सुलगाना ; बालना ; झगडा उठाना।
लेसालेस, सं. पुं. लीपालीप।
लेहन, सं. पुं. चाटना।
लेहना, सं. पुं. चारा
लेह्य, सं. पुं. अमृत। गु. जो चाटनेके योग्य।

लैस, गु. सिद्ध, मोलिया। सं. पुं. सिक्का विशेष, तुक्का।
लोई, सं. स्त्री. कम्मल; मुखकी चमकाहट; गूँधन, आटेका पेडा।
लों, अ. तलक, तक।
लोंदा, सं. पुं. ढेला, पिण्डा।
लोक, सं. पुं. लोग, मनुष्य; भुवन, द्वीप।
लोकना, स. क्रि. पकडना, रोचना।
लोकपाल, सं. पुं. लोकका पालनेहारा, राजा; दिक्पाल।
लोकसंख्या, सं. स्त्री. मनुष्योंकी गिन्ती।
लोखर, सं. पुं. हथियार; लोहेका पुराना पात्र।
लोग, सं. पुं. मनुष्य।
लोगाई, सं. स्त्री. स्त्री, नारी।
लोचन, सं. पुं. नेत्र।
लोटन, सं. पुं. पटकन; मछलिया; झाड विशेष।
लोटना, अक. क्रि. पटकना, तले ऊपर कर्ना, छट्पटाना, तलफना।
लोटपोट, गु. जो लोटता, चैन रहित, जो तलफ गया।
लोटा, सं. पुं. जलपात्र विशेष।
लोढा, सं. पुं. सिलपरका बट्टा।
लोथ, सं. स्त्री. मूआ शरीर, मृतक, शव।
लोथरा, सं. पुं. } मासका टुकडा।
लोथरी, स्त्री. }
लोथा, सं. पुं. बोरा, गोन।
लोथी, सं. स्त्री. लाठी।
लोदी, सं. पुं. जाति विशेष।
लोध, सं. पुं. वृक्ष विशेष।
लोधा, सं. पुं. जाति विशेष, किसान्।
लोधिया, सं. पुं. जाति विशेष।
लोन, सं. पुं. लवण।
लोना, गु. खारा। सं. पुं. फल विशेष; पौधा विशेष; लवण जो भीतसे गिर्ता है।
लोनार, सं. पुं. खारी भूमि; खलाडी, स्थान जिस्में लवण बनाते हैं।
लोप, गु. अदृश्य, चम्पत, अगोचर, गुप्त।
लोपडी, सं. स्त्री. गीली वस्तुका लोंदा; लेप विशेष।
लोबान, सं. पुं. सुगन्ध द्रव्य विशेष।
लोबिया, सं. पुं. फली विशेष जिसकी तरकारी बनाते हैं।
लोभ, सं. पुं. लालच; परीक्षा।
लोभना, अक. क्रि. मोहित होना।
लोभी, गु. लालची।
लोम, सं. पुं. रोम; कूत।
लोमडी, सं. स्त्री. जङ्गली जन्तु विशेष।
लोयन, सं. पुं. लोचन।
लोर, सं. पुं. लोलक; आँसू।
लोल, सं. पुं. आँसू, आँखका पानी; लहर, टेम। गु. चञ्चल, कम्पाहा।
लोलक, सं. पुं. कानका भूषण विशेष।
लोलुप, गु. अत्यन्त लोभी।

लोष्ट, सं. पुं. ढेला।
लोहचून, } सं. पुं. लोहेका चूर।
लोहचूर, }
लोहण्डा, सं. पुं. लोहेका पात्र।
लोहसार, सं. स्त्री. लोहेकी खान।
लोहा, सं. पुं. धातु विशेष।
लोहान, गु. लोहूभरा।
लोहानी, सं. पुं. पठान लोगोंकी जाति विशेष।
लोहार, सं. पुं. लोहकार।
लोहारिन, सं. स्त्री. लोहारकी स्त्री।
लोहित, गु. रक्त।
लोहिया, गु. जो लोहेसे बना है।
लोही, सं. स्त्री. कवल, निवाला; रेशमी कपडा विशेष; पोह, अरुण।
लोहू, सं. पुं. रुधिर।
लौं, अ. लों।
लौंग, सं. पुं. लवङ्ग।
लौंडा, सं. पुं. छोकडा; चेला।
लौंडिया, } सं. स्त्री. छोकडी, चेली।
लौंडी, }
लौकना, अक. क्रि. चमकना।
लौका, सं. पुं. कौंधा; बिजली, चमक।
लौकिक, गु. लोकका व्यवहार।
लौकी, सं. स्त्री. पर्वती, लौका।
लौटना, अक. क्रि. उलटना; पलटना।
लौटाना, स. क्रि. उलटाना, पलटाना, फेर देना।
लौडा, सं. पुं. लिङ्ग।
लौह, सं. पुं. लोहा।
लौहार, सं. पुं. लोहार; मूर्छा।
ल्यारी, सं. पुं. भेडिया, ऊण्डार।

व

व, देवनागरी वर्णमालाके हल वर्णोंमेंका उनतीसवाँ अक्षर।
वँश, सं. पुं. सन्तान; बाँस।
वँशलोचन, सं. पुं. वस्तु विशेष, जो बाँसमेंसे निकलती है।
वँशावली, सं. स्त्री. पीढी, वंशकी परिपाटी।
वँशी, सं. स्त्री. मुरली, बाँसरी।
* वक, सं. पुं. बगला।
वकहंस, सं. पुं. पक्षी विशेष।
वकुल, सं. पुं. मौलसरीका वृक्ष।
वक्तव्य, गु. कहनेके योग्य।
वक्ता, सं. पुं. कहनेहारा।
वक्त्र, सं. पुं. मुख।
वक्र, गु. बाँका, टेढा।
वक्रगति, सं. स्त्री. बाँकी वा टेढी चाल।
वक्रता, सं. स्त्री. बाँकापन, टेढाई।
वक्री, गु. टेढा चलनेहारा।
वक्रोक्ति, सं. स्त्री. टेढी बात।
वङ्क, सं. पुं. बाँक, टेढाई।
वङ्की, सं. स्त्री. छुरी।
वङ्ग, सं. पुं. बङ्ग।
वच, सं. पुं. बच, औषधि विशेष।
वचन, सं. पुं. वाक्य, ऋषिवाक्य, कथन।
वज्र, सं. पुं. बिजली।
वञ्चक, सं. पुं. शृगाल; प्रतारक।
वञ्चना, सं. स्त्री. प्रतारणा, ठगाई।

वञ्चित गु. प्रतारित।
वट, सं. पुं. बड।
वटिका, सं. स्त्री. बडी।
वटु, सं. पुं. ब्रह्मचारी, बालक।
* वटुक, सं. पुं. छोकरा ; तरुण।
वडिश, सं. पुं. बँसी, मच्छी मारनेका काँटा।
वणिक, सं. पुं. बनिया।
वत्, अ. जिस् शब्दके परे इस्का प्रयोग होय उस्का अर्थ सादृश्य समझा जाय; जैसे जलवत्, जलके सदृश वस्तु इत्यादि।
वत्स, सं. पुं. शिशु; बछरा; वर्ष।
वत्सतरी, सं. स्त्री. बछिया।
वत्सर, सं. पुं. दोहान, खैला; वर्ष।
वत्सरीय, गु. वर्षका।
वत्सरीयगमन, सं. पुं. सूर्यके चारों ओर ग्रहोंका गमन।
वत्सल, गु. प्रिय, छोही, दयावन्त।
वत्सलता, सं. स्त्री. प्यार, दया।
वदन, सं. पुं. मुख, रूप।
वध, सं. पुं. हत्या, मारामारी।
वधवंश, सं. पुं. वंशकी हत्या।
वधिक, सं. पुं. खेटकी, हत्यारा।
वन, सं. पुं. अरण्य, जङ्गल।
वनचर, सं. पुं. जो बनमें चरे, वानर।
वनमानुष्य, सं. पुं. जङ्गली मनुष्य, वानर जाति विशेष।
वनयात्रा, सं. पुं. व्रजके चौरासी वनकी यात्रा।
वनवास, सं. पुं. बनमेंका बास; जिस्पनको बपौती नहीं मिली।
वनवासी, गु. बनका बसनेहारा।
वनस्पति, सं. पुं. जिस् वृक्षमें फूलके बिना फल लगे।
वनिता, सं. स्त्री. स्त्री, प्यारी।
वनी, सं. स्त्री. छोटा वन।
वनेला, गु. बनका।
वन्दना, सं. स्त्री. स्तुति, नमस्कार।
वन्दनीय, गु. स्तुतिके योग्य।
वन्दा, सं. पुं. पौधा विशेष, अकाशलता।
वन्दी, } सं. पुं. भाट, दसौंधी।
वन्दीजन, }
वन्द्य, गु. स्तुतिके योग्य।
वन्य, गु. बनमें जो होय।
वन्या, सं. स्त्री. जलका बहुतात्; बनका बहुतात्।
वपन, सं. पुं. मुण्डन; बोना; वीर्य।
वपुः, सं. पुं. शरीर।
वप्ता, सं. पुं. बीज बोनेहारा; पिता।
वम, सं. पुं. महादेव जीके स्तुतिका बोधक शब्द।
वमन, सं. पुं. } छर्दि।
वमि, स्त्री. }
वयः, सं. पुं. वयः, जो आयुबीती होय।
वयस्य, सं. पुं. जिन्की आयुर्दा समान है।
वर, सं. पुं. आशिष; पदार्थ; दुल्हा। गु. श्रेष्ठ।
वरदान, सं. पुं. थाहका दान, वाञ्छित दान।

वररहना, अक. क्रि. जयवन्त होना।
वराकट, सं. पुं. कौडी।
* वराह, सं. पुं. शूकर।
वरिष्ठ, गु. अतिश्रेष्ठ।
* वरुण, सं. पुं. वृक्ष विशेष।
वरे, अ. इसपार, और समीप।
वर्ग, सं. पुं. एक जातिका समूह, और एक जातिका अक्षर।
वर्जन, सं. पुं. त्याग, निषेध।
वर्जनीय, गु. जो त्याग कर्नेके योग्य, अयोग्य, कुपात्र।
वर्ज्जित, गु. रहित, निषेध।
वर्ण, सं. पुं. रक्त पीतादि; अक्षर; ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र, वर्णसङ्कर जाति।
वर्णन, सं. पुं. बखान, स्तुति; रङ्ग-देना; लिखाई।
वर्णना, सं. स्त्री. स्तुति।
वर्णमाला, सं. स्त्री. क्रमसे सब अक्षर, ककहरा।
वर्णसङ्कर, सं. पुं. दो वर्णोंसे जो उत्पन्न ऊआ।
वर्णित, गु. जिस्का वर्णन हो चुका है।
वर्त्तन, सं. पुं. जीविका; बासन।
वर्त्तमान, गु. अभीका जो काल।
वर्त्ता, सं. पुं. पटडेपर लिखनेके लिये काठकी कलम।
वर्त्तिका, सं. स्त्री. बटेर; बत्ती।
वर्त्तुल, गु. गोल, गोलाकार।
वर्द्धन, सं. पुं. वृद्धि, बढती।
वर्द्धा, सं. पुं. बैल।
वर्द्धित, गु. बढा ऊआ, फैला ऊआ, जो अधिक ऊआ।
* वर्म्मा, सं. पुं. क्षत्रियोंके नामका उपपद; काष्ठमें छिद्र कर्नेका अस्त्र विशेष।
वर्ली, सं. पुं. नदीका इसपार।
वर्ष, सं. पुं. तीनसौ पैंसठ दिन पन्द्रह घडीका एक वर्ष होता है; वृक्ष; पृथिवीका खण्ड विशेष।
वर्षा, सं. स्त्री. }
वर्षाऋतु, स्त्री. } वर्सात्।
वर्षाकाल, पुं. }
वर्षाशन, सं. पुं. बरसकी जीविका।
वर्ही, सं. पुं. मयूर।
वला, अ. वरे।
वलाका, सं. स्त्री. बगलोंकी पंक्ति।
वलून, सं. पुं. आकाशमें उडनेकी वस्तु, गुब्बारा।
वल्कल, सं. पुं. वृक्षकी छाल।
वल्लभ, गु. सं. पुं. प्रिय; मुहलगा; स्वामी; देखवैया।
वश, सं. पुं. अधीनता, पराक्रम; इच्छा, चाह।
वशीकरण, सं. पुं. अधीन कर्नेकी रीति वा पुस्तक विशेष।
वशीभूत, } गु. जो वशमें हो गया,
वश्य, } हिला, पाला।
वसति, सं. स्त्री. बस्ती, बसनेका स्थान, ग्राम।
वसतिस्थान, सं. पुं. वासस्थान।
वसन, सं. पुं. वस्त्र।
वसन्त, सं. स्त्री. पहिली ऋतु जो फागुनकी पंदरहवीं तिथिसे

वैशाखकी पन्दरहवीं तिथि तक; राग विशेष।
वसन्ती, गु. पीलावर्ण विशेष।
वसवास, सं. पुं. घर, रहनेका स्थान।
वसीत, सं. पुं. मुखिया; वकील, दूत, एलची।
* वसु, सं. पुं. धन।
वसुधा, वसुमती, सं. स्त्री. पृथ्वी।
वस्तु, सं. पुं. द्रव्य, पदार्थ।
वस्तुतः, अ. यथार्थसे।
वस्त्र, सं. पुं. कपडा।
वहला, सं. पुं. धावा, चढाई।
वहाँ, अ. उसस्थानमें, उधर।
वह्नि, सं. स्त्री. अग्नि।
वक्ष, सं. पुं. हृदय, छाती।
वक्षोज, सं. पुं. स्तन, चूंची।
वा, अ. विकल्प; पक्षान्तर। सर्व. उसको।
वाँ, अ. वहाँ।
वाक्, सं. पुं. वाणी, भाषा।
वाक्चातुरी, सं. स्त्री. कहनेकी चतुरता।
वाकयुद्ध, सं. पुं. वाक्यका कलह।
वाक्य, सं. पुं. जितनी बातके कहनेसे पूरा अर्थ समझा जाय तिस्को वाक्य कहते हैं।
वाक्यार्थ, सं. पुं. शब्दका अर्थ।
वागजाल, सं. पुं. वाक्यका समूह।
वाङ्मय, गु. सुवक्ता।
वाचक, सं. पुं. कहनेहारा, बोधक।
वाचनिक, गु. ऋषिवाक्यसे जो लब्ध।
वाचा, सं. स्त्री. बचन, नियम।
वाचालु, गु. बक्की, गप्पी।
वाच्य, सं. पुं. वाक्य। गु कहनेके योग्य।
वाछिडे अ. धन्य, वाहजी।
वाजपेय, सं. पुं. यज्ञ विशेष।
वाजपेयी, गु. वाजपेय यज्ञ जोकरे, उपाधि विशेष।
वाजी, सं. पुं. घोडा।
वाञ्छा, सं. स्त्री. आकांक्षा, मनोरथ।
वाञ्छित, गु. आकांक्षित।
वाट, सं. स्त्री. बाट मार्ग।
वाटिका. सं. स्त्री. बैठक।
वाटी, सं. स्त्री घर, उपवनमें छोटा घर।
वाड, सं. पुं. स्थान, वाढ।
वाडी, सं. स्त्री. उपवन, आँगन।
* वाण, सं. पुं. सर, तीर; बान।
वाणप्रस्थ, सं. पुं. तीसरा आश्रम।
* वाणी, सं. स्त्री. बोली, शब्द।
वात, सं. स्त्री. वायु; रोग विशेष।
वाती, सं. स्त्री. मोमकी बत्ती।
वातुल, सं. पुं. आँधी, बवण्डर। गु. वायुग्रस्त।
वात्सल्य, सं. पुं. करुणा, स्नेह, प्यार।
वाद, सं. पुं. कलह; संवाद।
वादी, सं. पुं. विरोधी; शास्त्रका वर्णन कर्नेहारा।
वाद्य, सं. पुं. बाजा।

वाद्यकर, सं. पुं. बजानेहारा, बजन्त्री।
वान, जिस शब्दके अन्तमें यह प्रत्यय होवे उसका अर्थ मान और वाला है।
वानप्रस्थ, सं. पुं. वाणप्रस्थ।
वानर, सं. पुं. बन्दर, कपि।
वापी, सं. स्त्री. बावली, तडाग।
वाम, गु. बायाँ; विरोधी।
वामा, सं. स्त्री. स्त्रीलोग।
वायन, सं. पुं. बायन।
वायु, सं. पुं. स्त्री. पवन।
वायुकोण, सं. पुं. पश्चिम उत्तरका मध्य।
वायुग्रस्त, गु. बाँवला, विक्षिप्त।
वार, सं. पुं. ठोकर, घाव; दिन; इसपार। सं. स्त्री. अवकाश; विलम्ब, धीरज; समय।
वारण, सं. पुं. वर्जन, निषिद्धता, रोकन, अटकाव।
वारन, सं. पुं. अर्पण, भेंट; बलि।
वारना, स. क्रि. घेर लेना; अर्पण करना, भेंट चढाना।
वारा, सं. पुं. सस्ताई, बचाव; निछावर। गु. सस्ता।
वारापार, अ. इसपार और उसपार।
वारि, सं. पुं. जल।
वारिज, सं. पुं. कमल; लवण।
वारिद, सं. पुं. मेघ।
वारिधि, सं. पुं. समुद्र।
वारुणी, सं. स्त्री. मदिरा विशेष; पचीसवाँ नक्षत्र, पश्चिमदिशा; दूब विशेष।
वार्त्ता, सं. स्त्री. वृत्तान्त; बात।
वार्त्तिक, सं. पुं. मूलग्रन्थके अर्थकी न्यूनताका पूरक ग्रन्थ।
वार्द्धक्य, सं. पुं. बुढापा, वृद्धावस्था।
वार्षिक, गु. संवती, बरसका; जो बर्सातमें उपजता है वा जो बर्सातके योग्य है।
वाल, सं. पुं. वाला; पलटा।
वाला, सं. पुं. वान्।
वाल्य, सं. पुं. बालकपन।
वावदूक, सं. पुं. बडा वक्ता, बावजक, गप्पी।
वास, सं. पुं. घर, बसनेका स्थान; बास।
वासना, सं. स्त्री. अभिलाषा। स. क्रि. महकाना।
वासन्ती, सं. स्त्री. लता विशेष; चैत्रमासमें कामदेवका पर्व विशेष।
वासर, सं. पुं. दिवस।
वासा, सं. पुं. बासा।
वासित, गु. सुगन्धि संयुक्त।
वासी, सं. पुं. रहनेहारा, बसनेहारा।
वास्तव्य, गु. बसनेके योग्य।
वास्तूक, सं. पुं. बथूआ।
वास्प, सं. पुं. भाफ; आँसू।
वाहक, सं. पुं. घुडचढा।
वाहन, सं. पुं. जिसपर चढके जायाजाय, सवारी।
वाहि, सर्व. उसको।
वाहु, सं. स्त्री. भुजा।
वाह्य, गु. बाहरका।

वि, अ. यह शब्द उपसर्ग है और उसका अर्थ कभी निर्णय, कभी भिन्नता, कभी विरोध, कभी विशेषण, कभी हीन इत्यादि है।
विकल, गु. व्याकुल; अधूरा।
विकल्प, सं. पुं. चूक; सन्देह।
विकशित, वा सित, गु. प्रफुल्लित।
विकार, सं. पुं. स्वभावका बदल; रोग।
विकाल, सं. पुं. गोधूली।
विकाश, सं. पुं. प्रकाश।
विक्षत, सं. पुं. घ्रणा। गु. विरोधी, मलीन।
विक्षति, स. स्त्री विचार वा स्वभाव आदिका बदल।
विक्रम, सं. पुं. पराक्रम; सूरता, बीरता।
विक्रय, सं. पुं. विक्री।
विक्रीत, गु. जो बिक गया।
विक्रेता, सं. पुं. बेचवैया।
विख्यात, गु. प्रसिद्ध, प्रकाशित।
विगति, सं. स्त्री. बिगाड़, बुराई।
विगन्ध, सं. स्त्री. कुबास।
विगुण, सं. पुं. औगुण।
विग्रह, सं. पुं. शरीर; फैलाव; युद्ध।
विघ्न, सं. पुं. अटकाव, रुकाव, शुभ कर्ममें जो बाधा।
विचल, गु. चञ्चल, निरस्थिर।
विचक्षण, गु. प्रवीण, चतुर, स्याना। सं. पुं. ज्ञानवान, पण्डित।
विचार, सं. पुं. ध्यान, सोच, बूझ, अटकल।
विचारित, गु. जो विचारा गया, निर्णीत।
विचार्य, गु. जो विचारके योग्य।
विचित्र, गु. रङ्गारङ्ग, नाना प्रकारका।
विच्छेद, सं. पुं. वियोग; निवारण।
विजय, सं. पुं. जय, जीत।
विजया, सं. स्त्री. भङ्ग, बूटी।
विजयी, गु. जयवन्त।
विज्ञ, गु. चतुर, निपुण, विद्वान्।
विज्ञापन, सं. पुं. जतावना।
विटप, सं. पुं. पल्लव।
विटौरा, सं. पुं. बिटौरा।
विडम्बना, गु. स्त्री. दुःखदायक।
विडम्बित, गु. दुःखित्, पतित।
विडाल, सं. पुं. मार्जार, बिलार।
वितण्डा, सं. स्त्री. खण्डिताई।
वितरण, सं. पुं. दान; त्यागना, पारका उतरना।
वितल, सं. पुं. पाताल विशेष।
वितस्ति, सं. स्त्री. बारह अङ्गुल, बिलस्त।
वितान, सं. पुं. चंदवा।
वितृष्णा, सं. स्त्री. निरास; वैराग्य; अरुचि; तृष्णा।
वित्त, सं. पुं. धन, द्रव्य।
विदग्ध, सं. पुं. लम्पट। गु. चतुर, विचक्षण।
विदा, सं. स्त्री. जानेकी आज्ञा।
विदाई, सं. स्त्री. विदा होनेके लिये जो कुछ भेंट।
विदारण, सं. पुं. फाड़न।

विदारना, स. क्रि. फाड़ना, चीरना।
विदिक, सं. स्त्री. अग्निआदि कोण, उपदिशा।
विदित, गु. जो जानागया, प्रगट।
विदिशा, सं. स्त्री. विदिक।
विदीर्ण, गु. फाड़ा, चीरा; फटा, फूटा।
विदेश, सं. पुं. परदेश, विलायत।
विदेशी, गु. परदेशी, विलायती।
विद्यमान, गु. वर्त्तमान।
विद्या, सं. स्त्री. शास्त्रका ज्ञान, यथार्थ ज्ञान।
विद्याधर, सं. पुं. किन्नर विशेष।
विद्यावान, गु. ज्ञानवान, पण्डित।
विद्यार्थी, सं. पुं. छात्र।
विद्यालय, सं. पुं. पाठशाला।
विद्युत, सं. स्त्री. बिजली।
विद्रुम, सं. पुं. मूंगा।
विद्वान्, गु. विद्यावान, पढ़ा।
विद्वेष, सं. पुं. वैर।
विद्वेषी, सं. पुं. वैरि, शत्रु।
विध, सं. पुं. प्रकार, रीति।
विधवा, सं. स्त्री. राँड।
विधर्म, सं. पुं. अपनेवर्णाश्रमके धर्मसे विरुद्ध धर्म।
विधान, सं. पुं. शास्त्रोक्त व्यवहार, आचार; विधि।
विधायक, सं. पुं. जो विधान करे; सौंपनेहारा।
* विधि, सं. पुं. विधान; प्रारब्ध।
विधुर, सं. पुं. वियोग; व्याकुलता।
विधेय, गु. सधाऊ, शिष्ट; होनहार।
विध्वंस, सं. पुं. विनाश; घृणा; विरुद्धता।
विन, सर्व. उन।
विनत, गु. टेढ़ा, झुका; नम्र, आधीन।
विनती, सं. स्त्री. प्रार्थना, निवेदन।
विनय, सं. पुं. लाज; शिष्टाचार, नम्रता; आदर; सुभाव।
विनयी, गु. विनयशील, शिष्टाचारी, नम्र।
विनष्ट, गु. जिसका विनाश होगया।
विना, अ. छोडके, रहित।
विनाश, सं. पुं. ध्वँस।
विनिमय, सं. पुं. अदलबदल, हेरफेर।
विनीत, गु. विनयी।
विनोद, सं. पुं. चोंप; क्रीडा, खेल।
विन्दु, सं. पुं. बूँद; अनुस्वार, सूना।
विन्यास, सं. पुं. समूह, संग्रह; संग्रहस्थान।
विपत, विपत्ति, विपद, } सं. स्त्री. आपदा, अभाग, दुर्गत।
विपदग्रस्त, गु. अभागी।
विपरीत, गु. उलटा, विरोधी। सं. स्त्री. बुराई, अपकार।
विपर्यय, सं. पुं. विरुद्धता।
विपल, सं. स्त्री. पलका साठवां अंश।
विपक्ष, सं. पुं. शत्रु।
विपक्षता, सं. स्त्री. शत्रुता।

विपाक, सं. पुं. भोजनका पकाना; प्रारब्धका हेतु।
विपिन, सं. पुं. वन।
* विपुल, गु. बडा, गम्भीर।
विप्र, सं. पुं. ब्राह्मण।
विफल, गु. निष्फल, व्यर्थ।
विभक्त, गु. जो भाग किया गया; पृथक्, अलग।
विभक्ति, सं. स्त्री. अंश, भाग, बाँट; सुबादि और तिङादि और कारक बोधक।
विभव, सं. पुं. द्रव्य, सम्पत्ति; मुक्ति, ऐश्वर्य्य प्रताप।
विभाग, सं. पुं. अंश, विभक्ति।
* विभीषण, गु. भयानक।
* विभु, सं. पुं. स्वामी। गु. सर्वव्यापी, सर्वत्र।
विभूति, सं. स्त्री. यज्ञमें की भस्म। ऐश्वर्य्य, अष्ट सिद्धि।
विभूषण, सं. पुं. अलङ्कार, शोभा।
विभूषित, गु. शोभित।
विभ्रम, सं. पुं. जाँवली, धोखा, चूक, सन्देह।
विमल, गु. निर्मल, पाच्छा, उजला।
विमाता, सं. स्त्री. मैभा।
विमान, सं. पुं. स्वर्ग का सिंहासन; देवताका यान।
विमुख, गु. जिस्का मुख फिरा है, यह शब्द सम्मुखका विरोधी है।
विमोचन, वा-च्चण, सं. पुं. त्याग।
विम्ब, सं. पुं. चन्द्र और सूर्यका मण्डल; प्रतिविम्ब; कुन्दुरू, तरकारी विशेष।
विम्बुक, गु. लाल, भभूका।
वियोग, सं. पुं. बिछराहट, विच्छेद; आपदा।
वियोगी, गु. बिछरा, भिन्न।
विरक्त, गु. वैराग्यशील।
विरचित, गु. रचा, बना।
विरजा, सं. स्त्री. पौधा विशेष; तृण विशेष, दूब।
विरत, गु. निवृत्त।
विरति, सं. स्त्री. निवृत्ति।
विरल, } गु. सूक्ष्म; ढीला; अलग;
विरला, } अनूप, अनूठा।
विरस, गु. रसहीन।
विरह, सं. पुं. वियोग।
विरहिणी, गु. स्त्री. वियोगिनी।
विरही, गु. वियोगी।
विराग, सं. पुं. मनकी इच्छा का त्याग।
विराजना, अक. क्रि. बिराजना।
विराम, गु. अस्थिर, व्याकुल।
विरुद्ध, गु. विरोधी, विपरीत, जो रोका गया।
विरुद्धता, सं. स्त्री. विरोध, चिढ; घिन।
विरूप, गु. कुरूप, भोंडा।
विरेक, सं. पुं. पेटौखा।
विरोध, सं. पुं. वैर, झगडा।
विरोधी, गु. विरोधकारक, झगडालू, वैरी।
विल, सं. पुं. बिल।
विलग, गु. भिन्न, पृथक्।
विलज्ज, गु. निर्लज्ज।
विलम्ब, सं. पुं. देर, अबेर, टालमटोल।

विलम्बना, अक. क्रि. रहना, देर करनी।
विलय, सं. पुं. जगत् का नाश।
विलक्षण, गु. विचक्षण।
विलाप, सं. पुं. सन्ताप, शोक की उक्ति।
विलायत, सं. स्त्री. परदेश, इउरोप।
विलायती, गु. परदेशी, इउरोपका।
विलास, सं. पुं. हर्ष, आनन्द, सुख; क्रीडा, खिलाड्पन।
विलोकन, सं. स्त्री. दृष्टि, ताक।
विलोकना, स. क्रि. देखना, निरेखना, ताकना।
विलोडना, स. क्रि. मथना, महना।
विलोम, सं. पुं. उलटा।
विलोवना, स. क्रि. मथना, महना।
विल्व, सं. पुं. बेलका वृक्ष वा फल।
विवर, सं. पुं. छिद्र, छेद।
विवरण, सं. पुं. व्याख्या, बखान, विस्तार, टीका।
विवर्ण, सं. पुं. नीचजाति का मनुष्य, कुजात।
विवश, गु. मर्नेके समय जो घाबरा वा स्थिर हो।
विवस्त्र, गु. वस्त्र हीन अर्थात् नङ्गा।
विवक्षा, सं. स्त्री. वाञ्छा; कहने की इच्छा।
बिवक्षित, गु. वाञ्छित।
विवाद, सं. पुं. कलह, झगडा।
विवादी, गु. विवाद कारक।
विवाह, सं. पुं. व्याह, गठबन्धन।
विवाहित, गु. जो व्याहा गया।
विवाहिता, गु. स्त्री. व्याही।
विविध, गु. नाना प्रकार का, बहुरूपी।
विवेक, सं. पुं. ब्योरा, बिचार।
विवेकी, गु. विचारी।
विवेचक, सं. पुं. झूठ सच का बिचार कर्नेहारा।
विवेचना, सं. स्त्री. सच झूठ का विचार।
विशाखा, स. स्त्री. सोलहवाँ नक्षत्र।
विशाल, गु. बडा; चौडा।
विशिष्ट, गु. संयुक्त।
विशेष, सं. पुं. जाति, ढब, भेद, गुण। गु. बहुत, अधिक।
विशेषण, गु. जो एक को दूसरे से पृथक् करे, गुणवाचक।
बिशेषता, सं. स्त्री. अधिकाई।
विशेष्य, सं. पुं. गुण। गु. मुखिया, पहिला; जो विशेषण के योग्य है।
* विश्रान्त, गु. जिस्ने विश्राम किया।
विश्राम, सं. पुं. सुख, चैन, कल।
विश्लेष, सं. पुं. वियोग।
विश्व, सं. पुं. जगत; देवतों की जाति जिसमें दश हैं अर्थात् वसु, सत्यादि १०।
विश्वास, सं. पुं. प्रत्यय, प्रतीति, भरोसा।
विश्वासघात, सं. पुं. विश्वासका हनन।
बिश्वासघाती, सं. पुं. विश्वास का घात कर्नेहारा, जो मित्रतामें छल करे।

विश्वी, गु. लौकिक।
विष, सं. पुं. गरल हलाहल।
विषद, गु. श्वेत, गोरा; ठेंठ, फर्का।
विषधर, सं. पुं. सर्प।
विषम, गु. अयुग्म गिनती जैसे ३, ५, ७, आदि; कठिन।
विषमान, सं. पुं. औषध वा विष विशेष।
विषय, सं. पुं. इन्द्रिय जिन् वस्तुओंको ग्रहण कर्ती है, जैसे रङ्ग, रूप, स्वाद आदि; काम, बात, अर्थ। अ. लिये।
विषयी, गु. विषयोंमें जो आसक्त।
विषवैद्य, सं. पुं. जाङ्गुलिक, सर्पके काटेको जो मन्त्रादिसे भला-करे।
विषहा, गु. जो विषसे भरा है।
विषाण, सं. पुं. सींग।
विषाद, सं. पुं. थकाई; उदासी।
विषुव,) विषुवत्,) सं. पुं. जब दिन रात समान होता है उसीका नाम।
विषुवत्काल, सं. पुं. जिस् समयमें सूर्य्य विषुवत रेखापर रहते हैं।
विषुवत्रेखा, सं. स्त्री. रेखाभूमिके ऊपर शून्यमें समान सूत डालनेसे जो रेखा कल्पना किई जाती है।
विष्टर, सं. पुं. आसन विशेष।
विष्टि, सं. स्त्री. भद्रा।
विष्ठा, सं. स्त्री. मल, गूह।

* विष्णु, सं. पुं. साधु मनुष्य।
विष्णुपद, सं. पुं. आकाश।
विष्णुपद्य, सं. पुं. विष्णुका भजन।
विस, सर्व. उस।
विसर्ग, सं. पुं. दो विन्दुमात्र वर्णविशेष, जैसे ः।
विसर्जन, सं. पुं. विदा; त्याग; दान।
विस्तर,) विस्तार,) सं. पुं. फैलाव, पसराव्।
विस्तीर्ण, गु. बडा; फैलाया।
विस्तृत, गु. फैलाया, पसारा।
विस्फोटक, सं. पुं. फोडा।
विस्मय, सं. पुं. आश्चर्य्य, अचम्भा।
विस्मित, गु. आश्चर्य्यित, अचम्भित, चकित।
विस्मृति, सं. स्त्री. भूल, भूलाहट्।
विस्वाद, गु. स्वादहीन।
विहङ्ग,) विहङ्गम,) सं. पुं. पक्षी।
विहरण, सं. पुं. गमन।
विहार, सं. पुं. क्रीडा।
विहारी, गु. क्रीडा कर्नेहारा, अचपल, चञ्चल।
विहित, गु. उचित।
विहीन, गु. त्यागित, रहित।
विह्वल, गु. व्याकुल, घाबरा।
विक्षिप्त, गु. उन्मत्त।
विक्षेप, सं. पुं. व्याकुलता; त्याग।
वीज, सं. पुं. मूल, कारण; बिया, पानी।
वीणा, सं. स्त्री. वाद्य विशेष।
वीर, सं. पुं. शूर सूरमा।

वीरता, सं. स्त्री. } सूरमापन।
वीरत्व, पुं. }
वीर्य्य, सं. पुं. बीज ; सामर्थ्य, बल।
वुँहीं, अ. उसी समय वा स्थानमें, अभी।
वुह, सर्व. प्रथम सर्वनाम वाचक।
वुहाँ, अ. वहाँ।
वृक, सं. पुं. भेडिया।
वृत्तान्त, सं. पुं. वार्त्ता, समाचार, कथा, कहानी।
वृत्ति, सं. स्त्री. जीविका ; व्यवहार, सूत्रका अर्थ, टीका।
वृथा, अ. व्यर्थ, निष्फल, अनर्थ।
वृद्ध, गु. बूढा।
वृद्धतम, गु. बहुत बूढा।
वृद्धप्रपितामह, सं. पुं. प्रपितामहका पिता।
वृद्धप्रपितामही, सं. स्त्री. प्रपितामह की माता।
वृद्धा, गु. स्त्री. बुढिया।
वृद्धि, सं. स्त्री. बढती ; बाढ।
वृन्द, सं. पुं. ढेर ; समूह।
वृन्दा, सं. स्त्री. तुलसी।
वृश्चिक, सं. पुं. बिच्छू ; आठवीं राशि।
वृष, सं. पुं. बैल ; दूसरी राशि।
वृषभ, सं. पुं. बैल।
वृष्टि, सं. स्त्री. मेंह, वर्षा।
वृहत्, गु. बडा।
* वृहस्पति, सं. पुं. पाँचवाँ ग्रह।
वृहस्पतिवार, सं. पुं. पाँचवाँ दिन, बिफै।
वृक्ष, सं. पुं. पेड, तर्वर।

वेग, सं. पुं. उतावली, फुर्त्ती। अ. शीघ्र।
वेगगामी, } गु. उतावला।
वेगवती, }
वेगी, अ. शीघ्र।
वेणी, सं. स्त्री. प्रयागमें गङ्गा यमुना सरस्वती इनतीनोंका सङ्गम ; स्त्रियोंकी चोटी।
वेणु, सं. पुं. बंसी, मुरली।
वेताल, सं. पुं. पिशाच विशेष।
वेत्ता, सं. पुं. जाननेहारा, ज्ञानी।
वेत्र, सं. पुं. बेत।
वेद, सं. पुं. हिन्दु लोगोंमें आकाशवाणीका पुस्तक जो चार हैं अर्थात् ऋक्, यजुः, साम, अथर्व।
वेदन, } सं. स्त्री. पीडा।
वेदना, }
वेदाङ्ग, सं. पुं. वेदका अङ्ग अर्थात् शिक्षा, कल्प, व्याकरण, छन्दः, ज्योतिष, और निरुक्ति।
वेदान्त, सं. पुं. ईश्वरके विषयमें जो कुछ बात वेदमें लिखीगई हैं उनको छओं उपनिषदमें सङ्ग्रह किया तिसका नाम वेदान्त हुआ।
वेदान्ती, सं. पुं. वेदान्त मतका जाननेहारा वा ग्रहण कर्नेहारा, ईश्वरात्मवादी।
वेदिका, } सं. स्त्री. अग्निहोत्र।
वेदी, }
वेध, सं. पुं. छिद्र।
वेधना, स. क्रि. छेदना।
वेधी, सं. पुं. छेदनेहारा, वर्मा।

वेर, सं. स्त्री. बेर, फल विशेष।
वेल, सं. स्त्री. बेल, लता।
वेला, सं. स्त्री. समय।
वेश, सं. पुं. शोभा।
वेशर, सं. पुं. बेसर।
वेश्या, सं. स्त्री. गणिका, छिनाल, कसबिनी।
वेष्टन, सं. पुं. बेठन।
वेष्टित, गु. चारों ओरसे जो ढका।
वैकुल्य, सं. पुं. व्याकुलता।
वैदिक, सं. पुं. वेदपाठी, वेदोक्त कर्म जो करे।
वैद्य, सं. पुं. चिकित्सक।
* वैद्यनाथ, सं. पुं. धन्वन्तर।
वैर, सं. पुं. शत्रुता।
वैरागी, सं. पुं. जो वैराग्य धारण कर्ता है।
वैराग्य, सं. पुं. विषयोंका त्याग।
वैरिन, सं. स्त्री. शत्रुस्त्री।
वैरी, सं. पुं. शत्रु।
वैलक्षण, सं. पुं. विलक्षणता; भावान्तर।
वैशाख, सं. पुं. बैसाख, दूसरा महीना।
वैशाखी, सं. स्त्री. छड विशेष।
वैश्य, सं. पुं. तीसरा वर्ण; राजपूतोंका वर्ण विशेष; वयस।
वैश्यनी, सं. स्त्री. वैश्यकी स्त्री।
वैषम्य, सं. पुं. असमता; एकान्त।
वैष्णव, गु. जो विष्णुका है। सं. पुं. विष्णुका उपासक।
वैसा, गु. उसके समान, उसी प्रकार।
वैसें, अ. सेंत, बिनमोल।
वोदाल, सं. पुं. मत्स्य विशेष।
व्यक्त, गु. ज्ञानी, पढा; स्पष्ट, खुला; एक।
व्यक्ति, सं. स्त्री. एकता, एकाई; प्रगटता; विभक्ति।
व्यग्र, गु. भूला भटका; व्याकुल, घाबरा।
व्यजन, सं. पुं. पङ्खा।
व्यञ्जक, गु. प्रकाशक।
व्यञ्जन, सं. पुं. स्वरहीन वर्ण; शाक आदि, तरकारी; चटनी।
व्यतिक्रम, सं. पुं. उलटाई, अन्यथा; विरुद्धता।
व्यतिरिक्त, गु. अलग, भिन्न, अन्य।
व्यतिरेक, सं. पुं. भिन्नता, भेद।
व्यतीत, गु. जो बीतगया।
व्यतीपात, सं. पुं. योग विशेष।
व्यत्यय, सं. पुं. उलटाई, विरोध, विरुद्धता।
व्यथा, सं. स्त्री. पीडा।
व्यभिचार, सं. पुं. परस्त्री गमन।
व्यभिचारिणी, सं. स्त्री. दुष्टा स्त्री, कुलटा, स्वैरिणी।
व्यभिचारी, सं. पुं. जो व्यभिचार करे, छिनला, स्वैरण।
व्यय, सं. पुं. लागत; क्षय, नाश।
व्यर्थ, गु. वृथा, निकम्मा।
व्यवच्छेद, सं. पुं. अलग कर्ना।
व्यवधान, सं. पुं. आच्छादन; अन्तर, बीच, बीचबिचाव्।

व्यवधायक, सं. पुं. जो व्यवधान करे।
व्यवसाय, सं. पुं. उद्योग, परिश्रम, यत्न ; उपाय ; छल।
व्यवसायी. गु. जो व्यवसाय करे।
व्यवस्था, सं. स्त्री. धर्म शास्त्रकी आज्ञा वा वाक्य ; अलग कर्ना।
व्यवस्थापक, गु. व्यवस्था का देनेहारा।
व्यवस्थित, गु. जो भिन्न किया गया, जो व्यवस्था किया गया ; अचल।
व्यवहार, सं. पुं. उद्यम, धन्धा, काम, व्यापार ; अभ्यास ; टंटा, झगडा ; चाल, रीति।
व्यवहार्य्य, गु. जो व्यवहारके योग्य।
व्यवहित, गु. संयुक्त ; ढका, छिपा।
व्यस्त, गु. व्याकुल ; फैला।
व्याकरण, सं. पुं. शब्दके साधुत्वका उपयोगी शास्त्र।
व्याकरणी, सं. पुं. व्याकरणका सिखानेहारा।
व्याकुल, गु. घाबरा, अस्थिरचित्त, भूला भटका।
व्याख्या, } सं. पुं. अर्थको खोलके
व्याख्यान, } कहना, वर्णन, बखान।
व्याघात, सं. पुं. अटकाव्।
व्याघ्र, सं. पुं. बाघ, शेर।
व्याज, सं. पुं. छल, ठगाई ; मिष ; ब्याज, सूद।
व्याजी, सं. पुं. ब्याज लेनेहारा।
व्याजू, सं. पुं. ब्याजके निमित्त जो ऋण।
व्याध, सं. पुं. वनके पशुओंको मारके और उन्को बेचके जो जोवे, आखेटको ; रोग, दुःख।
व्याधा, सं. पुं. आखेटकी।
व्याधि, सं. स्त्री. रोग।
व्याधित, } गु. रोगी, दुःखित।
व्याधी, }
व्यान, सं. पुं. सारे शरीरमें व्यापक जो वायु।
व्याप, सं. पुं. रचाव्।
व्यापक, गु. फैलाऊआ, विभु।
व्यापकता, सं. स्त्री. फैलाव्, विभुता।
व्यापना, अक. क्रि. सर्वत्र फैलना।
व्यापार, सं. पुं. काम, धन्धा, चाल।
व्यापी, सं. गु. विभु, सर्वत्र फैलनेहारा।
व्याप्त, गु. जो पैठ गया, सर्वगत।
व्याप्ति, सं. स्त्री. सर्वत्रगति ; प्राप्ति, लाभ।
व्यमोह, सं. पुं. पीडा।
व्यायाम, सं. पुं. परिश्रम, थकाई ; मल्लकर्म।
व्यावहारिक, सं. पुं. परामर्शी, मन्त्री।
* व्यास, सं. पुं. फैलाव्।
व्युत्क्रम, सं. पुं. उलटाक्रम।
व्युत्पत्ति, सं. स्त्री. शास्त्रीय ज्ञान, विद्या, शब्दको भिन्न कर्नेका ज्ञान।
व्युत्पन्न, गु. व्युत्पत्तिमान, विद्यावान्।
व्यूह, सं. पुं. युद्ध कर्नेके लिये सेनाकी विशेष रचना ; झुण्ड, समूह।

व्रण, सं. पुं. फोड़ा, घाव।
व्रत, सं. पुं. पुण्यकर्म विशेष, जैसे उपवास, तपस्या।
व्रती, सं. पुं. जो व्रत करे।
व्रात्य, सं. पुं. ब्राह्मण जिस को युवावस्था का संस्कार नहीं हुआ और यज्ञोपवीत नहीं पाया।
व्रीडा, सं. स्त्री. लाज, लज्जा।
व्रीहि, सं. पुं. अनेक प्रकारका धान्य।

श

श, देवनागरी वर्णमालाके हल वर्णों में का तीसवाँ अक्षर।
शक, सं. पुं. संवत् चलानेहारा राजा, जैसा शालिवाहन; जाति विशेष; देश विशेष; संवत्।
शककर्त्ता, शक कारक, सं. पुं. संवत् चलानेहारा, जैसे कलियुग में युधिष्ठिर, विक्रमादित्य, शालिवाहन, विजयाभिनन्दन, नागार्जुन, और बलि, ये छः हैं।
शकट, सं. पुं. छकड़ा।
शकुन, सं. पु. शुभ अशुभका सूचक चिन्ह, सगुन।
शकुनी, सं. पुं. शकुनको जो जाने; चिड़िया।
शकुल, सं. पुं. मत्स्य विशेष।
शक्त, गु. सामर्थी, बलवान्।
शक्ति, सं. स्त्री. सामर्थ्य, बल; बरछी; देवताका पराक्रम जो अभी स्त्रीरूप ठहराया गया है।
शक्तिमान्, गु. बलवान्।
शक्य, गु. होनेके योग्य, करनेके योग्य।
शक्रधनुः, सं. पुं. इन्द्रका धनुष।
शङ्करा, सं. स्त्री. रागिनी विशेष।
शङ्कराचारी, सं. पुं. शङ्कराचार्य्यका मतावलम्बी।
शङ्कराभरण, सं. पुं. रागिनी विशेष।
शङ्का, सं. स्त्री. भय, डर।
शङ्कित, गु. भयसे भीत।
शङ्कु, सं. पुं. ठूँठ; मत्स्य विशेष; बर्छी; कील विशेष।
शङ्कुचित, गु. लज्जित।
शङ्कोच, सं. पुं. मत्स्य विशेष।
शङ्ख, सं. पुं. घोंघा, जलके जन्तु विशेषका हाड़।
शङ्खिनी, सं. स्त्री. विशेष लक्षण युक्त स्त्री।
शठ, गु. धूर्त्त, ठग, छलिया।
शठता, सं. स्त्री. धूर्त्तता, ठगपना।
शण, सं. पुं. सन।
शणसूत्र, सं. पुं. सुतली; जाल जो सनसे बनाते हैं।
शण्ड, सं. पुं. साँड।
शत, सं. पुं. सौ, संख्या विशेष, १००।
शतभिषा, सं. स्त्री. पचीसवाँ नक्षत्र।
शतमूली, सं. स्त्री. लता विशेष।
शतशः, अ. सैंकड़ों।

शत्रु, सं. पुं. वैरी, रिपु।
शत्रुता, सं. स्त्री. वैर, दुर्जनताई।
शनि, सं. पुं. सातवाँ ग्रह।
शनिवार, सं. पुं. सातवाँ वार।
शनैःशनैः, अ. होले २, सहज २, थोड़ा २।
शनैश्चर, सं. पुं. सातवाँ ग्रह।
शपथ, सं. पुं. किरिया, सौंह।
शब्द, सं. पुं ध्वनि, शराटा; बात; संज्ञा आदि।
शम, सं. पुं. वाह्येन्द्रियोंका निग्रह अर्थात् त्याग।
* शमन, सं. पुं. शान्ति; बलिदान।
शमी, सं. पुं. वृक्ष विशेष; छीमी।
शम्बूक, सं. पुं. सींपी; शङ्ख; घोंघा।
शयन, सं. पुं. नींद।
शय्या, सं. स्त्री. शयन जिस्पर कर्ते हैं, खट्टा।
शर, सं. पुं. वाण, तीर, सरकण्डा।
शरट, सं. पुं. गिरगिट, ककलास।
शरण, सं. पुं. घर; जो रक्षाकरे; आश्रय।
शरणागत, गु. आश्रित, जो शरण चाहे।
शरण्य, सं. पुं. शरण। गु. शरणके योग्य।
शरत्, शरद, सं. स्त्री. ऋतु विशेष जिस्में आश्विन और कार्त्तिक महीना है।
शरल, गु. सीधा; साधु, भला।
शराटा, सं. पुं. शब्द, निनादा, ध्वनि।
शराव, सं. पुं. सकोरा।
शराशन, सं. पुं. धनुष।
शरीर, सं. पुं. देह।
शरीरी, गु. देही।
शर्करा, सं. पुं. खाँड।
शर्म्मा, सं. पुं. ब्राह्मणके नामका उपपद।
शर्वरी, सं. स्त्री. रात्रि।
शलभ, सं. पुं. टिड्डा।
शलाका, सं. स्त्री. सलाई; जदलपट्टी, रूलर।
शलीत्, सं. पुं. थैला, बोरा।
शल्योद्धार, सं. पुं. वास्तु भूमिसे मनुष्यादिके अस्थिका उद्धार।
शव, सं. पुं. प्राणहीनदेह, लोथ।
शवर, सं. पुं. भील।
शशक, सं. पुं. ससा, चौगड़ा।
शस्त्र, सं. पुं. अस्त्र।
शस्य, सं. पुं. धान, तृणादिमें उत्पन्न भोजनके योग्य अन्न।
शाक, सं. पुं. साग, भाजी।
शाकल, सं. पुं. तिल, जव, चावल, घी, शर्करा, फलआदिकी मिलौनी जो होमते हैं।
शाक्त, सं. पुं. शक्तिके उपासक।
शाखा, सं. स्त्री. वृक्षकी डाल।
शाखी, सं. पुं. वृक्ष।
शाटिका, शाटी, सं. स्त्री. साड़ी, स्त्री लोगोंके पहिर्नेका वस्त्र।
शाठ्य, सं. पुं. शठता, ठगाई।
शाण, सं. पुं. खड़सान, पत्थर जिसपर अस्त्रतेजकरते हैं।

शान्त, गु. स्थिर, ठण्डा, मृत।
शान्ति, सं. स्त्री. स्थिरता, कल, ठण्डाई।
शाप, सं. पुं. सराप, धिक्कार।
शाम, सं. पुं. श्याम।
शामा, सं. स्त्री. श्यामा।
शामीलगाना, स. क्रि. लोहाना।
शाल, सं. पुं. वृक्ष विशेष, मत्स्य विशेष, काँटा; शृगाल।
शालपर्णी, सं. स्त्री. बुटी विशेष।
शाला, सं. स्त्री. घर, स्थान।
शालि, सं. पुं. हेमन्त ऋतुका धान।
शाल्मलि, सं. पुं. सेंमलका वृक्ष।
शासन, सं. पुं. आज्ञा; इकरारनामा, पत्र; ताडन।
शासनीय, गु. ताडनीय।
शास्ति, सं. स्त्री. आज्ञा; राज्य।
शास्त्र, सं. पुं. आज्ञा; हिन्दुलोगोंमें आकाश वाणीका पुस्तक, जैसे वेदआदि; विद्याका पुस्तक।
शास्त्रज्ञ, सं. पुं. शास्त्रको जो जाने।
शास्त्रार्थ, सं. पुं. संवाद, चर्चा।
शास्त्री, सं. गु. शास्त्रज्ञ।
शास्त्रीय, गु. शास्त्र सम्बन्धी।
शास्य, गु. शासनके योग्य।
शिंशपा, सं. स्त्री. वृक्ष विशेष।
शिखर, सं. पुं. पर्वतकी धार, शृङ्ग।
शिखा, सं. स्त्री. चोटी; टेम; फन।
शिखी, सं. पुं. मयूर; आग। गु. फनैला।
शिथिल, गु. ढीला, अदृढ, मन्दा।
शिरः, सं. पुं. शिर, मस्तक।

शिरा, सं. स्त्री. नाडी, जिस्के द्वारा रुधिर सारे अङ्गमें फिर्ता है।
शिरीष, सं. पुं. वृक्ष विशेष।
शिरोमणि, सं. पुं. मणि जडित माथेका भूषण विशेष।
शिला, सं. पुं. चटान, पाषाण।
शिलोजात, सं. पुं. सिलाजीत।
शिलाजित, सं. पुं. सिलारस।
शिल्प, सं. पुं. चित्रादि कर्म।
शिल्पकार, शिल्पी, शिल्पीकर, } सं. पुं. जो शिल्प कर्म करे।
शिवरात्रि, सं. पुं. फागुन कृष्णचतुर्दशी को शिवजीका जन्मदिन।
शिवालय, शिवाला, } सं. पुं. शिवजीका मन्दिर।
शिविका, सं. स्त्री. पालकी।
शिशिर, सं. पुं. जाडा, पाला; हेमन्त।
शिशु, सं. पुं. बालक, बच्चा।
शिष्ट, गु. आधीन, आज्ञाकारी, जो आज्ञा दिई गई।
शिष्टता, सं. स्त्री. आधीनता।
शिष्टाचार, सं. पुं. सन्मान, आदर, मिलनसारी।
शिष्टाचारी, गु. सन्मानी, आदरी, सुढङ्ग, मिलनसार।
शिष्य, सं. पुं. चेला; मतावलम्बी।
शिक्षक, सं. पुं. गुरु, अध्यापक, उपदेशक।
शिक्षा, सं. स्त्री. उपदेश, सिखाई।

शिच्छित, गु. जो पढाया गया।
शीकर, सं. पुं. जोसी, फुहार।
शीघ्र, अ. तुरन्त, द्रुत। गु. उतावला।
शीघ्रगामी, गु. शीघ्र जानेहारा।
शीघ्रता, सं. स्त्री. बेगताई, उतावली।
शीत, सं. पुं. हिम, जाडा, ठण्ड।
शीतकाल, सं. पुं. हेमन्त, जाडेके दिन।
शीतल, गु. ठण्डा।
शीतलता, सं. स्त्री. ठण्डाई।
* शीतांशु, सं. पुं. कपूर।
शीताङ्ग, सं. पुं. अर्द्धाङ्ग।
शीतार्त्त, गु. जो ठिठर गया, हिमकर्के जो काँपता है।
शीराजी, गु. जो शीराजका है।
शीर्ण, गु. पतला, चीण।
शीर्ष, सं. पुं. मस्तक, सिर।
शील, सं. पुं. स्वभाव; सुभाव।
शीलवान्, सं. पुं. गु. सुशील, मिलनसार, नम्र।
शीशम, सं. पुं. वृच्च विशेष।
शुक, सं. पुं. तोता।
शुक्ति, सं. स्त्री. सीपी।
* शुक्र, सं. पुं. छठा ग्रह; वीर्य।
शुक्रवार, सं. पुं. छठा वार।
शुक्ल, गु. श्वेत वर्ण; ब्राह्मणोंकी उपाधि विशेष।
शुक्लपच्च, सं. पुं. उजाला पाख।
शुचि, गु. श्वेत; पवित्र, शुद्ध।
शुण्ठि, सं. स्त्री. सोंठ्।
शुण्ड, सं. पुं. सूँड, हाथीकी नाक।
शुद्ध, गु. पवित्र; निर्द्दोषी; अकेला; ठीक।
शुद्धता, सं. स्त्री. पवित्रता।
शुद्धि, सं. स्त्री. फर्छाहट्; पवित्रता, सुधराव्।
शुभ, सं. पुं. कल्याण, सुभाग। गु. भला, भाग्यवान्।
शुभङ्कर, गु. मङ्गलकारी, कृपाल।
शुभ्र, सं. पुं. श्वेत वर्ण।
शुश्कारना, अक. क्रि. आहेड कर्नेमें कुत्तेको उक्साना।
शुश्कारी, सं. स्त्री. आहेड कर्नेमें कुत्तेको उक्सानेका काम।
शुश्रूषा, सं. स्त्री. सेवा, टहल; कहना, बोलना; सुन्नेकी ईच्छा।
शुष्क, गु. सूखा।
शुहदा, गु. लुचा।
शुहदापन, सं. पुं. लुचपन।
शूकर, सं. पुं. सूअर, वराह।
शूद्र, सं. पुं. हिन्दु लोगका चौथा वर्ण।
शूद्रा, सं. स्त्री. शूद्रजातिकी स्त्री।
शूद्री, सं. स्त्री. शूद्रकी स्त्री।
शून्य, गु. छूछा, खाली; एकान्त। सं. पुं. विन्दु।
शून्यवादी, सं. पुं. नास्तिक।
* शूर, सं. पुं. सूर्मा; सूअर।
शूरण, सं. पुं. पृथिवीका कन्द विशेष।
शूरता, सं. स्त्री. वीरता, सूर्मापन।
शूरबीर, सं. पुं. सूर्मा, वीर, रावत।
शूर्प, सं. पुं. सूप, छाग।

शूल, सं. पुं. रुगास, बडी पीडा; अस्त्र विशेष; बबूलका काँटा।
* शूली, सं. पुं. शूलरोग ग्रस्त; सूली।
शृगाल, सं. पुं. सियार, गीदड।
शृङ्खल, सं. पुं. } करधनी विशेष,
शृङ्खला, सं. स्त्री. } सङ्कल, सिकरी।
शृङ्ग, सं. पुं. सींग; शिखर।
शृङ्गार, सं. पुं, प्रथम रस।
शृङ्गी, सं. पुं. जिस् पशुको सींग है; मत्स्य विशेष।
शेखर, सं. पुं. सिरमें बाँधनेके लिये फूलोंकी माला।
शेफालिका, सं. स्त्री. हारसिङ्गार।
शेल, सं. पुं. अस्त्र विशेष।
* शेष, सं. पुं. अवशिष्ट, समाप्ति।
शेषावस्था, सं. स्त्री. वृद्धावस्था।
शैत्य, गु. ठण्डा।
शैथिल्य, सं. पुं. शिथिलता।
शैल, सं. पुं. पर्वत।
शैली, सं. स्त्री. रीति; वार्त्तिक। गु. पर्वती।
शैव, सं. पुं. शिवका उपासक।
शैवाल, सं. पुं. जलका पौधा विशेष।
शोक, सं. पुं. दुःख, सन्ताप, विलाप।
शोकार्णव, सं. पुं. शोकका समुद्र।
शोकार्त्त, गु. शोकसे व्याकुल।
* शोण, } सं. पुं. पुष्प विशेष;
शोणभद्र, } लाल इक्षु।
शोणित, सं. पुं. रुधिर; केसर।
शोथ, सं. पुं. सूज, फुलाव्।
शोध. सं. पुं. ऋणका भर देना।
शोधन, सं. पुं. दोषका निकालना, अर्थात् शुद्ध कर्ना।
शोध्य, गु. जो शोधनेके योग्य।
शोभन, गु. मनोरम, मनोहर, सुन्दर।
शोभा, सं. स्त्री. सुन्दरता; सिंगार; चमक।
शोभायमान, } गु. विभूषित, चम-
शोभित, } कीला, भडकीला।
शोला, सं. पुं. वृक्ष विशेष।
शोषक, गु. चूसनेहारा।
शोषण, सं. पुं. चूसाव।
शौच, सं. पुं. स्नान कर्नेसे जो फर्क्ष हट।
शौर्य्य, सं. पुं. सूर्म्मापन।
श्मशान, सं. पुं. मरघट, शवके दाहदेनेका स्थान।
* श्याम, सं. पुं. काला वर्ण; कोकिला।
श्यामल, गु. छ्याम वर्ण विशिष्ट।
श्यामा, सं. स्त्री. श्याम रङ्गकी चिडिया।
श्यामाक, सं. पुं. साँवाँ।
श्यालक, सं. पुं. साला, स्त्रीका भाई।
श्येन, सं. पुं. पक्षी विशेष, बाज।
श्रद्धान, गु. श्रद्धायुक्त।
श्रद्धा, सं. स्त्री. आदर; इच्छा; विश्वास, प्रतीति।
श्रद्धालु, गु. श्रद्धा संयुक्त।
श्रम, सं. पुं. थकाई; दौडधूप, उद्यम, कष्ट।

श्रमी, गु. श्रम करनेहारा, उद्यमी।
श्रवण, सं. पुं. कान; सुनावट्; श्रवणा।
श्रवणा, सं. पुं. बाईसवाँ नक्षत्र।
श्रवणीय, गु. सुननेके जो योग्य।
श्राद्ध, सं. पुं. पितरोंके लिये शास्त्रके अनुसारसे पिण्डका दान।
श्रान्त, गु. श्रमसे कातर, जो थक गया; दुःखित।
श्रान्ति, सं. स्त्री. श्रम।
श्रावक, सं. पुं. जाति विशेष, जो जैनियोंके चेले हैं।
श्रावण, सं. पुं. सावन, चौथा महीना।
* श्री, सं. स्त्री. सम्पति; सुन्दरता; शब्दके पहिले बडाईका बोधक।
श्रीफल, सं. पुं. नारियल; बिल्व।
श्रीमत्, श्रीमन्त, गु. भाग्यवान्; धनी।
श्रीयुक्त, श्रीयुत, गु. यशवन्त, सुख्याती; भाग्यवान, धनी।
श्रीराग, सं. पुं. तीसरा राग।
श्रुत, गु. जो सुना गया।
श्रुति, सं. स्त्री. वेद; कर्ण; सुनाहट्; समाचार।
श्रेणी, सं. स्त्री. लकीर, पंक्ति।
श्रेयः, सं. पुं. कल्याण; कीर्त्ति।
श्रेष्ठ, गु. सबसे भला, उत्तम।
श्रेष्ठता, सं. स्त्री. उत्तमता, प्रधानता।
श्रोत, सं. पुं. कान; नदीकी धारा।
श्रोतव्य, गु. सुननेके योग्य।
श्रोता, श्रोत्र, सं. पुं. कान, सुननेहारा।
श्लाघनीय, गु. बडाईके योग्य, मर्य्यादिक।
श्लाघा, सं. स्त्री. स्तुति, मर्य्यादा।
श्लाघ्य, गु. श्लाघनीय।
श्लेषा, सं. स्त्री. अश्लेषा।
श्लेष्मा, सं. पुं. कफ।
श्लोक, सं. पुं. पद्य।
श्वशुर, सं. पुं. पत्नी और पतिका पिता।
श्वश्रु, सं. स्त्री. सास, स्त्रीको वा पतिकी माता।
श्वास, सं. पुं. प्राणवायु, साँस।
श्वेत, गु. शुक्ल, धौला।
श्वेतसर्षप, सं. पुं. धौली सर्सों।

ष

ष, देवनागरी वर्णमालाके हल वर्णोंमेंका एकतीसवाँ अक्षर।
षट्, गु. छः।
षट्कोण, सं. पुं. इन्द्रका वज्र, छःकोण का।
षट्पद, सं. पुं. भ्रमर, मधुमाखी।
षट्शास्त्र, सं. पुं. छः शास्त्र, अर्थात् न्याय, वैशेषिक, मीमांसा, वेदान्त, सांख्य, पातञ्जल।
षडङ्ग, सं. पुं. शरीरके छः अङ्ग दो हाथ, दो पाँव, सिर, और कटि; वेदके छः अङ्ग अर्थात् व्याकरण ज्योतिष आदि।
षड्विंशति, गु. छबीस, २६।
षड्विंशतितम, गु. छबीसवाँ।

षड्विध, सं. पुं. छः प्रकार।
षण्ड, सं. पुं. साँड।
षण्ढ, सं. पुं. नपुंसक।
षष्टि, गु. साठ, ६०।
षष्ठ, गु. छठा।
* षष्ठी, सं. स्त्री. छठी तिथि।
षोडश, गु. सोलह।

स

स, देवनागरी वर्णमालाके हल वर्णोंमेंका बत्तीसवाँ अक्षर।
स, अ. जिस शब्दके आगेमें इसका योग होय उसका अर्थ सहित अथवा समान समझा जाय, जैसे सफल, सगोत्र इत्यादि।
सँ, अ. सम, सहित, से।
संज्ञा, सं. स्त्री. नाम, शब्द।
संयम, सं. पुं. बराव, नेम, परहेज।
संयमी, गु. नेमी; मध्यम।
संयुक्त, गु. मिलाऊआ, लगा, संलग्न।
संयोग, सं. पुं. द्रव्यका मेल, सङ्गत; दैवागत।
संरम्भ, सं. पुं. क्रोध, कोप; अहङ्कार।
संलग्न, गु. संयुक्त; सङ्गत।
संवत्, सं. पुं. बरस, शाका।
संवत्सर, सं. पुं. वर्ष।
संवत्सरी, सं. पुं. वर्षका व्यवहार।
संवरण, सं. पुं. आवरण, आच्छादन।
संवरना, अक. क्रि. सजना, शोभित होना, बन्ना।
संवाद, सं. पुं. बातचीत, चर्चा।
संवारना, स. क्रि. सजाना, सिंगार कर्ना, बनाना।
संशय, सं. पुं. सन्देह; भय।
संशयापन्न, गु. सन्देहयुक्त, सन्देही।
संसक्त, गु. समीप; मिला।
संसगर, गु. उपजाऊ।
संसर्ग, सं. पुं. भेंट, दर्शन, मेल; पड़ोस, समीपी।
संसर्गी, गु. मिलनसार, चिन्हारी।
संसार, सं. पुं. जगत्; गृहाश्रम।
संसारी, गु. जो संसारका है, लौकिक।
संस्कार, सं. पुं. स्मरणका हेतु; हिन्दूलोगोंका अवश्य व्यवहार जैसे गर्भाधानादि १०, पवित्रता।
संस्कृत, सं. पुं. देववाणी।
संस्कृतानुयायी, गु. देववाणीके अनुसार।
संस्थान, सं. पुं. ढब; रूप; बनावट; चतुष्पथ।
संस्पर्श, सं. पुं. छुहावट, सत, लगाव।
संहत, गु. ठोस; एकट्ठा।
संहति, सं. स्त्री. समूह; ढेर।
संहार, सं. पुं. नाश; वध, हत्या। गु. बधा, मारा।
संहार्ना, स. क्रि. बधना, नाश कर्ना।
सकट, सं. पुं. छकड़ा; गणेशजीका जन्मोत्सव दिन।
सकत, सं. पुं. शक्ति।
सकना, अक. क्रि. सामर्थी होना।

सकरा, गु. सकेत, छोटा।
सकराई, सं. स्त्री. सकेती, छोटाई।
सकराना, स. क्रि. सकेत कर्ना; स्वीकार कर्वाना।
सकर्मक, गु. कर्म सहित क्रिया।
सकल, गु. सारा, समस्त, सगरा।
सकाना, अक. क्रि. उदास होना; थकना।
सकाम, सं. पुं. कामना सहित।
सकारना, स. क्रि. ऊण्डीको लेलेना, ग्रहण कर्ना।
सकाल, सं. पुं. प्रातःकाल।
सकुचना, अक. क्रि. डर्ना, लज्जित-होना; संशयमें पडना।
सकुचाना, स. क्रि. लजाना; डराना।
सकेत, गु. सकरा, छोटा। सं. स्त्री. आपदा, दुःख, दुर्भिक्षता।
सकेतना, स. क्रि. सकेत कर्ना, समेटना।
सकेलना, अक. क्रि. सिकुडना, समिटना, बटुर्ना।
सकेला, सं. पुं. लोहा विशेष।
सकोच, सं. पुं. आदर, सन्मान।
सकोरा, सं. पुं. कटोरा, मृत्तिका-का छोटा पात्र।
सकोरी, सं. स्त्री. थाली, पिरिच।
सखा, सं. पुं. मित्र, बन्धु।
सखी, सं. स्त्री. मित्रस्त्री, सहेली।
सख्य, सं. स्त्री. मित्रता।
सगड, सं. पुं. शकट्।
सगपहता, सं. पुं. साग जो दालमें डालके पकाया।

सगा, गु. जो एकी मासे उत्पन्न है जैसे सगाभाई।
सगाई, सं. स्त्री. भाईचारा, नाता; अपनायत; मङ्गनी; नीचजाति-की, स्त्रीका दूसरा विवाह।
सगुन, सं. पुं. शकुन।
सगोत्र, सं. पुं. समान गोत्र; दूर-का सम्बन्धी।
सगोती, सं. स्त्री. माँस।
सघन, गु. घना।
सङ्कट, सं. पुं. विपत्ति, दुःख, कष्ट, आपदा।
* सङ्कटा, सं. स्त्री. दुर्दशा।
सङ्कर, सं. पुं. दो वर्णसे जन्मा जो सन्तान।
* सङ्कर्षण, सं. पुं. खैंचना।
सङ्कल, सं. पुं. समूह, ढेर।
सङ्कलन, सं. पुं. जोड, जोडती।
सङ्कलित, सं. पुं. गणित। गु. जिस्का जोड दिया गया, जो एक पर एक किया गया।
सङ्कल्प, सं. पुं. मनकी इच्छा; नेम; शास्त्रीय कर्ममें प्रतिज्ञा विशेष।
सङ्कल्पना, स. क्रि. दान देना, नेम वा प्रतिज्ञा कर्ना।
सङ्कीर्ण, गु. मचामच, घना।
सङ्कीर्त्तन, सं. पुं. गुणोंका गान।
सङ्कुचित, गु. सकुचाया, लज्जित; फूल जो खिला नहीं।
सङ्कुल, गु. मचामच, घना।
सङ्केत, सं. पुं. बचन, अवधि; सैन, इङ्गित।
सङ्कोच, सं. पुं. लाज, लज्जा।

सङ्कोचन, सं. पुं. खेंच, सिमटाहट्।
सङ्कोचना, स. क्रि. बटोरना, समेट्ना।
सङ्कोची गु. लजीला, लाजवन्त।
सङ्क्रम, सं. पुं. सञ्चार; गमन।
सङ्क्रान्त, गु. जो बीत गया, जो एक से दूसरेको सौंपा गया।
सङ्क्रान्ति, सं. स्त्री. एक राशिसे दूसरे राशिमें सूर्य्यका गमन।
सङ्ख, सं. पुं. शङ्ख। गु. सीधा, भोला।
सङ्खिया, सं. स्त्री. विष विशेष।
सङ्ख्या, सं. स्त्री. एक दो आदि गिनती।
सङ्ग, अ. साथ, सहित। सं. पुं. संयोग, मेल।
सङ्गति, सं. स्त्री. मैथुन; भेंट, मेल, मिलाव।
सङ्गम, सं. पुं. मेल, मिलाप; मैथुन।
सङ्गर, सं. पुं. युद्ध; आपदा; प्रतिज्ञा; छावनी।
सङ्गसी, सं. स्त्री. सण्डसी।
सङ्गी, सं. पुं. साथी।
सङ्गीत, सं. स्त्री. गानेकी विद्या; गान।
सङ्गीतदर्पण, सं. पुं. गान विद्याका पुस्तक।
सङ्गोपन, सं. पुं. छिपाव, गोपन।
सङ्ग्रह, सं. पुं. बटोर; संक्षेपण, सारार्थ।
सङ्ग्रहणी, सं. स्त्री. अतिसार।
सङ्ग्रहीत, गु. जो एकट्ठा किया गया।
सङ्ग्राम, सं. पुं. युद्ध।
सङ्घ, सं. पुं. झुण्ड, समूह, मेला, ढेर।
सच, गु. सत्य। अ. हाँ, ठीक, निश्चय।
सचमुच, अ. सचकर।
सचल, सं. पुं. चलनेकी शक्ति सहित।
सचाई, सं. स्त्री. सत्यता।
सचेत, सचेतन, गु. सुचेत, चौकस, सुर्त्ता।
सचेष्ट, गु. चेष्टायुक्त, उद्युक्त।
सचौटी, सं. स्त्री. सचाई, सचकहनेकी चाल।
सच्च, सच्चा, गु. सत्य, ठीक, सीधा।
सच्चाई, सं. स्त्री. सचाई।
सच्चिदानन्द, सं. पुं. ब्रह्म, ईश्वर।
सज, सं. स्त्री. डौल, ढब; सिंगार, शोभा; रूप।
सजधज, सं. स्त्री. बनावटी और रूप।
सजना, अक. क्रि. बन्ना; फबना, सोहना; पहिन्ना; सुधर्ना। सं. पुं. सज्जन।
सजल, गु. जलसे जो भरा।
सजला, सं. पुं. चार भाइयोंमें से जो तीसरा है।
सजाई, सं. स्त्री. डाब वा काठी बनानेके लिये जो पैसा; बनावटी।
सजाना, स. क्रि. बनाना, रचाना।

सजाव, सं. पुं. बनाव, अलङ्कार।
सजावट, सं. स्त्री. बनावट।
सजीला, गु. सुघड़, सुन्दर।
सजीव, गु. जीता, जीव सहित।
सज्जन, गु. कुलवन्त; आदरी; साधु। सं. पुं. प्रियतम, प्यारी।
सज्जी, सं. स्त्री. खार विशेष।
सञ्चय, सं. पुं. सङ्ग्रह, ढेर।
सञ्चयी, गु. सञ्चय कर्नेहारा।
सञ्चार, सं. पुं. सङ्क्रमण, गूढ़तासे जो चलन।
सञ्चारिका, सं. स्त्री. कुटनी।
सञ्चित, गु. जो बटोरा गया।
सञ्चेत, गु. चौकस, सुर्तीला।
सज्ञान, गु. ज्ञान सहित, ज्ञानी।
सटक, सं. पुं. लचीली छड़ी।
सटकना, अक. क्रि. भाग जाना; छिपना; अलग होना।
सटकाई, सं. स्त्री. उतार चढ़ाव।
सटकाना, स. क्रि. निरास कर्ना, छिपाना।
सटना, अक. क्रि. मिलना, जुड़ना, चिपकना, चिमट्ना।
सटाना, स. क्रि. चिप्काना, जोड़ना, लगाना।
सटासट, सं. स्त्री. लगालग।
सटिया, सं. स्त्री. लाठी।
सटीक, गु. टीका सहित।
सठ, गु. शठ; मूर्ख।
सठियाना, अक. क्रि. साठ बरससे अधिक होना, अर्थात् बुढ़ापेसे निर्बल होना।
सठोड़ा, सं. पुं. पुष्टई विशेष जो प्रसौतिको दिया जाता है।
सड़क, सं. स्त्री. राजमार्ग, पैंडा, पथ।
सड़न, सं. स्त्री. सड़ाँद।
सड़ना, अक. क्रि. गलना, उबसना।
सड़ा, गु. गला, उबसा।
सड़ाँद, सं. स्त्री. सड़नेकी दुर्गन्ध।
सड़ाना, स. क्रि. गलाना, उबसाना।
सण्डसी, सं. स्त्री. गहुवा, सङ्सी।
सण्डा, गु. पोढ़ा, मोटा।
सण्डास, सं. पुं. झरझोवी।
सण्डासा, सं. पुं. बड़ी सण्डसी।
सण्डासी, सं. स्त्री. सण्डसी।
सत्, गु. सत्य। सं. पुं. सार, हीर; भलमनसात; रस; कीर्त्ति; सचाई, भलाई।
सतमासा, सं. पुं. सातवें महीनेके गर्भमें जो ज्योनार।
सतमी, सं. स्त्री. सप्तमी।
सतरह, गु. दश और सात, १७।
सतराना, अक. क्रि. क्रोधित होना, कुढ़ना।
सतर्क, गु. सावधान।
सतलड़ा, गु. सतगुना, जिसमें सात लड़ हैं।
सतसठ, गु. साठ और सात, ६७।
सतसैया, सं. स्त्री. व्रज भाषामें पुस्तक विशेष जिसको बिहारी लाल कविने बनाया।
सतहत्तर, गु. सत्तर और सात, ७७।

सताना, स. क्रि. दुःख दना, छेडना, खिजाना।
सती, गु. स्त्री. पतिव्रता; जो स्त्री पतिके साथ अग्निमें जले।
सतीमठ, सं. पुं. स्थान जिस्में सतीके हाड स्थापन कर्त्ते हैं।
सतीर्थ, सं. पुं. जिन्होंने एक गुरु से अध्ययन किया है, गुरुभाई, साध्यायी।
सतोला, गु. पराक्रमी।
सतीवाड, सं. स्त्री. स्थान जिस्में सती ऊई है।
सतुवा, सतूआ, सं. पुं. सत्तू।
सत्कर्म, सं. पुं. भला कर्म।
सत्कार, सं. पुं. सन्मान; शवका दहन।
सत्कारी, सं. पुं. शवका दाहदेनेहारा।
सत्क्रिया, सं. स्त्री. मरेकी सुगति; उत्तम कर्म; आवभगत।
सत्तम, गु. श्रेष्ठ; बडा मर्य्यादिक; साधुवोंमें जो सबसे भला।
सत्तर, गु. गिनती विशेष, ७०।
सत्ता, सं. स्त्री. बल, पराक्रम; तासमें जो सात।
सत्ताईस, गु. बीस और सात २७।
सत्तान्व, गु. नव्वे और सात ९७।
सत्तावन, गु. पचास और सात ५७।
सत्तासी, गु. अस्सी और सात ८७।
सत्तू, सं. पुं. भूने जव आदिका चून।
सत्पथ, सं. पुं. सन्मार्ग, अच्छा मार्ग।
सत्पुत्र, सं. पुं. सपूत, अर्थात् पुत्र जो भला है।
सत्य, गु. यथार्थ, ठीक, निश्चय।
सत्यता, सं. स्त्री. सचाई, भलाई।
सत्ययुग, सं. पुं. प्रथम युग।
सत्यलोक, सं. पुं. ब्रह्म लोक।
सत्यवचन, सत्यवाद, सं. पुं. यथार्थ कहना।
सत्यवादी, सं. पुं. सच कहनेहारा।
सत्यानाश, सं. पुं. सम्पूर्ण नाश।
सत्यानाशी, गु. जो बिगडगया, नष्ट, कँटीला पौधा विशेष।
सत्यावृत, सं. पुं. वाणिज्य, व्यापार।
सत्व, सत्वगुण, सं. पुं. भलाईका गुण।
सत्वन्ता, गु. भला, कीर्त्तिमान्।
सत्वर, अ. तुरन्त, शीघ्र।
सतांसा, गु. जो लडका सातवें महीनेमें गर्भसे उत्पन्न भया हो।
सथराव, सं. पुं. युद्धमें जो मारे गये उन्का ढेर।
सथिया, सं. पुं. अस्त्रवैद्य, जर्राह; चिह्न विशेष जो महाजन अपने खातेमें पहिले पत्र पर कर्ते हैं।
सद, अ. सच।
सदन, सं. पुं. स्थान, घर।
सदय, गु. दया सहित।
सदया, सं. स्त्री. अमदवत् पक्षीकी स्त्री।
सदस्य, सं. पुं. कर्मके कर्नेमें जो न्यूनाधिक्यको विचारे और सुधारे; देखवैया।

सदा, अ. सर्वदा, नित्य।
सदानन्द, सं. पुं. सर्वदा प्रसन्न; श्री गुरु।
सदाफल, सं. पुं. नारियलका वृक्ष; गूलर; बेल; कटहल। गु. वृक्ष जो नित्य फल देता है।
सदाव्रत, सं. पुं. अतीतों और फकीरोंको भोजन देना।
सदासुहागन, सं. स्त्री. पक्षी विशेष; फूल विशेष; फकीर जो स्त्रीका भेष धारते हैं।
सदेह, गु. देह सहित।
सदृश, गु. समान, तुल्य।
सदेश, गु. समीप।
सदोष, गु. दोष सहित।
सद्गति, सं. स्त्री. निस्तार, त्राण, मुक्ति।
सद्गन्ध, सं. स्त्री. सुगन्ध।
सद्यः, अ. तत्क्षण।
सद्वक्ता, सं. पुं. सच कहनेहारा।
सद्विवेचक, सं. पुं. यथार्थ जो विचार करे।
सधना, अक. क्रि. बन्ना; हिलना।
सधवा, सं. स्त्री. सुहागिन, पतिवती स्त्री।
सधाना, स. क्रि. सिखाना, बनाना, हिलाना, पूरा कर्ना।
सन, सं. पुं. पौधा विशेष जिस्की रस्सी बनती है।
सनना, अक. क्रि. गर्भिणी होना; भर्ना, मलना; गुँधना।
सनपात, सं. पुं. रोग विशेष जो कफ वात पित्तके बिगडनेसे होता है।
सना, सं. पुं. औषध विशेष।
सनातन, गु. जिस्का आरम्भ और अन्त नहीं है, जो नित्य रहेगा।
सनाथ, गु. नाथ सहित।
सनाय, सं. स्त्री. सना।
सनिया, सं. पुं. टस्सरका वस्त्र विशेष।
सनीचर, सं. पुं. शनैश्चर।
* सनीचरा, गु. अभागा, अपजसी।
सन्त, सं. पुं. साधु विशेष। गु. धर्मी।
सन्तति, सं. स्त्री. वंश; सन्तान।
सन्तप्त, गु. दुःखित, संताप सहित।
सन्तरण, सं. पुं. तर्णा।
सन्ता, गु. बिगडा।
सन्तान, सं. पुं. वंश, लडके बाले।
सन्ताप, सं. पुं. शोक, पीडा, दुःख।
सन्तापी, गु. शोकसे युक्त, उदास, और दुःखी।
सन्ती, सं. पुं. बदला। अ. बदले, लिये।
सन्तुष्ट, गु. तृप्त, मनभरा; हर्षित।
सन्तोष, सं. पुं. आनन्द, हर्ष, सुख, तृप्ति।
सन्तोषी, गु. धीरजमान्, तृप्त, हर्षित।
सन्था, सं. स्त्री. पाठ।
सन्दंश, सं. पुं. सण्डसी।
सन्दर्शन, सं. पुं. साक्षात्कार।
सन्दिग्ध, गु. सन्देहयुक्त, भरमीला।
सन्देस, वा-सा, सं. पुं. समाचार।
सन्देसी, सं. पुं. दूत।

सन्देह, सं. पुं. संशय, शङ्का, चिन्ता।
सन्देही, सं. पुं. संशयी।
सन्धान, सं. पुं. अन्वेषण, खोज, जाँच।
सन्धाना, सं. पुं. आचार।
सन्धि, सं. स्त्री. मेल, संयोग; मिलाप; दरार; छिद्र।
सन्ध्या, सं. स्त्री. सायंकाल, गोधूली; त्रिकालमें उपासना; समयका नाम जैसे सूर्य्योदय श्रोर मध्याह्न श्रोर सूर्य्यास्त।
सन्नाटा, सं. पुं. जलके लहरोंसे जो शब्द; वायु वा झडीसे जो शब्द।
सन्निकर्ष, सं. पुं. } समीपी, निकटता।
सन्निधान, पुं.
सन्निधि, स्त्री.
सन्निपात, सं. पुं. सनपात।
सन्निहित, गु. निकट, समीप।
सन्मान, सं. पुं. आदर, मर्य्यादा।
सन्मानी, गु. शिष्टाचारी, आदरी।
सन्मुख, अ. साम्ने।
सन्न्यास, सं. पुं. चैाथा आश्रम।
सन्न्यासी, सं. पुं. चैाथा आश्रमी।
सपदि, अ. तत्क्षण, अभी।
सपना, सं. पुं. स्वप्न।
सपल्लव, गु. पल्लव सहित।
सपक्ष, सं. पुं. सहायक, सङ्गी।
सपुत्र, } सं. पुं. सुपूत।
सपूत,
सपूताई, सं. स्त्री. सत्पुत्रता।
सपोला, } सं. पुं. जनमता सर्पका बच्चा।
सपोलिया,
सप्त, गु. सात ७।
सप्तति, गु. स्त्री. सत्तर ७०।
सप्तदश, गु. सतरह १७।
सप्तमा, गु. सातवाँ।
सप्तमी, सं. स्त्री. सातवीं तिथि।
सप्तविंशति, गु. सत्ताईस २७।
सप्तविंशतितम, गु. सत्ताईसवाँ।
सप्ताह, सं. पुं. अठवारा।
सफरी, सं. स्त्री. मछली विशेष।
सफल, गु. सार्थक, फलसहित।
सब, गु. सर्व, सारा।
सबल, गु. बलवान्, प्रैाढ।
सबलाई, सं. स्त्री. प्रैाढता, बल।
सबेर, गु. समयसे पहिला, ठीक वा अच्छे समयमें।
सबेरा, सं. पुं. भोर, प्रातःकाल, तडका।
सबेरे, अ. तडके।
सबोतर, गु. सर्वत्र।
सभय, गु. भयसहित।
सभा, सं. स्त्री. मण्डली।
सभासद, सं. पुं. सभामें बैठनेहारा वा विचार कर्नेहारा।
सभ्य, सं. पुं. सभाके काम कर्नेमें जो सहायक है। गु. जो सभाके योग्य।
सम, गु. तुल्य; सब।
सम्गम्, गु. समान, सदृश।
समग्र, गु. सारा, समस्त।
समझ, सं. स्त्री. बूझ, ज्ञान, बिचार।
समझना, स. क्रि. बूझना, बिचारना।

समझवार, गु. बिचारवान्, ध्यानी, ज्ञानी।
समझाना, स. क्रि. बुझाना, जताना, बतलाना।
समझावा, समझौती, सं. स्त्री. समझाने का काम।
समञ्जस, सं. पुं. योग्यता, उचितता। गु. योग्य।
समता, सं. स्त्री. समभाव, एकता।
समधन, सं. स्त्री. अपने लडकेकी सास।
समधमिलावा, सं. पुं. समधियोंका आपसमें मिलना।
समधियाना, सं. पुं. समधीका घराना, ससुराल।
समधी, सं. पुं. अपने लडके लडकीका ससुर।
समन्वय, सं. पुं. आपसमें अनेकोंका मेल।
समन्वित, गु. आपसमें मिलित, संयुक्त।
समभाव, सं. पुं. समता।
समय, सं. पुं. काल, जून; अवसर, सावकाश।
समर, सं. पुं. युद्ध, लडाई, रण।
समर्थ, गु. बलवान्; योग्य।
समर्थी, गु. सामर्थी।
समर्पण, सं. पुं. सौंपना; अर्पण; त्याग।
समवाय, सं. पुं. भीड्, समूह; न्याय शास्त्रमें सम्बन्ध विशेष।
समसिया, सं. पुं. समस्या।
समसूत्र, गु. सीधा सूत।
समसूत्रपात, सं. पुं. सीधासूतका डालना।
समस्त, गु. सकल, सारा।
समस्या, सं. स्त्री. समासार्थ, श्लोकके पूरणार्थ एक देशका कहना।
समक्ष, गु. साक्षात्, सामे।
समा, सं. पुं. समय; बऊतात्; दिशा; मिलाप, मेल।
समाई, सं. स्त्री. सन्तोष, धैर्य; शक्ति; ठिकाना।
समागत, गु. उपस्थित, आनपऊचा; मिलाऊआ।
समागम, सं. पुं. संयोग, अवाई, पँऊच।
समाचार, सं. पुं. सन्देसा; वृत्तान्त, चर्चा।
समाज, सं. पुं. सामग्री; साथ।
समाजी, सं. पुं. नृत्यकोंके साथ जो बजन्त्री।
समादर, सं. पुं. सन्मान।
समाधान, सं. पुं. चुकौता, निपटारा; मिलाप; शान्ति, चैन।
समाधि, सं. स्त्री. परमात्माके ओर एक चित्त लगाके बैठना; जोगीकी गुफा; स्थान जिसमें शव गाडते हैं।
समान, गु. तुल्य, एकसा। सं. स्त्री. समता।
समानता, सं. स्त्री. समता।
समाना, अक. क्रि. अमाना।
समापन, सं. पुं. समाप्ति।
समाप्त, गु. जो हो चुका, पूरा।
समाप्ति, सं. स्त्री. अन्त, निबेडा।

समालू, सं. पुं. पौधा विशेष।
समावेश, सं. पुं. प्रवेश।
समास, सं. पुं. दो तीन पदोंका एक पद कर्ना; शब्दोंकी बनावट्
समिध, सं. स्त्री. होमनेके लिये लकडी; ईंधन।
समीचीन, सं. पुं. सचाई। गु. सच्चा; ठीक; योग्य।
समीप, गु. निकट, पास।
समीपी, सं. स्त्री. निकटता।
समीर, सं. पुं. वायु, बयार।
समुचित, गु. यथायोग्य।
समुच्चय, सं. पुं. समूह, सङ्ग्रह, वाक्योंका वा बातोंका संयोग।
समुदाय, गु. एकट्ठा।
समुद्र, सं. पुं. सागर, निधि।
समुद्रफल, सं. पुं. औषधि विशेष।
समुद्रफेन, सं. पुं. समुद्रका फेन।
समुद्रसोख, सं. पुं. औषध विशेष।
समुद्रान्त, अ. समुद्रतक।
समुद्रीय, गु. जो समुद्रका।
समूचा, गु. पूरा, सम्पूर्ण।
समूह, सं. पुं. भीड, ढेर, मण्डली।
समृद्धि, सं. स्त्री. बढती; सम्पत्ति।
समैं, सं. पुं. समय।
समेट्, सं. स्त्री. सङ्कोचन कर्नेके लिये औषधि विशेष।
समेटना, स. क्रि. सकोडना, बटोर्ना।
समेत, अ. सहित।

समोना, स. क्रि. गरम पानीमें ठण्ढा पानी डालके ठण्डा कर्ना।
सम्पत्ति, सम्पदा, } सं. स्त्री. समृद्धि, सुभाग, धन।
सम्पन्न, गु. परिपूर्ण, जो पूरा हो चुका; भाग्यवान्।
सम्पर्क, सं. पुं. सम्बन्ध, मिलाव्; मैथुन।
सम्पादक, सं. पुं. सम्पादन कर्नेहारा।
सम्पादन, सं. पुं. प्राप्ति।
सम्पादित, गु. प्राप्त।
सम्पुट, सं. पुं. डब्बा।
सम्पूर्ण, गु. परिपूर्ण, सारा।
सम्प्रति, अ. अभी।
सम्प्रदान, सं. पुं. कारक विशेष।
सम्प्रदाय, सं. पुं. परम्पराका धर्म।
सम्बद्ध, सं. गु. संयुक्त; जो बाँधा गया।
सम्बन्ध, सं. पुं. सम्पर्क, नाता, लगाव; कारक विशेष; तुक।
सम्बन्धी, गु. नतैत। सं. पुं. गोती; समधी।
सम्बोधन, सं. पुं. सन्मुख कर्नेके लिये जो शब्द; कारक विशेष।
सम्भलना, अक. क्रि. थम्भना; सुधर्ना, खडा होना।
सम्भव, सं. पुं. योग्यता। गु. होनेके योग्य।
सम्भालना, स. क्रि. थाम्भना, सुधार्ना; रक्षा कर्ना।

सम्भावना, सं. स्त्री. होनेकी योग्यता; क्रियाके प्रत्ययार्थ नियमका अभिप्राय।
सम्भाषण, सं. पुं. बोलचाल, बातचीत।
सम्भोग, सं. पुं. सुख, हर्ष; मैथुन।
सम्भ्रम, सं. पुं. आदर, सन्मान; उतावली; डर; हडबडाहट्।
सम्मत, सम्मति, } सं. स्त्री. इच्छा; स्वीकार; बिचारमें समानता।
सम्यक्, अ. सब; योग्यतासे, ठीक रीतिसे।
सयन, सं. पुं. शयन।
सयाना, गु. चतुर, प्रवीण, छली; पक्का।
सर, सं. पुं. तीर, वाण; सरकण्डा।
सरः, सं. पुं. ताल, कुण्ड।
सरकण्डा, सं. पुं. नरकट् विशेष।
सरक्ना, अक. क्रि. हटना, भागना।
सरकाना, स. क्रि. खिसकाना, भगाना।
सरगुन, गु. समस्त प्रकारके गुणोंसे जो भरा।
सरद, सं. पुं. शरद।
सरदा, सं. पुं. फल विशेष।
सरन, सरना, } सं. स्त्री. शरण।
सरना, अक. क्रि. बन्ना, चलना; निकलना।
सरनागत, सं. पुं. शरणागत।
सरनागतवत्सल, गु. शरणागतोंपर जो दयाल, अर्थात् ईश्वर।
सरप, सं. पुं. सर्प।

सरपट्, सं. पुं. बगछूट।
सरपत, सं. पुं. पतलो, सेँठा, कण्डा।
सरल, सं. पुं. पौधा विशेष। गु. सीधा; सोजा।
सरला, गु. सीधा; ऊँचा, दीर्घ।
सरस, गु. श्रेष्ठ; अधिक, बहुत।
सरसराना, अक. क्रि. रेंगना, जैसे सर्प रेंगता है।
सरसा, गु. सरस।
सरसाई, सं. स्त्री. अधिकाई, बहुतात्।
सरसोँ, सं. स्त्री. सर्षप, राई विशेष।
सरा, सं. पुं. शराव।
सराई, सं. स्त्री. छोटा सरा।
सराप, सं. पुं. शाप।
सरापना, स. क्रि. शाप देना।
सरावक, सं. पुं. जाति विशेष; जैनके मतावलम्बी।
सरावन, सं. पुं. हेंगा।
सराह, सं. स्त्री. स्तुति, बडाई, महिमा।
सराहना, स. क्रि. स्तुति कर्ना।
सरिगम, सं. पुं. गान विद्यामें स्वर बतानेके लिये पहिले पद।
सरित, सं. स्त्री. नदी।
सरी, सं. स्त्री. बिना फलका शर; सरकण्डा जिस्से तीर बनाते हैं।
सरीखा, गु. सादृश्य।
सरूप, सं. पुं. स्वरूप।
सरेजो, वा-व, सं. पुं. आश्रय।
सरेखा, सं. स्त्री. अश्लेषा।

सरेश, सं. पुं. काष्ठादि वस्तु जोडनेके लिये लसलसी वस्तु ।
सरोज, सं. पुं. कमल ।
सरोता, सं. पुं. सुपारी काटनेके लिये अस्त्र विशेष ।
सरोवर, सं. पुं. तडाग ।
सरोही, सं. स्त्री. खड्ग विशेष ।
सरौंज, सं. स्त्री. बीज विशेष ।
सर्प, सं. पुं. साँप ।
सर्व, गु. सब । सं. पुं. वृक्ष विशेष ।
सर्वगत, गु. सर्वत्र व्याप्त ।
सर्वज्ञ, } गु. सबका जाननेहारा ।
सर्वज्ञानी, }
सर्वतोभद्र, सं. पुं. मण्डल विशेष, चारकोनका मन्दिर वा राजभवन जिसमें चार दिशाके चार द्वार हैं ।
सर्वत्र, अ. सब ठौर ।
सर्वथा, अ. सर्व प्रकारसे ।
सर्वदा, अ. सदा, नित्य ।
सर्वनाम, सं. पुं. सब विश्व आदि पैंतीस शब्द ।
सर्वनाश, सं. पुं. सत्यानाश ।
सर्वनाशक, गु. सबका नाश करनेहारा ।
सर्वमय, गु. जो सर्वत्र फैल गया हो, सम्पूर्ण ।
सर्वव्यापी, गु. सर्वत्र पहुंचनेहारा ।
सर्वस, }
सर्वसु, } सं. पुं. सम्पूर्ण द्रव्य ।
सर्वस्व, }
सर्वाङ्ग, सं. पुं. सारी देह ।
सर्वोपरि, अ. सबके ऊपर ।
सर्वौषधि, सं. स्त्री. जटामांसी, मुरा इत्यादि दश औषध ।
सर्षप, सं. पुं. सरसों ।
सलकी, सं. स्त्री. कंवलकी जड़ ।
सलज्ज, गु. लज्जा सहित ।
सलना, सं. पुं. सोती ।
सलसलाना, अक. क्रि. सरसराना ।
सलाई, } सं. स्त्री. शलाका ।
सलाका, }
सलिता, सं. स्त्री. नदी ।
सलिल, सं. पुं. जल ।
सलूनो, सं. स्त्री. सावनकी पूनो जिसमें राखी बाऊपर बाँधते हैं ।
सलूप, सं. पुं. घोडासा ।
* सलोन, गु. लोन सहित ।
सलोना, गु. खारा; साँवला ।
सलोनी, गु. रुचक, स्वादिष्ट; सुन्दर ।
सल्लम, सं. पुं. मोटा कपडा विशेष ।
सल्लू, सं. पुं. चमडेका टुकडा जिससे जूती आदिको सीते हैं ।
सल्लो, गु. स्त्री. बोदली, स्त्री ।
सवर्ण, गु. एक जातिका, एक रङ्गका, समान वर्ण, सादृश्य ।
सवा, गु. जिस गिनतीस यह संयुक्त होवे उसीको एकको चौथाई बढाते हैं ।
सवाई, सं. पुं. जैपुरके राजाकी पद्वी ।
सवाचना, स. क्रि. जाँचना, परखना ।
सवाद, सं. पुं. स्वाद ।

सवार, सं. पुं. अश्ववार, घुडचढा।
सवारी, सं. स्त्री. चढैती।
सवाया, स. गु. एकएकको चैाथाई।
सवैया, गु. सवाया।
सव्य, गु. बाँया।
सशङ्क, गु. सभय।
सस, सं. पुं. शशि; आकाश।
ससता, गु. जो महङ्गा नहीं है।
ससताई, सं. स्त्री. ससतापन।
ससताना, अक. क्रि. लेटना, थम्भना।
ससा, सं. पुं. शश, चैागडा।
ससुर, सं. पुं. श्वशुर।
सस्य, सं. पुं. फल; अन्न, धान।
सहकार, सं. पुं. आम्र विशेष; सहायता।
सहकारी, गु. सहायक।
सहचर, सं. पुं. साथी, अनुगत।
सहज, गु. सामान्य, सुगम, स्पष्ट।
सहजना, सं. पुं. वृक्ष विशेष।
सहन, सं. पुं. कपडा विशेष।
सहनहार, गु. सन्तोषी, सहवैया।
सहना, अक. क्रि. निबाह कर्ना, सन्तोष कर्ना।
सहमरण, सं. पुं. मरे ऊये पतिके साथ जलना।
सहराना, अक. क्रि. थर्थराना, सहलाना।
सहरावन, सं. स्त्री गुदगुदी, सुरसुरी।
सहरी, सं. स्त्री. मच्छी विशेष।
सहलाना, स. क्रि. गुदगुदाना, चुलचुलाना।
सहलाहट, सं. स्त्री. गुदगुदाहट।
सहवास, सं. पुं. पडोस।
सहवासी, गु. पडोसी।
सहवैया, सं. पुं. सहनहार।
सहसा, अ. विना विचार किये, उतावलीसे।
सहस्र, गु. दश सैाकी गिनती, १०००।
सहाई, सं. स्त्री. सहाय। सं. पुं. सहायक।
सहाऊ, गु. जो सहनेके योग्य है।
सहाना, सं. पुं. राग विशेष।
सहाय, सं. स्त्री. सहारा।
सहायक, सं. पुं. सहाय कर्नेहारा।
सहायता, सं. स्त्री. } उपराला, उ-
सहारा, पुं. } पकार।
सहित, अ. सङ्ग, साथ, समेत।
सहिराना, अक. क्रि. सहराना।
सही, अ. निश्चय बोधक विशेष।
सहेजना, स. क्रि. जाँचना, परखना; सैंतना, बनाना; बना वा ठहरा रखना।
सहेली, सं. स्त्री. सखी, आली।
सहोदर, गु. जो एक मासे उत्पन्न भया।
सहोदरभाई, सं. पुं. सगा भाई।
सहोल, सं. पुं. साहूल।
सहोटी, सं. स्त्री. चैाखट विशेष।
सह्य, गु. सहनेके योग्य।
सा, अ. सादृश्य बोधक जैसे घोडासा, काला वा गोरासा।
साऊ, गु. सीखनहार, शिष्ट।
साऊँगी, सं. स्त्री. साँगी।

साँई, सं. पुं. स्वामी ; भगवान्।

साँक, सं. स्त्री. शङ्का ; काशश्वास।

साँकर, साँकरी, साँकल, } सं. स्त्री. सङ्कल, सिकली; भूषण विशेष।

साँखू वा-खो, सं. पुं. पुल, सेत; काष्ठ विशेष।

साँगी, सं. स्त्री. गाडीमें स्थान विशेष, जिसमें गठरी आदि रखते हैं।

साँगीत, सं. पुं. सङ्गीत।

साँगूस, सं. स्त्री. मछली विशेष, शङ्कु।

साँघर, सं. पुं. अगले पतिसे जो पुत्र।

साँच, गु. सत्य, सच्चा।

साँचा, सं. पुं. ढालनेके लिये घर, प्रघटी।

साँझ, सं. स्त्री. सन्ध्या।

साँझा, सं. पुं. साँझी, स्त्री. } पुतलियां जिनको लडके लोग पितृ पक्षमें गोबर से बनाते हैं।

साँटा, सं. पुं. कोडा, एड।

साँठ, सं. स्त्री. योग संयोग, गुच्छ ; अनाज झाडनेके लिये लबेदा।

साँठगाँठ, सं. पुं. साटबाट, मेल, योग संयोग।

साँठना, स. क्रि. सटाना, लगाना।

साँड, सं. पुं. षण्ड।

साँडनी, सं. स्त्री. ऊँटनी।

साँडा, सं. पुं. चिपकलीके सदृश जन्तु विशेष।

साँती, अ. सन्ती।

साँप, सं. पुं. सर्प।

साँपिन, सं. स्त्री. साँपकी स्त्री।

* साँभर, सं. पुं. नोन विशेष।

साँवला, गु. छाया सदृश जो वर्ण।

साँवाँ, सं. पुं. छोटा अन्न विशेष।

साँस, सं. स्त्री. श्वास।

साँसना, स. क्रि. डाँटना।

साँसभर्ना, अक. क्रि. आह मार्ना।

साँसा, सं. पुं. संशय।

साँसारिक, गु. जो संसार सम्बन्धी।

साका, सं. पु. शाका।

साकार, अ. आकार सहित।

साकेबन्ध, सं. पुं. राजा, जिसे शाका बाँधी है।

साख, सं. स्त्री. धाक, भरम, नाम।

साखी, सं. स्त्री. साक्षी।

साख्यात, सं पुं साक्षात्।

साग, सागपात, } सं. पुं. शाक।

* सागर, सं. पुं. समुद्र।

सागून, सं. स्त्री. काष्ठ विशेष वा उसीका वृक्ष।

साङ्ख्य, सं. पुं. शास्त्र विशेष।

साङ्ग, गु. समाप्त ; अङ्गों सहित।

साज, सं. पुं. अश्वादिके पहिनानेके लिये सामग्री।

साजन, सं. पुं. सज्जन।

साजना, स. क्रि. पहिनाना, सँवारना, सजाना, साधना।

साझा, सं. पुं. व्यापार कर्नेमें कई मनुष्योंका मेल।

साझी, सं. पुं. साथी, भागी, अंशिक।

साठ, गु. छः पर शून ६०।

साठी, सं. पुं. चावल विशेष।

साडी, सं. स्त्री. शाटी, स्त्रीयोंके पहिर्नेकी।

साढू, सं. पुं. जोरूकी बहिनका पति।

साढे, गु. जिस् गिनतीके प्रथममें यह संयुक्त होवे उस्को एकका आधा बढाते हैं, जैसे साढे तीन अर्थात् तीन और आधा।

सात, गु. सप्त ७।

सात्विक, सं. पुं. सतोगुणी।

साथ, सं. पुं. सङ्ग।

साथी, गु. सङ्गी।

सादर, अ. आदर सहित।

सादरा, सं. पुं. गीत विशेष।

सादृश्य, सं. पुं. समानता।

साध, सं. स्त्री. इच्छा, चाह, चोंप। गु. साधु।

साधक, सं. पुं. साधन कर्नेहारा; तपस्वी।

साधन, सं. पुं. अभ्यास, चिन्तन, परमार्थका अनुष्ठान।

साधना, स. क्रि. हिलाना, सिखलाना, सीखना; सुधार्ना, अभ्यास कर्ना, साजना; निबाहना। सं. स्त्री. अभ्यास; निबाह।

साधारण, गु. सामान्य।

साधु, गु. सन्त; जिस्का व्यवहार उत्तम होय। सं. पुं. साहूकार।

साध्य, गु. यत्नसे जो होय; निबाहनेके योग्य।

साध्वी, सं. स्त्री. पतिव्रता।

सान, सं. स्त्री. शाण; धार।

सानबुझाना, स. क्रि. सैनसे समझाना।

सानी, सं. स्त्री. भूसा और खली मिलायके गौके लिये भोजन।

सान्त्वन, सं. पुं. मिलाप।

सान्ना, स. क्रि. मिलाना, गूंधना, माँडना।

सान्निध्य, सं. पुं. सामीप्य, समीपी।

सापन, सं. पुं. रोग विशेष जिस्से बाल क्रम क्रमसे गिर जाते हैं।

सापराध, गु. जो दण्डके योग्य काम करे।

साबर, सं. पुं. बारहसिंगा वा उस् हिरणका चर्म।

साबरमन्त्र, सं. पुं. भाषामें मन्त्र विशेष।

साबूत, गु. समूचा।

साम, सं. पुं. तीसरा वेद; जो बेतके अन्तमें पीतल आदिका लगाते हैं।

सामग्री, सं. स्त्री. वस्तु।

सामर, सं. पुं. लवण विशेष।

सामर्थ, सं. स्त्री. बल, शक्ति।

सामर्थी, गु. बलवान्।

सामर्थ्य, सं. स्त्री. सामर्थ।

सामा, सं. स्त्री. नाना प्रकारके भोजन; सामग्री।

सामाजिक, सं. पुं. सभा आदिके काम कर्नेमें जो देखवैया वा सहायक है।
सामान्य, गु. साधारण।
सामी, सं. पुं. साम; साम्ने।
सामुद्रिक, सं. स्त्री. विद्या विशेष; भडरी।
साम्ना, सं. पुं. सन्मुख।
साम्ने, अ. सन्मुख, आगे।
साम्हना, सं. पुं. सन्मुख।
साम्हने, अ. साम्ने।
सायङ्काल, सं. पुं. सन्ध्या समय।
सार, सं. पुं. खाद; लोहा; गूदा, हीर; मोल; पैसे जिस्से चौपड में जुआ खेलते हैं; सर।
* सारङ्ग, सं. पुं. राग विशेष; मयूर; मेघ; सर्प; मोरका शब्द; हिरण; स्त्री; जल; दीपक; कमल; विष्णुका धनुष।
सारङ्गिया, सं. पुं. सारङ्गी बजानेहारा।
सारङ्गी, सं. पुं. वाद्य विशेष, किङ्गरी।
सारथी, सं. पुं. रथवान्।
सारना, स. क्रि. कर्ना, निबाहना, निबेडना, सुधार्ना, पाँसना।
सारस, सं. पुं. पक्षी विशेष।
* सारा, गु. सम्पूर्ण; समस्त। सं. पुं. साला।
सारार्थ, सं. पुं. संक्षेप।
सारी, सं. स्त्री. मलाई।
सारू, सं. स्त्री. पक्षी विशेष।
सार्थक, गु. सफल।
* सार्वभौम, सं. पुं. सारी पृथ्वीका राजा।
साल, सं. पुं. काठ विशेष; काँटा; छेद; शाला; सियाल।
सालन, } सं. पुं. माँस वा मछली जो
सालना, } रोटी समेत खाते हैं।
सालना, स. क्रि. छेदना, बेधना। अक. क्रि. दुःखना, पीडित होना।
सालसा, सं. पुं. औषधि विशेष।
साला, सं. पुं. स्त्रीका भाई; शाला।
सालिग्राम, सं. पुं. विष्णुके निमित्त पूज्य पत्थर विशेष।
साली, सं. स्त्री. स्त्रीकी बहिन।
सालू, सं. पुं. लालवर्ण वस्त्र विशेष।
सालोतरी, सं. पुं. घोडेका वैदिक।
सावक, सं. पुं. बालक, बच्चा।
सावकाश, सं. पुं. अवकाश, सुबिहता; घात, अन्तर।
सावज गु. बनैला, जंगली। सं. पुं. अहेर।
सावधान, गु. चौकस, सुचेत।
सावधानी, सं. स्त्री. चौकसाई, सुचेती।
सावन, सं. पुं. श्रावण।
सावन्त, गु. सूर, योधा।
सावन्ती, सं. स्त्री. सूर्मापन, बीरता।
सावयव, गु. साङ्ग, अवयव सहित।
सास, सं. स्त्री. श्वश्रु।
सासन, सं. पुं. शासन।
सासना, स. क्रि. ताडन कर्ना, डाँटना।

साम्रु, सं. स्त्री. सास।
साह, सं. पुं. बनिया, महाजन; साधु।
साहचर्य्य, सं. पुं. सङ्गता, साथ।
साहन, सं. स्त्री. साहकी स्त्री।
साहस, सं. पुं. बरबस, बलात्कार; बीरता, ढाडस।
साहसी, गु. बरबसिया, निडर।
साहाय्य, सं. पुं. मित्रता।
साहित्य, सं. पुं. सङ्गता, साथ।
साही, सं. पुं. जन्तु विशेष।
साहूकार, सं. पुं बडा महाजन।
साहूकारी, सं. स्त्री. व्यापार, लेन-देन।
साक्षात्, अ सामे, प्रत्यक्षसे।
साक्षात्कार, सं. पुं. प्रत्यक्ष होना।
साक्षी, सं. स्त्री. गवाही। पुं. गवाह।
सिंह, सं. पुं. मृगराज; श्रेष्ठार्थका सूचक; देवीका वाहन; राशि विशेष।
सिंहद्वार, सं. पुं. जिस्द्वारमें सिंहका आकार है; फाटक।
सिंहनाद, सं. पुं. रणके समयमें शूर वीरोंका शब्द।
सिंहनी, सं. स्त्री. सिंहकी स्त्री।
सिंहपौल, वा-पौर, सं. पुं. सिंहद्वार।
सिंहासन, सं. पुं. देवता और राजाओंका आसन, पाट्।
सिकटा, सं. पुं. ठिकरा।
सिकरी, सिकली, } सं. स्त्री. कुण्डी, सङ्कल।

सिख, सं. पुं. शिष्य; नानकके मतावलंबी।
सिखनावद, सं. पुं. शिक्षा, शिखावट्।
सिखर, सं. पुं. झोंका; शिखर।
सिखरन, सं. पुं. दही और मीठा मिलायके।
सिखलाना, सिखाना, सिखावना, } स. क्रि. पढाना, दिखलाना; ताडन कर्ना।
सिगरौ, गु. सब, सगरा।
सिङ्गा, सं. पुं. तुरही।
सिङ्गार, सं. पुं. शोभा, सजावट्, आभरण।
सिङ्गारना, स. क्रि. सिङ्गार कर्ना, संवारना।
सिङ्गारिया, सं. पुं. देवताका सिंगार कर्नेहारा।
सिङ्गौटी, सं. स्त्री. सींगसे बना ऊआ घोटना; बैलके सींगपर भूषण विशेष।
सिङ्घाडा, सं. पुं. पौधा जो जलमें होता है वा उसीका फल।
सिझाना, स. क्रि. पकाना।
सिड, सं. स्त्री. बौड़ाहट्।
सिडन, गु. स्त्री. बावली, बौडही।
सिडपन, सं. पुं. बौडहापन।
सिडा, सिडी, } गु. बौडहा, बावला।
सित, गु. श्वेत।
सितङ्ग, सं. पुं. शीताङ्ग।
सितङ्गी, गु. शीताङ्गी।
सितरी, सं. स्त्री. स्वेद, पसीना।

सिथल, गु. शीतल; कोमल।
सिद्ध, सं. पुं. जाति विशेष जो इन्द्रके स्वर्गमें रहते हैं: साध अर्थात् वह जो अष्ट सिद्धिके वशमें है। गु. कृतार्थ; पक्व; बना, लैस।
सिद्धान्त, सं. पुं. वादि प्रतिवादीसे निर्णय किया जो अर्थ; कौमुदी विशेष।
सिद्धान्तशिरोमणि, सं. स्त्री. ज्योतिषका ग्रन्थ विशेष।
सिद्धान्ती, सं. पुं. मीमांसाका मतावलम्बी।
सिद्धि, सं. स्त्री. वाञ्छित अर्थकी प्राप्ति; देवतोंकी पूजा वा तपस्याका फल; मन्त्रादि जपनेसे जो पराक्रम, सुर्ति, शुद्धता।
सिधार्ना, अक. क्रि. चलाजाना, उठजाना।
सिनक, सं. पुं. नेटा, पोंटा, रेंट।
सिनकना, स. क्रि. नाक झाड़ना।
सिन्दूर, सं. पुं. लाल वर्ण चूर्ण विशेष।
* सिन्धु, सं. पुं. नदी विशेष; समुद्र।
सिपाह, सं. पुं. सेना।
सिपाहसालार, सं. पुं. सेनापति।
सिपाही, सं. पुं. तिलङ्गा।
सिमट्, सं. स्त्री. सङ्कोचन, सिकोर।
सिमटजाना, } अक. क्रि. सिकुर्ना,
सिमट्ना, } बटुर्ना।
सिमाना, सं. पुं. सिवाना।
सियाना, गु. चतुर, प्रवीण; पक्का।
सियार, सं. पुं. शृगाल।
सिर, सं. पुं. शिर; मस्तक।
सिर्का, सं. पुं. मीठेसे बनाई ऊई खट्टी वस्तु विशेष।
सिरकी, सं. स्त्री. पानी रोकनेके लिये सरकण्डे विशेषसे बनी ऊई वस्तु।
सिरखप, गु. मनचला।
सिरखपी, सं. स्त्री. जोखिम; ढाडस।
सिरजना, सं. क्रि. रचना, उत्पन्न कर्ना, बनाना।
सिरफटौवल, सं. स्त्री. झगड़ा, लड़ाई।
सिरसींग, गु. गुष्ट कर्नेहारा, दङ्गा कर्नेहारा।
सिरहाना, सं. पुं. तकिया, खटियामें जिधर सिरकर्त्ते हैं।
सिरात, गु. ठण्डा।
सिराना, स. क्रि. ठण्डा कर्ना; बहाना, पठाना।
सिरिस, सं. पुं. वृक्ष विशेष, शिरीष।
सिल, सं. पुं. शिला।
सिलपट्, गु. चौपट्।
सिलबट्टा, सं. पुं. सिलका बट्टा।
सिलवाना, स. क्रि. सिलाना।
सिला, सं. स्त्री. शिला, पाषाण विशेष जिसपर मसाला पीसते हैं।
सिलाई, सं. स्त्री. सिलानेका पैसा वा काम।

सिलाजीत्, सं. पुं. अश्मज।
सिलाना, स. क्रि. सिलवाना।
सिलारस, सं. पुं. सिलाजीत्।
सिली, सं. स्त्री. पथरी, शाण।
सिवाना, सं. पुं. सीमा।
सिसकना, अक. क्रि. बिसुर्ना।
सिसकी, सं. स्त्री. कूक।
सिहरा, सं. पुं. मौर।
सिहराऊ, गु. थकाऊ, उचाट।
सिहराना, स. क्रि. थकाना, उचाट कर्ना, गुदगुदाना।
सिहर्ना, अक. क्रि. काँपना।
सींक, सं. स्त्री. तृण विशेष जिस्की झाड़ू बनती है।
सींकर, सं. पुं. सींकका फूल।
सींका, सं. पुं. घर।
सींकिया, गु. डण्डीरवान्, धारीदार, लहरिया, डोरिया।
सींग, सं. पुं. शृङ्ग।
सींगड़ा, सं. पुं. सींग बारूत रखनेके लिये।
सींगा, सं. पुं. नरसिङ्गा।
सींगिया, सं. पुं. विष विशेष।
सींगी, सं. स्त्री. छोटा नरसिङ्गा; मछली विशेष; तोमड़ी।
सींचना, स. क्रि. सीचना, पाट्ना, पानी देना।
सींचाई, सं. स्त्री. सींचनेका काम वा सींचनेके लिये पैसा।
सींची, सं. स्त्री. सींचनेका समय।
सीख, सं. स्त्री. शिक्षा, पाठ, विद्या।
सीखना, स. क्रि. विद्याका उपार्जन कर्ना, पाना।

सीचना, स. क्रि. सींचना।
सीज, सं. पुं. पौधा विशेष।
सीजना, अक. क्रि. रिसना, निकलना; उसन्ना, उबलना।
सीटी, सं. स्त्री. मुंहसे बजाना।
सीठ, सं. स्त्री. फोग, खूद, छानन।
सीठना, सं. पुं. } ब्याह में गाली सहित गीत जो स्त्री गाती हैं।
सीठनी, स्त्री. }
सीठा, गु. रसहीन, फीका; असार, रोगहा।
सीठी, सं. स्त्री. सीठ।
सीढ़ी, सं. स्त्री. निसैनी, सोपान, आरोह।
सीत, सं. स्त्री. शीत, ओस।
सीतरस, सं. पुं. मुंह पेटका रोग।
सीतल, गु. शीतल।
सीतलचीनी, सं. स्त्री. पौधा विशेष।
सीतलपाटी, सं. स्त्री. चटाई विशेष।
सीतला, सं. स्त्री. माता, गोटी।
सीताङ्ग, सं. पुं. शीताङ्ग।
सीताफल, सं. पुं. आता।
सीधा, गु. सोझा; निश्छल, भोला, खरा। सं. पुं. अनपके भोजनकी सामग्री।
सीधाई, सं. स्त्री. सोझ, भोलापन; खराई।
सीना, स. क्रि. तगना, टाँकना, तुरप्ना।

सीप, सं. स्त्री. आम विशेष जिसकी गुठली सीपीके समान होती है; सीपी।
सीपी, सं. स्त्री. शङ्ख विशेष।
सीमा, सं. स्त्री. सिवाना, अवधि।
सीरा, गु. शीतल। सं. पु. मोहनभोग।
सील, सं. पुं. शील।
सीला, गु. गीला; शीतल।
सीवली, सं. पुं. जाति विशेष।
सीस, सं. पुं. शीष, सिर; शिखा।
सीसक, } सं. पुं. धातु विशेष।
सीसा, }
सीसौं, सं. पुं. वृक्ष विशेष।
सु, अ. इसका प्रयोग जिस शब्दके प्रथममें होय उसके अर्थमें अधिकाई वा उत्तमता वा भलाई समजी जाय, जैसे सुब्राह्मण इत्यादि।
सु, अ. से, जैसे जासु अर्थात् जिसे; सो।
सुँघाना, स. क्रि. महकाना।
सुघावट, सं. पुं. महक, गन्ध, वास।
सुकचाना, अक. क्रि. डरना, सङ्कोचित होना।
सुकटा, गु. दुवला, सूखा।
सुकटी, गु. दुवला, सूखा। सं. स्त्री. सूखी मछली।
सुकडना, अक. क्रि. सिकुडना, वटुर्ना, समिट्ना।
सुकर, गु. सहज; कर्नेके योग्य।
सुकवार, गु. कोमल, निर्वल।
सुकाल, सं. पुं. अच्छी ऋतु, बहुतात्, ढेर।
सुकुचना, अक. क्रि. सुकचाना।
सुकुमार. गु. सुकवार।
सुकृत, सं. पुं. भलाई, पुण्य, कीर्त्ति। गु. जो अच्छी रीतिसे किया गया।
सुकृती. गु. पुण्यवान्; भाग्यवान्।
सुख, सं. पुं. चैन, कल; सन्तोष; आनन्द।
सुखचैन, सं. पुं. विश्राम, सावकाश।
सुखतला, सं. पुं. जूतेमें जो तला, अर्थात् पैतावा।
सुखद, गु. सुखदायक, अच्छा।
सुदर्शन, सं. पुं. पौधा विशेष जिसका रस कानके पीडामें देते हैं।
सुखदान, सं. पुं. सुखका दान।
सुखदानी, } गु. सुखका देनेहारा।
सुखदायक, }
सुखदास, सं. पुं. धानकी एक जाति।
सुखपाल, सं. पुं. पालकी विशेष।
सुखपूर्वक, अ. सुखसे।
सुखलाना, } स. क्रि. सूखा कर्ना; जलाना।
सुखाना, }
सुखाला, गु. सहज।
सुखित, गु. चैनसे युक्त, आनन्दित।
सुखिया, } गु. आनन्दी, चैनी; सन्तोषी।
सुखी, }
सुख्याति, सं. स्त्री. यश, प्रतिष्ठा।
सुगन्धि, सं. स्त्री. भली वास, महक। गु. महकीला।

सुगम, गु. जाने योग्य वा चढनेके योग्य; भला, जैसे मार्ग; सहज करनेके योग्य।
सुगरई, सं. स्त्री. रागिणी विशेष।
सुघड, गु. सुडौल, सुशील, सुन्दर।
सुघडई, सं. स्त्री. सुशीलता, सुन्दरता।
सुघाट, सं. पुं. भला घाट. भला डौल, सुरूप।
सुच, गु. शुचि; पवित्र, निर्मल।
सुचक, गु. सोची, सचेता, चौकस।
सुचित, गु. चौकस; चिन्ता रहित; धन्धेसे रहित।
सुचेत, गु. सुचित, चौकस।
सुजन, गु. सज्जन, भला, आदरी।
सुजसी, गु. प्रतिष्ठित, कीर्त्तिमान्।
सुजान, गु. प्रवीण, ज्ञानी।
सुजाना, स. क्रि. फुलाना।
सुझाना, स. क्रि. दिखलाना; समझाना।
सुटकुन, सं. स्त्री. लठ, छडी।
सुटुकना, स. क्रि. घूटना, निगलना।
सुडको, सं. स्त्री. गुडीकी डोरी अचानकसे ढीलना।
सुडप, सं. स्त्री. चुस्की, घोंट।
सुडपना, अक. क्रि. चुसकना, चाटना, चूसना।
सुडुकना, स. क्रि. सुटुकना।
सुडौल, सढव, सुढाल, } गु. सुन्दर, सुघरा।

सुत, सं. पुं. लडका, पुत्र।
सुतरा, सं. पुं. कडा जो हाथमें पहिनते हैं।
सुता, सं. स्त्री. बेटी।
सुतार, सं. पुं. बढई; समय, घात, दाव्।
सुतारी, सं. स्त्री. सूआ।
सुथन, सं. पुं. तमान, पैजामा।
सुथनी, सं. स्त्री. कन्द विशेष।
सुथरा, गु. अच्छा, सुन्दर, अनूठा। सं. पुं. नानकसाहका पुरोहित।
सुथराई, सं. स्त्री. सुन्दरता, भलाई।
सुथरासाही, सं. पुं. भिखारी विशेष।
सुदर्शन, सं. पुं. विष्णुका चक्र; वृत्त जिसको गुलाबजामन कहते हैं।
सुदी, सं. स्त्री. उजियाला पाख।
सुदुर्लभ, गु. अत्यन्त दुर्लभ।
सुदृश्य, गु. सुन्दर।
सुध, सं. स्त्री. स्मरण, चेत। गु. शुद्ध।
सुधबुध, सं. स्त्री. चेत, पहिचान, बूझ।
सुधर्ना, अक. क्रि. बन्ना, संभलना, सजना।
सुधा, सं. स्त्री. अमृत।
सुधाँ, अ. समेत, सहित।
सुधांशु, सुधाकर, } सं. पुं. चन्द्रमा।
सुधाना, स. क्रि. चेताना, स्मरण देना।

सुधार्ना, स. क्रि. सँवार्ना, बनाना, सैंतना।
सुधी, सं. पुं. पण्डित।
सुन, गु. शून्य।
सुनकातर, सं. पुं. सर्प विशेष।
सुनबहरी, सं. स्त्री. रोग विशेष।
सुनसर, सं. पुं. भूषण विशेष।
सुनसान, गु. चुपचाप; उजाड़।
सुनहरा, गु. सोनहला, सोनेका।
सुनाना, स. क्रि. जताना, बतलाना, कहना, समझाना।
सुनापट्, सं. स्त्री. सुनाहट्, मौन।
सुनार, सं. पुं. स्वर्णकार, सोनार।
सुनारिन, सं. स्त्री. सोनारिन।
सुनारी, सं. स्त्री. सोनारका काम; रूपवती। गु. प्रवीण।
सुनावनी, सं. स्त्री. विदेशमें मरेका समाचार।
सुनीति, सं. स्त्री. भली रीति, शिष्टाचार।
सुन्दर, गु. सुरूप, सुडौल; भला।
सुन्दरता, सं. स्त्री. सुथराई, भलाई।
सुन्दरी, सं. स्त्री. स्त्री; सुन्दरता, रूप।
सुन्ना, स. क्रि. कान धर्ना, श्रवण कर्ना।
सुपच्छ, सं. स्त्री. सच्चा पच्छ; शुक्ल पच्छ।
सुपच्छी, सं. पुं. सुपच्छका कर्नेहारा।
सुपन्थ, सं. पुं. अच्छा मार्ग।
सुपात्र, गु. योग्य, भला मनुष्य।
सुपारा, सं. पुं. लिङ्गका सिर।
सुपारी, सं. स्त्री. पूँगी फल।
सुपुत्र, } गु. योग्य पुत्र, भला पुत्र,
सुपूत, } आज्ञाकारी पुत्र।
सुप्त, सं. पुं. निद्रा। गु. सूता, निद्रित।
सुप्तोत्थित, गु. नींद से भडभडायके जो उठे।
सुफल, गु. जो अच्छा फल देता है; उपार्जनी, कामका।
सुभगा, सं. स्त्री. जिस् स्त्रीको पति बहुत् प्रेम करे, और जो स्त्री बहुत लडके जन्मावे।
सुभाव, सं. पुं. प्रकृति, बान्। गु. सुशील।
सुभीता, सं. पुं. सावकाश।
सुमति, सं. स्त्री. भलमनसी, सत्वगुण।
सुमन, सं. पुं. गेहूं; धतूरा; पुष्प विशेष। गु. जिस्का मन अच्छा है, शीलवन्त।
सुमरन, सं. पुं. स्मरण, चेत, सुध; छोटी माला; समझौती।
सुमर्ना, स. क्रि. स्मरण कर्ना, नाम लेना।
सुमेल, गु. योग्य, मिलनसार।
सुयशः, सं. पुं. सुयश, सुख्याति।
सुयोग, गु. अच्छा योग।
सुर, सं. पुं. देवता; स्वर।
सुरङ्ग, सं. स्त्री. सेंध। पुं. ईंगुर।
सुरत, सं. स्त्री. सुधि, स्मृति; मैथुन।

सुरता, गु. सुरतीला।
सुरती, सं. स्त्री. तमाकू।
सुरतीला, गु. विचारवान्, ध्यानी, चौकस।
सुरभि, सं. पुं. सुगन्ध, महक; जायफल।
सुरमा, सं. पुं. अञ्जन विशेष।
सुरमिलाना, स. क्रि. स्वर मिलाना।
सुरस, गु. सुस्वाद।
सुरसुराना, अक. क्रि. सरसराना।
सुरसुराहट्, सं. स्त्री. सरसराहट्; गुदगुदाहट्।
सुरसुरी, सं. स्त्री. गुदगुदी।
सुरा, सं. स्त्री. मद्य।
सुरुकना, स. क्रि. सुड़ुकना।
सुरूप, गु. सुन्दर।
सुरैत, } सं. स्त्री. अविवाहिता,
सुरैतिन, } उड़ली, रखनी।
सुलगना, अक. क्रि. बलना, आँच उठना; धूवेंके बिना जलना।
सुलगाना, स. क्रि. बालना, लूका लगाना।
सुलझना, अक. क्रि. खुलना।
सुलझाना, स. क्रि. उधेड़ना, उकेलना, खोलना।
सुलतान, सं. पुं. मुसलमानके राजाकी पदवी।
सुलभ, गु. सहजसे जो पाया जाय।
सुलच्छण, सं. पुं. शुभके सूचक चिह्न; सुन्दरता।

सुलाना, स. क्रि. शयन कराना; बध करना।
सुलैमानी, गु. जो सुलैमानका है। सं. पुं. पत्थर विशेष।
सुवक्ता, गु. भला कहनेहारा।
सुवचन, सं. पुं. विशद वाणी।
सुवर्ण, सं. पुं. कनक, सोना।
सुवाना, स. क्रि. सुलाना।
सुवैया, सं. पुं. सोनेहारा।
सुशिक्षा, गु. भली शिक्षा।
सुशील, गु. जिसका शील अच्छा है, सुस्वभाव, साधु, शिष्टाचारी।
सुशीलता, सं. स्त्री. शिष्टाचार, स्वभावमें नम्रता।
सुश्री, सं. स्त्री. शोभा।
सुषुप्ति, सं. स्त्री. सुख नींद।
सुसकाना, अक. क्रि. फनफनाना।
सुसताना, अक. क्रि. विश्राम लेना, श्वास लेना।
सुसमय, सं. पुं. बढ़ती का समय, अच्छा समय।
सुसर, } सं. पुं. ससुर।
सुसरा, }
सुसराल, सं. स्त्री. ससुरका घर वा घराना।
सुस्थ, गु. अरोगी, भला चङ्गा।
सुस्थिर, गु. निश्चल, अटल।
सुस्वाद, गु. सुरस।
सुहनी, अक. क्रि. घसिट्ना।
सुहाग, सं. पुं. सौभाग्य, भला भाग्य; पतिका प्यार; स्त्रीका भूषण विशेष, जो पतिके जीवनेका चिह्न है।

सुहागन, सं. स्त्री. विवाहिता स्त्री जिसका पति जीता है।
सुहागा, सं. पुं. औषध विशेष, जिससे सुवर्णादि गलता है।
सुहाता, गु. मोहना, चाहीता, भला।
सुहाना, सुहावना, } गु. मोहना, चाहीता। अक. क्रि. अच्छा लगना, भाना, रुचना।
सुहाल, सं. पुं. सुहाली, स्त्री. } पकवान विशेष।
सुहृद. सं. पुं. मित्र।
सूअर, सूअरी, } सं. पुं. शूकर, वराह।
सूआ, सं. पुं. तोता; बडी सूई।
सूई, सं. स्त्री. यन्त्र जिससे वस्त्र सीते हैं।
सूँगरा, सं. पुं. भैंसका बछरा, पडवा।
सूँगा, सं. पुं. टना, टोटा।
सूँघ, सं. स्त्री. गन्ध, बास।
सूघन, सं. स्त्री. सूँघनेकी वस्तु।
सूँघना, स. क्रि. बास लेना, महक लेना।
सूँघनी, सं. स्त्री. नास, ऊलास।
सूँट, सं. स्त्री. चुप्पी, मौन।
सूँड, सं. स्त्री. हाथीकी नाक।
सूँडा, सं. पुं. घुन।
सूँडी, सं. पुं. कलार: कलवार।
सूँतना, सूँथना, } स. क्रि. काढना; खैंचना; टहनीसे पत्तीको निकालना वा भिन्न कर्ना।
सूँस, सं. पुं. सूस।
सूकटा, गु. दुबला; निर्बल।
सूकर, सं. पुं. शूकर।
सूकवा, सं. पुं. किसारी।
सूका, सं. पुं. सूकी, स्त्री. } चौअन्नी।
सूखकडी, सं. स्त्री. क्षयरोग, सूखा।
सूखना, अक. क्रि. सूखा होना; गलना, सिकुड्ना, मुर्झाना।
सूखा, गु. शुष्क, रसहीन। सं. पुं. क्षयरोग, गलनी।
सूगा, सं. पुं. तोता।
सूचक, सं. पुं. ज्ञापक, बोधक; शिक्षक।
सूचना, सं. स्त्री. जनावना।
सूची, सं. स्त्री. सूई।
सूचीपत्र, सं. पुं. पत्र जिसमें पुस्तक का अध्याय और प्रकरण लिखा जाता है।
सूज, सूजन, } सं. स्त्री. फूलाव, शोथ।
सूजना, अक. क्रि. फूलना।
सूजा, सं. पुं. बर्मा, वेधी; सुतारी।
सूजी, सं. पुं. सीनेहारा, दर्जी; सूई; दरदरा आटा।
सूझ, सं. स्त्री. दृष्टि।
सूझना, अक. क्रि. गोचरी होना, देख सक्ना।
* सूत, सं. पुं. धागा, तागा; रथवान्; बढई; भाट।
सूतक, सं. पुं. प्रसवसे वा गर्भपात से जो अपवित्रता, अशौच।
सूतना, अक. क्रि. सोना, नींद लेना।

सूतल, सं. पुं. छठा पाताल।
सूतली, सं. स्त्री. डोरी, पतली रस्सी।
सूतिका, सं. स्त्री. जच्चा, प्रसूतिका, प्रसौती।
सूती, गु. जो सूतसे बना।
सूतू, सं. पुं. नींद।
सूत्र, सं. पुं. तागा; संक्षेपसे अनेकार्थका बोधक।
सूथन, सं. स्त्री. जाँघिया।
सूथनी, सं. स्त्री. जाँघिया; सुथनी।
सूधा, गु. शुद्ध; सीधा; भोला, निष्कपट्।
सूधाई, सं. स्त्री. सिधाई।
सून, सं. गु. शून्य।
सूना, गु. छूछा; उजाड्।
सूनु, सं. पुं. पुत्र।
सूनौं, गु. शून्य।
सूप, सं. पुं. शूर्प, छाज।
सूपाबेना, सं. पुं. पक्षी विशेष।
सूपार, सं. पुं. सुपारा।
सूपियारी, सं. स्त्री. सूपारी।
सूम, सं. पुं. क्षपण, कंजूस।
* सूर, सं. पुं. वीर; हगास।
सूरजगहन, सं. पुं. सूर्य्यग्रहण।
सूरजमुखी, सं. स्त्री. सूर्य्यमुखी।
सूरता, सं. स्त्री. वीरता।
सूरबीर, सं. पुं. बीर, सावन्त।
सूरमलार, सं. पुं. रागिणी विशेष।
सूरमा, गु. सावन्त, मनचला।
सूरमापन, सं. पुं. सावन्ती, वीरता।
सूरा, सं. पुं. सावन्त, बीर।
सूर्य्यग्रहण, सं. पुं. सूर्य्यका ग्रहण।
सूर्य्यमुखी, सं. स्त्री. पुष्प विशेष।
सूर्य्यवंशी, सं. पुं. सूर्य्यका वंशी; क्षत्रिय वर्ण।
सूर्य्योदय, सं. पुं. दिन चढा, सूर्य्यका उदय।
सूल, सं. पुं. शूल, कुरकुरी; भालाकी मोनी; अस्त्र विशेष; काँटा।
सूली, सं. पुं. शूली। सं. स्त्री. अपराधीके मारनेके लिये यन्त्र विशेष।
सूवा, सं. पुं. मोटी सूई; तोता।
सूस, } सं. पुं. जलजन्तु वि-
सूसमार, } शेष।
सूसी, सं. स्त्री. वस्त्र विशेष।
सूहा, गु. लाल, अरुण। सं. पुं. राग विशेष।
सूक्ष्म, गु. चोखी, अस्थूल।
सूक्ष्मता, सं. स्त्री. चोज; पतलाई।
सूक्ष्मदर्शी, गु. चतुर, सुती, प्रवीण।
सृजना, स. क्रि. सिरजना।
सृष्टि, सं. स्त्री. उत्पत्ति, जगत्।
से, अ. अपादान कारक का बोधक, साथ, सङ्ग।
सेँक, सं. पुं. सेकनेका काम; ततार।
सेँकना, स. क्रि. तताना, गर्माना।
सेँकडा, गु. सौ, शत।
सेँगरी, सं. स्त्री. फली, छीमी।

सेँठा, सं. पुं. } सरकण्डा जिस से मोढा बनाते हैं, सर
सेँठी, स्त्री. } पत, पतलो।
सेँत, अ. सेँत मेंत।
सेँतना, स. क्रि. सुधार्ना, सहेजना, बनाना।
सेँतमेँत, अ. मोलके विना।
सेँद, सं. स्त्री. खीरा विशेष।
सेँदूर, सं. पुं. ईंगुर।
सेँध, सं. पुं. चोर चोरी कर्नेके लिये भीतमें जो छेद कर्त्ते हैं।
सेँधना, स. क्रि. खोदना, ढाना।
सेँधा, सं. पुं. लवण विशेष, नमक लहोरी।
सेँधिया, सं. पुं. विष।
सेँधी, सं. स्त्री. खजूर का रस।
सेँऊआ, सं. पुं. दाद, दिनाई।
सेगुन. सं. पुं. काष्ठ विशेष जो पेगु-देशसे आता है।
सेचन, सं. पुं. छिडकाव।
सेज, सं. स्त्री. शय्या, मञ्जा, पलङ्ग।
सेजबन्द, सं. पुं. सेजपर बिछोना बाँधनेके लिये डोरी विशेष।
सेठ, सं. पुं. साहूकार।
सेठन, सं. स्त्री. सेठकीस्त्री।
सेत, गु. श्वेत।
सेतना, स. क्रि. जुगाना।
सेतु, सं. पुं. पुल।
सेदना, स. क्रि. सेँकना, तताना।
सेन, } सं. स्त्री. दल, कटक।
सेना, }
सेनानी, } सं. पुं. दलवाल।
सेनापति, }

सेब, सं. पुं. फल विशेष।
सेम, सं. स्त्री. तरकारीके लिये फली विशेष।
सेमल, सं. पुं. रूई विशेष वा रूई का वृक्ष विशेष।
सेर, सं. पुं. तोल विशेष।
सेराना, स. क्रि. बहाना, भसाना।
सेल, सं. पुं. बर्छा।
सेलखडी, सं. स्त्री. पर्वतकी मट्टी विशेष।
सेला, सं. पुं. पहन्नेका वस्त्र विशेष; बाघ विशेष।
सेलिया, सं. पुं. मार्ज्जार।
सेली, सं. स्त्री. सूतसे बनी ऊई माला; जाल, बद्धी।
सेव, सं. पुं. फल विशेष। सं. स्त्री. सेवा।
सेवई, सं. स्त्री. खानेके लिये वस्तु विशेष।
सेवक, सं. पुं. नोकर, पूजारी।
सेवकाई, सं. स्त्री. नोकरी, सेवा।
सेवडा, सं. पुं. जैन मतके भिखारी।
सेवती, सं. स्त्री. पुष्प विशेष।
सेवना, स. क्रि. नोकरी कर्ना; अण्डेपर बैठना, रच्छा कर्ना।
सेवरा, सं. पुं. अधपक्का मट्टीका वर्तन।
सेवा, सं. स्त्री. नोकरी, टहल, पूजा।
सेस, सं. पुं. शेष।
सेसर, सं. पुं. तासमें खेल विशेष।
सै, गु. सौ। सं. स्त्री. भागमानी, लहरबहर।

सैंकड़ा, ग. सौ।
सैगर, सं. पुं. शमी वृक्षकी फली।
सैंतना, स. क्रि. संतना।
सैंतीस, ग. तीस और सात ३७।
सैन, सं. स्त्री. सेना; शयन; मट्-की, चिह्न।
सैनासैनी, सं. स्त्री. परस्पर सैन करना।
सैन्धव, सं. पुं. सिन्धुदेश का लवण वा घोड़ा।
सैन्य, सं. स्त्री. सेना।
सैल, सं. पुं. शैल, पहाड़।
सैसांझ, अ. सांझके आरम्भमें।
सैहरन, सं. स्त्री. समाई।
सैहरना, सं. पुं. सहवैया।
सो, सर्व. सम्बन्ध वाचक सर्वनाम।
सोअर, सं. पुं. कोठरी जिसमें प्रसौती रहती है।
सोआ, सं. पुं. पौधा विशेष।
सोई, सर्व. वुह आप।
सों, अ. से।
सोंटा, सं. पुं. गदका; मूसल।
सोंठ, सं. स्त्री. सूखी अदरक।
सोंधना, स. क्रि. धोनेके लिये गीली मिट्टीसे कपड़ा मलना; भरना, लगाना।
सोंधा, सं. पुं. बाल धोनेके लिये सुगन्ध द्रव्यकी मिलौनी वा मसाला; नये मृत्तिकाके पात्र भिगानेसे जो गन्ध।
सोंधाहट, सं. स्त्री. सुगन्ध, सुबास; नई मृत्तिकासे जो गन्ध।
सोंपना, स. क्रि. सौंपना।
सोंह, सं. स्त्री. किरिया, शपथ।
सोंहीं, अ. साम्हे, सन्मुख।
सोखना, स. क्रि. खींचना, चूस लेना, पी लेना।
सोच, सं. पुं. ध्यान, बूझ।
सोचना, स. क्रि. ध्यान करना, बूझना।
सोज, सं. पुं. सूज।
सोझ, सं. स्त्री. सीधाई।
सोझा, गु. सीधा।
सोत, सं. स्त्री. } भूर, कुण्ड, जलका
सोता, पुं. } निकास; धारा; समुद्रका खाल।
सोथ, सं. स्त्री. सूज।
सोदर, सं. पुं. सहोदर।
सोध, सं. स्त्री. शोध; खोज।
सोधना, स. क्रि. शोधन करना; ऋण भरना, मिलाना; निर्मल करना।
सोन, सं. पुं. शोण; पुष्प विशेष।
सोनहरा, } गु. सोनेका।
सोनहला, }
सोना, सं. पुं. स्वर्ण। अ. क्रि. नींद-लेना, मरना।
सोनिया, सं. पुं. राखसे सोना भिन्न करनेहारा।
सोपान, सं. पुं. सीढ़ी।
सोभना, अक. क्रि. सोहना, सजना।
सोभा, सं. स्त्री. शोभा।
सोमराज, सं. पुं. औषधि पौधा विशेष।
सोमवार, सं. पुं. चन्द्रवार, दूसरा वार।

सोरठ, सं. स्त्री. रागिणी विशेष।
सोरठा, सं. पुं. व्रजभाषामें छन्द विशेष।
सोसाइटी, सोसैटी, } सं. स्त्री. समूह, कम्पिनी।
सोह, सं. स्त्री. शोभा।
सोहन, गु. प्यारा, चाहीता। सं. पुं. सज्जन; रेती। स्त्री. मिठाई विशेष।
सोहना, अक. क्रि. सजना।
सोहागा, सं. पुं. सुहागा।
सोही, अ. सन्मुख।
सौ, गु. शत १००।
सौंचेत, गु. सुचेत।
सौंपना, स. क्रि. पंहचाना, धर्ना, रखना।
सौंफ, सं. पुं. औषधि विशेष।
सौंरा, सं. पुं. कालक, काजल।
सौगन्द, सं. स्त्री. शपथ, किरिया।
सौगन्दासौगन्दी, सं. स्त्री. परस्पर सौगन्द कर्ना।
सौच, सं. पुं. शौच, जिस्के कर्नेसे पवित्र होय।
सौचेती, सं. स्त्री. रक्षा, बचाव्।
सौजन्य, सं. पुं. सुजनता।
सौत, सौतन, } सं. स्त्री. सपत्नी।
सौतियादाह, सं. स्त्री. सौतको दाह।
सौतेला, गु. जो सौतसे उत्पन्न भया, जैसे सौतेला भाई।
सौन्दर्य, सं. पुं. सुन्दरता।
सौभाग्य, सं. पुं. भागमानी।
सौर, गु. सूर्यसम्बन्धी। सं. स्त्री. मछली विशेष।
सौरभ, सं. पुं. केसर; सुगन्ध।
सौरमास, सं. पुं. सूर्यके एक राशिमें रहनेका समय।
सौहार्द, सं. पुं. मित्रता।
स्कन्ध, सं. पुं. कन्धा; काण्ड।
स्खलन, सं. पुं. पतन।
स्तन, सं. पुं. चूंची।
स्तब्ध, गु. रुका।
स्तम्भ, सं. पुं. खम्भा; रुकाव्।
स्तम्भन, सं. पुं. रुकाव्।
स्तम्भित, गु. जो रोका गया।
स्तव, सं. पुं. स्तुति।
स्तावक, सं. पुं. स्तुति कर्नेहारा।
स्तुति, सं. पुं. सराह, बडाई; भजन।
स्तेन, सं. पुं. चोर।
स्तेय, सं. पुं. चोरी।
स्तोत्र, सं. पुं. स्तव, स्तुति।
स्त्री, सं. स्त्री. नारी लुगाई।
स्त्रैण, सं. पुं. स्त्रीके वश वा स्त्रीका स्वभाव।
स्थगित, गु. थका; छिपा।
स्थल, सं. पुं. स्थान, भूमि जो सूखी और कडी है।
स्थान, सं. पुं. ठौर, ठिकाना; घर, ठाँव।
स्थापन, सं. पुं. रखना, धर्ना, बैठाना।
स्थापना, सं. स्त्री. प्रतिष्ठा।
स्थापित, गु. प्रतिष्ठित; निर्णय, स्थिर, अचल, जो स्थापन किया गया।

स्थाली, सं. स्त्री. थाली।
स्थावर, गु. अचल, जैसे वृक्षादि।
स्थिति, सं. स्त्री. टिकाव।
स्थिर, गु. अचल; शान्त।
स्थिरता, सं. स्त्री. शान्ति, धीमापन।
स्थूल, गु. मोटा।
स्थैर्य, सं. पुं. स्थिरता।
स्थौल्य, सं. पुं. मोटापा, मोटाई।
स्नान, सं. पुं. जलसे आप्लुत होना, नहान।
स्नानीय, सं. पुं. जल जो स्नान करनेके योग्य है।
स्नेह, सं. पुं. प्रेम, प्यार; घृतादि।
स्पर्द्धा, सं. स्त्री. द्वेष, डाह, अन्यके अपमानको इच्छा।
स्पर्श, सं. पुं. छूना, छुहावट।
स्पष्ट, सं. पुं. खुला, सहज।
स्पृश्य, ग. स्पर्शके योग्य।
स्पृष्ट, गु. छूआ।
स्पृहा, सं. स्त्री. इच्छा, चाह।
स्फटिक, वा-टक, सं. पुं. स्वच्छ पाषाण विशेष।
स्फुट, गु. खिला, खुला; व्यक्त, प्रगट।
स्फूर्त्ति, सं. स्त्री. टीस, धडधडाहट, डोल, हिलाव।
स्फोटक, सं. पुं. फोडा।
स्मरण, सं. पुं. सुध, चेत, स्मृति।
स्मारक, गु. स्मरण जो करावे।
स्मार्त्त, सं. पुं. स्मृतिका जाननेहारा।
स्मृति, सं. स्त्री. शास्त्र विशेष; स्मरण।
स्यानपन, सं. पुं. चतुराई।
स्याणा, वा-ना, गु. चतुर, पक्का।
स्यार, सं. पुं. शृगाल।
स्रुव, सं. पुं. यज्ञमें घृतादि होमनेके लिये काष्ठ रचित वस्तु विशेष।
स्रोतः, सं. पुं. सोता।
स्व, सर्व. अपना। सं. पुं. धन; आत्म।
स्वकीय, गु. पुं. } अपना, सगा।
स्वकीया, स्त्री. }
स्वच्छ, गु. निर्मल।
स्वच्छन्द, गु. अपनी इच्छाके अनुसार, स्वैरी, स्वाधीन।
स्वच्छन्दचारी, सं. पुं. सन्यासी।
स्वजन, सं. पुं. अपने लोग, नतैत।
स्वतः, अ. आपसे।
स्वतन्त्र, सं. गु. स्वाधीन, आपबस।
स्वतन्त्रता, सं. स्त्री. स्वाधीनता।
स्वधर्म, सं. पुं. अपना धर्म।
स्वप्न, सं. पुं. निद्रावस्था, नींदमें जो कुछ मन देखता है।
स्वप्रकाश, गु. आपसे जो प्रकाश।
स्वभाव, सं. पुं. चरित्र, प्रकृति।
स्वयम्बर, सं. पुं. स्त्रीका आपसे वर कर लेना।
स्वर, सं. पुं. शब्द, धुन; अकारादि सोलह अक्षर।
स्वरूप, सं. पुं. अपना रूप, समानता, व्यक्ति।
स्वर्ग, सं. पुं. आकाश; ईश्वरके रहनेका स्थान, वैकुण्ठ।
स्वर्गपताली, गु. भेंगा, डेरा।
स्वर्ग्य, गु. जो स्वर्गका है।

स्वर्ण, सं. पुं. सोना, कनक।
स्वल्प, गु. अत्यन्त छोटा।
स्वस्ति, अ. मङ्गल, कल्याण, तथास्तु।
स्वस्तिवाचन, सं. पुं. शास्त्रोक्त कर्मके आरम्भमें व्यवहार विशेष।
स्वाँग, सं. पुं. भाँड़ैती।
स्वाति, सं. स्त्री. पन्द्रहवाँ नक्षत्र।
स्वाद, सं. पुं. सवाद, रस, चाट्।
स्वादक, स्वादल, } गु. जिसमें सवाद है।
स्वादु, गु. मीठा, स्वादिष्ठ।
स्वादी, सं. पुं. स्वाद कर्नेहारा।
स्वाधीन, गु. स्वतन्त्र।
स्वाधीनता, स्वाधीनी, } सं. स्त्री. स्वतन्त्रता।
स्वान, सं. पुं. श्वान, कुत्ता।
स्वाभाविक, गु. जो स्वभावसे है।
स्वामित्व, सं. पुं. अधिकार, प्रभुता।
स्वामी, सं. पुं. प्रभु; राजा; पति; गुरु।
स्वार्थ सं. पुं. संसारके काम, संसारकी इच्छा; अपना अर्थ वा लाभ चाहना, आत्मपालन।
स्वार्थिक, गु. जो अपने अर्थको पूरा करे, कृतार्थ, कामका।
स्वार्थी, गु. आत्मपालक।
स्वास, स्वासा, } सं. पुं. श्वास।
स्वीकार, सं. पुं. अङ्गीकार।
स्वेच्छक, गु. स्वाधीन, हठीला।
स्वेच्छा, सं. स्त्री. स्वाधीनता, हठ्।
स्वेत, गु. श्वेत।
स्वेद, सं. पुं. प्रस्वेद, पसीना; ताप।
स्वेदज, सं. गु. जो स्वेदसे उत्पन्न है जैसे जूँ, मशकादि।
स्वैरण, वा-रिन, गु. स्वाधीन। सं. पुं. पारदारिक, परस्त्रीगामी।
स्वैरिणी, सं. स्त्री. छिनाल।
स्वैरी, गु. स्वाधीन।

ह

ह, देवनागरी वर्णमालाके हल वर्णोंमेंका तेंतीसवाँ अक्षर।
हंकाना, स. क्रि. निकालना, हाँकना।
हंकार, सं. पुं. हाँक, पुकार, चिल्लाहट्।
हँकारना, स. क्रि. हाँकना; पुकारना; पाल चढ़ाना।
हँफैल, गु. हाँफनेहारा।
हंस, सं. पुं. पक्षी विशेष; आत्मा, जीव।
हँसगमनी, गु. स्त्री. स्त्री जो हँसके चालसे चलती है।
हँसना, अक. क्रि. हास्य कर्ना।
हंसमुख, गु. आनन्दी, मगन, हँसोड़्।
हँसा, सं. पुं. हास्य।
हँसाई, सं. स्त्री. हँसी, ठठोली।
हँसाना, स. क्रि. हास्य कर्वाना, रिझाना।
हँसिया, सं. स्त्री. हँसुआ।
हँसी, सं. स्त्री. हास्य।
हँसुआ, सं. पुं. अन्नादि काटनेके लिये अस्त्र विशेष।
हँसोड़, गु. ठठोल, हँसमुख।

हँसोडपन, सं. पुं. ठठोली।
हकबकाना, अक. क्रि. घबरा जाना, व्याकुल होना।
हकला, गु. जो गलेसे अटकके बोले, लडखडा।
हकलाना, अक. क्रि. लडखडाना, अटकाना।
हकलाहा, सं. पुं. लडबडाहा।
हकाना, स. क्रि. बैलादि पशुको घुमाना जैसे दँवरी कर्नेमें घुमाते हैं।
हक्काबक्का, गु. घाबरा, व्याकुल।
हगना, अक. क्रि. गू कर्ना, ज़ङ्गल फिर्ना।
हगनेटी, सं. स्त्री. हगनेका स्थान; गुदा, गाँड।
हगभर्ना, अक. क्रि. गूसे भर्जाना।
हगाना, स. क्रि. गू कर्वाना।
हगास, सं. स्त्री. हगनेकी इच्छा, शूल।
हचकोला, सं. पुं. धक्का, झोंक।
हट, सं. स्त्री. हठ।
हटकना, अक. क्रि. अटकना।
हटकाना, स. क्रि. अट्काना।
हटना, अक. क्रि. अलग होना, चले जाना, टलना।
हटवा, सं. पुं. अन्नादि मापनेके लिये हाटमें बैठनेहारा।
हट्वाई, सं. स्त्री. हट्वाका काम।
हटाना, स. क्रि. टाल देना, रोक देना, सरकाना।
हटाल, सं. स्त्री. अन्धेरके कारण से हाटमें दूकान बन्ध कर्ना।

हटिया, } सं. स्त्री. हाट।
हट्ट, }
हट्टाकट्टा, गु. पोढा और चर्फरा।
हठ, सं. स्त्री. मगराई, मचलाई, अड्।
हठना, अक. क्रि. हठीला वा मचला वा टेढा होना।
हठात्, अ. अकस्मात्।
हठी, } गु. चिडचिडा, मगरा,
हठीला, } मचला।
हड्, सं. फल विशेष। पुं. काठ।
हडकत, सं. पुं. पौधा विशेष।
हडगीला, सं. पुं. पक्षी विशेष।
हडजोडा, सं. पुं. औषधि पौधा विशेष।
हडफूटन, सं. पुं. हड्डीमें पीडा।
हडबडाना, अक. क्रि. घबराना, व्याकुल होना, हलबलाना।
हडबडिया, गु. चिड्चिडा।
हडबडी, सं. स्त्री. खलबली, ऊक्कड्।
हडहडाना, अक. क्रि. थर्थराना, काँपना; धडधडाना, खड्खडाना।
हडहडाहट्, सं. स्त्री. कडाका, चटाका।
हडहडी, सं. स्त्री. टङ्कार।
हडा, सं. पुं. अनार, बान विशेष।
हडाहडी, सं. स्त्री. हडहडी।
हड्डा, सं. पुं. मोटा हाड; बिर्नी; मोथरा।
हड्डी, सं. स्त्री, अस्थि, हाड।
हड्डीला, गु. अस्थिवान्।

हण्डा, सं. पुं. ताँबे वा पीतलका बडा पात्र।
हण्डाना, स. क्रि. देश वा नगरसे निकालना; गदहे पर चढाना; घुमाना।
हण्डिका, } सं. स्त्री. हाँडी।
हण्डी, }
हत, अ. दुत्।
हतना, स. क्रि. बधना।
हतादर, गु. सन्मानहीन।
हत्या, सं. स्त्री. बध, हिंसा।
हत्यारा, सं. पुं. हत्याकर्नेहारा, हिंसक।
हत्यारी, सं. स्त्री. हत्याकर्नेहारी स्त्री।
हथ, सं. पुं. हाथ।
हथकडा, सं. पुं. पकड, हाथसे पकडनेकी वस्तु।
हथकडी, सं. स्त्री. हाथमें डालनेके लिये बेडी।
हथखण्डा, सं. पुं. टेव, ढब।
हथचपूआ, सं. पुं. भाग, अंश।
हथछूट, सं. पुं. पीटनेहारा।
हथनाल, सं. स्त्री. हाथीपर रखनेके लिये छोटी तोप।
हथनी, सं. स्त्री. हस्तिनी।
हथफेर, सं. पुं. रुपैया परखनेमें जो ठग विद्या; उधार लेना।
हथरस, सं. पुं. चूमाचाटी; भठोली।
हथरी, सं. स्त्री. रहटेका हथकडा।
हथल, } सं. पुं. पीतल आदिका
हथवासा, } हथकडा।
हथा, सं. पुं. चक्कीका हथकडा।
हथिया, सं. स्त्री. हस्त; वर्षाकालका अन्त।
हथियाना, स. क्रि. पकडना, ग्रहण कर्ना।
हथियार, सं. पुं. लोखर, कलकाँटा, अस्त्र।
हथो, सं. स्त्री. घोडेको मलनेके लिये बालसे बनी ऊह वस्तु।
हथेला, सं. पुं. चोर।
हथेली, सं. स्त्री. हाथके बीचका स्थान।
हथौटी, सं. स्त्री. विद्या, प्रवीणता।
हथौडा, सं. पुं. घन।
हथौडी, सं. स्त्री. छोटा हथौडा, मार्तोल।
हदियाना, अक. क्रि. आगा पीछा, वा छः पाँच कर्ना; घबराना।
हदियाहट, सं. स्त्री. भोलापन, मुंहचोरी, घबराहट्।
हदियाहा, गु. भोला, मुंहचोर, सन्देही।
हनन, सं. पुं. बध।
हनना, स. क्रि. बधकर्ना, मारदेना।
हन्ता, सं. पुं. बधकारी।
हप, सं. पुं. झपकसे मुंहमें लेके निगलना।
हपझप, गु. फुर्तीला, चर्फरा।
हफहफाना, अक. क्रि. हाँफना।
हबडा, गु. फूहड्।
हमारौ, सर्व. हमारा।
हमेव, सं. पुं. अहङ्कार, अहम्भाव।

हय, सं. पुं. घोड़ा।
* हर, सं. पुं. हल। गु. एक २, समस्त।
हरगुनी, गु. प्रवीण, बहु गुनी।
हरण, सं. पुं. बरबससे किसीकी वस्तुको ले लेना, चोरी; लूट; हरिण।
हरता, सं. पुं. चोर, लुटवैया।
हरताल, सं. स्त्री. हरिताल।
हरन, सं. पुं. हरण।
हरना, स. क्रि. बरबससे लेना, लूटना, चोरी कर्ना।
हरनी, सं. स्त्री. हरिणी।
हरनौटा, सं. पुं. हरिणका बच्चा।
हरफारेवड़ी, सं. स्त्री. फल विशेष।
हरसिंगार, सं. पुं. वृक्ष वा उसीका पुष्प।
हरा, गु. वर्ण विशेष, जैसे घास।
हराई, सं. स्त्री. हरियाली।
हराना, स. क्रि. जीतना; थकाना।
हरावल, सं. पुं. अगाड़ी।
हरिण, सं. पुं. मृग।
हरिणी, सं. स्त्री. हरिणकी स्त्री, मृगी।
हरित, गु. हरा।
हरिताल, सं. स्त्री. उपधातु विशेष।
हरितालिका, सं. स्त्री. भादों शुदी चौथ।
हरिद्रा, सं. स्त्री. हलदी।
हरिभक्त, सं. पुं. विष्णुका उपासक।
हरिभजन, सं. पुं. विष्णुका भजन।
हरियल, सं. पुं. कपोत विशेष।
हरियाला, गु. हरा।
हरियाली, सं. स्त्री. हराई।
हरिवासर, सं. पुं. एकादशी।
हरीतकी, सं. स्त्री. हड़ा।
हरीरा, } गु. हरा। सं. पुं. भगोड़ा।
हरीला, }
हरीवा, सं. पुं. तोता विशेष।
हरेरा, गु. हरा।
हरैाटी, सं. स्त्री. छड़ी, बेत।
हड़ा, सं. पुं. फल विशेष, हरीतकी।
हर्त्ता, सं. पुं. हरता।
हर्ष, सं. पुं. आनन्द, आह्लाद, सुख।
हर्षना, अक. क्रि. फूलना, खिलना। आनन्दित होना।
हर्षित, गु. आनन्दित, मग्न।
हल, सं. पुं. लाङ्गल, नाङ्गल।
हलका, गु. फुलका; नीच, छिछोरा ओछा, पोला; सस्ता।
हलकाई, सं. स्त्री. हलकापन, छिछोरपन, ओछापन; निर्बलता।
हलकाना, स. क्रि. सहारा देना।
हलकापन, सं. पुं. हलकाई।
हलकोर्ना, स. क्रि. बटोर्ना, समेटना।
हलचल, सं. स्त्री. हड़बड़ी, घबराहट; अन्धेर, रौला।
हलण्डीय, गु. जो हलण्डका है।
हलदिया, सं. पुं. विष विशेष; कँवलरोग। गु. पीला।
हलदी, सं. स्त्री. हरिद्रा।

हलप्ना, अक. क्रि. लोटपोट होना।

हलफल, सं. स्त्री. शिष्टाचार; घबडाहट, हडबडी।

हलरा, सं. पुं. तरङ्ग, लहर, हिलकोरा।

हलरावना, स. क्रि. बहलाना, खिलाना, हिलाना।

हलवर्ण, सं. पुं. व्यञ्जन, स्वर रहित अक्षर।

हलवाहा, सं. पुं. जोतहा।

हलवाही, सं. स्त्री. जोताई।

हलहला, सं. पुं. हलाहल।

हलहलाट, सं. पुं. ज्वर वा डरसे जो कम्प।

हलहलाना, अक. क्रि. ज्वरादिसे काँपना। स. क्रि. हिलाना, कम्पाना।

हलहलिया, सं. पुं. विष।

हलहली, सं. स्त्री. रोग,, व्याधि; जूडी।

हलाई, सं. स्त्री. जोताई।

हलाहल, सं. पुं. महाविष।

हलिया, सं. पुं. बैलोंका झुण्ड।

हलियाना, अक. क्रि. जी मतलाना।

हलोर्ना, स. क्रि. बटोर्ना।

हलोरा, सं. पुं. हिलोरा।

हल्ला, सं. पुं. रौला, ऊधम; धावा।

हवन, सं. पुं. होम।

हविः, सं. पुं. होमकी सामग्री।

हविष्य, सं. पुं. घृत; घीसे मिला-ऊआ भात।

हव्य, सं. पुं. देवताओंके निमित्त जो भेट।

हव्वा, सं. स्त्री. पहिली स्त्रीका नाम।

हस्त, सं. पुं. हाथ; तेरहवाँ नक्षत्र।

हस्तिनी, सं. स्त्री. हथिनी; स्त्रीकी जाति विशेष।

हस्तिपाल, सं. पुं. हाथीवान।

हस्ती, सं. पुं. हाथी।

हस्ली, सं. स्त्री. गलेके पासकी एक हड्डीका नाम; गलेमें पहिर्नेका गहना विशेष।

हा, अ. दुःखका सूचक शब्द।

हाँ, अ. स्वीकारका सूचक शब्द।

हाँक, सं. स्त्री. पुकार; निकाल।

हाँकना, स. क्रि. निकालना; पुकार्ना।

हाँकी, सं. स्त्री. पात्र जिस्पर सेवई बनाते हैं; चलनी।

हाँगर, सं. पुं. समुद्रकी मछली विशेष।

हाँडना, अक. क्रि. भट्का फिर्ना।

हाँडी, सं. स्त्री. मृत्तिकाका गोल पात्र।

हाँपना, } अक. क्रि. हफ्हफाना,
हाँफना, } हांकना।

हाँस, सं. पुं. हंस।

हाँसी, सं. स्त्री. हास्य।

हाँही, अ. हाँ सही।

हाट, सं. स्त्री. दुकान्, क्रय विक्रयका स्थान, चौक, कटरा; पेंठ।

हाटू, सं. पुं. हाटमें जो मनुष्य क्रय विक्रय करे।

हाड, सं. पुं. हड्डी।
हात, } सं. पुं. कर, हस्त ; माप
हाथ, } विशेष ; वश।
हाथआनोंपररखना, अक. क्रि. अचम्भित होना ; दृढतासे मुकर्ना।
हाथखैंचना, स. क्रि. अप्रसन्नतासे मुंह फेर्ना, वा छोड देना।
हाथचाटना, स. क्रि. स्वादिष्ट भोजनको बहुत प्रसन्न होके खाना।
हाथजोडना, स. क्रि. विनती कर्ना, घिघियाना।
हाथ जूठा होना, अक. क्रि. हाथ अपवित्र होना, हाथ किसी कारणसे निर्बल होना।
हाथडालना, स. क्रि. किसीकाममें प्रवेश कर्ना वा पैठना ; अपनाना।
हाथपसार्ना, स. क्रि. किसीसे कुछ माँगना वा चाहना।
हाथपाँवफूलना, अक. क्रि. घबराना।
हाथफेर्ना, स. क्रि. प्यारकर्ना, क्षमा कर्ना ; फुसलाना।
हाथमलना, अक. क्रि. पश्चात्ताप कर्ना विलाप कर्ना।
हाथमार्ना, स. क्रि. बचन देना ; लूटना ; खड्गसे घायल कर्ना।
हाथा, सं. पुं. हाथ।
हाथापाईकना, अक. क्रि. धक्काधक्की कर्ना।
हाथी, सं. पुं. गज, मतङ्ग।
हाथीवान, सं. पुं. महावत।
हान, } सं. स्त्री. टोटा ; घटी ; बि-
हानि, } गाड, अन्धेर ; कटाकाटी।

हाय, } अ. दुःख वा शोकका
हायहाय, } सूचक शब्द। सं. स्त्री. साँस।
हायन, सं. पुं. वर्ष।
हार, सं. पुं. मुक्तादिकी माला ; गजरा ; बैलोंका झुण्ड ; चरी, चराओ। स्त्री. घटी, पराजय।
हारक, सं. पुं. जिस्से हरिये, हर्नेहारा।
हारजीत, सं. पुं. जूआ, द्यूत।
हारना, अक. क्रि. पराजित होना, अकृतार्थ होना ; थकना। स. क्रि. हिराना।
हारमान्ना, स. क्रि. निरास होके छोडना, विवादको छोडना।
हारसिंगार, सं. पुं. वृक्ष विशेष।
हारा, यह शब्द दूसरे शब्दके अन्तमें आता है और कर्त्ता और वालाके समान है।
हारू, सं. पुं. हरवैया।
हार्द, सं. पुं. स्नेह, क्रोह, माया।
हार्य्य, गु. हरण कर्नेके योग्य। सं. पुं. बहेडा।
हाल, गु. उतावला, फुर्तीला।
हालना, अक. क्रि. हिलना।
हाला, सं. स्त्री. मद्य।
हालाडोला, सं. पुं. हिलाव, डगमगाव ; भूईंडोल।
हालाहल, सं. पुं. हलाहल।
हालि, सं. स्त्री. पतवार।
हाव, सं. पुं. स्त्रीलोगोंकी भङ्गी विशेष, जाँवली।

हावभाव, सं. पुं. आकर्ष, खींचाव्; आदर भाव, मान सन्मान।
हास्य, सं. पुं. आनन्दसे मुखको एक अवस्था, हँसी।
हाहा, अ. हायहाय।
हाहाकार, सं. पुं. युद्धमें जो शब्द, घबडाहट्।
हिँ, अ. ही।
हिंडोला, सं. पुं. पालना, झूला; गीत विशेष जो झूलतेऊर गाते हैं।
हिंसक, सं. पुं. जो हिंसा करे, बधिक। गु. अपकारी, दुर्जन, घूना; कठोर।
हिंसा, सं. स्त्री. बध; बुरा कर्नेकी चिन्ता, अपकार, दर्जनता; गाली, मार।
हिंस्र, गु. हिंसक।
हिंस्रक, सं. पुं. जङ्गली पशु, जैसे सिंहादि।
हिक्का, सं. स्त्री. छींक; हिचकी।
हिङ्गु, सं. पुं. हींग।
हिचकना, अक. क्रि. हट्ना, दबना, आगा पीछा कर्ना।
हिचकाना, स. क्रि. धक्का देना, झोंकना।
हिचकिचाना, अक. क्रि. सन्देहमें होना, हकलाना, डगमगाना।
हिचकिची, सं. स्त्री. दुब्धा, शङ्का।
हिचकी, सं. स्त्री. हिक्का।
हिजडा, सं. पुं. नपुंसक।
हित, सं. पुं. प्रेम, मित्रता, माया, उपकार,। गु. उचित, योग्य; प्रेमी, मायावन्त।
हितकार, } सं. पुं. मित्र, उपकारी, सज्जन।
हितकारी, }
हितकारी, सं. स्त्री. मित्रता, स्नेह।
हितू, सं. पुं. मित्र।
हितैषी, सं. पुं प्रियकर्नेकी इच्छा जिस्को होय, हितकारी।
हितोपदेश, सं. पुं. योग्य वा उचित उपदेश, नीतिका एक ग्रन्थ।
हिनहिनाना, अक. क्रि. पुकार्ना, जैसे घोडा पुकारता है।
हिनौता, सं. पुं. विनती, आधीनता।
हिन्ताल, सं. पुं. खजूरका सा वृक्ष-विशेष।
हिन्दी, गु. हिन्दुस्थानको बोली, वा अक्षर।
हिन्दू, सं. पुं. लोग जो वेदादि शास्त्रके अनुसारसे चलते हैं।
हिन्दूवान, सं. पुं. फल विशेष।
हिम, सं. पुं. शीत; पाला, तुषार।
हिमकर, सं. पुं. कपूर; चाँद।
हिया, सं. पु. हृदय।
हियाव, सं. पुं. सूर्मापन, बीरता।
हियो, अ. गौको बुलानेका शब्द।
हियौ, सं. पुं. हृदय।
* हिरण्मय, गु. जो सोनेसे बना।
हिरण्य, सं. पुं. सुवर्ण।
हिरद, सं. पुं. हृदय।
हिरन, सं. पुं. हरिण।
हिरनौटा, सं. पुं. हरनौटा।
हिराना, स. क्रि. खोना, रखकर भूलना।

हिंकों, सं. स्त्री. घाई, बावली।
हिलकना, अक. क्रि. ऐंठना, मडोडना।
हिलकरहना, अक. क्रि. लगा रहना।
हिलकोर, सं. स्त्री. हिलाव, लहराव; लहर।
हिलकोरा, सं. पुं. लहर, तरङ्ग।
हिलकोर्ना, स. क्रि. लहराना। अक. हिलाना, घबराना।
हिलगना, अक. क्रि. लटकना, उलझना; चिपकना।
हिलगाना, स. क्रि. लटकाना।
हिलना, अक. क्रि. डोलना, टलना।
हिलमिलजाना, अक. क्रि. मिश्रित होना; मिलाजुला रहना।
हिलमोचिका, सं. पुं. शाक विशेष।
हिलसा, सं. स्त्री. मछली विशेष।
हिला, गु. पाला, पोसवाँ।
हिलाना, स. क्रि. डोलाना; अपने बशमें कर्ना।
हिलोरना, अक. क्रि. लहराना।
हिलोरा, सं. पुं. लहर, तरङ्ग।
हिलोरीमार्ना, स. क्रि. लहर मार्ना।
हिवाव, सं. पुं. हियाव्।
हिशत्, अ. चुपचुप, दुत्।
हिसका, सं. पुं. उतराहट, अनुकार; रीस, झल।
हिसकाहिसकी, सं. स्त्री. परस्पर हिस्सा कर्ना।
हिसाब, सं. पुं. लेखा।

ही, }
हीं, } अ. निश्चय कर्नेका बोधक।
हींग, सं. स्त्री. औषधि विशेष।
हींगहगना, अक. क्रि. इच्छा रहित हग्ना; दुःख भोगना।
हींसना, अक. क्रि. हिनहिनाना।
हीक, सं. पुं. उबकाई, मतलाई; घृणा।
हीजडा, सं. पुं. हिजडा।
हीन, गु. रहित्; पदके आदिमें होनेसे तुच्छ अर्थका बोधक होय।
हीनजाति, सं. स्त्री. नीच लोग।
हीनता, सं. स्त्री. न्यूनता, घटी।
हीर, सं. पुं. राँझा; सार, गूदा। गु. चोखा।
हीरक, }
हीरा, } सं. पुं. रत्न विशेष।
हीरामन्, सं. पुं. तोता विशेष।
हीरावल, }
हीरावलि, } सं. पुं. कम्मल जो योगी ओढते हैं।
हील, }
हीला, } सं. पुं. चहला, कीचड।
हुङ्कार, }
हुङ्कारा, } सं. पुं. पुकार, डरानेके लिये हुंशब्दका पुकार्ना।
हुड्दङ्गा, गु. दङ्गैत।
हुड्दङ्गी, सं. स्त्री. दङ्गा।
हुडहुडना, अक. क्रि. टङ्कोर्ना।
हुडहुडी, सं. स्त्री. टङ्कार।
हुडुक, सं. पुं. वाद्यविशेष।
हुण्डवी, सं. स्त्री. हुण्डी।
हुण्डाभाडा, सं. पुं. किसीके पास वस्तु पहुंचानेके लिये जो होइ।

हुण्डार, सं. पुं. भेडिया।
हुण्डावन, सं. पुं. हुण्डीका बट्टा।
हुण्डी, सं. स्त्री. जिस पत्रमें परदेशसे रुपया आवे उसका नाम।
हुण्डीवाल, सं. पुं. जो हुण्डी देता है।
हुत, गु. जो होमा गया।
हुतभुक, सं. पुं. अग्नि।
हुती,
हुतो, } क्रि. हुआ।
हुतौ,
हुरगुण्डा, सं. पुं. तरकारी विशेष।
हुरहुर, सं. पुं. पौधा विशेष।
हुरुकनी, सं. स्त्री. कञ्चनी, वेश्या।
हुर्रा, सं. पुं. फूटफाटक, विशेष।
हुर्सा, सं. पुं. चन्दन घिसनेके लिये पाषाण विशेष।
हुलकानो, स. क्रि. उभानो, उसकाना, लडाना।
हुलसना, अक. क्रि. आनन्दित वा मुदित होना।
हुलसाना, स. क्रि. रिझाना।
हुलास, सं. पुं. सूंघनी ; आनन्द, विलास।
हुल्लड, सं. पुं. रौला, बखेडा।
हूँ, अ. हाँ, भी, हो।
हूँकनो, स. क्रि. क्रोधसे वा भयसे वा झाड फूंकसे हूं शब्द बोलना।
हूँहाँ, सं. पुं. धूमधाम।
हूक, सं. स्त्री. पीडा, टसक, झटक।
हूचना, स. क्रि. चूकना, भूलना।
हूड,
हूडाहूडी, } सं. स्त्री. खैंचाखैंची।
हूण, सं. पुं. कठोर मनुष्य।
हून, सं. पुं. मन्दराजकी मुद्रा विशेष।
हूल, सं. स्त्री. भोंक, खोंचा।
हूलना, स. क्रि. भोंकना, खोंचना।
हूहा, सं. पुं. चर्चा ; आँधी ; धूमधाम, टोमटाम।
हृदय, सं. पुं. वक्षःस्थल, छाती, अन्तःकरण, मन।
हृष्ट, गु. हर्षित, प्रसन्न।
हे, अ. सम्बोधनका सूचक शब्द।
हेंगा, सं. पुं. सरावन, हैंगा।
हेठ, अ. नीचे।
हेठा, गु. आलसी, डरपोकना।
हेठापन, सं. पुं. नपुंसकता।
हेत, } सं. पुं. अर्थ, कारण, प्रकरण।
हेतु,
हेम, सं. पुं. स्वर्ण।
हेमन्त, सं. पुं. ऋतु जिस्में अगहन और पौषका महीना होता है।
हेरना, स. क्रि. निरेखना ; ढूंढ्ना ; रगेदना, खदेडना।
हेलना, अक. क्रि. पैरना, तिर्ना।
हेला, सं. स्त्री. अवज्ञा।
हेलामानो, स. क्रि. ढकेलना, ठेलना।
हैंगा, सं. पुं. खेतके सम कर्नेका काष्ठ।
हैक, सं. पुं. हय।
हो, अ. सम्बोधन। क्रि. हुआ।
होआना, अक. क्रि. होकर आना।

हाँकना, अक. क्रि. हाँफना।
होँठ, सं. पुं. ओष्ठ।
होँठी, सं. स्त्री. लगाम, दहाना।
होके, अ. द्वारा, से।
होचुकना, अक. क्रि. सम्पूर्ण होना; निपट्ना।
होजाना, अक. क्रि. होना, पडना।
होठ, सं. पुं. होंठ।
होड, सं. स्त्री. पण, बचन; दाँव्।
होडल, सं. पुं. अधक।
होडलगाना, क्रि. दाँवबद्ना; बचन देना। अक. मगरा होना।
होत, सं. स्त्री. बश, शक्ति।
होतव, सं. पुं. बदा; प्रारब्ध।
होतव्यता, सं. स्त्री. भवितव्यता।
होता, सं. पुं. होमकर्नेहारा।
होते, अ. रहते, में।
होतेहोते, अ. क्रम क्रमसे।
होनहार, गु. जो होसके, सम्भव।
होना, अक. क्रि. रहना, बन्ना।
होम, सं. पुं. विधि पूर्वक अग्निमें घृतादिका होमना, अग्यारी।
होमना, स. क्रि. होमका यज्ञ कर्ना।
होला, सं. पुं. नाव विशेष; बूट्।
होली, सं. स्त्री. फागुनकी पूर्णमासीमें उत्सव विशेष।
होलेना, अक. क्रि. सम्पूर्ण होना, हो चुकना।
हौं, क्रि. हूँ। सर्व्व. हम।
हौंस, सं. स्त्री. इच्छा, चाह।
हौका, सं. पुं. लोभ, लालच।
हौले, अ. धीमे।
हौलेहौले, अ. धीमे २।
हौवा, सं. पुं. भोकस, भुतना।
ह्रद, सं. पुं. विना खोदा बडा जलाशय, झील।
ह्रस्व, गु. अदीर्घ, छोटा।
ह्वै, क्रि. होकर।
ह्वैहै, क्रि. होवेगा।

क्ष

क्ष, देवनागरी वर्णमालाके हल वर्णोंमेंका चौंतीसवाँ अक्षर।
क्षई, सं. स्त्री. क्षयरोग।
क्षण, सं. पुं. तीस कलाका एक क्षण है, तिल।
क्षणिक, गु. अस्थिर, सत्यानाशी।
क्षणेक, अ. थोडे कालमें।
क्षति, सं. स्त्री. हानि, घटी।
क्षत्रिय, } सं. पुं. हिन्दू लोगका
क्षत्री, } दूसरा वर्ण।
क्षम, सं. पुं. योग्यता। गु. समर्थ, योग्य।
क्षमता, सं. पुं. योग्यता।
क्षमना, स. क्रि. क्षमा कर्ना, छोडना।
क्षमा, सं. स्त्री. मोक्ष, मुक्ति, मोचन।
क्षमायोग्य, गु. क्षमाके योग्य।
क्षय, सं. पुं. क्षयरोग।
क्षयमास, सं. पुं. जिस चान्द्र मासमें सूर्यका दो राशिमें सञ्चार होय।
क्षयरोग, सं. पुं. सूखा, शोष, क्षई।
क्षान्त, गु. सन्तोषी, धैर्य्यवान्।
क्षान्ति, सं. स्त्री. सन्तोष, धीरज।

क्षार, सं. पुं. खार, राख, भस्म।
क्षिति, सं. स्त्री. पृथिवी।
क्षितिपाल, सं. पुं. राजा।
क्षिप्र, गु. शीघ्र।
क्षीण, गु. दुर्बल, पतला।
क्षीर, सं. पुं. दूध; खीर।
क्षीरी, सं. स्त्री. खीरी, थन।
क्षुद्र, गु. छोटा, नीच।
क्षुधा, सं. स्त्री. भूख।
क्षुधार्त्त, } गु. भूखा।
क्षुधित, }
क्षुर, सं. पुं. अस्तुरा, छुरा।
क्षेत्र, सं. पुं. पुण्य भूमि; खेत।
क्षेत्रज्ञ, सं. पुं. आत्मा, जीव।
क्षेत्रफल, सं. पुं. खेतका फल अर्थात् माप।
क्षेम, } सं. स्त्री. आरोग, भलाई, कल्याण।
क्षेमकुशल, }
क्षोभ, सं. पुं. छोह।
क्षोणी, सं. स्त्री. क्षिति।
क्षौद्र, सं. पुं. मधु।
क्षौर, सं. पुं. मुण्डन, नाईका काम।
क्ष्मा, सं. स्त्री. पृथ्वी।
क्ष्मापति, सं. पुं. राजा।

नामका कोष।

अंबिका, सं. स्त्री. पार्वती।

अक्रूर, सं. पुं. कृष्ण महाराजका पितृव्य।

अक्सफोर्ड, सं. पुं. इङ्गलण्ड देशका एक नगर जिसमें बडी पाठशाला है।

अगस्त्य, सं. पुं. मुनि विशेष।

अघोर, सं. पुं. शिव।

अङ्गोला, सं. पुं. आफ्रिकाके पश्चिम भागमें सातवाँ एक देश।

अचानक, सं. स्त्री. कलकत्तेके समीप एक ग्राम।

अच्युत, सं. पुं. विष्णु।

अजय, सं. पुं. बीरभूम जिलेकी प्रधान नदी।

अजान, गु. आफ्रिकाके पूरब ओर खबश्की सीमाके पास एक देश।

अज्ञात, सं. पुं. सागर विशेष, जो उत्तर आमेरिकाके उत्तरमें है।

अटक, सं. पुं. सिन्धु नद अथवा जिसके पश्चिम पार जानेसे हिन्दु लोग जातिसे भ्रष्ट होते हैं।

अटेर, सं. स्त्री. नगर विशेष।

अथर्व्वन्, सं. पुं. चौथावेद।

अदिति, सं. स्त्री. देवताओंकी माता।

अदितिनन्दन, सं. पुं. देवता अर्थात् अदितिका पुत्र।

अनङ्ग, सं. पुं. कामदेव।

अनन्त, सं. पुं. विष्णु, शेष जी।

अन्तक, सं. पुं. यमराज।

अन्तरीप, सं. पुं. देशसे मिला हुआ जो किंचित् स्थान जलके बीच वर्त्तमान है अर्थात् जलमें डूबा न हो उसका नाम; द्वीप।

अन्तर्बेद, सं. पुं. कनौज देश, अर्थात् गंगा यमुनाके मध्यका देश, दोआबा।

अन्तर्यामी, गु. ईश्वर।

अन्तर्वेद, सं. पुं. अन्तर्बेद।

अपराजित, गु. शिव, विष्णु।

अपराजिता, सं. स्त्री. देवी।

अप्सरा, सं. स्त्री. इन्द्रके स्वर्गकी वेश्या।

अफगान, सं. पुं. इसराईलके सन्तान, जो काबुलके रहनेहारे है।

अफसस, सं. पुं. नगर विशेष जिन लोगोंके लिये ईसा मसीहके प्रेरित पूलूसकी धर्म पुस्तकमें एक पत्री है।

अब, सं. पुं. चन्द्रमा; देवताओंका वैद्य।

अमर, गु. देवता ; ईश्वर।

अमरपुर, सं. पुं. चटगांवके पूर्व ऐरावती नदीके तीरमें बर्माकी राजधानी, आवा जिस्का कहते हैं।

अमरावती, स्त्री. इन्द्रकी राजधानी।

अमोघ, सं. पुं. नदी विशेष।

अम्मानुएल, सं. पुं. प्रभु ईसामसीह का एक नाम जिस्का अर्थ ईश्वर हमारे सङ्ग।

अयोध्या, सं. स्त्री. रामजीकी राजधानी, मिथिला देशके पश्चिम में एक देश।

अरकिलाऊस, सं. पुं. यहूदी देशके हीरूदीस राजाका बेटा।

अरब, सं. पुं. देश विशेष, जो पारसी देशके दक्षिण पश्चिममें है, उस्में तीन भाग हैं १ पथरिया अरब, २ जंगली अरब, ३ सुखदायक अरब।

अरमिआ, सं. पुं. एक आगमज्ञानी, जिस्का प्रमाण धर्म पुस्तकोंमें पाया जाता है।

अरुण, सं. पुं. सूर्य्य, सूर्य्यका सारथी।

अर्क, सं. पुं. सूर्य्य।

अर्काट, सं. पुं. दखनमें एक नगर विशेष।

अर्कि, सं. पुं. स्काटलण्ड देशका कई एक उपद्वीप।

अर्जुन, सं. पुं. पाण्डुराजाका तीसरा पुत्र।

अर्हन्त, सं. पुं. बुद्ध मुनि।

अलण्ड, सं. पुं. स्वीदेन देशके पासका एक उपद्वीप।

अवन्तिका, } सं. स्त्री. उज्जैन नगर;
अवन्ती, } नदी विशेष।

अशीया, सं. पुं. एक आगमज्ञानी जिस्का प्रमाण धर्म पुस्तक में लिखा है।

असा, सं. पुं. पर्वत जो तुरुक देशमें है।

असुर, सं. पुं. दैत्य।

अस्ताचल, सं. पुं. सूर्य्यास्त होनेका पर्वत।

अस्त्रालासिया, सं. पुं. नये हलण्डका उपद्वीप वा दक्षिण आसिया।

अहल्या, सं. स्त्री. गैातमकी स्त्री; एक अप्सरा।

आकापलको, सं. पुं. उत्तर आमेरिकाका नगर जो स्पानियाके अधीन है।

आगमवक्ता, सं. पुं. शिव।

आगरा, सं. पुं. यमुनाके तीरपर नगर विशेष।

आङ्गलसि, सं. पुं. इङ्गलण्ड देशमें वेलसके पासका एक उपद्वीप, जहाँ ताँबेकी खान है।

आट्लाण्टिक, सं. पुं. सागर विशेष, जो इउरोप और आफ्रिका देशोंसे आमेरिका को पृथक् कर्त्ता है।

आतलाण्टिक, सं. पुं. आट्लाण्टिक।

आतलास, सं. पुं. आफ्रिका देशका पर्वत; यूनानी और रूमी लोग कहते हैं कि यही पर्वत पृथ्वीको थाँभके रहा है।

आतस, सं. पुं. तुरुक देशका पर्वत।

आत्रेय, सं. पुं. एक मुनिका नाम जो अत्रिका पुत्र था।

आत्रेयी, सं. स्त्री. मुरशिदाबाद कोर्टके भीतर राजशाही जिलेकी नदी।

आदम, सं. पुं. आदि पुरुषका नाम जिसको ईश्वरने आरम्भमें सिरजा।

आदित्य, सं. पुं. अदितिका पुत्र, सूर्य्य।

आदेन, सं. पुं. खबश देशके पूर्व ओर एक छोटा राज्य।

आद्रिया, सं. पुं. सागर, जो इतालो देशके पूरब ओर है।

आद्रियानोपल, सं. पुं. तुरुक देशका एक प्रधान नगर।

आनस्पाक, सं. पुं. जर्मणि देशका तीसरा नगर।

अन्त्वेर्प, सं. पुं. नेदर्लैण्डके १० मण्डलोंमेंका एक प्रधान नगर।

आन्देस, सं. पुं. दक्षिण आमेरिकाका बडा पर्वत।

आन्ध्र, सं. पुं. तैलङ्ग देश।

आपालाखिया, सं. पुं. उत्तर आमेरिकाका प्रधान पर्वत जो ८०० कोस लम्बा है।

आफ्रिका, सं. पुं. हिन्दुस्थान से दक्षिण पश्चिमका पृथिवीका तीसरा भाग।

आमस्तादाम, सं. पुं. नेदर्लैण्डका प्रधान नगर।

आमाजोन, सं. स्त्री. दक्षिण आमेरिकाकी एक बडी नदी।

आमेरिका, सं. पुं. पृथ्वीका चौथा भाग जिसको सबसे पहिले महा नाविक कलम्बस साहिबने देखा था।

आम्बयाना, सं. पुं. सेविजके पूरब मोलक्काका उपद्वीप।

आम्येन, सं. पुं. फ्रान्स देशका एक नगर।

आर, सं. स्त्री. स्वितजलैण्डमें आल्प पर्वतसे निकली ऊई एक नदी।

आरणो, सं. स्त्री. इतालि देशकी एक नदी।

आरमनी, वा आरमाणी, सं. पुं. देश विशेष जो तुरुक देशके ठेठ उत्तरमें अर्थात् कास्पियान और काल सागरके बीचमें है।

आर्किक, सं. पुं. समुद्र विशेष, जो इउरोपके उत्तरमें है अर्थात् हिम सागर।

आर्कैनजल, सं. स्त्री. रूषियाकी नदी, जिसमें दोना नदी मिली है।

आर्य्यावर्त्त, सं. पुं. पवित्र भूमि, अर्थात् पूर्वके समुद्रसे पश्चिम समुद्र तक, और विन्ध्याचल और हिमालय पर्वतोंके मध्यका देश।

आल्जिएर्ज, सं. पुं. जिस्को अरबी बोलीमें अलजजीरा कहते हैं; सो बारबरिके देशमें एक देश है।

आलडर्णी, सं. पुं. इङ्गलण्डका एक उपद्वीप।

आलतोना, सं. पुं. देन्मार्कके देशका एक प्रधान नगर।

आलमोडा, सं. पुं. पर्वतका नगर विशेष, जो बरेलीसे उत्तरमें है जिस्को नेपालियोंसे युद्ध कर्के साहिब लोगोंने अपने अधीन किया है।

आलाण्ड, सं. पुं. स्वीदेन देशके पासका उपद्वीप।

आलावा, सं. पुं. स्वस्पा देशके दक्षिण ओर एक छोटा देश।

आलिगढ, सं. पुं. कनौजका एक नगर।

आलिगानि, सं. पुं. उत्तर आमेरिकाका एक पर्वत, जिस्का आकार पसलीके समान है।

आलेकसान्द्रिया, सं. पुं. मिसर देशकी पुरानी राजधानी, अर्थात् सिकन्दराबाद, आलेकसान्दरने उसे बसाया था अब वुह लुप्त ऊआ।

आल्प, सं. पुं. इउरोपका पर्वत जो फ्रान्सदेशको इतालिसे पृथक् कर्त्ता है।

आल्वाणिया, सं. पुं. तुरुक देशमें छठा देश।

आवा, सं. पुं बरमा देशकी राजधानी।

आशूर, } सं. पुं. तुरकी देश विशेष।
आसीरिया, }

आसाम, सं. पुं. बङ्गालेके उत्तर पूर्व कोणमें एक छोटा देश।

आसिया, सं. पुं. पृथ्वीका पहिला भाग।

आसोफ, सं. पुं. रूषियाका समुद्र।

आस्त्राखान, सं. पुं. रुषिया देशमें वलगा नदीके तीर पर नगर विशेष।

आस्त्रिया, सं. पुं. इउरोपके चौदह देशोंमें चौथा देश।

इउक्सीन, सं. पुं. रुषियाके पासका समुद्र।

इउरोप, सं. पुं. पृथिवीका दूसरा भाग, जो आसियाके ठेठ् पश्चिम में है, और जहाँके लोग सच्चे ईश्वरकी सेवा कर्नेसे सब देशोंमें बडे पराक्रमी हैं; और यह भाग पृथ्वीके ४ भागोंमें सबसे छोटा होके भी सारी धरतीमें शासनको रखता है।

इङ्गलण्ड, सं. पुं. इउरोपके चौदह देशोंमें एक देश, यह देश पराक्रममें सबसे प्रधान है।

इच, सं. स्त्री. आस्त्रिया देशकी प्रधान नदी।

इतालि, सं. पुं. इउरोपका एक देश, जिस्में अब पापाकी राजधानी है।

इन्दियाना, सं. पुं. उत्तर आमेरिकाके सम्मिलित मण्डलोंमें एक देश।

इन्दौर, सं. पुं. यशवन्त रावके राज्यमें नगर विशेष।

इन्द्र, सं. पुं. स्वर्ग और देवताओंका राजा।

इन्द्रजित, सं. पुं. रावणका पुत्र।

इन्द्रपुरी, सं. स्त्री. इन्द्रका नगर।

इन्द्रप्रस्थ, सं. पुं. दिल्ली, हिन्दुस्थानकी सर्वोत्तम राजधानी, जिसके नीचे श्री यमुना जी बहती हैं, और इस स्थानमें बैठनेवाले राजा वा बादशाहोंने सारी पृथ्वीके द्वीपोंमें धर्मशास्त्रानुसार से राज्य अनेक बेर किया है, सो अब दिन २ नष्ट होती है।

इन्द्रबधू, सं. स्त्री. इन्द्र पत्नी।

इन्द्राणी, सं. स्त्री. शची अर्थात् इन्द्रपत्नी।

इबराहीम, सं. पुं. एक प्रधान मनुष्य जिस्से यहूदी लोग उत्पन्न भये हैं।

इबिका, सं. पुं. स्पानिया देशका उपद्वीप, जो भूमध्यस्थ समुद्रमें है।

इलिनोआ, सं. स्त्री. उत्तर आमेरिकाकी एक नदी।

इश्माएल, सं. पुं. इबराहीमका पुत्र।

इसराईल, सं. पुं. यहूदी लोगोंका एक प्रधान और उन्का देश।

इसलण्ड, सं. पुं. देन्मार्क देशका एक प्रधान द्वीप।

इसहाक, सं. पुं. इब्राहीमका प्रधान पुत्र।

इसहान, सं. पुं. पारसी देशके भीतर कन्दहार देशका एक प्रधान नगर।

ईश, }
ईशान, } सं. पुं. शिवका नाम।

ईश्वर, सं. पुं. सदाशिव, ब्रह्म।

ईसा, सं. पुं. यिशु, अर्थात् त्राणकर्त्ता, जिस्को मुक्ति दाता भी कहते हैं।

ईसामसीह, सं. पुं. यिशु खीष्ट, अर्थात् अभिषिक्त त्राणकर्त्ता।

उएर्त्तम्बर्ग, सं. पुं. जर्मणि देशके दूसरे भागका एक प्रधान नगर।

उटङ्गन, सं. स्त्री. नदी विशेष जो ग्वालियारके समीप है।

उत्कल, सं. पुं. उडिया देश, उडीसेके लोग; यह देश बङ्गालेके दक्षिण पश्चिममें है।

उत्तमाशा, सं. पुं. अन्तरीप विशेष जो आफ्रिकाके दक्षिण ओर है।

उत्तरकेन्द्र, सं. पुं. जिस्को हिन्दूके शास्त्रज्ञ भास्कराचार्य्य प्रभृति सुमेरु कहते हैं; यह स्थान अत्यन्त शीतके कारण अगम्य है।

उत्तरकोल, सं. पुं. ब्रह्मपुत्र नदके उत्तरमें जो आशाम देश है उस्का नाम।

उत्तरकोशला, सं. स्त्री. अयोध्या, सूर्य्यवंशके क्षत्रियोंकी जो राजधानी थी।

उत्तरखण्ड, सं. पुं. उत्तरका देश।

उत्तरमण्डल, सं. पुं. उत्तर आमेरिकाके सम्मिलित मण्डलोंके तीन भागमें का एक भाग।

उदयपुर, सं. पुं. पञ्जाबके दक्षिण राजपूतोंके देशका प्रधान नगर।

उदयाचल, सं. पुं. जिस पर्वतमें सूर्यका उदय पहिले होय।

उदासी, गु. नानक साधो सन्यासी।

उदीच्य, सं. पुं. शरावती नदीके उत्तर पश्चिमका देश।

उपद्वीप, सं. पुं. चारों ओर जलसे घेरे ऊए छोटे वा बडे भूमिके खण्ड।

उपनन्द, सं. पुं. नन्दके सन्तान, वा सम्बन्धी।

उपवेद, सं. पुं. विद्या जो वेदसे निकली है और आयुष, और गन्धर्व और धनुष और स्थापत्य पुस्तकोंमें है।

उपसाल, सं. पुं. स्वीदेन देशका प्रधान नगर।

उमा, सं. स्त्री. पार्वती।

उरालिया, सं. पुं. रुषिया देशका पर्वत।

उरुक्काई, सं. स्त्री. दक्षिण आमेरिकाकी नदी, जो रीओदेलाप्लाता अर्थात् रूपा विशिष्ठ नदीमें मिलती है।

उर्वशी, सं. स्त्री. एक अप्सरा का नाम।

उषा, सं. स्त्री. अनिरुद्धकी पत्नी।

उष्णकटिबन्ध, सं. पुं. पृथ्वीका मध्यस्थान, अर्थात् रेखा भूमिके दोनो ओर साढे तेईस २ अंश लग।

ऊधो, सं. पुं. श्रीकृष्णका एक नाम।

ऊषा, सं. स्त्री. उषा।

ऋक, ऋग्वेद, सं. पुं. प्रथम वेद।

ऋद्धि, सं. स्त्री. पार्वती।

एट्ना, सं. पुं. इताली देशका चमत्कारी पर्वत, उसका मुख सदा खुला रहता है; ३ कोसकी परिधि है उससे कभी २ सोतकी न्याई आग निकलकर ३० कोस लग ग्राम वा वृक्षों को जलाय देती है।

एदिनबरो, सं. पुं. स्काटलण्डका प्रधान नगर।

एब्रा, सं. स्त्री. स्पानिया देशकी नदी, जो ३८० कोस बहकर भूमध्यस्थ समुद्रमें मिली है।

एरी, सं. पुं. एक ह्रद, जो उत्तर आमेरिकामें है, वह समुद्रके तुल्य है।

एर्जगबर्ग, सं. पुं. जर्मणि देशका प्रधान पर्वत, जो साकसोनिको बोहेमियासे पृथक् कर्त्ता है।

एल्ब, सं. स्त्री. आस्त्रिया देशकी वा प्रुषियाकी नदी।

एस्कार, सं. स्त्री. तुरुक देशकी नदी।

ऐदर, सं. स्त्री. देनमार्क देशकी एक प्रधान नदी।
ऐरावत, सं. पुं. इन्द्रका हाथी।
ऐरावती, सं. स्त्री. नदी, जो पञ्जाब देशमें बहकर सिन्धुनदीके साथ मिलके भारत सागरमें मिली है; इसी नामकी एक नदी और भी है जो आवाके अर्थात् बर्मा-की राजधानीके नीचे होके रङ्गुन के पास समुद्रमें मिली है।
ऐलैण्ड, सं. पुं. इउरोपके देशोंमें इङ्गलण्डियोंके राज्यमें एक देश जो इङ्गलण्डसे ठीक पश्चिम है।
ओदेर, सं. स्त्री. प्रुषियाकी नदी जो तीनसौ कोस बहकर बाल-तिक सागरमें मिली है।
ओपोर्तो, सं. पुं. पोर्त्तुगाल देशका दूसरा प्रधान नगर।
ओरिगान, सं. स्त्री. उत्तर आमे-रिकाके पश्चिम भागकी नदी।
ओरोनुको, सं. स्त्री. दक्षिण आमे-रिकाकी तीसरी नदी जो आ-तलाण्टिक सागरमें मिली है।
ओलन्देज, सं. पुं. हलण्ड देश।
ओलिम्पस, सं. पुं. तुरुक देशका पर्वत।
ओलेरोण, सं. पुं. फ्रान्स देशका उपद्वीप।
ओवेही, सं. पुं. प्रशान्त सागरके उत्तर सान्दीपके द्वीपोंमें एक द्वीप विशेष।
ओक्लेण्ड, सं. पुं. नेदर्लैण्डके ५० मण्डलोंसेंका एक देश।
ओहिओ, सं. स्त्री. उत्तर आमे-रिकाके पश्चिम भागकी नदी, जो ११०० कोस बहके मिसि-सिपिमें मिली है; और उत्तर आमेरिकाके सम्मिलित मण्ड-लोंके मध्य मण्डलमेंका एक देश वा नगर।
कंस, सं. पुं. राजा उग्रसेनका पुत्र, असुर, जो श्रीकृष्णका मामाथा।
ककासस, सं. पुं. पर्वत विशेष, जो तुरुक देशके उत्तर वा रुषिया-के दक्षिणमें है अनुमान होता है कि यह हिमालय पर्वतकी पश्चिम सीमा है।
कङ्गो, सं. पुं. आफ्रिकाके पश्चिम भागमें सातवाँ देश।
कचीनचीन, सं. पुं. चीनसे दक्षिण और बङ्गालेसे अग्निकोणमें एक छोटा देश।
कच्छ, सं. पुं. देश विशेष अर्थात् सिन्धुके दक्षिण और गुजरातके उत्तर राजपूतोंका देश।
कटक, स. पुं. उत्कल देशका प्रधान नगर, जो पुरुषोत्तम क्षेत्र अ-र्थात् जगन्नाथके पास है।
कटिबन्ध, सं. पुं. पृथिवीके और २ छोटे भाग करनेके लिये पाँच कटिबन्ध स्वरूप भाग बीचमें है, जैसा कि उष्ण १, सम २, शीत ३।
कनआन, सं. पुं. देश विशेष।
कनकाचल, सं. पुं. सुमेरु पर्वत, जो मनुष्यों करके अगम्य है।

कनस्तान्तिनोपल, सं. पुं. तुरुकदेश की राज धानी।
कनारी, सं. पुं. आफ्रिकाका आठवाँ उपद्वीप, जो वेर्देके उत्तरमें है उसका नामान्तर सुभाग्य है।
कनिसवेर्ग, सं. पुं. प्रुषियाका एक प्रधान नगर।
कनेक्तिकत, सं. पुं. उत्तर आमेरिका के सम्मिलित मण्डलोंमेंका एक मण्डल।
कनौज, सं. पुं. कान्यकुब्ज देश वा इसी देशका प्रधान नगर।
कन्दर्प, सं. पुं. कामदेव।
कन्दहार, सं. पुं. पारसी देशका अन्तःपाती देश, जो हिन्दुस्थान से पूर्व ओरमें मिला है।
कन्धार, सं. पुं. कन्दहार।
कन्हाई, कन्हैया, सं. पुं. कृष्ण।
कपाली, सं. पुं. शिव।
कपिल, सं. पुं. मुनि जिसने साँख्यशास्त्रको बनाया।
कपोताक्ष, सं. पुं. नद विशेष।
कमला, सं. स्त्री. श्री, लक्ष्मी।
कमाऊ, सं. पुं. बरेलीके उत्तर पर्वतका देश वा नगर जिसको नेपालीयोंसे कम्पनीने जीतके लिया है।
करतोया, सं. स्त्री. नदी विशेष जो बङ्गालेमें है।
कर्कटक्रोपिक, सं. पुं. रेखा भूमिके दोनो ओर साढे तेईस अंशसे सैंतालीस अंश लग जो स्थान है उसमें उत्तरकी सीमा कर्कटक्रोपिक, दक्षिण सीमा मकरक्रोपिक कहलाता है।
कर्ण सं. पुं. बीर विशेष।
कर्णाट, सं. पुं. दक्षिणमें एक देश, जहाँ बासन अच्छे बनते है।
कर्णाटक, सं. पुं. कर्णाट।
कर्मविपाक, सं. पुं. ग्रन्थ विशेष।
कर्सिका, सं. पुं. फ्रान्स देशका उपद्वीप, इसीमें बोनापर्टी जन्मा था।
कलकत्ता, सं. पुं. बङ्गालका प्रधान नगर, जो हिन्दुस्थानमें कम्पिनी की प्रधान राजधानी है।
कलम्बो, सं. पुं. नगर जो सिंहलद्वीपकी राजधानी है।
कलाप, सं. पुं. ग्राम विशेष।
कलिङ्ग, सं. पुं. हिन्दुस्थानका देश विशेष।
कल्की, सं. पुं. कलि युगके अन्तमें म्लेछान्तक दशम अवतार, जो सम्भल नगरमें होगा।
काव्य, सं. पुं. शास्त्र विशेष।
कश्मीर, सं. पुं. काश्मीर।
कश्यप, सं. पुं. मरीचि प्रजापतिका पुत्र।
काडिद, सं. पुं. स्पानिया देशका एक प्रधान नगर।
काञ्ची, सं. स्त्री. पुरी विशेष, जिसमें दो भाग है १ शिवकाञ्ची, २ विष्णु काञ्ची।
काटमाण्डु, सं. पुं. नेपाल देशका राजधानी।

कादोरा, सं. स्त्री. पोर्त्तुगाल देशको नदी।

कानादा, सं. पुं. उत्तर आमेरिकामें इङ्गलण्डियोंके अधिकार का देश।

कान्दिया, सं. पुं. तुरुक देशका उपद्वीप जिस्को पहिले समयमें क्रीत कहते थे।

कान्यकुब्ज, सं. पुं. देश विशेष।

कान्ह, कान्हर, सं. पुं. श्रीकृष्ण।

काफ्री, सं. पुं. आफ्रिकाके बसनेवाले लोग जिन्को हप्शी कहते हैं, वे मुखमें होठसे वा सुकडे केशोंसे पहिचाने जाते हैं।

काबिस, सं. पुं. देश विशेष जो त्रियोलीकी सोमा है।

काबुल, सं. पुं. उत्तर हिन्दुस्थानमें एक देश।

कावेरी, सं. स्त्री. नदी विशेष।

काम्ब्रिज, सं. पुं. इङ्गलण्डका एक नगर जहाँ सोलह विद्याके आलय अर्थात् पाठशाला, जिनमें सब देशोंकी भाषा वा विद्या सिखाई जाती है भाग्यवानोंकी सहायता है।

काम, सं. पुं. मदन, कामदेव।

कामदेव, सं. पुं. मदन, मन्मथ।

कामधेनु, सं. स्त्री. इन्द्रकी गौ जो कुछ उससे किसीने मांगा सो वुह देती है।

कामना, सं. स्त्री. मदन।

कामरूप, सं. पुं. देश विशेष, जहाँ कामाख्या पीठस्थान है।

काम्बोज, सं. पुं. चीनके दक्षिण और बङ्गालेके दक्षिण पूरबमें एक छोटा देश।

कायेन, सं. पुं. दक्षिण आमेरिकामें फ्रान्सियोंके अधिकारका देश।

कारिबि, सं. पु. आमेरिकाका पाँचवाँ उपद्वीप।

कारोलीण, सं. पुं. प्रशान्त सागरका उपद्वीप,इसमें तीस उपद्वीप इकट्ठे हैं, यहाँके लोग नङ्गे हैं, और मत्स्य वा नारियलको खायके बचते हैं।

कारोलैना, सं. पुं. उत्तर आमेरिकाके सम्मिलित मण्डलोंमेंके तीसरे मण्डल मेंका देश, उसमें दो भाग हैं, उत्तर कारोलैना वा दक्षिण कारोलैना।

कार्त्ताज, सं. पुं. तुनिस देशके बाणिज्यका प्रधान नगर, अब वुह लुप्त भया।

कार्त्ताजेना, सं. पुं. उत्तर आमेरिकाका नगर जो स्पानियाके अधिकारमें है।

कार्त्तिकेय, सं. पुं. शिवका पुत्र, जो युद्धका देवता है।

कार्पातिया, सं. पुं. इउरोपका तीसरा पहाड जो नर्वेको स्वीदेनसे अलग कर्त्ता है, यह पर्वत हङ्गेरीसे उत्तर पूरबमें है और साढे चारसौ कोस लम्बा है।

कालमक, सं. पुं. तातार देशके लोगोंकी एक जाति है।

कालाबाखासि, सं. पुं. आफ्रिकाके पश्चिम भागका छठा मण्डल।

कालिका, सं. स्त्री. काली, देवी विशेष।

कालिन्दी, सं. स्त्री. यमुनाजी।

कालिफार्णिया, सं. पुं. आमेरिकाके पश्चिम ओरका महा खाल।

कालिया, सं. पुं. महासर्प जिस्को श्रीकृष्णने मारडाला।

कालियारि, सं. स्त्री. सर्दिनीया उपद्वीपकी राजधानी।

काली, सं. स्त्री. देवी विशेष; मिसर देशकी एक बडी नदी; कालिया।

कालीदह, सं. पुं. यमुना नदीका स्थान विशेष जिस्में कालीसर्प रहता था।

कावेरी, सं. स्त्री. नदी विशेष।

काव्य, सं. पुं. शुक्राचार्य्य।

काशिद, सं. पुं. राज्य विशेष जो आशूर देशके नाश होनेके अढाई सौ वर्ष पीछे जन्मा है।

काशी, सं. स्त्री. वाराणशी, महा श्मशान, जो मगध देशके पश्चिम है, इस् पुरीमें शास्त्र विद्याका बहुत अनुशीलन था परन्तु अब नित्य २ घटता है।

काश्मीर, सं. पुं. देश विशेष जो हिन्दुस्थानकी उत्तर सीमा है।

काश्यप, सं. पुं. कश्यपकी सन्तान।

कास्पियान, सं. पुं. सागर विशेष।

काहिरा, सं. पुं. मिसर देशका प्रधान नगर।

कुंती, सं. स्त्री. कुन्ती।

कुन्ती, सं. स्त्री. पाँडुकी स्त्री।

कुबा, सं. पुं. आमेरिकाके पासका उपद्वीप।

कुमाऊं, सं. पुं. पर्वतका देश वा नगर, जो बरेलीसे उत्तर है और जिस्को नेपालियोंसें युद्ध कर्के कम्पनीने अपने अधिकारमें किया है।

कुमार, सं. पुं. यशोहर देशका एक प्रधान नद।

कुम्भकर्ण, सं. पुं. रावणका छोटा भाई।

कुम्हेर, सं. पुं. भरतपूरके जाटोंका एक नगर।

कुरु, सं. पुं. देश विशेष; राजा विशेष, जिस्के सन्तान कौरव थे।

कुरुक्षेत्र, सं. पुं. पुण्यक्षेत्र विशेष, जो मथुराके उत्तर पश्चिममें है जहाँ कौरव और पाण्डवसे महा युद्ध हुआ था।

कुबेर, सं. पुं. धनका स्वामी, लक्ष्मीका पति।

कृतान्त, सं. पुं. यमराज।

कृष्ण, सं. पुं. वसुदेवके पुत्र।

कृष्णा, सं. स्त्री. यह नदी घाट पर्वतसे निकलके पश्चिमसे पूरब ओर बहके इण्डियन सागरमें मिली है।

कैकयी, सं. स्त्री. भरतजीकी माता।
केशव, सं. पुं. विष्णु वा कृष्ण।
कैलास, सं. पुं. जिस् पर्वतमें कुवेर और महादेवजी वासकर्त्ते हैं।
कोङ्कन, सं. पुं. हिन्दुस्थानके दक्षिण समुद्रके तीरका एक देश जहाँके चितपावन ब्राह्मण होते हैं।
कोचबिहार, सं. पुं. बङ्गालेका एक देश।
कोट, सं. पुं. गढ; नगर विशेष।
कोटा, सं. पुं. राजपूतोंका नगर।
कोर्डिया, सं. पुं. चीनके अधिकार में एक उपद्वीप।
कोबेनहागेन, सं. पुं. देन्मार्ककी राजधानीका नगर।
कोमारा, सं. पुं. आफ्रिकाके अनेक उपद्वीप।
कोरमान्ति, सं. पुं. आफ्रिकाके पश्चिम भागका मण्डल।
कौंता, सं. स्त्री. कुन्ती।
कौफि, सं. पुं. आफ्रिकाके पूर्वमें एक छोटा अकर्मण्य देश।
कौशल्या, सं. स्त्री. रामचन्द्रजीकी माता।
कौषिकी, सं. स्त्री. नदी विशेष।
क्रनस्तान, सं. पुं. रुषियाके उपद्वीपका नगर विशेष।
क्रीत, सं. पुं. कान्दिया अर्थात् तुरुकोंके देश में ग्रीक देशका एक उपद्वीप।
ओआतिया, सं. पुं. तुरुकोंका एक देश।

क्वेवेक सं. पुं. उत्तर आमेरिकामें कानादाकी राजधानी।
खगेन्द्र, सं. पुं. गरुड।
खबश्, सं. पुं. आफ्रिकाका एक देश जिस्का ठीक नाम हबश्।
खश, सं. पुं. देश विशेष।
खशाई, गु. मणिपुर और बङ्गालेके बीचके पर्वती लोग।
खासपुर, सं. पुं. हिडम्ब देशकी राजधानी।
गंगाधर, सं. पुं. गङ्गाधर।
गङ्गा, सं. स्त्री. भागीरथी।
गङ्गाद्वार, सं. पुं. गङ्गोत्तरी वा हरिद्वार।
गङ्गाधर, सं. पुं. शिवका नाम।
गङ्गासागर, सं. पुं. गङ्गा और समुद्रका सङ्गम, जहाँ कपिल मुनिका स्थान है।
गङ्गोत्तरी, सं. स्त्री. गङ्गाजीके प्रादुर्भाव का स्थान जो हिमालय पर्वतमें वद्री केदारजीके सन्निधान है।
गजवदन, गजानन, } सं. पुं. गणेश जीका नाम।
गञ्जा, गु. हबश देशके दक्षिण ओरका पर्वत।
गणनाथ, गणपति, } सं. पुं. गणेश।
गणेश, सं. पुं. पार्वतीका पुत्र।
गण्डक, सं. पुं. नद, जो उत्तरसे मिथिला देशमें होकर हाजीपुरके नीचे गङ्गाजी में मिला है।

गतलण्ड, सं. पुं. स्वीदेनके पासका एक उपद्वीप।
गतेनवर्ग, सं. पुं. स्वोदेन देशका एक प्रधान नगर।
गदाधर, सं. पुं. कृष्णजीका नाम।
गन्दार, सं. पुं. हवश देशके मण्डल विशेषकी राजधानी।
गन्धर्व्व, सं. पुं. स्वर्गके गायक।
गया, सं. स्त्री. तीर्थका नगर विशेष जो मगध देशमें है।
गरुड, सं. पुं. पक्षी जो विष्णुका वाहन है।
गर्णसि, सं. पुं. इङ्गलण्डके पासका उपद्वीप।
गवरी, सं. स्त्री. गौरी, पार्वती।
गाँडीव, सं. पुं. अर्जुनका धनुष।
गादलक्विविर, सं. स्त्री. स्पानिया देशकी नदी जो कादिजके महाखालमें मिली है।
गादियाना, सं. स्त्री. स्पानिया देशकी नदी।
गारो, सं. पुं. मणिपुर और बङ्गालेके मध्य एक प्रकारके पर्वती लोग।
गालिलि, सं. पुं. यहूदी देशके उत्तरका देश।
गिङ्गिन, सं. पुं. हवश देशके अन्तःपाती छोटा देश।
गिनि, सं. पुं. आफ्रिकाके पश्चिम भागमें एक देश।
गिरिजा, सं. स्त्री. पार्वती।
गिरिजानन्त, वा-नन्द, सं. पुं. गणेश।
गिरिधारी, सं. पुं. श्रीकृष्ण।
गिरिराज, सं. पुं. गोवर्द्धन, श्रीकृष्ण।
गिरीन्द्र, सं. पुं. हिमालय।
गिरीश, सं. पुं. महादेव; हिमालय।
गुआ, सं. पुं. बम्बईके दक्षिणमें डेढ सौ कोस पर एक स्थान विशेष, जो पोर्त्तगेजोंके अधीन है सवा तीन सौ वर्षसे।
गुआवारी, सं. पुं. हिडम्ब देशकी पुरानी राजधानी, परन्तु अब खासपुर है।
गुजरात, सं. पुं. हिन्दुस्थानका देश विशेष।
गुडाकेश, सं. पुं. शिव; अर्जुन।
गुरुनानक, गु. मत विशेषका चलानेहारा, जिस्का मत पञ्जाबादि देशोंमें चलित है।
गुर्जर, सं. पुं. गुजरात देश।
गुवालियर, सं. पुं. देश वा नगर विशेष।
गुह्यकपति, सं. पुं. कुवेर।
गोआलपाडा, सं. पुं. नगर विशेष, रङ्गपुरके पूरब जो कम्पनीका देश और आसामका देश है इन दोनोंकी सीमामें यह नगर है।
गोआलियर, सं. पुं. सेंधियाकी राजधानी।
गोकुल, सं. पुं. तीर्थ विशेष, कृष्णजीके जन्मोत्सवकी भूमि; गौवोंका झुण्ड, वा स्थान।
गोकुलेश, सं. पुं. श्रीकृष्ण महाराज।

गोजिनी, सं. पुं. इब्श देशका एक मण्डल।
गोटी, सं. स्त्री. सीतला, माता।
गोदामा, सं. पुं. श्यामदेशकी बोली में बुद्ध अवतार का नाम।
गोदावरी, सं. स्त्री. नदी जो कर्नाटके उत्तरमें समुद्रमें प्रविष्ट भई है।
गोपाल, } सं. पुं. श्रीकृष्ण।
गोपालक, }
गोपालपुर, सं. पुं. ग्राम विशेष जिसके नीचे गङ्गाका और गोमतीका सङ्गम हुआ है।
गोपिका, } सं. स्त्री. गोपकी स्त्री।
गोपी, }
गोपीनाथ, सं. पुं. श्रीकृष्ण।
गोबर्द्धन, सं. पुं. वृन्दावनमें पर्वत विशेष।
गोमती, सं. स्त्री. नदी, जो नैमिषारण्यके पाससे आयकर काशीके पूरब गोपालपुरके नीचे गङ्गाजीमें मिली है।
गोलकुण्डा, सं. पुं. हैदराबादके पासका एक मण्डल।
गोलाध्याय, सं. पुं. शिरोमणिका एक प्रकरण।
गोलोक, सं. पुं. विष्णुलोक।
गोवर्द्धन, सं. पुं. गोबर्द्धन।
गोविन्द, सं. पुं. श्रीकृष्ण।
गोहद, सं. पुं. गोआलियरके पास ग्राम विशेष।
गौड, सं. पुं. बङ्गदेशके मध्यमें देश विशेष वा नगर विशेष वा उसी देशके ब्राह्मण।
गौतम, सं. पुं. ऋषि विशेष।
गौरी, सं. स्त्री. पार्वती।
ग्रीक, सं. पुं. विलायतके देश विशेषके लोग।
ग्रीनलण्ड, सं. पुं. देश विशेष जो इङ्गलण्डके उत्तर पूर्वमें दो सौ कोस अन्तर है, वह उत्तर आमेरिकामें गिना जाता है।
घनतनवरन, गु. कृष्णजीका नाम।
घनश्याम, सं. पुं. श्रीकृष्ण जीका नाम।
घाघरा, सं. स्त्री. नदी विशेष।
घाट, सं. पुं. कर्णाट देशका पर्वत।
चञ्चला, सं. स्त्री. लक्ष्मी।
चट्गाँव, सं. पुं. बंगालेके अन्तःपाती एक नगर।
चण्डिका, सं. स्त्री. दुर्गा।
चतरानन, सं. पुं. ब्रह्मा।
चतुर्भुज, गु. पुं. चार हाथवाला अर्थात् विष्णु।
चतुर्भुजी, गु. स्त्री. चार भुजाकी देवी।
चन्दननगर, सं. पुं. चुचराके पास एक नगर जहाँ फ्राँन्सीयोंका राज्य है।
चन्द्रपत्तन, सं. पुं. मन्द्राज।
चन्द्रभागा, सं. स्त्री. नदी विशेष, जो पञ्जाबमें है।
चन्द्रशेखर, सं. पुं. शिव, पर्वत विशेष।
चरक, सं. पुं. वैद्यकका ग्रन्थ।
चर्लस्टौन, सं. पुं. उत्तर आमेरिकामें एक नगर।

चावडी, सं. स्त्री. दिल्लीमें एक स्थान का नाम।
चित्रकूट, सं. पुं. पर्वत विशेष।
चित्रगुप्त, सं. पुं. यम, यमके यहां बुरे भलेका लेखक।
चिरानछपरा, सं. पुं. गङ्गा और घाघराके सङ्गमके पासके दो ग्राम।
चीन, सं. पुं. हिन्दुस्थानके उत्तर पूरबमें एक देश विशेष।
चुँचरा, सं. पुं. कलकत्तेसे अट्ठारह कोसपर एक स्थान।
चैामुख, सं. पुं. ब्रह्मा।
चैामुखी, सं. स्त्री. देवी विशेष।
जगदम्बा, सं. स्त्री. पार्वती।
जगदीश, सं. पुं. विष्णु, शिव।
जगन्नाथ, सं. पुं. विश्वेश्वर; उत्कल देशमें विग्रह विशेष।
जटायु, सं. पुं. पक्षी विशेष।
जदु, सं. पुं. यदु।
जद्दा, सं. पुं. अरब देशमें समुद्रके तीर पर एक छोटा नगर जिस्के पास मक्का है।
जनक, सं. पुं. सीताका पिता जो मिथिला देशका राजा था।
जनकपुर, सं. पुं. राजा जनक की राजधानी।
जनलोक, सं. पुं. लोक विशेष जिस्में साधु लोग मर्नेके पीछे बास कर्ते हैं।
जनार्दन, सं. पुं. विष्णु।
जन्मेजय, सं. पुं. राजा परीक्षित का बैठवायिक पुत्र।
जमदग्नि, सं. पुं. परशुरामका पिता।
जमराज, सं. पुं. यमराज।
जम्बूदीप, वा द्वीप, सं. पुं. पृथ्वीके सात दीपोंमेंका एक दीप।
जयनगर, सं. पुं. राजपूतोंकी राजधानी।
जयन्ती, सं. स्त्री. दुर्गा।
जयन्तीपुर, सं. पुं. श्रीहट्ट अर्थात् सिलहट से दस कोसके अन्तर एक छोटा देश, जिस्को जयन्ता कहते हैं।
जरासन्ध, सं. पुं. मगध देशका राजा विशेष जो कंस का ससुर था।
जर्जिया, सं. पुं. उत्तर आमेरिका के सम्मिलित मण्डलोंमें दक्षिण के भागमें एक मण्डल।
जर्मणि, सं. पुं. इउरोपका देश विशेष।
जर्सि, सं. पुं. इङ्गलण्डके समीपका एक उपद्वीप।
जलसाईं, सं. पुं. विष्णु।
जसुदा, जसुमति, जसोदा, जसोमति, } सं. स्त्री. श्रीकृष्णजीकी दूध मा, नन्दकी स्त्री।
जाइर, सं. स्त्री. आफ्रिका देशकी नदी।
जाङ्गिबार, सं. पुं. आफ्रिकाके पूरब भागमें समुद्रके तीर पर एक छोटा देश।
जानकी, सं. स्त्री. सीता।

जापान, सं. पुं. उपद्वीप विशेष।
जामवन्त, सं. पुं. भालूविशेष जो श्रीकृष्णजीका ससुर था।
जामाइका, सं. पुं. अमेरिकाके पासका उपद्वीप।
जालोन, सं. पुं. बुंदेलखण्डका नगर विशेष।
जालोय, सं. पुं. आफ्रिकाके पश्चिम भागमें एक प्रधान मण्डल।
जावा, सं. पुं. सुमात्र उपद्वीपके पूर्वमें एक उपद्वीप।
जाह्नवी, सं. स्त्री. गङ्गा ।
जिनोआ, सं. पुं. नगर विशेष जहाँके जन्मे कलम्बस साहिबने स्पानियाकी रानीकी सहायतासे अमेरिकाको पहिले देखा।
जिनोया, सं. पुं. इतालिके अनेक मण्डलोंमें एक मण्डल विशेष।
जिब्रालतर, सं. पुं. एक बडा गढ जो स्पानियाके दक्षिण सीमामें भूमध्यस्थ समुद्रके मोहाने में है।
जुधिष्ठर, सं. पुं. युधिष्ठिर।
जुरिक, सं. पुं. स्वितजर्लण्डका एक नगर।
जूलिया, सं. पुं. आस्त्रिया देशका पर्वत।
जेनेब, सं. पुं. स्वितजर्लण्डके पासका एक नगर।
जोगिनी, सं. स्त्री. देवीकी सहचरी; ज्योतिषमें जो शुभ वा अशुभ कालकी प्रधान है।
जोगेश्वर, सं. पुं. विष्णु; शिव।
जोतिस्स्वरूप, गु. ईश्वरका एक नाम।
ज्योतिष, सं. पुं. शास्त्र विशेष जिस्से ग्रहादिकोंकी गति वा भूगोल खगोल का यथावत् वर्णन वा क्षेत्रका ज्ञान होता है।
झाँसी, सं. पुं. नगर विशेष।
झाक, सं. पुं. नया हेब्रि देश।
झाडखण्ड, सं. पुं. वैद्यनाथ शिवके पासका वन।
झुमका, सं. पुं. सप्त ऋषि।
झूसी, सं. स्त्री. प्रयागके ओर नगरी विशेष।
टङ्किन, सं. पुं. चीनसे लगाभया एक छोटा देश।
टाँडा, सं. पुं. अयोध्याके निकट नगर विशेष।
टिकारी, सं. स्त्री. गयाके पास नगर विशेष।
टेमस, सं. पुं. इङ्गलण्डकी एक बडी नदी।
डबलिन, सं. पुं. ऐर्लण्डका प्रधान नगर।
डम्बरुमध्य, सं. पुं. जिस प्रायद्वीप का एक देश दूसरे देशके साथ मिला होय।
डीघ, सं. स्त्री. गोवर्द्धनके समीप जाटोंका गढ।
ढाका, सं. पुं. बङ्गालेका दूसरा प्रधान नगर।
तन्त्र, सं. पुं. शिवके ग्रन्थ।
तपन, सं. पुं. सूर्य्य।
तरणि, सं. पुं. सूर्य्य।

तरणिया, सं. स्त्री. खोदेन देशकी प्रधान नदी।

तखनी, सं. पुं. इतालिका चौथा मण्डल।

तक्षक, सं. पुं. नागोंमें एक प्रधान नाग।

तागस, सं. स्त्री. स्पानिया देशकी नदी, यह नदी पोर्त्तुगालमेंभी है।

तातार, सं. पुं. तिब्बतके उत्तरमें एक बडा देश।

तापी, सं. स्त्री. नदी विशेष।

तामल, सं. पुं. दक्षिणमें एक देश विशेष।

ताम्बुकी, सं. पुं. आफ्रिकाके देशमें एक छोटा देश।

तारक, सं. पुं. असुर विशेष।

तारका, सं. स्त्री. राक्षसी विशेष।

तारकेश्वर, सं. पुं. सदाशिव।

तारज, सं. स्त्री. खवश देशकी नदी।

तारा, स्त्री. राजा बालिकी पत्नी; देवी।

तारेन्त, सं. पुं. खवश देशके पूर्व भागमें एक पर्वत।

ताहेति, सं. पुं. सोसाइटी उपद्वीपोंका प्रधान उपद्वीप।

तिगरी, सं. पुं. खवश देशमें समुद्रके तीर पर एक मण्डल।

तिदोर, सं. पुं. जावा उपद्वीपके निकटका उपद्वीप।

तिब्बत, -सं. पुं. देश विशेष, जो तातारके दक्षिण है।

तिरभङ्गी, सं. स्त्री. कृष्णजीका नाम।

तिरहुत, सं. पुं. देश विशेष, जिसको मिथिला कहते हैं।

तिरोहित, गु. मिथिला देश।

तिलोत्तमा, सं. स्त्री. अप्सरा विशेष।

तिसपरगात, सं. पुं. नेदर्लण्डका एक प्रधान नगर।

तुनिस, सं. पुं. त्रिपोलिके पश्चिममें एक देश वा उसका प्रधान नगर।

तीबर, सं. स्त्री. इतालिकी नदी।

तुरक, सं. पुं. यवन देश विशेष।

तुरकी, सं. पुं. इउरोपके चौदह देशोंमें सातवाँ देश।

तुरुक, } सं. पुं. देश विशेष।
तुरुष्क, }

तुलसीदास, सं. पुं. बैरागी जो वडा कवि हो गया है।

तुस्को, सं. पुं. इउरोपका पुराना देवता।

तेनेरीफ, सं. पुं. आफ्रिकाके आठवें उपद्वीपमें एक उपद्वीप।

तेनेसी, सं. पुं. उत्तर आमेरिकाके सम्मिलित मण्डलोंके दक्षिणमें एक देश।

तेम्स, सं. स्त्री. इङ्गलण्ड देशकी नदी।

तेर्णाति, सं. पुं. सेलेबेसके पूरबमें एक उपद्वीप।

तैलङ्ग, सं. पुं. देश विशेष अर्थात् कर्नाटक।

तोलेदो, सं. पुं. स्पानिया देशका एक नगर।

त्राणकर्त्ता, सं. पुं. उद्धार कर्ने-हारा अर्थात् प्रभु ईसामसीह।

त्रार्णसिल्वनिया, सं. पुं. आस्त्रियाके अनेक राज्योंमें चौथा राज्य।

त्रिपुर, सं. पुं. असुर विशेष।

त्रिपुरा, सं. स्त्री. देवी विशेष; देश विशेष।

त्रिपुरारि, सं. पुं. महादेव।

त्रिपोलि, सं. पुं. देश विशेष, जो काविससे मिसर तक है।

त्रिभङ्गी, सं. पुं. कृष्णजीका नाम।

त्रिमूर्त्ति, सं. स्त्री. ब्रह्मा विष्णु महेश।

त्रिलोचन, सं. पुं. महादेवका नाम।

त्रिबेनी, सं. स्त्री. गङ्गा यमुना और सरस्वतीका सङ्गम जो प्रयागमें है।

त्रोपिक, सं. पुं. क्रांति मण्डल, अर्थात् रेखाभूमिके दोनो ओर साढे तेईस अंशसे सैंतालीस अंश लग स्थान विशेष, जिस्में उत्तर सीमाका नाम कर्कट त्रोपिक और दक्षिण सीमाको मकर त्रोपिक कहते हैं।

त्र्यम्बक, सं. पुं. महादेव।

थनेसर, सं. पुं. कुरुक्षेत्रके पासका नगर।

थोणा, सं. पुं. हिदुस्थानकी एक नदी।

ददरीक्षेत्र, सं. पुं. भृगु मुनिका आश्रम, जो पटनेके पास है।

दन्, सं. स्त्री. रुषियाकी प्रधान नदी।

दमयन्ती, सं. स्त्री. नल राजाकी स्त्री।

दम्बिया सं. पुं. हबश देशमें एक प्रधान मण्डल।

दर्शन, सं. पुं. षट् शास्त्र।

दशरथ, सं. पुं. रामचन्द्रके पिता।

दशानन, सं. पुं. रावन, लङ्केश।

दसरथ, सं. पुं. दशरथ।

दक्ष, सं. पुं. ब्रह्माका पुत्र, जिस्को ब्रह्माने अपने दहिने अङ्गुष्ठसे उत्पन्न किया।

दक्षिणकेन्द्र, सं. पुं. जिस्के चारों ओर हिम समुद्र है, इस्को हिन्दके शास्त्रज्ञ बडवानल कहते हैं।

दक्षिणकोल, सं. पुं. ब्रह्मपुत्र नदके दक्षिण जो आसाम देश।

दक्षिणखण्ड, सं. पुं. विन्ध्याचलके दक्षिणमें हिन्दुस्थान।

दाऊ, सं. पुं. बलदेव।

दाऊद, सं. पुं. यहूदियोंका एक राजा।

दागो, सं. पुं रुषियाका उपद्वीप।

दानूब, सं. स्त्री. आस्त्रिया देशकी प्रधान नदी।

दान्तजिग, सं. पुं. प्रुषियाका एक प्रधान नगर।

दामासाह, सं. पुं. महाजन विशेष।

दामिएत्ता, सं. पुं. मिसर देशका एक प्रधान नगर।

दामोदर, सं. पुं. श्रीकृष्ण; बर्द्ध-
मानके जिलेमें एक नद।
दाल, सं. स्त्री. स्वीदन देशकी एक
प्रधान नदी।
दाल्मसिया, सं. पुं. आस्त्रियाका
पाँचवाँ राज्य।
दिक्पाल, सं. पुं. दिग्पाल।
दिगपाल, सं. पुं. दसोंदिशाके
स्वामी अर्थात् ब्रह्मा, अनन्त,
इन्द्र, अग्नि, यम, नैऋत्य, वरुण,
पवन, कुवेर, शिव।
दिनकर, }
दिनमणि. } सं. पुं. सूर्य्य।
दिनाजपूर, सं. पुं. रङ्गपूरके प-
श्चिम मुरशिदाबाद कोठके भी
तर एक जिला।
दिल्ली, सं. स्त्री. इन्द्रप्रस्थ, हिन्दु-
स्थानकी प्रधान राजधानी।
दिवाकर, सं. पुं. सूर्य्य।
दुर्गा, सं. स्त्री. पार्वती।
दुर्मुख, गु. वानरोंका एक प्र-
धान।
दुर्योधन, सं. पुं. धृतराष्ट्रका बडा
पुत्र।
देन्मार्क, सं. पुं. इउरोपके चौदह
राज्योंमें दशवाँ राज्य।
देलावार, सं. पुं. उत्तर आमेरिका
की नदी, वा सम्मिलित मण्डलों-
मेंका एक मण्डल।
देवकी, सं. स्त्री. कृष्णकी माता।
देवी, सं. स्त्री. भगवती।
देरिया, सं. स्त्री. इतालि देशकी
नदी।

द्रविड, सं. पुं. दक्षिण हिन्दुस्थान
का देश।
द्रेसदेन, सं. पुं. जर्म्मणि देशके
साकसोनी मण्डलका प्रधान
नगर।
द्वारिका, सं. पुं. कृष्णजीकी राज-
धानी।
द्वारिकानाथ, सं. पुं. कृष्णजी।
द्वीना, सं. स्त्री. रुषियाकी प्रधान
नदी।
धनंजय, सं. पुं. अर्जुन।
धनन्तर, }
धनन्तर, } सं. पुं. वैद्य विशेष जो
धनन्तरी, } इन्द्रके स्वर्गमें रहते
हैं।
धनपति, सं. पुं. यक्षोंका राजा,
कुवेर।
धनुर्धर, सं. पुं. अर्जुन।
धन्वन्तरी, सं. पुं. देवतोंका वैद्य,
वहुत अच्छा वैद्य।
धर्मकूप, सं. पुं. काशीमें स्थान वि-
शेष।
धर्मपुस्तक, सं. पुं. ईश्वरका ग्रन्थ
जिसमें समस्त लोगोंके लिये
सत्य धर्म प्रकाशित है।
धर्मराज, सं. पुं. यमराज।
धाता, सं. पुं. ब्रह्मा।
धृतराष्ट्र, सं. पुं. दुर्योधनका
पिता।
ध्रुव, }
ध्रुवतारा, } सं. पुं. उत्तान पादका
पुत्र।
नन्द, सं. पुं. श्रीकृष्ण जीके कथ-
बाप।
नन्दन, सं. पुं. इन्द्रका उपवन।

नन्दलाल, सं. पुं. श्रीकृष्णजीका नाम।

नन्दिकेश्वर, सं. पुं. उपपुराण विशेष।

नन्दिनी, सं. स्त्री. पार्वती; वशिष्ठ मुनिकी गौ।

नन्दी, सं. पुं. शिवजीका प्रधान अनुचर, वा वाहन।

नयाइङ्गलण्ड, सं. पुं. उत्तर आमेरिकाके सम्मिलित मण्डलोंमें छः मण्डल, जिसमें वेर्मन्त, नये हाम्पसीर, मासचुसेत, कनेक्तिकत, मेन और रोदय उपद्वीप हैं।

नयाऐलेण्ड, सं. पुं. पापुआके छोटे उपद्वीपोंके जो उत्तर पश्चिममें है।

नयाकालिदोनिया, सं. पुं, एक उपद्वीप, जो नये हलण्डसे पूर्व ओर चारसौ कोस दूर है।

नयाजर्जि, सं. पुं. उत्तर आमेरिकाके सम्मिलित मण्डलोंके दूसरे मध्य मण्डलमें जो है।

नयाजीलण्ड, सं. पुं. नये हलण्डके दक्षिण पूर्वमें छः सौ कोश पर दो द्वीप इसी नामसे प्रसिद्ध है।

नयाजेम्ला, सं. पुं. रुषियाका एक उपद्वीप।

नयाब्रनसविक, सं. पुं. उत्तर आमेरिकामें देश विशेष जो इङ्गलण्डियोंके अधिकारमें है।

नयामेकसिको, सं. पुं. उत्तर आमेरिकामें स्पानियाके तीसरा देश।

नयायर्क, सं. पुं. उत्तर आमेरिकाके मध्य मण्डलमें एक देश, वा प्रधान नगरोंमें तीसरा नगर।

नयालबादेश, सं. पुं. उत्तर आमेरिकाके बीच ऐक देश।

नयावृत्तान्त, सं. पुं. पापुआके उत्तर पश्चिममें एक देश, जहाँ जाय फलके वृक्ष सुन्दर हैं।

नयास्कोसिया, सं. पुं. उत्तर आमेरिकामें इङ्गलण्डियोंके अधिकार में तीसरा देश।

नयास्पानिया, सं. पुं. उत्तर आमेरिकामें स्पानियाके अधिकारमें मेक्सिको देशका दूसरा नाम।

नयाहलण्ड, सं. पुं. एक उपद्वीप जो दक्षिण ग्यारह अंशसे उनतालीस अंश लग और पूर्व द्राघिमा एकसौ पन्दरह अंशसे पचपन द्राघिमा लग है।

नयाहैब्रोदेश, सं. पुं. नये कालिदोनियाके पूर्व नौ अंशमें कई एक उपद्वीप।

नरसिंह, सं. पुं. विष्णुका चौथा औतार।

नर्मदा, सं. स्त्री. नदी विशेष, बिंध पर्वतसे निकलकर पूरबसे पश्चिमको छः सौ कोश बहकर समुद्रमें मिली है।

नर्वे, सं. पुं. स्वीदनके पश्चिम और देन्मार्कके उत्तरमें देश विशेष।

नल, सं. पुं. प्रतिष्ठित राजा विशेष।

नवद्वीप, सं. पुं. नदिया जो शान्तिपुरके पास है, वहाँ न्याय शास्त्रके अध्यापक रहते हैं।

नाइपन, सं. पुं. जापान उपद्वीपका तीसरा उपद्वीप।

नागपुर, सं. पुं. महाराष्ट्र देशकी राजधानी।

नागौर, सं. पुं. देश विशेष जो माड़वारके समीप है।

नाटक, सं. पुं. ग्रन्थ विशेष।

नानक, सं. पुं. सिख लोगोंका गुरु।

नान्दिया. सं. स्त्री. शिवका वाहन अर्थात् बैल।

नारद, सं. पुं. मुनि विशेष; संवादी।

नारायण, सं. पुं. विष्णुका नाम।

नारायणी, सं. स्त्री. नारायणकी स्त्री।

निगम, सं. पुं. वेद।

निगमनिवासी, सं. पुं. वेदमें निवासी अर्थात् ब्रह्मा।

निनिवी, सं. पुं. आसरिया, अर्थात् तुरुकी देशका एक नगर।

निशाकर, सं. पुं. चन्द्रमा।

नीजर, सं. स्त्री. आफ्रिकाकी प्रधान नदी।

नीपर, सं. स्त्री. रुषियाकी प्रधान नदी।

नील, सं. पुं. आफ्रिकाकी एक प्रधान नदी।

नीलकण्ठ, सं. पुं. महादेव।

नीलपर्वत, सं. पुं. विन्ध्याचलका एक खण्ड उत्कल देशके समीपमें प्रसिद्ध है; हरद्वारके पास तीर्थ विशेष।

नुबिया, सं. पुं. देश विशेष, जो मिसर और खबश देशके बीचमें है।

नूह, सं. पुं. प्रधान पुरुष जिस्को परमेश्वरने जल प्रलयसे बचाया।

नृग, सं. पुं. आगेके समयका एक राजा विशेष।

नृसिंह, सं. पुं. विष्णुका चौथा अवतार।

नेदर्लण्ड, सं. पुं. इउरोपके देशोंमें आठवाँ देश।

नेपाल, सं. पुं. हिन्दुस्थानका देश विशेष।

नैपाल, सं. पुं. नेपाल।

नोर्दस्तारड, सं. पुं. देन्मार्कके अनेक उपद्वीपोंमें जो पहिला गिना जाता है।

न्याय, सं. पुं. तर्कशास्त्र।

पञ्चानन, सं. पुं. शिव।

पञ्चाल, सं. पुं. देश विशेष।

पञ्जाब, सं. पुं. कुरुक्षेत्रसे उत्तरमें देश विशेष।

पटना, सं. पुं. मगध देशका गङ्गाके तीर पर एक प्रधान नगर।

पतङ्ग, सं. पुं. सूर्य्य।

पथरियाअरब, सं. पुं. अरब देशका एक भाग।

पद्मा, सं. स्त्री. लक्ष्मी; नदी विशेष।

पद्मावत, सं. स्त्री. राजकुमारी विशेष जिस्का वृत्तान्त पद्मावतीमें लिखा है।

पद्मावती, सं. स्त्री. जरत्कारुकी स्त्री; नदी विशेष।

परशुराम, सं. पुं. छठा अवतार।

परासर, सं. पुं. व्यासजीके पिता।

परिवर्त्त, सं. पुं. कच्छपका अवतार।

परीच्छित, सं. पुं. अर्जुनका नवासा।

पर्णा, सं. पुं. बुंदेलखण्डमें एक स्थान विशेष जहां हीरेकी खानि है।

पर्वत, सं. पुं. ऋषि विशेष।

पवन, पुं. वायुकोणका स्वामी।

पाञ्चाल, सं. पुं. देश विशेष, द्रुपद राजाका देश।

पाञ्चाली, सं. स्त्री. द्रौपदी।

पाटलिपुत्र, सं. पुं. शोनभद्रके तीर पर एक प्राचीन बडा नगर, अब वह उजाड होगया है।

पाणिनि, सं. पुं. व्याकरण शास्त्रकार मुनि विशेष।

पाण्डव, सं. पुं. पाण्डु राजाके पाँच पुत्र।

पाण्डु, सं. पुं. राजा विशेष जो युधिष्ठिरादि पाँचके पिता था।

पानामा, सं. पुं. दच्छिण आमेरिकामें नगर विशेष।

पापा, सं. पुं. आगमज्ञानी जो प्रभु ईसाके मरनेके तीन चार सौ वर्षके पीछे रूम नगरमें बडा उपदेशक था।

पापुआ, सं. पुं. द्वीप विशेष जो नये हलण्डके पाँच अंश उत्तर में है।

पारसिक, सं. पुं. देश विशेष।

पाराग्वे, सं. स्त्री. दच्छिण आमेरिकाकी नदी।

पाराणा, सं. स्त्री. दच्छिण आमेरिकाकी छोटी नदी।

पारिस, सं. पुं. फ्रान्स देशका प्रधान नगर।

पार्वती, सं. स्त्री. दुर्गा।

पालामौ, सं. पुं. बङ्गालेकी पश्चिम सीमामें नगर विशेष।

पालेर्मो, सं. पुं. सिसिली उपद्वीपकी राजधानी।

पालेस्तीन, सं. पुं. आसरियाका देश विशेष।

पासिफिक, सं. पुं. वह महा सागर जो आसियासे आमेरिकाको पृथक करता है।

पिङ्गल, सं. पुं. छन्दःशास्त्रका आचार्य नाग विशेष; छन्दो ग्रन्थ विशेष।

पितर्सबर्ग, सं. पुं. रूषियाका प्रधान नगर वा राजधानी।

पितामह, सं. पुं. ब्रह्मा।

पिरामिद, सं. पुं. मिसर देशमें आश्चर्य बडे भारी खम्बे।

पिरेनिस, सं. पुं. इउरोपका पर्वत जो फ्रान्ससे स्पानियाको विभक्त कर्ता है।

पीताम्बर, सं. पुं. श्रीकृष्ण।

पीलीभीत, सं. पुं. रोहिलखण्डमें नगर विशेष।

पीलु, सं. पु. प्रशान्त सागरके बहुत उपद्वीपोंमेंका एक उपद्वीप।

पुण्डरीकाक्ष, सं. पुं. विष्णु।
पुण्यग्राम, सं. पुं. पूना।
पुनःपुना, सं. स्त्री. मगध देशकी नदी विशेष।
पुरणिया, सं. पुं. मुर्शिदाबाद कोर्टके अन्तर्गत एक जिला, वा उसके प्रधान नगरका नाम।
पुरी, सं. स्त्री. अयोध्यादि सात नगर।
पुरुषोत्तम, सं. पुं. विष्णु।
पुष्कर, सं. पुं. तीर्थ विशेष।
पुष्पधनुः, सं. पुं. कामदेव।
पूतना, सं. स्त्री. राक्षसी विशेष जिसको श्रीकृष्णने मारडाला।
पूलूस, सं. पुं. प्रभु ईसामसीहका एक प्रेरित।
पृथा, सं. स्त्री. युधिष्ठिरादिकी माता।
पृथु, सं. पुं. त्रेतामें सूर्य्यवंशका पाँचवाँ राजा।
पेन्सिलवानिया, सं. पुं. उत्तर आमेरिकाके सम्मिलित मण्डलोंमेंसे जो दूसरे मध्य मण्डलमेंगिना जाता है।
पेम्वा, सं. पुं. आफ्रिकाका एक उपद्वीप।
पेशोर, सं. पुं. काबुल देशकी राजधानी।
पेगू, सं. पुं. बर्मा देशमें एक प्रधान मण्डल।
पो, सं. स्त्री. इतालि देशकी प्रधान नदी।
पोटामाक, सं. स्त्री. उत्तर आमेरिका की एक नदी।
पोतोसिर, सं. पुं. दक्षिण आमेरिका में सोने रूपेकी खान।
पोर्त्तस्मोत, सं. पुं. इंग्लण्ड का एक द्वीप नगर।
पोर्त्तुगाल. सं. पुं. इउरोपका ग्यारहवाँ देश।
पोर्त्तुरीको, सं. पुं. आमेरिका के निकट में चैाथा उपद्वीप।
पोलण्ड, सं. पुं. विलायत में देश विशेष।
पैालोमी, सं. स्त्री. इन्द्राणी।
प्रजापति, सं. पुं. ब्रह्मा।
प्रज्ञा, सं. स्त्री. सरस्वती।
प्रटेष्टन्त, सं. पुं. पापाके मतसे बहिर्भुत लोग।
प्रद्युम्न, सं. पुं. कामदेव।
प्रभाकर, सं. पुं. सूर्य्य।
प्रभास, सं. पुं. तीर्थ विशेष।
प्रयाग, सं. पुं. तीर्थोंका राजा, इलाहाबाद।
प्रशान्त, सं पुं. सागर विशेष जो आसिया से आमेरिका को पृथक कर्त्ता है।
प्राग, सं. पुं. आष्ट्रिया का एक प्रधान नगर।
प्राच्य, सं. पुं. शरावती नदीके दक्षिण पूरवका देश।
प्रायद्वीप, सं. पुं. चारोंओर जलसे वेष्टित, और एक ओरमें देशान्तर से मिला भया जो द्वीप।
प्रुषिया, सं. पुं. इउरोप के अनेक देशोंमें पाँचवाँ देश।

प्रेतनदी, सं. स्त्री. वैतरणी, नरक की नदी।
प्रेस्वर्ग, सं. पुं. आखिया में हङ्गरी का प्रधान नगर।
फ्लिमात, सं. पुं. इंगलण्ड में एक घोप नगर।
फरमोसा, सं. पुं. चीनके अधिकार में उपद्वीप विशेष।
फरात. सं. स्त्री. आसरीया देशकी नदी विशेष।
फरोखाबाद, सं. पुं. कान्यकुब्ज देश-का प्रधान नगर।
फलारिदा, सं. पुं. उत्तर आमेरिका में देश विशेष।
फलोरेन्स, सं. पुं. इतालिके तस्क-नी मण्डल का प्रधान नगर।
फल्गु. सं. पुं. गयाजी में नदी वि-शेष।
फानदीमनको, सं. पुं. नये लण्डके दक्षिण में एक उपद्वीप।
फारो, सं. पुं. नर्वे ओर स्काटलण्ड के मध्यमें देन्मार्क का चैाथा उपद्वीप।
फालमैात, सं. पुं. इङ्गलण्ड देशमें एक घोप नगर।
फिनलण्ड, सं. पुं. रुषिया का एक उपद्वीप।
फिलादेलफिया, सं. पुं. उत्तर आमेरिका का दूसरा प्रधान नगर।
फिलिपीन, सं. पुं. आसियाके उपद्वीपोंमें का उपद्वीप वि-शेष।

फुदचेरा, फुदचेरिको, सं. पुं. मन्द्राजसे बीस कोस पर फ-रासीसोंका प्रधान बसनेका स्थान।
फेज, सं. पुं. मोरक्का का एक मण्डल।
फौला, सं. पुं. आफ्रिका के पश्चिम भागका एक मण्डल।
फ्रान्स, सं. पुं. इउरोप के देशोंमें जो तीसरा गिना जाता है।
बगु, सं. पुं. पेगु देश।
बघेलखण्ड, सं. पुं. बुँदेलखण्डके पूरबमें देश विशेष।
बङ्ग, सं. स्त्री. बङ्गाला।
बङ्गाला, सं. पुं. अपने नामसे प्रसिद्ध देश विशेष।
बजरङ्ग, सं. पुं. हनुमान का नाम।
बतिया, सं. पुं. स्वीदेनमें देश वि-शेष।
बद्री, सं. स्त्री. हिन्दुस्थान के उत्तर में तीर्थस्थान विशेष।
बनमाली, सं. पुं. श्रीकृष्णजी का नाम।
बम्बई, सं. पुं. गुजरात के दक्षिण पूरबमें समुद्रके तीरपर देश वा नगर; यह भी एक सदर है।
बरना, सं. स्त्री. काशीके समीप नदी विशेष।
बरेली, सं. स्त्री. हिन्दुस्थानके उत्तर में नगर विशेष।
बर्णहलम, सं. पुं. स्वीदेन देशके निकट का एक उपद्वीप।
बर्णिओ, सं. पुं. उपद्वीप विशेष।

बमिङ्हाम, सं. पुं. इङ्गलण्डका एक नगर।

बर्मुदा, सं. पुं. उत्तर आमेरिका के उपद्वीपों का समूह।

बर्लिन, सं. पुं. प्रूषिया की राजधानी।

बल, सं. पुं. बलराम।

बलदेव, सं. पुं. श्रीकृष्णजी का बडा भाई।

बलबीर, सं. पुं. बलदेव; श्रीकृष्ण का नाम।

बलराम, सं. पुं. बलदेव।

बलाकसवेर्ग, सं. पुं. जर्मणि देशका प्रधान पर्वत।

बलि, सं. पुं. पाताल का राजा।

बलोच, सं. पुं. सिन्धुके पश्चिममें बलोच स्थान है, उसमें हींगके वृक्ष बहुत हैं।

बलोन्या, सं. पुं. इतालिके मण्डलोंमें पापाके राज्यमें नगर विशेष।

बष्टन, सं. पुं. उत्तर आमेरिका के प्रधान नगरोंमें जो चौथा है।

बस्निया, सं. पुं. इउरोप में तुरुकोंके अधिकार में जो देश आठवाँ गिना जाता है।

बहुउपद्वीप, सं. पुं. प्रशान्त सागर के अनेक उपद्वीप।

बाँका, सं. पुं. नदी बिशेष।

बाँसबरेली, सं. स्त्री. रोहेल खण्डकी राजधानी।

बाटेबिया, सं. पुं. जावा उपद्वीपका प्रधान नगर।

बाण्डा, सं. पुं. मोलक्का के उपद्वीपोंमें एक उपद्वीप।

बात, सं. पुं. इङ्गलण्ड का एकबहुत सुन्दर नगर।

बातापी, सं. पुं. आतापीका भाई असुर।

बापतिस्मा, सं. पुं. जगतका त्राणकर्त्ता प्रभु ईसा मसीहकी रीति विशेष जो ईसाई होनेका चिन्ह है।

बाबेल, सं. पुं. आसरिया देशमें पुराना एक बडा नगर।

बाराह, सं. पुं. तीसरा अवतार।

बार्शिलोना, सं. पुं. स्पानिया देशका एक प्रधान नगर।

बाल, सं. पुं. स्वितजलण्डका एक प्रधान नगर।

बालडी, सं. पुं. रुषिया देशका पर्वत।

बालतीक्, सं. पुं. इउरोपका समुद्र जो उत्तर को जाकर स्वीदेन देन्मार्कको प्रूषिया अरु रुषियासे विभक्त कर्त्ता है।

बालाखिया, सं. पुं. इउरोपमें तुरुकोंका देश जो तीसरा गिना जाता है।

बालेश्वर, सं. पुं. उत्कल देशका प्रधान नगर, जो समुद्रके तीर पर है।

बावारिया, सं. पुं. जर्मणिके आन भाग में जो पहिला राज्य गिना जाता है।

बाहामा, सं. पुं. आमेरिकाके निकटमें उपद्वीपोंका समूह।

बाऊदा, सं. स्त्री. नदी विशेष जो हिमालयसे निकलती है।
बिक्नेन, सं. पुं. देन्मार्कका दूसरा उपद्वीप।
बिराट, सं. पुं. विराट।
बिलसा, सं. पुं. राजपूतोंका देश विशेष।
बिहार, सं. पुं. देश विशेष।
बिहारी, सं. पुं. श्रीकृष्णजीका नाम।
बीरिङ्ग, सं. पुं. मोहाना जो उत्तर आमेरिकाके वायुकोणमें है।
बुँदेलखण्ड, सं. पुं. काशीके नैऋत्य कोणमें देश विशेष।
बुद्ध, सं. पुं. विष्णुका नवम अवतार।
बुध, सं. पुं. बुद्ध।
बूँदी, सं. स्त्री. नगर विशेष।
बोनिसआएरेस, सं. पुं. दक्षिण आमेरिकाका एक नगर।
बोर्दो, सं. पुं. फ्रान्सका एक नगर।
बौना, सं. पुं. वामन, पाँचवाँ अवतार।
ब्रसेल्स, सं. पुं. नेदर्लेण्डका प्रधान नगर।
ब्रह्मपुत्र, सं. पुं. नद विशेष।
ब्रह्मलोक, सं. पुं. ब्रह्माका स्थान।
ब्रह्मादेश, सं. पुं. बङ्गालेसे अग्निकोणमें देश विशेष।
ब्राह्मण, सं. पुं. पहिला वर्ण।
ब्राह्मणी, सं. स्त्री. ब्राह्मणकी स्त्री।

भक्तवत्सल, सं. पुं. भगवान।
भगवान, सं. पुं. परमेश्वर, परमात्मा।
भगीरथ, सं. पुं. सूर्य्यवंशी राजा विशेष; जिसकी कीर्त्तिके कारण श्री गङ्गाजी स्वर्गसे पृथिवी पर प्रकाशित।
भतरौंड, सं. पुं मथुरा वृन्दावनके बीचमें स्थान विशेष।
भद्रकाली, सं. स्त्री. दुर्गा।
भरत, सं. पुं. रामजीका छोटा भाई; पिछले समयका एक राजा।
भरतखण्ड, सं. पुं. जम्बूद्वीपके नव खण्डका एक खण्ड।
भरतपूर, सं. पुं. शूरसेन देशका प्रधान नगर, जिसको इङ्गलण्डियोंने युद्ध करके अपने अधीन किया।
भवानी, सं. स्त्री. पार्वती।
भागलपूर, सं. पुं. नगर विशेष।
भागीरथ, सं. पुं. भगीरथ।
भागीरथी, सं. स्त्री. गङ्गाजी।
भानु, सं. पुं. सूर्य्य।
भानुमती, सं. स्त्री. राजा विक्रमादित्यकी स्त्री।
भारत, सं. स्त्री. व्यासका रचा एक बडा इतिहास।
भारतवर्ष, सं. पुं. जम्बूद्वीपके नव अंशोंमेंका एक अंश, भारत देश।
भारती, सं. स्त्री. सरस्वती।
भाषा, सं. स्त्री. सरस्वती।

भाष्य, सं· पुं· व्याकरणादि सूत्रोंका पहिला विवरण।
भास्कर,सं· पुं·सूर्य्य ; सिद्धांतशिरोमणि आदि पुस्तकोंका रचक।
भाखर, सं· पुं· सूर्य्य।
भीम, सं· पुं· युधिष्ठिरका दूसरा भाई।
भीमसेन,सं·पुं· युधिष्ठिरका दूसरा भाई।
भीष्मः, सं· पुं· शिव ; पाण्डवोंका दादा।
भूतनाथ, सं· पुं· महादेव।
भूतेश, सं· पुं· महादेव।
भूमध्यस्थ,सं· पुं· समुद्र जो भूमिके मध्यमें है।
भैरव, सं· पुं· शिवजीके सहचर ; शिव।
भैरवी, सं· स्त्री· दुर्गा।
भैरोँ, सं· पुं· भैरव।
भोज, सं· पुं· देश विशेष जिस्में पटना और भागलपूर है ; राजा विशेष।
भोजपुर, सं· पुं· नगर विशेष।
भोट, सं· पुं· देश विशेष, जो तिब्बतका एक देश है।
भोटन्त, सं· पुं· नेपालसे पूरब वा बङ्गालेसे उत्तरमें देश विशेष।
भोपाल, सं· पुं· राजपूतोंका देश वा नगर।
भोलानाथ, सं· पुं· महादेव।
मकरत्रोपिक, सं· पुं· देखो कर्कट त्रोपिक का।
मकरध्वज, सं· पुं· कामदेव।
मक्का, सं· पुं· अरब देशका प्रधान नगर जिस्में महम्मद जन्मा था।
मगध, सं· पुं· बङ्गालेके पश्चिममें देश विशेष।
मङ्गलसमाचार, सं· पुं· धर्म पुस्तकका एक भाग जो प्रभु ईसामसीहका नया नियम अर्थात् इञ्जील कहते हैँ।
मणिकर्णिका, सं· स्त्री· काशीमें कुण्ड विशेष जहाँ देवीके कानका मणि गिराथा।
मणिपूर, सं· पुं· बङ्गालेसे पूरबमें एक छोटा देश विशेष।
मथुरा, सं· स्त्री· पुरी विशेष, जिस्में श्रीकृष्णजीने जन्म लिया।
मदन, सं· पुं· कामदेवका नाम।
मदिरा, सं· स्त्री· आफ्रिका का नवाँ उपद्वीप जहाँसे इसी नामसे प्रसिद्ध अत्युत्तम मदिरा आवती है।
मदीना, सं· पुं· अरब देशका प्रधान नगर।
मधु, सं· पुं· दैत्य विशेष जिस्को श्रीकृष्ण जीने मारा।
मधुपुर, सं· पुं·, मधुपुरी, स्त्री·, मधबन, पुं· } मथुरा।
मधुसूदन, सं· पुं· विष्णु ; मधुका मारनेहारा अर्थात् श्रीकृष्ण।
मध्यदेश, सं· पुं· हिमालय और विन्ध्याचल, तथा कुरुक्षेत्र और प्रयाग इन चारोंके बीचका देश अर्थात् लखनऊ।

मनमत्त, सं. पुं. मदन।
मनमोहन, सं. पुं. श्रीकृष्णजीका नाम।
मनु, सं. पुं. ब्रह्मा वा उसका पुत्र।
मनोज, सं. पुं. कामदेव।
मन्दर, सं. पुं. पर्वत जिस्से सुर और असुरोंने समुद्रका मथा।
मन्दराचल, सं. पुं. मन्दर।
मन्दराज, सं. पुं. हिन्दुस्थानके दक्षिणमें समुद्र तटपर एक बडा नगर।
मन्दाकिनी, सं. स्त्री. स्वर्गकी गङ्गा।
मन्दिङ्गो, सं. पुं. आफ्रिकाके पश्चिम भाग में एक मण्डल जो चौथा गिना गया है।
मन्दोदरी, सं. स्त्री. रावनकी प्रधान स्त्री; पाँचवीं कन्या।
मन्मथ, सं. पुं. कामदेव।
मन्स, सं. पुं. नेदरलण्डका एक नगर।
मय, सं. पुं. असुर विशेष।
मरहट्टा, सं. पुं महाराष्ट्र।
मरियम, सं. स्त्री. मुक्तिदाता प्रभु ईसा मसीहकी माता।
मरिलण्ड, सं. पुं. उत्तर आमेरिकाके सम्मिलित मण्डलोंमें मण्डल विशेष।
मरिसियस, सं. पुं. आफ्रिका का एक उपद्वीप।
मरीच, सं. पुं. राक्षस जो सीता को फुसलायके रावणके पास ले गया।
मरीची, सं. स्त्री. ऋषि विशेष।
मरुभूमि, सं. स्त्री. माडवाडकी धर्ती; आफ्रिकाकी मरु भूमि सबसे बडी है।
मलदाविया, सं. पुं. इउरोपमें तुरुकोंके देशोंमें जो देश पहिले गिना जाता है।
मलय, सं. पुं. पर्वत विशेष जो बम्बई-से दक्षिणमें है, और जिसमें बहुत अच्छा चन्दन होता है।
मलया, मलयागिर; } सं. पुं. मलय।
मलागीर, सं. पुं. मलयागिर।
मसीह, सं. पुं. अभिषिक्त, जगतके त्राण कर्त्ताका एक नाम।
मस्काट, सं. पुं. अरब देशमें समुद्र के तीरपर एक छोटा नगर।
मस्को, सं. पुं. रुषिया देशका एक बडा नगर जो पुरानी राजधानी थी।
महाकाल, सं. पुं. शिवजीका नाम वा मूर्त्ति विशेष।
महादेव, सं. पुं. सदाशिव।
महानन्दा, सं. स्त्री. नदी विशेष जो गङ्गामें मिली है।
महामाया, सं. स्त्री. भगवती जगत-जननी।
महामुदसाही, सं. पुं. बङ्गालेके अन्तःपाती देश विशेष।
महाराष्ट्र, सं. पुं. हिन्दुस्थानका देश विशेष वा वहाँके रहने-हारे।
महालामा, सं. पुं. भोटियोंका सिद्ध पुरुष।

महीश्वर, वा महीसुर, सं. पुं. मन्द्राजके पश्चिम का देश।
महेश, सं. पुं. सदाशिव।
मा, सं. पुं. लक्ष्मी।
माद्री, सं. स्त्री. सहदेवकी माता।
माधव, सं. पुं. माधो।
माधो, सं. पुं. श्रीकृष्ण वा विष्णुका नाम।
मान, सं. पुं. इङ्गलण्डके पासका एक उपद्वीप।
मानचेष्टर, सं. पुं. इङ्गलण्डका बडा नगर।
मानिला, सं. पुं. उपद्वीप विशेष।
मान्धाता, सं. पुं. प्राचीन यशस्वी राजा विशेष।
मार, सं. स्त्री. कामदेव।
मारिस, सं. स्त्री. तुरुक देशकी एक नदी।
मारुत, सं. पुं. पवन।
मारुतसुत, सं. पुं. हनुमान जी।
मार्कीसा, सं. पुं. उपद्वीप विशेष।
मार्त्तण्ड, सं. पुं. सूर्य्य।
मार्सैल, सं. पुं. फ्रान्सका एक बडा नगर।
मालता, सं. पुं. इतालिका एक उपद्वीप।
मालद्वीप, सं. पुं. सिंहलद्वीपके पास एक उपद्वीप।
मालवा, सं. पुं. देश विशेष।
मालागा, सं. पुं. स्पानियाका एक नगर।
मार्गेल, सं. स्त्री. खवश् देशकी एक नदी।

मासाचुसेत, सं. पुं. उत्तर आमेरिकाके सम्मिलित मण्डलोंमें मण्डल विशेष।
मिउस, सं. स्त्री. नेदर्लण्डकी प्रधान नदी।
मिचिङ्गान, सं. पुं. उत्तर आमेरिका का ह्रद विशेष।
मिथिला, सं. स्त्री. तिरहुत।
मिनका, सं. पुं. स्पानियाका एक उपद्वीप।
मिनसीयो, सं. स्त्री. इतालिकी एक नदी।
मिलान, सं. पुं. इतालिका पाँचवाँ मण्डल; वा उसका प्रधान नगर।
मिसर, सं. पुं. भूमध्यस्थ समुद्रसे दक्षिणमें देश विशेष।
मिसिसिपि, सं. स्त्री. उत्तर आमेरिकाकी एक नदी, वा मण्डल विशेष।
मिसूरी, सं. स्त्री. उत्तर आमेरिकाकी एक नदी, वा मण्डल विशेष।
मीन, सं. पुं. विष्णुका पहिला अवतार।
मुकुन्द, सं. पुं. विष्णु।
मुजफ्फरपुर, सं. पुं. मिथिलाका एक नगर वा जिला।
मुनिक, सं. पुं. जर्मणिके बावारिया मण्डलकी राजधानी।
मुरलीधर, सं. पुं. श्रीकृष्ण।
मुरारी, वा-रि, सं. पुं. कृष्ण वा विष्णुका नाम।
मुर्शिदाबाद, सं. पुं. बङ्गालेका एक बडा नगर।

मुलतान, सं. पुं. देश विशेष वा उसका प्रधान नगर।
मुहाना, सं. पुं. जहाँ नदी समुद्र से वा एक नदी दूसरी नदीसे मिली है, उस्थानका नाम।
मूसा, सं. पुं. यहूदियोंका प्रधान और आगमज्ञानी विशेष।
मृत्युञ्जय, सं. पुं. महादेव।
मेइन, सं. स्त्री. जर्मणिदेशकी एक नदी।
मेक्सीको, सं. पुं. उत्तर आमेरिकामें देश विशेष।
मेक्लेन्बर्ग, सं. पुं. जर्मणिके प्रधान मण्डलोंमें चौथा मण्डल।
मेघराज, सं. पुं. गर्जनेहारा अर्थात् इन्द्र।
मेदिनीपुर, सं. पुं. कलिकत्ता कोटके अन्तर्गत जिला।
मेन, सं. पुं. उत्तर आमेरिकाके उत्तर सम्मिलित मण्डलोंमें एक मण्डल विशेष।
मेनका, सं. स्त्री. हिमालयकी स्त्री; और स्वर्गकी एक अप्सरा।
मेरु, सं. पुं. सुमेरु।
मैथिली, सं. स्त्री. सीता, जानकी।
मैन, सं. पुं. मदन।
मैनाक, सं. पुं. पर्वत विशेष।
मोबादा, सं. स्त्री. तुरुक देशकी एक नदी।
मोरक्का, सं. पुं. बारबरी देशका एक मण्डल।
मोलक्का, सं. पुं. आसियाके उपद्वीपोंमें सेलेबेसके पूरबमें पाँच छः उपद्वीप।
मोहन, सं. पुं. श्रीकृष्ण।
म्लेच्छदेश, सं. पुं. देश जिसमें म्लेच्छ रहते हैं।
यज्ञेश्वर, सं. पुं. महादेव और विष्णुका नाम।
यदु, सं. पुं. पूर्व कालका सोमवंशी पाँचवाँ राजा।
यदुनाथ, यदुराय, सं. पुं. श्रीकृष्ण।
यम, सं. पुं. मृत्युका स्वामी, अन्तक।
यमदग्नि, सं. पुं. मुनि विशेष।
यमराज, सं. पुं. यम।
यमुना, सं. स्त्री. कालिन्दी, नदी विशेष जो प्रयाग में गंगाजीसे मिली है।
यर्क, सं. पुं. इङ्गलण्डका दूसरा प्रधान नगर।
यवन, सं. पुं. देश विशेष।
यशोदा, सं. स्त्री. नन्दजीकी स्त्री।
यशोहर, सं. पुं. कलकत्ता कोटके भीतर एक जिला।
यहूद, सं. पुं. यहूदी।
यहूदिया, वा-यः, सं. स्त्री. पुं. देश विशेष।
यहूदी, सं. पुं. यहूदिया देशके लोग।
यादव, सं. पुं. श्रीकृष्ण।
यादवपति, सं. पुं. यादवके पति अर्थात् श्रीकृष्ण।
यानिसी, सं. स्त्री. नदी विशेष।
यावा, सं. पुं. उपद्वीप विशेष।

यिरोशलीम, सं. पुं. यहूदियः प्रधान नगर।
यिशराएल, सं. पुं. यहूदियः।
यिशु, यिशुखीष्ट, } सं. पुं. जगत्का त्राणकर्त्ता प्रभु ईसा मसीह।
युधिष्ठिर, सं. पुं. पाण्डुका बडा पुत्र।
योधपुर, सं. पुं. राजपूतोंके देशका नगर विशेष।
रक्तबीज, सं. पुं. असुर विशेष।
रघु, सं. पुं. रामचन्द्रका परदादा जो अयोध्याका प्राचीन राजा था।
रघुनन्दन, रघुनाथ, } सं. पुं. राम।
रघुवंश, सं. पुं. रघु राजाका वंश।
रङ्गपुर, सं. पुं. बङ्गालेकी उत्तर सीमामें देश विशेष।
रङ्गुन, सं. पुं. पेगुके देशमें नगर विशेष जो समुद्रके निकटमें है।
रति, सं. स्त्री. कामदेवकी स्त्री।
रतिपति, सं. पुं. कामदेव।
रमणक, सं. पुं. द्वीप विशेष।
रमा, सं. स्त्री. लक्ष्मी।
रमापति, सं. पुं. विष्णु।
रम्भा, सं. स्त्री. अप्सरा विशेष।
रवि, सं. पुं. सूर्य्य।
राघव, सं. पुं. रामचन्द्र।
राजपुताना, राजपुत्थान, } सं. पुं. पञ्जावसे दक्षिण में राज पूतोंके देश।
राजसही, सं. पुं. मुर्शिदाबाद कोटके भीतर एक जिला।
राठैर, सं. पुं. शूरसेन देश।
राठौर, सं. पुं. राजपूताना।
राढ, सं. पुं. गौड देशका खण्ड जो गङ्गाके पश्चिम में है।
राधा, सं. स्त्री. गोपी विशेष जो श्रीकृष्ण जीकी सज्जन थी।
राधिका, सं. स्त्री. राधा।
रावी, सं. स्त्री. पञ्जाबकी नदी।
राम, सं. पुं. दशरथजीका बडा बेटा जो सातवाँ अवतार हुआ।
रामगढ, सं. पुं. बङ्गालेकी पश्चिम सीमा।
रामचन्द्र, सं. पुं. राम।
रामदूत, सं. पुं. हनुमान।
रामायण, सं. स्त्री. ग्रन्थ विशेष जिसमें रामका वृत्तान्त है।
रावण, सं. पुं. लङ्केश, राक्षस विशेष।
रावणारि, सं. पुं. श्रीराम।
रासधारी, सं. पुं. भँवैया, वा कत्थक जो श्रीकृष्णजीका रास धारता है।
राहु, सं. पुं. दैत्य विशेष जो सूर्य्य और चन्द्र को ग्रास करता है, वही ग्रहण कहलाता है।
रीओजानेरो, सं. पुं. दक्षिण आमेरिकामें पोर्त्तुगेजोंके अधिकृत देशका प्रधान नगर।
रीओदेलाप्लाता, सं. स्त्री. दक्षिण आमेरिका की नदी।

रीओग्राओ, सं. स्त्री. उत्तर आमेरिकाकी प्रधान नदी।

रीण, सं. पुं. स्वितजर्लेण्डका पर्वत, वा नदी।

रीन्, सं. स्त्री. नेदर्लैण्डकी प्रधान नदी।

रुक्म, सं. पुं. श्रीकृष्णजीका साढ़ू, साला।

रुक्मिणी, सं. स्त्री. श्रीकृष्णजीकी एक स्त्री जो रुक्मकी बहिन थी।

रुगैद, सं. पुं. स्वीदेनका प्रधान उपद्वीप।

रुद्र, सं. पुं. महादेवका नाम वा रूप।

रुद्राणी, सं. स्त्री. महादेवकी स्त्री अर्थात् दुर्गा।

रुषिया, सं. पुं. देश विशेष जो इउरोपके देशोंमें दूसरा गिना जाता है।

रूम, सं. पुं. इउरोपका देश विशेष वा उसीका प्रधान नगर।

रेखाभूमि, सं. स्त्री. पृथ्वीका मध्यस्थान।

रेवत, सं. पुं. प्राचीन राजा जो बलराम का ससुर था।

रेवती, सं. स्त्री. बलरामकी स्त्री।

रेवा, सं. स्त्री. नदी विशेष अर्थात् नर्मदा।

रोडा, सं. पुं. क्षत्रियोंकी जाति विशेष।

रोण, सं. स्त्री. फ्रान्स देशकी एक नदी।

रोतेर्दाम, सं. पुं. नेदर्लैण्डका एक प्रधान नगर।

रोद, सं. पुं. उत्तर आमेरिकाके सम्मिलित मण्डलोंमें द्वीप विशेष।

रोम, सं. पुं. इतालिके तीसरे मण्डलमें पापाकी राजधानी का नगर।

रोमाणकातोलिक, रोमाणकाथोलिक, सं. पुं. पापाके मतके लोग जो कभी २ पापिष्ठ कहावते हैं।

रोमाणिया, सं. पुं. इउरोपमें तुरुक देशके मध्यपाती देश जो पाँचवाँ गिना जाता है।

रोमालिया, सं. पुं. इउरोपमें तुरुक देशके मध्यपाती देश जो चौथा गिना जाता है।

रोसेत्ता, सं. पुं. मिसर देशका एक छोटा नगर।

रोहण, सं. पुं. प्राचीन राजा विशेष।

रोहिणी, सं. स्त्री. चन्द्रमाकी स्त्री।

रोहेलखण्ड, सं. पुं. बरेलीके आसपास का देश।

लकडीद्वीप, सं. पुं. मालद्वीप से उत्तरमें छोटे २ अनेक द्वीप।

लखनौ, सं. पुं. अयोध्या देशकी राजधानी।

लङ्का, सं. स्त्री. सिंहलद्वीप वा उसीमें रावणकी राजधानी।

लङ्गूर, सं. पुं. हनूमान।

लक्ष्मी, सं. स्त्री. लक्ष्मी।
लक्लाज, सं. पुं. एक मनुष्य का नाम, जिसे प्रूतरञ्चका खेल मचाया।
लण्डन, सं. पुं. इङ्गलण्ड देशका प्रधान नगर वा राजधानी।
लफादेन, सं. पुं. देन्मार्कका तीसरा उपद्वीप।
लम्बोदर, सं. पुं. गजानन।
लसान्, सं. पुं. स्वितजर्लण्डका नगर विशेष।
लहोर, सं. पुं. पञ्जाब देश का प्रधान नगर।
लक्ष्मण, सं. पुं. दशरथजीका तीसरा पुत्र।
लक्ष्मी, सं. स्त्री. कमला।
लाओस, सं. पुं. देश विशेष जो टङ्किनसे नैऋत्य कोणमें है।
लाद्रोण, सं. पुं. प्रशान्त सागरका उपद्वीप विशेष।
लायलाण्ड, सं. पुं. इउरोपका देश विशेष।
लाब्राडोर, सं. पुं. आमेरिकाका देश विशेष।
लामालान्, सं. पुं. खब्श देशका प्रधान पर्वत।
लाहोर, सं. पुं. लहोर।
लिदिया, सं. पुं. इउरोपका देश विशेष।
लिबिया, सं. पुं. आफ्रिकाके दक्षिण-में मरु भूमि देश विशेष।
लियों, सं. पुं. फ्रान्स देशका एक प्रधान नगर।
लिवर्पुल, सं. पुं. इङ्गलण्डका एक प्रधान नगर।
लिसबन, सं. पुं. पोर्त्तुगालकी राजधानी।
लुइसिआना, सं. पुं. उत्तर आमेरिकाके सम्मिलित मण्डलोंसे भिन्न मण्डल।
लूकानिया, सं. पुं. मानिलाका प्रधान उपद्वीप।
लेगर्ण, सं. पुं. इतालिके तस्कानी मण्डल में घोष नगर विशेष।
लेम्नस, सं. पुं. तुरुक देशका उपद्वीप विशेष।
लैदेन, सं. पुं. नेदर्लैण्डका एक प्रधान नगर।
लोअर, सं. स्त्री. फ्रान्स देशकी एक प्रधान नदी।
लोकालोक, सं. पुं. पर्वत विशेष जो जगत्की सीमा है।
ल्हासा, सं. पुं. भोटकी राजधानी।
वंशीधर, सं. पुं. श्रीकृष्ण।
वक, सं. पुं. अगस्ति।
वज्रहस्त, सं. पुं. इन्द्र।
वटुक, सं. पुं. भैरव विशेष।
वनमाली, सं. पुं. श्रीकृष्ण।
वनवारी, सं. पुं. वनमाली।
वराह, सं. पुं. तीसरा अवतार।
वरुण, सं. पुं. जलका स्वामी।
वर्ज्जिनिया, सं. पुं. उत्तर आमेरिकाके दक्षिणमें सम्मिलित मण्डलोंमेंका मण्डल विशेष।
वर्णिओ, सं. पुं. आसियाका उपद्वीप विशेष।

वर्द्धमान, सं. पुं. कलिकत्ता कोर्टके अन्तर्गत जिला विशेष वा उसीका प्रधान नगर।

वर्म्मा, सं. पुं. बङ्गालेके अग्निकोणमें देश विशेष, जिसको कोई २ ब्रह्मा कहते हैं।

वलगा, सं. स्त्री. रुषियाकी प्रधान नदी।

वशिष्ठ, सं. पुं. मुनि विशेष।

वसु, सं. पुं. देव विशेष।

वसुदेव, सं. पुं. श्रीकृष्णजीका पिता।

वाक्पति, सं. पुं. बृहस्पति।

वाग्देवी, सं. स्त्री. सरस्वती।

वाचस्पति, सं. पुं. बृहस्पति।

वाणी, सं. पुं. सरस्वती।

वातापी, सं. पुं. असुर विशेष जिसको अगस्तने भक्षण किया।

वादरायण, सं. पुं. वेदव्यास।

वामदेव, सं. पुं. महादेव।

वामन, सं. पुं. विष्णुका पाँचवाँ अवतार।

वाराणसी, सं. स्त्री. काशी।

वारेन्द्री, सं. पुं. देशविशेष जिसका कुछ बङ्गालका और कुछ बिहारका है।

वालटिक, सं. पुं. इउरोपका समुद्र विशेष।

वालतिमोर, सं. पुं. उत्तर आमेरिकामें नगर विशेष।

वाल्मीकि, सं. पुं. मुनि विशेष जिसने रामायण को रचा है।

वासिन्टन, सं. पुं. उत्तर आमेरिका में सबसे उत्तम नगर।

वासुकी, सं. पुं. नागोंका राजा।

वासुदेव, सं. पुं. श्रीकृष्ण, वसुदेवका पुत्र।

वियन्ना, सं. पुं. आस्त्रियाकी राजधानी।

विक्रमादित्य, सं. पुं. उज्जैन नगरका राजा अब जिसका विद्यमान वर्ष १८८५ सम्वत् है।

वितस्ता, सं. स्त्री. पञ्जाबकी नदी विशेष।

विदुर, सं. पुं. दासीके पेटमें व्यासजीका पुत्र।

विधाता, सं. पुं. ब्रह्मा।

विधि, सं. पुं. ब्रह्मा।

विधु, सं. पुं. चन्द्रमा।

विनायक, सं. पुं. गणेश।

बिन्ध्य, सं. पुं. हिन्दुस्थानका पर्वत विशेष।

विन्ध्यवासिनी, सं. स्त्री. विन्ध्याचलकी देवी; ग्राम वा मन्दिर जो मिर्जापुरके निकट है।

विपाशा, सं. स्त्री. पञ्जाबकी नदी।

विपुल, सं. पुं. सुमेरुका पश्चिम भाग हिमालय।

विभीषण, सं. पुं. रावणका छोटा भाई।

विभु, सं. पुं. शिव; ब्रह्मा; विष्णु।

विरिञ्चि, सं. पुं. ब्रह्मा।

विराट, सं. पुं. हिन्दुस्थानके मध्यमें देश विशेष; राजा; जगतका आत्मा अर्थात् भगवान।

विरूपाक्ष, सं. पुं. महादेव।

विश्रान्त, सं. पुं. मथुरापुरीमें प्रधान स्थान।
विश्वकर्म्मा, सं. पुं. देवतोंका शिल्पकार।
विश्वनाथ, सं. पुं. काशीमें प्रधान शिव।
विश्वेश्वर, सं. पुं. विश्वनाथ।
विष्णु, सं. पुं. नारायण; अग्नि, वसु।
विसुवियस, सं. पुं. इतालिका प्रधान पर्वत, जिसमें ज्वालामुखी है।
विस्तुला, सं. स्त्री. प्रुषियाकी नदी विशेष।
वीरभूमि, सं. पुं. मुर्शिदाबाद कोर्टके भीतर एक जिला।
वीरेश्वर, सं. पुं. शिवजीका सेवक विशेष।
वृन्दावन, सं. पुं. तीर्थ विशेष, जो मथुराके पास है।
वृस्तल, सं. पुं. इङ्गलण्डके पश्चिम भागमें एक प्रधान नगर।
वृहस्पति, सं. पुं. देवतोंका गुरु।
वेत्रवती, सं. स्त्री. हिन्दुस्थानकी एक नदी।
वेदव्यास, सं. पुं. मुनि विशेष, जिसने वेदका सङ्ग्रह किया।
वेनिन, सं. पुं. आफ्रिकाके पश्चिममें भाग विशेष।
वेनिस, सं. पुं. आस्त्रियाका छठा राज्य।
वेर्दे, सं. पुं. आफ्रिकाके उपद्वीपोंमें दश उपद्वीपका नाम।
वेर्मन्त, सं. पुं. उत्तर आमेरिकाके सम्मिलित मण्डलोंमें मण्डल विशेष।
वेल्स, सं. पुं. इङ्गलण्डका तीसरा भाग।
वेलील, सं. पुं. फ्रान्स देशका एक छोटा उपद्वीप।
वेसअराबिया, सं. पुं. इउरोपमें तुरुक देशके आस्त्रियाके मध्यवर्ती दूसरा देश।
वैकुण्ठ, सं. पुं. विष्णु; विष्णुका धाम।
वैकुण्ठनाथ, सं. पुं. विष्णु।
वैजनाथ, सं. पुं. वैद्यनाथ।
वैद्यनाथ, सं. पुं. झाडखण्डमें महादेव विशेष।
व्यास, सं. पुं. मुनि जिसने वेद और पुरानका सङ्ग्रह किया।
व्यासेश्वर, सं. पुं. काशीके पार रामनगरमें व्यास स्थापित महादेव।
व्रज, सं. पुं. देश विशेष जिसमें मथुरा वृन्दावनादि अनेक तीर्थ हैं।
व्रजेश, सं. पुं. श्रीकृष्ण।
शकुनि, सं. पुं. पक्षि विशेष; दुर्योधनका मामू।
शक्र, सं. पुं. इन्द्र।
शङ्कर, सं. पुं. सदाशिव।
शङ्कराचार्य्य, सं. पुं. जोगी विशेष, जिसने जैनके मतको खण्डन किया।
शङ्करी, सं. स्त्री. पार्वती।

शङ्खासुर, सं. पुं. दैत्य विशेष।
शङ्खोद्धार, सं. पुं. द्वारिकामें तीर्थ, काशी जीमें तीर्थ विशेष।
शतद्रु, सं. स्त्री. सतलुज, नदी विशेष।
शत्रुघ्न, सं. पुं. सुमित्राका पुत्र जो रामचन्द्रका दूसरा भाई था।
शमन, सं. पुं. यम।
शम्भु, सं. पुं. महादेव।
शरावती, सं. स्त्री. नदी विशेष।
शलमन, सं. पुं. नये हृतानके समीपमें उपद्वीप।
शशधर,
शशाङ्क, } सं. पुं. चन्द्रमा।
शशी,
शाकद्वीप, सं. पुं. दूसरा द्वीप।
शाकम्भरी, सं. स्त्री. दुर्गा; नगर विशेष।
शाकिनी, सं. स्त्री. देवी विशेष जो दुर्गाकी सहचरी है।
शातातप, सं. पुं. धर्म शास्त्रका प्रवर्त्तक मुनि विशेष।
शालिवाहन, सं. पुं. तीसरे शकका कर्त्ता, जो बडा राजा था।
शिव, सं. पुं. महादेव।
शिवा, सं. स्त्री. दुर्गा, शिवकी स्त्री।
शीतकटिवन्ध, सं. पुं. पृथिवीके दोनों ओर समकटिवन्धके उत्तर दक्षिण केंद्रोंलग जो साढे तेईस अंश है उन् दोनोंको शीत कटिवन्ध कहते हैं।
शीतांशु, सं. पुं. चन्द्रमा।
शीराज, सं. पुं. कन्धहार देशमें एक बडा नगर।
शुकदेव, सं. पुं. व्यासदेवका पुत्र।
शुक्र, सं. पुं. दैत्योंका गुरु।
शुम्भ, सं. पुं. असुर विशेष जिसको दुर्गाजीने मारा।
शूफ, सं. पुं. आफ्रिकाकी पूर्व सीमामें समुद्र विशेष।
शूर, सं. पुं. सूर्य्य।
शूरसेन, सं. पुं. मथुराके पास देश विशेष।
शूर्पनखा, सं. स्त्री. रावणकी बहिन।
शूली, सं. पुं. महादेव।
शेटलण्ड, सं. पुं. स्काटलण्डका उपद्वीप विशेष।
शेफिल्ड, सं. पुं. स्काटलण्डका एक नगर।
शेष, सं. पुं. नाग विशेष जिसका सहस्र शिर है, और जिसपर विष्णु सोते हैं।
शैतान, सं. पुं. बडा दैत्य जो नरकका प्रधान है।
शोण,
शोणभद्र, } सं. पुं. मगध देशमें नद विशेष।
शौनक, सं. पुं. मुनि विशेष।
श्याम, सं. पुं. श्रीकृष्ण; काम्बोजसे पश्चिम में देश विशेष।
श्यामसुन्दर, सं. पुं. श्रीकृष्ण।
श्यामा, सं. स्त्री. कालिका देवी।
श्रवखोर, सं. पुं. कुमारी अन्तरीपसे वायुकोणमें कचीन लग समुद्रके तीरमें छोटा एक देश
श्री, सं. स्त्री. लक्ष्मी।

श्रीकण्ठ. सं. पुं. सदाशिव।
श्रीकान्त, सं. पुं. विष्णु।
श्रीधर, सं. पुं. विष्णु।
श्रीनगर, सं. पुं. बद्रीनाथजीको जाते ऊपर पर्वतमें नगर विशेष।
श्रीपति, सं. पुं. विष्णु।
श्रीरङ्ग, सं. पुं. विष्णु।
श्रीरङ्गपत्तन, सं. पुं. महीशूर देशकी राजधानी।
श्रीवत्स, सं. पुं. विष्णु।
श्रीहट्ट, सं. पुं. सिलहट, ढाका कोर्टके अन्तर्गत एक जिला।
षडानन, सं. पुं. कार्त्तिकेय।
षष्ठी, सं. स्त्री. दुर्गा।
सगर, सं. पुं. अयोध्याका प्राचीन राजा विशेष।
सङ्कटा, सं. स्त्री. काशीमें देवी विशेष।
सङ्कर्षण, सं. पुं. बलदेव जो।
सतलज, सं. स्त्री. शतद्रु, पञ्जाबकी नदी।
सत्यभामा, सं. स्त्री. श्रीकृष्ण महाराजकी स्त्री विशेष।
सदाशिव, सं. पुं. शिवजीका नाम।
सनत्कुमार, सं. पुं. ब्रह्माके चार पुत्रोंमेंसे एक पुत्र जो आदिपुरुष था।
सनीचरा, सं. पुं. गोआलियरके निकट पर्वत विशेष, जिसपर सनीचरकी मूर्त्ति है।
सफेदपर्वत, सं. पुं. उत्तर आमेरिकामें पर्वत विशेष।
सबज्‌पर्वत, सं. पुं. उत्तर आमेरिकामें पर्वत विशेष।
समकटिबन्ध, सं. पुं. उष्णकटिबन्धसे उत्तर दक्षिण दोनों ओर तेतालीस २ अंश लग।
सरजू, सं. स्त्री. नदी विशेष।
सरस्वती, सं. स्त्री. ब्रह्माकी स्त्री जो वाणीकी देवी और राग और विद्याकी प्रतिपालक और संस्कृत भाषाकी बनानेहारी है।
सर्वमङ्गला, सं. स्त्री. दुर्गा।
सलोन, सं. पुं. देशका खण्ड विशेष।
सवेनिस, सं. पुं. फ्रान्स देशमें पर्वत विशेष।
साँभर सं. पुं. नगर विशेष।
साइकफ, सं. पुं. जापानके तीन उपद्वीपोंमें एक उपद्वीप।
साकसोनि, सं. पुं. जर्मणिका देश विशेष।
सागर, सं. पुं. हिन्दुस्थान का नगर।
सानदोमिङ्गो, सं. पुं. आमेरिकाके पास म एक बडा उपद्वीप।
सान्तजागो, सं. पुं. उत्तर आमेरिकामें नगर विशेष।
सान्तलारन्स, सं. पुं. उत्तर आमेरिकाके उत्तरमें महा खाल।
सान्तहेलाना, सं. पुं. आफ्रिकाका पाँचवाँ उपद्वीप।
सान्तामस, सं. पुं. आफ्रिकाका छठा उपद्वीप।
साण्डिव, सं. पुं. प्रशान्त सागरसे बहुत उत्तरमें उपद्वीप विशेष।

सावियां, सं. पुं. आफ्रिकाके पूर्व भागमें छोटा एक उपद्वीप।

सारङ्ग, सं. पुं. देश विशेष।

सारदा, सं. स्त्री. शारदा, दुर्गा; सरस्वती।

सारा, सं. पुं. आफ्रिकाकी प्रधान मरुभूमि।

सार्क, सं. पुं. इङ्गलण्डके आसपास का छोटा एक उपद्वीप।

सार्दिनीया, सं. पुं. इतालिके उपद्वीप विशेष।

सार्वभौम, सं. पुं. कुवेरका हाथी।

सालतजवर्ग, सं. पुं. जर्मणिके आन भागमें जो चौथा भाग है।

सालसेट, सं. पुं. गुजरातसे अग्निकोणमें समुद्रके तीरमें देश विशेष।

सालोनीकि, सं. पुं. तुरुक देशका एक प्रधान नगर।

सावर्णि, सं. पुं. दूसरा मनु।

सिंहलद्वीप, सं. पुं. मन्द्राजसे दक्षिण ओर रेखाभूमिके उत्तर छः अक्षांशसे नौ अक्षांश पन्द्रह कला लग यह द्वीप है।

सिएरालिओना, सं. पुं. आफ्रिकाके पश्चिम भागमें मण्डल विशेष।

सिकन्दराबाद, सं. पुं. हिन्दुस्थानमें सिकन्दरशाह बादसाहके वसाये नगर विशेष।

सिक्लादिस, सं. पुं. तुरुकोंका तीसरा उपद्वीप।

सिन्धु, सं. पुं. नदी विशेष, सिन्धुनदीके पूरबमें देश विशेष।

सित्रिरिमा, सं. पुं. इउरोपसे पूरबमें अति शीतल देश।

सिलेसिया, सं. पुं. प्रुषियाका तीसरा भाग।

सिसिली, सं. पुं. इउरोपका उपद्वीप।

सीता, सं. स्त्री. रामजीकी स्त्री जो राजा जनक की बेटी थी।

सीताकुण्ड, सं. पुं. मुंगेरके पास तीर्थ विशेष।

सुकेशी, सं. स्त्री. स्वर्गकी अप्सरा विशेष।

सुखदानी, } गु. अरब देशके एक
सुखदायक, } भागका नाम।

सुग्रीव, सं. पुं. कृष्णके रथका एक घोडा; वानरोंका राजा विशेष।

सुपेरियर, सं. पुं. उत्तर आमेरिकाका ह्रद विशेष।

सुमात्र, सं. पुं. आसियाका एक उपद्वीप।

सुमेरु, सं. पुं. देवतोंके बसनेका पर्वत विशेष; ज्योतिषमें उत्तर ध्रुव।

सुरपति, सं. पुं. इन्द्र।

सुराष्ट्र, सं. पुं. गुजरातके समीपमें देश विशेष।

सुलैमान, गु. जो यहूदियोंका एक बडा राजा।

सूत, सं. पुं. व्यासजीका शिष्य, जिसने नैमिषारण्य में शौनकादिकोंको पुराण सुनाया।

सूर, सं. पुं. सूर्य्य; सूरदास।

सूरज, सं. पु. सूर्य्य।

सूरदास, सं. पुं. कवि विशेष जो अन्धा था इस लिये अभी अन्धेको सूरदास कहते हैं।
सूरीनाम, सं. पुं. दक्षिण आमेरिकामें एक नगर।
सूर्य्य, सं. पुं. दिनकर, रवि, आदित्य।
सेइकप, सं. पुं. जापानका दूसरा उपद्वीप।
सेतुबन्ध, सं. पुं. तीर्थ विशेष, जो पुल हनूमानजीने बनाया कि रामजीकी सेना लङ्कामें उतरे।
सेन, सं. स्त्री. फ्रान्सकी और नेदर्लेण्डकी एक बडी नदी।
सेराम, सं. पुं. मोलक्काके उपद्वीपोंमें एक छोटा उपद्वीप।
सेलेबेस, सं. पुं. आसियाके पाँच छः उपद्वीप जो बर्णिओ उपद्वीपसे पूर्वमें है।
सेविल, सं. पुं. स्पानियाका नगर विशेष।
सेवेर्ण, सं. स्त्री. इङ्गलण्डकी नदी विशेष।
सोफाला, सं. पुं. आफ्रिकाके पूर्व भागमें देश विशेष।
सोफिया, सं. पुं. तुरुकोंका एक प्रधान नगर।
सोम, सं. पुं. चन्द्रमा।
सोमनाथ, सं. पुं. महादेव।
सोमिसर, सं. पुं. आफ्रिकामें देश विशेष।
स्काटलण्ड, सं. पुं. इङ्गलण्ड देशका दूसरा भाग।
स्कन्द, सं. पुं. शिवजीका पुत्र, अर्थात् कार्त्तिकेय।
स्कोर्शिया, सं. पुं. आमेरिकामें देश विशेष।
स्तकहलम, सं. पुं. स्वीदेनकी राजधानी।
स्पानिया, सं. पुं. इउरोपके देशोंमें छठा देश।
स्पितजवर्गन, सं. पुं. रुषियाका एक उपद्वीप,।
स्पोरादेस, सं. पुं. तुरुक देशका चौथा उपद्वीप।
स्मर, सं. पुं. कामदेव।
स्वयम्भू, सं. पुं. ब्रह्मा।
स्वाबिया, सं. पुं. स्वितजर्लण्डसे उत्तरमें देश विशेष।
स्वितजर्लण्ड, सं. पुं. स्वाबियासे दक्षिणमें देश विशेष जो इउरोपके देशोंमें बारहवाँ है।
स्वीदेन, सं. पुं. इउरोपके देशोंमें नवाँ देश।
हङ्गेरी, सं. पुं. आस्त्रियाके अनेक राज्योंमें दूसरा राज्य।
हण्डुरास, सं. पुं. उत्तर आमेरिकामें महा खाल।
हनूमान, सं. पुं. वानर; रामजीका सेनापति।
हम्बर, सं. स्त्री. इङ्गलण्डका तीसरी नदी।
हर, सं. पुं. महादेव।
हरि, सं. पुं. विष्णु।
हरिद्वार, सं. पुं. तीर्थ विशेष।

हरियाख, सं. पुं. दिल्लीसे पश्चिम-
में देश विशेष।
हल, सं. पुं. इङ्गलण्डका नगर वि-
शेष।
हलण्ड, सं. पुं. नेदर्लेण्डके सात
मण्डलोंका सामान्य नाम।
हलधर, सं. पुं. बलराम।
हलायुध, सं. पुं. बलराम।
हस्तिनापुर, सं. पुं. प्राचीन दिह-
ली जो युधिष्ठिरकी राज-
धानी थी।
हाजीपुर, सं. पुं. ग्राम विशेष।
हानोवर, सं. पुं. जर्मणिके दूसरे
मण्डलमें प्रधान नगर।
हाम्पसीर, सं. पुं. उत्तर आमेरि-
काके उत्तर सम्मिलित मण्डलों-
मेंका एक मण्डल।
हाम्बर्ग, सं. पुं. जर्मणिमें एल्ब नदी-
तीरपर एक प्रधान नगर।
हायनान, सं. पुं. चीनके अधिकार-
में उपद्वीप विशेष।
हालिफाक्स, सं. पुं. उत्तर आमे-
रिकामें नवे स्कोसियाकी राज-
धानी।
हिडम्ब. सं. पुं. श्रीहट्टसे ठेठ पूर्वमें
देश विशेष; राक्षस विशेष।
हिन्दुस्थान, सं. पुं. प्रसिद्ध देश
जो उत्तर छः अक्षांशसे पैंतीस
उत्तर अक्षांशतक और पूर्व
द्राधिमा सतसठ अंशसे तिर
नवे अंशतक है।
हिमालय, सं. पुं. पर्वत विशेष ।
हिन्दुस्थानकी उत्तर सीमा है।
हिरण्मय, सं. पुं. ब्रह्मा।
हिरण्यगर्भ, सं. पुं. ब्रह्मा।
हिराटनगर, सं. पुं. काबुल
दक्षिणमें एक नगर।
हुरोण, सं. पुं. उत्तर आमेरिका
में ह्रद विशेष।
हृषीकेश, सं. पुं. विष्णु।
हेकला, सं. पुं. देन्मार्कके इस्लण्ड
उपद्वीपमें पर्वत विशेष।
हेग, सं. पुं. नेदर्लेण्डकी राजधानी
हेब्रिदिस, सं. पुं. स्काटलण्डका
उपद्वीप।
हेमाचल, } सं. पुं. सुमेरु पर्वत।
हेमाद्रि, }
हेम्म, सं. पुं. तुरुक देशका पर्वत
विशेष।
हेम्सेर, सं. पुं. इउरोपका पाँच-
वाँ पर्वत।
हेरम्ब, सं. पुं. गणेश।
हेस, सं. पुं. जर्मणिका तीसरा
मण्डल।
हैदराबाद, सं. पुं. सिन्धु देशकी
राजधानी; दक्षिणमें निजाम-
अलीके देशकी राजधानी।
क्षीरोद, सं. पुं. समुद्र विशेष।

शुद्धिपत्र।

पत्र	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
१	१३	अथात्	अर्थात्
३	—	सामर्थे	सामर्थ्य
५	४	शव्द	शब्द
—	३१	जा	जो
—	३२	देखवया	देखवैया
६	१०	लक्षी	लक्ष्मी
—	२०	अनवऊ	अनवूऊ
७	३१	पनः	पुनः
—	९	ह	है
८	२७	मत	मन
—	२६	अन्तज	अन्त्यज
१३	३२	उपाजन	उपार्जन
१६	१२	विशष	विशेष
१९	२७	आत्सपालक	आत्मपालक
२०	४	आधनिक	आधुनिक
—	२८	सव	सर्व
२१	२७	लकोंके	लडकोंके
२३	४	सातवा	सातवाँ
—	२६	ग	गु
—	२८	ऊअहै	ऊआ है
३१	१४	दवनागरी	देवनागरी
३३	२३	ओष्ट	ओष्ठ
—	३१	ग	गु
३४	२	ह	है
३५	५	व्याकलता	व्याकुलता
—	१५	ओध्रदेहिक	और्ध्वदेहिक
—	३१	ग	गु
३७	१०	तलसी	तुलसी

पत्र	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
३८	१३	जा	जो
—	२९	कपिल सं.	पुं. पिङ्गलवर्ण
३९	२२	रात्नि	रात्रि
४१	१	धम	धर्म्म
—	२७	का	०
—	२९	०	का
४३	९	कान्यकुब्ज	०
४५	२४	दूति	दूती
४६	१७	मूखता	मूर्खता
४७	८	कलाहल	कुलाहल
—	५	कचि	कुचि
—	८	वस्त	वस्तु
—	—	कूची	कूँची
—	१७	ग	गु
४८	१४	जा	जो
—	२८	* कृष्ण सं	पुं कालारङ्ग
४९	१५	कालाहल	कोलाहल
—	१७	खपरी	खोपरी
५५	३	वर्णोंमेका	वर्णोंमेंका
५६	२३	गन्धमादन	०
५९	९	गठली	गुठली
६०	१	गदगुदाना	गुदगुदाना
६२	८	गालक	गोलक
—	३०	पाधा	पौधा
६३	१	नवग्रहांको	नवग्रहोंको
६४	४	शव्द	शब्द
६५	५	खलनेके	खेलनेके
—	७	शव्द	शब्द

पत्र	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
६६	२७	घडचढा	घुडचढा
—	३३	ग	गु
६९	४	चढनहार	चढनेहार
७३	२४	चाहिय	चाहिये
७५	१४	रगडनेस	रगडनेसे
—	१६	मर्त्ति	मूर्त्ति
७७	३२	चमकारी	चुमकारी
७९	५	चहल	चुहल
—	२३	चलबुला	चुलबुला
—	२३	वस्त	वस्तु
—	२६	अम्र	आम्र
८१	१	चाआड	चोआड
—	१९	चाटी	चोटी
८२	१४	चाखट	चौखट
—	२९	चापाला	चौपाला
८३	२३	चाला	चौला
८३	२५	चावा	चौवा
८९	४	ग	गु
९०	७	यदवा	यद्वा
—	१७	प्रव्द	प्रब्द
९८	३	जेगिन	जोगिन
१०३	१४	गह्निना	गहना
—	२३	झांकना	झींकना
१०४	२०	छंन्द	छन्द
१०४	२	झाझा	झोझा
१०४	३३	प्रव्द	प्रब्द
१०५	१२	प्रव्द	प्रब्द
१०५	२६	कर्न	कर्ना
—	२	प्रव्द	प्रब्द
१०६	१	टवग	टवर्ग
१०६	२९	हे	है
१०८	२३	प्रव्द	प्रब्द

पत्र	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
—	२८	प्रव्द	प्रब्द
११५	१३	डुबमर्ना	डुबमार्ना
—	१६	निकालनके	निकालनेके
१२०	३	लालीहानी	लालीहोना
—	२५	तजिनी	तर्जिनी
१२१	१८	सन्निध	सन्निधि
१२३	४	प्रव्द	प्रब्द
१२४	२२	श्वत	श्वेत
—	३२	आषधि	औषधि
१२६	२८	तँतालीस	तैंतालीस
१२७	२१	वस्त	वस्तु
१३१	२	आष्ठ	ओष्ठ
१३७	१	दःखशील	दुःशील
१३८	३	ह	है
—	५	दुभाव	दुर्भाव
—	६	दषन	दुषन
—	३३	दुष्कत	दुष्कृत
१३९	३२	विष	विष्णु
१४०	११	जा	जो
१४१	७	ब्राह्मणादिक	ब्राह्मणादिके
—	१५	दिरह्नि	दिरह्नि
—	३२	अथ	अर्थ
१४३	१	माटा	मोठा
१४४	१	धर्म्माला	गु ०
१४७	१५	दुजनता	दुर्जनता
१५०	१८	दहने	दुहने
१५१	२४	विवाहम	विवाहमें
१५३	२१	माग	मार्ग
१५५	३२	कष्ठ	कुष्ठ
१६१	३१	ग	गु
१६५	३१	जा	जो
१७७	३२	आटिमे	आदिसे

पत्र	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
१७७	२	वस्त	वस्तु
१७९	१४	पानकना	पानकर्ना
१८०	१७	पत्री	पुत्री
१८४	१५	पैँचना	पहुँचना
१९१	१३	प्राणयण	प्राणपण
१९८	२	फाकड	फोकड
—	२६	ग	गु
२११	३३	गच्छा	गुच्छा
२१२	२७	वशमेंकना	वशमेंकर्ना
२१५	२४	वीय्य	वीर्य्य
२१८	१	वेगन	वगन
—	३०	शब्द	शब्द
२१९	२१	विशष	विशेष
२२०	३२	कना	कर्ना
२२२	७	मनुष्यक	मनुष्यके
—	१२	सन्दर	सुन्दर
२३०	२६	विशष	विशेष
२३१	२४	छिटाइ	छिटाई
२३७	२०	आयष्य	आयुष्य
२३८	२४	महत्तक	महत्तका
—	२५	स्त्र	स्त्री
२३९	२८	इन्द्र	•
२४४	३०	गू	गु
—	—	मदित	मुदित
२४५	२१	मुमूर्षू	मुमूर्षु
२४७	७	गू	गु
२५८	१०	आदश	आदेश
२६२	३०	वस्त	वस्तु
—	२६	कना	कर्ना
२६६	३२	वनानेक	वनानेके
२६८	२५	स्नेंह	स्नेह
२७०	३	कवाना	कर्वाना
२७१	१५	वाय	वायु
—	२५	लूकवाइ	लूकवाई
२७४	१३	लाहेसे	लोहेसे
२७५	३३	पत्र	पुत्र
—	१०	अकाशलता	अकाशलत्
२७९	१	उपस्सर्ग	उपसर्ग
२८०	३१	अश	अंश
२८१	१	भाजन	भोजन
२८२	६	विलायत	•
२८६	२	आर	और
—	२०	वमोह	व्यामोह
—	३२	व्यह	व्यूह
२८७	१२	वर्णोंमेका	वर्णोंमेंका
२८८	१	शब्द	शब्द
२९०	१५	ईच्छा	इच्छा
२९७	१	दना	देना
२९८	१	आषध	औषध
३०१	२५	कर्नेक	कर्नेके
३०३	२१	सव	सर्व
—	२६	गिनतीस	गिनतीसे
३०६	५	स्त्रीयोंके	स्त्रियोंके
३१३	२५	सन्दरता	सुन्दरता
३१६	६	सूय्य	सूर्य्य
३२०	२२	आपस	आपसे
३२३	१५	छाटा	छोटा
३२६	२८	हाथापा- इकना	हाथापा- इकर्ना
३३२	१३	विशा	विशु
—	२३	जातिस	जातिसे
३३४	७	दशका	देशका
—	२३	नद्दी	नदी
३३६	९	आर	और

पत्र	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
३४०	२४	जिनम	जिनमें
३४१	१	कालमक	०
—	३१	ह	है
३४४	१८	चतरानन	चतुरानन
—	२०	विष्ण	विष्णु
३४६	३२	ह	है
३५४	३३	वणिओ	वर्णिओ
३५५	१	वमिङ्गहाम	वर्मिङ्गहाम
३५८	३	सवस	सवसे
३५८	१३	जगतक	जगतके
३६०	३	महाना	मुहाना
—	१७	ह	है
३६१	३१	दशका	देशका
३६२	३०	राडा	रोडा
—	३२	राग	रोग
३६३	३२	वणिओ	वर्णिओ
३६४	३०	हिन्दस्थान	हिन्दुस्थान

PK1997 .A19
... A dictionary of the Hindee language
Princeton Theological Seminary–Speer Library
1 1012 00080 5574